(श्री) रणवीर प्रकाश चिकित्सा ग्रंथ – in 2 Vols.–

Edited by Pt. नीलकण्ठ – several valuable works originally in manuscript form in शारदा script of कश्मीर were transcribed in देवनागरी and published on the orders and directions of महाराजा रणवीर सिंह, the ruler of जम्मू and कश्मीर. The Unique feature of the present ~~work~~ book is that the work is verses in old Hindi. Unfortunately 2 to 4 ~~letters~~ words in about 100 pages are worm eaten but neatly repaired – pp. 807 pages in 13" x 10" size.

Jammu, 1931 Vikram era.

165

श्रीः

श्रीगणेशायनमः

श्रीरणवीरप्रकाशचिकित्साग्रंथः

श्रीमन्महाराजाधिराज जीकी आज्ञानुसार
पण्डितलोकोंने संस्कृतसें भाषाकिया
और जम्बू राजधानी विद्याविलास
नामक मुद्रा यंत्रालय मैं वख्शी
कृष्णदित्राल जीकेअधिकारसें
छपा और जम्बूवासीपंडित
नीलकंठजीनेशोध
करछपवाया





उँश्रीगणेशायनमः ॥ श्रीरघुनाथोजयति ॥ अथात्रश्रीरणवीरप्रकाशग्रंथप्रथमभागस्यसूचीपत्रम्

॥ श्रीरणवीरप्रकाश ॥

॥ प्रथमभाग ॥

इसप्रथमभागमें शारीरकसेंआदलेकरवातरोगाधिकारप्रयंतछपाहै इससेंआगे रक्तपित्तरोगसेंलेकर अर्कविधिप्रयंतदूसरेभागमेंचिकित्साछपीहै जिसकिसीको श्रीरणवीरप्रकाशका दूसराभागलेनेकीइछाहोवे सोजंम्बूराजधानीमें विद्याविलासनामयंत्रालयसेंमूललेलेवेकीमत प्रथमभागकी ४ ॥) साडेचाररुपैए



















॥ श्रीरघुनाथोजयति ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥

उँस्वस्ति श्रीगणेशाय नमोविघ्नविनाशिने गजवक्त्रैकदंताय विद्याबुद्धिप्रकाशिने ॥ दोहा ॥ गौंपती-गौरीगिरपती गुरुगणपतिगीर्देव नमोचरणयुगध्यानधर वरपाऊंजहसेव प्रथमभवानीसारदा पूजोविष्णु-महेश वंदोविघ्ननिवारयो गौरिपुत्रगणेश श्रीरघुकुलसूरजप्रभा रामचंदवलवीर युगचरननवंदनकरो जिह-होवतमतिधीर ॥ छपै ॥ श्रीशंकरशुभजटाधार शिरगंगविराजे कमलफूलत्रिशूल हाथवरडमरूसाजे नीलकं-ठफनियरफरे अंगविभूतीगाज वामभागगिरजारहे कोटीरविद्युतिलाज चर्मअंगमृगछाल भालचंदशीतल-वरन रोगहरेंआनंदकर होप्राणीशंकरसरन ॥ राजवर्णनं ॥ दोहा ॥ श्रीकिशौरसिंहहिदियो रघुवरहितवरयेह-तीनोकारणकलायुत उपजेभूपतिगेह तिहकारणनागरनवल प्रघटभयेसुरराज ब्रह्मकलायुतउदित श्रीगुला-बसिंहमहराज विष्णुकलायुतशांतिमत ध्यानसिंहवलवीर रुद्रकलायुतप्रघटयोसुचेतासिंहरणधीर तिहभूपन-केवंशमेउपजेकलानिधान राजनपतमहराजश्रीरणवीरसिंहमतिमान जौलौंसूरजचंद्रमा गगनसुमेरसुरका-ज तौलौंअटलहिमालवताचिरंजीवमहराज ॥ पुरवर्ननं ॥ दोहा ॥ सप्तद्वीपनवखंडमे भारतखंडअनूप ताम-हिपुरजंबूलसें सभदेसनकोभूप अतिश्रेष्टजंबूनगर द्विपऊजागरराज वर्ततश्रीपुरसोंअधिक इंद्रपुरीद्युतिसा-ज नामरहतजाजगतमे नामचलतहैसाथ तिहनामहिकेकारणे कृपादृष्टिरघुनाथ एकदिवसउपकारहित-हुकमदियोमतिमान पंडितश्रीजगद्धरहिको फुनिज्वाहरवैद्यसुजान ग्रंथएकअद्भुतरचो विवधाचिकित्सासार-जिहकरप्राणीलुटाहिगे रोगक्लेशसंसार हुकमपायचिंतनकियो गणपतिपूरनआश ताहिरच्योशुभनामधर श्री-रणवीरप्रकाश उन्नीसैपचीसशुभ संवतविक्रमजात ऋतवर्षासावनशुदी गुरूवारतिथिसात तादिनफुनि-उद्यमकियो वैद्यशास्त्रहितजान सकलग्रंथमतसारले भाषारचीसुजान भाषासाखासास्त्रकी श्रुतिकीस्मृति-ज्योकोय सास्त्रसंस्कृतकठिनहै भाषासुगमीहोय ॥ सोरठा ॥ रच्योग्रंथशुभआस ग्रंथसंस्कृतसारले श्रीरण-वीरप्रकाश नानाछंदप्रबंधसो ॥ दोहा ॥ आदिग्रंथमतसारले भाषारचीसह्वार जामेचूकपरे तऊलीजोवै-द्यविचार ॥ श्रीधन्वंतरदेवजो नारायणअवतार नमोचरणयुगतासके हरतयोरोगअपार जोविश्वंभरविश्व-गत विश्वरूपभगवान पांचतत्वसोध्याईए घटघटज्योइकभान संपूरणब्रह्मांडका सतचितआनंदरूप-परमात्माइछारहित कारणकरताभूप स्वयंब्रह्मकीप्रकृती मायानामअविनाश ज्योंरविछायाप्रकृति चैतन्य-रूपप्रकाश परमात्माचैतन्यहैमायाजडपहिचान सोमनमायासंगतें भ्रमतनर्तकीजान तिहमायाजगसा-जिकर नानारूपधरेय याअनित्यसंसारमहि नटवरस्वांगकरेय मायानामसुप्रकृती तिहउपजीमतिवुद्ध-ताहिवुद्धिकोशर्णहो योगीपावैसिद्ध महतत्वतिसवुद्धिको रूपस्वयंवरमान अहंकारकिउत्पती महतत्व-सेंजान अहंकारकेतीनगुण रजतमसत्वपछांन सतरजकेसंयोगतें दशइंद्रीजियजान मनकीउत्पतजा-निये सतरजजुगसंजोग वाह्याभ्यंतरइंद्रियन प्रगटकरतसवजोग प्रकृतिपुरुषसाधर्महै जुगअनादिरहिअंत

नितव्यापतइहजगतमहि प्रकृतिपुरुषजुगतंत वैद्यग्रंथकोंफलउदित मूलइलाजपछान सोइलाजमानुषउचित देहधारवरजांन चौवीतत्वजीवात्मा इहसमूहनरमान तातेंप्राणीकोउचित ज्ञानतत्वविज्ञान ज्ञानेंद्रीइहजानिये कायामोंअतिसांच जिव्हानेत्रफुननासिका कानत्वचाइहपांच अतितमसतगुणमिलतहि अहंकारयेकत्र तन्मात्राकोरूपसोंउत्पतकरैविचित्र शब्दस्पर्शरसरूपहै पंचमगंधपछान तन्मात्रायाकोकहै जोगीतत्वज्ञान तन्मात्रनसोंउत्पत्ती महाभूनइहपांच अकाशपवनअरूतेजजल पृथ्वीहोवतसांच कर्मेंद्रियपाचोकही सास्त्रकारमतजोय हाथपादअरुवाकफुनि लिंगगुदामिलसोय अकाशशब्दतेंहोतहै वायुसपर्शतेंजान अग्नतेजसोंजानवुद्ध रसतेंजलहिपछान गंधतन्मात्रसेहोतहै पृथ्वीरूपहिग्राय यहतन्मात्रासृष्ठिसव ग्रंथकारमतभाय कानशद्बअरूत्वचास्पर्श नेत्ररूपकोयोग जिव्हास्वादनासासुगंध ज्ञानेंद्रियविषयभोग कर्मेंद्रियकेविषययह वाणीवोलनसार हाथविषयसवग्रहणहै पैरविषयउपचार लिंगविषयमैथुनक्रिया गुदाविषयमलत्याग विषयरूपकेभेदयह ताहिजीवअनुराग अवप्रकृतीकेनामसुण महतत्वअहंकार पंचतन्मात्राप्रकृती यहप्रकृतीपुरुषविचार इंद्रीदशपंचभूतहीमन षोडसयाहिविकार ताहितेंजीवजुआवै सुखदुःखकोंजीयधार मनइंद्रीदशमहाभूत प्रकृतिवुध्दिअंहकार तन्मात्राकोमिलकर चौवीतत्वतनसार चौवीतत्वकोतनरच्यो जीवात्मातिहवास मनरूपीदूतहिवै कर्मशुभाशुभत्रास कायारूपीदेहको सुखदुःखआयवरेय पापपुण्यद्वयवासकर देहीनामधरेय.

॥ त्रिगुणवर्णनं ॥

तीनोगुणकेरूपइह भिन्नभिन्नतिहचीन सतगुणरूपप्रकाशहै ज्ञानजुसुखपरवीन रजगुणहैरागादिकर दुःखहेतूपहिचान तमगुण तोआवर्णगुण मोहहेतुकरमान अवत्रैगुणयुतमनुजहै ताकेगुणलषलेय ईश्वरधर्मदृढभावना समतावसहिततेय संतापहिनाहिकरतहै सत्यवचनस्थिरवुद्ध धारणशक्तिधैर्य्ययुत क्षमाज्ञानकरसुद्ध कपटवर्जनिंद्यारतिह परधनहिंसानाहि सवआगेफुनिनम्रता हितसोंधर्मकराहि इहमनधर्मप्रमानहै सतगुणकेमनमाहि अवरजगुणकेहेतुमन धर्मकहितहोचाहि निष्कारणक्रोधहिकरै परताडनमोंहेत वहुतदुःखितसुखवांछना दम्भकाममदचेत मिथ्यावोलनधीरनहिं अहंकारअभिमान आनंदचाहैवहुतमन रजगुणयाहिपछान तमसंयुक्तमनधर्मइह इश्वरधर्मविहीन एकठौरदंभहिरहै अतिआलसकरक्षीण देवगुरनमोदुष्टमन निंद्यकर्ममोप्रीत नितचितलगेजुस्वप्नमो मनआज्ञानाहिजीत क्रोधअंधइवमूढता मनमोरहेमलीन तमगुणयुक्तमनधर्मइह जानलेहुपरवीन चैतनआत्मारामको कामक्रोधफुनलोभ मोहवुद्धिहंकारयुत फासअज्ञानकरक्षोभ आत्मज्ञानजुहोतनर फासकाटमतयुक्त संसारहिवंधनछुटे अंतहोयसो[illegible] इतिशारीरेसृष्ठिस्थितिप्रथम:प्रकार:

॥ षट्रसवर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ षटरसकोअहारसुन भक्षभोज्यचर्व्यलेह चोष्यपेयकरहोतहै षटरसइसविधतेह ॥ दोहा ॥ मधुरअम्लअरुलवणहि कटुककशैलाजोय अवरतिक्तजगभाखहे षट्रसजानोसोय भक्ष्यभक्तकोकहितहै भोज्यसु-

लड्डूआद चिडवेचर्व्यसुलेह्यक:डी पेयदूधइत्याद चोष्यआम्रमनुषचरै प्राणवायहृदचाहि आमाशयमोपा-
यकर नाभिऊर्धलेयाहि क्लेदननामाकफहिमिल मधुरताहिकरहोय पाचकनामाअग्निजो नाभिस्थानगतसो-
य समानवायुभखवायकर आमाशयलुपकाय पुनअहारसोपाककर फेनभावहोजाय ज्योंकरदेगचआंच-
धर उछलफेनवरहोय त्योंकरअन्नसुउदरमहि फेनभावसंजोय जेकरप्राणजुवायातिस कुक्षीऊर्धउटाय पाच-
कपित्तगर्भितिसै पहुचैनहिकचभाय ताहुतेषद्टापडै अन्नउदरमोजान फुनसमानजोवायुहै नाभिस्थानप-
छान सोवायुअन्नचायकर ग्रहणीमोपहुचाय आमाशपक्वाशयमध्यमेसोग्रहणीहैभाय पाचकआधारपित्त-
सोनाभिसमानविचार छठीकलावैद्यसुकहै ग्रहणीनामसुधार ग्रहणीअन्नअहारपक्व पित्तजुग्रहणीमाहि
तिहकौडारसामिलनकर अतिकौडाहोयजाहि विशेषहारपाकहिकहो पंचभूतात्मकदेह पंचअन्नपंचभूतमोंर
हितजानकरलेह पांचभूतआहारमिल अग्निपांचसोंजान पाचकअग्निप्रभावकर अग्नीकोप्रजुलान सोअहा
रमोपांचभूत अग्नीकोप्रजुलात अपनेअपनेगुणनकोंअन्नपाचकरजात याप्रकारसेंगुणहिको सोअग्नीनित-
क्षेम आठपहिरचौसठघडी अन्नपकावतनेम भक्ष्यकमधुरालवणजो सोमीठाहोजाय अमलअमलही-
रहितहै तीक्ष्णकटुकखाय तिनकोरसतिहठौरमो कौडाहोतअवश्य इहरसविधपाचनविषें जानलेहुम-
तिपश्य जाविधअन्नजुपाकहै तेरसतत्वस्वजान शेषरहितग्रहणीविषै सोमलद्रवहिजुमान मलद्रवका-
जोभागजल सिरामार्गचलवस्ति मूत्ररूपमलजाहुकी विष्टारूपसमस्ति अपानवायुप्रेरितकरै लिंगभ-
गद्वारनिकार सोयिवायुफुनमलहिको काडतहैगुदद्वार पुनसोरसजोउदितहै समानवायुतिहचाय धम-
नीमारगउछलकै हृदमारगमोल्याय देहधाररससंगमिल व्यानवायुतिहचोय सोसवधातूपुष्टकर ज्योंक्षेतर-
जलजोय सवधातुमलभागकर स्थुलभागकरमान सुक्ष्मभागकेरूपजोसोअंवआगेजान स्थुलभागइस्थितर-
हैसुक्ष्मभागचलधातु मलभागशरीरारंभक धातुमलहोजात जिहविधिआग्निप्रत्यक्षकर इक्षुरसपकताजान ता-
हिशरीरारंभरस अग्निपाककरमान पंचदिवसअरुरात्रफुन डेडघडीतकजान सत्तधातुमोठहरता पक्वरससार-
पछान इक्षुरसज्योंपकनकर मलतिहऊपरआहि त्योंकररसधातुविषे कफमलरूपसुचाहि सोकफप्राणजुवा-
युकर प्रेरितधमनीराहि क्लेदननामेकफहिको पुष्टकरैसोजाहि पाछेसारअहाररस जुगभागहितिहहोत स्थूल-
मूषमदुइकारणे तांकेवर्णोजोत स्थुलसुक्ष्मद्वयसुक्ष्मजो शरीराधाररसपुष्ट व्यानवायुतिसप्रेरकरि धमनीमारगइष्ट
उदराग्नीसंतापकर हरगुणपुष्ठकरेय स्थुलभागप्राणहिमरुत धमनीमारगनेय शरीराधारजुअन्नरस निकटयकृत-
होजाय रंजकनामापित्तकर रक्तहोयमनभाय तिहमलवात समानले धमनीनाडीराहि शरीरारंभकपित्तको जाय-
पुष्ठकरवाहि साररसहितिहरक्तके दोहीभागहोजाय स्थुलसुक्ष्मकरहोतहैं इहयुगभागदिखाय सुक्ष्मभागशरी-
रारंभकपोषणलहुकराहि व्यानवायुधमनीगती रक्तदेहपहुचाहि स्थुलभागइहविधकरै सिरामार्गकरक्षेम शरि-
रारंभकमासमो [illegible]तारहेसुनेम अग्नीमांसपकायकर जोमलनिकलेसोय व्यानवायुप्रेरिततिसै कर्णआयमलहो-
य पुनसाराहिरसताहिको दोहिभागहोजात सुक्ष्ममांसकोपुष्ठकर स्थूलभागयहभात वायुव्यानप्रेरितकरै उदर-
जुमेदस्थान जायअग्निपाकाजुमल तिहपर्साहोयजान सोअतिशीतलहोयकर उदितनाडठहरात जवसोय-
कायअग्नीतपै प्रेरितव्यानसुवात नाडीद्वाररोमकूपकर वाहरआवतसोय जिव्हादांतकछुलींगमल मेदजम-
लतेहोय सारभूतरसताहिको जुगभागहीसोमान सुक्ष्मभागसोउदरमे पोषणमेदसुजान व्यानवायुप्रेरिततिसे
श्रोतमार्गकरजाहि सूक्ष्महाडोंसारमे मेदजुइस्थितताहि स्थूलभागप्रेरितकरै व्यानवायुधमनाडि सिरा-
मार्गशरिरारंभक हाडितिनोमेंवाडि हाडअग्निमलपाककर तिहमलव्यानसुचाहि शिरामार्गअंगुलीनमो

आयजुनखप्रघटाहि रोमकूपरोमहिवरे सारभुतरसभाग स्थूलभागव्यानहिपवन श्रोत्रमार्गकरलाग अस्थिउदितमध्यजायकर अस्थिकायवलदाय सूक्ष्मभागव्यानाहिमरुत वडेअस्थिमोजाय मिझअन्नम-लपाकजो सिरामार्गकरसोय नेत्रनमोसोआयकर नेत्रमैलसोहोय औरत्वचाकोसनेहकर सारभुतजु-गभाग सूक्ष्मभागमिंजहिवरे स्थूलव्यानकरलाग धमनीसिरासुमार्गकर कायाशुक्रमोजाय शरिरारंभ-कशुक्रमिल शुक्रअन्नसुपकाय पुनमलताकोनहिरहै ज्योंकंचनस्फटकसहार निर्मलशुद्धस्वरूपवर होवतताहिविचार फुनसारभुतरससेषजो दोइभागहोजाय सूक्ष्मभागतिहतेजहै लक्षणताकेगाय सभ-शरीरमांस्थिररहै स्निग्धशीतसुविचार स्थिरअरुश्वेतफुनपुष्टकर चंद्रदेवतासार भाराकोमलस्वादरस सांद्रप्रस-न्नमलभाज्य चिपचिपाटसूक्ष्मरहै अष्टविंदुकरसाज्य नीलपीतरंगअल्पहै औसोताहिनिहार कर्मकथनताकों-कहै तेजरूपनिरधार सप्तधातुसाररहै हृदयमाहितिहवास सर्वशरीरव्यापीरहै देहस्थितकाभास याहिअधि-कतादेहिजव प्रसन्नपुष्टवलहोय घटतयेहिजवकायमो नाशरूपकरसोय जीवयाहिमोरहतहै फुनउत्तमइह-कार तीक्ष्णबुद्धिफुनधैर्य्यधर तेजसकोमलधार स्थुलभागइहिमासप्रति स्त्रीनरहितवरभाय पुरुषशुक्रस्त्रीरु-धिरसो होतदेहचितचाय इस्त्रीजोनिशुभरुधिरहै नरशुद्धवीर्य्यमिलान दोनोसंगममिलनकर जोनिगर्भप्रमा-न गर्भस्थानजबवासकर शुक्रश्रोणितकीधार एकदिवसरलमिल्लरहै वीरजरुधिरविकार पंचरात्रसमरूपध-र वुदवुदकारतिहहोइ दसदिनमोगोलाबनै रक्तमांसमिलसोइ पक्षमात्रसोगोलहोय पैठरुधिरकोचित्र दि-नपचीसवीततजवै अंकुरपंचपवित्र मासवितितेप्रगटव्है पांचोस्थानअनूप सिरग्रीवास्कंधसोउदरहै पृष्ठभा-गसमरूप दोमासनमोहोततिह पंचअनूपस्थान हाथपैरपसलीतथा कटिजानूयहमान संधीजोइनअंगमो सोहोवतत्रैमास संपूर्णअंगुलक्रिया वनतचतुर्थकमास पांचमासमोपाचहीप्रगटहोतसुनताहि नाकनेत्रअरु-कर्णनख पंक्तीदंतसमवाहि छठेमासमोहोतहै छिद्रकानअरुनास नाभिछिद्रजिहआसरे गुदइंद्रीयशुभतास सातहिमोसिरप्रगटव्है रोमभ्रुवानखसोध आठहिसंपुष्टदेहवर वलवीरजसंवोध नवमेमासमोहोततिस वोध-चैतन्यसंभार माताजोखावेपीवे नाभिनाडतिहहार नवदसभीतरहोतहै गर्भस्थाननिकार भगद्वारावाहरतऊ-प्रगटकरतहंकार जेकरवीरजअधिकहै ताहिपुत्रपहिचांन रुधिरअधिकतवनारहै ग्रंथकारमतमांन वीरजरु-धिरसमानजव तवविहंडुलाहोय पूर्वशुभाशुभकर्मले तनधारीजगजोय इतिशरीरउत्पत्तीबालवर्णनं द्वितीय प्रकारः

॥ अथमानुषकेदेहमो जोवस्तूहै उन्कावर्णन. ॥

॥ दोहरा ॥ मानुषकीकायाकहों जोवस्तुतिहमाहि वातपित्तकफधातफुनि उपधातुजोताहि उत्पत्तीऔल-यकारण आदिसोयनिर्लेप यथाअर्थविधताहिको प्रगटकहोंसंक्षेप याशरीरमानसवसे एतेवस्तुसुहात कला-सातआशयरहै सातधातउपधात सातोधातनकेमलय सातत्वचाफुनसात दोषतीनअरुमांसभेद अस्थीमज्जा-ख्यात दोसौदसअस्थीरहै मर्मस्थानशतसात रवैसातसौधम्मनी चौवीनाडीज्ञात मांसहीपीडीपांचसो स्त्रीको-पंजसौवीस षोडशनाडीकायमोंव्यापकविश्वेवीस मानुषकेयाकायमो दसोद्वारनौछेद इस्त्रीकेरंध्रविचारिए विशेषतीनदशभेद.

॥ अथत्रिदोषवर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ वायुपित्तकफदोषत्रै मलभीजानप्रमाण पांचप्रकारकोरूपवर भिन्नस्थानसुजाण.

॥ प्रथमपवनस्वरूपं ॥

॥ दोहरा ॥ तांमोपवनअतिहीवली जोकारकअन्नविभाग नसैद्वारवर्ततरहै रसइंद्रीसमभाग पित्तकफहिपिंगुलदऊ वातशरीरवलकार रसादिककोजुविभागकर पहुचावतरससार रजगुणमारुतसूक्ष्मवहु सीतलरूक्ष्यहलकास आश्रयमलकेरहतसो पांचकोष्टघरवास मलनाभीहृदवासतिह कंठस्थानसुजान सर्वदेहव्यापकरहै पवनजानवलवान अपानगुदामेवसतहै नाभीस्थानसमान प्राणहृदेपहचानिए कंठस्थानउदान व्यानसुसर्वशरीरमही व्यापकदेहमंझार ताहीतेंप्रगटतरहै सुखदुखइहसंसार.

॥ अथपित्तस्वरूपं ॥

॥ दोहरा ॥ पित्तगर्मपतलाअधिक सतगुणमयकटुवाही दग्धरूपकरहोतहै खटारूपस्वभाही पांचस्थानमोरहतसो अग्न्याशयाहितवास तिलप्रमाणतिहथानमो अन्नपचावनस्वास त्वचामध्ययहकांतिकरनेत्रनदृष्टकराय यकृतमोयहवासकर सबरसरुधिरदिखाय हृदैवासकरकरतहै वुद्धिदीरघविशाल तांतेपित्तउत्तमकहैं वुधजनरूपदयाल नामपांचतिहपित्तके पाचकभ्राजकजान रंजकआलोचककहैं साधकपांचप्रमान

॥ अथकफस्वरूपं ॥

॥ दोहरा ॥ कफचिकनापिछलअधिक तमगुणरूपस्वभाय दग्धहोइखारारहै आमाशयमोजाय मस्तककंठहृदसंधिउर पांचस्थानहैतास तहांरहतइहगुणकरै थिरताकोमलपास क्लेदनश्लेहश्लेष्मनर मनअवलंवनतिहनम श्वायअर्थतिहजानिये नसैरूपजिहकाम तीनवस्तुइहकायमो जवलगसमतामाहि तवलगप्राणीस्वछव्है रहैचैनमतिजाहि इतिशारीरेत्रिदोषस्वरूपवर्णनं तृतीयप्रकारः.

॥ अथउत्पतिकारणानिरूपणं ॥

आहारऔरपरिपाकसव गर्भस्त्रीउत्पत्त बालककेपोषणादिसब वर्णनकरोंहितमत्त भोजनादिजोकरतहै हृदयप्राणआधार पवनजुप्रेरितप्रथमतिह आमाशयमोडार प्रातहोयजबउदरमहि षटरसकोआहार मधुरपनेकेफेनवर भावप्राप्तिकरसार तवअन्नपचनप्रभावपित्त कलुकअम्लमतहोइ पाछेतिहआहारको पवनप्रेरिकरसोई नाभीमोछटग्रहणकी कलामोप्राप्तसार तवआहारकोछठीकला ग्रहणीअग्निमंझार तवकौडाहोजातहै अग्निभेदपरकार कोष्टअन्नकीआंचकर पचिरसताहिविचार जोअछापाकेनही काचभावहोयआम अग्निप्रज्वलितजोपकै मधुरस्निग्धरसनाम तबवहिरसहोयचीकनो भलेप्रकारपकजाय सोरसनाडीउछलकर

धातूपुष्टकराय तबबहुरसअमृतकला देहीबलआरोग्य रसस्निग्धफुनचीकनो आनंदउरसौभोग्य मंदअग्नि-करदग्धरस सोकटुउदरमंझार वाररससोषद्दापडै सोरसविषहिविचार इनविकारकरसोइरस रोगरूपकोभाव ताहीतेरससारहै देहीमाहिस्वभाव नाभिसमानजुपवनहै सोइहृदयमोजाय पित्तरूपकरअग्नसो परपक्करू-पहोजाय पवनप्रभावयादेहमो जोकरहैसंचार सोरिगजोदेहमो रसपहुचावनहार जोउत्तमअर्कसुखिचै सोदायकवलवीर मध्यभागतिहअर्कको लहूमांसगंभीर अधोभागतिहजलहिको मूत्रपुरीषमोडार फोग-रहैजोअन्नको काडतहैगुदद्वार फुनहिसारतिहरसाहिको नाभिपवनसोचाय हृदयमाहिप्रापतकरै पित्तकर-पचनकराय पाचनकरसोलालहो सोरसरुधिरप्रभाव प्राणउत्तमआधारसो रुधिरपैष्टमनभाव मधुरसोइवल-वानहै पित्तदग्धजिहजाय एकधातुअधचारदिनहि प्रगटहोतनरसाय स्त्रीकोएकहिमासमो इस्त्रीभावरज-होत तवइस्त्रीनरसंगकर उत्पत्तक्रियाउद्योत.

॥ अथसातधातूवर्ननं ॥

॥ दोहरा ॥ सातधातवर्णनकरों ग्रंथसकलपरमांन रसरुधिरमेदमांसअरू अस्थिमिंजबलजान पितते-जकरधातसत मांसवीर्य्यप्रगटाय पांचोपांचोदिनाहिमो धातूभिन्नदिखाय.

॥ अथउपधातूवर्ननं ॥

॥ दोहा ॥ अवउपधातूकहतहों शास्त्रमाहिजोसात जिव्हादांतगलमैलजो रसधातूउपधात वातकफ-अरूपित्तत्रै रूधिरउपधातविचार कानोमैलपछानिये मांसउपधातजियधार छातिमैलजोउछलै मेदउपधा-तुपछान वीसनखोंकोंकहतहैं अस्थीकोउपधात नेत्रमैलजोश्रवतहै मिंजउपधाततिहजान मुखउज्जल-तनकांतिजो उपधातूशुक्रप्रमान अन्यप्रकारसातधातूवर्ननं स्त्रीकेदोधातूआधिक स्तनदुग्धत्रीयभाय स्त्रीकेभा-वखिनभंगुरे जैसेआवहिजाय शुद्धमांस सेउत्पतजुहै घृतवसासोयधात अर्कपसीनातीसरा दांतमुखहिजिह-भातकेशसर्वकायारहै सीतलबलहितकार निर्मलताचीकनवरै पुष्टधातवरसार

॥ अथसातत्वचावर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ ऊपरत्वचअवभासिनी स्निग्धविभूतिस्थान दूसरिलालजानामहै तिलउत्पत्तप्रमान तीजी-स्वेतजानामहै चर्मदलहिकोरोग चौथीताम्रसुवर्णहै स्वेतकुष्टजिहजोग पंचमवेदनानाम तामोसर्वउपाध छटीतुचाजोरोहिणी गंउमालमिरजाद सप्तत्वचास्थूलाकहै विद्रधिरहैजिहमाहि इहसातहितुचजानिये कायामेप्रगटाहि इतिशारीरकेसातप्रमाणदेहवर्णननामचतुर्थोप्रकारः ॥ ४ ॥

॥ अथसातआशय ॥

॥ दोहरा ॥ आशयसातवर्ननकरों भावप्रकाशअनुसार प्रथमहृदयआशयलहो कफहिकोघरधार दूजो-

घरनीचेहृदय आमस्थानप्रमाण तीजोऊपरनाभिके वांईऔरसुजाण अग्रस्थानसुजानिये जहांपचतआहार अग्रहिऊपरनाभिथल वातस्थानविचार पवनसुनीचेपेटमें मलस्थानसोपांच ताहिपरकछुरहतहै वस्तीमूत्र-हिसांच हृदयऊपरकछुजीवका रहतरुधरकोस्थान संपूर्णस्त्रीवापुरूषकेआशयएकसमान स्त्रीकेआशयत्रै-अधिक गर्भस्थानस्तनदोय आशयसातवर्ननकिए ग्रंथकारमतहोय.

॥ अथकलास्वरूपवर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ धातऔरआशयजहां मध्यझिलीपरमांन ताहीमोंसभवलरहै कलारूपतिहजान सातरूप-हैताहिको मनअरूहृदयजुलेय मासरुधिरअरुमेदमध्य चौथोझिल्लीसुतेय औरतिलीकेबीचमें झिल्लीकला-सुपांच छटीआतौंकेवीचमें उदरअग्निधरसांच वीर्य्यधारणकलाइक जिहकरपुरुषपुरुषार्थ इहसाततहिक-लदेहमो ताहीजानसमर्थ.

॥ अथकायानिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ मानुषाकेदेहीविषैं सातोसाातदिखाय जाहीतेइास्थितरहैं सोईकहोंमनभाय हाडजुमर्म-स्थानफुन नसांधम्मनीनाडि मांसपीडीअरकंडुरा रसरंध्रहिसतकांडि.

॥ अथहाडोंकास्वरूप ॥

॥ दोहरा ॥ कायामाहिजुअस्थिहैं जिनकरदेहखरेह सारताहिकोजानकर विनअस्थीनहिकेह.

॥ मर्मस्थानस्वरूप ॥

॥ दोहरा ॥ जीवअधारसुजानिये मर्मस्थानविचार जोसवअंगनमेलकर हावभावमोसार.

॥ अथनसोंकास्वरूप ॥

॥ दोहा ॥ नसैदोइइनमोउदित वायुपित्तकफकार सातोधातूकोंवरै नसैवहनकरधार.

॥ अथधमनीनाडीस्वरूप ॥

॥दोहरा ॥ धमनीनाडीरसभरी वहैसर्वकेकाय पवनदेवताकोवरे कायारूपस्वभाय.

॥ अथमांसपींडीस्वरूप ॥

॥ दोहा ॥ मांसपिंडकायावरै सारजानतनधार इहनरमांससरूपहै ईश्वरनामअधार.

॥ अथकंडुरास्वरूप ॥

॥ दोहरा ॥ सबहीनसमोउदितनस कंडुरानामशुभाय षोउशकलायुतअंगको प्रसरसंकोचदिखाय-

॥ अथदसरंध्रोंकास्वरूप ॥

॥ दोहा ॥ नासानेत्रकानननविषै लिंगगुदामुखजान दसवांमस्तकँकेविषे रंध्रसूक्ष्मनरमान स्त्रिकेतीनोंअ-धिकहैं दोस्तनगर्भस्थान इहहैछेदप्रमाणवुध कायशरीरमहिजान याशरीरमोरोमदुइ सूक्ष्मअनंततिहछेद नाभिनिकटवायेतरफ दोफुफुसरहैनिषेद उदानवायुआधारजो ताहिफुफुसमनलेय प्लीहनामऔराहितिली

ताहिनिकटवरसेय नाभिस्थानकेदाहने यकृतरुधिरबहुनाडि ताहिमूलव्हैहिजुफिया ऐसेउचितसुनाडि रंजकनामापित्तहै ताकोस्थानप्रमाण तिहमोरकस्थानहै सोयकृतमनजाण नाभीवायेभागमें श्रामाशयमाहिपरंत जोतिलहैसोजानिए जलवाहननसवंत सोतिलतांकोढाककर श्रंतरजलहिवहंत कुक्षमाहिदोगोलहै तिन्हकोवृक्ककहंत सोदोनोमिलजठरको मेदापुष्टकरंत वृषणजुपोतावीर्य्यको नसलेनेविचरंत ताहिश्रधारसुजानिये पुरुषारथचलमान लिंगगर्भदेनेउचित वीर्य्यमूत्रघरजान हृदयमनचित्तबुद्धिइह श्रहंकारकास्थान नाभिस्थानसभइंद्रियन धमनीसारप्रमाण सभकायामेंफिररही नाभिगंभीरनसभाय नाभिवायुधातूमिलत सबशरीरबलदाय नाभिपवनहृदयकमलमो जायस्पर्शकरदेय सोवाहिरहोकंठते विष्णुपदांमृतपेयनासिकद्वारास्वधापीय फुनमारुतश्राकाश श्रमृतपानकरनासामुखहि उदरजायपरकाश फिरसंपूर्णदेहको जीवजठरबलदेहि प्राणपवनहृदजोगकर श्रायुर्बललखलेहि समापायइनदुहनको योगदूरहोजोय ताहीकोमृतयुगकहैं मरणनामहैसोय यासंसारश्रसारमो श्रमरजीवनहिकोय जोजन्मैसोमृत्युवस श्रमरनामप्रभुहोय रोगनिवारणकारणे वैद्यचिकित्साकार मानसचित्तविचारकर श्रौषधरोगनिवार जोसोनरपथ्यनहिकरै जाप्यहोयसोरोग तिहकरसाध्यश्रसाध्यकर निश्चैमृत्युकजोग चतुरवैद्यसोजानिये कायवचायहितलाय धर्मश्रर्थश्ररुकामकर कर्ममोक्षमतभाय जोमानुषकोहिंसहै सोसभहिंसकजान रक्षाकरैयुकायकोसोसभरक्षकमान सातोधातुश्रवरमल वातपित्तकफजान सबसमरहितजुकायमो तनपुष्टकरतहितमान जवसोनरकोंघटवढै कुपितहैायतनमाहि तबनाशनगेदेहको निश्चैजानोताहि तातेप्राणीउचितहै रामनाममुखसार प्रतिश्वासभवमोक्षहै ताहिजीवउद्धार ॥ इतिश्रीरणवीरप्रकाशेशारीरके शृष्टस्थितिकलादि त्रिदोषस्वरूपदेहविचार कायानिरूपणं देहातिसारवर्णनंनामप्रथमश्रधिकारः. ॥ १ ॥

श्रथान्यप्रकारधातूकथनं

॥ चौपै ॥ सातोधातुदेहमंझार दोषतीनमतसुश्रुतधार स्तंभहोतघरभीतरजैसें धातुमांनदेहमेतैसे प्रथमधातु रसनामकहावे कयलूसनाममतफारसगावे भोजनजातजठरकेमाही रसविपाककर उपजतताही तींनहजार पंदरांजोई कलप्रमांनबीतेरसहोई गिर्दजठरनाडवहुजानो हृदेजातउनद्वारामानो रससुभावइंदूवतहोई पतला स्निग्धसर्दसमसोई हृदयगत प्राणनामजोवायु रसबलदायकवृद्धिश्रायु चौवीनाडहृदेगतजानो दसोऊर्धदसनीचेमांनो दोदोदक्षणवांमविचार इनद्वारारसदेहमंझार सिंचतज्यो जलपल्लवधावे तैसेंरसनाडीगतजावे हृदाप्रसंनजाहुतेहोई श्रधिकहोएफुनित्यागतसोई ताकरतिलोकलेजेधावे रसकरतनबलवृद्धीपावे जाप्रकारहिंदीमतहोई युनानिभेदश्रौरसुनसोई ॥ दोहा ॥ प्रथमहोतरसजठरमेताहिकलेजेधाय कयमूसनामधरदेहमेनाडीद्वारपुजाय ॥ चौपै ॥ रुधिरधातसुनदूसरजोई खूननाममतफारससोई सोरसतिलोकलेजेश्रावे मिलेपित्ततवरुधिरदिखावे तीनहजारपंदराजोई वीतेकलारुधिरतवहोई सोफुनिरुधिरदेहमेधावे पसरतवलकांतिप्रघटावे जेकरश्रधिकवातजवहोई रुधिरंगलालिपरसोई श्रतीश्रधिकजववातदिखावे रुधिररंगकालाप्रवटावे श्रधिकपित्तजवहीलखपाय हरेश्रारंगरुधिरप्रघटाय श्रतीश्रधिकपित्तलखपावे जलेरंगवतश्यांमदिखावे रुधिरगंधऐसीतवहोई मखीश्रादनसेवेकोई श्रधिकहोतकफऐसामांनो गुलाबीरंगरुधिरकाजांनो तीनहजारपंदरांजो ई वीतेकलामेदतवहोई चौथीधातमेदतनजांनो उत्पतहोतमांसतेमांनो तीनहजारपंदरांजोई

वीतेकलाअ्रस्थितवहोई अ्रस्थीधातपांचमीकहिए उत्पतहोतमेदतेलहिए तीनहजारपंदरांजोई वीतेकला-
मिंझतवहोई छेमीधातमिंझतनजांनो उत्पतहोतअ्रस्थितेमांनो तींनहजारपंदराजोई वीतेकलावीर्यतवहोई
वीरजवातसातमीकहिए उत्पत्तीक्रमतनमेंलहिए पुरषनारक्रमएकोहोई वीरजरुधिरअ्रार्तवीसोई भोजनजठ-
रवीचजवअ्रावे क्रमकरसातोधातदिखावे भोजनअ्रादजठरकेमांही दिवसतीसलगवीरजतांही ज्योवीरजत्यों-
अ्रार्तवमांन पुरुषनारक्रमभेदपछान अ्रवअ्रागेमलनिश्चाहोई धातूदोषहोततनसोई.

॥ अ्रथमलवर्णनं ॥

॥ दोहा ॥ परसाहैमलमेदकाचमकमिंझमलहोय कर्णनेत्रमलहोतहैजांनमांसमलसोय अ्रस्थीमलनखवा-
लहैजाप्रकारमलमांन वीरजकीमलनाकहीअ्रागेदोषविधान.

॥ अ्रथदोषवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ तीनदोषतनमाहिविचारो वातपित्तकफनिश्चाधारो इनमेवातप्रवलतापावे जोतनसातोधात
हिलावे सभकाप्रेरकवातविचारो ताकरवातअ्रादमनधारो पित्तप्रघटदुर्गंधील्यावे उवाललेतशिरगरमीधावे
तौफुनिगरमीभीतरजाय चित्तसक्तितिसदूरहटाय चित्तशक्तिहूकावलवात त्यागततुचामाहिविख्यात जेकरता-
हिजतननाहोई तौफुनिअ्रौरजोडमेसोई वातदोषतुमरोगपछानो समतागतीजहातहांमानो रुधिरसंगजव-
वातविचारो सर्दखुष्कफुनिकृष्णानिहारो जेकरवातसंगकफहोई अ्रसलसुभावदूरकरसोई ताकरसर्दखुष्कक-
फजांनो गैरतवीकफकोपपछानो जेकरवातापित्तसंगहोई गैरतवीपैंतककहुसोई वलीवातसभहूपैंजांनो च-
र्चावहुतग्रंथमतमांनो अ्रवसुभाववर्ननसुनसोई वातपित्तकफवर्ततजोई वातसीतअ्ररुरूक्षपछांनो हलकास-
कलदेहगतमांनो सूखमताकरदृष्टनअ्रावे सरदीसंगसर्दहोजावे गरमीसंगगर्मकहुसोई तरीसंगतरनिश्चेहोई-
खुष्कीसंगखुष्कतुमजांनो हर्कतसकलवातगतमांनो छीकझमानीखांसीअ्रावे रोदनधावनवातदिखावे उछ-
लनवोलनभारउठाय जाप्रकारसभवातदिखाय वायूदोप्रकारकीकहीए सनातनवातवाह्यइकलहिए वातस-
नातनलक्षनऐसा शुश्रुतग्रंथअ्रादिमतजैसा रूक्षकेशासिगरेप्रघटावे मंदमतीपरलापदिखावे दयाहीनाजिन्हा-
अ्रटकाय अ्रतीक्रोधतनदुर्वलभाय टूटतकांशपांत्रज्योंसोई वोलततैसेंक्षुधानहोई एकांतस्थानमनअ्राधिकलगा-
वे रागरंगहांसीचितचावे खट्टागर्मसलूनाहोई मीठाअ्रादमांनाहितसोई इस्त्रीसंगप्रीतनाहिराखे व्यत्तयकार्यइंद्रि-
अ्राभाखे परांधीनजिन्हावसनाही स्वप्नवीचअ्रतिवातादिखाही अ्रथवापर्वतवृक्षदिखावे स्कंधमांसउचालख-
पावे गोलनेत्रअ्र छोटेहोई रूक्षधूसरे मांनोसोई वातसनातनलक्षनजांनो अ्रागेवातअ्रारजीमांनो ऊपरवा-
तअ्रारजीसोई लक्षनअ्रादलिखे सभहोई अ्रौरमूत्रविटछीकपछांनो हिडकीवमनअ्रवासीजांनो रोकतअ्र-
धोवातमिलसोई क्षुधावंतानिंद्रानाहिहोई भूमाऊपरसयनसुखावे सहारतवरषामैथुनभावे प्रातकालजलपांनसुखा-
य मदिरापांनअ्रधिकमनभाय वातउत्पत्तीलक्षणजांनो सोजासकलजोडपरमांनो सिथलतावातगंठिअ्राजै-
सें परसारहैपीडतनतैसें भयानकअ्रातिचिंतामनमाही धफडसकलजोडपरताही षटेदांतकंपतनताको खु-
ष्कीफर्कतदेहीजाको भारीकर्णतुचाफटजावे कर्णवीचकलुपीडादिखावे हृदेजलनसंभ्रममनमाही स्वप्नवी-
चभयदेखतताही अ्रथवाकृष्णरंगलखपावे क्षुधानासनिद्रानाहिअ्रावे जेकरवातदेहकेमांहीं गरमीसरदीकिंच-

तताही जेकरवातरुधिरगतजांनो जहांवातउतपीडामांनो गरमीप्रघटलाललखपावे भोजनकरेअफाराधावे पडतछालकेखुष्कीहोई दुर्बलदेहक्षीनअतिसोई जेकरवातमांसगतजांने ग्रंथीपडेपीडकछुमांने सिथलताहोए चुवकलखपावे जैसेंसूई चुवकदिखावे सघनमांसग्रंथीवतसोई मानोमालांसूत्रपरोई जेकरवातअस्थिगतजांनो लक्षनश्वेतजंघपरमांनो उरूसंधिमेंचुवकदिखावे अस्थिवीचचुवकलखपावे जेकरवातमिंझगतसोई निद्रानासदीर्घदुखहोई चुवकहोतअस्थीकेमाहीं जहांमिंझपीडालखताहीं जेकरवातवीर्यगतहोई वीर्यपातताहीछिनसोई अथवाभीतरवीर्यरुकावे अथवारुधिरवीर्यसंगआवे रसगतवातहोतजवजाको करेयक्ष्मफुनिपीडाताको जेकरवातपेटअतिधावे वातोदरकरपेटफुलावे जहांतहांसोजहोततनमाहीं करपदखैंचतपीडाताहिंगर्भाशयवीचवातजवजांनो गर्भपातताहीछिनमांनो अथवागर्भवीचरुकजावे अथवामूढगर्भप्रघटावे-जेकरवातजठरगतजांनोखांसीकोतादमीपछांनो वैठतकंठतृषाअतिहोई वमनहोतचिंतातुरसोई नाभीऊर्धरोगजोजांनो सोसभवातकोपकरमांनो करपदवीचवातप्रघटावे अजीरनहोतवातवलपावे वातजठरनाडीकेमांहीं सहायकपित्तमिलेउतथाहीं अथवाकफघरजावतसोई छातीस्थांनभुजागतहोई जेकरवातकर्णवलपावे वधिराकेरपीडप्रघटावे जेकरवातजीभगतहोई जिव्हास्थूलअटपटीसोई जेकरवातनासिकाधावे सुगंधीदूरपीडप्रघटावे जेकरवातनेत्रगतहोई पाढाकेरदृष्टिहरसोई लक्षनप्रघटवातकाजांनो पीडाफिरेचुवकसंगमांनो जेकरवातरुधिरकफहोई फूटतजोडपीडकरसोई फूटतओष्टक्षुधाहटजावे वैठतठुडीखुष्कीधावे जेकरवातसंगकफमांनो सोजासकलजोडपरजांनो कांपतजोडपीडप्रघटाय रूक्षकाष्टवतजोडदिखाय हर्कतसकलदूरकरसोई रहेतापखेदातुरहोईजेकरवातपित्तसंगजांनो फुनसीप्रघटपीत्ततनमांनो जेकरवातरुधिरसंगहोईनाडीलालऊर्धगतसोई मुखअरुजोडहोततवऐसें लालीकुम्सरंगपरजैसें सभकायतनएकसमहोई रुधरीयतनभिन्नसुनसोई वासलीककारुधिरछुडावे औरयतनकररुधिरहटावे एकवातवादीकहुसोई वजउलमुफसलअर्वीहोई फारसवादहफतअंदांम वातदोषवहुविधकेनाम प्रथमवातभीतरजवजावे पित्तश्लेष्मपरपीडदिखावे वहविधनामवातकेऐसें रींगडवातगंठिआजैसें कमरपृष्टपीडातनमाहीं वहुविधरोगवातउपजाहीं.

॥ अथवातवर्णनं ॥

॥दोहा ॥ मुख्यपांचविधवातहै इकइकषोडसजांन जाप्रकारअस्सीकहे वातग्रंथपरिमांन प्राणउदानसमानहै अपांनव्यानपरमांन पांचोनामकहे यथाभिन्नभिन्नगुणजान ॥ चौपै ॥ प्राणनामजोवायूहोई हृदयकंठगतमांनोसोई बुद्धीस्मृतीदृष्टिवलदेवे छीकथूकनिंगलतसुखसेवे उदांननामजोवायूकहिए छातीकंठनासिकालहिए सकलउपायकार्यमेधावे चिंतकवाणीबोलसुखावे समानतीसरीवायू जांनो छातीनाभीजठरपछांनो खांनपांनरक्षामनलावे मलहूंतेरसजुदाकरावे अपांनवातचौथीमनधारो गुदालिंगकटिपादविचारो आर्तववीरजगर्भकहावे मलमूत्रादिकवाहिरल्यावे पंचमव्याननामकहुसोई मुख्यहृदयसिगरेतनहोई हिलावतनेत्रपलकसोजांनो शस्त्रक्रियादिककर्मपछांनो षटऋतुभेदवातगतजैसें अवअगेवर्ननसुनतैसें ग्रीषमजेष्टअषाढकहावे प्रतिदिनवायुवृद्धीपावे श्रावणभाद्रोवरषाहोई वातकोपतनपसरतसोई असूंकार्तिकसर्दकहावे वातकोपहानीकरधावे विनापित्तजिगरीकेनाहीं इनदिनकोपवातकाताहीं उत्पत्तीकारणसुनिएसोई वातकोपजाकारणहोई गर्मखुष्कवस्तुजगजांनो वातकोपकाकारणमांनो तरअरुगर्मवस्तुजोहो-

ईवातकोपदूरीकरसोई वातदोषहोवेतवजांनो निजनिजस्थांनभेदजवमांनो मुख्यस्थांनवायूहितजोई आगेभेदसुनोअवसोई नीचेजठरकमरगतमांनो वृषणदोईअरुकर्णपछांनो अस्थीतुचानाडकेमांही असीभेदवातइनथांही.

॥ अथवातहरऔषधवर्णनं ॥

चौपै सकलवातहरऔषधजोई आगेलिखाभेदसुनसोई असगंधभडिंगीहिंगूजांनो रहसनअंमलतासपछांनो पाषानभेदपाडलहितहोई प्रसारनीवाविडंगहितसोई पतूनीवालविल्वहितजांन दोकंडेआरीअरनीमांन जढएरनअरुकौंचपछांनो साजजहिंदीथोहरमांनो काष्टनाजतौवंदःसोई तीनतूचोकजुआंइनहोई जऊखारविडलूणकहावे इटसिटानिंवूकिंवसुखावे सुंठीजीराश्वेतपछांनो जढजमालगोटेकीमांनो तिंतडीकसालूनीहोई चित्रातज्जकांएफलसोई भखडाककडसिंगीजांनो काकैनीमाषैनीमांनो अनौलनामजोमहदीहोई मुंडीवाब्रीअतिहितसोई सीसासांभरलूणकहावे त्रिफलामेथीवातहटावे हीनकूतरीलाचीजांनो तालीसपत्रमघसौंफपछांनो नारदयनगजपिपलजोई पिपलामूलमर्चहितसोई पुरातनगुडअजमोदाजांनो केशरकणकलौंगहितमांनो गुगलएरणतैलसुखावे कटूतैलकस्तूरीभावे धनिआंवीजकौडहितहोई अगरथोंमहितजांनोसोई सकलवातहरऔषधजांने लखसुभावसेवेसुखमांने फकीअथवाचूरणसेवे वंधनमर्दनहुकनालेवे गोलीगोघृतमेलवनावे करेयतनदुखवातहटावे अवसंजोगीऔषधजांनो आगेलिखीग्रंथमतमांनो वछ्रुजुआंइनमघांमंगावे मर्चपिपलामूलरलावे काष्टनाजदौसौंफमिलाय सीसालूणचित्तरापाय वाविडंगसमऔषधल्यावे साडेत्रैत्रैमासेपावे सुंठीकंदविधारालीजें साडेत्रैत्रैतोलेदीजें हरडडूडतोलासंगजांनो पुराणागुडसततोलेमांनो गोलीमासेपांचवंधावे तप्तनीरसंगप्रतिदिनखावे जोडवातवाकरपदहोई रींगडवातआदहरसोई गुदापीडकफदूरहटावे सकलवातकाखेदमिटावे वाविडंगाहिंगूमंगवावे धनिआंगजपिपलसंगपावे पादःजीराश्वेतमंगाय मघसुंठीचोकचित्तरापाय वरेआमर्चभडिंगील्यावे सर्षपकौडभागसमपावें सभतेदूनात्रिफलापाय सभसमांनगुगुलमंगवाय करइकत्रघृतमेलकुटावे गोलीमासेतीनवंधावे प्रतिदिनएकमधूयुतखाय सकलभेदकावातहटाय त्वचापीडसुखपीडाजावे प्रमेहदूरवलवीर्यवधावे संग्रहणीववासीरहटजाय सेवनकरदुखदूरहटाय सीसालूणचोकमंगवावे वाविडंगअजुआंइनपावे हिंगुमेलवरावरलीजें अंवलकिंवभावनादीजें सातभावनादेवेकोई फूनिरसभखडालीजोसोई सातभावनाताकीदेवे तौफुनि. रसआद्रककालेवे सातभावनाताकीदीजे फुनित्रैलचनेऊोकीलीजे एकभावनाताकीदेय फुनिपीसगोलीकरलेय गोलीमासे[illegible]नवंध.वे प्रतिदिनगर्मनीरसंगखावे कांजीछाछकिंवरसहोई अनुपांनलखसेवेकोई सकलभेदकावातहटावे वात[illegible]सिछातीकाजावे अरुचीदूरकंठदुखखोई आगेतैलसुनोअवसोई असगंधभलावातैलसुखावे सर्षपतैलतिलोंकाभावे सतावरतैलभखडाजोई प्रसारनीगजप्रसारनीसोई गर्मतैलकरमर्दनकीजें वातरोगनिश्चेहरलीजें अथवाऔरऔषधीपावे तैलपकायमलेदुखजावे गर्मतैलजलवैठेकोई अथवाहुकनाकरसुखहोई अववुटनेकीविधीवखांनो मर्दनकरदुखदूरपछांनो अगरतोलिआकुठमंगावे छडअसगंधकस्तूरील्यावे जरंवादहलदीमंगवाय दारुहर्दलसंगरलाय आटामसरताहिसंगपावे करइकत्रवुटनावनवावे निर्वातस्थानमर्दनकरवाय सकलभेदकावातहटाय निर्धूमअग्नसुखदायकसेवे रूंईआदपश्मतनलेवे स्ना-

नगर्मजलसेवनभावे करेपथ्यदुखवातहटावे मांसरसाचनेओकाभाय कणकगावघृतपथ्यसुखाय कुलथीमाषचिरोंजीभावे तितरमांसकेरलेखावे कोमलसागसतावरहोई ककोडासागसौंफाहितसोई दधीछाछगोकीमनभावे किंवखटाईपिस्ताखावे कंडेग्रारीफलवदांमाहितजांनो दाखवतांऊमूलीमांनो अखरोटनेउजाआद्रकहोई छिलकेविनमुंगीहितसोई पुरातनतंडुलाखिचडीखावे कूपनीरहितवातहटावे जाप्रकारसभपथ्यविचारोत्रागेत्रौरकुपथ्यनिहारो दिवासयनजागेनिशिमाहीं शीतलजलमदिराहितनाहीं वातिकनरमैथुननहिभावे चनेकणकमीठानाहिखावे सावतमुंगीमटरजोहोई मसरआदघृतकचासोई सकलवातपरसिक्षागावे पथ्यापथ्यविचारसुखावे आगेवास्तववातपछांनो ऊनवातकाललक्षणमांनो वातऊनतनसिथलादिखावे टुटतजोडवोलनहिभावे प्रतिदिनकफकीवृद्वीजांनो वुद्धिमंदचिंतातुरमांनो जहांवातकफतहांविचारो कफहरऔषधनिश्चेधारो.

॥ अथान्यमते कफवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ आदवातकफदूसरजांनो आगेलक्षणकफकेमांनो कफसुभावसरदीतरहोई लेसदारकोमलहैसोई हर्कतसकलएकनाभावे करेसिथलकफलक्षणगावे अवलक्षणकफजाकोहोई धीरगंभीरविचारतसोई भरामांसतनमोटाभावे अरथीसकलदृष्टनहिआवे सीतलतनभोजनरुचिनांही कार्यखेदलखधीरजताहीं गोघृतरंगहोततनतैसें अथवाकंचनरोपनजैसें छातिमस्तकचौडाजांनो कृष्णकेशतनास्निग्धपछांनो निर्मलनेत्रताहुकेहोई नेत्रकोणलालीपरसोई मैथुनसमेहोतवलवांन अधिकतरीरसवीरजमांन अधिकपुत्रकंन्याकमहोई स्वछसुभावक्रोधाविनसोई मित्रवंधुलखआनंदपावे आयूअधिकनींदमनभावे मातपितागुरुसेवाजाने लज्जावांनज्ञानमनआने वाणीभारीसाफदिखावे कौडीतीक्षणचीजसुखावे गर्मखुष्कभोजनमनभाय लघुभोजनअतिकवहुनखाय गुणीआपगुणसभकाजांने रोदनअधिकनाहिमनआने वागवृक्षस्वपनेमेदेखे हरेघासकुसमावलिपेखे कफीपुरुषकरडातनजांनो भारीकंठसीसमनआंनो कोतादमीकासतिसहोई खाजनेत्रमुखनासिकसोई अधिकनासिकानीरचलावे खाजजोडपरसोजदिखावे सायंकालप्रातवलहोई कफलक्षणऐसातनसोई.

॥ कफहरऔषधवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ आगेकफहरऔषधगावे सकलग्रंथमतखेदहटावे गिलोपतीसगोरोपनहोई चिरायतानिंवखैरहितसोई वालाश्वेतधमाहपछांनो हलदीदारुहर्दलमांनो कांफलश्वेतपापडाजोई [illegible]ष्टनाजपाडलहितसोई मुंडीवीजकसौंडीजांनो वथूनीलूणवावचीमांनो सेवतीपाडलरेंगणजोई मैनफलनागदौनहितसोई ककोडात्रिफलामहदीजांन अनौलत्रिवीपुटकंडामांन जढजमालगोटेकीजांनो त्रायमानविडलूणपछांनो मालकंडुनीलाचीजोई अजुआंइनसुंठीअतिहितहोई किकरसौंफसारिवाजांनो असगंधसौंफसज्जिहितमांनो जउखाराहिंगूमनभावे धनिआंकेशरनागसुखावे त्त्जतमालपत्रहितहोई तालीसपत्रसितजीरासोई थोमचोकगजापिप्पलभावे चित्रापिप्पलमूलसुखावे अंमलतासवकमजोहोई वह्रुजुआंइनअतिहितसोई अगरसिलारसमुंगपछांनो सुपारीमुस्थरआद्रकमांनो कवावचीनीजलपत्रीहोई मघांमचंहालमहितसोई

चंदनजैफललौंगपछांन कुलंजनककडासिंगीमान मस्तकीकुठभडिंगीजानो पुष्करमूलवतीरामांनो ताम्र-भस्मलौंअतिसुखदाई कफहरऔषधसभीसुनाई आगेऔषधजोगविचारो कफकरदूरसत्यमनधारो आद्र-कसुंठीमघांमंगावे चिरायताहलदीमर्चमिलावे लेसमऔषधपीसवनाय दुवेकाफुनिपित्ताल्याय ताकेवीच-सातदिनसोई संपुटकराखेजवकोई फुनिसुकायचूरनवनवावे अंगुलसेंतालूपरलावे मलेजीभकफवाहि-रआय निश्चेकफकृतदोषहटाय जरदीसकलदेहकीजावे कृष्णकेशकरसुखउपजावे कांफलपुष्करमूलमंगाय भडिंगीककडासिंगीपाय मघमिलायसमभागपिसावे चूरनप्रातमधूयुतखावे मासेतींननिताप्रतिखाय निश्चे-कफकृतदोषहटाय अथवावमनकरेकफजावे गरारेकरदुखदूरहटावे निंबूरससुंठीमघलीजें आद्रकलूणाहिं गुसंगदीजें इनकेजलसोंकरेगरारे निश्चेकफकृतदोषानिवारे गर्मनीरकरताहिपिलावे गर्मरेतकरजोडासिकावे-अतिमैथुनहितजागेसोई अतीखेदचिंताहितहोई पुरातनमदिराअतिहितजांन खुष्काभोजनकफहरमांन कंडेआरीवीजमघांमंगवावे सुंठीमेलवरावरल्यावे पीसनासिकापावेसोई निश्चेकफदुखवाहिरहोई लूणफ-डकडीमघांमंगावे पलासवीजअरुछिलकाल्यावे पीसगर्मजलनासिकपाय सिथलताकफमूर्छाहटजाय सरीहवीजमनसिलामंगावे लूणफडकडीसंगरलावे लेसमगूत्रपायपिसवाय अंजनकरकफदोषहटाय तापवीचमूर्छाप्रघटावे अंजनदूरकरेसुखपावे. त्रिफलात्रिकुटाद्यारमंगाय वीजमीचकालूणरलाय लेसम-औषधखर्लकरावे तुलसीनीरपायपिसवावे मूर्छासंनिपाततपमांहि अंजनकरकफनासेतांहि तोलात्रिकु-टालूणमंगावे आद्रकरसत्रैतोलेपावे गरारेकरकफदूरहटाय कछुपीवेकछुनासिकपाय पाओएकसिरका-मंगवावे आद्रकरसत्रैतोलेपावे राईसुंठीपीसमिलाय मासेतीनतीनसमल्याय पादभारपरवैठेसोई गरारे-करकफवाहिरहोई मुखपसारवैठेदुखजावे छातीकंठसीससुखपावे चमकतनेत्रशुद्धहोजाय क्षुधाप्रवलक-फदोषहटाय मुंगीरसफुलकामनभावे कुलथीमांसजांगलीखावे आद्रकनिंवूथोंमपछांनो मधूसौंफमेथी-हितमांनो तोरीसागवतांऊखावें कफहरपथ्यदेखवलभावे आगेकफकुपथ्यसुनसोई जाकारनकफवृद्धि-होई दधीदूधसीतलसोजांनो वासीसीतलभोजनमांनो दिवासयनमूलीहितनाहीं मिसरीलौंमीठातजताहीं अतीस्निग्धचिकनाजोहोई कफीपुरुषत्यागेसुखसोई असलीकफदेहीकेमांहीं घटजावेसुनलक्षणताहीं कफस्थानसूकेसभजांनो धूंमतशिरआलसवहुमांनो सिथलजोडसिगरेतनहोई आगेऔषधसुनिएसोई तरअरुगर्मचीजहितजांनो जैसेंगावदूधघृतमांनो अनूपदेसकेजीवविचारे उनकामांसकफीमनधारे मिठे-आईचिकनवस्तुनरखाय मालसघृतअतिनिद्राभाय पांचभेदकफहूंकेजांनो तिनमेलंवकनामपछांनो छाति-स्थानजाहुकाहोई रहेसदावलदायकसोई दूसरकफकलीदकरकहिए जठरस्थानजाहुकालहिए कौडीस्थान-जठरमुखजांनो उवाललेतदुर्गंधीमांनो खांनपांननीचेकरसोई रहेसदावलदायकहोई वोधकनामतीसरीजांनो जिव्हास्थांनानिवा[illegible]छांनो सकलस्वादकाकारणसोई जाप्रकारइकनिश्चाहोई औरवैद्यमतऐसाजांनो वात-स्वादकाकारनमा[illegible] चौथीकफतिर्यककहुसोई निवासस्थानसीसमेहोई जासोंजलनेत्रनतेंआवे जाप्रकार तिर्यकगुणगावे श्लेष्मकानामपांचमीकहिए निवासस्थानजोडसभलहिए दृढकरकोमलरक्षाधारे जाप्रका-रकफगेहविचारे विनारोगदेहीजवहोई पांचभेदकफनिश्चलसोई जवविगाडतनमाहिविचारेस्थानछोडकफ-पसरतसारे कफउछालदेहीजवजांनो परस्परदोषविरोधीमांनो करेयतननिश्चामनमाहीं विनावमनऔषधहित-नाहीं अथवाप्रतिदिनमधूखुलावे धीरजकरकफनिश्चलथावे शिशरवसंतदोइऋतजांनो कफउछालतनअ-धिकपछांनो ग्रीखमऋतसंधीजवहोई कफउछालतननिश्चलसोई कफकरऔषधभोजनजांनो आगेलिखा-

ग्रंथमतमांनो तरअरुसर्दवस्तुजोहोई कफकरभोजनमांनोसोई कफपैदाकरनिश्चलराखे इतनाभेदसर्दतरभावे तरअरुगर्मवस्तुजोहोई कफकरदेहपसारतसोई गर्मखुष्कवस्तुजोजांनो घटावतकफनिश्चामनआंनो.

॥ अथपित्तवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ जाप्रकारकफतनमेंहोई आगेपित्तभेदसुनसोई पित्तदोषतीसरपहचांनो सफरानामफारसीमांनो पित्तसुभावगर्मतरहोई पतलासूषमतीक्षणसोई गरमीतनअगनीवतजांनो सकलपित्तकाकारणमांनो अगनीजठरपित्तकरसोई वाग्भटकहेरुधिरमलहोई कईवैद्यऐसामतमांने रुधिरपित्तसमभेदनजांने पित्तगर्मतरसूषमहोई रुधिरगर्मतरभारासोई किताबकफायाभेददिखावे चर्चाअधिकतहांमनभावे क्रोधसुगंधी-प्रीतीजोई रतीआदवलपित्तजसोई आगेलक्षणकारणजांनो जिनकरपित्तअधिकतनमांनो धनीतेजचंचलमतिहोई सीघ्रकार्यकरक्रोधीसोई सीघ्रश्वासमैथुननहिभावे उदारखेदकरकार्यदिखावे निर्मलवस्तुसुगंधीभाय सरणागतरक्षामनलाय होएखेदचिंतामननाहीं अग्नीतेजक्षुधाप्रगटाहीं खट्टामीठाकौडाभावे सर्वतसीतलनीरसुखावे परसाअधिकहोततनमाहीं दुरगंधीचलेदेहतेताहीं कणकरंगवतजोडलखावे मुखपरछाईदाघदिखावे पीलेकेशलालकछुजांनो वृद्धापनसीघ्रदेहकृशमांनो अतीधूपवामदिरापांन लालनेत्रताहींछिनजांन स्वप्नवीचपुष्पांकुरदेखे पलासवृक्षवाअग्नीपेखे विजलीनिकटासिंहलखपाय मर्कटविल्लीव्याघ्रदिखाय.

॥ अथपित्तहरऔषधवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ आगेऔषधकोशविचारे प्रवलपित्ततनखेदनिवारे चिरायतानिंवकौडहितहोई वालविल्वपितपापडसोई हलदीपांनसेवतीजांनो पादःपाडलमूलीमांनो तोरीमिठीसौफसुखावे त्रिफलात्रायमानमनभावे इलाचीचंदनस्वेतसुखाय कपूरवचंजढमैंदीभाय कंदूरीकत्थवावचीभावे गुलावपुष्पकमिश्रांचितचावे कंगुणीजढजढकिकरभाय खव्वलजढगूलरसुखदाय मुलठीनागरमोथाजांनो नारदयनवांसामनआनो दूधछुहारामिशरीहोई मखनआदगावघृतसोई अंगूरफालसाअतिहितजांनो सकलपित्तहरऔषधमांनो गोलीचूरनक्वाथवनावे सेवऔषधीपित्तहटावे चाहेसीघ्रदूरकरकोई विनरेचकहितऔरनहोई जेकरदेरसंगनिकसावे ताहिगावघृतअधिकसुखावे सीतलऔषधचंदनजोई गुलावकपूरसुगंधीसोई अतरसुगंधीवस्त्रवनाय पुष्पमालहितरागसुखाय प्रथमपहरसुखरातविचारे वैठचांदनीपित्तनिवारे सवजीवागहैादम[illegible]भावे सुंदरतिरिआप्रेमदिखावे वालखेलवंधूमनधारे सकलपित्तहरयतनविचारे जेकरअधिकपित्ततनजांने [illegible]धिरनिकालसीघ्रसुखमांने त्रिवीदाखत्रिफलासमल्यावे गोलीमासेपांचवंधावे प्रतिदिनसीतलजलकेसंग सेवनकरेपित्तरुजभंगदाखपुष्पकमिश्रांमंगवावे दुधकलमिठीलाचील्यावे ककडसिंगीकत्थरलाय नूतनऔषधपीसवनाय मोतीभस्मकपूरमिलावे लेसमचंदननीरपिसावे गोलीमासेतीनवंधाय सेवनकरेपित्तदुखजाय सुर्षवादाआदयक्ष्मतनहोई पित्तविकारहरेसुखसोई जऊकणकचावलमनभावे मुंगीगोघृतमखनखावे दूधनीरसीतलहितजानो चंदनश्वेतकपूरपछांनो दुधकलमिठीअतिहितहोई कंदूरीसागचुलाईसोई इत्यादिकपथ्यपित्तहितजांनो आगेपि-

त्तविरोधीमांने तीक्षणगर्मवस्तुजोहोई दधीतैलतिलहितनहिसोई खारीखट्टासोनहिभावे वतांऊषट्टीछाछन-खावे गर्मतैलसिरकानाहिभाय आद्रकथोंमधूपनहिभाय वस्त्रलालकालेनहिलावे अतीस्वेदव्यायांमनभावे ती-क्षणसर्द वस्तुजोहोई अतीपित्तपैदाकरसोई तीक्षणगर्मवस्तुजोजांनो पसारतपित्तदेहमेमांनो सर्दपित्तकोदूरह-टावे जाप्रकारतनपित्तदिखावे पैदापित्तवर्षऋतहोई सर्दऋतूतनपसरतसोई ऋतहिमंतसिगराहटजावे जाप्र-कारऋतुपित्तदिखावे असलीपित्तहोततनमांही ऊनअधिकसुनलक्षणताही घटेपित्ततवक्षुधाहटावे सीतल-जोडतेजतनजावे तिक्षणगर्मखुष्कहितहोई पांचभेदआगेसुनसोई आमासयपाचकपित्तपछांनो भेदचारपर-वलवतमांनो पकावतखांनपांनतनसोई रेचकपित्तदूसराहोई आमासयमुखकौडीजांनो रहेतहांरसवृद्धीमांनो विचा रकवुद्धीउघमहोई सावकपित्तहृदयगतसोई तीसरपित्तरंगवतजांनो आलोचकचौथानेत्रपछानो वराजकपित्तपांचमाकहिए त्वचागतपित्तपांचतनलहिए.

॥ अथऊनाधिक सातधातूवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ सातोधातूतनगतजांनो आगेलक्षणजतनपछांनो ऊनअधिकधातूतनहोई स्थांनत्यागदुखदा-यकसोई रुधिरऊनतनमाहिविचारो सुस्तजोडतनखुष्कनिहारो षट्टीसर्दवस्तुरुचिआछे करपदश्वेतस्नानकेपा-छे रुधिरआधिकलक्षणसुनसोई करपदलालउलटगतहोई ऊनरुधिरपरयतनविचारो कफहरऔषधकोशसह्मारे रुधिरवृद्धिकरऔषधजोई भस्मफुलादगर्मतरकोई गंधकआमलसारसुखावे निर्मलरुधिरसीघ्रतनल्यावे जे-कररुधिरअधिकतनजांने रुधिरछुडायसीघ्रसुखमांने अवरसधातदूसरोकहिए ऊनअधिकलक्षणतनलहिए ऊनहोएरसलक्षणजांनो सूकतकंठजीभमुखमांनो आमासयनिर्वलवलपहुंचावे करेपथ्यरसवृद्धीपावे अ-धिकहोएरसलक्षणजांनो श्वेतहोएतनसीतलमांनो सिथलजोडखांसीप्रगटावे कोतादमीनींदवहुल्यावे निं-वूरसहिंगूसंगलीजें गरारेआद्रकरसयुतकीजें सुंठीलौंगक्वाथकरपांन होवेरसवृद्धीकीहांन मासेदसतरुंजर-सल्यावे छेमासेजीराल्रूणमिलावे चूरणगर्मनीरसंगखाय रसवृद्धीदूरपथ्यमनभाय अधिकमांसलक्षणसुनसोई वडापेटमुखगिरदाहोइ गिलटीतालुजिव्हाजांनो भुजापृष्ठअतिमांसपछांनो सरीरअधिकमोटाहोजावे अधिकपित्तकायतनसुखावे ऊनमांसलक्षणसुनसोई सिथलइंद्रिआंताछिनहोई ग्रीवाकर्णमसूडेजांनो पिं-नीआदषुष्कसभमांनो नीचेउतरकनपटीआवे श्वेतरंगलक्षणप्रघटावे कफवृद्धीकायतनसुखाय मांसजी-वपक्षीकाखाय. चरवीअधिकहोततनमांहीं मांसवधेकालक्षणताही तंगश्वासनिर्वलतापावे कफहरऔ-षधफाकाभावे मघीरनीरप्रतिदिनकरपांन होवेअधिकमिंझकीहांन ऊनमिंझलक्षणमनधारो अधिकमांससभ-खुष्कनिहारो [illegible]रोगतनदुर्वलजांने माषमांसमीठाहितमांने भोजनकरजलपांनसुखावे कफवृद्धीकायतनक-रावे. अस्थी[illegible]चामिंझजोहोई आधिकहोएलक्षणसुनसोई नेत्रजोडसभभारेजांनो सकलअंगपरसोजप-छांनो छाल[illegible]सकलजोडपरजांन वलिष्ठअंगचिकनेपरिमांन कफहरऔषधताहिसुखावे मैथुनअधिककरे-सुखपावे [illegible]स्थीगतमिंझऊनजवहोई घिरेसीसदृष्टीकमसोई छिद्रहोतअस्थीकेमाहीं कफवृद्धीकरऔषध-ताहीं दूध[illegible]ांसमीठाघृतजांने सेवनकरअस्थीसुखमांने वीरजअधिकहोतहैजवहीं रुचिहोतमैथुनपरतवहिं जेकरमैथुननाहिविचारे मूत्रासयरोगपत्थरीधारे ऊनवीरजकालक्षणजांनो वीर्यपातचिरकालपछांनो अथ-वाथोडावीरजआवे वीर्जस्थानवारुधिरचलावे वृषणउपस्थजलनप्रगटाय चुवकहोएतनसिथलदिखाय क-

फवृद्धीकायतनकरावे ताकरवीरजवृद्धीपावे ओजनामवलहूंकाजांनो सप्तधातुकातत्वपछांनो छातीस्थान-जाहुकाहोई लालरंगकछुपीलासोई निर्मलचिकनास्निग्धविचारो वलहुंकावलओजसह्मारो जवसुभाव-गतफर्कदिखावे निरवलतनचिंताप्रगटावे सकलजोडनिरवलप्रगटाय खुषकीतनवलवीरजजाय जवतन-ओजनष्टहोजावे तवजीवनअत्तिकठिनदिखावे खांनपांनतजानिद्रानाहीं अतिचिंताअतिभयमनमाहीं अतिफाकाअतिमैथुनकीजें ओजनष्टइनकारणलीजें मीठास्निग्धमासरसखावे निर्मलहलकाभोजनपावे भयचिंतादिकक्रोधनधारे इनकारणकरओजविचारे.

॥ अथवातपीत्तकफस्थानकथनं ॥

॥ चौपै ॥ वातपित्तकफतनमेचीन्है मुख्यस्थांनपाछेलिखदीने कथुकभेदआगेसुनसोई नाभीस्थांनवातकाहोई पादअंगुलीतकपहचांनो आमाशयस्थांनपित्तकामांनो पित्तेवीचआंदरांभावे छातिकफकास्थांनदिखावे अथवासिरग्रीवाकेमांही कफअरुपित्तरहितथिरतांही रहेस्थानपरआपनजावे मिलेवाततवआगेधावेजहांवातइनकोलेजाय तहांपित्तकफकोपदिखाय वातवेगकाकारनजांनो भोजनअधिकअजीरनमांनो वासीअंनयथाजलपांन दुरगंधितभारीरूक्षपछांन इनकरवातकोपतनहोई कफअरुपित्तचलावेसोई अथवा-धूंमजठरकोधावे सोभिकफअरुपित्तचलावे अथवाअधिकसुआरीहोई गजअरुअश्वदुडावतकोई अतीखेंद-करदेहहिलावे वातपितकफस्थांनछुडावे सातोधातुतनमेजांनो स्थिरतानिजनिजस्थानपछानो वातवेगकरप-सरतसारे नातरथिरतादेहमझारे धातूपसरस्थानतजधावे ताकरतनमेरोगदिखावे विनावातपसरततननाहीं प-सरकोपतनदोषदिखाहीं धातूसकलदोषथिरहोई विनावातपसरतनहिकोई रसअन्नादिकजठरदिखावे ताक-रवातकोपतनधावे धातुदोषहिलावतसोई ताकररोगनेकविधहोई निश्वेदोषतींनविधजांनो वातपित्तकफत-नमेमांनो मिलेदोइद्वंदजकहुसोई संनिपाततींनोसमहोई भिनतींनमिलचारवखांने सातभेदऐसेतनजांने चतु-रवैद्यलक्षणलखपावे निश्चाकरहितजतनवनावे आदयतनपाचकीहितहोई कचादोषपकावेसोई धातूदोषमि-लेवानांही पाचकदेवाहिरकरतांही रेचकपाचकअतिहितहोई पकायदोषवाहिरकरसोई सांमविरांमनामदो-जांनो कचापकादोषपछांनो इनकापाचकगरमीहोई विनगरमीदुखदूरनकोई .

॥ अथआठभेदगरमीवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ आठभेदगरमीकेजांनो भिंनाभिंनसभनामपछानो अगनीकीगरमीइकहो[illegible] सूरजअगनी-दूसरसोई गर्मंहुआडतीसरीजांनो गरमवस्त्रकरचौथीमांनो गरमनीरपंचमकहुसोई षष्ट[illegible]रमीमारगहोई लेपादिकसप्तमपहचांनो अष्टमक्वाथादिकमनमांनो आठभेदगर्मीतनहोई सकलदोषवाहिर[illegible]रसोई.

॥ अथपाचनौषधवर्णनं ॥

आगेपाचनऔषधजांनो करेयतनदुखदूरपछांनो सुंठपिप्पलामूलमंगावे चोकनामजढमचंकहावे चित्राम-घहरीडसंगहोई कौडवछ्रअजुआंइनसोई मुत्थरवाविडंगमंगवाय त्रिविसौंफमिठीसंगपाय छिलकानिं-

वइंद्रजऊोश्रांनो वहारात्रायमानसंगठांनो सातूरीचंदनश्वेतमिलावे गोमाघारताहिसंगपावे इत्यादिकसभपांचनजांनो इनसेंजोहितसोमनश्रांनो सुभावतुल्यगुणदायकजोई गोलीचूरनसेवेसोई श्रथवाकाथवनायपिलावे पाचनश्रौषधदोषहटावे दिवसतीनश्रथवादिनसात सेवनकरेदोषामिटजात. जवतकदोषपकेश्राजावे तवतकश्रौषधसेवनभावे दोप्रकारविधऐसीहोई पकायदोषविधपाछेसोई तहलीलनामकरसोइकहावे विरांमदोषलगसेवनभावे गोलीचूरनकाथवनाय सेवनकरेदोषमिटजाय दूसरभेदसुनोश्रवसोई ऊपरयतनकरेसुखहोई मरदनगरमहुश्राडलगावे श्रतिनिद्राश्रतिमारगभावे श्रथवाऊपरलेपकराय विरांमदोषनिश्चेपकजाय देषेछिद्रचुडाईहोई लंवाईहोतिरजककहुसोई तहलीलविधीताहीछिनकरिए सुकायदोषनिश्चेकरहरिए जेकरदेरताहुमेजांने तौफुनियतनश्रौरविधमांने जेकरछिद्रयथारथहोई ऊनाधिकहोवेनहिसोई ताहियतनऐसामनभावे उपायकरेभीतरपहुचावे श्रौषधकरेउदरपहुचाय श्रामाशयमुखपासपुजाय तौफुनिवमनविरेचनठांने जाप्रकारदुखवाहिरश्रांने श्रामाशयमुखऊपरहोई वमनसंगकरवाहिरसोई नीचेजठरहोतहैजवहीं रेचनदेवाहिरकरतवहीं जेकरसीसकंठकेमांहीं गरारेकरवाहिरकरताहीं जेकरवीचश्रांदरांजांने हुकनादेकरबाहिरश्रांने दुष्टदोषलक्षणजवहोई फोडाकुष्टरसौलीसोई फुलवहरीश्रादगंजदरसावे सोजातापदुष्टप्रघटावे ताहियतनजाहीविधकीजें भीतरवाहिरश्रौषधदीजें मुहछ्लश्रौषधनासिकपावे रेचकदाफयनामसुखावे मुनजजातपाचनकहुसोई यथाजोगवर्तेसुखहोई प्रथमश्रौषधीदोषसुकावे मुहछ्लकरतनखेदहटावे दूसरदोषपकावेसोई कचादोषनश्रौषधकोई वमनविरेचनसमाविचारे कररक्षातनरोगनिवारे पकायदोषवाहिरकरसोई कचादोषनछेडेकोई जेकरदुष्टदोषतनमाहीं रुधिरश्रादधातुगतताहीं ताहियतनऐसामनधारे निराहारव्रतकरदुखटारे कछुकदोषतनऊनदिखावे पाचनदेतनमाहिसुकावे श्रथवारेचकयतनकराय यथाजोगलखश्रौषधखाय फाकेश्रधिकनदेवेकोई श्रतिफाकेकरश्रतिदुखहोई ताकरवमनविरेचनदेवे पाचनहुकनाहितलखसेवे दुष्टदोषलखदूरनिकारे जाप्रकारविधयतनविचारे श्रतिलंघनकरदेहघटावे रोगीमरेदोषनहिजावे श्रेष्टवाग्भटमतीविचारे देखवलावललंघनधारे फुनिपाचनदेदोषहृठावे श्रथवारेचककाथपिलावे धातूगतहोवेवानाहीं दुष्टतापदूरीकरताहीं.

॥ श्रथपांचभूतोंकावर्णन ॥

॥ चौपै ॥ भूमीजलश्रगनीहैसोई वातश्रकासपांचतनहोई पांचोभूतदेहमेलहिए श्रनासरश्ररकांनफारसीकहिए ऐसेंमहाभूतमिलपांचहीं होतदेहजांनोयहसांचाहिं तामेकठिनसोभूतलजांनो योद्रावकसोईजलमांनो जोजहउ[illegible]जकहुसोई प्रघटप्राणगतवायूहोई योपुलारसोकह्योश्रकाशाहीं ऐसेंपांचभूततनवासाहिं श्रस्थिमांसनाडी[illegible]कमेदा एतेपांचमहीकेभेदा वीरजरुधिरमूतपरसेवा पांचमीलालजानजलभेवा क्षुधातृषाश्ररुकांतिक्रोया तृष्मापांचतेजगुणवोधा प्रसरसंकोचनवाणीधावन उछलनवायूश्रावनयावन जडतानींदमूकतामोहे [illegible]सरनश्रवणव्योमतेंहोहै फुनिश्रकाशतेश्रवणभयोहै वायुतत्वतेंतुचालह्योहै तेजतत्वतेंनेत्रपछांनो वारितत्वतेंरसनाजांनो नासाभूमितत्वतेंत्योही उपजीपांचइंद्रियांत्र्योंहि व्योसमव्दसोइसुनेसोकांना तुचासपर्शेपवनप्रधाना तेजरूपसोदेखतनैना रसनाजांनोरसतरसऐना पृथवीगंधपछांनतनासा ज्ञानेंद्रीजहपांचप्रकासा ऐसेंपांचभूततनजांनो लक्षनभिनश्रौरमतमांनो भूतभूतगतलीनदिखावे श्रागेभेदयथारथगावे

भूमीवीचलीनजलजांनो जलअगनीमेलीनपछांनो अगनीलीनपवनमेहोई आकासवीचलयवायूसोई आकासवीचसिगरेगतजांनो ताकरचारोतत्वपछांनो अगनीगरमखुष्ककहुसोई फारसआतसनामाहोई नीरसरदतरसोईपछांनो आवनाममतफारसमांनो पृथवीसर्दखुष्कप्रघटावे जमींननाममतफारसगावे बायू-पृथवीजोगपछांनो सर्दखुष्कताहाकिरमांनो बादनाममतफारसकहिए चारोगुणऐसेंतनलहिए.

॥ गुणआठमाव्याख्यानरसकच्चेऔरपकेका ॥

वेरबाउनरोगोंका जोरसकच्चेतेहोताहै. ॥ चौपै ॥ दोईभेदकारसपहचांनो कच्चापक्कादोईपछांनो जठराग्निनिर्वलजवहोई अथवाऊनहोतहैसोई खांनपांनतवकच्चाराखे आमनामरसताकोभाखे आमजठरसुखकौडीजांनो विगडेतहांनिवासपछांनो तीनोदोषताहिढिगहोई विगडतएकदोषकरसोई ताकोआमनामरसकाहिए विगडतदोषनेकविधलहिए आमासयरसनीचेहोई दुष्ठहोएफुनिपक्केसोई ताकरदोषनेकविधजांनो दृष्टांतएकआगेपहचांनो जैसेंअन्नकोदराहोई सिहापडेभारयुतसोई भारीहोभूमिपरआवे पडेत्रेलतववृद्धीपावे निजगरमीकरदानाहोई सुंदरअन्नसुखावतसोई जेकरनिजगरमीनहिजांनो ताकरत्रेलसोईविषमांनो भीजतनिंमदाहोजावे जोखावेविषरूपदिखावे ऐसेंरसविगाडतनमाहीं सीघ्रयतनकरसुखउपजाही जेकरयतनकरेनहिकोई रसविगाडमारकतवहोई जैसेंरसासिरकाहितहोई फसेजठरमुखदुखकरसोई विषसमांनसोईमनधारो उत्पत्तीवहुविधरोगविचारो वातपित्तकफतीनोहोई विगाडतआंमनांमरससोई ताकरसांमनामप्रघटावे फसेवीचरगवंदकरावे धंमनीआदइंद्रिआंजांनो फसेवंदकरदुखवहुमांनो निर्वलतनभारीप्रघटावे कार्जहीनकरवातरुकावे रुंधवातनामाकहुसोई डकारअधोवायूनाहिहोई पाचकअगनीनिरवलजांनो तडफडाटका:लीअतिमांनो अतीनीरमुखउतरतसोई मलअरमूत्रशुद्धनहिकोई भोजनपरअरुचीप्रघटावे दुरवलतनवलहींनदिखावे मलअरुमूत्रनेत्रनखजानो त्वचादंदपीलेसभमांनो जेकरपीलेहोवतनाहीं ताकरकालेलालदिखाहीं पृष्ठसीसअरुजोडपछांनो अस्थीवीचपीडतनमांनो सिथलदेहअतिनिद्राआवे मुखवेस्वादतापप्रघटावे पेटनर्मसोजातनहोई वहुविधलक्षणाकरहैसोई जेकरआमदोषसंगजांनो सांमदोषतवनामपछांनो किसीधातसंगआंमविचारो धातसंबंधीनामउचारो जैसेंआमरक्तयुतहोई सामरक्तकरकहिएसोई जेकरआममांसगतजांने साममांसतवनामपछांने जेकरआमवातसंगलहिए सामवातनामाकरकहिए ऐसेंजासंगआंमविचारे तैसेंभिन्ननाममनधारे आगेलक्षणभिनविचारो सांमवातआदीमनधारो उदरसब्दतनसोजदिखावे पीडाजोडचुवकलखपावे जोडजोडप्रतिऐसाजांने मानोसूईचुवकपछांने जेकरवातअधिकतनहोई आगेलक्षणसुनिएसोई हर्कतजोडदूरतवऐसे खैंचतजोडसिकंजेजे[illegible]प्रातरातझडवादलमांहीं अतीवातअतिलक्षणताहीं कचादोषहोतहैजवहि करेयतनदुखदायकतवहि [illegible]करदोषपकेआजावे करेयतनदुखदूरहटावे जेकरआमपित्तयुतहोई सांमापित्तकरकहिएसोई सांमपि[illegible]लक्षणप्रघटावे छातीकंठजलनअतिपावे जेकरअतीपित्ततनहोई प्रघटदुरगंधीलक्षणसोई हरेआरंगझ्यांमव[illegible]नांने लक्षणदेखयतनमनआंने कदाचितसर्दऔषधीनाही सर्दगर्ममिलदेवेतांही जैसेंधनिआंसुठीजांनो तैसेंकरदुखदूरपछांनो जेकरआंमसंगकफहोई आगेलक्षणसुनिएसोई गाढाकफचिकनातवजानो तारत्तारवतटुकडेमांनो श्वेतरंगफिकीथिरहोई रुकेकंठदुरगंधीसोई अरुचीअरुडकारनहिआवे लक्षणकच्चाआंमादिखावे पकजावेतव-

उलटाहोई पांचोइंद्रीवलवतसोई श्रोतवंदसिगरेखुलजावे ऐसालक्षनकफीदिखावे जेकरवातदूरजवहोई भिनषुष्कमलनिरमलसोई उदरसब्दअरुकवजीजावे जोडचुवकदुखदूरहटावे सकलवातहरऔषधकीजें सनिगधवस्तुहितताकोदीजें आंमपित्तजवपाकदिखावे निरांमपित्तसोनामकहावे पतलीलालपीतनहिजांनो प्रवलक्षुधावलदायकमांनो तीक्षणस्वादवीर्यवहुल्यावे पाकापित्तलक्षणप्रघटावे जेकरकफानिरांमगतहोई आवतमुखजलदूरीसोई मुखसुगंधदुरगंधहटावे सामदोषउलटाप्रघटावे.

॥ गुणवर्ननअजीर्णभोजन तथा जलके फारसीवदहजमी ॥

॥ चौपे ॥ अजीरनजवतनमेंप्रघटावे वदहजमीमतफारसगावे भोजनअधिकखायनरकोई अनूपांनसेवेसुखहोई जेकरअतिनरेलफलखावे अनूपांनतवलूणसुखावे अथवाचावलमुखमेपाय चापेचूपेरससुखदाय समुद्रझगवासेवेकोई नरेलअजीरननासेंसोई खावेअंवअजीरनपावे अनूपांनगोदुग्धसुखावे सुंठीसौंचरलूणसुखाय अथवागोघृतवोझहटाय संगतरानारंगीसेवे होएअजीरनमिसरीदेवे अथवागुडसेवेसुखहोई अनूपांनाविनयतननकोई जोकौअतिवद्रीफलखावे अनूपांनजलगर्मसुखावे अतिकटहलफलसेवेकोई अनूपांनकदलीफलहोई पित्ताअंवगुलीकाल्यावे खावेपनसवोझहटजावे ताडवृक्षफलखावेकोई तंडुलमुखरसचूपेसोई अथवामर्चखायदुखजावे अनूपांनसेवेसुखपावे तुरंजखायअतिवोझदिखाय सर्करसर्षपलूणसुखाय महुआफलीफालसाखावे खावेषिरनीवोझदिखावे छुहाराअथवाखाएखजूर अनुपांनसेवेदुखदूर तरकावित्थफलवोझदिखावे गिरीनिंवफलताहिसुखावे खजूरचिरौंलीवोझदिखाय हरीडसेववामर्चसुखाय फगूडेफलअंजीरवाखावे वटपीपलफलवोजदिखावे वासीजलसीतलहितहोई अनूपांनहितऔषधसोई अंगूरछुहारामिसरीजांनो संघाडानीलोफरअतिमांनो कसेरूफलइत्यादिकखावे मुत्थरइनकावोझहटावे जामनविल्वखाएजोकोई सुंठीसेवदूरदुखहोई मौलसरीमेवाअतिखावे फलसरीहकावोझदिखावे अनुपांनजीराहितजांनो वोझदूरसुखनिश्चेमांनो वीजसारतरखीराखाय आंमलेपेठावोझदिखाय कदूंलालकुंमडाखावे खायकरकालूवोझदिखावे मीचकजढवासुंठीखाय निश्चेसकलवोजहटजाय करौंदाककडीवोझदिखावे धोवेसिरजलताहिपिलावे खावेघृतअतिवोझदिखाय जमीरीरसानिंवुसुखदाय मर्चछाछवामिठीहोई वोझहोएघृतनासेंसोई खावेमांसवोझअतिजांनो अनूपांनरसकांजीमांनो जौखारकपूरकचरीहितहोई घृतवागर्मनीरसंगसोई खावेतंडुलवोझदिखावे जउखारजलवोझहटावे खावेकनकवोझअतिहोई तक्रीराहितमांनोसोई मैदाखायवोझप्रघटावे गर्मनीरतववोझहटावे कोद्राअन्नखाएजोकोई अनूपांनापिंडालू[illegible] आटाकणकवोझप्रघटाय गरमनीरकांजीसुखदाय सक्करअथवालूनखुलावे कणकचूंनकावोझहटावे [illegible]डदूधअतिखावेकोई मिठिछाछपांनाहितहोई जाकोमदिरावोझदिखावे मधुपायजलताहिपिलावे तं[illegible]मांडखाएजोकोई वाटीरोटीमंडेहोई अजुआंइनइनकावोझहटावे अजीरनसकलभेदकाजावेअलस[illegible]लकंदुनीजांनोसठीचावलजउपछांनो वस्त्रछानातिसदधीखुलाय अनूपांनसेवेसुखपाय तैलतातिलौंकावोझदिखावे इमलीकुलथीकांजीभावे खिचडीमहिषदूधअतिखाय सीसालूंणसेवदुखजाय कपूरसुपारीकेशरजानो दारचीनीकस्तूरीमांनो वाजलपत्रीवोझदिखावे समुद्रझग्गअनुपांनसुखावे गन्नेकारसवोझदिखाय आद्रकरससेवेसुखपाय पलासखारवाताहिखुलावे रसगन्नेकावोझहटावे गावदुगधअतिसे

वेकोई अनूपांनरसमुंगीहोई वातुषदावताहुकोदीजें दुगधदोषसिगराहरलीजें अन्नउवालअधिकरससेवे मघजढफिलफिलमोय:देवे जमीरीचूंनाआद्रकहोई अनूपांनकोद्राहितसोई चनेमाषमुंगीअतिखावे मसरकडांएआंवोझदिखावे तंडुलकांजीअतिहितहोई वोझदालकानासेंसोई पकायदूधवस्तूजोखावे अनूपांनरसमुंगीभावे जवमुंगीरसजाकोदेवे ऐसीविधकरसोरससेवे चांदीहोएस्वर्णवाल्यावे तपायवीचरसमाहिवुझावे सोरससेवे अतिसुखदाई सकलदोषपरसिक्षागाई मांसरसाअतिवोझदिखावे अनूपांनअरनीजढभावे तरकारीसकलवोझप्रघटाय गोघृतअनूपांनसुखदाय कांजीखायवोझअतिहोई सामुद्रीलूणमांनहितसोई पित्तपापडावोझदिखावे वीजसुहांजनदोषहटावे तोरीआदवोझप्रघटाय तंडुलधोयनीरसुखदाय वाआंवलरसषट्टादेवे वोझदूरनिश्चेसुखलेवे थोंमखायअतिवोझदिखावे पनीरवनायसेवदुखजावे मछीमांसवोझप्रघटाय मिठाआंवसेवदुखजाय कवाववनायमांसदुखदाई सेवेआंवदोषमिटजाई अतीगरमजलवोझदिखावे सीतलजलसेवेसुखपावे सीतलजलअतिवोझदिखाय गर्मनीरसेवेसुखपाय सकलधूंमदुखदायकहोई रालघोलजलसेवेसोई सकलधूंमकादोषहटावे पीवेनाकनेत्रपरलावे चरवीआदचिकनअतिसेवे मुंगीपीसनर्मकरदेवे सागचुलाईपालकहोई चचेंडाभठामूलीसोई अतिकदूंवावांसअचार अनूपांनसर्षपमनधार पलासखारवाताहिखुलावे चुलाईआदवोझहटजावे.सर्षपचोकसागअतिखाय चाकौतसागवावोझदिखाय सिकडखैरकाथकरदीजें अथवाकत्थवोझहरलीजें जिमीकंदअतिवोझदिखावे सेवेगुडदुखदूरहटावे तरकारीसागनेकाविधहोई अतिसेवेपाचनसुनसोई वूटाएकतिलोंकालीजें फूकभस्मपाचनहीतदीजें सागत्रकारीवोझहटावे निश्चेतनसुंदरप्रघटावे खांनपांनवहुविधकाजांनो दोषअजीरनवहुविधमांनो पत्रवीजवाधनिआंलीजें करकेकाथताहुकोदीजें अथवासुंठीकाथपिलाय वोझनेकविधदूरहटाय सकलवोझपरासिक्षागाई सुंठीधनिआंअतिसुखदाई

॥ अथपृथवीअवयवरूपवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ अवपृथवीकावर्णनहोई अवयवरूपनिर्णयसुनसोई भूमीसकलगोलमनधारो दोहेसेकरसोईविचारो दक्षणउत्तरहेसेदोई फुनिदोदोकरचारोहोई हेसेतींनवीचजलमाही उत्तरार्द्धजलवाहिरताही उत्तरार्द्धदोदक्षनमांनो हेसेतींनवीचजलजांनो चौथाभागविनाजलहोई तापरलोकअवादीसोई वैद्युनांनअर्वमतलहिए खवामसकूंननामकरकहिए चौथाहेमाखवापछांनो मसकूंननामजलवाहिरमांनो तापरविश्वअवादीकहिए खवामसकूंननामज्योंलहिए उत्तरभागअवादीहोई हेसेतींनवीचजलसोई हेसेतींनासिंधुगतजांनो उत्तरभागउचेरामांनो भागउचेराहेसेतींन तापरदेसअवादीचीन्ह जांगलदेसभा[illegible]कहोई अनूपदेसदूसरहैसोई साधारनदेसतीसराकहिए तींनभेदजलवाहिरलहिए जांगलदेसभेदमनधा[illegible]अतिनीचेजलतहांविचारो मारवाडगुजरातकहावे मध्यआगरादेससुहावे अतीदूरजलकूपपछांनो विना[illegible]लेजलगतीनमांनो वजायढोलउतखवरपुजावे तवपाणीवाहिरनिकसावे अतीदेरजलवरषाहोई सूकतसी[illegible]हितनहिसोई छोटेउपजतवृक्षतहांही पवनवेगअतिकोपदिखाही उतपतछोटेपुरुषविचारो जाविधजांगलदेसनिहारो अनूपदेसलक्षणसुनसोई निकसतसीघ्रनीरअतिहोई कोकनदेससंज्ञाकहिए सवजीवृक्षतहांअतिलहिए होवतअतीपेटनरऐसें मांनोरोगजलोदरजैसें ताकरपुरुषदुखीमनधारो लक्षणदेसअनूपविचारो साधारनदेससुनो-

अवसोई पाणीतलेदूरनाहिहोई नानेडेनांदूरदिखावे छोटेवडेवृक्षमनभावे उतपतपुरुषतहांसमजांनो वलवुद्धीतनसमतामांनो आठोरोगअसाध्यकहावे नेकभेदकरागिनतीआवे साध्यअसाध्यहोततनमांही भिंननामअवसुनिएतांहि कुष्टएकफुलवहरीजांनो संग्रहणीरोगजलोदरमांनो भगंदरववासीरजोहोई नथूरमुजाखपथरीसोई सातोजहीरोगपछांनो होएपितापुत्रादिकमांनो सिह्लरोगफिफरेकाकाहिए नकरसपीडअंगूठेलहिए-फुलवहरीकुष्टरसौलीजांनो ववासीररुधरीमनआंनो वादीरोगपिताकोहोई निरवलजोडपुत्रकासोई आठोभेदऔरसुनआगे होएरोगफुनिदूसरलागे रोगीसंगरहेजोकोई खांनपांनतनलागतहोई खउरोगफुलवहरीजांनो छोटेवडेछालकेमांनो ओतवंददुखनेत्रविचारो जुषांमतापकुष्टादिकधारो होएएकतनदूसरलागे रोगीसंगतकरदुखजागे.

॥ पुनःपांचभूतकथनं ॥

॥ चौपै ॥ पृथवीआपतेजअरुवात आकासभूतपांचोविख्यात इनकेभेदकहेसभपाछे जाप्रकारजगवर्ततआछे इनाविनवातएकजगनाही ऐसेंकहाग्रंथमतमाही पांचभूतगतविश्वविचारो संवंधसकलगतनिश्चाधारो जैसेंपांचभूततनहोई लक्षणभिंनसुनोअवसोई अस्थीमांसमिंझजोजांनो पृथवीअंसदेहमेंमांनो परसावीरजरुधिरविचारो लालमूत्रजलअंसनिहारो क्षुधातृषारुचिक्रोधविचार तेजरूपअगनीगुणधार गमनागमनअलापादिखावे वलावलसकलपवनप्रघटावे जडतानींदमूकताजोई गुणअकासतनवर्ततसोई निवासस्थानइनकेतनमाही आगेलक्षणसुनिएताही पृथवीस्थांननासिकाजांनो ताकरग्रहणसुगंधीमांनो जिव्हास्थांननीरकाकहिए ताहीकररसटपकतलहिए नेत्रस्थानअगनीकाहोई दृष्टीतेजदिखावतसोई वातस्थानतुचामनआंनो ताहीकरकेस्पर्शपछांनो अकासस्थांनकर्णकहुसोई सव्दज्ञानताहीकरहोई निजनिजस्थानतत्वतनमाही एकदूसरेजावतनाही.

॥ अथपांचभूतस्वादकथनं ॥

॥ चौपै ॥ पृथवीआपतेजअरुवात लिखेंस्वादइनकेविख्यात पृथवीषट्टास्वाददिखावे जलखाराफिकाप्रघटावे मिठास्वादवातकाजांनो अगनीकौडास्वादपछांनो षटास्वादजाहुमेंहोई पृथवीअंशअधिकलखसोई जाप्रकारजोअधिकदिखावे ताकिअधिकअंसलखपावे वहुविधस्वादभूतगतजांनो भूतादिंगतसकलपछांनो अवव्याख्य वैद्यकाकरीदाहै.

॥ अथवैद्यलक्षणं ॥

चौपै अ लक्षणवैद्यवखांनो ऐसावैद्यरोगहरमांनो सुंदरतनमननिर्मलराखे अमितवोलामिथ्यानहिभाखे शुचिपवित्रशुचिवस्त्रलगाही सुगंधितरहेक्रोधमननाही विद्याअधिकचिकित्साजांने गुरूवचनमुखसत्यपछांने निदानचिकित्सालक्षणसारे देषतहींमुखवचनउचारे नाडनेत्रमुखजिव्हाजांने लक्षणमूत्रआदपहिचाने सन्नि

यासिगरीमनधारे नेत्रआदिदुखदूरनिवारे पापलोभत्यागेमनवानी दयादानश्रद्धायुतज्ञानी सभकाप्रियप्रीती मनधारे ऐसाहोतनरोगनिवारे कुलीनवैद्यऐसाहितहोई करेचिकित्सादोषनकोई.

॥ अथषटरसवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ षटरसभेदसुनोअवसोई जाप्रकारजगवर्ततजोई मिठाषट्टाकौडाजांनो कसयलातीक्षणलवणपछांनो भिंनभिंनगुणवर्ततजैसें आगेभेदसुनोअवतैसें मिठाकफअरुपित्तवधावे आगेकिंचितभेदसुनावे थिंदामिठेसंगाविचारो ताकरकफवृद्धीमनधारो विनाचिकनाईमिठाखावे ताकरकफवृद्धीनहिपावे किंचितभेदऔरमनआंनो मिसरीमधूवातकरजांनो षटाकफकरपित्तवधाय किंचितभेदसुनोमनलाय अनारआमलाआदिजांनो कफहरवातवधावतमांनो जहांपित्तकफमिश्रितहोई कसयलादूरकरेहितसोई केवलनिश्चेपित्तवधावे मिलीवातकफदूरहटावे खारीलवणवातहरहोई कफअरुपित्तवधावतसोई कौडातीक्षणपित्तवधावे वातऔरकफदूरहटावे.

॥ अथप्रकृतिभेदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वीरजमोअरुरुधिरमंझार अवरजुमध्यगर्भनीनार भोजनमोअरुचेष्टामांही अरुजोजेरहुंसोंप्रगटाही अरुबसंतआदिकऋतजोय अधिकदोषवातादिकहोय तिनअनुसारमनुष्यस्वभाय होवतहैसोकहोंसुनाय १

॥ अथवायुप्रकृतिलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ छोटेकेशशरीरकृश रूषापणवाचाल मनआकाशभ्रमेस्वप्नमें वायूप्रकृतिसुभाल-

॥ चौपई ॥ कृशतनबहुजुरौपिताहोई अल्पकेशचलचितजोसोइ भ्रमतस्वप्नमेंमध्यआकाश वहतवकेइस्थितमनतास इनलक्षणकरवातस्वभाय प्रगटसभनकोंकह्योसुनाय.

॥ अथपित्तप्रकृतीलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ युवाकेसस्वेताहिवरै बुद्धिवानश्रुतलेज तनपर्साक्रोधीरहेस्वप्नलषेअतितेज ॥ चौपई ॥ विनासमयस्वेतहेंकेश गौरावर्णस्वेदतनवेश क्रोधीपंडितहोवतसोयी अतिहीदीतमाननरहे[illegible]ो स्वप्नविषैप्रकशबहुदेषै पित्तस्वभावइनलक्षणलेषै

॥ अथकफप्रकृतिलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ जोगंभीरअतिमतिरहै स्थूलअंगचिकनाय केसचीकनेबलअधिक [illegible]वप्नेजलहिदिखाय ॥ चौपई ॥ इस्थिरचित्तस्थूलजोअंग होइसोपुत्रसुपुत्रहिसंग होहिस्निग्धकेशतनतास स्वप्नविषैबहुजलतिसभास कफस्वभावकेलक्षणकहे जैसेग्रंथहुंतेलषलहे

॥ अथभेदलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ दोयदोयअरुतींनतींन मिश्रतदोषवषांन मिश्रतहीजुसुभावतिह आगेसुनोसुजांन कफत-नअधिकजाकोरहै तिहमूर्छाप्रगटात वायुपित्तरजगुणआधिक घुमेरभ्रांतिअधिकात कफअरुसतगुणअ-धिकहोय भौरभ्रांतिहोयतास कफवायुतमगुणआधिक तौतन्द्राकोवास वलजावेमनग्लानदुख और-अजरिणस्वेद याहीसेभीग्लाननर मनाहिकरतसोछेद जवबलथकतउत्साहनहि आलसकाहिएजोय इन्ह-आदीकरजानियो बुद्दिवानहितसोय

॥ अथवायुकोपलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वातकोपलक्षणव्यवहार सोसुनलीजोचतुरविचार हलकीरूषविस्तुजुखाइ स्वल्पअरु-शीतलस्वेदवदाइ संध्यासमैमैथुनजोकरै भयचितानितजागरवरै चोटलगनअरुअन्नअर्जीरण धातुक्षी-णदेहीदुःखकारण इनविकारमारुततनछीजैं ताहिनिवारणयत्नकरीजैं.

॥ अथपित्तकोपकर्नेकालक्षण ॥

॥ चौपइ ॥ पित्तकोपलक्षणव्यवहार सोसुनलीजोविविधप्रकार कडवीखटीतीक्षणअरुगर्म अत्यं-तषायविकारातिहकर्म क्रोधधूपगर्मसेवनतें मध्यानतृषाक्षुधारोकनतें अन्नअजीरणपेटविकार पित्तकोपतन-ताहिनिवार.

॥ अथकफकोपकर्नेकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ कफकोपनकाकहौंविचार जातेहोवतजीयविकार मीठाचिकनाद्रव्यखावनसे सीत-लभोजनदिनसोवनसें अन्नमंदसेभीइहजांन अवासीभोजनप्रातविधांन इनविकारकरकफअतिवरै ताहि-उपायनरमतिसोकरै

॥ अथरोगभेदलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ चालीसापित्तकफवीसहैअस्सीवग्तविचार तीनदोषपरिमानहैइंदजाभिंनसह्मार जोरोगहि-कायारहे [illegible]मव्याधिहैताहि चौदसभेदतांकेलिखे चरकग्रंथमतिजाहि सहजरोगगर्भरोगफुन जात-जातकेरोग [illegible] पीडाजनितकालहिजनित प्रभावजनितसंजोग स्वभावजनितदेशहिजनित आगन्तुकइह-जान कायिकरोगअंतररहैकर्मजरोगपछांन दोषजरोगसुतेरमा कर्म्मजदोषजरोग इहचौदशरोगहिकहे दैवकर्मसंजोग

अथचतुर्दशरोगपृथक्पृथकलक्षणं

॥ दोहरा ॥ मातपिताकेवीर्य्यसों जोदोषहिप्रगटंत संततरोगसुहोतहै सहजमवेसीग्रंत जोगर्भहिमोकुबजहो पंगुलअंगुलखंज रोवणादिजोरोगहै गर्भरोगसोगंज मिथ्याहारव्यहारकर माताकेअनुसार विकलजुगुंगावुरासुकृत जातरोगव्यवहार शस्त्रादिककेप्रहारसें अस्थिभंगजोहोय ताहीपीडाजनितकहि निश्चैजानमनसोय शीतकालबहुशीतवर उष्णकालमोधूप वर्षाऋतभीजनअधिक कालजरोगस्वरूप गुरूदेवअरुभूपती पिताआदिसुतजाहि तिहशापजुरोगहिवरै प्रभावजकहिएताहि क्षुधातृषाअरूवृद्धपन उत्पन्नहोएजोरोग स्वाभाविककहिएताहुको वुद्धजनदैवसंजोग भूतादिकफुनकामक्रोध रागद्वेषअरुलोभ मोहादिकउत्पन्नजो आगंतुकजानोक्षोभ ज्वरहिआदिविषव्याधिकर जोवर्तेजगमाहि कायकरोगताकोकहैं वैद्यसमझमतिजाहि हौलदिलीआदिकजिते अर्द्धविक्षिप्तहोजाय आंतररोगतिहजानियो शास्त्रमतीप्रघटाय जाहिदेशमोरंगवर कालेभूरेलाल मानसजातीउत्पती देशककहियेबाल पूर्वजन्मवाइहजुगहि हत्याब्रह्मइत्यादि पापजरोगसोउपजहै कर्मजजातविखादि वातपित्तअरुकफाहिसों जोरोगहिउपजाय दोषजताकोंकहतहैं बुद्धजनताहिसुनाय हत्यापापअत्यंतकर वातपित्तकफजाहि कर्मजरोगतिहजाननर चर्कग्रंथमतमाहि इहचौदशरोगजुकहे सोहैदोइप्रकार एकसुसाध्य असाध्यफुन सोकीनोपरचार बहुतयतनकरजातइक स्वल्पयतनसोंएक सोभीसाध्यजुद्विविधगुण जाप्यगंभीरकरटेक बवासीरमिर्गीक्षई स्वासअर्द्धांगप्रमान जामोअधिकरोगहिमिलै तिहऔषधइहमांन पथ्यचलैजुसदैवही वैद्यवाक्यअनुसार जबतकरोगसुअंतहोई जाप्यताहिनिस्तार फुनऐसाइकरोगहै जाहिचिकित्सानाहि जेउहकलुऔषधकरै मरैअसाध्यहैताहि औरअत्यंतरोहिगलिखें जिनकापारनवार चकित्साउनकीएकहैपरमेश्वरआधार तिहकारणवैद्यसुउचित वुद्धिशास्त्रअनुसार अन्तरगतईश्वरधरै ताहिहोतउद्दार.

इतिप्रकारान्तरेचतुर्दशरोगक्रमलक्षणं ॥ अथचतुर्दशवेगनिरूपणं

॥ दोहरा ॥ जोमानुषमनचैनहै सावधानतनधार वृथावेगरोकेनहिरोकेअतिदुखदार स्वयंसिद्धजोवेगहैकवहुनरोकेकोय चौदसभेदविचारिए क्रमकर आगेसोय.

॥ अथविस्तीर्णक्रम प्रथमअधोवायुरोकनरोग ॥

क्रमपूर्वकताकोकहैं सुनलीजैमनधार अधोवायुरोकनक्रिया गोलाउदरअफार वहुरोगनकीउत्पती अधोवायुरुकहोय पुनवायूकरहोतहै मूत्रकोष्टवद्धसोय नेत्ररोगमंदाग्निकर हृदयपीडइहजांन अधोवायुरोकेनहि रोकेइहदुखमांन.

॥ अथमलरोकनरोग ॥

॥ दोहरा ॥ मलरोकनतेंहोतहै हाथपैरहडफूट पीनसमस्तकपीडअति वायुऊर्द्धगतछूट मलरोकनऔरहिकरे हृदयपीडउदावर्त गोलाफीयाउदरकम पीडमूत्रकृछ्रदर्त बद्धकोष्टमंदाग्नियुत नेत्ररोगभीहोयमलरोकनकेरागयह प्रगटदेहमोयोय.

॥ अथमूत्ररोकनकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ मूत्ररोकनेरोगजोसोसुनलीजेमीत अंगहाडफूटतरहैपथरीरोगसुचीत लिंगइंद्रीकेसंधिमोपीडागोलतिलिभाय मलरोकनकेरोगजोसोभीयहप्रगटाय.

॥ अथडकाररोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ डकाररोकनमोरोगयहअरुचिशरीरकंपाय हृदयरुकेअफराहफुनखांसीहिचकीआय.

॥ अथछीकरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ जोछीकहिकोरोकहै ग्रीवाअकडिहसोय मध्यवायपडकायमो इंद्रीदुर्बलहोय मुखटेडाहोजायतिह छीकरोकनेमाहि अैसेरोगनउत्पत्ती करतदेहकोताहि.

॥ अथतृषारोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ तृषाबहुतरोकैजुनर मुखसूकेहृददूष अंगहाडफूटैभ्रमै मोहवधिरतारूष.

॥ अथक्षुधारोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ भूषवेगरोकैजुनर अंगटूटनेलाग अरुचिहोयश्रमशूलकृश शरीरग्लानहृदआग सबवस्तूचितनहिकरै विनश्रमश्रमपडजाय सिथलहोयकायासकल वर्णरंगनरहाय.

॥ अथनींदरोकनेकेरोग ॥

जोउनींदनरअतिरहै ताहिप्रगटइहहोय मस्तकनेत्रभारिरहैं आलसपीडितसोय.

॥ अथखांसीरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ खांसीरोकेजोमनुष स्वासअरुचिहृदरोग हिचकीआदिजुरोगहै तिहप्रगटेमनसोग.

॥ अथश्रमकेस्वासरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ श्रमस्वासैरोकैजुनर गोलाहृदयविकार मोहप्रमेहप्रगटैतिसैस्वासरोगतनकार.

॥ अथउवासीरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ [illegible]स्तकपीडाइंद्रियां दुर्बलक्षीनतनजोय गर्दनमुखवक्रतकरै इहलक्षणहैसोय.

॥ अथआसूरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ जोपुरुषहिआसूरुकै पीनसहृदयविकार नेत्ररोगमस्तुकदुखै गर्दनपीडभ्रमकार.

॥ अथवमनरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ वमनवेगरोकेजुनर रक्तपित्तफुनकौढ नेत्ररोगपांडुज्वरहि खांसीखाजकरप्रौढ हृदयशूलमुखकीलकर मुखछायीतिहहोय वमनरोकनेहोतहै एरोरोगसमोय.

॥ अथकामरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ कामवेगरोकैजुनर सुजाखप्रमेहतिहहोय लिंगइंद्रीमोपीडअति शोथचिंतमनजोये भोजनअरुचिविकल्पहोय अमुतसीसफिरताहि इहलक्षणकामहिक्रिया रोकनमोप्रगटाहि.

॥ अथान्यमतेत्रयोदसभेदवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ त्रयोदसभेदऔरसुनआगे रोकेआपरोगतनजागे जैसेंअधोवातइकहोई रोकेकवजशूलकरसोई उदरशब्दकरक्षुधाहटावे छातिरोगनेकउपजावे वातदूरकरमालसजोई मूत्रासयवृषणमलेसुखहोई संभालुपत्रसुहांजनल्यावे सेजवनायसयनकरवावे सावनलूणमघांमंगवावे एरनतैलपायपिसवावे वत्तीकरगुदभीतरपाय अधोवातरोकनदुखजाय कुलथीजलहिंगुसंगपावे करेपांनदुखदूरहटावे. दूसरभेदऔरसुनसोई मूत्रवंदकरदुखवहुहोई अधोवातकालक्षणजांने प्रघटलिंगमुखपीडामांने मूत्राशयवीचपत्थरीहोई भारीअंगजोडसभसोई अधोवातकायतनकरावे भोजनआदगावघृतखावे. तीसरआपवंदमलकीजें ताकररोगअधिकतनलीजें पिंनीसीसपीडप्रघटाहीं चलेनीरअतिनासिकमांहीं मूत्राशयनाभिवातदिखावे उदरफिरेनहिवाहिरआवे करमालःइर्डचोकमंगवावे मुत्थरकौडकाथमनभावे कवजीहितचूरनजोहोई ऐरनतलसंगसेवेसोई अथवागर्मनीरसंगखाय कवजीदूरताहिसुखपाय त्रैमासेएरनतैलमंगावे मघहरीडछेमासेपावे आधसेरगोदुग्धमंगाय दूधसंगनितचूरनखाय मुंगीमांसरसामनभावे चनेमसरअंगूरसुखावे लापसीआदकाथहितहोई मीठाआदनसेवेसोई. चौथाभेदछीकमनधारे करेवंददुखनेकविचारे इंद्रीसिथलपीडसिरपावे करडीत्वचाक्षुधाहटजावे लकवारोगहोततनमाहीं नजलाआदनेकदुखताहीं मघांमर्चहिंगूमंगवावे सुंठीमेलभागसमल्यावे रगडेनीरपायकरकोई पायनासिकाअतिसुखहोई नकछिकनींवूटील्यावे सुंहत्तहींसिरहलकापावे पत्रवातहरकाथवनाय गर्मनीरसंगसीसधुलाय औरवातहरऔषधजोई सेवनकरेसीघ्रसुखहोई. पंचमतृषावंदजवकीजें ताहिरोगवहुविधकेलीजें घूंमतशिरमूर्छाप्रघटाय सूकामुखअरुकंठदिखाय जोडखुष्कछातीदुखहोई सर्वतजलसीतलहितसोई. षष्टमक्षुधावंदकरकोई अतिफाकाकरअतिदुखहोई भोजनमेंअरुचीप्रघटावे दग्धजोडकाहलीअतिपावे गर्मीखुष्कीदुर्वलहोई पेटपीडमुखपीलासोई पाचकअगनीनिर्वलजांनो क्षुधावंदकरलक्षणमांनो क्षुधाप्रवलकरऔषधखावे भोजनगर्मनर्मनितपावे. सप्तमनिद्रावंदकरावे ताकररोगअधिकतनपावे भारीतनविचारमननाहीं उद्यमदूरक्रोधउपजाहीं अकडाहटवहुतअवासीआवे ताकरसुखनिद्रामनलावे. अष्टमवंदअवासीहोई छातीरोगनेकविधसोई हिडकीश्वासरोगउपजावे क्षुधादूरदुर्वलतापावे खांसीरोगऔषधीजोई करेसोई [illegible]वनासेहोई. नवमश्वासनिजवंदकरावे भयादिकशूलरोगप्रघटावे छातीरोगाविस्मृतिहोई ताक[illegible]लसीतलहितसोई खुष्कवस्तुकामर्दनभावे पवनआपतनअधिकलगावे सुगंधितअतरआदमनभाय कपूरमे[illegible]नितपांनखुलाय सुखसज्जानिद्रामनलावे रागरंगप्रियवचनसुनावे. अकडाहटरोकेदसमीसोई छींकव[illegible]कालक्षणहोई छीकवंदकायतनकरावे अधोवातगतलाजसुखावे. एकादसरोदनवंदकराय नजलापीनसरोगदिखाय प्रतिदिननीरनासिकापावे गोलाउदरक्षुधाहटजावे दांतदांतपरवैठतसोई दंदकडनामकहितसभकोई ताकरअतिनिद्रानाहिभावे मदिरापांनकरेसुखपावे रागरंगप्रियवचनसुनाय रोदनरोकेतवदुखजाय. रोकेवमन-

वारमाकहिए ताकरअधिकरोगतनलहिए फुलवहरीकुष्टखाजप्रघटावे पांडुसोजछालकेपावे श्वासकास-दमरोगलगावे इत्यादिकनेकरोगप्रघटावे गरारेकरदुखदूरहटाय घृतविनमांसरसामनभाय जासोंवमनहोएकर-सोई अथवारेचककरसुखहोई जउोखारअरुलूणमंगावे मेलतैलतिलमर्दनभावे. त्रयोदसरोकेवीरज-कोई द्वारामूत्रवंदतवहोई पडेसोजपीडाप्रघटाय छातिदुखअरुतापदिखाय मूत्राशयवीचपत्थरीजानो रुकेमूत्रदुखअधिकपछांनो कुर्कटमांसरसामनभावे करःलूणदधिनीरसुखावे चावलधोएनीरसोंदीजें हुकना-तैलतिलोंकाकीजें नारीप्रियमैथुनमनभावे ताकरवृद्धीवीरजपावे तरहरीवीजभखडाल्याय दाखहरडसम-भागामिलाय त्रैत्रैमासेऔषधल्यावे सेरदोइगोदुग्धमंगावे गडकायदूधमेदूधपिलाय वलवीरजानिश्चेप्रगटाय. इतिचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांचतुरदसवेगकथनंनामद्वितीयोऽधिकारः ॥ २ ॥

॥ अथऔषधकालवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ आगेऔषधसमावखांनो होवेगुणदसभेदपछांनो प्रथमप्रातऔषधमनभावे पचेऔषधीभो-जनपावे चरवीअधिकहोएकफजाको प्रातऔषधीसेवनताको. अपांनवातजाकोवलपावे नीचेपेटको-पप्रघटावे ताकोऔषधदेवेकोई औषधपरभोजनाहितहोई भोजनसीघ्रऔषधीपाछे दूसरभेदसेवसुखआछे तीसरभेदमांनहितताको समांनवातमूत्राशयजाको भोजनमध्यऔषधीखावे आदअंतहितभोजनपावे चौथा-भेदसुनोहितसोई व्यानवायुतनकोपितहोई भोजनअंतऔषधीखावे व्यांनवातकाकोपहटावे पंचमभेदसु-नोहितताको उदांनवातछातीवलजाको भोजनसंगऔषधीखावे ग्रासग्रासप्रतिऔषधभावे षष्टमभेदसुनो-हितसोई प्राणवातशिरकोपितहोई ग्रासग्रासप्रतिऔषधखावे औषधविनाग्रासनहिपावे सप्तमभेदहोतहि-तताको हिडकीतृषाकाशअतिजाको विषकृतदोषरुधिरवलपाय वारवारसोऔषधखाय औषधकरचूरणध-रपास वारवारसेवेसुखआस अष्टमभेदसुनोहितताको क्षुधादूरनिरवलताजाको औषधभोजनवीचरलावे प्रतिदिनऐसाभोजनपावे नवमभेदहितताकोहोई झोलावातकोपतनसोई आदअंतऔषधमनभावे भोजन-मध्यकरेदुखजावे दसमाभेदहोतहितताको उदररोगशिरनाभिजाको रातसमेऔषधहितमांने औषधसेवसयन-सुखजांने जाप्रकारदसभेदविचारे औषधसेवनेकदुखटारे.

॥ अथदसभेदरोगिलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ [illegible]गे औरभेददससुनिए विचारेवैद्यदोपहरगुनिए चतुरवैद्यदसभेदविचारे निश्चाकरऔष-धमनधारे प्रथम[illegible]क्षाजाविधहोई दोषवलावलदेखेसोई रसगतदोषरुधिरगतजांने मांसअस्थिगतभेदप-छांनें दूसरदे[illegible]भेदलखसोई वलावलदेखेतीसरहोई चौथाऋतूपवनमनआंने पंचमक्षुधाप्रमांनपछांने सुभा-वलखेछेमा[illegible]सोई वातपित्तकफद्वंदजकोई सप्तमरोगीमतीपछांने अधीनलखेवागरवीजांने अष्टमरोगी-आदत[illegible]खे [illegible]र्मसुभावगर्महितपेखे नवमअवस्थादेखेसोई वालतरुणवावृद्धाहोई दसमाभेदवैद्यमनआंने वातपित्तकफतीनपछांने जैसेंकफप्रभातवलपावे मध्यांनापित्तवलअधिकादिखावे दिनकेअंतवातवलहोई उलटाहोयउलटलखसोई जेकररोगीहठीपछांने करडारोगसुगमकरमांने वारोगीकमादिललखपावे थोडारोगअधिकदरसावे वैद्यभेदऐसामनआंने देखवलावलऔषधठांने रोगीपासवैद्यनितजावे पूछेहाल-

प्रीतमनलावे लक्षणदेखऔषधीदेवे जाप्रकाररोगीसुखलेवे लक्षनदेखपरीक्षाहोई करेस्पर्शपूछेहितसोई मखीअधिकजाहुपरलहिए चिकनादोषअधिकतनकहिए जाहूपरमखीनहिआवे कीडीआदभागसभजावे चतुरवैद्यतवऐसाजांने तरीदूरखुषकीपहचांने.

॥ अथवैद्यलक्षन ॥

॥ चौपै ॥ औरवैद्यमतऐसीधारे ग्रहनक्षत्रतिथिवारविचारे पढेचिकित्साजोतिषधारे ऐसावैद्यरोगतनटारे शुभाशुभलक्षनकरेविचार करेचिकित्सारोगनिवार.

॥ दोभेदऔषधलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ दोईभेदऔषधीजांनो सोधनएकसमनपहचांनो सोधनलक्षनऐसाहोई वाहिरदोषनिकालतसोई सोधनचारभेदकाजांनो रेचकहुकनावमनपछांनो नसुआरभेदचारोमनधार आगेलक्षनसमनविचार लक्षनभीतररोगसुकावे तहलीलनाममतफारसगावे जैसेकफकासमनपछांनो मखीरपुरातनकफहरमांनो पित्तसमनघृतगोकाहोई वातसमनतैलादिकसोई सोधनकफकावमनशुभाय रेचकसोधनपित्तहटाय वायूसोधनहुकनाजांनो आगेभेददोईपहचांनो प्रथमदयालज्जाप्रगटावे दूसरचिंताक्रोधदिखावे समनभेदइकवुद्धीजांनो गुणदायकवस्तूदूसरमांनो.

॥ अथऋतुचर्याकथनं ॥

॥ चौपई ॥ चैतवशाखवसंतऋतुकहिये ज्येष्टअषाढग्रीष्मशुभलहिये श्रावणभाद्रवर्षऋतुजांन असूकार्तिकशरदप्रमांन मार्गपौषहिमऋतूकहावे फाल्गुणमाघशिशिरऋतुगावे.

॥ अथषटऋतुवायुपित्तकफकोपसंचयशांतिवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ वसंतऋतूकफकोपदिखावे वर्षाऋतुमारुतअधिकावै शर्दऋतूपितकोपसुजांन इहहैकोपऋतुपरमांन ग्रीष्मऋतुकफशांतिदिखाय सर्दऋतूमारुतमिटजाय हिमऋतुशांतिपित्तकीजांन इहशांतीहैऋतूप्रमांन संचयवातग्रीष्मऋतहोई संचयपित्तवर्षऋतसोई शिशिरऋतूकफसंचयजांन इहसंचयहैऋतूप्रमांन.

आहारव्यववहारऋतूप्रमाणवर्ननं प्रथमवसन्तऋतुकेआहारव्यव[illegible]रलिखतेहैं

॥ चौपई ॥ ऋतुवसंतकफकोपदिखावै सोरोगोंकउित्पत्तल्यावै जठरअग्नकोनासकर[illegible] ताकरहरडमधूयुतखाय इहविधकायामोवलहोय वसन्तऋतूऽयूषणहितसोय.

॥ अथग्रीष्मऋतुकेअहारव्यवहारवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ ग्रीष्मसूर्य्यअतितप्तवलहरै तिहकरसीतछायावटवरै गुडसंजुगतहरडहितलाय द्रव्यमधुरभोजनलघुखाय सतूमिसरीशर्वतपांन शीतलजलखसगेहप्रमांन फुहारवगीचीसैरविचार चंदनादि-

लेपनअंगधार दिनसोवनभोजनगंभीर तस्मईआदमुनभोगशरीर सुंदरदृढभोजनमनभाय कटूतीक्षनखट्टान-हिखाय इति.

॥ अथ वर्षाऋतुके आहार व्यहारवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ सैंधानोनसंयुक्तहरीर चीकनद्रव्यमधुरगंभीर शालिवमिसरीऔरखटाई सौंठमिरचपीप-लधरचाई चित्रापिप्पलमूलमंगाय लूणपायदधिप्रतिदिनखाय कूपोदकलघुभोजनखावे वस्त्रनवीनजुलाव-करावे. ॥ दोहा ॥ दिनमहिकौसोवेनही करेनश्रमकेकांम वर्षाऋतमैथुनतजे सहेनतकडीघांम ॥ सोरठा ॥ नदीनालसरिताल मलिनहोतजलवर्षमें इनमेंवर्षाकाल स्नानपाननरनाकेर इति.

॥ अथसर्दऋतूवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ वर्षाऋतुपित्तसंचयजोय सर्दऋतूमेंकोपितसोय ताहिउपायप्राणीयहकरै मिसरीसाहितहर-डसंचरै मिसरीआदिमधुरजोहोय सठीचावलमुंगसुजोय सरोवरजलदूधयहपथ्य तीक्षणवस्तुखटाइअपथ्य आसवधूपदिनसोनमंदमन पूर्वपवनकुपथ्यसोवुधजन.

॥ अथहिमऋतूआहारव्यवहारवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ हिमऋतुकेआहारविहार सोमेंकहोंचर्कअनुसार गोघृतनवीनमाहिषकादूध दहीमधुरगुड-लोनससूद मर्दनतैलअंगनकोकीजै गेहूउडदमिश्रीद्रवलीजै सौंठसंयुक्तहरडकोंखाय निर्वातस्थानइस्त्रीसं-गशुभाय नूतनवस्त्रअंगमोधरै हिमऋतुऔसोहितकरवै.

॥ अथशिशिरऋतुआहारव्यवहारवर्णनं ॥

॥ चौपई शिशिरऋतूकासुनव्यवहार पीपलयुक्तहरीडआहार आद्रकनवीनघृतसैंधालौन शर्करवडेगुड-दधिहिततौन औरहिमऋतमेजोव्यवहार शिशिरऋतूमेंतेहिविचार ॥ दोहरा ॥ ऋतुउत्तरनमहिसातदिन पाछेऋतुविधिजान अठमेदिनसोनवीनविध ऋतुविधीयहकरमान.

॥ त्रिदोषकोपऋतूप्रमानकथनं ॥

॥ दोहरा ॥ कोपेकफपितवातजो जिनजिनमासनमाहि तिनतिनमासनकोप्रगट औसेशास्त्रसुनाहि ॥ चौपई ॥ असूंकार्त्तिकजेठविशाख करैकोपपित्तऔसोभाख फाल्गुनचैत्रकोपकफहोई जाप्रकारल-खभेदनकोई श्रावणभादरमार्गजोमास पौषमाघआषाडप्रकास इनषटमासनकोपैवाय त्रिदोषराजप्र-तिमासादिखाय.

॥ अथमासप्रमाणजलविधिवर्ननं ॥

॥ दोहरा ॥ जलकीविधसुनकाहितहौं षटऋतुकेअनुसार जाविधिसौंरोगीनकौं जलसौंहोइविकार ॥ चौपई ॥ ऋतवसंतऐसाजलभावे चाउअगनदोभागजलावे तीसरभागशेषरहिजाय सोजलरोगिनकोसुखदाय ज्येष्टअषाडग्रीष्मिऋतकहिए तौंफुनिअर्धशेषजललहिए श्रावणभाद्रोऋतुवर्षाऊ अष्टमभागशेषसुखदाऊ आश्विनकार्तिकऋतुशरदाय षष्टमभागतोयसुखदाय मारगपौषहिमंतकहीजै हितकरपंचमभागभनीजै फाल्गुणमाघदोइइहमास शिशिरऋतूलखलीजोतास भागचतुर्थशेषजलजोय निर्विकारहितकरहैसोय ॥ दोहरा ॥ जवतनवृद्धीरोगकी तवजलजाविधजांन औषधजोगअधारजल ताकरविधिप्रमांन चतुर्थांसकफकोपपर अर्धपित्तपरदेय पादहीनदेवातपरऐसोक्रमलखलेय.

॥ अथान्यप्रकारऋतूकथनं ॥

॥ दोहा ॥ सिसरवसंतग्रीषमअवरवरखासरदहिमंत माघ्रआदयुगमासक्रमजानहुषटऋतुवंत ॥ चौपै ॥ फगुनमाघसिसरऋतुजांनो वसंतचैत्रवैसाखपछांनो ग्रीषमजेष्टअषाडपछांनश्रावणभाद्रोवरषामांन असूंकार्तिकसरदकहावे मघेरपौषहेमंतसुहावेषटऋतुजांप्रकारजगहोई वर्ततदोषभेदसुनसोई ॥ दोहा ॥ राजावातविचरिएसिसरऋतूजवजांन कंफमत्रीतवहोतहैजाप्रकारगुणमांन कफवसंतराजाकह्योमंत्रीवातविचार ग्रीषमराजावातहैकफप्रधांनमनधार वायुराजावर्षमेंमंत्रीपित्तपछान सर्दपित्तराजाकह्योवायुहोतप्रधान हिमंतराजहैंवातकाकफप्रधांनसंगहोय जाप्रकारषटऋतसुनोदोषप्रवलजगसोय ॥ चौपै ॥ आगेऋतऋतवर्णनहोई ग्रंथवाग्भटगावतसोई ऋतऋतवसंतऐसामनभावे स्नानहेतजलगर्मसूखावे चंदनमुसककपूरमंगाय केशरआदलेपतनलाय पुरातनजऊंकणकनरखावे मखीरमांसजांगलमनभावे मीठासर्वतआतिहितहोई सुंदरतिरिआसेवेसोई इक्षूआदअंगूरीजांनो मदिराऋतवसंतहितमांनो वालखेलमनप्रीतिधारेजासौंहृदाप्रसंनविचारे सुंठीक्वाथपांनमनभावे नागरमोथाक्वाथसुखावे मषीरनीरसर्वतकरकोई कोसाऋतवसंतहितहोई रागरंगजलहौदसुखावे सनमुखदक्षनपवनलगावे अतरसुगंधीवसनसुभाय भारीस्निग्धसर्दनहिखाय षटामीठासोनहिखावे दिननिद्राऋतवसंतनाहिभावे ऋतवसंतकफराजाहोई हरडमधूयुतसेवेसोई ऋतवसंतऐसागुणमांनो आगेग्रीषमऋतूपछांनो ॥ दोहरा ॥ चैत्रओरवैसाखमिलऋतवसंत कहुनांम आगेजेष्टअषाडमिलवर्नंतग्रीषमघांम ग्रीषमऋतसूरजवलपाय वलीपवनकफदूरहटाय धूलीअधिकतेजवलपावेखारीतीक्षणची जनखावे अतीखेदअतिमारगहोई अतीधूपसेवेनहिकोई [illegible]जनमीठास्निग्धपछांनो पतलासी तलअतिहितमांनो सक्करसतूंनीरमिलाय सेवेऋतग्रीषममनभाय [illegible]दिरापांनकरेनहिकोई मृतकपात्रजलपीवेसोई सुगंधितसर्दवस्तुजलपावे ऐसानीरपांनमनभावे वाज[illegible]रात्तचांदनीमाहीं पांनकरेअतिसीतलताहीं सघनवृक्षछायामनभावे सुगंधित नीरतहांछिडकावे हरहररंग[illegible]फूफेदेखे कदलीपुष्पवाटिकापेखे जलफुहारलखआनंदपावे मोतीपुष्पगलेलटकावे अतिआनंदह[illegible]मेधारे शोकदुखसभदूरविडारे चित्रतनूतनगेहसुखावे जाप्रकारऋतग्रीषमभावे पित्तकोपऋतग्रीषममाही हरडसंगगुडसेवेताही ॥ दोहा ॥ ग्रीषमऋतवीतिअवेआईवर्षवहार श्रावणभाद्रो मासदोवर्णतवृद्धिउदार

॥ सोरठा ॥ सेवेहरडसलौनग्ररुऊचेसुप्रकासघर सुकेचित्रतयौंनग्रगरधूपसौंगंधिवर ग्रवरपुराने-धान स्निग्धग्रौरग्रंवललवन भोजनरुचिरविधान जवग्रादिकवरषासमनेदीनालसारिताल मलिनहोतजलवर्षमे इनमेवरषाकाल स्नानपांननरनाकरे ॥ दोहा ॥ दिनमहिकौसोवेनहीकरेनश्रमकेकाम वरषाऋतमैथुनत-जेसहेनतकडीघाम ॥ चौपै ॥ मुंगीमांसरसामनभावे ग्रासवमूत्रलचीजसुखावे ताजीछाछकूपजलसेवे स्नान-हेतजलसीतललेवे मनखमर्दनतैलसुखावे जाप्रकारवरषाऋतभावे ग्रागेऋतूसर्दहितजांनो ग्राश्विनकार्तिक-मासपछांनो पित्तभूपमलकोपदिखावे सर्करसंगहर्डनितखावे तैलग्रामलावृतमनभाय सोसनजढमजीठनि-तरवाय रेचकग्रौषधसवेसोई रुधिरनिकालसीघ्रसुखहोई कसयलाकटुमीठामनभावे कोमलभोजनपथ्यसुखा-वे मखीरनीरसर्वतकरकोई दिवसधूपमेराखेसोई रात्रीसमैत्रेलकेमाही शीतलकरफुनिपीवेताही ग्रथवाचंदन-वालाल्यावे कपूरगुलावनीरमेपावे सोजलशीतलसेवेकोई सर्दऋतूनिश्चेसुखहोई मोतिमालगलेलटकाय शुभ्रवस्त्रघरस्वछवनाय ॥ दोहा ॥ तीखाग्रंवलल्लूनदधितैलधूपमदपांन दिननिद्रापूरवपवनत्यागेसर्दसुजांन ॥ चौपाई ॥ ग्रौषधगर्मसर्दग्रतिहोई गंढेग्रादनसेवेकोई जाप्रकारऋतसर्दसुहावे ग्रागेऋतहिमंतमनभावे भूपवातकफमंत्रीजांनो सुंठीहरडसेवसुखमांनो सूरजतेजहीनग्रतिहोई क्षुधाप्रवलवलवृद्धीसोई पादचारप्र तिदिनफिरग्रावे मर्दनतैलसुगंधलगावे वृषभग्रश्वगजमहिषीमांन पंछीग्रादहोतवलवांन गर्मनीरसंगदेहधु-लावे कणकमांसरसभोजनखावे धूणीगर्मसुगंधीसंग कस्तूरीकेशरलेपैग्रंग गर्मवस्त्रनूतनतनलावे ग्रग्नितेजन-हिधूपसुखावे ग्रतिव्यायामसेविएसोई गौडीमदिराग्रतिहितहोई मुखप्रसंनससिविंवसमांन सेवेनरनारीहित-जांन ॥ दोहा ॥ ऋतहिमंतवर्णनकरीमारगपौषविचार शिशरमाघमिलफालगुनवर्णतशास्त्रप्रकार राजावात-विचारिएकफमंत्रीदुखदाय ताकरसेवेहरडकोमघमिलायसुखदाय मृदुमोदकवटुकादिवरभोजनरुचिरवनाय जिमीकंदग्रार्द्रकमिलेरुचिसोंभोगलगाय ऋतहिमंतजैसेंकहीसोसभशिशरविचार जाप्रकारखटऋतकहीग्रा गेग्रयनसह्मार.

॥ ग्रयनवर्ननम् ॥

॥ चौपै ॥ शिशरवसंतग्रीष्मऋतजोई उत्तरग्रयननामकहुसोई वरषासर्दहिमंतसुहावे दक्षनग्रयननाम-प्रगटावे उत्तरग्रयनउष्णवलपाय दक्षनग्रयनशीतप्रगटाय धातूमूलजीवजगजांनो उत्तरग्रयनखुष्कसभमांनो ॥ दोहरा ॥ ऋतऋतकेजोग्रंतमेंसातसातदिनयौन ग्रागमऋतकीजोविधीतिनमेंवर्तततौन लक्षणऋत-ग्रागमनकेजिनमेवर्ततग्राय युगमऋतूसंजोगतेंऋतुकीसंधिकहाय.

॥ ग्रथषटऋतुहरीतकीजोगकथनं ॥

॥ दोहा ॥ षटऋतुयोगहरीतकीप्रातिदिनसेवेकोय कृष्णकेशतनलालहैजराव्याधिहरहोय ॥ कवित्त ॥ ग्रीष-ममेंसमांनगुडपित्तकोविनासकरेवरषामेंलवणसाथग्रगनतेजकरहै सर्दऋतूसरकरसोंमलहूंकोदूरकरेहेमऋ-तमें सुंठीसोंवातहूंकोचरहै पीपरकेसंगाशिशिरपौनहूंकावेगहरेमधूसोंवसंतऋतूखाएकफजरहै छेईऋतसेव-नित्यलालीतनहोतसदाएकयेहरीतकीग्रनेकदुखहरहै.

॥ अथदिनचर्याविधानं ॥

॥ दोहरा ॥ नरकोइहगुणउचितहैं प्रातसमैउठभोर इष्टदेवकोध्यानधर पाछैवर्तैंओर चिंतनकरदिनकीक्रिया कारणकरणाजोय पाछेसेजसोंउतरकर त्यागमूत्रमलसोय उत्तरदिसमुखत्यागमल दिनमोउचितविचार दक्षणमुखनिसकेसमे शास्त्रकारमतधार मलत्यागतवोलेनहीपाछैजलांहिसंजोग दंतधावकरसोधमुख द्वादसकुरलीयोग सैंधानोनफुनसुंठभुंन जीरासमकरपीस पाछेमलेजुदांतको रोगनव्यापेसीस चिकनाईतनदूरकर वुटनामलसुखहोय वुटनेसोवीरजवडे रोगनव्यापतकोय सनानकरेइहगुणधरै गर्मीरोगहरेय हृदयतापदुखरुधिरका तनदुर्गंधटरेय तेजवढेदिक्कीहरै क्षुधारुचीसुवधाय वुद्दिधर्मसुखद्रव्यमो कर्ताजानमनभाय ॥ दोहरा ॥ स्नानकरेआयुवढे होतरोगकोभंग स्नानकरेनरानित्यहीं देखवलावलअंग ज्वरीखेदहिचकीजुनर अतिभोजनअरुक्षीन वमनीकफअरुवातयुत इनकोस्नाननचोन्ह करेस्नानफुनिदानाविध फुनिभोजनमनभाय फुनिमिसरीयुतदूधहित ऊनअधिकनहिखाय भोजनकरसूधासवै वलकोअधिककराय वामेकटिपरलेटजो आयुर्वलवढजाय जोमानसभोजनसकरत दौडेमृत्युतिहसंग तातेंभोजनकरसहज शतपदगमनकरअंग सांझसमैभोजनकरै मैथुननिंद्राजोय रोगवरैतिहनरहिकोताहिकरैनहिकोय निद्रादरिद्रभोजनज्वरहि मैथुनआयुषाहारयातेतीनोवर्जकहि मनमोधारविचार.

॥ अथरात्रिचर्यावर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ निसकीचंदकीचांदनी दाहशरीरनिवार निसअंधियारीउदिततिह आनंदजुगहिविचार प्रथमपहरभोजनकरै शयनसुंदरीस्थांन गावदुग्धमिशरीमिलीपांनकरेरतिमांन पाछेभोगसुकीजिये पानतंवोलसुजांन जरानव्यापैदेहको निश्चैकरमनमांन.

॥ अथखट्वस्तूआनंददायक ॥

॥ दोहरा ॥ सजरामांसनवीनअन्न सुंदरस्त्रीहितमांन भोजनक्षीरनवीनघृत उष्णोदकअस्नांन.

॥ अथपट्वस्तूदुःखकारक ॥

॥ दोह ॥ सडामांसवृद्धास्त्रिया धूपसौंनहितनाहि परभातीमैथुनाक्रिया सजरादूधजमाहि.

इतिश्रीरणवीरप्रकाशे षट्ऋतुवर्णनपूर्वक त्रिदोषसंचयशांतिकोप ऋतूआहाराव्यवहारक्रिया जलविधिदिनचर्या नामत्रितीयोअधिकारः ॥ ३ ॥

॥ अथनाडीपरीक्ष्यावर्ननं ॥

॥ दोहरा ॥ कहोंपरीक्ष्यानाडिकी जातेदु'खसुखभास करअंगुष्टकेमूलतें समझलेहुगतितास करपदअंगुष्ठमूलकी वैद्यजुदेखेनार पुरुषकेदहनेहाथकी तिरियावामविचार आदिपित्तमध्यकफलषो अंतपव-

नकोजांन तर्जनिमध्यमनामिका तींनोसोंपहिचांन ॥ चौपई ॥ गतिकुलंगमेंडकअरुकाक पित्तविकारलषोइहवाक हंसमयूरकपोतगतिलहो कफसंयुक्तनाडिसोकहो नागजलौकागतिनसजांनो वातविकारताहिमनआनो प्रथमजुनाडिमंदगतिहोय वहुरबेगसोंउटकैसोय द्वंदजदोषयुक्ततिसजांन वैद्यग्रंथमतकीनप्रमांन तित्तरलबबटेरगतिजास सन्निपातनाडीलषतास केवलउष्णचलैजोनारि सोलखलीजैरक्तविकारिइस्थिरसबलचलैनसजवै शुद्धविकाररहितलषतवै जोनाडीचलैअतीगंभीर आंमदोषतिसजांनोधीर दुर्बल चपलचलैजोनारि क्षुधावंतसोलैहुविचारि कामातुरकीनाडिसुजांन शीघ्रगतीतिसकीतुममांन चिंताव्यापतजिसतनमांही क्षीणगतीधमनीलखतांहि भयसंयुकपुरुषजोजांनो महांक्षीनधमनीतिसमांनो मंदअग्निधातुवलक्षीन महामंदगतिताकीचीन उष्णवेगसंयुतजोहोय ज्वरकीनाडीजांनोसोय अतिशीतलअतिक्षीनलषावै सोरोगीजमपुरकोजावे ॥ दोहरा ॥ क्षणटपकैक्षणगुत्तरहिदुर्वलतादिषराय सोरोगीनिश्चयलषोयमकेधामसिधाय ॥ चौपै ॥ ततक्षणाजिसनराकियास्नांन अथवाभोजनततक्षिणमांन वावुटणातैलजुअंगलगाय अथवाकौउतपंथजुआय क्षुधातृषाकरसंयुतजोय वाकामातुरनरजोहोय मलमूत्रवेगकरसंयुतजांन इनकीनारनहिदेखनमांन अज्ञानभावतेंदेखेजोय भेदकछूनहिसमझेसोय.

॥ अथान्यप्रकारनाडीपरीक्षा ॥

दोहा करअंगूठकेमूलजो प्राणसाक्षिणिनार तिसकीगतसोंदेहकी जानोंसुखदुखसार प्राणपिआरीप्राणकीजानपतीव्रतनार पतिहूकेसुखसोंसुखी पतिदोषेदुखदार दक्षणकरधरपुरुषका तिरिआवामविशेष ऐसेंप्रथम विचारकेपाछेनाडीदेष तर्जनिमध्यानामिका राखअंगुलीतीन करअंगूठकेमूलसों वातपित्तकफचीन तुरत स्नानकिआजिसें अथवासोयाहोय क्षुधातृषाजिसकोलगी वातपसीजोकोय व्यायामीअरुथकततन इनमेंजो कौआहि नाडीभावप्रकासतनसमझपरेनाहिवाहि ॥ चौपै ॥ जेकरवातअधिकतनडोले तर्जनितलेतोनाडीवोलेमध्यातलेपित्तपहिचांन कफअनामिकातलेप्रमांन नाडीतर्जनिमध्यातले वोलेवातपित्तजवमिले नाडीअनामातर्जनिपरसे ताछिनप्रघटवातकफदरसे नाडीमध्यमनामातरे वोलेप्रघटपित्तकफधरे तीनोअंगुरीकेजोनीचे वोलेसंन्निपाततौवीचे जेकरहोवेतनमेवात तिसकीनाडीटेढीजात जिसतनहोवेपित्तप्रकासनाडीचलेउछलतीतास जेकरनाडचलेगतिमंद तौजांनोतनकफकोफंद जेकरनाडसीघ्रगतिजात तौजांनोतनसन्नहिपात ॥ दोहा ॥ टेढीव्हेउछलतचलेवातपित्तपरनारि टेढीमंदगतीचलेवातसलेषमकारि प्रथमउछलफुनिमंदगतिचलेनाडजोकोय तौजांनोतिसदेहमेकोपपित्तकफहोय वातवेगपरजोचलेसांपजोंकज्योंकोय पित्तकोपप[illegible]चलेकाकमेंडुकीहोय कफकोपेतवहंसगतअथवागतीकपोत तींनदोषपरचलतसोतित्तरलवज्योंहोत स[illegible]ा कवहुंमंदगतिहोय नारीसीनारीचले कवहुंसीघ्रगतिसोय दोषदोइतवजानिए ॥ दोहा ॥ ठहरठहरकरजो[illegible]लेतोनाडीमृत्युदिखात पतिवियोगतेज्योंप्रियाशिरधूनतपछतात अतिहिक्षीनगतिजोचलेअतीसीततरह[illegible]य तौपतिकीगतनासकीप्रघटदिखावतिसोय कांमक्रोधउद्वेगभयवसेचित्तजिहचार ताहिवैद्यनिश्चाधरेचलतक्षीनगतिनार ॥ छप्पै ॥ धातुक्षीनजिसहोयमंदवाअगनीयाकी तिसकीनाडीचलतमंदतेमंदतराकी तपततौरतनचलतयौनसीभारीनारी ताहिवैद्यमनधरेतौनसीरुधिरदुखारी भारी नाडीसमचलेस्थिरावलवतिजांन क्षुधावंतनाडीचपलरथिरातृप्तमयमान इतिनाडीपरीक्षा.

॥ अथनेत्रपरीक्षावर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ वातजनेत्ररूखेरहै धून्नजरंगविकार चंचलखुलेझमकेनहि कालेरंगविकार पित्तनेत्रपीलेरहैं नीलेलालतपेह ततधूपनहिंदृष्टिादिक लक्षणतांकेयेह कफजनेत्रजोतीरहित चिट्टेजलभरताहि भारेवहुताही-प्रभा मंददृष्टिदरसाहि कालेखुलेजुमोहसों व्याकुलअरुविकराल रूषेकबहुलालहोय त्रैदोषजतिहभाल तीनतींनदोषहिजहां त्रैदोषजसोंमांन दोदोदोषलषेजहां द्वंदजतहांपछांन.

॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ एकदृष्टस्वाधीननहि आपहिखुलामिलजाहि पलकांकृष्णताराछिपी अंधकारदरसाहि भ्रमधूम्रांसोदृष्टपरऔरहिऔरविभाग नेकरंगविकराललख वहुविधचेष्टात्याग.

॥ अथसाध्यलक्षणं ॥

सौम्यदृष्टसुंदरसुषी हसमुखदृष्टमंझार वैद्यकरेऔषधाक्रिया पथ्यजानतिहसार.

॥ अथान्यप्रकारनेत्रपरीक्षा ॥

॥ दोहा ॥ रूखेधून्नडरांमनेचंचलझमकितनाहि भीतरसेकारेलखेवातरोगहैताहि पित्तकोपपरपीतरंग-अथवानीलेलाल ततरहेलोचनसदासहेनदीपकझाल जोतिहीनसितजलभरेरहतजोभारेएन मंदमंदअवलोकतेकफरोगीकेनैन कालेअलसानेखुलेमोहाकुलविकराल रूषेनैनत्रिदोषकेकवहुंहोतहेंलाल तीनदोषकेचिन्ह-लखतीनोदोषप्रमांन जहांचिन्हदोदोषकेदोइतहांपहचांन ॥ छप्पेछंद ॥ जवएकदृष्टदृगरहेनहीस्वाधीन दुखीके फुनिखुलेआपमिलजाएंपलकखिनमाहिअखीकें रहितसदादृगखुलेमिलेवारहितनिरंतर छिपीकृ-ष्णसीसारतारकाभ्रमतधुअंतर विवधरंगविकरालहोचेष्टाविवधदिखाय जिनकेऐसेनैनलखरोगीयमपुरजाय- ॥ दोहा ॥ सौम्यदृष्टसुंदरखुसीजिनकायथाशुभाय ताहिवैद्यलखज्योंकहेरोगमुक्तहोजाय ॥ इतिनेत्र-परीक्षा ॥

॥ अथमुखपरीक्षावर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ जडवतउठमिलेनही रूखाकांतिविहीन पलपलमेंसूकतरहै वातजमुखहचीन रक्तवर्नमु-खपीतवर ततहोयअतिदाह लिसकतउष्टनासाजुमध्य जलनहोतापिततह भारामुखचिकनारहे सूनयरहेति-हचाल अरूफेनलजोमुखरहे ताहीकफहिलषभाल दोदोलक्षणमुखरहै द्वंद्वजजानप्रवीन त्रैत्रैलक्षणजाहि-मिल त्रैदोषजसोचीन.

॥ अथान्यप्रकारमुखपरीक्षा ॥

॥ दोहा ॥ जढवतउठमिलेनहीरहेकांतिविनरूख वातकोपपरजातहैछिनाछिनमेमुखसूख रक्तवर्णजो-मुखरहेअथवापीतदिखाय ततरहतआननजिसेपित्तकोपप्रघटाय भारासितचिक्ननायथाआननशून्यदिखाय-

कहिएताहिसुनायकेकोप्पोकफदुखदाय लक्षणजहांत्रिदोषकेतहांदोषहैंतीन दोलक्षणदोदोषकेजानतबुद्धिप्रवीन ॥ इतिमुखपरीक्षा ॥

॥ अथजिव्हापरीक्षावर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ हलकीजिव्हापुष्टवर चारोतरस्वछहोय स्वादमधुरपतलीप्रभा सभरसप्रीतकजोय लालविसालसुद्धमैलसो जोजिव्हामुखमाहि ताहिसुद्धाजिव्हाकहै बुधजनहितसमझाहि फाटीसुष्तारूक्षवर पतलीदुरबलजांन चंचलधूमररंगहोथ खौरीस्पर्शमोमांन तीक्षणइवफाटतरहै तालूसूकनमाहि वातजाजिव्हाजानतिह वैद्यदृष्टिकरताहि लालरंगकौडीरहै जढसेपीलीहोय सिंवलकेकांटेसदृश लालअंकुरलखजोय दाहपक्ककलुनीलवर कटुसलूनप्रियताहि पित्तजाजिव्हामानबुध वैद्यककहितसुभाहि मांसअंकुरसंयुक्तजो गाडीश्वेतरंगहोय स्वादमधुरकफलेपकर जडवतरहहैसोय स्वादजुपाछेआवतचष षटरसचाषनचाहि श्लेष्मजिव्हतिहजानबुधग्रंथकहतमतयाहि नीलधूडसदृशजुहैलालपीतमिलमांन सूकीसमतापायगुणथकितरहैजडजांन कांटेउगतमध्यभागतिहफूटीवहुतविकार द्वंदजाजिव्हावातपित्तमानलेहतिहसार नहितरनाहिवहुखुरकहै मंदजडाहिदरसाय वचनअहारकरनहिसकैधूडेरंगप्रभाय श्वेतविकारसंयुक्तअतिभारीमधुरतिहस्वाद वातकफहिसोजानियोऐसेजिव्हविबाद श्वेतपीतअरुलालयुतकांटेकौडीहोय कफपित्तजिव्हाकहितहैवैद्यविचारेसोय कालीनीलीदुष्टरंगकांटेउगतविकराल चेष्टारहितजिव्हाजुनरसन्निपातसोंचाल इतिजिव्हापरीक्षा

॥ अथान्यप्रकारजिव्हापरीक्षा ॥

॥ दोहा ॥ हरीरंगमधुरीफुटीलालेंचलतअचेत जडवतजिसकीजीभतिसकहिएवातनिकेत रक्तवर्णजैसीदगधतीखीदाहकजांन कांटेजैसेछिद्रलखताहिपित्तपरमांन जेतनकफकाकोपहैजिव्हास्थूलविचार भारीखारीलेसलीकफकोप्पोदुखदार दोलक्षणदोदोषकेकिएसास्त्रपरमांन लक्षणतींनत्रिदोषकेजानतवैद्यसुजांन-
॥ इतिजिव्हापरीक्षा ॥

॥ अथमूत्रपरीक्ष्यावर्ननं ॥

॥ दोहरा ॥ [illegible]द्यउचितहैयाहिविधभोरउठेमनभाय रोगीकोंउठवायकर कांसपत्रमुतराय अथवाकाचकोपात्रहो सोराखेमतिमांन कपडेसोंढककेधरेसूर्योदयफुनिआंन वैद्यपरीक्ष्याताहिकर गुणऔगुणहिविचार [illegible]पानीसदृशहुवे कलुनीलावातविकार लालकुसुंभकेतुल्यहोय गर्मपीतरंगजांन थोडाउतरैजानियो सोगर्मीकरमांन ठंडाश्वेतअरुचीकना कफरोगीपहिचांन फुनचारघडीतिहमूतको धूपधरैसोआंन चारघडीपाछैलखै तैलवूंदतिहपाय फैलजायतौजानियेरोगसाध्यसुखदाय तैलवूंदफैलेनहीबिंदुरूपथिरहोय असाध्यकष्टसोहोतेहैमानवैद्यमतसोय डूबजायजोवूंदसो अथवाघूंमनघेर तौवहरोगीमृतकवत्

निश्चैकरसिरफेर जाहिब्रूंदतालावसम हंसपद्मअरुछत्र हस्तीचामररूपधर सोनिरोगहोइमित्र अजामूत्रकीगंधिलख ताहिअजीरणरोग कालावुदवुदतुल्यजो सन्निपाततिहजोग गर्मलालकेसरसदृश ज्वरहिरोगदरसाय लालधारउतरेजिसे महांरोगप्रघटाय मूत्रतैलसरसोंसदृश वातापित्ततिहरोग कालीनीलीधारजिह ताहिमृत्युकोयोग तैलबूंदपडमूत्रमों छिद्रखडगदंडकार धनुषसदृशजोपेखीये तांकीआशनधार कूपोदकसममूतजिह लिंगरोगातिहजांन ऐसेजानविचारमन मूत्रपरीक्ष्यामांन

॥ अथान्यप्रकारमूत्रपरीक्षा ॥

॥ दोहा ॥ घडीचारजवरातहैरहैवैद्यतवआय करेपरीक्षामूत्रकी यथाग्रंथमतभाय पहलीधारादूरकरराखदूसरीधार काचपात्रवाकांसमेढककरराखसह्मार भानुउदेफुनिदेखिएमूत्रपात्रकोल्याय ताहिपरीक्षाकीजिएइतउतमूतहिलाय जलसमांनरूखाबहुतमूतवातपरजांन लालरंगवापीतरंगथोडापित्तप्रमांन श्वेतरंगाचिकनाघनामूतकफीकाहोय दोइचिन्हदोदोषकेतीनतीनकेजोय प्रातसमेकेमूत्रकोराखधूपमेल्याय तैलबूंदडारोतवेंजववहनिश्चलथाय ॥ छप्पेछंद ॥ पसरजायवहबूंदतवेतुमकुसलपछांनो विंदुरूपथिरहोयरहेतोअसाध्यव खांनो पसरपूर्वदिसजायतैलवापश्चमउत्तर रोगमुक्तकहुताहिदेखकरऐसोमूत्तर दक्षिणदिसईसानअरूअगनीनैनृतवायु इन्हदिसांनपरधायतौथोडिकिहिएआयु ॥ दोहा ॥ डूबजायवहबूंदवाभ्रमैवानिश्चलहोय कहिएताहिसुनायकेरोगकोपयुतसोय तेलपसरकरमूतमेंमूर्तिविकारदि खाय हलखरकछपऊठयोतौरोगीमरजाय हंसछत्रध्वजआदियेरूपदिखावेसोय रोगजायरोगीजिएवडीआयुखाहोय ॥ इतिमूत्रपरीक्षा ॥

॥ अथरोगीपरीक्ष्या ॥

॥ दोहा ॥ रोगपरीक्ष्याकहतहों भावप्रकाशअनुसार दृष्टस्पर्शपूछनक्रिया स्वप्नशकुनसुविचार कालज्ञानऔषधक्रिया देशअवस्थापेष अग्नीबलक्रमसमझकर साध्यासाध्यसुलेष दृष्टिपरीक्ष्यापूछनें मर्मनपावैरोग इनकारणवैद्यसुक्रिया समझगुणागुणजोग स्पर्शकरेज्वरजानिये उदरशूलसिरपीड बवासीरउपदंशफुन गर्मस्वजाखगंभीर होलदलीपरमेहइतिभूतादिकआवेश बिनपूछेसमझेनही वैद्यचतुरसुघरेश ॥ इतिरोगीपरीक्ष्या ॥

॥ अथस्वप्नपरीक्षा दोहरा ॥

जोस्वप्नहिमोदेवता राजाजाचकमित्र ब्राह्मणगौअग्नीलषै तीर्थजुस्नानविचित्र १ होवेशीघ्रनिरो[illegible]ता निश्चैजानप्रवीन स्वप्नपरीक्ष्याअवश्यकर.रोगीकोविधचीन जोस्वप्नहिचौकरउलंघ शत्रुजीतघरआय रथपर्वतऊपरचढै शीघ्ररोगमिटजाय स्वेतवस्त्रधारणकरै मांसमीनफलखाय सोरोगीरोगहिकटै शीघ्रचैन मोआय सोरठा भृंगमक्षिकाजोंक वृश्चिकसांपडसेजिसे सोनरहोए विसोकधनअरोगतनपायकर मेरेरोएवाकोय

आंममांसभक्षनकरे रोगीराजीहोय राजीसोबहुसुखकरे ॥ दोहरा ॥ स्वप्नअगम्यागमनकर कायाविष्टालेप रोवेअपमृतलेषपर मांसखाएविनषेप अहिफनमखीस्वप्नमें डसेरोगकीहान असैस्वप्ननिरोगलष ताहिस्वप्नशुभमान नग्नमुंडितलालपट पहरेकाहूदेष नकटाबूचाकृष्णहथ आयुधफांसकरपेष गधासवारीकरतहैदक्षिणादिशकोंजाय सोअसाध्यरोगीरहै भैसाऊठचढाय ऊचेसेनीचेगिरे जलअग्नीडुबजाय सोरोगीछूटैनही रोगफासमोंआय सिंहादिकहिंसकजीवही सोभक्षणाजिहजांन दीपकबुझतादेषहै तैलमद्यकरपांन खाइपकानकूपेगिरे इहस्वप्नाहैहीन जोनरदेखेनहिकहै प्रातसमैमतिधीन भस्मलेपअंगनमलैस्वच्छदेहपरमांन स्नानकरेअतिशुद्धमन देवपितरजलदांन हवनपाठपूजाक्रिया शांतिचित्तकरदेह इहकारनदुस्वप्नको दोषसबैटरलेह. इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रिरणवीरप्रकासभाषायांऔषधकालवर्णनपूर्वकस्वप्नपरीक्षाकथनंनामतृतीयोऽधिकारः ३

॥ अथदूतपरीक्ष्या ॥

॥ दोहरा ॥ जोनरवैद्यबुलावने भेजेरोगीजाहि कानाखोदानककटा नाहिभेजनोताहि अतिनिर्मलवस्त्रनसहित वाहनचढेरथसोय वैद्यभेटसंयुक्तवरे उत्तमवर्णसुजोय प्रथमवर्णअछाउदितदूतसु हितकरचीनबामेस्वरलषचलरहै वैद्यल्यायपरबीन सोरोगीतिहवैद्यके दारूस्वच्छबलहोय दूतपरीक्ष्यायहउचित भावप्रकाशमतजोय इतिदूतपरीक्ष्या ॥

॥ अथशकुनपरीक्षा दोहरा ॥

वैद्यचलेजवयतनहित सन्मुखशकुनविचार जोशीतलशकुनाहिमिलै रोगीरोगनिवार १ फलफूलहिअन्नलेमिले तुर्तनिवारतरोग पावकआदीगर्मजो सोसन्मुखमंदजोग २ इतिशकुनपरीक्षा.

॥ अथसाध्यपरीक्ष्या ॥

॥ दोहरा ॥ जाकीप्रकृतीदृढरहै अग्नितीव्रहृदमाहि काहूविधरोगीलषै एकअवस्थाताहि १ रोगनिरंतरएकहोय औराचिकित्सासार प्रथमऔषधीतासगुण अरुवैद्यकजियधार २तीजोचाकरहिताहिवर रोगीजितेंद्रियमान घटनवढनजानतजुगत रोगसाध्यातिहजान ३ ॥ चौपै ॥ दोइवारप्रतिदिनमलत्यागे छेइवारमूतेसु खजागे ऊनअधिकहोवेतवजांनो दोषकोपतनमाहिपछांनो इतिसाध्यपरीक्ष्या.

॥ अथअसाध्यपरीक्ष्या ॥

॥ दोहरा ॥ जिहरोगीनिसानीदनहि कफकंठहिरुकजाय दाहहोयनाडीसुमंद बोलतजीभथकाय सवइंद्रीअपनीक्रिया धर्मछोडकरचाय सोरोगीनिश्चयमरै मंदाग्निप्रगटाय क्षीनप्रकृतिनेत्रलालहै स्वासउठतहृदमाहि शूलतंद्राहिडकीरहे तृषाबहुतहोजाहि बहुसोवेअतिदाहहोय अधिकपसीनाआय चिकनाहोवैअधिकतन निश्चेसोमरजाय ॥ इतिअसाध्यलक्षण ॥

॥ अथकालज्ञानवर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ निसगर्मीदिनसीतलग कंठकफहिसंयोग तिहरोगीत्र्प्रासानहीनिश्चेजांनोयोग नासात्र्प्रग्रहो यसीतत्र्प्रति हाथपैरहृदशीत सिरमोशूलसुचढरहै मरणताहिधरचीत कांतितेजलज्जानही अधिकक्रोधहो जाय त्र्प्राशातिहकीमासषट पाछेतेमरजाय त्र्प्रंगकंपभंगरूपहोय रंगशरीरमिटजाय चितसुगंधदुर्गंधनहि त्र्प्रावैमृतसोभाय वृक्षडालीत्र्प्रागाहिलषैषटऋतुमरैसुरोग कामकरैपरस्वेदनहि तीनमासवसहोग त्र्प्रांषदेहमुखवर्णसव त्र्प्रौरहित्र्प्रौरसमान जीभनासिकात्र्प्रग्रजुगभृकुटीमध्यनहिजान मुखकोवर्णविवर्णत्र्प्रति नासात्र्प्रग्रवटमान कानसुनैनहिशव्दको रोगीमरैसुजान त्र्प्ररुवोलनवाणीथकै समर्थदेहकोचाव नेत्रलालरोगीमरै इंद्रीग्रहनस्वभाव जलमोछायानहिलषै मरैत्र्प्रवश्यतूंजान मुखपंकजसमलालहो जिव्हाकालीमांन कायामोंपीडारहैमरननिकटतिसहोय हृदयनाभिकांधेजुगल कंपवायकरसोय श्लेषाशतभिषत्र्प्रार्द्रा स्वातीमूलनक्षत्र पूर्वाषाढाफाल्गुनी पूर्वाभाद्रपदमित्र भरणीरविशनिमंगलहि छठद्वादशमोजांन जोरोगहिरोगीवरै ताहिमृत्युकरमांन नेत्रपुतलिमोंदूसरे त्र्प्रपनोरूपनहिदृष्ट सोरोगीभीमरतहै निश्चैजानवसिष्ठ जिहरोगीकोरविउदित दहिनासुरप्रगटाहि संध्यावायोंचलरहै मरैनजानउपाय जायजोमारुतपित्तग्रहापित्तहोवेकफगेह कफहोवेजवकंठमेप्राणतजेतवदेह ॥ चौपै ॥ ध्रुवत्र्प्ररुंधतीहारिपदतीन नहिदेखेसोप्रानविहींन जिव्हासोत्र्प्ररुंधतीजांनो नासिकाग्रकोध्रुवपहचानो भ्रूकोमध्यविष्णुपदकाहिए नहिदेखेसोत्र्प्रंतकलहिए. ॥

॥ अथऔषधविचार ॥

॥ दोहरा ॥ वैद्यउचितइहसारहै त्र्प्रौषधगुणहिविचार रोगीरोगप्रमाणलष त्र्प्रौषधक्रमसोंधार जेतोरोगप्रमाणलष त्र्प्रौषधतिहसमदेय कडवीत्र्प्ररूकखाइजो रोगीग्लाननकरेय नहिषावैद्वेषसुकरै सोरोगीनहिजीय क्रमत्र्प्रनुसारकरऔषधी प्रथमपरीक्ष्यालीय इतित्र्प्रौषधविचारः

॥ अथदेशविचार ॥

॥ दोहरा ॥ देशतीनपरकारहै त्र्प्रनूपसाधारउद्यान जहांत्र्प्रधिकजलवहितहै तहांत्र्प्रधिककफमांन जैसेपूर्वत्र्प्रनूपदेश जिहलक्षणगुणएक वातपित्तकफसमानहै साधारणसुविवेक वायुत्र्प्रधिक जिहदेसमो सोवनकोतूंमांन देसत्र्प्रनुसारजुदेहहै प्रकृतिप्रमांनसुजांन इतिदेशविचार.

॥ अथकालविचार ॥

॥ दोहरा ॥ कालसुतीनप्रकारहै शीतउष्णवर्षत त्र्प्रधिकशीतवाशीतनहि रोगताहिउतरंत शीतकालगमींवरै सोविपरीतप्रवीन उष्णउष्णतात्र्प्रधिकहोय त्र्प्रथवाउष्णविहीन समकररूपजुनहिटिकै समविप्रीतसो-

चीन वर्षांऋतवर्षाअधिक अथवावृष्टिनहोय तौभीरोगसुआवै मानुषरोगवरजीय जाहीसमताकालकी-
जाहिऋतूतिहरूप सोनिरोगकालहिकहै देसअरोगअनूप इतिकालविचार.

॥ अथअवस्थाविचारः ॥

॥ दोहरा ॥ तींनअवस्थासोकहोबालजुवावृद्धमांन उत्तममध्यमअधमतिह मानुषदेहप्रमांन स्त्रीकारूप-
पछांनकर गर्भअवस्थातींन देहीकायुस्वरूपलष औषधकरमतचींन बालअवस्थाआदकर षोडशवर्षपर्यंत
मात्राउचितप्रमांनलषऔषध करमनचिंत जुवाअवस्थाकायवर बलअनुसारसुदेहि निर्वलच्छीनविचारकर
औषधपानस्नेहि वृद्धावस्थावलरहै कभीच्छीनकभीमंद देषबलाबलदेहको औषधकरआनंद ॥ इतिअव-
स्थाविचारः ॥

॥ अथअर्थविचारः ॥

॥ दोहरा ॥ अर्थविचारसुपांचविध शब्दस्पर्शअरुरूप रसगंधादिविचारिए इनकेस्थानअनूप शब्दस्था-
नसुकांनमो स्पर्शहित्वचामंझार रूपस्थानसुनेत्रमोंरसस्थानमुखसार गंधस्थाननासाकहै घटनवढनपरकार
ताकेअर्थविचारकर वैद्यसमझमनधार शब्दघटेतौजानिए अल्पअधिकश्रुतधार मिथ्यासुनैकछुकाकछू इ-
हश्रुतघटनविचार स्पर्शक्षीनतवजानियो थोडाकरैसंचार मिथ्यास्पर्शकछुकाकछू स्पर्शघटनसुसह्मार दृ-
ष्टिघटनतौजानिये थोडादृष्टिनआय मिथ्याकछुकाकछुलखे दृष्टिघटनातिहचाय रसइंद्रीघटजानियेअल्प-
खायबहुखाय मिथ्याखायसुचाहिकर रसइंद्रीघटभाय सुंघनघटनइहविधकही अल्पसुगंधीधार बहुसूंघै-
मिथ्यावैरै सूघनसूंघाविचार इनकारणनरबोधकर अर्थविचारदृढधार समझबूझवर्तैसदा रोगरहितसंसार इ-
तिअर्थविचारः

॥ अथकर्मविचारः ॥

॥ दोहरा ॥ कर्मतींनविधजानिये कायकमानसवाच कायककायामोरहै मनमहिमानसजाच वच-
नवाचिकाजानइह तीनोकर्मविचार विवधप्रकारसोकहितहों चतुरजीयमोधार कायथकनतेजानिये थो-
डाकर्मकरेय अथवावहुकछुकर्मकर कछुकाकछूधरेय मनघटनातबजानिये अल्पइछामनमाहि बहुइछाक-
छुहीकछू मानसघटनगिनताहि बाणीघटनतौजानियो बोलैअल्पसुभाय अथवाबहुबकतारहै कछुकाक-
छूसुनाय जोनरइहतींनोगुणहि समवर्तैवुद्धअनुसार सोअरोगदेहीरहे इहकर्महिनिरधार.

॥ अथअग्निबलविचारः ॥

॥ दोहरा ॥ अग्नीपांचप्रकारहै सभकीदेहमंझार मंदाग्नीतीक्षणप्रभा विषमाग्निसुविचार समअग्नीचौ-
थीकहीभस्माग्नियहपांच सबशरीरवरजानियो पांचप्रकृतितनसांच जाहीकफकीप्रकृतिताहिहोतमंदाग्न कफ-

हिरोगउत्पतकरै सोअतिमंदसबअग्न जाहिपित्तकोप्रकृती तीक्ष्णअग्नतिहहोत खानपानपाचतरहै गर्मरोगउद्योत वातप्रकृतीतनजाहुके विष्माग्नीयुतसोय पचअपचअन्नसुकरै वातरोगतिहजोय समाग्नीसमजोहोतहै सर्वअग्नमोश्रेष्ठ अन्नपचैरोगनलिपैसर्वप्रकारकरइष्ट भस्मअाग्नितिहजानियो भस्मकरोगउपजाय समापायऔषधवरै कायाकफनरहाय पित्तअग्नजबबढततिह मारुततीव्रप्रवाहि तीक्ष्णअग्नप्रगटतरहै भस्मकअग्नहोताहि भोजनजलजोनहिमिलै प्यासपर्सीनाआय मूर्छादाहआदिककरै मारतहैतिहचाय तातेंअग्निप्रभावलख यतनकरेवुद्धवांन ताकोरोगविचारकर प्राणीजीयसमांन जोभस्मकअग्नीपुरुष ताहिचिकित्सानाहि भोजनसोहोवतउदित नाहिपडैमरजाहि.

॥ अथयुक्ताऽयुक्तविचार ॥

॥ दोहरा ॥ युक्तायुक्तविचारिएसातोविधपरमांन विधिविधानवर्णनकरों जातेसारपछान स्नेहपानविधस्वेदविधवमनविधीसुविचार रेचनविधवस्तीविधी धूम्रपांनहितसार रुधिरछुडावनजानतिह जौंकशृंगिअनुमांन विधविधानसातहिकहै युक्तायुक्तप्रमांन.

॥ अथस्नेहपानविधिः ॥

युक्त ॥ दोहरा ॥ सनेहपांनविधिकहितहों सुनलीजैचितधार जैसेसबग्रंथनकही तैसेकरोंउचार ॥ चौपई ॥ कटिउरुजंघपादमंझार जाकोवातकरैसंचार स्नेहपानयतनसोकरै ताकीविधआगै सभ उचरै-स्नेहभोजनादिकजोपान ताकीइंद्रीहोयबलवान इंद्रियव्याकुलतानहिगहै पक्ष्याघातहृदरोगनरहै अन्नसाथपुनकरहैपांन बलअरुवर्णहोयतिसमांन जोकटिपीडाहोवैजास असप्रकारविधिजानोतास प्रथमसनेहपानकरवावै उष्णतोयपाछेहिपिलावे ऐसीविधजोग्रंथनकही कटिपीडामोहितकरलही सरदऋतूकरहैघृतपांन मज्जावसावसंतप्रमांन उष्णतैलवर्षाऋतपीवै ग्रीषममोघृतपानसुथीवे शिशिराहिमंतशीतमोजानसबसनेहकोपांनप्रमांन पित्तविकारकेवलघृतपांन वातविकारसलवणपछांन कफविकारमोतैलपिलावै त्रिकुटाअरुयवक्ष्यारमिलावै शीतकालमोदिनकरैपांन उष्णकालरात्रीपरिमांन जोवातपित्तअधिकलखलीजै तौभीरात्रिसमयसोपीजै वातऔरकफअधिकलखावै तोदिनहूंमैंताहिपिलावै उष्णकालकफपैतिकपीवै मूर्छात्रिषाताहिफुनथीवै वातकफीपीवेशीतकाल शूलअरुचगुरताजुविहाल

॥ अयुक्तः चौपै ॥

अजीरणतरुणज्वरहिमंझार दुर्बलअरुचमूर्छितजुविकार स्थूलछर्दमदपीडितजोय रेचनांतअकालप्रसूतासोय एतेकरेनहिस्नेहविधान करैतोरोगअनेकपछान जोशुद्धकोष्ठसेवेजुसनेह बलवरणधातुवृद्धिलखतेह जरामंदइंद्रीदृढथावे इकशतवर्षसुजीवरहावे ॥ दोहरा ॥ सनेहपानकीविधकही चिकित्सग्रंथअनुसार याप्रकारजोपानकर उठेनकोपविकार इतिस्नेहपानयुक्तायुक्तविधिः

॥ अथस्वेदविधिः ॥

॥ दोहा ॥ स्वेदाध्यायवखांनहो भावप्रकासनुसार जाप्रकारवर्णनकियो सोसुनिएमतिधार ॥ चौपै ॥ जाकोहोवेवातविकार ताकोस्वेदविधीहितकार स्निग्धदेहजाकोलखपावे ताकोस्वेदअवश्यकरावे वासनेहमर्दनकरलेवे पाछेस्वेदताहुकोदेवे स्वेदअन्यथादेवेनाहीं जाप्रकारसमझेमनमांहीं दसमूलक्राथकरदेवेस्वेद वचावेनेत्रदूरसभखेद तिलअरुमांसमेलकरक्काथ करेस्वेदवावालुकसाथ वामिट्टीकरगोलाल्यावे इहसंगवा स्वेदकरावे वृषनहृदैनेत्रनपरसोई कोमलस्वेदकरेहितहोई वक्षस्थलमध्यममनधार स्वेदविधीकरदोषनिवार-जेकरअतिशीतलतनजांने महास्वेदकरदूरपछांने दुर्वलकोकोमलकरस्वेद मध्यमकोमध्यमलखभेद महांस्वेदवलहूंपरदेवे ऐसोभेदसमझकरलेवे करेस्वेदतनहलकापावे निश्चेवातविकारनसावे सकलइंद्रिआंनिर्मलहोई रोमद्वारखुलजावेंसोई रोगीपुरुषकफीलखपावे रूक्षवस्तुकरस्वेदछुडावे जेकररोगपित्तअतिहोई कदाचितस्वेदकरेनाहिसोई जेकरस्वेदताहुकोदेवे दाहतृषाभ्रममूर्छालेवे रक्तपित्तपांडूयुतजोय तृषतक्षीनक्षतदुर्वलहोय-अतीसारवागर्भिनिनार इन्हकोस्वेदनहीहितकार ॥ दोहा ॥ स्वेदविधीऐसेंकही लिखीग्रंथमतजोय करेवातव्याधीहरे तनहलकादुखखोय ॥ इतिस्वेदविधीः ॥

॥ अथवमनविधिः ॥

॥ दोहा ॥ वमनविधीवर्ननकरो ग्रंथमतीचितधार जाप्रकारविधिवतकही निश्चेदोषनिवार ॥ चौपै ॥ जाकोकफअतिहींप्रघटावे वमनविधीकरसुखउपजावे ऊर्धरोगजाकेतनहोई ताकोवमनविधीहितसोई नवज्वरहोएकुष्टलखपावे श्लीपदवाउन्माददिखावे स्वासकासहृदरोगीजांन इनकोवमनविधीहितमांन तिमररुजवागुल्मीहोई उदरविकारपांडुयुतजोई क्षतकरक्षीनमवेसीजाको वृद्धहोएविधवमननताको प्रमेहीपुरुषरूक्षतनजांनो तरुणगर्भीणिनारपछांनो निकसेरुधिरकंठकेमाहीं वमनविधीइनकोहितनाहीं जेकरइन्हे-अजीरनहोई अथवाविषनरखावेकोई अधिककोपकफकालखपावे वमनविधीकरसुखउपजावे कफकाकोपअधिकलखपाय उष्णतीक्षनकटुवमनकराय जेकरपित्तअधिकतनहोई करेवमनविधसीतलसोई स्निग्धवस्तुकरवातनसाय जाप्रकारविधवमनसुखाय करेवमनविधवमननहोई करेऔरविधआगेसोई धात्रीकणानिंवसमक्राथसेवेविधिवतऔषधवसाथ वाकेवलजलउष्णापिलावे जाप्रकारविधवमनसुखावे जेकरअधिकवमनवधजाय तौहितवस्तूताहिखुलाय वमनहोएपाछेविधभावे जीरापीसजीभपरलावे अथवाद्राक्षपीसकरलाय अतरसुगंधिआदमनभाय ॥ दोहा ॥ वमनविधीविधिवतकही सकलग्रंथअनुसार समझचिकित्सा जोकरे सोहैवैद्यउदार इतिवमनविधीः

॥ अथरेचनविधीः ॥

॥ दोहा ॥ आदवमनविधजोकही मांनदोषहरसोय फुनिरेचनविधकहितहो यथाग्रंथमतजोय ॥ चौपै ॥ सर्दवसंतऋतूकेमाहीं वमनविरेचनविधहितताहीं आदवमनफुनिपाचनखावे ताकरकफकाकोपपचावे इनरोगनपरनिश्चेजांनो रेचनविधीसदाहितमांनो अजीर्णज्वरपांडूगदजांन वातरक्तमलसंचयमांन भगंद-

रववासीरयुतजोई उदररोगवागुल्मीहोई अरुचीरोगहृदेकाजांनो योनिरोगतनगरमीमांनो कर्ननासिकानेत्र-
विचारो विसफोटविसूचीशूलनिहारो मुखप्रमेहशिररोगजोहोई मूत्राघातसोथयुतजोई इनरोगनपररेचनमांनो
तातकालदुखदूरपछांनो आगेभेदअौरसुनलीजें रेचनविधइनकोनहिकीजें वालकवृद्धक्षीनतनजोई दुर्वल-
तनशस्त्रक्षतहोई भयसंयुक्तखेदयुतजांनो तृष्णादोषस्थूलतनमांनो नवज्वरनारगर्भिनीजोई अथवासीघ्रप्रसूति-
होई मंदाग्निमेदरोगतनमाहीं रूखातनइनकोहितनांहीं पित्तप्रकृतिजाकेतनजांनो कोमलरेचनताहिपछानो
कफप्रकृतिपरमध्यमजांन वातप्रकृतिपरकर्डामांन दाषदूधहरडजोकहिए कोमलरेचनइनकालहिए त्रिवीकौ-
डकरंगुलजोकोई इनकामध्यमरेचनहोई दंतीथोहरदूधविचारो जमालगोटअरुचोषनिहारो करडारेचनती-
क्षणकहिए तीनभेदरेचनकेलहिए पांचसातादिनआगेजांन मुंजसकरविधसोइपछांन सोनामखीसौंफमंगावे मु
नकापुष्पगुलावरलावे ढाईढाइटंकसमल्याय सवाटंकजीरासंगपाय पाठासोदसटंकमिलावे तींनपाओज-
लक्वाथचढावे एकपाओजलशेषरखाय दिवसचारलगताहिपिलाय प्रतिदिनखिचडीघृतसोंदीजें दिवसपां-
चमेजहविधकीजे त्रिवीगुलावताहिमंगवावे सोनमषीअरुपाठापावे दसदसटंकभागसमल्याय जीराढाईटं
करलाय पांचोटंकसौंफसंगपावे करेक्वाथफुनिताहिपिलावे घृतसोंखिचडीखावेतांही खारीखट्टासेवेनांही
तीसदस्तआजावेजवहि उत्तमरेचनकाहिएतवहीं मध्यमवीसहांनदसजांन जाविधरेचनविधीप्रमांन ऋतुप्र-
मानरेचनविधजैसें भिनाभिनवर्णनसुनतैसें वसंतऋतूऐसामनभावे त्रिवीगुलावसौंफमंगवावे सोनमषीअरु-
जीराल्याय खंडपायशुभदस्तकराय मिसरीत्रिवीग्रीषमऋतमांन आवेदस्तदोषकीहांन वरषाऋतऐसामनभावे
त्रिवीसुंठमघदाखमंगावे मधूमेलहितसेवनकरिए आवेदस्तदोषसवहरिए सर्दऋतूऐसामनभाय त्रिवीधमां-
सादाषमंगाय वालानागरमुत्थरल्यावे मुलठिचंदनमिसरीपावे सोनामषीतासंगपाय सेवनकरदुखदूरहटाय
हिमऋतपाठाचित्राल्यावे त्रिवीवचचौखीसंगपावे सोनामखीतासंगपाय गर्मपांनकरखेदहटाय शिसरऋ-
तूमघसुंठील्यावे त्रिवीलूणमधुसंगरलावे सोनामखीतासंगपाय सेवनकरदुषदूरहटाय ॥ दोहरा ॥ ऋतुप्रमां
नरेचनकह्यो सेवनकरदुखहांन अवमोदककीविधकहों रेचनसुगमप्रमांन हरडछालफुनिमरचतज सुंठी-
वायाविडंग पत्रजपीपलआमलानागरमोथासंग पिपलामूलइकत्रकरइहऔषधसमल्याय तींनगुनादंतीधरे-
त्रिवीआठगुणपाय छेगुणमिसरीसंगकरचूरनकरेसुजांन मधूपायगोलीकरेढाईटंकप्रमांन प्रतिदिनगोलीएकले
सीतलजलकेसंग जुलावहोएमनहर्षहै उदरशुद्धरुजभंग राजरोगदुखनेत्रको ववासीरहरजांन कुष्टगंडमा-
लाकही कटीरोगकीहांन गर्मनीरपीवेनही तवतकरेचनहोय गर्मनीरपीवेतऊ दस्तवंदकरसोय विषमज्वर-
मंदागनी पांडुरोगहरजांन कासभंगदरअश्मरी मूत्रकृछ्रकीहांन उदरवातहिडकीतथा अवरअफाराजोय
प्रतिदिनसेवेदूरदुखअभयामोदकसोय इतिरेचनविधि.

॥ अथवस्तिकर्मविधिः ॥

॥ दोहरा ॥ वस्तिकर्मसुनलीजिए पिचकारीविधभाय रोगहोएमलमूत्ररुक अथवाप
वनरुकाय गुदावीचवाइंद्रिमों पिचकारीधरलेय जस्तनलीवाहाडकी स्वर्णरजतवातेय गोपुछ-
हिंसदशवनी सुवकऔषधीसंग गुदाइंद्रिकेवीचधर करेरोगकोभंग दोप्रकारसोविधकही अनुवास-
नऔनिरूह अनुवासनघृततैलहै निरूहमात्राजलजूह तोलप्रमांनदोटकेभर जलसोंरोगनिवार इनरो-

गनकोहितनही भस्मककेवलवाय मूर्छाअरुचिकासतनस्वासक्षईनहिभाय अवजैसेंविधउचितहै वस्तिकर्महितकार सोतैसेंवर्ननकरो वैद्यग्रंथउरधार वस्तिकर्मछेवर्षतक छेअंगुलपरिमांन उपरंतवर्षद्वादसकहे अंगुलआठविधांन द्वादससेंउपरंतफुनि द्वादसअंगुलजोय तापाछेमतिमाननर करविचारसुखहोय ॥ चौपै॥ पिचकारीकोवृतहिलगावे सोपिचकारीपूर्णकरावे सीतकालवसंतऋतुमांही स्नेहवस्तिविधकरिएतांही ग्रीषमसर्दवर्षऋतजानो रात्रिअनुवासनविधीपछांनो चिकनाभोजनसोनहिखावे रुचिकरहलकाभोजनपावे- स्नेहसौंफजललवणसुलीजें गर्मनीरयुतगुदमेंदीजें भोजनकरप्रसंनमनहोई फिरायमूत्रमलवाहिरसोई वांमभागभूमीपरसोवे वामजंघऊचीकरहोवे वांमहाथपिचकारीलेवे स्नेहपिचकारीगुदमेंदेवे दहनेहाथदवावे- सोई जाविधऔषधभीतरहोई देनलेनवालेहैदोय औरपासहोवेनहिकोय इहसिक्षामनमाहिविचार जृंभाकासछीकनहिधार ताडीतीसहाथपरमारे मुखमेंसौतकगिनतीधारे तवतकगुदपिचकारीदीजें तापाछेविधऐसीकीजें तनपसारसूदाहोजावे पगअंगुष्टफुनिदोइखिचावे फुनिसेजापरसूधासोवे आवेंनींदवातदुखखोवे जाप्रकारवस्तीविधभावे गुदादोषमलवातनसावे अनुवासनवस्तीविधजोई एकएकदिनअंतरहोई- छेअरुसातआठनववार वस्तिकर्मकरवातनिवार अनुवासनवस्तीकेपाछे निरूहवास्तिविधकरसुखआछेमलाशयपक्वाशयकेमांहीं रहेअनुवासनशेषतहांहीं स्नेहयुक्तजलशेषजोहोई गुदाद्वारनिकसेनहिसोई तौनिरूहवस्तीकरवावे वावत्तीकरगुदमेंपावे सरेवातमलस्नेहनिकासे वाजुलावकरसुखपरकासे.

॥ अथअनुवासनवस्तीकातेल ॥

॥ चौपै ॥ एरंडकणगचकीजढल्यावे अडूसागिलोयभाडिंगीपावे रोहिषसतावरसुहांजनआंन कागलहरीसमऔषधठांन दोदोटकेप्रमांनमंगावे आगेऔषधऔरमिलावे अलसीकुलथमाषजवल्याय औरविल्वजढसंगरलाय दोदोसेरऔषधीपावे करइत्रकफुनिक्काथचढावे चौसठसेरनीरसंगपाय षोडससेरशेषरहजाय तासंगमीठातेलमिलावे चारसेरधरआंचजलावे जलेक्काथतैलरहजाय अनुवासनहिततैलशुभाय एकटकाभरगुदमेंदीजें वातविकारसकलहरलीजें अनुवासनविधऐसेंहोई निरूहवस्तिआगेसुनसोई निरूहवस्तिआस्थापनकहिए अधिकभेदअतिकारणलहिए अवजिनकोहितसोसुनआगे निरूहवस्तिकरतनसुखजागे हृदयचोटाचिकनातनहोई वमनअफाराहिडकीजोई मवेसीस्वासकासमनधारो सोजगुदाअतिसारविचारो मूर्छातृषाउदरदुखजांन उदवर्तविशूचीपथरीमांन वातरक्तविष्मज्वरजांनो अमलपित्तहृदरोगपछांनो मंदाग्नीचरणरोगजोहोई मूत्रकृच्छ्रशूलक्षीनतनजोई निरूहवस्तिइनकोहितजांनो करेसीघ्रदुखदूरपछांनो वातविकारअधिकतनहोई कसैलीकटुसनेहयुतसोई पित्तविकारअधिकलखपावे दूधसंगवस्तीविधभावे कफकाकोपअधिकत्तनहोई मूत्रादीकटूकसैलीसोई जेकरवालकवूढाजांने कोमलवस्तिविधीमनआंने अवजारांविधभेदविचारो आगेभिंनभिंनमनधारो.

॥ अथवस्तिकर्मग्यारहविधीः ॥

॥ दोहरा ॥ वस्तीकर्मप्रमाणहैजारारूपपछांन उत्क्लेशनअरुदोषहरलेखनशोधनजांन शमनवृंहणापिछलकहैमधुअरुतैलविचार स्थापनसिद्धजुफलकहेजारारूपसह्यार.



॥ अथउत्क्लेशनवस्तिविधीः ॥

॥ दोहरा ॥ अरंडोलीमहुआवचलेपीपलसेंधाजान झाउबूटवकलवरैइहकाढापरमांन.

॥ अथदोषहरवास्तिविधीः ॥

॥ दोहरा ॥ सौफमुलठीबिल्वसमइंद्रजवहिपरमांन पीसकांजीगोमूत्रसोंकीजेंवस्तिविधांन.

॥ अथलेषणवस्तिविधिः ॥

॥ दोहरा ॥ त्रिफलाक्काथवनायकेमधुगोमूत्रमिलाय जवक्षारफुनिपायकरलेखनवस्तिशुभाय.

॥ अथशोधनवस्तिविधिः ॥

॥ दोहरा ॥ हरडकिरमालाआदलेजुक्काबताहिपरमांन यापिचकारीदीजिएशोधनवस्तिविधांन.

॥ अथशमनवस्तिविधिः ॥

॥ चौपै ॥ प्रियंगूफलरसौतमंगवावे मुलठीनागरमोथापावे दूधपायपीसेजवकोई सभनवस्तिविधकहिएसोई.

॥ अथवृंहनवस्तिविधिः॥

॥ दोहा ॥ पुष्टाईकिऔषधीकाढाकरमतिमांन मीठाद्रव्यघृतमांसातिलपिचकारीवृंहनजांन.

॥ अथपिच्छिलवस्तिविधिः ॥

॥ दोहा ॥ बेरपातशतावरीलसुआमोचरसपाय दूधमधूयुतक्कांथकरपिछलवस्तिकहाय.

॥ अथनिरूहवस्तिविधिः ॥

॥ चौपै ॥ घृतमखीरइकसेरमंगावे तामेंकिंचितलूणरलावे तींनोमथपिचकारीदीजें पांचसातवारीविधकीजें एकदिवसकाअंतरहोई निरूहवस्तिविधकहिएसोई.

॥ अथमधुतैलवस्तिविधिः ॥

॥ दोहा ॥ जढएरंडकाढाकैअवरतेलमधुडार एकटकापरमानतिहसौंफपैसाभरकार सैंधानोनअधेलभरपीसमथनकरलेह इहपिपचकारीदेनसौंएतेरोगटरेह गोलाक्रमीतिलीमेदहरमलकेरोगहटाय उदावर्तरोगहिहरैवलदेहीप्रगटाय.

॥ अथस्थापनवस्तिविधिः ॥

॥ दोहा ॥ मखीरदूधघृततैलसमदोपैसेभरल्याय झाऊरसअरुलूणलेपैसाआधमिलाय मथपिचकारीदीजिएस्थापनकहिएसोय रोगजायमनहर्षहैवलवृद्धितनहोय.

॥ अथसिद्धवस्तिविधिः ॥

॥ दोहा ॥ पीपलपिपलामूलचव्याचित्रकसौंठमिलाय काढाकरतिहमोधरैतेलसहतसमपाय लूणमुलठीपायकरफुनीकाथकरकोय पिचकारीताकीधरेसिद्धवस्तिकहुसोय.

॥ अथफलवस्तिविधिः ॥

॥ दोहा ॥ गुदअंतरअरुबाह्यकोंघृतलगायतिहमांन अंगुष्टसमाणडंडीसुपुष्टवारहिअंगुलपरिमांन अ. र्धंगुदामेंडारतिहचतुराईकेसंग फलवस्तियाकोकहेवैद्यप्रभावउमंग निरूहवस्तिकाभेदयहउत्तरवास्तिइहध- र्म वस्तिकर्मकारकजुनरस्नानकरैजलगर्म दिनसोवनमैथुनतथाकछकुपथ्यनकरेय अनुवासनवस्तक्रियाआदि- ककरहैतेय.

॥ अथहुक्कादिधूम्रपानविधिः ॥

॥ दोहा ॥ धूम्रपांनषट्प्रकारहैशमनवृहनकासहर्त व्रणधूपनतीक्षणकहैसोधनऔषधकर्त इनरोगनमोउचि- तनहिखेदयुक्तभयभीत दुखीदांतरोगीजुनररात्रिउनीदाहिमीत उदररोगप्रमेहपांडुमस्तकरोगअफराह छर्दि- घावकेरोगजोक्षीणपुरषनहिचाह तृषितदाहतालूदुःखीफुनीगर्भिनीनार वृद्धपुरषइनवर्जहैधूमरपांनविचार

॥ युक्त ॥

॥ दोहरा ॥ वायूकफकेरोगजोदूरकरैहितचाय सबइंद्रीअरुमनहिकोप्रसन्नकरावेभाय दांतपुष्टकारक- कहैवुद्धिवंतजनजोय लाचीआदिसुगंधकेशमनधूंमहैसोय रालआदिजोधूम्रहैवृंहनधूंमविचार तीक्षणऔष- धधूंम्रजोरेचनकाहियेसार मिरचआदिकाधूम्रजोकासघ्नीसोजांन खालइत्यादिकधूम्रजोवमनधूमातिहमांन निंववचादिकधूम्रजोसोव्रणधूपनहोय इहषट्धूम्रपानहिकहेभावप्रकाशमतजोय.

॥ अथापराजिताधूप ॥

॥ दोहरा ॥ मोरपंषअरुनिंवपतकटेलडोडछटमांन मिरचीहिंगुकपासगिरवकरीवालप्रमांन सांपकां- चलीविडालविटहाथीदांतसमांन इहपीसेघृतपायकरधूनीदेदुःखहांन भूतप्रेतराक्षसबहूडाकिनिशाकिनि- जाहि सबदोषनकोदूरकरज्वरकोकाटततांहि

॥ अथमाहेश्वरधूप ॥

॥ दोहा ॥ हिंगुदेवदारूतथावेलपत्रघृतपाय कुर्कटहाडसरसोंतथानिंबपत्रमनभाय मस्तककेसर्पकां- चलीविडालविष्टातुषचाय गोश्रृंगीअरुमैनफलजुगहिकटेलीभाय वीजकपासअजरोमअरुचन्दनमोरपंष- जांन अजामूत्रसमपीसकरधूपधुपाएमांन भूतपिशाचराक्षसाजितेडाकिनिप्रेतचुरेल इहसबधूपनदूरकरज्वरइ- त्यादिहरेल

॥ अथरुधिरछुडानेकीविधिः ॥

॥ दोहा ॥ मानुषउचितसोहोतहैरुधिरछुडानेयोग्य रुधिरविकारसबबूझकरभलेप्रकारलषजोग्य रुधिरनि- कासेसेरइकआधसेरयापाव सर्दऋतूथोराहिवरजोविकारघटभाव

॥ अथरुधिरस्वरूप ॥

॥ दोहा ॥ रुधिररसहिजिहमधुरवरलालरंगशीतलाय गर्मनाहिभारीचिकनदुर्गंधीसहितसुभाय औररुधिरजोदग्धहोगर्मविकारकमांनदुष्टहोयकायारुधिरपीडादाहसुजांन चक्राकारतनखाजअतिफुनसीसूजनचार सभविकारइहरुधिरकेआगेऔरसह्मार नेत्रलालभारीनसेंकायरुधिरमंदसोय तौखटमीठाचाहिकरमूर्छादेहसुहोय तौकायारूखीरहैनसैसिथिलपडजाय यहविकारलखजानियोफस्तकरनमनभाय .

अथवायुदुष्टरुधिरलक्षणं

॥ दोहा ॥ अरुणरंगआवैजुझगकठोरशीघ्रगतहोय सूक्ष्मधारकायाचुवैचलैलालरंगसोय असेलक्षणरुधिरकेवातविकारतिहमांन दुष्टरंगजिहरुधिरलषताहिनिवारसुजांन.

॥ अथपित्तदुष्टरुधिरलक्षणं ॥

॥ दोहा पीतुहराअरुनीलरंगकृष्णदुर्गंधितजाहि चलैनहीउष्णसुरहैमखीकीटनहिखाहि जाविधलक्षलणरुधिरकेताहि निवारसुजांन पित्तप्रभावअसोउचितवैद्यसमझमतिमांन

॥ अथकफदुष्टरुधिरलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ शीतलअतिकरचीकनोगेरीरंगसमांन मांसपोटलीसदृशहोधीरेचलतप्रमांन जाहिरुधिरऐसीप्रभासोकफकरतूमांन दुष्टरुधिरजानोतिसैसोसुखकारकजांन

॥ अथसन्निपातदुष्टरुधिरलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ जामोयहसभरूपहोयकांजीसदृशगंभीर ताहिसन्निपातहिरुधिरमानलेहुमतिधीर .

॥ अथविषकरदुष्टरुधिरलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ जाहिरुधिरकालाचलैनासासेभिप्रवाह दुर्गंधिकांजीरंगजिहताहिकुष्टप्रगटाह सावनकीडीसदृशरंगकायासूजनहोय ॥ दाहपरैकायातिसैयहलणातिहजोय.

॥ अथरुधिरछुडाना युक्त ॥

॥ दोहरा ॥ सूजनऔरशरीरमोंदाहप्रगटहोयलाल अंगनफोडेफुनसीयांऔरशरीरपकबाल वातरक्तकारोगकरव्याईआदफुनहोय स्तनअंगभारीदेहहैनेत्रलालरंगजोय तन्द्राआवैनाससोंमुखकेरोगविकार गोलातिलीविसर्पफुनविद्रधिआदिप्रकार छालेआदमस्तकदुखैउपदंशहिंगर्मसुजांन रोगरक्तपित्तीजिसैरुधिरकाढहितमांन इत्यादिकरोगाहिउचिततूंवीजौकप्रमांन सींगीवारगछोडिएताहिरोगकीहांन ॥

॥ अथअयुक्तरुधिरछुडाना ॥ दोहरा ॥

क्षीनविषयरतअत्यंतकरावेहंडुलहोयभयभीत गर्भस्त्रीअरुप्रसूततहोयपांडुरोगवरचीत जिहआगेनहिकर्तंहैपंचकर्मरेचकाद ववासीरसर्वांगसोथकासस्वासइत्याद छर्दिरोगकोनाहिवरऔरपसीनजिहकाय षो-

डशवर्षपर्यंतनरसत्तरतेवाधिजाय जोइनरोगनवशिपडैजौकलगावनताहि विषकरदुष्टजुहोयनरशिराछुठन-हितताहि वायुपित्तकफतींनमिलरुधिरदुष्टपडजाय ताहियोग्यसिंगीतथातूंबीजौंकलगाय रक्तएकहथजौ-करिवचशोषैइतनोभाय सींगीतूंबीद्वादसअंगुलरक्तलेयमनचाय पछनएकअंगुष्टभरशिराकायसर्वांग शोषै-रक्तविकारयहजानरोगकरभंग ॥

॥ शीतऋतुप्रमान अयुक्तरक्तं ॥

॥ दोहरा ॥ क्षुधामूर्छनानींदभ्रममदमलमूत्रजुआय इनपुरुषोंकोनाहिउचितरक्तछुडावनभाय जिह-रोगीरुधिरनचलैजलौकादिकरभाय सोमुखव्रणकेइहधैरतुर्तछूटैरतजाय कुठसौंडमिरचांपिपलसैंधनोनधर-खार समलावैतौछूटैहैरुधिरचलैशुभचार धूपशीतसमहोय जबभोजनहलकाखाय तौरुधिरहिकाढनउचि-तहैजानवुद्धमतभाय

॥ अथरुधिरथंम्मणेकायत्न ॥

॥ दोहरा ॥ लोधरराजरसौंतजवगेहूंआटाआंन धाईबक्कलगेरूफुनीसांपकंचपरमांन रेशमवस्त्रकीखार-फुनसांबरपालमिलाय व्रणकेमुखकोंधरतहींरुधिरवंदहोजाय अन्यच शिराछुडानेनसहिकोऊपरदाहसुदेय-याउसनसकोखारवरयाकटुतैलालिपेय जोसूजनहोयबायअंगदाहनहाथनसदग्ध दहनेअंगसूजनवैरेवायेअंग सुदग्ध जोवायअंगूठेनसहिकोसूजनलखेसुजान दहनेहाथनसछोडियेयाहिजानप्रमांन दहनेअंडसजनपरै-बायशिराछुटवाय वांयहाथअंडसूजलखदक्षाशिरामनभाय सूजनजावैइहविधीग्रंथनकह्योविचार याविधकर कैऔरभीविशूचिकरोगनिवार.

॥ रुधिरछुडानगुणागुण ॥

॥ दोहरा ॥ अत्यंतरुधिरछुडावनेअंधहोतजियधार अर्धांगशून्यपडजातहै तृषारोगहोएसार अंधेरीम-स्तकदुषैस्वासकासउपजाय हिचकिदाहअरुपांडुरुजअतिरक्तछुटेमरजाय याकायामोरुधिरहै जीवनकला-विचार रुधिरजायतौनाहकछू तांतेवुद्धिसह्मार रुधिरछुडायतौशीघ्रहीं प्रवंन्धकरैसुविचार रुधिरकाडसूजन-करैगर्मसेकघृतसार पाछेसैंतिहपुरषकोहरणमांसरसयोग्य अथवासोरामांसकावकरेकातिसभोग्य अथवा-पीवैदूधसौंसठीचावलकोय जवतकपीडानामिटेतवतकपथ्यसुहोय.

॥ अथरुधिरछुडानेकाकुपथ्य ॥

॥ दोहरा ॥ मैथुनक्रोधशीतलजलहिस्नानकरनहितनाहि बाहरपवनबैठनअधिकदिनसोवनतजताहि-कटूषटाईलवणतजशोचबादनहिकार अजीरणभोजननाकरै रुधिरछुडावनहार ॥ इतिश्रीचिकिसासग्र-हेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांदूतपरीक्षावर्णनपूर्वकरुधिराविधिवर्ननंनामचतुर्थोऽधिकारः ॥ ४ ॥

॥ अथहितउपदेशप्रमाणं ॥

॥ चौपई ॥ षोडशवर्षनकेमंझार सत्तरवरषऊपरनिरधार इनमोंइस्त्रीसंगनकरै आयुरकामजेउलखपरै जोकदाचितइन्हकेमंझार करैतोअर्शश्वाससंचार ज्वरस्वरमंदपांडुप्रघटावै इत्यादिकरोगनेकलषपावै जोजिसमध्यअवस्थाहोवै पुष्टदेहपुनजाकीजोवै तीसरतीसरदिनमंझार सहमदरासेवेसोनार इहसमस्तऋतमोपरकार ग्रीषमविधीभिंनमनधार पंद्रापंद्रादिनउपरंत ग्रीषमऋतरतिकरहै कंत जोअन्यथाइस्त्रीसंगकरै तौताकोबहुरुजसंचरै अवरहुजोरजस्वलाहोय अवरअकामालषियेजोय मलिनरहैअरुवंध्याजेऊ वर्णावृद्धाहोयफुनितेऊ वयोवृद्धाअरुपीडितव्याध योनिदोषजिसहोयउपाध द्वेषसाहितसंन्यासनजोय स्वगोत्रागुरुपतनीजोहोय उत्तमवर्णअधमजिसवर्ण वैश्याअरुअंतजजोधरण संबंधीमित्रवधूद्विजनारी भूपवधूविधवाजुकुमारी इन्हकेसाथसंगनहिकरै करैतोघोरनरकमोंपरै संध्याअरुपर्वणमंझार वर्जतजानोसंगसुनार जोइनसमयजुकरहैसंग आयुषतेजधर्महैभंग ॥ दोहरा ॥ वाजीकरणवषान्योहितउपदेशविचार याकोसुनअरुसमझकैलीजोउरमेंधार.

॥ अथरोगप्रमाणं ॥

॥ दोहरा ॥ प्रमांनरोगकाकहतहौंवैद्यग्रंथअनुसार सुनहोसकलप्रवीनजननीकेकरौंउचार ॥ चौपई ॥ सर्वरोगपरमांनानिदांन मलकाकोपअहैमनुमांन मलकाकोपकहांतेहोय वस्तुअहि तसेवनतेजोय ॥ दोहरा ॥ जैसेज्वरसंतापतेंरक्तपित्तप्रगटाय रक्तपित्तकीअधिकताज्वरकोंसोउपजाय ॥ चौपई ॥ वृद्धउदरज्योंसोजाकरै दुखउदरजुमवेसीधरै अरुवहउदरगुल्मउपजावै शयनदिवसपीनसप्रगटावै पीनसहूंतेषांसीहोय षांसीक्षईउपजावेसोय क्षईहोतदुर्बलतनपावै निर्बलपुरुषताहिहोजावै रोगारंभकदोषजुकरै अवरविकारकरैनहिटरै इकविकारमोदूसरलहै वुधजनताहिउपद्रवकहै ॥ दोहरा ॥ आदिपरीक्ष्यारोगकीकरनिदांनअनुसार वैद्यचतुरपुनताकरैऔषधादिउपचार ॥ चौपई ॥ औषधदकियेहुयेउपरंत प्रायश्चित्तकरैवुधवंत कर्मविपाकग्रंथअनुसार प्रायश्चित्तकरैसविचार देशकालआयुर्विधिजांन करैचिकत्सावैद्यसुजांन ऐसोवैद्यसिद्धितापावै याहीमोंसंसानहिल्यावे रोगपछांननचारप्रकार भिंनभिंनअवकरौंउचार प्रथमयुरोगीदर्शनकीजैं ताहीतैंरोगहिलषलीजै दूसरनाडीआदिसपर्श तातेलषियतरोगअदर्श तीसरप्रष्णहुकेअनुसार तनकोरोगकरैनिरधार मूत्रपरीक्षाचतुर्थपछांनै इहप्रकाररुजनिश्चयठांनै रोगीकेजोतीनप्रकार प्रथमलषैपुनिकरैविचार कवनसुतींनप्रकारसुनावौं जैसेंग्रंथहुतेंलषपावौं कष्टसाध्यइकरोगकहीजै दूसरपुनसुखसाध्यलहीजै तीसरकोंजुअसाध्यपछांनो रोगत्रैपरकारज्योंजांनो वैद्यजुयसकीइछाधरै असाध्यचिकित्साकवीनकरै रोगविकारजअल्पपछांन मगरूरीनाहिकरैनरस्यांन जैसेअग्निअल्पअतिहोय त्रिणसंयोगतेंबहुहोयसोय पुनजुरोगहोयतींनप्रकार तिनकोविवरौंकरौंउचार इककर्मजइकदोषजमांन एकउभयलषलेहुसुजांन कर्मजप्रायश्चिततेंनाशै दोषजऔषधकरजुविनाशै कर्मदोषक्षयहोवैजवै रोगउभयगतनाशेतवै औषधतैंरुजशांतिनहोय रोगउभयगतजांनोसोय प्रायश्चित्तसहऔषधकरै रोगउभयगतानिश्चेहरै विनारोगसमझैपरवींन नहींदेवैऔषधविनचीन विनासमझऔषधविषकहिये वज्रपातसमताकोलहिये रोगसमझपुनऔषधदेवै अंमृतकेसमसो-

लखलेवै सोऊसमझशास्त्रविनजानै हृदैनश्रावतलषैस्यानै पठतवैद्यचतुराजोहोय कार्याकार्यविचारेसोय करनोश्रनकरनोजुविचारे तापाछैश्रौषधविस्तारे वैद्यश्रारबलकोनहिस्वामी चिकित्साकरैसमझश्रनुगामी रोगप्रमांणनिदांनइहसार ग्रंथप्रमांणाकियोविस्तार.

॥ श्रथबालकसेंवृद्धपर्यंतमात्राप्रमाणं ॥

॥ दोहरा एकमासलगबालकोएकरतीपरमांन मिश्रीदूधश्ररुसहतघृतदीजोताहिसुजांन जैसेंबालबलवढतहैतैसीमात्राजोग्य षोडशवर्षलगजानजवतबमासाहैभोग्य सहत्तरवर्षपर्यंतफुनमात्रायाहिप्रमान कल्कचूर्णग्रंथसुकहै विधिविधांनमनजांन काढाचौगुणउचितहै बालककोकरस्नांन मासप्रतीबालकवमनकहतग्रंथपरमांन हरडरगडघुट्टीकरेनितप्रतिबालकदेय श्रन्नग्रासपांचहिवर्षषोडसरेचनसेय मैथुनवीसवर्षहिउचितयाविधनरजोकार ताकोरोगनव्यापहैचर्कग्रंथश्रनुसार तीसवर्षतकतनवढेरुधिरमधुरपनहोय चालीतकबुद्धबलप्रभात्वचागाढपनजोय साठवर्षजोतीनयनस्वस्थतीक्ष्णवरहोय सत्तरवर्षपर्यंतनरवीर्य्यश्रधिकतनजोय श्रस्सीवर्षकेश्रंतरेकायपराक्रमहोत ज्ञातानबेवर्षतकसभमोंकृपासुजोत हाथपगोमेंबसरहैमूत्रत्यागकोहोश इकसौदसमोजानियेरामनामहृदकोश इकसौवीसप्रमांनहैश्रायुर्बलकानेम जोनरकायनिरोगरहितांकोईश्वरप्रेम

॥ श्रथतोलप्रमाणं. ॥

॥ दोहरा ॥ तोलप्रमाणसुश्रबकहोवैद्यकग्रंथविचार श्रौषधादिसबवस्तुकोतोलेइन्हश्रनुसार ॥ चौपै ॥ झलकझरोषेश्रंतरमांहि सूक्ष्मरेणुजोलषिएताहि सोऊरेणुकठेकरचार तासुनामलिख्यासुविचार षट्लीख्या जुइकत्तरकीजैं सर्षपएकसोजानपतीजैं षटसर्षपएकोजवजांन तींनजवोंकीरत्तीमांन दशरत्तीकोमासाक हिये चारमासकोशानभनैये दोईसाणकोलकहुएक दोयकोलइककर्षविवेक चारकर्षकोपलइकजांनो दोपलकीइकप्रसृतीमांनो सोलांप्रसृतिकुडवहोएएक चारकुडवइकप्रस्थविवेक चारप्रस्थइकश्राढकमांनो चारश्राढकइकद्रोणपछांनो दोइद्रोणइकसूर्पकहावै सत्तसूर्पइकषारीगावै दोयसूर्पकीगोणीएक ताकोकहैंभारसुविवेक चारोभारइकत्रकरीजैं तासुनामइकवाहकहीजैं ॥ दोहरा ॥ श्रौरश्रचारजमतकहोंसर्वप्रमांणप्रकार सोसुनलीजोचतुरनरबरनोसमझविचार ॥ चौपै ॥ मासेचारइकत्रजुकीजैं तासुनामइकटंकभनीजैं दसटंकनकोइकपलजांनो चारोपलइककुडवपछांनो चारकुडवइकप्रस्थजुहोय चारप्रस्थइकश्राढिकसोय श्रष्टश्राढकइकद्रोणलखावै दोयद्रोणइकसूर्पकहावै इकषारीसतसूर्पलषीजै दोयसूर्पकीगोणिकहीजै भारनमिइककहिएतास इहविधतोलप्रमांणप्रकाश ॥ दोहरा ॥ चारभारकोवाहइकजांनो पुरुषसुजांन श्रैसेभाषसुनायहोनीकेतोलप्रमांन

॥ श्रथचिकित्साचारपादवर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ वैद्यजुव्याधीश्रौषधीफुनसेवकयहचार श्रबश्रागेवर्ननकरोंभिनाभिनउरधार प्रथमवैद्यप्रमाणं- ॥ चौपै ॥ श्रेष्टवैद्यश्रैसोसुनकहिये ज्ञाताशास्त्रतत्वकोलहिये श्रपनेकर्मनानिष्टाजास रहैपवित्रस्वच्छश्र-

तिभास आपवनाईऔषधकरै लघुजिहहाथसभनलषपरै चिकित्सामोसूरवीरकहावै रोगपरीक्ष्यकभलोसु-हावै सकलीवस्तुचिकित्साकेरी सदारखैअपनेढिगनेरी निश्चलवुद्धीधीरजधारै प्रियमीठेमुखवचनउचारै-सतवक्ताप्रसन्नमुखहोय उज्जलवस्त्रतनधरिसोय सदास्वधर्मविषेरतिलहिये प्रथमपादअसवैद्यसुकहिये॥ अथद्वितियपादरोगीप्रमाणं ॥ दोहरा ॥ साध्यधनीजुविचारयुतपुनसतवक्ताजोय सोरोगीशुभजानिएपाद-दूसरासोय ॥ अथतृतीयपादऔषधप्रमाणं ॥ चौपै ॥ औषधश्रेष्ठनवीनजुहोय श्रेष्ठदेशमोउपजीजोय अ-रुदिनश्रेष्ठमांहिजुउषारी वर्णगंधरसयुक्तनिहारी थोहडीभीप्राक्रमबहुकरै भक्षतमनगिलाननहिधरै दोषविकार-नाशकरदेय ऐसीऔषधलषकरलेय ॥ अथचतुर्थपादसेवकप्रमाणं॥ चौपै ॥ सेवकप्रीतयुक्तसुभहोय व्याधी-रक्षणवलवतसोय वैद्यवचनमोप्रीतजुकरै शांतिवांनदृढतामनधरै ॥ दोहरा ॥ पादचतुर्थोयकह्योसेवकश्रेष्ठ-विचार तभीचिकित्सासिद्धहै इनपादनअनुसार इतिचारपादवर्णनं

॥ अथनिंदरोगीवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ चंडस्वभावहोयअविचारी अवरमहाजुकृतघ्नविकारी व्यग्रचित्तजोस्वेच्छावरती देषिवैद्यउपका-रहिहरती अवरजुवैरीराजाकोजोय अरुजिसकोमरनकीइछयाहोय अरुअपनोजोशत्रुकहावै इंद्रीशक्ती-हीनलषावै शंकायुतश्रद्धाकरहींन महाअपथीलषोपरबींन ॥ दोहा ॥ ऐसेरोगीवैद्यलषकरैचिकित्सा-नाहि करैतोदूषनप्राप्तहोयनहिसंसायामाहि ॥ चौपै ॥ वैद्यनिरोगाजिसकरैशरीर होयअरोग्यतनरहैनपीर सोरोगीजुभलीपरकार पूजावैद्यकीकरैसुवार उसशरीरकरजीवैजबलग पुण्यधर्मजोकरहैतवलग सो-सभवैद्यहिप्रापतजांनो यामोरत्तीझूठनमांनो पुनतुमसुनहोअवरप्रकार चिकित्सानिष्फलनाहिसंसार कहीं-मैत्रीफलप्रापतहोय कहींफलप्राप्तधनादिकजोय कहींपुन्यफलप्रापतजांनो कहींप्राप्तफलयशपहिचांनो ॥ दोहा ॥ कहिंहोएअभ्यासफलइत्यादिकफलजांन नाहिचिकित्साविफलजगशास्त्रनकींनबषांन.

॥ अथनिंदवैद्यनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पांचवैद्ययहनिंदहैंजोधन्वंतरसमांन तिनकोविवरोंकहितहोंसुनलीजैधरकांन ॥ चौपै ॥ र-हैकुचालमलनतनधारै वचनअहितसहकोपउचारै अवरजुधूरतस्वभावहैजांको स्वाधीनकह्योनहिमानैका-को विनवोलहिआपेचलआवै पांचवैद्यनहिपूज्यकहावै

॥ अथान्यप्रकारसुगंधदाराविधवर्ननं ॥

प्रथमअंवीरवनानेकीविध ॥ चौपै ॥ वंझीछडगुडीमंगवावै छलीरालादनसंगरलावै वालाइयांमलालमि-लदोई तोलाएकएकसमहोई वनफसाजढइकटंकरलाय छेमासेअसहनअवरपाय करइकत्रफुनिदडंकरा-वै गुलावअर्कताहीसंगपावे मलेएकसमगोलाहोई किंवएकफलआनोसोई किंवकाटअंवलनिकसावे-

गोलावीचताहुकेपावे करेमुखबंदताहिछिनकोई देगमंगायवीचधरसोई सेवतीपत्रपुष्पमंगवावे किंवपासचौगिदरखावे जाविधदेगअगनपरधरिए मध्यमआंचतेजनहिकारिए जवहिंखूपकिंवपकजावे निकालताहिसीतलकरवावे औषधवीचनिकालेजवहिं काचपात्रमेराखेतवहीं दिवसतीनलगधूपलगावे तौफुनियुक्तिसमांनरखावे चंदनसेरगडकरलीजे पाउएकभरताभेदीजें अंवीरसुगंधदारहोजावे सभावीचाछिडकेसुखपावे फैलसुगंधअधकसुखदाई सभावीचअतिहींछिवछाई ॥

॥ मोमकिसुगंधदारवत्तिवनानेकीविध ॥

फारसी शम ऽमा ऽ तवर कहतेहैं चौपै चंदनतोलेछेइमंगावे रालश्वेतत्रैतोलेपावे छेमासेघारमेलिएसोइ छेतोलेतगरताहिसंगहोई तौफुनिअंवरअगुरमंगावे बह्मीनखताहिसंगपावे मोईआसाइलाऔषधलीजें तोलाएकएकसमकीजें चौवींतोलेमोममंगावे अंवरमोमजुदानिकसावे औरऔषधीपीसेकोई गुलावअर्कमेंमिसरीहोई वीचताहुकेऔषधपावे आठपहरतकसेडरखावे वत्तीवीचाभिगोवेकोई वारंवारसुकावेसोई गालमोमअंवरसंगपावे वतीऊपरसोईचढावे शेषसुगंधरहीजोहोई मेलेमोमसंगसभसोई वत्तीमोमवनायजलावे अतिसुगंधअतिलज्जतआवे ॥

॥ सुगंधितधूणीवनानेकिविध ॥

॥ चौपै ॥ अगुरसोईदसटंकमंगावे कस्तूरीएकटंकसंगपावे अंवरएकटंकसंगपाय खंडगुलावअर्कमंगवाय सर्वतसोइचासकरलीजें औषधवीचदर्डकरदीजें सुकावेताहिराखिएसोई धूणीकरसुगंधअतिहोई ॥ धूणीवलदेनवाली फारसीपवहैय: कहतेहै ॥ चौपै ॥ पुष्पगुलावसेवतील्यावे छिलकाकिंवतुरंगीपावे औषधचारवरावरहोई अगुर मेलसभकेसमसोई खंडगुलावअर्कमंगवावे करेचासफुनिऔषधपावे मलमलखूपगोलिआंहोई सुकाय जुगतसंगराखोसोई धूणीकरसुगंधलखपावे दिमागमिंझमेंवलप्रवटावे ॥

॥ धूणीनिद्राकर्नेवाली ॥

फारसी वहैया ख्वावकहतेहैं ॥ चौपै ॥ वह्लजुआंइनवीजमंगावे चंवेकेफुनिपुष्पमिलावे पुष्पधतूराआनोसोई खसखसकालीतासंगहोई चंदनश्वेतसोईमंगवावे तीनोंतीनटांकसमपावे अगुरटांकदससंगरलायगुलावअर्कमेरगडमिलाय गोलीवांधसुकावेकोई धूनीकरनिद्राअतिहोई सभावीचजवधूंमधुखावे धूंमसंगनिद्रागशआवे. ॥

॥ सुगंधितसुंघानेवास्ते ॥

फारसी. लषलष:कहतेहैं ॥ चौपै ॥ कस्तूरीअंवर अंगुरमंगावे कपूरलोहवांनसंगपावे इकइकटंकवरावरलीजें पंचटांकनीलोफरदीजें मरुआदून:पुष्यजोहोई पांचोपांचटंकलेसोई वालाकालाश्वेतमंगावे द.

सदसटांकवरावरपावे दसतोलेअर्कगुलावमिलाय वनफसाघृतत्रिगुणासंगपाय कस्तूरीअंवरअगुरकपूर इनविनऊरदर्इकरचूर गुलाववनफसाघृतसोलीजें दर्इऔषधीतामेदीजें निरंतरआठपहरजवहोई चाढअ-गनघृतसाधेसोई वनफसाघृतजवहीरहजावे कस्तूरीआदतवऊषधपावे काचपात्रमेंराखेसोई मर्दनकरसुगंध-अतिहोई नासिकाग्रवाताहिसुंघावे दिमागहृदेअतिवलप्रघटावे कफकरनाडवंदजोहोई रोमद्वारखुलजावे-सोई. मूर्छानिद्राकरऔषधी फार्सी. गालीयकहतेहै. ॥ चौपै ॥ कालीवल्लुआंइनल्यावे कालीखसखससंगरलावे इकइकटंकलीजिएदोई कपूरफींममिसरीसंगहोई लोहवांनसोसंगरलाय दोदोमासेचारोपाय अंवरडूडटांकमंगवावे कस्तूरीमासाएकरलावे करइकत्रसभऔषधलीजे वनफ-साघृतत्रिगुनाकरदीजें पीसमेलघृतराखोसोई मर्दननासिकाग्रजवहोई ताहीछिननिद्राप्रघटावे अति-सुंहनकरमूर्छाआवे. वत्तीअंवरकीवनानेकीविधफारसी. फतीलःकहतेहै ॥ चौपै ॥ केसरतोलाएकमंगावे दस तोलेमिसरीसंगपावे अगुरलोहवांनसंगदीजें दसदसतोलेदोनोलीजें चंदनश्वेतसोइसंगपाय तोलेवीसतोलकर ल्याय त्रैतोलेछडताहिमिलावे कंटूनाइकतोलापांवे ब्रह्मीतोलेदोइमंगाय लादनदसतोलेसंगपाय केसर-आदजुदाकरसोई औरपीसचूरनसभहोई तौंफुनिकेसरनीरामिलाय मलेखूपसमएकदिखाय मोइआ-साइलाऔषथहोई छेतोलेतवमेलोसोई करइकत्रवत्तीवनवावे. राखधूपअतिहींसुकजावे वत्तिताहिधुखा-वेकोई अतिसुगंधसुखदायकहोई सभावीचजवधूपधुखावें अतिलज्जितसभकेमनभावे ॥ इतिश्रीचिकि-त्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकासभाषायां हितोपदेसवर्ननपूर्वकसुगंधदार औषधवर्ननंनाम पंचमोऽधिकारः ॥ ५ ॥

॥ स्वस्तिश्रीगणेशायनमः ॥

॥ अथतिथिवारनक्षत्रकष्टावलीलिख्यते ॥

॥ दोहा ॥ तिथीवारनक्षत्रहिंअवरजुयोगविचार इनकीभाषानारचीसंस्कृतकींनउचार प्रथमतःतिथिनि-र्णयमाह प्रतिपत्पंचदिवसंद्वितीयासप्तरात्रकम् तृतीयैकादशाहानिचतुर्थ्यांद्वादशान्हिकं पंचम्यांषोडशदिनंष-ष्ट्यांपक्षत्रयंस्मृतम् सप्तम्यांषोडशाहानिचाष्टम्यांदिनविंशतिः नवम्यांतुदिनान्यष्टौदशम्यांद्वादशस्मृतःएकाद-श्यामर्धरात्रंद्वादश्यांतुमहद्भयम् त्रयोदश्यांसप्तदिनंचतुर्दश्यांमहद्भयम् अमावास्यांतुमरणंतिथीनांव्याधिसंभवः इतिवृद्धगार्ग्येणोक्तम्

॥ अथवोद्धायनोक्तम् ॥

ज्वराद्युत्पत्तौशांतयः प्रतिपदादिकष्टसंदेहोवादिनान्यष्टदशाः ० १ अग्निर्देवता अग्निस्तिमितशोचिषाया-सद्विश्वन्यत्रिणं अग्निर्नोवनतेरयिम् इतिपूजामंत्रः हैमीप्रतिमाघृतधूपोघृतदीपश्चयथासंभवनैवेद्यम् घृतंहोम-द्रव्यंशांतिर्भवतिःअत्रप्रथमांतंतत्रदेवतामंत्रजपः सहस्राधिकःपश्चात्पूजाहोमदानानिसंख्याचाष्टोत्तरसतादि-व्याधितारतम्येनकल्पासहस्रंमृत्युनिर्देशो इतिप्रतिपदातिथिपूजा

॥ अथद्वितीयातिथिपूजोपक्रम ॥

द्वितीयायांदिनानिषोडशब्रह्मादेवता ब्रह्मजज्ञानंप्रथमंपुरस्ताद्विसीमतः सुरुचोवेनआवः अबुध्न्याऽउपमाअस्यविष्ठःसतश्चयोनिमसतश्चविवः इतिपूजामंत्रः अगुरधूपःघृतदीपःसर्वत्रशर्करायानैवेद्यम् तिलयवाज्यअग्निहोमद्रव्यंहैमीप्रतिमः इतिद्वितीयातिथिपूजापक्रमः

॥ अथतृतीयातिथिपूजोपक्रमः ॥

तृतीयायांदिनानिनवः पार्वतीदेवता गौरीर्मिमापसलिलानितक्षत्येकपदीद्विपदीचतुष्पदीअष्टापदीवभूवुषीसहस्राक्षरापरमेव्योमन् इतिजपपूजामंत्रः दूर्वाभिपूजाकुंकुमधूपंगुग्गुलंवाघृतदीपः द्राक्षाक्षीराज्यनैवेद्यंपायसत्रिमधुराक्तांदूर्वाश्चहोमद्रव्यं प्रतिमाहैमी इतितृतीयातिथिपूजोपक्रमः

॥ अथचतुर्थीतिथिपूजोपक्रमः ॥

चतुर्थीदिनानिषोडशः गणपतिदेवता गणानान्त्वागणपतिंहवामहे प्रियाणान्त्वाप्रियपतिंहवामहेनिधीनान्त्वानिधिपतिंहवामहे वसोमम आहमजानिगर्भधमात्वमजासिगर्भधम् इतिजपपूजाहोममंत्रःहैमीप्रतिमाकुंकुमरक्तचंदनगंधःकरवीरादीनिपुष्पाणिअगुरुधूपोलड्डुकोद्राक्षखंडानिनैवेद्यम् नारिकेलसकलानिद्राक्षासकलानिकदलीफलानिचहोमद्रव्यम् इतिचतुर्थिपूजाक्रमः

॥ अथपंचमीतिथिपूजोपक्रमः ॥

पंचम्यांदिनान्येकाविंशतिः नागोदेवता नमोस्तुसर्पेभ्योयेकेचपृथिवीमनु येऽअन्तरिक्षेयेदिवितेभ्यःसर्पेभ्योनमः इतिजपपूजाहोममंत्रःहैमीप्रतमाचंदनगंधः सुरभिपुष्पाणिघृतधूपः पयोनैवेद्यंतिलयवाज्यपायसशर्करामधुमिश्रितयथायोग्यंहोमद्रव्यम् इतिपंचमीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथषष्टीतिथिपूजोपक्रमः ॥

षष्ट्यांदिनानिद्वादशः स्कंदोदेवता द्रप्सश्चस्कंदपृथिवीमनुद्यामिमंचयोनिमनुयश्चपूर्वः समानयोनिमनुसञ्चरन्तन्द्रप्संजुहोम्यनुसप्तहोत्रः इतिजपपूजाहोममंत्राः हैमीप्रतिमापीतंचंदनंरक्तंवागंधः रक्तानिपुष्पाणिजातिपुष्पाणिवातिलयवाज्यहोमद्रव्यम् इतिषष्टीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथसप्तमीतिथिपूजोपक्रमः ॥

सप्तम्यांदिनान्यष्टौसूर्योदेवता उदुत्यञ्जातवेदसंदेवंवहन्तिकेतवःदृशेविश्वायसूर्य्यम् इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमिवाताम्रजाप्रतिमाकुंकुमगंधःकरवीरादीनीपुष्पाणिगुग्गुलुधूपः शर्करसंयुतं पायसनानाफलानिचनैवेद्यं अर्कसामिधः पायसंहोमद्रव्यम् इतिसप्तमीतिथिपूजोषक्रमः

अथअष्टमीतिथिपूजोपक्रमः

अष्टम्यांदिनानित्रयोदशः ईश्वरोदेवताःतमीशानंजगतस्तस्थुषस्पतिन्धियंजिन्वमसेहूमहेबयम् पूषाणोयथाबेदसामसद्वृधेरक्षितापायुरदब्धः स्वस्तये इतिजपपूजाहोममंत्रः राजतीप्रतिमाकर्पूरमिश्रिनचंदनगंधः बिल्वदलानि अर्कपुष्पाणिचनीलोत्पलानिपुष्पाणिचवाजटामांशीधूपःपायसनानाभक्ष्याश्चनैवेद्यं मधुराक्तास्तिलाहोमद्रव्यम् रोगशांतिर्भवति इतिअष्टमीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथनवमीतिथिपूजोपक्रमः ॥

नवम्यांदिनान्यष्टादशःभगवतीदुर्गादेवता जातवेदसेसुनवामसोममरातीयतोनिदहातिवेदःसनःपर्षदतिदुर्गाणिविश्वानावेवसिंधुदुरितात्यग्निः इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमारक्तचंदनगंधः कुंकुमादिकवाजपाकुसुमादिकंवापुष्पंगुग्गुलुधूपः घृतपक्वंत्रिमधुराक्तंनैवेद्यंपायसंहोमद्रव्यम् देव्यैदधिभक्तपात्रदानंतदुक्तंवा इतिनवमीतिथिपूजोपक्रमः.

॥ अथदशमीतिथिपूजोपक्रमः ॥

दशम्यांदिनानिपंचविंशति यमोदेवता यमायत्वाङ्गिरस्वतेपितृमतेस्वाहा स्वाहाघर्म्मायस्वाहाघर्म्मःपित्रे-इतिजपपूजाहोममंत्र हैमीलौहीवाप्रतिमा चंदनमृगमदस्तुगंधः मधुसर्जरससर्षपधूपःतिलतैलधूपंवा बिल्वपत्राणिकृष्णतिलाश्चपूजाद्रव्यंकृसरान्ननैवेद्यं घृतमधुतिलमुद्गहोमद्रव्यम् इतिदशमीतिथिपूजोपक्रमः.

॥ अथएकादशीतिथिपूजोपक्रमः ॥

एकदश्यांदिनानिसप्तविश्वेदेवादेवता विश्वेनोदेवाऽअवसागमंतुविश्वमस्तुद्रविणंवाजोऽअस्मै इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाश्वेतचंदनगंधः कृष्णागुरुधूपः घृतदीपः तुलसीपत्राणिपूजायांयवमोदकंनैवेद्यंतिलयवमध्वाज्यंहोमद्रव्यंम् रोगशांतिर्भवति इतिएकादशीतिथिपूजोपक्रमः.

॥ अथद्वादशीतिथिपूजोपक्रमः ॥

द्वादश्यांदिनानिदशः विष्णोर्देवतावारुद्रोदेवता विष्णोरराटमसि एवंमंत्र वा यातेरुद्रशिवातनूरघोरापापकाशिनी तयानस्तन्वाशन्तमयागिरिशन्ताभिचाकशीहि इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाचंदनश्रीखंडंअगुरुधूपोघृतदीपःपायसंनैवेद्यंचंपकपुष्पंकमलंवा तिलयवाज्यंव्रीहीमधूनीहोमद्रव्यम् रोगशांतिर्भवति इतिद्वादशीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथत्रयोदशीतिथिपूजोपक्रमः ॥

त्रयोदश्यांदिनान्यष्टौ कामोदेवता आप्यायस्वसमेतुतेविश्वतःसोमवृष्णम् भवावाजस्यसंगथे इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीवाराजतीप्रतिमा पूजादौश्वेतचंदनगंधःचंदनधूपः घृतदीपः दधिशर्करानैवेद्यंतिलयवमध्वाक्ताहोमद्रव्यं रोगशांतिर्भवति इतित्रयोशीतिथिपूजोपक्रमः.

॥ अथचतुर्दशीतिथिपूजोपक्रमः ॥

चतुर्दश्यांदिनानिअष्टादशः सर्वादेवता इमारुद्रायतवसेकपर्दिनेक्षयद्वीरायप्रभरामहेमती यथाशमसद्द्विपदेचतुष्पदेविश्वम्पुष्टङ्ग्रामेऽअस्मिन्ननातुरं इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाकुंकुमादिगंधःनानासुगंधिपुष्पाणि कृष्णागुरधूपःपूपिकादिनैवेद्यंशर्कराघृतपायसंहोमद्रव्यं रोगशांतिर्भवति इतिचतुर्दशीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथपूर्णिमायांतिथिपूजोपक्रमः ॥

॥ पूर्णिमायांदिनानिषोडशः चंद्रोदेवता आप्यायस्वसमेतुतेविश्वतःसोमवृष्ण्यं भवावाजस्यसङ्गथे इतिजपपूजाहोममंत्रः मदकंपूजार्थेराजतीप्रतिमा पूजादौ श्वेतचंदनगंधः चंदनधूपः घृतदीपः दधिशर्करा नैवेद्यं तिलयवमध्वाक्ताहोमद्रव्यं रोगशांतिर्भवति इतिपूर्णिमायांतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथअमावास्यांतिथिपूजोपक्रमः ॥

॥ अमावास्यादिनान्यष्टादशापितरोदेवता ॥ अंगिरसोनःपितरोनवग्वाऽअथर्वाणोभृगवः सोम्यासः तेषांवयꣳसुमतौयज्ञियानामपिभद्रेसौमनसेस्याम ॥ इतिजपपूजाहोममंत्र ॥ हैमीप्रतिमाश्वेतपुष्पादिनापूजा दध्योदनंनैवेद्यंतिलयवमध्वाज्यंहोमद्रव्यं रोगशांतिर्भवतिइ इतिअमावास्यांतिथिपूजोपक्रमः ॥ इतितिथिकष्टावलीनिर्णयसमाप्तं.

॥ अथवारकष्टावलीनिर्णयलिख्यते ॥

॥ वृद्धगार्ग्येणोक्तं आदित्येचाष्टरात्रंस्याच्चंद्रेपंचदिनानिच भौमेद्वादशरात्रंतुबुधेसप्तदशैवहि जीवेचैकादशेहानिभार्गवेदिनसप्तकं शनैश्चरेत्रयोविंशग्रहव्याधिज्वरोभवेत् इतिवारविचारः

॥ अथअन्यप्रकारवारविचारबौद्धायनोक्तं ॥

आदित्यवारस्य रुद्रोदेवता हैमीराजतीवामूर्ती यातेरुद्रशिवातनूरघोरापापकाशिनी तयानस्तन्वाशन्तमयागिरिशन्ताभिचाकशीहि इतिजपहोममंत्र चंदनगंधः अगुरधूपःघृतदीपःपायसंनैवेद्यंतिलहोमद्रव्यंरोगशांतिभवति इतिआदित्यवारस्यपूजोपक्रमः



॥ अथसोमवारस्यपूजोपक्रमः ॥

सोमवारस्य पार्बतीदेवता गौरीमिमायसलिलानितक्षत्येकपदीद्विपदीचतुष्पदीअष्टापदीनवपदीवभूवुषी सहश्राक्षरापरमेन्व्योमन् इतिजपपूजाहोममंत्रः राजतीमूर्तिःचंदनंवाकुंकुमगंधः अगुरधूपः सुगंधिपुष्पंघृतं-दीपःनानाभक्ष्यालिनैवेद्यंतिलजवहोमद्रव्यंदेवभक्तसंतर्पणम् रोगशांतिर्भवति इतिसोमवारस्यपूजोपक्रमः

॥ अथभौमवारस्यपूजोपक्रमः ॥

भौमवारस्यस्कंदोदेवता यदक्रन्दःप्रथमंजायमानऽउद्यंत्समुद्रादुतवापुरीषात् श्येनस्यपक्षाहरिणस्यबा-हुउपस्तुत्यंमहिजातंतेअर्वन् इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमापीतचंदनंरक्तंवागंधः रक्ताणिपुष्पाणिजा-तिपुष्पाणिवातिलयवाज्यंहोमद्रव्यंरोगशांतिर्भवति इतिभौमवारस्यपूजोपक्रमः

॥ अथबुधवारस्यपूजोपक्रमः ॥

बुधवारस्य विष्णोर्देवता इदंविष्णुर्विचक्रमेत्रेधानिदधेपदंसमूढमस्यपांसुरेस्वाहा इतिजपपूजाहोम-मंत्रः हैमीमूर्तिःपीतपुष्पाणिकमलानिचअगुरधूपः घृतदीपः यवलड्डुकनैवेद्यंतिलयवाज्यंहोमद्रव्यं रोगशां-तिर्भवति इतिबुधवारस्यपूजोपक्रमः

॥अथगुरुवारस्यपूजोपक्रमः ॥

गुरुवारस्य ब्रह्मादेवता ब्रह्मजज्ञानंप्रथमंपुरस्ताद्विसीमतःसुरुचोवेनआवः सबुध्न्याऽउपमाअस्यविष्ठाः सतश्चयोनिमसतश्चविवःइतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाकुंकुमगंधः सर्षपपुष्पंगुग्गुलुधूपः शर्कराज्यंनैवे-द्यंतिलयवधान्याज्यंहोमद्रव्यं रोगशांतिर्भवति इतिगुरुवारस्यपूजोपक्रमः

॥ अथशुक्रवारस्यपूजोपक्रमः ॥

शुक्रवारस्य इंद्रोदेवता ॥ त्रातारमिंद्रमवितारमिंद्रंहवेहवेसुहवंशुरमिंद्रम् व्हयामिशक्रंपुरुतमिंद्रंस्व-स्तिनोमघवाधात्विंद्रःइतिजपपूजाहोममंत्रः ॥ राजतीप्रतीमाचंदनगंधःचंपकपुष्पंअगुरधूपःघृतदीपःघृत-पक्वंनैवेद्यंतिलयवाज्यंमधुनिहोमद्रव्यम् रोगशांतिर्भवति इतिशुक्रवारस्यपूजोपक्रमः ॥

॥ अथशनिवारस्यपूजोपक्रमः ॥

शनिवारस्य यमोदेवता ॥ यमेनदत्तंत्रितएनमायुनगेन्द्रऽएणम्प्रथमोऽअध्यतिष्ठत् गन्धर्वोऽअस्परशना-मगृभ्णात्सूरादश्वंवसोनिरतष्ट इतिजपपूजाहोममंत्रः ॥ हैमीलौहीवामूर्तिःताम्रजाइतिकेचित् चंदनगंधःकृ-ष्णपुष्पंमधुधूपःतिलतैलदीपःमधुमत्साश्चनैवेद्यंतिलमधुचहोमद्रव्यम् रोगशांतिर्भवति इतिशनिवारस्यपूजो-पक्रमः ॥ इतिवारविचारनिर्णयपूजोपक्रमःसमाप्तम् ॥

॥ अथनक्षत्रणांनिर्णयशांतयःनिरूप्पंते ॥

वृद्धगार्ग्यमतेन ज्वरस्त्वजातःषड्रात्रमश्विनीषुनिवर्तते भरणीषुचपंचाहात्सप्ताहात्कृतिकासुच त्रिसप्तरात्रादथवारोहिण्यामष्टरात्रतःएकादशाद्वाद्विवसांमृगेषुनवरात्रतःपंचाहात्स्वास्थ्यमार्द्रायांत्रिपक्षंसंशयोथवा पुनर्वसौप्रवृत्तस्तुज्वरोपेतित्रयोदशात् दिवसादेकविंशाद्वाश्रहात्सप्ताहतोपिवातिष्येश्लेषासुमरणंचिरेणापिमघासु च अवश्यंस्वास्थ्यमाप्नोतिद्वादशाहांमृतोनचेत् फालगुण्योरुभयोःस्वास्थ्यंज्वरःशाम्मेदशाहतः हस्तेचसप्तमेशांतिश्चित्रायामष्टमाहतः पुनश्चित्रागमेस्वातौदशाहादथवामृतिःपक्षेस्वास्थ्यंविशाखायांद्वाविंशेहनिनिर्दिशेत्नवमेन्हिभवेच्छांतिमैत्रेमृत्युरतःपरम् ज्येष्ठायांपंचमेमृत्युर्नचेत्स्याद्वादशेसुखंस्वास्थ्यंदशाहात्सूलेतुत्रिसप्ताहा तथाभवेत् पूर्वाषाढोत्तरायांचस्वास्थ्यंस्यान्निश्चयेनतुअष्टभिःश्रवणंस्वास्थ्यंनवभिर्वाभवेच्छुभं आज्येष्ठांतंधनिष्ठायांदशाहाद्वारुणीभवेत् पंचाहाद्वादशाहाद्वास्वास्थ्यंभाद्रपदासुच उत्तरासुत्रिसप्ताहात्प्रशाम्येद्रेवतीसुचचतुरात्रेष्टरात्रेवाक्षेमामिच्छंतिशाश्वतं एवंव्याधिविचारस्तुकार्योनित्यंमनीषिभिः अदानजन्मानिधनप्रत्यहराविपत्करी नक्षत्रैर्व्याधिरुत्पत्तौक्लेशोत्पत्तिनसंशयःषड्भैषज्यंनशक्नोतिसाक्षाद्धन्वंतरिःस्वयं अथरोगमुक्तस्नानम् हस्तेंद्रयौश्चरेवत्यांयाम्येचंद्रपुनर्वसौस्नातोरोगविमुक्तस्तुपुनर्व्याधिंनपश्यति इंद्रोवारेभार्गवेचध्रुवेषुसार्प्पादित्येस्वातियुक्तेषुचेषु पित्र्येचांत्येनैवकुर्यात्कदाचिन्नैवस्नानंरोगमुक्तस्यजंतोःलग्नेचरेसौम्यकुजार्कयोरीरक्तेतिथौचंद्रबलेविहीने केंद्रत्रिकोणारिगतैश्चपापैस्नानंहितंरोगविमुक्तजंतोः इतिनक्षत्रेषुकष्टनिर्णयः ॥

॥ अथनक्षत्राणांबलिपूजा शांतिविधाननिर्णयः ॥

वृद्धवसिष्ठोक्तम् रोगशांतिंप्रवक्ष्यामिरोगार्तानांशरीरिणांबलिपूजांगहोमंचजपब्राह्मणभोजनैः यस्मिन्नृक्षेनृणांरोगोसंजायतेतन्नक्षत्रपूजाकर्तव्यातदीश्वरतुष्टये कर्षेनतदर्द्धेनतदर्द्धार्द्धेनवापुनःधिष्णेशप्रतिमाकर्तव्यायथावित्तानुसारतः ईशान्यामथवाप्राच्यांउदीच्यांदीशिसल्लिखेत् तंडुलोपर्य्यष्टदलंपद्मंगोमयमंडलेपंचामृतैसलेपैःनत्तन्मंत्रैःपृथक्पृथक्स्थाप्यकल्पोक्तमंत्रेणप्रतिमास्थापयेत्पुनःकर्णिकायांतुसंस्थाप्यध्यात्वादेवंसमर्चयेत् तदवर्णवर्णगंधाद्यैःरक्तधूपोपहारकैः असूक्तवर्णकुंभंचपंचत्वक्पल्लवैर्युतंशुक्लवस्त्रंस्वर्णरत्नसर्वौषधीसमन्वितं देवस्यपूर्वतःस्थाप्यजलमंत्रैःसमर्चयेत् प्रतीच्यांस्थंडिलेवान्हिविधिवत्स्थापयेत्ततः मासांतेजुहुयादुक्तद्रव्येणाष्टसहस्रकंतिलहोमव्याहृतिभिरष्टोत्तरसहस्रकं पूर्णाहुतिभिजुहुयात्सम्यक्संकल्पपूर्वकं नीराजनंसशुद्धात्मापूजास्थानंसमागतः देवंहुतासनंभक्त्याप्रणम्यप्रार्थयेदिति अमृतोभवधिष्णेशयतस्त्वंकलशात्मकः रोगादस्माच्चमांरक्षतववश्या[illegible]धिष्णपःइतिप्रार्थततोदद्यात्प्रतिमांवस्त्रसंयुतां दक्षिण्यासहितंभक्त्याआचार्यायकुटुंबिने ब्राह्मणाययथाशक्त्याब्राह्मणान्भोजयेत्ततः कृत्वानक्षत्रपूजांतेतिथिवासरयोरपि सर्वान्कामानवाप्नोतिरोगीरोगात्प्रमुच्यते ॥

॥ अथअश्विनीनक्षत्रपूजोपक्रमः ॥

अश्विन्यांचभवेत्पीडाअर्धगात्रनिपीडनं वातज्वरभवेत्कष्टमतिसारस्तथैवच निद्रानाशोमतिभ्रंशोपीडाभवतिदारुणानंद रुद्र धृति श्रिवपादेवेदशराणिच अश्विनौतत्रदेवत्यामश्विनीतेचमंत्रकं जप्यंपंचसहश्रचहोमेखंड

जवाज्यकं हिरंण्यंघृतकुंभंचब्राह्मणान्भोजयेत्तथा श्वेतवर्णौसुधापूर्णकुंभांभोजधरौपृथक् चंदनोत्पलपुष्पाढ्य गुंग्गुलौतुगुडप्रियौ क्षीरलड्डुकभोक्तारौसमिधःक्षीरवृक्षजः गुडोदनबलीदद्यादीपैसार्द्धनिशामुखे सौवर्णमूर्ति- अश्विनातेजसाचक्षुःप्प्राणेनसरस्वतीवीर्य्यम् वा चेन्द्रोबलेनेंद्रायदधुरिन्द्रियम् इतिजपपूजाहोममंत्रः॥ अन्य- मते अश्विन्याछायाअंशात्त्राशात्भूतकाद्यदोषःशिरःकर्णनासिकातालुव्यथा कंडुभवति वातपित्तकोपः आगमेदशाहंमध्येनव मुक्तेपंचदशानिशायांबलिदानं हस्तेनस्पृशतेपुनःआदित्यंमहेशंचयजेत् चतुष्पथेपूजयेत् होमंश्चकार्यः पुनर्वसुरोहिणीहस्तस्वातिश्रवणाभिषजिपादेष्वहानि ९ १३ १२ ३ आमान्नदानम् इतिअश्व नीनक्षत्रपूजोपक्रमः

॥ अथभरणीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

भरण्यांतुर्यपादेचक्षयरोगाःप्रजायते ज्वरंतीव्रमशावोरंनानाव्याधिसमुद्भवं शून्य ० मशीति ८० खवेदा ४० रुद्राः ११ पादक्रमेणतु नमंत्रंनौषधंतत्रनदानंनजपादिकं दशरात्रंयदाजीवेत्कृत्वाजाप्यंयथोदितम् जप्यायुतं- प्रकुर्वीतगायत्र्याश्चायुतंतथा छायादानंप्रकुर्वीतखंडाज्यघृतपूरकम् अजामहिषदानंचतुरंगंतत्रदापयेत् द्विजे- भ्योभोजनंदद्यात्क्षेत्रपालंचपूजयेत् हैमिवालौहीप्रतिमा यमोदेवता यमायत्वामखायत्वासूर्य्यस्यत्वातपसे- देवस्त्वासवितामद्धानक्तपृथिव्याःसंस्पृशस्याही अर्चिरसिशोचिरसितपोसि इतिजपपूजाहोममंत्रःवात्र्यंब- कमंत्रस्यप्रोक्ताछंदर्षिदेवताअगुरगंधःकरवीरपुष्पाणिगुग्गुलधूपः अष्टांदीपांश्चसर्वेषांनैवेद्यंगुडोदनंपाशदंडध- रोरक्तरूपाज्यमध्वाक्षतैर्हवि. महिषीनायकारूढाकृशरान्नैर्बलिंहरेत् वक्षमाणेनमंत्रेणबलिंसम्यक्प्रदापयेत्- अन्यमते भरण्मांभूतदोषः शिरोर्तिः सर्वांगपीडारोमहर्षश्चदंताः कटकटायंते चंद्रागमेसप्ताहं मध्येमृत्युः पिष्टस्यमेषं कृत्वापंचान्नैःसहचतुष्पथेभूतयागःकर्तव्यःकुमारिपूजनंगृहेकर्तव्यंश्मशानेबलींदत्वाअष्टौदीपान्- दद्यात्दक्षिणादानं गुरुयजनंकर्तव्यं शदेष्वहानि ५ ११ १४ १७ कृष्णदानम् इतिभरणीनक्षत्रनिदान- पूजोपक्रमः

॥ अथकृतिकानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

कृतिकासुभवेत्पीडारक्तनेत्रश्चदृश्यते चक्षुपीडाभवेत्तस्यऊरूःशूलंतथैवच १ महत्कष्टंभवेत्तस्यज्वरंतीव्रंचदा- रुणम् ग्रहशांतिप्रकुर्वीतदानब्राह्मणभोजनैः २ दिनानितस्यसंख्यानिनवै ९ कादश ११ षोडश १६ अष्टत्रिंशतिकंचैवदानंदत्वासुखीभवेत् ३ कृतिकाह्यग्नीदैवत्यातिलाज्यंजुहुयात्ततः कृतिकोत्थंतुदोषंयत्तत्क्ष- णान्नश्यतिध्रुवं ॥ अग्निदेवता ॥ अयमग्निःसहस्त्रिणोवाजस्यशतिनस्यति मूर्द्धाकवीरयीणाम् इतिजपपूजा- होममंत्रः ॥ हैमीप्रतिमाचंदनगंधायूथिकापुष्पंघृतदीपः गुग्गुलुधूपः तिलमाषान्नंवरमन्नेनयुतंनैवेद्यंगुडोद- नंहविस्तत्रपायसेनबलिंहरेत् इतिकृतिकानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

॥ अथरोहिनीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

रोहिण्यांहिक्किकाशूलंज्वरपीडाचदारुणा प्रलापंचक्षुवंदाहमाकुलंव्याकुलंतथा १ दिनानीचाष्ट ८ दशच १० अष्टादशच १८ त्रिंशके ३० प्राजापत्यंचदैवत्यंब्रह्मयज्ञानमंत्रकं २ पंचशतंकृतंजप्यंतिलाज्ययवहोमत-

भोजयेत्पंचकौमारीपायसंशर्करातथा ३ कृष्णधेनुःप्रदातव्यासप्तव्रीहिसुवर्णकं रोहिणीसंभवंकष्टंततत्क्षणादे वनश्यति ४ब्रह्मजज्ञानंप्रथमंपुरस्ताद्विसीमतःसुरुचोवेनआवःसबुध्न्याउपमाअस्यविष्ठाःसतश्चयोनिमसतश्चविवः इतिजपपूजाहोममंत्रःहैमीप्रतिमाकुंकुमगंधः सर्षपपुष्पंगुग्गुलुधूपःशर्कराज्यंनैवेद्यंतिलयवधान्याज्यंहोमद्रव्यंरोगशांतिर्भवति अन्यमते रोहिण्यांतीव्रज्वरोरक्तप्रकोपंबिंदतेप्रलापंवदतिप्रपलायतेश्लेष्मपिच्छिलंदारुणंपूतिगंधित्वंजायतेचरणचतुष्टयेदिनानिप्रत्येकं ८ १६ ७ ० पिष्टमयंवृषंकृत्वाअन्नपूरितेपुटकेस्थाप्यपूजयित्वानिशिग्रासजलंदत्वाजनदृष्टिंवालिंहरेत् द्वितीयेदिनेविनायकंपूजयेत् रोगमुक्तस्नानं चित्रायामनुराधायांचपुनर्वसौच मतांतरे रोहिणीपादेषु ० २० १४ ३८ आमान्नदानं इतिरोहिणीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

॥ अथमृगशिरानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

मृगशीर्षेभवेदेवपीडाचार्द्धशरीरके अतितीव्रंमहाघोरंव्यथाभवतिदारुणा दिनानिषोडश१६त्रिंश३० द्विश२०तिश्चैकविंशतिः२१होमस्तस्याधिदैवत्यसोमोदेवेतिमंत्रकं सहस्रंतुभवेजप्यंहोमश्चदधिपायसं दधितंडुलदानंचसवत्सांगांतथैवच अष्टौविप्राःप्रपूज्यंतेकुलदेवंप्रपूजयेत् मृगशीर्षोत्थरोगश्चतत्क्षणादेवनश्यति सोमोधेनुꣳसोमोऽअर्वन्तमाशुꣳसोमोवीरङ्कर्म्मण्यन्ददातिसादन्यंविदत्थ्यꣳसभेयंपितृश्रवणंय्योददाशदस्मै इतिजपपूजाहोममंत्रः राजतीप्रतिमाचंदनगंधाकुंकुमपुष्पाणिदशांगधूपंघृतदीपः पयसोदनंनैवेद्यंमंडुकापूपघृतक्षौद्रसमन्वितं शर्करादधिमिश्रेणशुक्लान्नेनबलिंहरेत् रोगशांतिर्भवति अन्यमते मृगे तीव्रदृष्टिप्रलापंवदातिहृदयंद्रवतेपृष्टंभिद्यते सोदरहृदयार्त्तिःपीडातृषामहतीचरणचतुष्टयेप्रत्येकंदिनानि १२ १० ५ १८ पिष्टमयंमृगंकृत्वा पुटकेअन्नसुरातिलैः सहस्थापयित्वा धूपदीपैःसहजनदृष्टंबलिंहरेत् द्वितीयदिनेचतुष्पथेभूतमंडलंवास्तुपूजांचकुर्यात् रोगमुक्तिस्नानं हस्तोनुराधामूलार्द्राशतभिषक्सुमतांतरे मृगशिरसिमासपर्यंतंपीडाकुंदपुष्पदशांगधूपपायसेनपूजा सोमंसंपूज्यदधिपयसीजुहुयात् चरणचतुष्टये ३० १८ २२ १८ इतिमृगशिरानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथआर्द्रानक्षत्रानिदानपूजोपक्रमः ॥

आर्द्रायांव्याधिरुत्पन्नोग्रहपीडासमाकुलं सर्वांगंपीडितंतस्यनिद्रानाशोमतिभ्रमः नमंत्रंनौषधंतत्रवर्ज्जयेन्नवरात्रकं त्रिदोषश्चमहत्कष्टंम्रियतेनात्रसंशयः शुन्य० मष्टादश १८ शून्यं० अंतेचैवचशून्यकं० रुद्रोपिदेवतातस्यनमस्तेरुद्रईरितः अयुतंचजपंकुर्यात्मधुनाज्यंचहोमयेत् वृषभश्चात्रदातव्योकृष्णवस्त्रंतथैवच होमांतेब्रह्मणेदद्यात्तस्यरोगस्यनाशने आद्रयोत्थंमहदुःखंतत्क्षणान्नश्यतिध्रवं हैमीप्रतिमावाराजतिप्रतिमाचंदनगंधः सौरभंपुष्पंदशांगधूपंपायसोदनंमध्वाज्यहविष्यन्नंदध्योदनबलींहरेत् नमस्तेरुद्रमन्यवऽउतोतऽइषवेनमः बाहुभ्यामुततेनमःइतिमंत्रः अन्यमते आर्द्रायांरकंधौभिंदतिचक्षुःस्रावोगात्रंपण्डुवर्णंवेपथुःरात्रौजागर्तिदिवास्वपतिपापेष्वहानि. १५ ३० १५ १७ पैष्टौस्त्रीपुरुषौकृत्वा पुटकेनातिलक्षीरसंयुक्तेस्थापयित्वाएकवृक्षेबलिंदद्यात् यन्नदेदेवताः पूजयेत् पायसांनैलिंगपूजागोप्रदानंच मतांतरेचआद्रायांमृत्युर्धतूरपुष्पैर्धूपपायसोपहारैर्नमस्तेरुद्र-

मन्यवःइत्यनेनसंभुपूजनं मधुसार्पिः खंडंयुहुयात् पादेष्वहानि ११ ७ २७ १७ श्वेताश्वदानंवृषदानंवा. इतिश्रार्द्रानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ श्रथपुनर्वसुनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

पुनर्वसौतदापीडाकटिपीडाचजायते सप्त ७ चतुर्दशं १४ चैवदिश १० श्चैवैकविंशति २१ श्रादित्योदेवतातस्यादितिर्द्यौरितिमंत्रकं एकाशतंकृतंजाप्यंघृततंडुलहोमतः सुवर्णकमलंदद्यात्कुमारीः पंचभोजयेत् वस्त्रदानंकुमारीणांतत्क्षणाद्रोगनाशनं मतांतरे हैमीप्रतिमाहरिद्राकुंकुमगंधः पुष्पंसेवंतिकंश्रगरुधूपःघृताक्ततंडुलहविपीतान्नेनवलिंहरेत् मंत्रः श्रदितिर्द्यौरदितिरन्तरिक्षभादितिर्म्मातासपितासपुत्रः विश्वेदेवाऽश्रदितिपंच जनाऽश्रदितिर्जातमदितिर्जनित्वम् इतिजपपूजाहोममंत्रः श्रन्यमते वक्रालालास्त्रवतेभृशंकंपतेगुरुतरेजंघायांपीडांविंदतिश्रन्नस्यारुचिः पादेष्वहानि ॥ २५ ॥ २१ ॥ १८.॥ २८ ॥ माषपिष्टेनस्त्रीरूपंपुरुषंकृत्वासंपूज्यसिद्धान्नैः सुरयामोदकैमत्स्यैरपूपैर्निशाकालेवलिंहरेत् शिवंपूजयेत् श्रादित्यवारेशांतिः कार्याचतुष्पथेवलिदानं पीतवस्त्रदानं रोगशांतिर्भवतीति इतिपुनर्वसुनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ श्रथपुष्यनक्षत्रनिदानसंख्यापूजोपक्रमः ॥

पुष्येणव्याधितश्चैवज्वरपीडाचदारुणा शूलपीडांगश्राक्रांतोवाद्धेनाशस्तथैवच सप्त ७ सप्त ७ तथाविंश २० देकविंश २१ दिनानिच घृतंचपायसंहोमेपीतवस्त्रंहिरण्यकंब्राह्मणायदद्यात् यथाशक्त्याब्राह्मणान्भोजयेत् पंचगोधूमं तत्रदापयेत् श्रन्यमते हैमीप्रतिमाकुंकुमगंधावरिजपुंष्यंनैवेद्यंघृतपायसंमंडकाघृतसंयुक्तमेवंचहविर्भवेत् मंत्रः बाचस्पतयेयवस्वघृष्टोऽश्रंशुभ्यांगभस्तिपूतः देवोदेवेभ्यः पयस्वभ्यांगयेषाम्भागोसि ८ इतिजपपूजहोममंत्रः श्रन्यमते तिष्येभुजौहस्तौचवक्षश्चाभिद्यंतेप्रलापोजिव्हांदंतांश्चखादतिजंघेपादौचशीतलौपादेष्वहानि २।२०।२१।३१।पुटकेतिलान् श्रन्नमद्यमांसादिकंपद्मपत्रेकृत्वाश्मशानेवालिंहरेत्स्नानेहस्तेश्रवणेच मतांतरे पुष्येसप्ताहः मरुवकपुष्पखादिरधूपखण्डवर्तिकोपहारैर्वृहस्पतेपरिदीपंतिवृहस्पतिपूजापयसार्पिषाजुहुयात् पादेष्वहानि ७।१०।२४।१९ घृतदानं रोगशांतिर्भवतिइतिपुष्यनक्षत्रनिदानपूजोपक्रपमः

॥ श्रथऽश्लेषानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

श्रश्लेषायांचभवेत्पीडासर्वगात्राणिपीडयेत् श्रतिपीडामहाघोराऔषधंतत्रभिद्यते कुलमातृश्चयोगिन्योगोदानंचप्रयत्नतः छागदानंचदातव्यंपीडितैसर्वव्याधिभिः दिनानिशून्य ० शून्यं ० चएकविंश २१ तथांवरं ० सर्पाहिदेवतातस्यनमोस्तुसर्पेभ्यमंत्रकं श्रयुतंजप्यमंत्रेवशर्कराघृतहोमजादानंचमहिषीतत्रसवत्सांगांचनीलिकां मंत्रः नमोस्तुसर्प्पेभ्योयेकेचपृथिवीमनु येऽश्रन्तरिक्षेयेदिवितेभ्याः सर्प्पेभ्योनमः ९ इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाकुंकुमागुरुगंधाश्रगास्तिपुष्पंवाकोडपुष्पंघृतगुग्गुलधूपः मध्वाक्षतैर्नैवेद्यंक्षी-

रसर्यिषाहाषिसाज्यमुथ्यान्नंदध्योदनबलिंहरेत् अन्यमते श्लेषायांमृत्युः स्वभागेनजीवति वातश्लेषत्मको-व्याधिः पीडावात्रिशूलंत्रिकस्थानंभज्यते प्रथमभागेमासत्रयंद्विभागेवामरणमवश्यं पिष्टमयंनागंकृत्वासप्तवक्रं-त्रिशीर्षकंअष्टपत्रेगणसहितांशिवंपूजयेत् सप्तव्रीहियुतमन्नमद्यमांसयुक्तंचतुष्पथेबलिंहरेत् जलमध्यनिवासिनी-राक्षसीपूजनं अनुराधामघाभरणीपुनर्वसुषुस्नानं मतांतरेच अश्लेषांमृत्युरगस्त्यपुष्पघृतगुडधूपोपहारैःसर्पां-संपूज्यवटपत्राणिजुहुयात् अष्टधातुदानं इत्यऽश्लेषानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथमघानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

मघायांचभवेत्पीडाअर्द्धगात्रेशिरव्यथातिथि १५ सप्ततथातत्रविंशतिश्च मनु ७ २० १४ क्रमात् पितरोदे-वतातस्यपितृभ्याः स्वधामंत्रकं सहस्रैकंकृतंजाप्यंतिलतंडुलहोमतः तिलमाषसुवस्त्राणिदानंदत्वासुखीभवेत्-मंत्रः पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधानमः पितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधानमः प्रपितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधानमः अक्षन्तपितरोमीमदन्तपितरोतीतृपन्तपितरः पितरःशुन्धद्ध्वम् इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाचंदनगंधः चंपकपुष्पंघृतगुग्गुलः धूंपंघृतमिष्टान्ननैवेद्यंतिलाज्यंहोमद्रव्यंतिलान्नंचमुद्गान्नंपितॄत्-प्तयेबलिंहरेत् अन्यमते मघयां हृदयंभिद्यतेपित्तकोपोव्याधिः शीर्षदाहःहृच्छूलंडाकिनीदोषः भुक्ताभुक्तेनजा नीयाश्छांतिर्मध्येनजायते पिष्टमयंसिंहंकृत्वाअतिविकरालंसुराभिर्मोदकैः पक्वान्नैश्चसहपुटकेस्थापयित्वाशां-ति कार्यापट्टवस्त्रंद्विजातयेदद्यात् रोगस्नानंस्वातौआर्द्रायांशतभिषजिमृगशिरसिरेवत्यां इतिमघानक्षत्रनिदा-नपूजोपक्रमः

॥ अथपूर्वाफाल्गुनीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

पूर्वाफाल्गुन्यांभवेत्पीडाअर्द्धगात्रेशिरस्यथ पीडयंतेसर्वगात्राणिज्वरपीडामहद्भयं शून्यं पंचदश श्चैवशून्यं-त्रिंश द्दिनानिच भगोपिदेवतातस्यभगप्राणेतिमंत्रकं अयुतंजप्यमंत्रोपिप्रियंगुजुहुयात्तिलैः पीतधेनुप्रदानंच-माषमेकंसुवर्णकं मंत्रः भगप्रणेतर्भगसत्यराधोभगेमान्धियमुदवाददन्नः भगप्रनोजनयगोभिरश्वैर्भगप्रनृमा-भिर्नृवंतःस्याम इतिजपपूजाहोममंत्रः अन्यमते अर्द्धमासेनमुंचतिसिंहासनस्थिता हैमीप्रतिमाचंदनगंधो-मालतीपुष्पंबिल्वधूपोघृतोदनंनैवेद्यंशर्करापूपलड्डुकाभिश्चसंयुतं घृतोदनंहोमद्रव्यंपायसेनबलिंहरेत् अन्यम-ते पूर्वाफाल्गुण्यां हृदयंमेढ्रंभिद्यतेनेत्रलोहितेदेवदोषोडाकिनीदोषश्चबस्तिशूलंकुकुटांडनिभेनेत्रेतीव्रहिक्कादा-हःपंचाहेद्वादशाहेत्रिंशेद्विमासकेदाधिभक्तेरष्टांगंमातृयागंकुर्यात् मतांतरेच पूर्वायांमृत्युःकरवीरपुष्पबिल्वधूप-कृसरोपहारैर्भगएवेतिभगंसंपूज्यमाषयुक्तांयवांजुहुयात्पादेष्वहानि ॥ १ ॥ २७ ॥ २८ ॥ १७ ॥ सुवर्णदानं-इतिपूर्वाफाल्गुणीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथउत्तराफाल्गुनीनिदानपूजोपक्रमः ॥

उत्तराफाल्गुनीपीडाकुक्षिशूलंप्रजायते शरीरंत्वाधितंचैवशिरोरोगंतथानृणां सप्त ७ चैवदश १० त्रैव-सप्त ७ षष्टि ६० तथापुनःअर्यमादेवतातस्यअर्यम्णे इतिमंतत्रःसहस्रंचकृतंजप्यंतिलाज्यंहोमयेत्ततःहिर-

ण्यंरजतंदद्यादन्नदानंतथैवचगोदानंवस्त्रदानंचततःशांतिंकरोत्ययं मंत्रः दैव्यावध्वर्य्यूऽआगतꣳरथेनसूर्य्यत्वचा मद्ध्वाय्यज्ञꣳ समंजाथेतंप्रत्नथा यंवेन श्चित्रंदेवानामइतिज पपूजाहोममंत्रः पद्मस्थितहैमीप्रतिमाकरपूरकुंकुमगंधारक्तोत्पलपुष्पंघृतगुग्गुलधूपः पायसंनैवेद्यंघृतान्नंहोमद्रव्यंशाल्यन्नेनवलिंहरेत् अन्यमते उत्तराफाल्गुण्यां दारुणोज्वरोगृहदेवालयात् भयंलोहिताकृष्णाजिव्हाहृदयंभज्यतेहृच्छूलंपिष्टेनस्त्रीरूपंवासिंहरूपंकृत्वा अन्नैः पुटकंपूरयित्वा निशाकालेवलिंदद्यात् स्कंदंयक्षंकपिलांचयजेत् जलस्थानेदेवींमहेश्वरींचयजेत् रोगमुक्तस्नानं श्रवणरोहिणीपुष्यपुनर्वसुग्रहशांतिंकुर्यात् मतांतरेच उत्तरायांदशरात्रंतत्ररक्तोत्पलपुष्पंगुग्गुलधूपंघृतक्षीरोपहारैरर्यमाणंसंपूज्यशक्तुंप्रियंगुंजुहुयात् पादेष्वहानि ॥ ७ ॥ १५ ॥ १९ ॥ २८ ॥ गोदानंकार्यं इतिउत्तराफाल्गुनीनक्षत्रानिदानपूजोपक्रमः

॥ अथहस्तनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

हस्तेवेदनंसर्वांगेउरशूलंचदारुणं दह्यंतेसर्वगात्राणिप्रभिद्यंतेह्यनारतं ॥ १ ॥ पंचदश ॥ १५ ॥ तथासप्त ७ तिथि १५ वाणा ५ दिनानिच सवितातस्यदैवत्यविभ्राड्इतिमंत्रतः शतानिपंचत.ज्जप्यं ५०० दधिसर्पिश्चहोमयेत् हिरण्यंवस्त्रदानंचधेनुंदद्यात्पयस्विनीं अन्यमते मंत्रः विभ्राड्वृहत्पि.वतुसोम्यम्मद्ध्वायुर्दधद्यज्ञपतावविह्रुतम् बातजूतोयोऽअभिरक्षतित्मनाप्रजाःपुपोषपुरुधाविराजति इतिहोमजपपूजामंत्रः हैमीप्रतिमारक्तगंधकुंकुमंचराजेवसंज्ञकंपुष्पंगुग्गुलधूपः घृतपायसंनैवेद्यं मधुपुष्पंतिला.ज्यान्नंदूर्वाभिःसहितंहोमद्रव्यं गुडशर्करामध्वाज्यापिष्टान्नेनवलिंहरेत् अन्यमते हस्तेदारुणोव्याधिः अतिप्रलापःअतीसारग्रंथिःहृदयंभिद्यते नेत्रबंधःचंद्रागमेसप्ताहं क्षेत्रेशदोषः यवपिष्टेनस्त्रीकार्यापूतनारूपापुटकेधूपंदद्याद्वालिंहरेत् चतुष्पथेगत्वाविनायकस्कंधौपूजयेत् रोगमुक्तस्नानं धनिष्टाश्विनीचित्रासुज्येष्ठायांचस्नातागोक्षीरतिलसर्पिषिजुहुयात् जलपूर्णघटंसप्तान्नेनपूरयेत्चतुष्पथेवृक्षेवावलिंदद्यात् त्रिभिर्दिनैः मतांतरेचहस्तेपक्षपर्यंतंतत्ररक्तकवीरपुष्पमल्लिकाधूपपुष्पोपहारैः उत्दुत्यमितिसवितारंसंपूज्यदधिजुहुयात् पादेष्वहानि ॥ १५ ॥ १६ ॥ १४ ॥ २६ ॥ इतिहस्तनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

अथचित्रानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

चित्रायांव्याधिनाशोपिदारुणंकष्टमेवच रुद्रो ११ नंदो ९ वसु ८ श्चैवषोड १६ शैवादिना.निचत्वष्टापत्यधिदैवत्यंत्वष्टांतुरयिेतिमंत्रकंजाप्यंपंचशतं ॥ ५०० ॥ कुर्यात्तिलतंडुलहोमतः विचित्रवृषभंदद्याद्गुडान्नंतुतिलानपि अन्यमतेमंत्रःत्वष्टातुरीयोऽ अद्भुतऽ इंद्राग्नीपुष्टिवर्धना द्विपदाच्छंदऽ इंद्रियंमुक्षागौर्नवयोदधुः इतिजपपूजाहोममंत्रःहैमीप्रतिमासकुंकुमागुरुगंधः घृतधूपः सुगंधपुष्पंगुग्गुलधूपः मोदकान्नाज्यंनैवेद्यंचित्रान्नंसघृतंहोमद्रव्यं तदन्नेनवलिंहरेत् अन्यमते चित्रायांचंद्रागमोदारुणोव्याधिः पार्श्वस्थिभिद्यतेत्रयोमासाचेष्टतेवमतेश्रोत्रेग्रीवायांचबाधाःऊर्ध्वदृष्टिऽडाकिनीदोषःपिशाचस्यरूपंकृत्वागंधपुष्पैरर्चयेत् पुटकंपूपकान्नैपूरयेत् मद्यैर्मांसैश्चलोपिकैःकुवेरंपूजयेत् मतांतरेच चित्रायामेकादशाहं तत्रजपापुष्पपद्मकधूपमोदकोपहारैस्त्वष्टारंपूजयेत् चित्रोदनंजुहुयात्पादेष्वहानि ॥ ११ २६ १८ १६ आमान्नदानं इतिचित्रानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथस्वातीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

स्वात्यामुत्पद्यतेव्याधिर्वहुधारोगसंभवःग्रहहोमंतथाजाप्यंपीवोऽअन्नारमंत्रकं खंच ० सप्तदश १७ त्रिंश ३० दपरंचदिनानिवै जाप्यंपंचसहस्रंच ५००० तिलाज्ययवहोमतः पीवोअन्नेतिमंत्रेणवायुस्तत्राधि. देवता आरक्तवर्णांगांदद्यात्सुवर्णंचयथाविधि अन्यमते मंत्रः पीवोऽअन्नारपिवृधःसुमेधाःश्वेतःसिषक्तिनियुतामभिश्रीःतेवायवेसमनसोवितस्थुर्विश्वेन्नरःसपत्यानिचक्रुःइ तिजपपूजाहोममंत्रः स्वात्यर्क्षेएकद्वित्रिश्चतुष्पंचमासैर्विमुच्यते हैमीवाराजतीप्रतिमाअगुरुगंधोमदनकंपुष्पंगुग्गुलघृतधूपंपायसंनैवेद्यंपायसाज्यंहोमद्रव्यंस्तेनवलिंहरेत् अन्मते स्वातौदारुणोव्याधिःतीव्रज्वरःश्लेष्मजंकटिशूलं चंद्रागमेसप्तदिनानिवीरस्थानदोषःचत्वरेपत्तनेमाषापिष्टेनपशुंकृत्वापंचान्नंचकृत्वाचतुष्पथेदद्यात् अंगंभूमौनिपतति कुक्षौदाहश्चयदिदृश्यतेतत्रचवलिमन्यंचकुर्यात् पिष्टमेषंकृत्वा एकविंशत्यपूपान् मद्यमांससहितान् पुटकेपूरयेत् निशाकालेवलिंहरेत् एकवृक्षेश्मशानेअर्घपुष्पादिकैर्भूतयागंकुर्यात् ततःशांतिःरोगमुक्तस्नानं अश्विन्यांपुष्पेच मतांतरेस्वातौमृत्युःदमनकपुष्पनखधूपदध्योदनंपादेष्वहानिः १ । १५ । ३८ । १८ । रौप्यतण्डुलदानं ॥ इतिस्वातीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

॥ अथविशाखानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

विशाखायांकुक्षिशूलंसर्वगात्रप्रपीडनंतिथि १५ खंवेद ४० वन्हींदु १३ रुद्रा ११ श्चैवदिनानिच इंद्राग्नीदेवतातत्रइंद्राग्नीतिचमंत्रकं द्विसहस्रेकृतेजप्येदध्योदनादिहोमतःरक्तंपीतंचवस्त्रंचकृष्णंदद्यातुगोपतिं विशाखासंभवोरोगस्तत्क्षणादेवनश्यति मंत्रः इन्द्राग्नीऽआगतꣳसुतङ्गीर्भिर्नभोवरेण्यम् अस्यपातन्धियेषिता- इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाश्रीखंडकुंकुमगंधःकमलपुष्पंदेवदारुधूपंघृतपायसंनैवेद्यंघृतपायसान्नंहोमद्रव्यंचित्रान्नेनवलिंहरेत् अन्यमतेविशाखायां वक्त्रंविस्तृतेदारुणंदंतजिव्हादिशूलंश्लेष्मवेष्टनकर्णवादित्रघोषःघूर्णितीश्चरूपेणवलिंदद्यात् अष्टांगंचक्षिपेद्दिशिसप्तान्नैस्तिलैरक्षोटैर्यवैःपूजयेत्मांसैःपायसैरुद्रशांतिःगोदानंनिशाकालेवलिदानं मतांतरे विशाखायांपंचदशरात्रंकृष्णतुलसीदेवदारु धूपगुडकोपहारैःवलिदानंपूजयेत् पादेष्वहानिः । १५ । ३८ । १९ । श्वेतदानं इतिविशाखानक्षत्रनिदानपूजोपक्रम; ॥

॥ अथअनुराधानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

रोगोत्पत्त्यनुराधायांज्वरंतीव्रंमहाभयं षष्टि ६० द्वादश १२ षड्त्रिंश ३६ तथात्रिंश ३० दिनानिच मैत्रोपिदेवतातस्यमित्रावरुणश्चमंत्रतःजाप्यंसहस्रमेकंचयवाज्यैर्होमएवच अन्नंहिरण्यगोदानंछायादानंतथैवच तस्यानुष्ठानमात्रेणरोगनाशश्चजायतेमंत्रः नमोमित्रस्यवरुणस्यचक्षसेमहोदेवायतदृतꣳसपर्य्यत दूरेदृशेदेवजातायकेतवेदिवस्पुत्रायसूर्य्यायशꣳसत इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीवाराजतीप्रतिमाकमलपुष्पंचंदनगंधःकुंकुमचंदनधूपंपायसंनैवेद्यंपायसाज्यंहोमद्रव्यं मधुशर्करापायसंघृतपूरितमाषान्नंमुद्गाभिश्चसंयुतंसूरणकंदंवालिंहरेत् अन्यमतेगुदंमेढ्रेभिद्यते पैत्तिकोव्याधिःनेत्रस्रावःगात्रदाहोभूतदोषःसप्ताहंपक्षेचज्वराःसप्तमेन्हिभूतयागं-

सग्रहंकुर्यात् पायसेनघृतेनच सूर्यादीन्यजेत्वैश्रवणंदेवंचपितृपिंडंचदापयेत् कुवेरस्यसप्तान्नसहितंदानंदद्यात् ततःस्नातव्यं मतांतरेपिष्टस्यमृगंकृत्वाकुलत्थान्नमुखेदेयंविसर्जयेत्चरणेषुगोदानं । १० । १ । ११ । । १८ । इतिअनुराधानक्षत्रनिदानपूजोमक्रमः ॥

॥ अथज्येष्टानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः १८ ॥

ज्येष्टायांचभवेत्पीडापित्तरोगश्चजायते क्रंदतेव्याधितःसोपिआकुलोव्याकुलोनरःनव ३ पंच ५ त्रिवाणंच ५३ रसवेद ४६ पदक्रमात् इंद्रोपिदेवतातस्यसऽइषुहस्तैःसमंत्रकं त्रिसहस्त्रेकृतेजप्येतिलतंडुलहोमतःतिलावस्त्रंहिरण्यंचदानंक्लेशस्यनाशनम् मंत्रःसऽइषुहस्तैःसनिषङ्गिभिर्वशीसंस्त्रष्टासयुधऽइंद्रोगणेन संसृष्टजित्सोमपावावाहुशर्द्धुग्रधन्वाप्रतिहिताभिरस्ता इतिजपपूजाहोममंत्रःहैमीप्रतिमाचंदनकुंकुमगंधाकरपूरधूपंचित्रान्नंनैवेद्यंसूरणकंदंमधुपायसंहोमद्रव्यंविचित्रगंधपुष्पेनदध्यान्नेनवलिंहरेत् अन्यमते ज्येष्टायांगुदावाहूचाभिद्येते पित्तकोपदाहः चंद्रागमेपक्षं द्विपक्षंमध्ये अंतेत्रयः पक्षाः पथिकस्यभयंभवेत् पिष्टेनगजंकृत्वाघटियंत्रंकृत्वाचतुष्पथेस्थापयेत् पुटकमन्नैः पूरयित्वानिशिवलिंहरेत्-एकवृक्षेवलिंदद्यात् इष्टदेवतायजेत् मद्यैःमांसैःसमस्तैःनैवेद्यैःशिवपूजांचकारयेत् मतांतरे पादेष्वहानिः । १ । १४ । ३८ । २७ । तिलतैलदानं इतिज्येष्टानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

॥ अथमूलानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

मूलारोगेमहत्कष्टंमहाक्लेशः प्रजायते उदरेचशूलपीडास्यात्सन्निपातोमहाभयंव्याधितोजीवितःसोपिकष्टप्राप्नोतिवैध्रुवं शून्यं ० नंद ९ तिथि १५ रुद्रः ११ दिनानिचरणक्रमात् निर्ऋतिर्देवतातस्यमातेचपुत्रमंत्रतः जपेत्पंचसहस्त्रंचकंदमूलानिहोमयेत् कृष्णांगोस्तत्रदातव्यासप्तधान्यंसुवर्णकं छायादानंप्रदातव्यंस्वर्णंवस्त्रंविशेषतः मंत्रः मातेचपुत्रम्पृथिवीपुरीष्यमग्निंस्वेयोनाचभारुषा तांविश्वैर्देवैर्ऋतुभिः संविदानःप्रजापतिर्विश्वकर्म्माविमुंचतु इतिजपपूजाहोममंत्रः शीसकप्रतिमाकृष्णागुरुगंधा पद्मनीलोत्पलंपुष्पंकृष्णागुरु धूपः माषमिष्टान्नःनैवेद्यंमाषमिष्टान्नःहोमद्रव्यंमाषान्नेनवलींहरेत् अन्यमते मूलायांस्त्रीदोषोदेवदोषश्चमूर्ध्निपादयोश्चदाह अतीसारश्चवाश्लेष्मरोगः कंठशोषःवेपथुश्चंद्रागमेपक्षः अंतेपंचपक्षाः धनुर्हस्तेकार्यपंचाभिःस्त्रीभिः सप्तान्नैःकुम्भंपूरयेत् अग्नौतण्डुलघृतयवहोमःमातृकायजनंभूतवलिंदद्यात् रोगमुक्तःधनिष्ठारेवतीरोहिणीहस्तेषुस्नानंकुर्य्यात् दानंदद्यात् मतांतरे पादेष्वाहानिः१ १९ ११माषान्नदानंवाह्मणभोजनंच इतिमूलानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथपूर्वाषाढानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

पूर्वाषाढेतुरोगश्चनानाव्याधिप्रपीडनं शिरोरोगंमहारोगंकंपतेक्रंदतेनरःशून्यं ० पंचदशं १५ चैवचतुर्विंश २४ तथांवरं ० आपोवैदेवतातस्यआपोस्मानितिमंत्रकं द्विसहस्त्रकृतेजप्येतिलतंडुलहोमतः वस्त्रतंडुलगोदानंघटंचसहिरण्यकं मंत्रः अपाघमपकिल्बिषमपकृत्यामपोरपःअपामार्गत्वमस्मदपदुःष्वप्नंसुव इतिजपपूजाहोममंत्रःचंदनगंधः कमलपुष्पंशैलेयधूपः घृतपायसंनैवेद्यंमसूरापिष्टअन्नंहोमद्रव्यंतदन्नेनवलिंहरेत् अ-

न्यमते पूर्वाषाढायांहृदिक्लेश:श्वाश:सन्निपात:नासिकाधमतेत्रंगमूलेदुर्गंधि:चक्रदोष: रविंपूजयेत् कुंभंपूरयेत् यागाग्रेचंडिकांदेवींयजेत् राक्षसींचयजेत् महादेवंचयजेत् गोदानंदद्यात् रोगमुक्तस्नानं रेवत्या ऽश्विनीचित्रामूलेषुपादेष्वहानि ॥ १० ॥ १५ ॥ ७ ॥ १८ ॥ मुक्तादानं इतिपूर्वाषाढानक्षत्रनिदानपूजोपक्रम:

॥ अथउत्तराषाढानक्षत्रनिदानपूजोपक्रम: ॥

उत्तराषाढकेरोगेकटिपीडाचदारुणा प्रलापंविक्रमंचैवोदरशूलंतथैवच त्रिंशद्दिनान्यथोविंश त्षड्विंश २६ त्षोडश १६ स्तथाविश्वेदेवादेवताचविश्वेत्रद्यसमंत्रकं जाप्यमेकसहस्रंतुतिलाज्ययवहोमत: ब्राह्मणान्भोजयेद्दानंहिरण्यमपिचांवरं मंत्र: विश्वेत्रद्यमरुतोविश्व:ऽऊतोविश्वेभवन्त्वग्न्य:समिद्धा:विश्वेनोदेवाऽअवसागमन्तुविश्वमस्तुद्रविणांवाजोऽअस्मे इतिजपपूजाहोममंत्र:हैमीवाराजतीप्रतिमाचंदनगंध: कमलपुष्पंसघृतगुग्गुलुधूपंपायसाज्यान्नंनैवेद्यंपायसाज्यान्नंहोमद्रव्यंतदन्नेनवलिंहरेत् अन्यमते उत्तराषाढायांत्रास: शिर:शूलंमकररूपंकुर्यात् तिलोदनंदद्यात् पथियाग:जनद्दष्टिवलिंहरेत्भूताष्टकयुक्तमहादेवपूजाषोडशान्नपक्वान्नमोदकापूपकै:सहग्रहशांतिकुर्यात् द्विजांदेवांश्वतर्पयेत् कुमारीतर्पणं खेचरीपूजनं एतेषांचवलिं: दद्यात् पादेष्वहानि ॥ ३० ॥ २७ ॥ १८ ॥ १७ ॥ गोदानं इतिउत्तरषाढानक्षत्रनिदानपूजोपक्रम:

॥ अथश्रवणनक्षत्रनिदानपूजोपक्रम: ॥

श्रवणेश्रुतिरोगश्चवातपित्तसमुद्भव:विह्वलंचातिसारश्चगात्रेषुपरिपीडनंषष्टि ६० श्चैवचतुर्विंश २४ षष्टा ६ ष्टानि ८ दिनानिच गोविंदोदेवतातस्यइदंविष्णुसमंत्रकंजपायुतंप्रकुर्वीतातिलाज्ययवहोमत:गोदानंस्वर्णदानंचब्राह्मणान्भोजयेत्तत: अन्यमतेमंत्र:इदंविष्णुर्विचक्रमेत्रेधानिदधेपदंसमूढमस्यपांसुरेस्वाहाइतिजपपूजाहोममंत्र:हैमीप्रतिमाचंदनगंध:मालतीपुष्पंकरपूरगुग्गुलधूप: शाल्यन्नंखंडरसोपेतंभक्षभोज्यादिभि:सहनैवेद्यं पायसेनवलिंहरेत् अन्यमते श्रवणेभूतदोष:आदौसप्ताह:मध्येदशअंतेषोडश १६ इच्छाव्याधिस्तुवैष्णवी कष्ठवातंपार्श्वेश्रूलंअतीसारश्च ज्वरोघोर:मूर्ध्निपादयोर्दाह:वैष्णवीशांति:कार्यापिष्टमयंपशुंकुर्यात् कुंभसप्तान्नै मघमांसातिलै:सहपूजयेत्चत्वरेवलिंदद्यात् पादेष्वहानि: ११ ३६ ३४ २९ ब्राह्मणभोजनदानं इतिश्रवणनक्षत्रनिदानपूजोपक्रम: ॥

॥ अथधनिष्ठानक्षत्रनिदानपूजोपक्रम : ॥

धनिष्ठायांभवेत्पीडामूत्रकृच्छ्रेणपीडित:ज्वररक्तातिसारैश्चक्रंदतेचमुहुर्मुहु:तिथियुग्मरदाश्चैवएकविंशतथैवच १५ २ ३२ २१ वसवोदेवतातस्यवसो:पवित्रमंत्रकं जाप्यायुतंप्रकुर्वीतछत्रोपानहप्रदापयेत्योगिन्यापूजनीयाश्चगोदानंसहिरण्यकं अन्यमतेमंत्र:वसोपवित्रमसिशतधारंवसो:पवित्रमासिसहस्रधारम् देवस्त्वासवितापुनातुवसो: पवित्रेणशतधारेणसुध्वाकामधुक्ष:इतिजपपूजाहोममंत्र :राजतीप्रतिमाकर्पूरचंदनगंध: कमलपुष्पंगुग्गलधूप: घृतपायसंनैवेद्यंउदंवरसमिध:अगुरुपायसाज्यसंयुक्तंहोमद्रव्यंलड्डुकापूपमध्वाज्यतिलापिष्टवलिंहरेत्अन्यमतेध

17

निष्ठायांव्याधिक्षोभ:कुरुतेकुलदोष:नेत्रदाह:दारुणज्वर:आदौविंशाहंमध्येमासद्वयंसूकररुपंकृत्वाजलपूरितोघट:क्षीरसिद्धान्नदध्यन्नेनपुटकंपूरयेत् एकाकीवलिपूर्वकंऊषाकालेपरीक्षेत् आरोग्यंपूर्वतोभुंक्तेदाक्षिणेमृत्युमाप्नुयात् कालस्यातिपश्चिमायांउत्तरेरोगहीनता पादेष्वहानि १५ । २५ । ३८ । २७ । जयेच्चकुलदैवत्यंगृहे पंचान्नदेवता नवग्रहशांतिंकुर्यात् इतिधनिष्ठानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

॥ अथशतभिषानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

शतभिषायांभवेत्पीडापवनोव्याप्यतेध्रुवं शरीरेक्लेशमाप्नोतिशीतांगंतत्रदारुणं शून्यं ० वेदा ४ नृपतयो १६ द्वात्रिंशति ३२ दिनानिच वरुणोदेवतातस्यवरुणस्योत्तभनंमनु:जाप्यायुतंप्रकुर्वीत आज्यदध्योदनाहुतिः सहिरण्यंकुंभदानंतिलपिष्टंप्रदापयेत् अजादानंगोप्रदानंदत्वाचान्नंसुखीभवेत् शतभिषोद्भवरोगस्यतत्क्षणादेवनाशनं मंत्रः वरुणस्योत्तम्भनमसिवरुणस्यस्कम्भसर्ज्जनीस्थोवरुणस्यऋतसदनमसिवरुणस्यऽऋतसदनमासीद इतिजपपूजाहोममंत्र:राजतीप्रतिमाअगुरगंधा:कमलोत्पलंपुष्पंकर्पूरचंदनंधूपंघृतपोलिकानैवेद्यं अश्वत्थसमिधाघृतपोलिकाहोमद्रव्यंचित्रान्नेनवलिंहरेत् अन्यमतें शतभिषायांश्लेष्माधिकपीडाशरीरंकंपतेभुक्तभुक्तेनक्षत्रेषोडशदिवसास्तिलमिश्रपायसेनाष्टांगतर्पणंदधिभक्तेनकुमारीपूजनंद्वितीयादिनेपंचब्राह्मणांभोजयेत् अन्नै:सुरामिश्रैर्यवैस्तिलै:पुटकंपूरयेत् नद्यांदीपंचदद्यात् उष:कालेवलिंहरेत् वरुणंविष्णुंचपूजयेत् पुनर्व्याधिर्नस्यात् लक्ष्मीप्रवर्धते पादेष्वहानि १८ । २७ । १८ । २० । वृषभदानं इतिशतभिषानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

॥ अथपूर्वाभाद्रपदानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

पूर्वाभाद्रपदेरोगंसर्वगात्रनिपीडनं छर्दिरोगकृतंदोषंत्रिदोषंजायतेव्यथा शून्यं० द्वादश १२ संख्यानिएकविंश २१ नवै ९ वचअजैकपाद्देवतास्यउतनोहिश्चमंत्रकं जाप्यंपंचसहस्रंचक्षीराज्यंशर्कराहुतिः श्वेतवस्त्रंसुवर्णंचरुक्मकांचनदानत: अजैकपादोषरोगस्तत्क्षणादेवनश्यति मंत्रः उतनोहिर्वुध्न्य:शृणोत्वजएकपात्पृथिवीसमुद्र: विश्वेदेवाऽऋतावृधोहुवानास्तुतामंत्र: कविशस्ताऽअवन्तु इतिजपपूजाहोममंत्रः अन्यमतेहैमीप्रतिमाकुंकमचंदनगंध: श्वेतार्कसंभवंपुष्पंशतौषधीमिश्रितधूपंदधिपायसंनैवेद्यंपायसकूष्मांडंहोमद्रव्यं कूष्मांडदध्यान्नेनवलिंहरेत् अन्यमते पूर्वाभाद्रपदायां ब्रह्मदोष:अष्टादशदिनानिचंद्रागमेमध्ये द्वादशअंते अष्टाविंशतिदिनानिपंचकुंभ: श्मशानेचत्वरेवलिंदद्यात् तत्रवटुकंपूजयेत् तैलपूर्णंकटाहंकुर्यात् आतुरोहमितिकटाहंलंघयेत् घटिकांचएनंक्षिपेत् पुष्येश्विन्यांमघायांविशाखायांस्नानंकुर्य्यात् पुनर्व्याधिंनपश्यतिसुवर्णदानं पादेष्वहानि १० १५ १७ १४ इतिपूर्वाभाद्रपदानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथउत्तराभाद्रपदानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

उत्तराभाद्रभेरोग:कामलापित्तसंभव: ज्वरातिसार:शूलानिव्रणपीडाश्रमानिच सूर्या: १२ षोडश १६ नंदाश्च ९ तथाष्टादश १८ चक्रमात् अहिर्वुध्न्योदेवतातस्यशिवोनामासिमंत्रत:अयुतंचकृतंजाप्यंतिलाज्य:

यवहोमतः रुक्मंचतिलदानानिकृष्णवस्त्रंहिरण्यकं मंत्रः शिवोनामासिस्वधितिस्तेपितानमस्तेऽअस्तुमामाहिꣳसीः निवर्तयाम्यायुषेन्नाद्यायप्रजननायरायस्पोषायसुप्रजास्त्वायसुवीर्य्याय इतिजपपूजाहोममंत्रः अन्यमते राजतीप्रतिमाचंदनकर्पूरगंधः पद्मोत्पलसविल्वपुष्पंगुग्गुलधूपः घृतपायसंनैवेद्यं मुद्गमाषतिलानाज्ययवव्रीहिहोमद्रव्यंतदन्नेनवालिंहरेत् अन्यमते उत्तराभाद्रपदायांपादपीडा उदरपीडाअनागतेपक्षं प्रातिर्मार्गेविमुच्यते अष्टाविंशतिदिनानियक्षदोषः पंथानदोषः पिष्टस्यमत्स्यंकृत्वा मातृवालिःद्वितीयदिनेस्थालीपाकंजलंक्षिपेत् मांसंगुडंपायसंचपूजयेत् मातृमण्डलं रोगमुक्तिस्नानं आर्द्राज्येष्टाहस्तासु पादेष्वहानि ७ १२ १ १८ आमान्नदानं इतिउत्तराभाद्रपदानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथरेवतीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

रेवत्यांसंभवोरोगोवातपित्तप्रकोपतः पित्तभ्रमोभवेतस्य उरशूलंतथानृणां शून्यं० दिक १० शून्य० संख्याचचरणेविंशतिः २० क्रमात्पौष्णोपिदेवतातस्यपूषन्तवव्रतमंत्रकं जाप्पमेकसहस्रंचतिलतंडुलहोमतः फलानिदिव्यवस्त्राणिरुक्मंचवृषभंददेत् मंत्रः पूषेन्तवव्रतेव्वयन्नरिष्येमकदाचनस्तोतारस्तऽइहस्मसि इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमारक्तचंदनगंधः मंदारपुष्पंघृतगुग्गुलधूपःघृतपायसंनैवेद्यंतदेवसकलंहोमद्रव्यंदध्यन्नेनवलिंहरेत् अन्यमते रेवत्यांमहाघोरेज्वरःपथिकलक्षणं आगमेत्रयोदशदिनानि अंतेचाष्टौमुच्यमानेषोडशः पादयोशिरः शूलंवेपथुः पिष्टस्यमत्स्यान्नंक्षीरयुक्तंतिलोमूर्ध्निप्रदातव्यः पुष्पाणिविविधानिच अश्विनीपुष्पशक्रानुराधाविशाखासुस्नानंकार्यंशुभंभवेत् पादेष्वहानि १२ १८ २० १४ इतिरेवतीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथवलिदानमंत्रः ॥

भूतेशत्वङ्गतोयस्माद्रोगनाथोमहाज्वरः रोगादस्माच्चमांत्राहित्वंगृहीतोत्तमांवलिं अथमृत्युयोगानिर्णयः जन्मर्क्षाधिक्षनक्षत्रेराशिलग्नेषु यमघंटेप्रत्यरिनैधनतारकेऽष्टमचंद्रेचरोगोत्पत्तौमृत्युः रविमघाद्वादशीनां वुधोत्तराषाढातृतयिनां गुरुशतभिषकषष्टीनां शुक्राष्टमीअश्विनीनां शनिपूर्वाषाढानवमीनांचयोगेमृत्युः भरन्यऽनुराधावाचंद्रार्कौ आर्द्रोत्तराषाढावासोमे मघाशतभिषकवाभौमे अश्विनीविशाखावुधे ज्येष्टामृगशिरोवागुरौ अवणाअश्लेषावाभृगौपूर्वाभाद्रपदाहस्तावाशनौचमृत्युयोगः अतोऽन्नोक्तास्तिथिवारर्क्षशांतयोविस्तृताय.

॥ अथतिथिवारर्क्षेषुसाधारणप्रयोगः ॥

मासपक्ष्याद्युलिख्यममोत्यत्रस्यव्याधेर्जीवशरीराविरोधेनसंमूलनाशार्थममुकनक्षत्रममुकदेवता मंत्रस्यजपंकरिष्ये इतिसंकल्प अष्टशताष्टसहस्रयुतान्यतमसंख्यमावक्षमाणतत्तद्देवतामंत्रस्यजपंकृत्वा अन्येनवाकारयित्वामासपख्याद्युलिख्यममोत्पन्नव्याधेर्जीवशरीराविरोधेनसमूलानिवृत्तयेऽमुकशांतिकरिष्ये इतिसंकल्पःगणेशादिपुजनंआचार्यपुजनंचकृत्वा ततआचार्येणभूमौतंडुलैश्चतुरस्रंमंडलंकृत्वा तत्रहैमींतत्तन्नक्षत्रदेवतांवस्त्रद्वय

परिवृतांवक्षमाणतत्तद्गंधधूपादिभिःधूपयेत् तदीशान्येधान्येकुंभंसंस्थाप्यजलमापूर्य्यगंधसर्वौषधीदूर्वापल्लवपंच त्वक्सतमृत्फलंपंचरत्नंपंचगव्यहिरण्यानितत्तन्मंत्रैःक्षिप्तावस्त्रद्वयेनावेष्ट्यसर्वेसमुद्राइतितीर्थान्यावाह्य तत्वाया मीतितत्रवरुणमावाह्यसंपूज्याग्निंग्रहांश्चप्रतिष्ठाप्याज्यभागांतेतत्तन्नक्षत्रदेवतामंत्रेणतत्तद्द्रव्येणचाष्टो त्तरष्टयासाह स्रशताष्टाविंशत्यन्यतमसंख्ययाहोमंकृत्वाशांतिकलशेनजयमानाभिषेकेविहितेततोप्रतिमां रोगीब्राह्मणायद द्यात् उक्तगंधाभावेचंदनं पुष्पाभावेशतपत्रं धूपाभावेगुग्गुलःनैवेद्याभावेघृतोदनंहोमद्रव्याभावेतिलाःमंत्रावि ज्ञानेगायत्री अष्टोत्तरसहस्त्रंमृत्युनिर्देशेअष्टोत्तरशतमन्यद्वाजुहुयात् ततः कुशोदकेनवरुणसूक्तैर्पुराणमंत्रैछाभि षेकंकुर्यात् पूर्णाहुतिं वसोर्धारांचहुत्वाशांतिपाठंकृत्वा आशिषंदद्यात् अतःसर्वशांतिर्भवति ततःआचार्याय सुवर्णप्रतिमांवस्त्रयुग्मेनवेष्टितांसवत्सांगांसालंकारांदद्यात्इतरेभ्योपिददिणांदद्यात् ब्राह्मणांश्चभोजयेत्इतिरो गोत्पत्तिशांतिप्रयोग ॥ इतिकष्टावलीसमाप्तः

॥ अथवारनक्षत्र ॥

संयोगकष्टानिर्णयसंख्यावालिपूजाविधानंलिख्यते अश्विनीनक्षत्रे रवि. शनिवारे क्लेशिनः पीड्यंते-रविशनिवारेदिन १२ अन्यवारेदिन ९ प्रथमपादेअहोरात्रं द्वितीयेदिन १० तृतीयपादेदिन १८ चतु-र्थपादेदिन ९ अश्विनौदेवता माषसंख्यकौ हिरण्मयंकारयेत् नीलोत्वलपुष्पं भूतकेशीधूपः मोदकोपहा-रैर्नैवेद्यं सिततंडुलपिष्टेनअश्वंकृत्वा श्वेतपुष्पंमुखेदेयं मधुसर्पिचमुखेदत्वा ॐस्वाहा अश्विनातेजसा-इतिपूजामंत्रः अश्वत्थसमिधाहोमः अष्टोतरशतगायत्रीमंत्रेण अपामार्गमूलंकरेवध्वास्वर्णदानं पिष्टस्य-गंधर्वमूर्तिंकृत्वा क्लेशांनाशयति.

॥ अथभरणीनक्षत्रे ॥

सोमवुधशनिवारे महताकष्टेनजीवति अन्यवारेनजीवति यमोदेवता मााषसंख्यकंहिरण्मयंमूर्तिंकृत्वा कृष्णतुलसीपुष्पं गजदंतधूपः गुडकंनैवेद्यं पिष्टस्यमहिषंकृत्वा गुडमधुघृतरजतंमुखेदेयम् ॐस्वाहा यमा-यत्वेतिपूजामंत्रः तिलाक्षतमधुघृतहोमः अष्टोतरशतगायत्रीमंत्रेण अगस्त्यमूलंकरेवध्वा महिषदानं पिष्ट-स्यमहिषमूर्तिंकृत्वा क्लेशांनाशयति.

॥ अथकृतिकानक्षत्रमाह ॥

गरुवारेदिन ६० अन्यवारेदिन ९ अग्निर्देवता माषसंख्यकहिरण्मयं अग्निमूर्तिंकृत्वा यूथिकापुष्पं-सर्ज्जरसघृतधूपां घृतोदनंनैवेद्यं दधियुक्तं मुखेदेयं ॐस्वाहा अग्निर्दूतमितिमंत्रेण संपूज्य घृतहोमःअष्टो-त्तरशतसंख्यकगायत्रीमंत्रेण कार्यासमूलंकरेवद्ध्वा शुक्लवस्त्रदानं पिष्टस्यछागमूर्तिं कृत्वासुगंधिपुष्पं मुखे-तत्वा क्लेशंनाशयति.

॥ अथरोहिणीनक्षत्रमाह ॥

सूर्यबुध शनिवारे दिन १० अन्यवारे दिन ३ प्रजापतिर्दैवता माषसंख्यकाहिरण्मयंकृत्वा कुंकुमकदंवपुष्पं सर्षपधूपः घृतक्षीरोदनं नैवद्यं घृतमधुमुखेदेयं हिरण्यगर्भ इतिमंत्रेणसंपूज्य आमल्यासमिद्धोमः अष्टोत्तरशतगायत्र्या हिरण्यदानं सप्तव्रीहिमिश्रपिष्टस्यश्वानमूर्तिकारयेत् व्रीहिमधुमुखेदेयं रोगंनाशयति-

॥ अथमृगाशिरानक्षत्रमाह ॥

सोमगुरुवासरे दिन ११ अन्यवारे दिन ७ सोमोदेवता रजतमयंसोमंकृत्वा कुमुदपुष्पं दशांगधूपः पायसंनैवेद्यं सघृतंदुग्धंमुखेदेयं हरिणमांसंवा ॐस्वाहा इमंदेवा इतिमंत्रेण १०८ जयंतिमूलंकरेवध्वागोवत्सदानं हिरण्यंवा पिष्टस्यश्वानमूर्ति अथवाशृगालमूर्त्तिकृत्वा दधिभक्तमुखेदेयं रोगंनाशयति-

॥ अथआर्द्रानक्षत्रमाह ॥

भौमशुक्रवारे संदेहेनजीवति अन्यवारेदिन ७ रुद्रोदेवता हिरण्मयंकृत्वा कनकपुष्पं अगरधूपः पायसंनैवेद्यं समांसमुखेदत्वा ॐस्वाहा नमःशंभवायेतिमंत्रेणसंपूज्य १०८ घृताक्षतमधुहोमः अश्वगंधामूलंकरेवध्वा अजादानं पिष्टस्यश्वानंकृत्वा माषमुद्गमुखेदेयं रोगंनाशयति. ६

॥ अथपुनर्वसुनक्षत्रमाह ॥

सोमवारेदिन ५ अन्यवारेदिन ७ अदितिदेवता हिरण्मयंकृत्वा विल्वपुष्पं चंदनधूपः गुडनैवेद्यंॐस्वाहा अदितीतिमंत्रेणसंपूज्य घृत मधु तंडुलहोमः गायत्र्याःजप १०८ अर्कमूलंकरेवध्वा धेनुदानं पिष्टस्यमार्जारीकृत्वा मधुमुखेदेयं मार्जारीजलेनिक्षिप्य ततःश्रेयंभवति ७

॥ अथतिष्यनक्षत्रमाह ॥

वुधवारेदिन ७ अन्यवारेदिन ११ वृहस्पतिर्देवता हिरण्मयंगुरुकृत्वा मरुवकपुष्पं खदिरधूप खंडवर्तिकानैवेद्यं सघृतंमुखेदेयं ॐस्वाहा वृहस्पतेरितिमंत्रेणसंपूज्य पायसंघृतहोमः गायत्र्या १०८ जपः मंदारमूलंकरेवध्वा अश्वदानं धेनुदानंवापिष्टकस्यकाकमूर्तिकारयेत् दाधिभक्तंमुखेदेयं रोगंनाशयति

॥ अथश्लेषानक्षत्रमाह ॥

सोमशुक्रवारेनजीवति अन्यवारेदिन १९ सर्पोदेवता माषमितहिरण्मयंकृत्वा अगस्त्यपुष्पं घृतगुडधूपःघृतोदनंनैवेद्यं मधुक्षीरयुतनैवेद्यं मुखेदेयं ॐनमोस्तुसर्पेभ्यइतिमंत्रेणसंपूज्य वटपत्रघृतधान्यहोमःगायत्र्या १०८ जपःपटोलमूलंकरेवध्वारक्तवस्त्रदानं पिष्टस्यवाराहंवामार्जारंकृत्वा घृतंमुखेदेयं रोगंनाशयति-

॥ अथमघानक्षत्रमाह ॥

आदित्यशनिवारे दिन ९ अन्यवारेनजीवति पितरोदेवता हिरण्मयीपितृमूर्तिकृत्वा चंपकपुष्पं गुग्गुलुधूपः घृतपक्वान्ननैवेद्यं दधिभक्तमुखेदेयं मधुतिलंवा ॐह्रींस्वाहा ॐउदीरितामितिमंत्रेणसंपूज्य तिलतंडुलघृतहोमःगायत्र्या १०८ जपःभृंगराजमूलंकरेवध्वापटवस्त्रदानंस्वेततिलदानं पिष्टस्यवाराहमूर्तीकृत्वा दधिभक्तमुखेदेयं रोगंनाशयति १० ॥

॥ अथपूर्वाफाल्गुणीनक्षत्रमाह ॥

सोमगुरुवारे दिन ११ अन्यवारेदिन १९ भर्गोदेवता हिरण्मयंभगंकृत्वा करवीरपुष्पं तिलधूपःशर्करानैवेद्यं मध्वपूपिकानैवेद्यं सुगंधपुष्पंवा ॐक्लींस्वाहा भगःप्राणतरेतिसंपूज्य जपामाषघृतहोमःगायत्र्या १०८ जपः कंटकारिमूलंकरेवध्वा अश्वदानं पिष्टस्यवाराहमूर्तिकृत्वा सुगंधंमुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ ११ ॥

॥ अथउत्तराफाल्गुणीनक्षत्रे ॥

भौमशुक्रवासरेदिन ॥ २० ॥ अन्यवारेदिन ॥ २५ ॥ अर्यमादेवता हिरण्मयंकृत्वा रक्तंपुष्पं गुग्गुलुधूपः माषभक्तयुक्तं शाकनैवेद्यं ॐह्रींस्वाहा अर्यमणंवृहस्पतिंसंपूज्य कुंकुममधुगुग्गुलुहोमः गायत्र्या ॥ १०८ ॥जपःपटोलमूलंकरेवध्वा सप्तव्रीहिदानं धेनुदानंवा पिष्टस्यगोमूर्तिकृत्वा अरिष्टशाकंमुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ ११

॥ अथहस्तनक्षत्रमाह ॥

शनिरविबुधवारेदिन ॥ २५ ॥ अन्यवारेनजीवति सवितादेवता हिरण्मयंकृत्वा रक्तकरवीरपुष्पं सल्लकीनिर्यासधूपः दुग्ध खंड घृतगुडनैवेद्यं मुखेदेयंॐसोंस्वाहा उदुत्यमितिमंत्रेणसंपूज्य तंडुलदधिघृतहोमः गायत्र्या॥ १०८॥ जपःजातिमूलंकरेवध्वा रक्तवस्त्रदानं धेनुंवा पिष्टस्यमहिषमूर्तिकृत्वा दुग्धोदनंमुखेदेयं रोगंनाशयति

॥ चित्रानक्षत्रमाह॥

सोमगुरुवारेदिन १० अन्यवारेदिन २५ त्वष्टादेवता हिरण्मयंकृत्वा यूथिकापुष्पंग्रंथिपर्णिधूपःघृतमोदकनैवेद्यंधान्यतिलयुतंमुखेदेयं ॐस्वाहा हिरण्मयमंत्रेणसंपूज्य चित्रकसमिद्धोमःचित्रोदनंवा गायत्र्या- १०८ जपःमर्वामूलंकरेवध्वा कांस्यपात्रदानं गोदानंवा पिष्टस्यव्याघ्रमूर्तिकृत्वा मुखेसुगंधिपुष्पंदेयं रोगंनाशयति



॥ अथस्वातीनक्षत्रमाह ॥

शनिरविबुधवारेदिन ॥ २७ ॥ अन्यवारेदिन ॥ ६० ॥ वायुदेवता हिरण्मयंकृत्वा दमनपुष्पं नखागुरुधूपः दध्योदननैवेद्यं पुष्पभक्तमुखेदेयं एणमांसंवाउोंस्वाहा अन्योनियुहिरितिमंत्रेणसंपूज्य यवभक्तहोमःगायत्र्या ॥ १०८ ॥ जपःजातिमूलंकरेवध्वा छत्रदानंधेनुदानंवा कांस्यपात्रदानं पिष्टस्याऽश्वमूर्तिंकृत्वा मृगमांसंमुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ १५ ॥

॥ अथविशाखानक्षत्रमाह ॥

रविभौमवारेमहताकष्टेनजीवति अन्यवारे ॥ ६० ॥ इंद्राग्निर्देवतातयोः प्रतिमाहिरणमयींकृत्वा देवदारुधूपः घृतोदनंनैवेद्यं दुग्धगुडोदनंमुखेदेयं उोंधांस्वाहा इंद्राग्निरितिमंत्रेणसंपूज्य तिलघृतपयोदनहोमः गायत्र्या ॥ १०८ ॥ जपःगुंजामूलंकरेवध्वा ताम्रपात्रदानं गोवृषदानं पिष्टस्यश्वानमूर्तिंकृत्वा व्याघ्रंवामृगमांसंमुखे देयं रोगंनाशयति ॥ १६ ॥

॥ अथअनुराधानक्षत्रमाह ॥

वुधावारेदिन ॥ ४ ॥ अन्यवारेदिन ॥ १० ॥ मैत्रोदेवता हिरण्मयंकृत्वा पद्मपुष्पं चंदनधूपःतिलतंडुलकृशरंनैवेद्यं कुलत्थंमुखेदेयं स्वर्णकदंवंवा उोंश्रींस्वाहा देवसवितोरितिमंत्रेणसंपूज्य स्वर्णकदंवंसघृतंजुहुयात् मांसभक्तंवा गायत्र्या ॥ १०८ ॥ जपःसुगंधादिदानं पिष्टस्यमृगंकृत्वा अश्वंवा कुलत्थंमुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ १७ ॥

॥ अथज्येष्टानक्षत्रमाह ॥

गुरुशुक्रवारेदिन ॥ १५ ॥ अन्यवारेदिन ॥ ११ ॥ इंद्रोदेवता हिरण्मयंकृत्वा कर्णिकारपुष्पं कर्पूरधूपः चित्रोदनंनैवेद्यं तिलंमुखेदेयं रक्तमांसंवा उोंऱ्हींस्वाहा इंद्रायत्वेतिमंत्रेणसंपूज्य यवतिलघृतहोमः गायत्र्या ॥ १०८ ॥ जपः अपामार्गमूलंकरेवध्वा स्वेतवस्त्रदानं अश्वदानं नानाफलकनकदानं पिष्टस्यवाराहमूर्तिं कृत्वा कुलत्थंमुखेदेयं गंधर्वमूर्तिंश्वानमूर्तिंवाकृत्वा रोगंनाशयति ॥ १८ ॥

॥ अथमूलानक्षत्रमाह ॥

शनिरविभौमवासरेदिन ० महताकष्टेनजीवति अन्यवारेनजीवति हिरण्मयंनैर्ऋर्तिंकृत्वा कृष्णराजीवपुष्पंमेषस्यशृंगधूपः शशकमांसं पौलिकानैवेद्यं शूरणकंदंमुखेदेयं उोंस्वाहा अशुंन्वंतमितिमंत्रेणसंपूज्य विल्वपत्रफलकंदहोमः गायत्र्या १०८ जपःमंदारमूलंकरेवध्वा पीतवस्त्रदानं यवगोधूमघृतहोमं वा नानाफलसहितरजतदानंपिष्टस्यगंधर्वमूर्तिंकृत्वावाश्वानमूर्तिंवचामुखेदेयं क्लेशंनाशयति ॥ १९ ॥

॥ अथपूर्वाषाढानक्षत्रमाह ॥

सोमवासरेदिन ॥ ५ ॥ अन्यवासरेदिन ॥ ३ ॥ हिरण्मयंवरुणं कृत्वा तृणपुष्पं मनः शिलाधूपःघृतमोदकंनैवेद्यंतन्मुखेदेयं ओंक्लींस्वाहा इमम्मेवरुणेतिसंपूज्य रक्तसालिविल्वपत्रघृतहोमः गायत्र्या॥ १०८ ॥जपः कासमूलंकरेबध्वा रुक्मदानं शुभ्रवस्त्रसहित दुग्धघटीदानं पिष्टस्यगंधर्वमूर्तिंकृत्वा कूर्मंवा वचामुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ २० ॥

॥ अथउतरानक्षत्रमाह ॥

सोमबुधवारेदिन ३० अन्यवारेदिन २० हिरण्मयंविश्वेदेवमूर्तिकृत्वा पंचवर्णपुष्पं केशवालधूपः पंचप्रकारनैवेद्यं तिलशर्करामुखेदेयं ॐस्वाहा विष्णुरितिमंत्रेणसंपूज्य रक्तशालितिलघृतहोमःगोदुग्धघृतहोमः गायत्र्या १०८ जपः प्रवालंकनकंरजतंदद्यात् कर्पासमूलंकरेबध्वा पिष्टस्यकुलीरमूर्तिंकृत्वा चामरमूर्तिंवचामुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ २१ ॥

॥ अथश्रवणनक्षत्रमाह ॥

प्रथमपादेदिन ६० द्वितीयपादे ७ तृतीयपादे २४ चतुर्थपादेदिन १६ जातिपुष्पं दशांगधूपः घृतक्षीरशर्करालड्डुकनैवेद्यं रक्ततंडुलहोमः इदंविष्णुरीतिहिरण्मयंविश्वेदेवंसंपूज्य गोदुग्धघृततंडुलरक्तचंदनहोमः गायत्र्या १०८ जपःपीतवस्त्रदानं पिष्टस्यपुतलींकृत्वा शाकंमुखेदेयं रोगंनाशयति पुतलीजलमध्येप्रक्षिप्य॥ रोगंनाशयति ॥ २२ ॥

॥ अथधनिष्टानक्षत्रमाह ॥

सोमबुधवारेदिन २५ अन्यवारे १५ हिरण्मयं वसुमूर्तिंकृत्वा पद्मपुष्पं घृतगुग्गुलुधूपःघृतपूरिका नैवेद्यंभक्तमुखेदेयं ॐफट्स्वहा पुनरस्त्वादित्येतिसंपूज्य न्यग्रोधोदुंवराश्वत्थसमिधः माषभक्ततिलहामेःगायत्र्या जपः १०८ भृंगराजमूलंकरेबध्वा वृषभदानंवस्त्रंच पिष्टस्यकुर्कुटंगृहीत्वा पर्पटंमुखेदेयं क्लेशंनाशयति २३

॥ अथशतभिषानक्षत्रमाह ॥

गुरुशुक्रवारेदिन १० अन्यवारेदिन ११ हिरण्मयंवरुणंकृत्वा जलजपुष्पं गुडधूपः वटुकनैवेद्यं तिलंमुखेदेयं ॐह्रःश्वाहा इमंवरुणेतिसंपूज्य घृतजलपुष्पहोमः गायत्र्या १०८ पद्ममूलंकरेबध्वा पंचरत्नरक्तचंदनकनकदानंवा पिष्टस्यसर्पाकृतिंकृत्वा ऊष्ट्रअश्वंवा नागरंमुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ २४ ॥

॥ अथपूर्वाभाद्रपदानक्षत्रमाह ॥

भौमशनिरविवारे कृछ्रेण जीवति अन्यवारे दिन १५ अजैकपाद हिरण्मयंकृत्वा श्वेतार्कपुष्पं सर्वौषधि-धूपः दध्योदनंनैवेद्यं कुलुत्थसालीमुखेदेयं ॐह्रींस्वाहा समुद्रोासीविश्वव्यचा इतिसंपूज्य सप्तव्रीहिपृषदाज्येनहोमः दुग्धेनसहकुष्मांडोखंडैर्वा गायत्र्या १०८ भृंगराजमूलंकरेवध्वा घृतपात्रदानं सुवर्णतंडुलदानं तिलपिष्टस्यअश्वंकृत्वा कुलत्थंमुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ २५ ॥

॥ अउथत्तराभाद्रपदानक्षत्रमाह ॥

भौमवुधवारे दिन ८ अन्यदिन ८ हिरण्मयंरुद्रंकृत्वा कमलपुष्पं करपूरकस्तूरीधूपः घृतनिंवपत्रंवा घृतपक्वान्नंनैवेद्यं पर्पटतिलंमुखेदेयं ॐह्रींस्वाहा समुद्रोनभस्वान्नितिसंपूज्य अर्कपुष्पं अर्कसमिद्धआज्यहोमः गायत्र्या १०८ अश्वत्थमूलंकरेवध्वा गुडपात्रं छागदानं पिष्टस्यगोमूर्तिंकृत्वा कर्पूरंमुखेदेयं रोगंनाशयति २६

॥ अथरेवतीनक्षत्रमाह ॥

मंगलवुधशुक्रवारेदिन ११ अन्येदिन २५ हिरण्मयं विष्णुंकृत्वा मंदारपुष्पं गुग्गुलुधूपः तिलमोदकनैवेद्यं गुड शष्कुलीमुखेदेयं ॐह्रींस्वाहा हंसःशुचिषदितिसंपूज्य घृत सहित विल्वपत्रहोमः अश्वत्थमूलंकरेवध्वागायत्र्या १०८ तिलपात्रदानं पिष्टस्यगजाकृतिंकृत्वाअखंडितफलंमुखेदेयंरोगंनाशयतिसर्वत्रकांचनवाअश्वंदद्यात् मीनाकृतिंपुतलींकृत्वा सर्वेषांनक्षत्राणांअष्टोत्तरशतमाहुतयःआज्यहोमः इतिश्रीव्यासदेवोक्तनक्षत्रोत्पत्तिरोगशांतिर्विधिःसमाप्ता इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकासभाषयांकष्टावलीविधानवर्ननंनामषष्ठोऽधिकारः६

॥ अथअनुक्रमिकालिख्यते ॥

॥ दोहरा ॥ अनुक्रमिकारोगनकहौं जिहविधिकायप्रकार सिरथोआदिपछानले अंतप्रमानाविचार याग्रंथहिमोचारखंडसिरआदिककरलीन ज्वरथोंदुतियप्रमाण लषअतीसारत्रैचीन चौथौभागविचारले स्त्रीरोगनसोंचाय ऐसेक्रमयाग्रंथमहिधरयोदेखवरकाय प्रथमभागअनुक्रमणिकासुनलीजे चितधार जैसेरतियाग्रंथमहिप्रगटकीनाविस्तार ॥ दोहरा ॥ राजसमाजवर्णनप्रथमपुनशारीरककीन सर्वप्रमांनकायाप्रघटचिन्हसमस्तप्र[illegible] ॥ चौपई ॥ ऋतुचर्याप्रमांणऋतुसोय आहारव्यवहारकृतहितिहजोय जलविधिदिनचर्यासुवखांन निसिचर्याषटवर्णप्रमांन फुनलक्षणप्रकृतीहिविचार वातपित्तजोतीनविकार चौथैरोगप्रगटतहैजोय तिहक्रमवेगचतुर्दशसोय उदितपरीक्ष्याफुनहिप्रमांन नाडीनेत्रमुखजिव्हाजांन मूत्रपरीक्ष्यारोगफुनस्वप्न दूतपरीक्ष्याऔरवरशकुन साध्यअसाध्यअरुकालज्ञान चतुर्थअधिकारमहियाहिप्रमांन पंचममैऔषधहिविचार देशहिंकालअवस्थाचार अर्थकर्मअन्नीवलकह्यो युक्तायुक्तविचारसुभलह्यो स्नेहपांनस्वेदविधिजांनवमनविरेचनवस्तिपछांन धूंम्रपांनअरुरुधिरछुडावन त्रैदोषनमोजोहितकारन षष्टमप्रथमहितोउपदेश रोगप्रमा-

णतोलश्रादेस पादचिकित्साचारप्रकार कष्टावलीफुनरोगउचार आदिमाहिशिररोगउचारौं नेत्रयहकर्णना-कमुखधारौं गलगंडगंडमालाफुनिजांन अरवुदअरुस्वरभेदपछांन छर्दअरोचिकउरग्रहकह्यो मूर्छातृष्णा-दाहफुनलह्यो मदात्ययरोगउन्मादअरुमिर्गी हिचकीस्वासकासरुजवर्गी राजरोगफुनकीनवषांन इहअधि-कारप्रथमश्रुतमान द्वितीयभागमोकीनउचार ज्वरादिकसन्निहिपातविचार उदरहृद्रोगअजीरणशूल गुल्म उदावर्तअनाहसमतूल आमवातवातव्याधिप्रमांन पित्तरक्तकफव्याधिप्रधांन अम्लपित्तशीतपित्तअरुकुष्ट-विसर्पपांडुजोकामलश्रिष्ट शोथमेदअरुविद्रधीरोग व्रणविस्फोटस्नायुसंजोग मसूरिकाशीतलअरुकृमिरोग रक्तपित्तरोगनसंजोग एतेरोगद्वितीयश्रुतजान आगेतीजोभागप्रमांन अतीसारसंग्रहणीअर्श भगंदरमूत्रकृ छ्रसमदर्श मूत्रघातअश्मरीप्रमेह उपदंशशूकफिरंगसुयेह अंडवृद्धीउरुस्थंभफुनकह्यो क्षुद्ररोगअरुश्लीपदल-ह्यो एतेरोगतृतीयश्रुतजान आगेचतुर्थभागपरमान इस्त्रीरोगकेसर्वप्रकार वालरोगफुनजानविचार विष अरुवाजीकर्णसुकह्यो पाकअर्कनानाविधलह्यो.

॥ अथगणाध्यायनिरूपणं प्रथमलोध्रादिगणकथनं ॥

चौपै लोध्रद्वयअरमुस्थरजोय ऐलावालुच्छलीराहोय अशोकअवरजोवालाजान कदंवजिंगिनीकाश्म-रिमांन वसुत्रवातिसमाहिरलाय लोध्रादीगणदियोवताय कफअरुमेदहरेगणजोई स्तंभअवरवलकरहेसोई-षानदोषतिसहर्ताजांनो विषहर्तातुमताहिपच्छांनो इतिलोध्रादिगणः ॥

॥ अथअर्कादिगणकथनं ॥

चौपै अर्कअलर्ककरंजुजांनो नागदंतिपुनरास्नामांनो मयूरकभार्गीलवणहेजोय इंदुपुष्पीपुनदंतीहोय तापसद्रुमजुद्रवंतीजेऊ श्यामातृवृतीजांनोतेऊ तिक्तकसप्तलाशंखिनीजांन श्वेताराजवृक्षपुनमांन कंपिल्लक-रंजदूसराजोई हेमक्षीरीपुनजांनोसोई अर्कादिगणजाकोजांन उदावर्त्तरुजहर्त्तामांन उदरअनाहजुगुल्मवि-नाशन विषरुजकातुमजानोनासन इतिअर्कादिगणः ॥

॥ अथजीवनीयगणकथनं ॥

चौपै जीवंतीमाषपर्णीजांन मुद्गपर्णीकाकोलीमान क्षीरकाकोलीजीवकजोय अवरऋषभपुनजानोसो-य मेदामहामेदाजमुलठी यहवस्तुसभकरोइकठी जीवनीगणतिसनामहिजान सर्वरोगहर्त्तातिसमान इति-जीवनीयगणः ॥

॥ अथपिप्पल्यादिगणकथनं ॥

चौपै पिप्पलीअवरजुजानोचित्रा वासावर्चजुग्रंथिकमित्रा सुरसामुस्थरभार्गीमेल महांनिंवपुनमूर्वाठेल पाठाजीरकसर्षपपाय तिक्ताहिंगुविडंगरलाय पिप्पल्यादिगणतुमजानो श्लेष्मवातहरतातिसमानो इतिपिप्पल्यादिगणः ॥

॥ अथवचादिहारिद्रादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ वर्चंजुवालाअरदेवदार सुंठपतीसजुअभयाडार हरिद्रादोयमुलठीमेल पृष्टपर्णीइंद्रयवठेल वचादिगणतुमजाकोजानो हरिद्रादिगणताहिकोमानो आमअतिसारहरेगणजोय कफअरवातहरेपुनसोय स्तंन्परोगअरमेदजुरोग इनकोयहगणकरेवियोग इतिवचादिहरिद्रादिगणः ॥

॥ अथबृहत्यादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ बृहतिधातुकीपाठाजोय मुलठीकोगडजानोसोय बृहत्यादिगणजाकोनाम अग्नीदीपनमांनोधाम कृछ्रदोषत्रिदोषहिटारे वंगसेनमतयाहिउचारे इतिबृहत्यादिगणः ॥

॥ अथपटोलादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ पटोलकौडअरुमूर्वाजांनो गडुचीपाठाचंदनमांनो पटोलादिगणदियोवताय वातपित्तकफहर्तागाय छर्दिज्वरकोकरेविनासन कंडूविस्फाजानोनासन इतिपटोलादिगणः ॥

॥ अथमदनादिनिरूहनगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ मदनकुठअरकोगडजांनो देवदालीवर्चमुलठीमांनो दशमूलरास्ना देवजुद्यार शतपुष्पाअवरइंद्रयवडार कटुतुंबीअरकुलत्थहेजोय मुलठीलवणतृवीहैसोय निरूहणगणतुमतिसकोजांन आगेअवरकरोंजुवषांन इतिमदनादिगणः ॥

॥ अथमूर्वादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ मूर्वाघोंटाअमृताजांनो पाठाराडादंतिमांनो भूनिंवकरंजजुपर्पटजोय सुखवीशटीशल्लकीसोय अवरशिरीषतासमोजांन मेहकुष्टहरगणाहिपछांन छर्दिज्वरविषहरहेजेऊ कफरुजहर्त्ताजांनोतेऊ इतिमूर्वादिगणः॥

॥ अथशाल्यादिगणकथनं ॥

॥चौपै॥ शालस्यंदनधवहेजोय मलयागरअर्जनजोहोय असनशिरीषशिंशिपाजांनो भूर्जखदिरद्वयचंदनमांनो कदरअमगंधकरंजहेजेऊ केंवुकअगुरसुजांनोतेऊ शालसादिगणजाकोजांन कफपांडूहरतिसकोमां[illegible]ोकरेविनास सर्वग्रंथमतकीनप्रकास इतिशाल्यादिगणः ॥

॥ अथवीरवृक्षादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ वीरवृक्षवृक्षादनिजोय अग्निमंथकुशकाशजुहोय मोरटाइंदीवरपुनजांनो अवरसुवर्चलादंडकमांनो तालमषाणाअवरशिरीष कृष्णागुरगजपिप्पलरीष पषाणभेदपुनदर्भपछांनो असमरीहरयहगणतुमजांनो मूत्रकृछ्रअरुशर्कराजोय मारुतपीडाहरहेसोय इतिवीरवृक्षादिगणः ॥



॥ अथपुंडरीकादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ पुंडरीकपुनद्राक्षाजांनो ऋद्धवृद्धीदालचीनीमांनो माषपर्णीमुद्गपर्णीजोय क्षीरकाकोलीपद्मकहोय अवरगडूचीतामेजांनो अतिवृंहणयहगणहिपछांनो पाचनपुष्टीकरहैजोय रक्तवातपितहरसोय तद्दिपुंडरीकादिगणः ॥

॥ अथअस्मरीहरगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ ऊषरसैंधवदोयकसीस हिंगुशिलाजितजांनोईस अवरतुत्थतिसमोतुमजांनो मेदजअस्मरीहरगणमांनो इतिअस्मरिहरगणः ॥

॥ अथसारिवादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ सारिवापद्मकअवरउशीर द्वयचंदनमुलठीजांनोधीर अवरकास्मरीतामोजांनो सारिवादिगणजाहिपछांनो रक्तपित्तकोशीघ्रनिवारे अतितृष्णाकोतुरतहिटारे तीव्रपित्तज्वरकरेविनास दाहछर्द्दरुजकरहैनास इतिसारिवादिगणः

॥ अथअंजनादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ अंजनअवरप्रियंगूजोय मांसीउत्पलकमलजुहोय रसौंतमुलठीअवरछलीरा गजकेसरपुनजानोधीरा अंतरविषकोदाहनिवारे अवरापित्तरुजसभाहिनिवारे अंजनादिगणजाकोजांन परूषकगणसोकरोंवषांन इतिअंजनादिगणः

॥ अथपरूषकादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ परूषकदाडिमद्राक्षाजांनो काकजफलहरकास्मरीमांनो राजादनअरधात्रीजोय कतकफलपुनजांनोसोय परूषकगणतिसकोतुमजांनो वातजरुजतिसहरतामानो हृद्यरुचिकरजानोतास मूत्रतृषादुषकरेजुनास इतिपरूषकादिगणः ॥

॥ अथप्रियंगवादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ प्रियंगुमजीठधातुकीजानो पुन्नागपुष्पअरचंदनमानो कुंभीकरसौंतमोचरसजोय अवरवस्तुआगेसुनसोय योजनवल्लीअवरजवाहां पद्मकेसरपुनजानोताहां प्रियंगवादिगणातिसकोजान पाठा दीगणकरोंवषान ॥ चौपई ॥ पाठाधातकीलोध्रपछांनो मंजीठमुलठीअरलुजानो पद्मकेसरअरविल्वहेजेऊ पाठादीगणजानोतेऊ दोनोगणकेयहगुणगावै पक्वहुआअतीसारनसावै भग्नसंधिकोकरै[illegible]णरोपणतिन्हकोआतिजान इतिप्रियंगुपाठादिगणः

॥ अथन्यग्रोधादिगणकथनं ॥

॥ चौपई ॥ न्यग्रोधउदंबरल्पक्षहेजोय अश्वत्थमधूकपुनातिंदुकहोय प्रियालजुवदरीषदिरपछानो वृक्षामलपुनवंजुलजानो पालाशउदंबरश्वेतहेजोऊ लोध्रजामणूजानोसोऊ न्यग्रोधादिगणतुमजांनो वंगसैनमतजाहिपछांनो इतिन्यग्रोधादिगणः



॥ अथउत्पलगणकथनं ॥

॥ चौपई ॥ उत्पलकुमुदपद्मकल्हार रक्तकमलपुनमधुकविचार उत्पलगणयहकीनवषाण रक्तपित्तविषछर्दकिहान इतिउत्पलादिगणः

॥ अथस्थिरादिगणकथनं ॥

॥ दोहा ॥ शालीपर्णिपुनर्नवाएरंडसारिवाजान ऋषभजीवपुनभखडेअवरशतावरिमान छंद हंसपादिकाकंदविदारी लांगूलीपुनजोय क्षुद्रादोप्रकारकलीजें पृष्टपर्णिपुनहोय माषपर्णीअरद्वजोपर्णीअवरमर्कटीजान स्थिरादिगणयहजानियो पितहरतिसकोमान शोषगुल्मअरश्वासरुजकासवातहरजोय स्थिरादिगणयहगुणकरेनिश्चैजानोसोय इतिस्थिरादिगणः

॥ अथवरुणादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ वरुणालीसहचरजोदोय करेंजुमोरटाजानोसोय अग्निमंथपुनअरणिजानो शिग्रुशिरीषविभीतकमानो क्षौद्रविल्वगजपिप्पलचित्रा अजशृंगीजुशतावरमित्रा वृहतीव्याघ्रीदोयरलाय वरुणादीगणदियोवताय इतिवरुणादिगणः ॥

॥ अथआरग्वधादिगणकथनं ॥

॥ चौपई ॥ आरग्वधहलदीपाठामेल भार्गीलूणकक्षुद्राठेल दोपराजितामेढाशृंगी आरग्वधगण कियेप्रसंगी व्रणअरकुष्टकफजरुजजोय कृमीमेदविषहरहैसोय इतिआरग्वधादिगणः ॥

॥ अथसुरसादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ सुरसाकासमर्दपुनजानो फणिज्जकअर्जकभूतृणमानो निर्गुंडीछडगुडीजोय भार्गीपुनमहामुंडीहोय जीरकअरनकछिकणीमेल अजगंधापुनानिंवजुठेल काचमाचीअरप्रबलविडंग मूषिकर्णिकामरिचजुसंग माषपर्णीपुनतासमिलाय सुरसादिगणदियोवताय कृमिकफरोगकरेजुविनास अरुचीपीनसश्वासजुकास व्रणशोधनतुमतिसकोजान यहगुणगणकेकियेवषान इतिसुरसादिगणः ॥

॥ अथएलादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ एलायुग्मतुरुष्कजजानो कुठप्रियंगूमांसीमानो वालाध्यामकस्पृकाजोय दालचीनीतजपत्रजुहोय स्थौणातगरचंवेलीजेऊ शुक्तिव्याघ्रनखजानोतेऊ देवदारूचंदनकुंकमपाय दालहलदपुनअगरामिलाय गुग्गुलदेवधूपगजकेसर पुन्नागजुखपरासोताहिधर एलादिगणकियोवषान कफअरुवातविषहर्ताजान वर्णप्रसादनकरहेजोय कंडुपिंडकानासेसोय इतिएलादिगणः ॥

॥ अथमदनादिगणकथनं ॥

॥ चौपई ॥ मदनहिअवरमुलठीजांनो कटुतुंवीपुननिंवपछांनो विशालाविंवीत्रपुसीजोय वेतसचित्रामूर्वासोय देवदालीअरजानविडंग कौशातकीपुनकणाजुसंग वर्चलवणपुनएलाजेऊ अवरसर्षपाजानोतेऊ मदनादिगणजाकोनाम छर्दनकातुमजानोधाम इतिमदनादिगणः ॥

॥ अथनिकुंभादिवर्गकथनं ॥

निकुंभकुंभत्रिफलाजुगवाक्षी स्नुक्शंखिनीतिल्वकनीलनीभाक्षी सम्याककमीलाचोषहेजोय निकुंभादिगणजानोसोय दुग्धअवरजोमूत्रउतारें रेचनमोयहश्रेष्टउचारें इतिनिकुंभादिवर्गः ॥

॥ अथमुस्तादिगणकथनं ॥

॥ चौपई ॥ मुस्तापाठाहरिद्रादोय तिक्ताहेमवतीपुनहोय वर्चद्रवंतिकुष्ठपछानो पतीसभलाभेत्रिफलामानो मुस्तादिगणकीनवषान कफरोगनकाहर्तामान शोधनपाचनताकोजानो योनिदोषसभहर्त्तामानो ॥ इतिमुस्तादिगणः ॥ दोहरा ॥ हरडवहेडेआंवलेत्रिफलाजाकोनाम विषमज्वरकोहरतहै नेत्रनकोहितधाम दीपनपाचनजानियो मेहकुष्टहरहोय पित्तरोगसभहरतहै कफरुजनासेसोय ॥ चौपई ॥ आंवलेअवरहरीतकीजांनो पिप्पलीअवरजुचित्रकमांनो आमलेआदिगणकीनवषांन सर्वज्वरनकोकरहैहांन कफरुजकोयहकरेविनास दीपनपाचनजानप्रकास ॥ चौपई ॥ ताम्रजस्तअरुलोहपछांनो रौप्यहेमपुनसीसकमांनो इन्हकीमलतुमजांनोजेऊ मलहिंवर्गतुममांनोतेऊ शूलपांडुरुजकरेविनास हृदयरोगपुनमेहजुनास लाक्षाअम्लतासहयमार कोगडकटफलनिंवविचार हरिद्रात्रिफलाअरुत्रायमाण अवरसप्तछदतासमोजान कषायतिक्तमधुरगणजांनो कफपितपीडानासनमांनो कुष्टकृमीरुजहर्ताजोय व्रणजुदुष्टतिसशोधनसोय ॥ चौपई ॥ विल्वअग्निमंथश्योनाक कास्मरीपाटलजांनोवाक पंचमूलयहवृद्धपछांनो दीपनवातकफघ्नजुमांनो शालपर्णीअरपृष्टजुपर्णी वृहतीदोयजुतासमोधरणी अवरगोक्षुरूताहिरलाय पंचमूललघुदियोवताय वातपित्तकाकरतजुनास अवरवृद्धिकरतनपरकास लघूवृद्धकठेकरदोय दशमूलनामतुमजांनोसोय ॥ दोहरा ॥ विदारीअवरजुसारिवाअजशृंगीफुनजांन अवरगडूचीजानियोहलदीएकपछांन पंचमूलयहवल्लिकेकीनातासउचार वातापित्तअरकृछ्ररुजतिन्हहिंहिहरितविचार कुशादर्भअरकाशद्दय अवरजुनउहिपछान पंचमूलयहतृणकह्योवंगसेनमतमांन ॥ दोहरा ॥ पित्तकृछ्रयहहरितहिंवस्तीशोधनजोय तृणपंचककेगुणकहेसमझोमतिकरसोय इतितृणपंचक ॥ चौपई ॥ वदरीअवरगोक्षुरूजनो [illegible]सहचरहिपछांनो इंद्रवारुणीअवरजुहोय कंटकपंचमूलहैसोय कफअरुवातकोहर्त्ताजान कंटकमूलगुणाकेयोवषान ॥ दोहा ॥ पंचकमूलयहसभकहे भिन्नभिन्नइन्हजान तैलअवरघृतसिद्धहिलेपवातहितमान काकोलीअरक्षीरकाकोलीऋद्धिवृद्धिपुनजान महामेदापुनमेदाकही ऋषभजीवपुनमान अष्टवर्गजिसनामहीजानतलोकप्रसिद्ध सर्वरोगयहहरितहै औषधिपरमजुसिद्ध यहऔषधजिसनामिलेभेदतासकापाय ग्रंथनकामतदेषकेसोसभदेउवताय काकोलीदुयस्थानमेंशतावरीपावोभेत ऋद्धिवृद्धिजवनामिलेविदारीजानोहेत म-

हामेदामेदाकाहिजिन्हस्थानअसगंध ऋषिवजीवकेस्थानमेपायवराहिकंद ॥ चौपई ॥ सेंधासोंचलविड हिपछानो सामुद्रकपुनकालरुमानो पंचलवणयहकरेवषान औषधिमोसोजानप्रमान इतिलवनपंचकं चौपई ॥ वटऔदुंवरप्लक्षहिजोय पिप्पलवेतसजानोसोयक्षीरवृक्षयहकरेवषान औषधमोंवहपंचप्रधान इतिक्षीरवृक्ष ॥ चौपई ॥ सुवर्णरूप्यअरताम्रहिजानो सीसकअवरजुकलीपछानो पंचलोहयहकरेवषान औषधिमोतुमजानप्रधान ॥ इतिपंचलोह ॥ चौपई ॥ पिप्पलीपिप्पलामूलपछानो चित्रकसुंठीचवकहिजानोपंचकोलयहाकियावषान षडूषनमरचहिसंयुतमान इतिपंचकोल ॥ चौपई ॥ मघामरचअरसुंठीजोय त्रिकूटानामताहुकोहोय त्र्यूषणनामतासकोजानो व्योषनामभीताहिपछानो ॥ चौपई ॥ दालचीनीअरपत्रतमाल अवरलायचीमेलसह्माल नामात्रिजातताहिकोजाने ग्रंथकारमतकह्योसोमाने गजकेसरपुनताहिमोपाय चतुर्जातातिसनामकहाय.

॥ अथपंचगव्य ॥

॥ चौपई ॥ गौकादूधदधीघृतजोय गोमयगूत्रपांचहितहोय पंचगव्यतिसनामवखानो ग्रंथकारमतकह्योसोमानो.

॥ अथपंचामृत ॥

॥ दोहा ॥ दुग्धदधीघृतशर्कराअवरमखीरपछान पंचामृततिसनामहैजानतलोकप्रधान ॥ चौपई ॥ गोवकरीअरभेडीजोय महिषीअश्वहस्तिपुनहोय ऊठगधायहअष्टपछाने औषधिमोइहमूत्रवषाने ॥ दोहा ॥ यवक्षारसज्जीक्षारहीपुष्करक्षारहिजोय पलासक्षारातिलक्षारही पंचक्षारयहहोय यवक्षारअरसज्जीक्षार टंकणक्षाराहिजान क्षारत्रययहजानिएऔषधिमाहिप्रधान.

॥ अथसर्वरोगयोगकथनं ॥

॥ चौपै ॥ मुथ्रकिरायतापर्पटजानो ज्वररुजमोंतुमश्रेष्टपछानो संग्रहणीजिसपुरुष हिहोय तक्रश्रेष्ठतिसजानोसोय जिसकोहोवेरुजअतीसार कुटजछालतिसश्रेष्ठविचार होवेजिसतनक्रमिकोरोग वायविडंगकरो संयोग रोगअर्शहैजिसतनमाहि आनभिलावेमेलोताहि पांडूरुजजिसतनमोंव्यापे लोहकिट्टतिसरुजिकोथापे क्षयी[illegible]तदेषेजिसकों सिद्धशिलाजितदेवेतिसकों श्वासरोगकरसंयुतजोई भार्गीश्रेष्ठजुतिसकोंहोइ [illegible] केतनजानो श्रेष्ठआमलेतिसहिपछानो क्षयीरोगकरतृषितहेजेय सुवर्णतप्तजलतिसहीदेय रोगशूलजिसतनमझार हिंगुकरंजुताहिविचार आमवातजिसकेतनजानो एरंडतैलतिसश्रेष्ठपछानो रोगल्पीहहोवतहैजाहि चूर्णमघातुमदेवोताहि विषरुजजिसकेतनमेजानो सिरीषतरूतवश्रेष्टपछांनो कासरोगजिसकेतनमाही औषधकंटकीजानोताहि वातव्याधिजिसकेतनजानो लसुनगुगलूश्रेष्टपछानो रक्तपित्तजिसतनहिपछाने वांसाश्रेष्टतासकोमाने अपस्माररुजजिसतनमांहि ब्राह्मीवर्चजानतुमताहि गररुजजिसकेदेहमोव्यापे गजकेसरतिसऔषधिथापे उदररोगमोरेचनजानगडूचीवातरक्तमोमान ॥ दोहरा ॥ आर्द्र-

तमेमाषावटीमेदमेमधुजलजान मातुलंगत्र्प्ररुचमेकह्योप्रदरमोलोध्रप्रमान व्रणरुजमेत्रिफलाकह्योत्र्प्रवर-
जुगुगुलजोय शोकरोगमद्यपानहि श्रेष्ठहिजानोसोय ॥ चोपै ॥ त्र्प्रल्मपित्तरुजजिसतनजानो द्राक्षाश्रे-
ष्ठजुताहिपछांनो कृछ्ररोगाजिसकेतनमाहि कूष्मांडांवुशतावरीतांहि नेत्ररोगकरसंयुतजोई त्रिफलाश्रेष्ठजान-
तिसहोई कुष्टरोगकरसंयुतजेय खदिरसारजलतिसकोदेय निद्राक्षयजिसकीहोजाय माहिषदुग्धतिसकोजुपि-
लाय श्वित्रकुष्ठजिसकेतनजाने वाकुचीउदंवरताहिप्रमाने होवेंजिसकोत्र्प्रजीरणरोग निद्रासयनहरीतकीयो-
ग छर्दरोगजिसकेतनमाहीं मधुलाजातुममेलोताहिंऊर्द्धजत्रुगदहेविजिसको तीक्षणवस्तुनस्यदेतिसको हो-
वतपशलीशूलहिजास पुष्करमूलमेलतुमतास मूर्छारुजजिसतनहीव्यापे सीतलविधि तिसरुजिकोंथापे रुज-
कृशताजिसकेतनमाहि मृगपक्षिमांसरसदेवोताहि रुजपथरीजिसकेतनदेखे पखाणभेदातिसकोवरलेखे गु-
ल्मरोगहोवेतनजास त्वचवरुणातुममेलोतास रोगविद्रधीजिसतनहोइ रक्तमोक्षतिसश्रेष्ठहेसोइ रोगहिभ्रजि-
सकेतनजानो लाक्षारसकीनस्यपछानो दाहरोगजिसकेतनहोय शीतविधीतिसकोहितसोय ॥ सवैत्र्पा ॥ रो-
गभगंदरहोतजिसेतिसकीसभऊौषधदेऊंवताई जीवगंडोएजुत्र्प्रानलियोत्र्प्ररुश्वानकीत्र्प्रस्थिजुताहिरलाई ग-
र्धवरक्तसोपसिलउोतिसरोगभगंदरऊपरलाई यहत्र्प्रौषधरोगहटावतहैवहयोगतरंगानिग्रंथजोगाई ॥ दोहा ॥
स्वरभंगरोगजिसहोतहीताकीऊौषधजान मधुयुतपुष्करमूलहीश्रेष्ठताहिकोमान इति श्रीचिकित्सासंग्रहे श्री-
रणवीरप्रकाशभाषायां त्र्प्रनुक्रमत्र्प्रादिगणयोगकथनं नामसप्तमो ऽधिकारः ॥ ७ ॥

॥ ॐनमोभगवतेवासुदेवायनमः अथशिरोरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ प्राणअधारजुजीवहैवसतशरीरमझार संपूरणइंद्रयसहित ऐसोकलाउदार तिसकायामोउदितअति सीसशिरोमणिजान ताहिविकारवर्णनकरों शुश्रुतकेअनुमान ॥ चौपै ॥ प्रथमरोगासिरदोइप्रकार अंतरगतवाहरजुगधार ताहिनिदानवर्णौंहितजोय प्रथमकहोंअंतरगतसोय मलमूत्तरकोरोकेजेऊ दिनसोवेनिसिजागेतेऊ फुनिऊचावोलेक्रोधाविकार गंधसिंधेहितवरजनहार अत्यंतरुदनकरेजोकोई अवरतत्तबहुसीसजुहोई मैथुनमाहिकरेवहुप्यार बहुचिंतामनराखेधार पूर्वदिशाकिपवनचलेजव धूपमाहिनरवारफिरेतव भारीवस्तुसेवनजोकरै अंबलखाएवहुतनहिटरै ऋतवर्षासिरपाणीपरे सीतलजलसंजोगअतिकरै तनपसेंकायांअतिधूमन हिमकोसीतअरुधूलीवूमन पीनसरोगअतिकरतिसहोय अतिअजीर्णातिसप्रगटतसोय देशकालविपर्ययहोवनते उत्कृष्टकार्य्यबहुतसेवनतें वातपित्तकोपैकफजवे रुधिरशरीरविगाडततवै तैलमर्दनजुअतिकरधरै अधिकजलहिपानजोकरै मद्यपानऊचाहिसिरान अधऊपरवहुदेषनमान कृमिरोगविकारजुक्तजोहोय जानलेहुचतुरानरसोय इनकारणअंतरगतरोग शिरोरोगनरहोतसंजोग वाहरकेजोरोगप्रमाण क्षुद्ररोगमोसोविष्याण इतिशिरोरोगनिदानं.

॥ अथशिरोरोगसंख्याभेदनिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ शिरकेरोगनिदानकोभाषोंभलैवनाय भेदसमस्तवतायहोंसुनंसमझोचितलाय ॥ चैापै ॥ शिरकेरोगजुसत्तप्रकार दूसरभेदकहैपुनचार सत्तचारएकादशजांनो भिन्नभिन्नतिन्हकोजुवषानो प्रथमाहिसत्तप्रकारलहैये वातजापित्तजकफजकहैये सन्निपातरक्तजफुनिजांनो क्षयजकृमिजयहसातपछांनो सुर्यावर्तअनंतजोवात अर्द्धवभेदकशंखकख्यात.

॥ अथशिरोरोगपूर्वरूपकथनं ॥

॥ चौपई ॥ अकडिदृष्टकंडूअरुदाह गौरवशैनस्फुरणहोइताह नाडीग्रहआक्षेपसभजाने पूर्वरूपयाभांतवषांने.

॥ अथवातजाशिरोरोगनिदानं ॥

॥ चौपै ॥ [illegible] फुनचर्कप्रकार वातजसिरकेरोगविकार ऊचोवोलेवहुनिसजागे सीतलवातदेहमोलागे[illegible]के लंघनचोटलगेबहुसोके दस्तवमनअरुवोझउठावै मार्गचलैवहुधूपजुखावै इनकारणवायूअतिकोपै इंद्रियमार्गवातसिरकै इतिवातनिदानं.

॥ अथवातजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ विनकारणशिरपीडाहोय रात्रीअधिकपीडलपजोय करैउपतापजुवंधतेंहान वातजलक्षणइहविधिजांन.

॥ अथशिरोरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ शिररोगचिकित्साकहितहोंसुनलीजौचितलाइ वातजआदिनिदानजोसोऊक्रमलषपाइ

॥ अथवातजशिरोरोगउपाय ॥

॥ चोपई ॥ वातजाशिरोरोगजिहजान सनेहस्वेदतामोपरमान बंधनसेचनहिततिसकहिये वातहनरऔषधाहितलहिये निर्जलदेसपक्षिमृगमास वातजमोप्रमाणलषतास दुग्धकाढसेवनहितजांनो वाघृततैलसेवसुखमांनो ॥ अथसेचनं ॥ चौपै ॥ एरंडकाथदशमूलीकाथ दुगग्धसिद्धकरतिन्हकेसाथ तासोंशिरकोंसेचनकरै वातजशिरपीडारुजहरै ॥ चौपै ॥ चंदनउत्पलमघकुठआंन काथकरेसेचनहितमांन वातजासिरपीडामिटजाय ग्रंथकारमतकह्योसुनाय ॥ उपायसिक्षा ॥ धूमसनिग्धनासाकोंदेय यहउपायभीहितलषलेय अरुवातहरणहितहैनसवार वातहरणमर्दनसुखकार ॥ अन्यच ॥ पीवनमर्दनसेचनकरै वावस्तीत्रिवृततैलकिधरै पंचमूलसोंदूधपकाय लेनसवारवातरुजजाय वलातैलसबकर्ममेंजोय वातजमोहितकरहैसोय ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ कुठअवरएरणकोमूल कांजीसोंपीसैसमतूल ताहीकोशिरलेपलगावै वातजासिरपीडामिटजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ छडगुडीअरुतगरादेआर कुष्टतांहिपीसोसमडार कांजीतैलमिलायलिपावै वातजरोगसीसकाजावै ॥ अन्यच ॥ मुचकुंदपुष्पकांजीपीसाय करैलेपसिरपीडमिटाय.

॥ अथशिरोवस्तिकथनं ॥

॥ चौपै ॥ सिरवर्तनसमचर्मसुलेय सोलावाअठअंगुलतेय सिरलपेटसमसीयसुचाय घेराहेठतिहबंदकराय माषचूनजलसोंपीसाय वर्तिताहुकीलेहुकराय सोवर्तीसिरघेरेलाय वातघ्नतैलकरपूर्णकराय निश्चलबैठरहैसमसोयजवलगपीडाशांतनहोय तवतकनिश्चलराषैकाय प्रमाणरूपजौलौदरसाय वातजाशिरोरोगतिहहरे हनूरोगमन्यादिकटरे अक्षीकर्णकोरोगनिवारै अर्दितअरशिरकंपजुटारै कफकृतपंचशतमात्रामान पैतिकअठशतजानप्रमान वातजमात्रादसशतकही मात्राशिरोरोगहितयही मात्राकाजुप्रमाणविचारो गुरुअक्षरतिहतत्वउचारो जवलगताहिउचारणहोय तवलगमात्रापूरणसोय गोडेहथधरचुटकीदेय सीसाफिरेहथचुटकीलेय मात्राएहिप्रमानविचारो कर्णपूरअक्षिपूरणधारो शिरोवस्तिकरभोजनआद पांचसप्तदिनमोकटव्याध वस्तीखोलफुनमर्दनकरै मस्तकग्रीवामुखसिरसरै गर्मतोयअसनानकराय पूंजशरीरहितवस्तूखाय जांगलमांसशोरावनवावे चावलसठीतासंगखावे अथवादूधजुमांझेसंग रोगहरैनिश्चैकरअंग चौपइ मुद्रजुमाषकुल[illegible]उष्णदुग्धकरघृतजुमिलान जोरोगीपीवैहिततास वातजाशिरोरोगहोयनाश अन्यच माषचूर्णकीरोटी[illegible]रऊपरधरै केवलमाषचूर्णलिपावै तौभीवातजपीडाजावै दोहा रोगनलेहुवदामकोमर्दनखूबकराय वातजरोगतेंजोभयीशिरोवर्तमिटजाय अन्यउपाय चौपइ निश्चलहोयतैलकेसंग नासापूरैवातरुजभंग अथवाकरणनेत्रमंझार तैलभरैवातजरुजटार अरुजिहवातजहोइशिररोग रक्तमोक्षताकोंनहियोग काहैवातकोपयोंकरै वहुविकारशिरमोलेधरै ॥ अथमयूरघृतं ॥ हेमंतशिशिरवसंतमंझार मयूरघृतसेवनहोहितकार वर्षाशरदग्रीष्मइनमाहि सोमयूरघृतत्यागेताही मयूरअहारकीटअरुमत्सर सर्पसरीसृपमःखीजानवर इनभक्षणतैंउष्णहेजोय

वर्षाऋतहतवीर्य्यनहोय कृशहोवेमदमांसविहीन तातेंवर्षात्यागनचीन धमनीरास्नावहुवलपाय दशमूलजुत्रि. फलाकाथकराय मयूरकेपादपक्षमलहरै मांसताहिकोकाथहिकरै मांसक्वाथजलद्रोणप्रमान पादशेषरहेसोहितमान घृतदूधसोप्रस्थइप्रस्थप्रमान अष्टवर्गकर्षकर्कषसमान जीवंतीजढमुलटील्यावे मुद्गपर्णीमाषपर्णीमिलावे इकइककर्षसवेइहजानो कल्ककरैघृतताहिपकानो तिसघृतकाकरसेवनजवहि शिरकेरोगनाशहैतवहि सोघृतशिरनासादुखहरै कर्णजिव्हागलरोगहिटरै ॥ अथमहामयूरघृतं ॥ चौपइ ॥ दशमूलवलारास्नात्रिफलाय- अरुमुलठसंगताहिमिलाय विद्यापादपक्षकरदूर ताहूमोअसपायमयूर समलेताकोकीजेकाथ पादशेषप्रस्थ घृतसाथ दुग्धचतुर्गुणपायपकावै पुनकर्षकर्षयहचूरणपावै मंजीठभिंडंगीतालषजूर चवककाश्मरीसुंठकचूर महामेदअरुकौंचकवीज कसेरुमुलठीजीवकलीज सारवादोकंड्यारिदोय शतावरविदारीमूर्वाहोय रास नाभषडेलेलघुएला स्थिरासिंगाडेसमकरमेला अरुपुनर्नवापुष्करमूल काकोलिवंशलोचनतूल जीवंतीमेदाअरुत्रिफलाय ऋद्धिवृद्धिमडुफालसेपाय कर्कटशृंगीऋषभमंगावे तालमखानाइमलीपावे अखोटागिरिमुंजअरुएरण क्षीरकाकोलीजुवाहापूरण समयहवस्तुकल्कवनवावे घृतमाहिपुनताहिमिलावे इनसंगमंदअग्निपुपकाय षावेमर्दनकरेवनाय अरुतिसघृतकीलेनसवार शिरकोरोगश्वासपुनटार ग्रीवपृष्टग्रहशोथअरुकास अरुस्वरभेदइतेरुजनाश अत्ररवलीअर्दितदुखहरै जोनिशुक्रदोषसभटरै वंध्यापायपुत्रसुखधाम महामयू. रघृतहैइहनाम ॥ शर्वत ॥ चौपइ ॥ सातटंकअफतीमूल्याय दोलायंत्रविनविनाय आधसेरजलमोंउौटाय. ताकोलेहुकिमामवनाय मलपुटरीकोलेयछनाय सत्तरटंकजुखंडामिलाय जाप्रकारसर्वतवनवावे सर्वतअफ. तीमूलनभावे शर्वतलीजेतोलेदोय छेपैसेभरपाणीहोय घोलयाहिकोप्रातपिलाय वातपीडासिरकीमिटजाय अ. थगोली ॥ चौपै ॥ वातरोगमलसंचितहोय तवशोधनकरताकोषोय उस्तखदूसअफतीमूल्याय विस्फायजफुन. तामैंपाय मासामासाभरयहल्यावे रतीछेइंद्रायनपावे हरडकावलीअभयात्र्रान त्रिवीऔरएलुआपछांन दोदोमासेभरयहपाय सकलकुटचूरणकरवाय माशाडेढगारीकूनल्याय वालोंकीहांगीछनवाय जलमें रातषमीरकराय दिनकोलीजैगुटीबनाय गोलीएकप्रातउटषाय दीयोविरेनचससंबताय ॥ अन्यच ॥ धमनीबिलकथलेसमपावे पकायदूधघृतमाहिरलावे एकोपलवाआधप्रमाण नासादेयवातरुजहान ॥

॥ अथपित्तजविकारनिदानं ॥

॥ चौपै ॥ पित्तजनिदानचरककेभाय तिहवर्णोसुनलीजेचाय कटुकलवणअम्लफुनक्ष्यार महाक्रोधअरुवा. युप्रकार इनकाजोसेवनवहुधरै पित्तकोपासिरकोवहुकरै ॥

॥ अथपित्तजाशिरोरोगलक्षणनिरूपणं ॥

सीसतपैअंग्यारेन्याईं नासाधुषतीरहैसदाईं शीतललेपजुसिरपरलावे तवहीताहिशांतिकलुआवे वारात्रिसमयशीतलजैसो शिरपीडापितशांतिकरैसो ॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥ पिताशिररोगमेवमनाहिजान ताकोंप्रगटअसाध्यसुमान.

॥ अथपिजासिरोरोगउपाय ॥

॥चौपई ॥ पितजशिरोरोगजिहथाय भाषसुनावाँतासउपाय रेचनअरुसनेहकोपान पित्ताजमेंहित.

करयहमान ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ दाक्षइक्षुरसअरुत्रिफलाय दुग्धअवरघृतपायपकाय सोऊघृतजोरोगी. षावै पित्तजसिरपीडामिटजावै ॥ अथसेचन ॥ दुग्धअवरजलमेलेदोय सेचनकरेपितरुजषोय लेप घृतश-तधौतजुसीसलिपावै पित्तजसिरपीडामिटजावै ॥ अन्यउपाय शीतलजलमोंचुवकीलीजै ताहूतेंपितपीडा. छीजै लेप ॥ चौपई ॥ उत्पलचंदनपद्ममंगावै कमलसभीसमपीसलगावै शीतलपवनसेवेपुनसोय पित्तजपीडानाशेहोय अन्यच ॥ चौपई ॥ चंदनजष्टीबलाऊशीर उत्पलव्याघ्रनखपीसोवीर दुग्धमिलाय. लेपसोकरै पित्तजशिरकीपीडाटरै अथवाइनतेंसेचनकरे तदपिपैतिकाशिरदुःखटरे अथघृत ॥ चौपई ॥ आमलेकमलजुजटीआन चंदनपयघृतपायपकान सोघृतकीजैनितउठपान शिररुजपित्तजहोवेहान मृ-नालकमलनालजढल्याय चंदननीलोत्पलाहिमंगाय केसरकमलस्निग्धजोवस्तु शीतललेपजानहितमस्तु अन्यच पद्मकाष्टअरचंदनल्यावै नीलोत्पलअरुपद्मसमावै महीनपीसघृतसंगमलावै पैतिकाशिरोरोग. मिटजावै मिसरीकमलमुलठील्याय तंडुलजलसोंताहिपिसाय ताहूकीलेवैनसवार पैतिकरुजकोंतासोंटा-

॥ अथकफजनिदानं ॥

॥चौपै॥ कफजनिदानचरककेभाय मुखस्वादूवहुनिद्रापाय भारीस्निग्धजोभोजनकरे कफविकारसिररोगहिवरे

॥ अथकफजशिरोरोगलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ शिरशीतलअरुभारीरहै नेत्रनमुखपरशोथजुलहै कफकृतयहशिररोगपछानो ज्योंनिदानभा पैत्योंमानो

॥ अथकफजशिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ शिरोरोगकफजहोइजास रूक्षउष्णलेपनाहिततास अरुतीक्षणलेवैनसवार पुनतीक्षणधूमता-सहितकार अरुकटुतीक्षणजानोक्काथ कफजनाशहोएइन्हकेसाथ गोधूमपुरातनमूलीजान यवयाहीमोप-थ्यप्रमान घृताहिपुरातनताहिपिलावै अरुस्वेदनातिसहितवरभावै अथलेप ॥ चौपै ॥ हरेणूएलाअवरशैलेय-मुत्थरअगरतगरसमदेय स्थौणेयनलदरासनाआन देवदारुसमलेपनठान उष्णकरैसोलेपलगावैं कफजरोग-शिरकेमिटजावैं ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ सरलअगररोहिगोक्षुरदारु दुग्धलवणसंगलेपसुधार उष्णक रैपुनलेपनकरै कफजरोगशिरकातवटरै ॥ अन्यच ॥ इंगुदित्वचभेडुश्रृंगजुल्याय दोनोबत्तीलेयबनाय धू-म्रपानकरमुखमंझार वातजाशिरोरोगदुखटार कटफलचूरणपीवेजोय कफजसिरोदुर[illegible]य कफमि-टानकवलग्रहकरै कफसिररोगताहीतेंटरै ॥ अन्यच ॥ जवसठीचावलमंगवावै [illegible]भात-पकावै पटोलमधकुलथरसकरै वलअनुसारभातरसचरै शिरोरोगकफकृतमिटजाय बंगसैनयहदिया[illegible]ाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ मघांमुलठीसुंठीमुत्थर कुष्ठसौफअरुनीलोफरधर यहसमतप्तनीरसोंपीस लेपकरेरुजक-फजसुखीस अथदिहरिद्रादितैल ॥ चौपै ॥ दोनोरजनमिघांमगावै सरलदेवदारूपुनपावै चित्राबिल्ववलाजु विडंग रोहिषपत्रद्राक्षधरसंग मुलठीमजीठचंदनउशीर सौंचललवणआनहोवीर पद्मलीजियेवैंतकीमू

ल कलककरैपलपलसमतूल तैलप्रस्थद्विगुणापयपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय ताहुकीलेवैनसवार कफजपीडशिरसन्नजटार उपजिह्वकगंडमालाजावै अर्वुदमांसपाकनरहावै गलग्रहअवरविदारिकानाश दंतचालहनुकंपविनाश

॥ अथरक्तजलक्षननिरूपणम् ॥

॥ चौपै ॥ पित्तजलक्षणजितेंवषाने रक्तजमोतेतेलषमाने सीससपर्शसकैनहीजोय यहविशेषलक्षणलषसोय

॥ अथरक्तजशिरोरोगउपाय ॥

पित्तजकीजुचिकित्साकही रक्तजकीसोजानोसही मोक्षणरक्तअधिकतहमान रक्तजकरीचिकित्सागान

॥ अथसन्निपातजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ तीनदोषकेलक्षणजास सन्निपातसोकीनप्रकाश ॥

॥ अथसन्निपातजशिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ सन्निपातशिररोगपछानै सन्निपातहरऔषधठानै अवरपुरातनघृतकरपान होवेसन्निपातरुजहान ॥ अथलेप ॥ चौपै ॥ मूर्वासुंठीमिघांमंगावे यहसमपीसिलेपचढावे त्रिदोषजरोगसीसकाजाय पीडमिटेरोगीसुखपाय ॥ क्वाथ ॥ चौपै ॥ त्रिकुटारजनीअरसुरदार असगंधरासनापुष्करडार करैक्वाथसो नासाद्वारे पीवेसन्निपातरुजटारे ॥ नसवार ॥ पीसिसुंठदुग्धकेसंग लेनसवारत्रिदोषजभंग ॥ लेप ॥ ॥ चौपै ॥ दाडिमकलीमहीनपिसावै अर्धशर्कराताहिरलावै शिरकेऊपरलेपेतास सन्निपातशिरपीडानाश ॥अन्यच॥ वीजकरंजूसुहांजणवीज दालचीनीतजपत्रजुलीज मिसरीपायशिरसेचनकीजै अथवालेपत्रिदोषजछीजै

॥ अथक्षयजशिरोरोगलक्षनं ॥

॥ चौपै ॥ सिरतैंरक्तमिंझकफनाशै क्षयजरोगअतिपीडप्रकाशै धूमस्वेदजोलेनसवार रुधिरमोक्षअरुछर्दविचार

॥ अथक्षयजरोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ [illegible]जरोगजाकेशिरलहिए क्षयपुष्टीकरऔषधकहिए मधुरवातहरऔषधजेऊ तिन्हसोंघृत[illegible]वेघृतवालेनसवार क्षयजरोगशिरकोनिरवार क्षयजशिरोरोगपरिमान क्षयअरुकासहरणघृतजान वहुतपथ्यकरवैद्यसुकहै वैद्यविनोदयाहिविधिचहै

॥ अथकृमजशिरोरोगनिदान ॥

॥ चौपै ॥ अत्सयकरशिरपीडाहोय सूचीविद्धन्यायलषसोय शिरनितकाटितरहैजुजास रक्तपूयनासाश्रवतास चोरव्याधयहकृमजभनैये सप्तविधानरोगयोंलहिये

॥ अथकृमजशिरोरोगउपाय ॥

॥ नसवार ॥ चौपै ॥ त्रिकटुकरंजसुहांजणबीज अजामूत्रसोंपीसजुलीज ताहूकीलेवेनसवार कृमजरोगसिरपीडाटार ॥ अन्यच ॥ शोणितकीनसवारजुलीजै मूर्छितकृमगिरहैरुजछीजै लहूगंधमतकीडेकाटन कटुवस्तूरेचनहितकारण नाडिव्रणकृमिरोगमोंऔषध धूम्रपानसोशिरमोहितबुध किर्मसीसनासाकरजोर मासासर्षपतैलानिचोर तीक्ष्णवस्तुकल्कविधिकरै ताहिरसहिनिचोरजोधरै ॥ अथअवपीडलक्षणं ॥ नासादेनकेयोग्यजुहोय अवपीडननामकहितहैसोय ॥ अन्यउपाय ॥ तीक्षणधूमनस्यवालेय कृमगिडपरैसहजसुखतेय ॥ अन्यच ॥ बीजसुहांजनकीनसवार वाशुद्धकांसनीलपतसार इहदोनोयुतनासाद्वार कृमगिरपडेंजानहितकार ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ दंतीहिंगुजुवायविडंग कटुतैलमूत्रअरुसज्जीसंग पकायलेयताकीनसवार कृमजरोगशिरकोतबटार ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ अपामार्गबीजत्रिकुटाय हिंगुविंडगनिशासमभाय नकछिकनीमूत्रतैलसुपकावे लेनसवारकृमजरुजजावै.

॥ अथसूर्यावर्तादिलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ सूर्यउदयमध्यान्हपर्यंत ज्योंज्योंवढेसूर्यउपरंत त्योंत्योंपीडहोतअधिकाई मध्यान्हउपरंतघटेनितजाई अवजोकहूंइसपीडकेलक्षण इकभ्रूचक्षूहोतविचक्षण होएअतिगाढपीडातिसजान शीतउष्णकरहैदुखहान सूर्यावर्तभेदयहकह्यो जिहप्रकारवैद्यकमतलह्यो सन्निपातजुतपीडाजांन कष्टसाध्यसोपीडपछांन

॥ अथसूर्यावर्तशिररोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ सूर्यावर्तजाहुकोजांन ताकोदुग्धसहितघृतपान अरुसिरनाडिबेधहितकार अरुहितकर्तायोनसवार अरुतिलपिष्टदुग्धस्वेदावै सूर्यावर्तनाशहोजावै अन्यच दुग्धघृतहिमिलनासादेय सूर्यावर्तरोगहितलेय जोयाहीसोरेचनकरहै तौभीसूर्यावर्तकोंहरहै अन्यच जीवनीगणसेंस्वेदकरावै सूर्यावर्तताहिमिटजावै अन्यच गुडआटाघृतताहिमंगाय मालपूडाकरप्रातहिखाय अथवाउचिततस्मैजोखावै सूर्यावर्तरोगमिटजावै अन्यच ॥ लेप ॥ चौपै ॥ सुंठवर्चमघसमपीसाय अवपीडजुकीजैताहिवनाय सूर्यावर्तरोगहोइनाश औसेकहीचिकित्सातास ॥ अथनसवार ॥ चौपै ॥ भंगरारससमवकरीक्षीर धूपतपाइलेंहुमतिधीर ताहूकीलेवेनसवार सूर्यावर्तरोगनिरवार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ वनमृगपक्षीमांसमगावै उष्णकरैसोसीसवंधावै सूर्यावर्तरोगहोएनाश तासउपायकीनपरकाश अम्लतासकेपत्रमंगावै रसनिकालपुटकंडापावै कलकवीचमखनगडकाय घृतनासादेपीडहटाय ॥ नसवार ॥ चौपै मयूरजुकुरकुटछागलमास लेसमषटगुणपययुततास मंदअग्निपकायसोलीजे मांसनिकासपुनदूरकरीजै जामनपायसोदूधजमावै मथकरतासोंघृतनिकसावै ताघृतमोजीवनीगणपावै षटगुणदुग्धसुपायपकावै त[illegible]लेवेनसवार सूर्यावर्तरोगनिर्वार ॥

॥ अथअर्धावभेदकशिरोरोगनिदानं ॥

॥ चौपै ॥ अर्धावभेदकअर्द्धशिरजान ताकेकारणकरोंवषान जोनररूषोभोजनखावै वावहुखावैनाहिपचावै अथवाश्रमवासोयोजागै ताकोपवनफनाकलागै अतिआतपतेभीतिसजान वाअतिमैथुनतेतिसमान वेगपुरीषमूत्रकोमारे तातैअर्धवभेदकधारे अथवाबहुतषेदकरजोऊ अतिव्ययामकरेन-

रकोऊ इन्हकारणतैंकफअरुवात कुत्तहोइवाकेवलवात अर्धसीसकोपकडेआय महादुःखशिरमोप्रग-
टाय नेत्रकर्णभ्रूअर्द्धललाट शंखमन्याहोएपर्शुसोंफाट जोयहरोगवृद्धतापावै नेत्रकर्णकोंनाशकरावै ॥

॥ अथअर्धवभेदकशिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपै अर्धावभेदकजिसरुजहोय मर्दनसनेहकरेहितसोय शिरअरुउदररेचाहितमान सनिग्धउ-
ष्णभोजनहितजान धूमपानभीहितकरतास असउपायतिसकीनप्रकास आकधतूराजढाहिमंगाय हिंगूमहुरा-
फीसरलाय सुंठकुठ्ठपुनलसुनहिंधरै गोमूत्रहिंपीसगर्मसोकरै लेपकरैमाथेहितलाय सूर्यावर्तअधसीसी-
जाय ॥ अथलेप ॥ चौपै ॥ तिलअरुनलदमधुलवणमिलावै लेपकरैसोऊरोगनसावै नसवार का
लेतिलसमपीसाविडंग लेनसवारहोएरुजभंग॥ अन्यच ॥ शालिपर्णीजलसोंपीसाय लेनसवाररोगसोजाय
॥ लेप ॥ पवाडवीजकांजीसोंपीस लेपैरोगहोयहैषीस ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ नासाद्वारकरैदुधपान
तौभीहोएरोगकीहान ॥ लेप ॥ सारवायष्टीउत्पलकुठ्ठ यासमजलसोंपीसइकठ्ठ शिरमस्तकपरलेपैतास
अर्धवभेदकरुजहोएनास घीवरआदपदारथखावै अर्धवभेदतुर्तमिटजावै खंडमिलायदूधकरपांन अर्ध-
वभेदकदूरपछांन नरगेलदूधपीवैमनभाय तौभीअर्धवभेदकजाय ॥ नसवार ॥ दसमूलक्काथघृतलवण-
मिलावै लेनसवारपीडमिटजावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ कुंकुमघृतभूनोंसममिसरी अजाक्षीरसोपा-
सजुपुधरी लेनसवारताहुकीयास ऐसेकहीचिकित्सातास कालेतिलअरुवायविडंग पीसमहीनकां-
जिरसंग लेपकरैमाथेपरकोइ अर्धवभेदकहरहैसोइ ॥ पुनः ॥ फलनरेलकादूधमंगावै मिसरीगोकादूध-
रलावै पीवैप्रातफुनलेनसवार अर्धवभेदककोदुखटार ॥ नसवार ॥ चौपै ॥ वीजपुटकंडासुंठील्यावे
लेसममधूसर्कंरापावे ताकीजोलेवैनसवार अर्धवभेदकदोषनिवार ॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ त्रिफलानि-
शागुडूचीआन किरायतानिंबसभीसमठान गुडयुतक्काथकरपीवैकोय अर्धवभेदकनासेसोय भ्रूविका-
रसंखकअरुकास कर्णरोगरात्रांधविनास पटलअवरपक्षघातनिवारै जैसेवायूमेघउडारै ॥ अन्यच ॥
केसरघृतभुंनखंडामेलावै नसवारलेयसिररोगमिटावै भ्रूअरुसंखविकारहरैसो कर्णअक्षिशिरशूलटरैसो-
जोविधसूर्यावर्तमोंकही सोविधआर्द्धवभेदकसही ॥ अथजीवकारितैल ॥ चौपै ॥ जीवकऋषभ-
वऌायइऌजे द्राक्षामडूमुलठीदीजो नीलोत्पलचंदनशर्करल्याय अवरविदारीकंदामिलाय यहसमप्र-
स्थपुतैलमिलावै षटगुणदुग्धसुपायपकावै वनमृगपक्षीकोरसमास यहभीतुलार्धमेलीयेतास-
करेसिद्धलेवेनसवार अर्द्धशिराकीपीडाटार वधिरअवरकर्णकोशूल तिमररोगकरेनिरमूल गलशूंडीवातज-
पित्तजजावे ग्रंथकारमतयाहिवतावे शिरोरोगसवहिहरलेय दांतचलतासिरकंपदलेय आर्दितादिसव
रोगहरेसो भावप्रकासमतयाइधरेसो

॥ अथशंखकानिदानवर्णनं ॥

॥ ...तापितदुष्टजोहोय शंखमध्येइोस्थतहसयि पीडातीव्रदाहप्रगटावै रोगशोथकरसिरप
कडावै विषइवग्रहणकरैलषलीन गलकोंग्रहनकरैअतिक्षीन जोइहरोगत्रिरात्रीरहै रोगीनाशहोइमृतगहै
जोत्रीरात्रीवचोपछानै देयजवाव चिकित्साठानै सूर्यावर्तआदियहचार शिरकेरोगजुकीनउचार.

॥ अथशंखकशिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ शंखकशिरोरोगजिसहोय सूर्यावर्तचिकित्सासोय विनास्वेदसभऔषधतास हैइतकरयें

लषियेजास अरुघृतदुग्धपानन सवार शंखकमोहैसोहितकार ॥ अथलेप ॥ चौपै ॥ शतावरिअवर-कृष्णातिलआन नीलोत्पलजुमुलठीठान दूर्वाअरुपुनर्नवापाय यहसमलेपनकरैबनाय शंखकरोगहोयहै नाश निश्चैकीजैमनमोतास ॥ अन्यच ॥ चंदनस्वेतकमलमंगवाय मुलठीनीलोत्पलहिरलाय पद्म काष्ठवैंतजढल्यावै दूर्वाअरुलामज्जकपावै दोनोरजनीअवरउशीर रेठेसभसमपीसोधरि लेपनकी-जैताहिबनाय शंखकरोगदूरहोयजाय वाइनवस्तूकरहैकाथ सीतलसेचनकरतिससाथ संखरोगइहविधीनि-वारै बंगसेनमतयाहिउचारै ॥ अन्यच ॥ क्षीरीवृक्षनकोंपिसावै लेपकरैसोरोगामिटावै ॥ अन्यउपाय ॥ ॥ चौपै ॥ क्रौंचअवरकादंवमंगाय कच्छूहंसशशारील्याय इनजीवनकालेवेमास रसहीकाढपिलावे रस रसकाढैसोपीवेकोय फुनसंखहिमोसंधीजोय तामोत्रैनाडीसुविचार वेधकरैविनसंखउदार संख-हिकोताडननहिकरै मुषनासासौंपयघृतचरै ॥ अथसेचनं ॥ चौपै ॥ पित्तअधिकजामोलषपैये खंडदु ग्धजलसेचकरैये यहभीहितकरजानउपाय बंगसैनयोंदियोवताय

॥ अथअनंतवातलक्षणं ॥

॥ चोदई ॥ तीनोदोषकोपजोधरै सिरनाडीसभपीडितकरै नेत्रभ्रूअरुशंखमझार अतसयपीडकरैसंचा-र मस्तककोजोहाडलषावै शंखनामताकोलषपावै गंडस्थलजोयासेफुरैं हनूपकडवहुदुःखिआजुरै अरु-नेत्रनमोउपजैरोग अनंतवातयोंजानैलोग एकादशयोंभेदपछानो कह्योनिदानग्रंथसोमानो शिरकोरोगम-हाबलवान समझचिकित्साकरैसुजान ॥ दोहरा ॥ शिरकेरोगनिदानकेभाषेभेदसमस्त समझचिकित्साजो-करैताकीबुद्धिप्रशस्त.

॥ अथअनंतवातशिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ सहितपायमालपूराखाय अनंतवातकोरोगनसाय ॥ चौपई ॥ अनंतबातजाकेसिररोग ताहिचिकित्साऐसेयोग सूर्यावर्तचिकित्साजेऊ अनंतवातकीजानोतेऊ अरुसिरवेधअहैपरमान वातपि-त्तहरऔषधजान अरुशिरकंपविषैयौंकहिये बातव्याधहरऔषधलहिये अथसामान्यचिकित्सा प्रथमनस-वार ॥ चौपई ॥ गुडअरुशुंठजुनासादेय सन्नपातशिररोगहरेय अथवामघांजुसेंधापाय नस्यलेयशिररो-गनसाय भुजस्तंभसबरोगनसावै बंगसैनइहप्रगटबतावै मासमुलठिसिमकरलेय अरुमहुराचतुरांसधरेय म-हीनपीसकरलेयसुचाय प्रमानसर्षपानासापाय भावप्रकाशसोयाहिउचारै सर्वप्रकारसिररोगाहिटारै गिल्लिसि ष्वीचूर्णदनावै नौसादरफुनचूर्णमिलावै दोनोमेलजुनासादेय गंधसाथसिररोगहरेय ॥ अथषटविंदुघृत ॥ चौ-पई ॥ महुमुलठीसुंठविडंग अरुभंगरापावोतिहसंग इन्हसमसोघृतलेहुपकाय ताषटविंदुनासिकापाय हो-यत्रिदोषजरुजकोनाश अरुदृढदंतहोयपुनतास वालझडनकोअतिदृढधरै स्वेतकेसका[illegible]तिकरै नेत्रनमो-जोतीप्रगटाय गुरुउसमानदृष्टिकरवाय ॥ अथषटविंदुतैल ॥ चौपई ॥ तगरसौंफअरु[illegible]विडंगभां-गुरासुंठरलाय जीवंतीएरंडकोलेमूल मुलठीरासनालेसमतूल कृष्णतिलोंकातेलमगावै [illegible] मिलावै चारगुणारसभंगरेपाय ताहिपकावैअग्निजगाय षटजुविंदुकीलेनसवार शिरविकारकीपीडाटार पतितकेसमोस्थिरतापावे चलतदंतदृढतालषथावे अवरगरुडसमदृष्ठलषाय वलातिसउपजैबहुसुखपाय अथशताव्हादितैल ॥ चौपई ॥ सौंफअवरऐरणकोमूल व्याघ्रीफलपवाउसमतूल इन्हसमानजोतैलपका-वै लेनसवारकफजरुजजावै अर्धशिरापुनातिमरविनाशै इहप्रकारगुणतासप्रकासै ॥ अथजीवकादितैलचौ-

पई ॥ जीवकऋषभद्राक्षपुनआान उत्पलबलामुलठीजान इहसमतैलदुग्धसमपाय विधिवतसोंमंदाग्निपकाय ताहूकीलीजैनसवार पित्तवातशिररोगनिवार ॥ अथबलादितैल ॥ चौपई ॥ त्रिफलाजीवंतीरसआन इन्हसमजलकरतैलपकान ताकीलीजैनितनसवार गलतैंऊपररोगजुटार ॥ इतिअंतरगतशिरोरोगसमाप्तं ॥ मछीभुंनअधिककरलेय नचोरआंद्रत्वचहरलेतेय सुकायचूर्णांतिसकाकरवाय जिमिकंदजठरसतिहपाय माषकयूषरलायजुखावै शिरोकंपरुजशीघ्रमिटावै ॥ अन्यच ॥ शिरोरोगमोनस्यप्रमान चतुरवैद्ययहकरैवखान शिरोकंपदाहजुतजोय वातव्याधिवतकरहैसोय

॥ अथवाह्यगतशिरोरोगनिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ वाह्यरोगहेपांचप्रकार तिन्हकाविवरोकरोंउचार इंद्रलुप्तअरुपलितपछानो अरुंक्षिदारुणवेल्लिकाजानो शिरकेरोगवाह्यगतजान आगेलक्षणयतनपछान-

॥ अथइंद्रलुप्तलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ रोमहिमूलवातपितदोय क्रमप्रवेशतिनकरहैंसोय तिन्हकररोमसभीगिरपरैं पुनकफरक्तआयसंवरै सोदोऊअसबलप्रगटावें पुनरोमनकोनहींउपजावैं इंद्रलुप्तजोलोकनिहारै नामवालचरप्रगटउचारैं इति ॥

॥ अथइंद्रलुप्तरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ इंद्रलुप्तरोगजोलहिये ताहिवालचरटटरीकहिये तासचिकित्साऐसैंमानो वंगसेनमतप्रकटपछानो स्नेहस्वेदहीप्रथमबखाने नाडीछेदमूर्द्धकीजाने ॥ अथलेप ॥ नीलाथोथामर्चमंगावे काहीअवरसिलासमपावे जलसोंपीसलेपकरकोई इंद्रलुप्तदुखनासेंहोई ॥ अन्यच ॥ मुत्थरदेवदारुसमपीसै लेपैइंद्रलुप्तरुजषीसै ॥ अन्यच ॥ मूलसुहांजनलेवेकोय तीनदिनागोमूत्रभिगोय गोवरसंपुटभुंनपिसाय लेपैइंद्रलुप्तमिटजाय ॥ अन्यच ॥ कौडपटोलरसलेपैजोय नाशहिइंद्रलुप्तकोहोय ॥ अन्यच ॥ गुंजामूलफलअवरमिलावै लेपैरोगवालचरजावै ॥ अन्यच ॥ गुंजापत्रमुलठविषपीस तिलअरुतैलताहिमोदीस कांजीसोंलेपैरुजषीस उपजैवालकहतजगदीस ॥ अन्यच ॥ गोघुरुअवरतिलनकेफूल मधुघृतसोंलेपैसमतूल इंद्रलुप्तनाशतवहोय घणेकेशउपजैंतहांसोय अन्यच ॥ ॥ चोपै ॥ हाथीदांतभस्मजोकीजै रसौंतदुग्धघृतसंगमिलीजै लेपैइंद्रलुप्तमिटजाय हथेलीहाथरोमप्रगटाय ॥ अन्यच ॥ मुनक्कांनीलोत्पलजुमुलठी घृतवातैलसमकरेइकठी जदशिरवालगिरणपरआवैं नाडीवेधअवश्यकारवै तैलमलायसीस[illegible]औरविरेचनसिरकरवाय भंगरारसगोक्षीरलिपावै जन्मैंकेशवालचरजावै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपै [illegible]दपशूजोहोय रोमत्वचानखलीजैसोय शृंगअस्थिपुनयहसमलीजैं ताहिभस्मसंगतैल[illegible]ज लेपकरैहोएरुजकोनाश अवश्यरोमउपजैंतनतास ॥ अन्यच ॥ भूतकेशीवटजटामगावै रसगुडूचीतिहचूरणपावै तैलमाहिरविवारमंझार पकायलेपटटरीदुखटार केसअत्यंतउगतशिरमाही वंगसैनमोकहितसुताहि ॥ अन्यच ॥ मुलठीचंदनमुर्वाल्यावै शुंठत्रिफलानीलोत्पलपावै बनचूडाजुप्रियंगुगिलोय लोहचूर्णभूतकेसीजोय दोयसारिवाचूरणकरै भांग्ररेरसामिलतैलसुधरै मंदअग्निसोंताहिपकाय वालगिरनमोसीसलिपाय घनेस्निग्धकोमलअतिभाय प्रथमकेसतनउपजेआय याहितेंलजोना-

साधारै अकालपलिततिसदूरनिवारै ॥ अन्यच ॥ करवीरमालतीचित्राआन करंजुएकसमतैलहिंठान ताहिपकायलेपजोकरै रोगवालचरतासोंहरै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ अर्कअवरथोहरपयआन लांगलिभंगरावांसाठान अजामूत्रगोमूत्रमिलाय तुम्मास्वेत्तसर्षपापाय कौडवरचइकसमसभलीजै तैलमिलायपकसोंकीजै लेपेकूरमपृष्ठसमान टटरीनशैकेशप्रवटान नसवार ॥ चौपै ॥ मुलठआमलेलेसमदोईं पकावेतैलदूधमेकोई लेनसवारलेपवालावे गंजदूराशिरवालदिखावे ॥ अथगंजचारप्रतीकारलिख्यते ॥ ॥ चौपै ॥ दिनचौथेजोसीसमुनावे ऊपरवाथूसागजुलावै दिनपचीसलगसिरपरलावे गंजरोगतुरतमिटजावे ॥ दोहा ॥ मखनपारातुत्थलेखर्लपहरकरकोय शिरमुनायलेपनकरेगंजदूरतवहोय॥ औषधगंजकी ॥ थोथाटंकभूनकेपाय त्रिमाडिघरअठटंकपीसाय तेलसरसोंकापाउमंगावे ताकेभीतरषरलकरावै सिरमुनायकेलेपलगाय गंजरोगइकमासमैजाय च्छालागंजकोदारू तीसरेदिनजोसीसमुनावै तापरघोडेमूत्रजुलावै दिनतीसजोसीसधुलाय गंजरोगकोतुरतामिटाय ॥ पुनः ॥ दोहरा ॥ वेरगिरीपीसायकैलेपोपानीसंग अगलालेपउतारकेनूतनकरोनिसंग सातदिवसलगकीजियैजायसीसकोगंज ऐसेरोगजुजातहैपापजायज्योंगंग॥ गंजकमिलम ॥ चौपै ॥ घोडेकेनषपैसेचारभर घीउपाउमेमेलजालकर घृतपुणलेवैमल्हमवनाय ताकेभीतरऔषधपाय चाकसूपैसेचारपिसावे थोथामासाडेडरलावे उसीघीउमेलेहुघसाय दिनइकीसजोलेपकराय गंजरोगासिगरामिटजावे जाविधऔषधजोगवतावे ॥ पुनः ॥ चौपै ॥ थोथाअवरसुहागाजाण मुरदासंगकमलिाआण टंकटंकपक्कापरमाण आंवलेपैसाडेढभरजाण कथकसीराडेढपीसाय तैलमाहितिसलेजुरलाय तैलमिठासिरसाहिवार कडछीअंतरमेलविचार तामेदारूदेहमिलाय सोटेसेतीलेहुघसाय सिरकेऊपरलेपकरावै गंजरोगतुरतमिटजाबै॥ पुनः ॥ चौपै ॥ माझागोहारसजुकढावै सेरडेढपरमाणवनावै हलदीपैसेदोयपिसाय गोहेरसमेदेहुमिलाय पातरभीतरताकोपावे पातरमुखपरमुद्रालावै अरूडीअंदरदेहदवाय दिनइकीसलगराषदवाय पाछेकाढकरलेपकराय उसीलेपपरसातलगाय दिवससातमेलेहुउतार गंजरोगकोदेवेटार जोकछुवाकीगंजभीरहै तीनलेपनअवरभीकहै ॥ अन्यच॥ गोहेकोरससेरमंगाय भिलावेथानआठजोपाय कंडयारीमूलटंकसोआन तिलहितेललेताहिसमान सिरपरलेपजुताहिलगाय गंजरोगसिगरामिटजाय इतिगंजरोगाचिकत्सा ॥ इति

॥ अथदारुणकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शिरदारुणपुजलाप्रगटावे स्थानकेशषहुरोहोइजावे यहकफवातकोपतैंजान ऐसेंभाषेग्रंथनिदान

॥ अथदारुणकरोगचिकित्सा ॥

स्नेहपानस्वेदनरभासै नाडीमस्तकरुधिरनिकासै अवपीडशिरोवस्तीअभ्यंग दारुणरोगयाहि[illegible]न्यच॥ कोद्रमत्रिणकीभस्मजुकीजै तासक्यारजलसोंगहलीजै ताहीजलसिरधोवैजोय दारुणरोगनास[illegible]य ॥ चौपई ॥ नीलकमलकोकेसरआने मुलठीआवलेतामोठाने पीसैजलसोंलेपलगावै तासोरुंषिकारोगमिटावै रोगदारुणकहोयहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश॥ अन्यच ॥ गुंजाफलअरुतैलपकावै शिरलेपैतौभीमिटजावै ॥ अन्यच ॥ वांसाफलकटुतैलरलाय गोमूत्तरसंगताहिपकाय करेलेपव्याधीमिटजावै वंगसेनमतप्रघटवतावै ॥ अन्यंचतैल ॥ ॥ चौपई ॥ कौशातकीदंतीकालिमूल चित्राचूर्णकरोसमतूल तैल-

मिलायपकावैतास लैपेदारुणकहोहिविनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ उत्पललोहचूर्णत्रिफलाय सारवाल-वणमुलठीपाय भंगुरायइसभहीसमलीजै तैलमिलायपकसोकीजै लैपैरोगदारुणकजाय अवरअरुंषिकारोग-मिटाय इति

॥ अथअरुंषिकालक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ शिरमोव्रणवहुमुखकेहोंहि गलितमांसलखऐसावोहि वातरक्तकृमकोपैजवै रुजअरुंषि-काजांनोतवै

॥ अथअरुंषिकाचिकित्सा ॥

जलौकारुधिरमोक्षहिततास प्रथमउपायकीनपरकाश ॥ अन्यउपाय ॥ सेंधालूनतक्रकेसंग धोवेशिर-अरुंषिकाभंग पटोलनिंबवासासमलेय विधिवतलेपबनावेतेय वारंवारलेपयोकरे रोगअरूषिकातासों-टरे ॥ चौपै ॥ खदरनिंवजंवूसमआन इन्हकेत्वचकाक्वाथप्रमान मूत्रपायप्रक्षालनकरैं रुजअरुंषिका-तातैंटरे ॥ लेपनं ॥ कोगडलवणगोमूत्रसोपीसै लेपकरैजुअरुंषिकाषीसै ॥ अन्यच ॥ ताल-मूलगोवररससंग लैपैहोएअरुंषिकाभंग ॥ अन्यच ॥ निंवक्वाथगोवररससंग लेपकैरुजकोहोइभं-ग ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ तिलपिन्याकपुरातनआन कुर्कुटविष्टामूत्रपीसान लेपकैजुअरुं-षिकाजाय यहउपायभीकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ पटोलहरिद्रिहरतालमगावै ताहिनिंवसोंकल्कव-नावै ताकोलेपनाशिरमोदेय रुजअरुंषिकायाहिहरेय ॥ अन्यच ॥ नीलोत्पलइरंडभृंगरज लैपैह-रैअरुंषिकाखाज ॥ पुना ॥ घोडेकीजोलीदमगावै रसनचोरमधुलवणरलावै करैलेपसिरऊपरमा-न रुजअरूंषिकाहोवैहान वाकंडियारिलूणकेसंग लिद्दरसलेपकैरुजभंग ॥ अन्यच ॥ कुठभून-ठीकरीमंकार चूरणकरसुतैलमोंडार लेपनसोंजुअरूंषिकाजावै असउपायताकोलषपावै ॥ अन्यच ॥ थोहरदुग्धअर्कपयलीजै पत्रधतूरैमूत्ररलीजै तैलसोंलेपैरूंषिकाजाय शिरकंडूव्रणदूरवहाय ॥ अथहरी-द्रादितैल ॥ ॥ चौपै ॥ दोनोरजनीत्रिफलापाय चंदननिंवभूनिंवमंगाय इन्हसोंतैलपकायलगावै-रुजअरुंषिकाहतहोजावै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ शालिपर्णिरसतोलाआन अजमृत्तिका-छिन्नासमठान पलपलभागईन्होकापाय केशभस्मकर्षइकठाय मछीपूरेवीसमिलावे मधुमक्षिकासो-वीसरलावै चारगुणागोमूत्ररलाय ताहिसंगकटुतैलपकाय ताहितैलकालेपकराय रुजअरुंषिकादुखव्र-णजाय दुष्टदंतनखक्षतसुनिवारै व्रणसूकैजुविसरपीटारैं इतिअरूंपिकाचिकित्सा.

॥ अथपलितलक्षणम् ॥

॥ चौ[illegible] क्रोधशोकश्रमयुतजुशरीर तातैंगरमीहोईसुधीर सोगरमीशिरमोंचढजावे शिरकेश-न[illegible]सोऊझुरडीप्रगटावै याविधियाकेलक्षणगावे. ॥ अथअकालपलितविशेषमाह ॥ पित्तसुभावजाहूनरभाय स्वेताईशिरप्रगटेआय पुनजोबनमैंदोषजु दोऊ ॥ वातपितदुखहरहैसो-ऊ वृद्धअवस्थाप्रगटतसोय अकालपलितयहविधहिहोय

॥ अथसन्निपातपलितलक्षणमाह ॥

सवकायश्वेतहोयहैवाल तौसान्निपातजपलितनिहाल सूक्ष्मरूक्षअरुकोमलवाल तववूडापनजानेहाल पलि-



ताहिस्वेतकेशकोकहै तासाचिकित्साऐसेलहै अथपलिताचिकित्सा ॥ लेपन ॥ दोइप्रमाणधात्रीफलआन दोहरडवहेडाएकप्रमान लोहचूर्णकर्षइकपावै आंवगुटीपंचकर्षमिलावै लोहपात्रभंगुरारसपाय आठपहिर-सोषरलकराय केशोऊपरलेपनकरैं स्वेतकेशश्यामरंगधरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णभंगुरात्रिफलाय कृष्णमृत्तकाइक्षुरसपाय लोहपात्रमोंमासप्रयंत षरलकरैयहलहोवृतंत सोकेशोंपरलेपलगावैं स्वेतकेशश्या-महोइजावैं ॥ अथअन्यउपाय ॥ चौपइ ॥ धात्रीफलविजयाकेफूल लोहचूर्णतीनोसमतूल इन्हकेजल-मोधोवेकेश स्वेतकेशश्यामहोएवेश नर्कनसैंज्योंगंगास्नान स्वेतरंगत्योंभाग्योजान अन्यच ॥ चौपइ ॥ नीलीपत्रभंगरात्रिफलाय लोहचूर्णभेडमूत्रपिसाय स्वेतकेशपरलावैजोय पलितजायश्यामरंगहोय अन्यच चौपइ .निंववीजभंगरारसपाय वहेडेअसनवृक्षरसथाय इन्हसमतैलमिलायपकावै लेनसवारपलितमि-टजावै भोजनउष्णकरैपुनसोय केशरंगश्यामअतिहोय ॥ अथकेतिक्यादितैलं ॥ चौपइ ॥ केतकीभंग-राउत्पलआन श्यामात्रिफलानीलिकाठान गिलोयसहचरीअर्जुनफूल तिलीश्यामलोहचूरणतूल पद्मकं-दराडाफलपाय अर्जुनवीजतामोंलखभाय इन्हकेसंगहितैलपकावै पुनात्रिफलाक्काथमाहिसुपकावै पुनभंगरेरससाथपकाय लायपलितउपजिन्हकजाय ॥ अथनीलविंदुतैलं ॥ चौपइ ॥ अंजनमुलठीसारि-वाआन अगरउत्पलअरुत्रिफलाठान नीलीपत्रमुत्थरतिलकाही अरुतालीसपत्रलषताहि कूरमपित्ता-सिंसिपाजान नीलाथोथाभंगराठान लोहचूर्णभूतकेशीलीजे अंवगुटीगूतरसंगदीजे रसौंतअवरहि-अर्जुनफूल राडाफलफलजामनतूल कर्षकर्षयहऔषधलेय महीनपीसकरकल्ककरेय अजाक्षीरअरुतैलसु-जान प्रस्थप्रस्थइनकोतुममान विभीतकभंगराधात्रीतीन इनरसआढकआढकलीन इनसभकोइक-ठाजुमिलावै लोहपात्रमोंताहिपकावै सितकेशनकेऊपरलाय श्यामरंगअत्सयहोजाय जहांइकवूंद-ताहिकीपरै सोइस्थानश्यामरंगधरै खालकपलितवालचरनाशै आयुरनेत्रकीज्योतिप्रकाशै अथवा-तैलकीलेनसवार तौभीकेशश्यामरंगधार वलअरुवर्णहरतहैसोय नामजुविंदुनीलइहहोय विश्वामित्रऋषी-यहकह्यो जगकोहितअपनेमनगह्यो अथकाश्मरीआदितैल चौपइ काश्मरिसहचरिकुसामगावै जंवू-अर्जुनफूलसंगपावे पिंडीतकगुटीआंवकीआन त्रिफलामहूफललेसमठान इन्हमोंतैलसाठपलरलावै तातेंदुग्धचतुर्गुणपावै दुग्धहिसमभंगरारसपाय मंदअग्निसोतैलपकाय मलैतैलकोमासप्रयंत श्यामकेश-होयजावेतंत नस्यकरेइसकोनरजोय भ्रमरसमानवर्षशतहोय निश्चयकीजेमनमोंसोय वंगसेनमोंलषि-येजोय ॥ अथकेशरंजनतैलं ॥ चौपइ ॥ काश्मरिमूलजुसहचरीफूल केतकीमूललेहुसमतूल भंगरालो-हचूर्णत्रिफलाय यहसमतैलजुपायपकाय सोइतैललोहपात्रमोंपावै पृथवीमोंइकमासदवावै पुनकेसनको-मर्दनकरें भ्रमरन्यायश्यामरंगधरें ॥ अथकैटभतैल ॥ चौपइ ॥ केतिकिकुठभंगुरात्रिफ[illegible]लहलद-त्वचरसौंतजुपाय वृक्षमयनफलत्वचातिलयाह लोहचूर्णनीलीलषियेताह आंवगु[illegible] वरचहिभंगरारसपुनठान अर्जुनपद्मकतामोंदीजे इनसवहूंकोकल्ककरीजे इन्हसभसमसोंतैलपकावै मर्दनकरैपलितमिटजावै अवरहुंइंद्रलुप्तहोइनाश विदेहनृपतयहकीनप्रकाश ॥ अथमयूरपित्तादितैलं ॥ चौपइ पित्तामोरअंवगुटीआन भेहनीलिकाउत्पलठान भंगराकाहीसुरमालीजे तैलइन्होसंगपकजुकीजे लोहपात्रमोंधररगडावै मासप्रयंतदवायरखावै केशनपरसोमलैवनाय पलितजावेश्यामरंगथाय

॥ अथइरिवेल्लिकालक्षम् ॥

॥ चौपई ॥ मस्तकविषैपिडिकाहोय गोलाकारसुजानोसोय ज्वरउपजेअतिपीडाकरै सोरवेल्लिका-नामसुधरै ताकरताहित्रिदोषजमानो इसप्रकारसोलक्षणजानो.

॥ अथइरिवेलिकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पित्तविसर्पमेंऔषधजोय इरवेलिकमोजानोसोय आगेपथ्याऽपथ्यविचार जाविधग्रंथ-कारमतधार.

॥ अथशिरोरोगपथ्याऽपथ्यनिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ शिरोरोगकेपथअपथवैद्यकग्रंथविचार भाषसुनावतहौंतऊसुनहोबुद्धिउदार ॥ चौपई ॥ ॥ अथपथ्यं ॥ स्वेदनधूमपाननसवार रेचनलेपनछर्दविचार रक्तमोक्षडंभाशिरवंधन पुरातनघृतकोपानजु-लंघन चावलसठीदुग्धपंछान पटोलद्राक्षवाथूपथमान नारकेलवादामलषजै धात्रीफलहिसुहांजणदीजै-मारूथलमृगपक्षीमास कुष्ठकरेलेकीनप्रकास तैलविजौराअवरअनार कांजीतक्रहरडमनधार कुआरगं-दलअरुमुत्थरजानो करपूरउशीरहिभंगरामानो ॥ दोहरा ॥ पथ्यकहेसिररोगकेपंडितलेहुविचार इस्तेआ-गेसुनोतुमकरौंअपथ्यउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहरा ॥ बेगरोकनिद्राक्षुधाविष्टामूत्रजृंभान अधोवतारोक-नअपथजलडुबकीइस्नान शिरोरोगवर्ननकीयोप्रथमहिरूपनिदान फुनहिचिकित्साभाषकैपथ्याऽपथ्यब-षान ॥ इति ॥

॥ अथकर्मविपाकथनं ॥

॥ दोहा ॥ जिसनरपूरवजन्ममेंसीसकलियोचुराय शीर्षरोगतिसहोतहिदियोजुग्रंथवताय तासहिदोषनि-वारणेसिक्कादानकरेय तुलाप्रमाणविधानयुतताकरदोषटरेय ॥ अन्यच्च ॥ पूर्वजन्ममेजाहिनरऔषधल-ईचुराय शिरोरोगतिसहोतहैसूरयदियोवताय ताकेदोषनिवारणेकंचनपलभरलेय विदुषिहिब्राह्मणकेप्रती-पूजाकरातिसदेय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गुरुजनकाजोहोतपराधी अवरश्रेष्टव्रतदियोजुत्यागी ताहिदो-षशिरउपजेरोग कर्मविपाककहेसिद्धयोग ॥ दोहरा ॥ ताकेदोषनिवारणेव्रतकृछ्रादिकरेय कंचनयुतउ-पवीतहिवेदविदुषप्रतिदेय शीर्षरोगवर्ननकियोकारणसहितउपाय नेत्ररोगवर्ननकरौंसोसुनियेचितलाय.

॥ अथशिरविकारदोषकारणनिरूपणं अथकारणं ॥

॥ चौपई ॥ मुंडनजाप्रयागनाहिकरै मातपितापगासिरनाहिधरै ब्राह्मणगुरुसंन्यासीताही नमस्कारकर-हैजोनाही तिसकोशिरविकारहोइआवै तासउपायप्रगटयोंगावै.

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ षट्पलताम्रप्रमाणमंगावै ब्रह्माकीसोमूर्तवनावै स्वर्णमयीतिसयज्ञोपवीत पहिरावैमनमो-धरप्रीत रजतहंसअरुवस्त्रउढाय पृष्टभागसूर्यवैठाय दक्षिणभागहिविष्णुविराजै वामअंगशिवमूर्तछाजै उत्तरभागकुवेरवैठावै विधिसोंपूजैचित्तलगावै ब्रह्मादिकहितहवनकराय विप्रहिदेयप्रीतमनलाय शिरवि-कारदोषहोइनाश कर्मविपाककीनप्रकाश ॥ दोहरा ॥ शिरविकारकेदोषकेकारणकहेउपाय नेत्ररोगके-दोषकोआगेसुनचितलाय

॥ अथज्योतिषउपाय ॥

जवबुधअंतरदशामोंमंगलकरेअवेश तवप्राणीकोजानियेसिरमोहोइकलेश सूर्यदशाकेअंतरेशुक्रजुकरैप्रवेश तौभीनिश्चैहोइगोसिरमोकछूकलेश शुक्रकीअंतरदशामोंबुधजुकरैप्रयान तौभीपीडशिररोगकीप्राणीभोगेजान ॥ उपाय ॥ जोजोग्रहपरवेशकरेपूजनकरियोतास विधिविधानसोंग्रहबलीशिरोरोगहोइनास.

॥ अथअर्धासिरपीडाकामंत्र ॥

अथकपालीनाशयजाजारिपायनीजाजारीहत्यारी नजायतोमेरेगुरुकीआज्ञा हनुमंतवीरकीआज्ञा गरुडपंषीकीआज्ञा मेरीभक्तगुरूकीसक्तीफुरोमंत्र ईश्वरोवाच इसमंत्रसेमस्तककोशनैः २१ वारफूकदेतौअर्धशिरपीडाजाय कृष्णवदी १४ कोशक्तिमाफक् इसमंत्रकाजपकरेतौइहमंत्रसिद्धरहै ॥ अथदूसरामंत्र ऊंनमोआधासीसीहुंहुंकारीपहरपचारीमुखमूदिपाठत्वेडारी अमुकारेसीसरहै मुखमहेश्वरकीआज्ञाफुरै ऊंटंटंस्वाहा २१ वारमंत्रके अंगुलमस्तककेऊपरफेरैतौआधाशिरपीडाजाय२ ४१

॥ अथान्यप्रकारशिरोरोगाऽधिकारकथनं तत्रादौ आगंतुकशिरोरोगनिदानं ॥

॥ चौपई आगंतुकाशिरपीडपछांनो सरदर्दगैरमादीकरजांनो विनापित्तशिरपीडाजोई आगंतुककारनगरमीहोई जैसेंधूपअगनवहुतापे वहुतखेदवाक्रोधविआपे गर्मवस्तुअतिहींनरखावे सोवुखारशिरहूंकोधावे इनकारणशिरपीडाहोई विनापित्तआगंतुकसोई ॥ उपाय ॥ चंदनमुसककपूरमंगावे अर्कगुलावसाथापिसवावे पतलालेपताहिशिरदीजें अथवाशिरपरमर्दनकीजें आगंतुकशिरपीडाजावे सुगमउपायकरेसुखपावे वैरपत्रजढसाखालीजें काकजंघताहीसंगदीजें देगवीचधरवहुजलपावे चाढअगनपरसोगडकावे सोहुआडदेपरसाहोई आगंतुकशिरपीडाखोई काकजंघकेपत्रमंगावे महीनपीसशिरलेपकरावे आगंतुकशिरपीडाहोई सीघ्रयतनकरनासेसोई धनिआंमिसरीकेशरआंनो पौनेदोदोमासेठांनो अलासितेलवागोघृतल्यावे करइकत्रनसुआरचढावे आगंतुकशिरपीडाजांनो ताहीछिनमेदूरपछानो

॥ फार्सिशिरदर्दसरदीकीअथआगंतुकशिररोगनिदानं ॥

॥ दोहा ॥ जोहैसरदीजिगरकीउनविनपीडाहोय होवेठंडजोओपरी आगंतुककहिएसोय
॥ चौपै ॥ जैसेंसीतलपवनजोहोई वाशीतलजलपीवेकोई शीतलवस्तुअधिकनरखावे ऊनाधिकपवनसोईतनलावे होएस्पर्श अधिकतनजोई वरफादिकजखजैसेंहोई इनहूंतेशिरपीडाजांनो आगंतुकशिरपीडपछानो

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपै ॥ अपनादेहगर्मवहुकारिए गर्मवस्त्रअतिऊपरधारिए औषधगर्मपीसशिर[illegible]मस्तकपरमर्दनभावे गर्मनीरपीवेनरसोई भोजनअधिकनखावेकोई १ एरणकीजढसुंठमगावे पीसना[illegible]र्भ करावे मस्तकऊपरमर्दनकरिए शिरपीडाताहीछिनहरिए २ हरडसुंठधनिआमंगवावे वावडिंगसोसंगमिलावे साडेतिनतिंनमासेल्याय सेरदोइजलकाथवनाय सोदिनसातपिलावेकोई आगंतुकशिरपीडाखोई ३ सुंठमर्च सोसनजढल्यावे मनक्काजीराश्वेतमिलावे अजमोदासमभागमिलाय साडेतींनतिंनमासेपाय करेकाथपीवेदिनसात निश्चैसिरपीडाकटजात ४ मासेसातहफींममंगावे सेरदोइति

लतेलमिलावे सेरपांचजलकूपामिलाय चाढअगनपरताहिपकाय जवसभनीरसोइजलजावे तौवहतैल-सीसपरलावे मस्तकहूंपरमर्दनकरिए आगंतुकशिरपीडाहरिए ५ सरूंवीजदोमासेल्यावे साडेदसमासेघृतपावे फूकमारनसुआरचढाय शिरपीडाताहीकटजाय कस्तूरीहर्दललौंगमंगावे मुसककपूर भागसमपावे गोघृतसोंनसुआरचढाय आगंतुकसिरपीडहटाय ७

॥ फार्सिसीरदर्दसफरावि ॥

॥ चौपै ॥ केवलपित्तदोषजोहोई वामैलेजलसंजुतसोई इनहूंतेशिरपीडाजांनो ताहूकेहितजतनपछांनो जोऔषधपित्तजहैपाछे सोईसकलगुणकरइतआछे

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपै ॥ चंदनसोसनकीजढल्यावे वावडिंगसुंठीखसपावे गिलोईआमलादाखमिलाय मिसरीगोघृतमधूरलाय करइकत्रचटनीचटवावे पित्तदोषशिरपीडाजावे २ त्रिफलाधनिआंदाखमंगावे सोसनमूलकिरायतापावे मनकाअल्मतासमलीजें पौनेदोदोमासेकीजें चारसेरजलकाथवनावे आधसेरपीवेसुखपावे २ अतरीफलसुंदरमंगवावे खावेशिरपीडामिटजावे ३ धनिआंतोलाडेडमंगावे मिशरीसाडत्रिमासेपावे पीसनीरसंगसेवनकरिए पित्तदोषकीपीडाहरिए ४ काष्टनिंम्भजलसोंरगडावे मिशरीपायलेहचटवावे पित्तजशिरपीडासभनासें नेत्रपीडकटदृष्टिप्रकासे ५ मनसिलमघालोभ्रमंगवावे पीसनीरनसुआरचटावे भित्तजशिरपीडाहटजावे निश्चेयतनकरेसुखपावे ॥ दोहा ॥ सिंगरफसीसालूणलेदडेकरेनरकोय मखनवीचरलायकेसुंहतपीडाखोय १ शिरपीडाहोवेवातकीअथवाकफप्रघटाय जतनलिखाजोठंडकासोईइतसुखदाय २ ॥ चौपै ॥ हलदीसुंठीमघांमगावे कवावचीनीमर्चपुटकंडापावे वावडिंगअजमोदालीजे पौनेदोदोमासेकीजें ककेंकाथपिलावेकोई नसुआरकरेशिरपीडाखोई ३ वर्चसुंठहलदमिगवावे राईजीराश्वेतामिलावे लूणसंगसमभागमगाय पीसनीरनसुआरचढाय शिरपीडाताहिछिनजावे आगेऔषधऔरवतावे ४ तुंमेकीजढमर्चमगावे मर्चश्वेतहलदीमघपावे वावडिंगसुंठीसंगपाय कंडेआरीवडलूिणामिलाय कीरगुंदद्यारसंगलीजे लेसमभागदरडकरदीजें सेरदोईतिलतेलमिलाय नीरसेरदसपायपकाय जवसभनीरताहिजलजावे तौवहतेलसीसपरलावे शिरपीडाताहिकटजाय सतावरीतेलसोभिगुणदाय ५ खिरनीवीजपत्रमगवावे ताहिसुरसनसुआरचढावे जेकरकेरसप्राप्तनहोई - वीजनीरसंगरगडेसोई ताहीछिनशिरपीडाजावे रणवीरचिंतामणिसुगमवतावे ६ देवदारुकुठलूणमगावे जउोखारमघसंगमिलावे पुष्यगंडेलभागसमलीजें पीसनीरशिरलेपनदीजें ७ सुंठीधनिआंमघांमगावे चित्रालेस[illegible]मिलावे नरिपायकरकाथपिलाय शिरपीडाताहीछिनजाय ८ कलौंजीसिर्करगोघृत - [illegible] वनायखुलावे शिरपीडाताहीछिनजावे देहपुष्टसिरदोषहटावे ३ जेकरकेवलआधिक-[illegible]रुधिरजोकोई इनहूंतेशिरपीडाजानो पित्तजपिछलायतनपछानो वांसाजढदोतोलेल्यावे करेकाथसममधूमिलावे पीवतहीसिरपीडानासें रणवरिचिंतामाणियतनप्रकासे १० जेकररुधिरपित्तयुतजांनो प्रवलहोएतवयतनपछांनो लूणमैनफलरगडपिलावे वमनकरेताहीसुखपावे ११ वापित्तजकेदस्तकरावे वांसलीकतेंरुधिरकढावे ग्रीवापीछेजोंकलगाय अथवापछताहिसुखपाय १२ ॥ दोहा ॥ - जेकरउदरविकारतें शिरमेपीडाहोय ताहिउदरकोशुद्धकरदस्तकरावेसोय १३

॥ फारशीदर्दशकीका ॥

॥ दोहरा ॥ आधेसिरपीडारहेभामेंकवहूंहोय ताहियतनपीछेलिखा पितजमानोसोय आधेसिरकीपीडइकसरदीहूंतेजांन अथवाकेवलवाततेंसोलक्षणपहचांन ॥ चौपई सूरजउदेहोतहेंजवहीं आधेशिरपीडाहैतवहीं ज्योंज्योंसूरजतेजदिखावे त्योंत्योंशिरपीडाअतिधावे दोइपहरतकखेददिखावे पाछेक्रमसेंाहटतीजावे सायंकालतकरहेनसोई सूर्यपातनामाइमहोई सूर्यावर्तनामभीकाहिए पारसदरदशकीकालहिए.

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपै ॥ पिप्पलकाष्टताहिरगडावे ऊषाकालशिरलेपचढावे आधेशिरकीपीडाजाई सुगमउपायअधिकसुखदाई मरुआपत्रमंगावेकोई तिलकातेलताहिसमहोई दोनोतोलेपांचमिलावे चाढअगनपरतेलपकावे सोईतेलनसुआरचढावे आधेशिरकीपीडाजावे सूर्यकांतसीसाजोहोई ताहिधोयजलपीवेसोई अरुणोदयमेसेवनकरिए आधेशिरकीपीडाहरिए सुंठीधनिआंदोईमंगावे सतसतमासेक्कांथचढावे कोसाप्राताकालपिलावे आधेशिरकीपीडाजावे हलदीसुंठीमघामंगावे वच्छुआंइनमर्चरलावे वावाडिंगतुंमाजढलीजें सिलाजीतताहिसंगकीजें वीजउटंकनसंगमिलाय कवावचीनीसमभागरलाय तन्ननीरसंगपीसेकोई नसुआरलेताशिरपीडाखोई मघामर्चसुंठमिंगवावे हलदीलूणधारसंगपावे तुंमेकिगिरकीरमिलाय वीजसुहांजनसंगरलाय कंडेआरीवडीताहिमंगावो वावडिंगसमभागमिलावो चौदांचौदांमासेल्यावे सेरदोईतिलतेलमिलावे नीरसेरदससंगमिलाय चाढअगनपरताहिपकाय जवदससेरनीरजलजावे तौवहतेलसीसपरलावे वानसुवारचढावेकोई आधेशिरकीपीडाखोई मुसव्वरत्रिफलाताहिमंगावे फकीसमसमभागवनावे प्रातसातमासेनितखावे आधेशिरकीपीडाजावे कंडेआरीकारसनिकसावे नसुआरलेतशिरपीडाजावे राईजलकेसंगपिसावे प्रातलेपमस्तकपरभावे आधेशिरकीपीडाजाय सुगमउपायकह्योसमझाय त्रिफलात्रिकुटात्रिवीमंगावे फटकलूणकचलूणरलावे मनकाअजमोदासंगपाय सतसतमासेसभीमंगाय वीससेरजलपायचढावे सातसेरपाणीरहजावे सातसेरगोदुग्धमिलाय तीनसेरसितखंडरलाय चाढअगनपरचासवनावे तोलाडेडनिताप्रतिखावे आधेशिरकीपीडाजाय फुनिग्रीवाकीपीडमिटाय कपूरनीरकेसंगघसावे तीनवूदनसुआरचढावे आधेसिरकीपीडाखोवेवातपित्तकीकेंसीहोवे ॥ दोहा ॥ जेकरऐसेयतनतेपीडादूरनहोय तौजुलावदेसुद्धकरउदरउपाधीखोय जेकररुधिरविकारतेंसिरमेपीडाहोय नाडसरेरोदेषकेरुधिरनिकासेसोय

॥ मूर्छादिमागदी फा.ससीम.वसीम. ॥

॥ भेददोइपहचानिएभिंनाभिंनसुननाम सिरहोवेसरसांमहैहृदेहोतवरसांम सिरमें [illegible] केसोजताहुमेंहोय वाधमनिनाडदिमागमेंआगेलक्षणसोय तापहोएअतिगर्मतनलालनेत्रमुखजां[illegible]दनविनाहांसीरोदनठांन रुधिरपित्तकरएकहैदूसरपित्तजमांन आदिकार्णमेंयतनकरनातरहोवतहांन

॥ अथउपाय ॥

॥ दोहरा ॥ पित्तजशिरकीपीडकायतनलिखाहैजोय सिरसांमरोगपरसोकरेताहीछिनसुखहोय ॥ चौपै कपूरएकरत्तीमंगवावे चंदनश्वेतगुलावमिलावे सिरकामेलनासिकापावे सिरसांमरोगताहिकटजावे यत-

नकरेसिरसांमनजावे ग्रीवापीछेपछकरावे सरेरोगकारुधिरनिकासे तीनवारहितरोगविनासे ॥ दोहरा ॥ जुसांदाअमलतासकावाहरीडकाहोय शीरषिसतविधरेचनीहुकनाकरदूखखोय जेकरकेसिरसांममेलक्षण-होएवुहरांन रुधिरनासिकातेंचलेतौइहश्रेष्टपछांन जेकरसमतालंघकेरुधिरचलेअतिजास तौअसाध्यपह-चानिएकाहिएमृत्यूतास पडदाहिरदेवीचइकसोजताहुमेजांन वरसांमरोगतवहोतहैतपताहूतेमांन धूमह-देकाकोपकरजवपहुचेशिरमाहि रहेतापनिद्राविनांऐसेलक्षणतांहि युनानीऔषधरेचनीरेचनकारिएजाम-नामअयारज़फयकराजाहूतेंदुखनास रुधिरसरेरोनाडकाताहिनिकालेकोय आदिकार्णमेयतनकरवाहीतेंसु-खहोय रोगपुरातनहोतहींताहिअसाध्यपछान आदिकार्णमेयतनकरनातरमारकमान रोगशिरभौना फा० दबार २० चौपइ चारदोषकररोगविचारो वातपित्तकफरुधिरनिहारो जेकररुधिरदोषपरकासे सरेरोग-कारुधिरनिकासे वापिंन्नीपरपछलगावे जुसांदाअंमलतासपिलावे जेकरपित्तवातप्रघटावे मुखअरुमूत्र-पीतहोजावे कौडामुखलणक्षपहचांनो आगेताकोयतनपछांनो खसखससेरछेइलेआवे नीरएकमणवी-चपकावे पंद्रासेरनीररहजाय तवमिसरीदससेरामिलाय ताहिपकायचासवनवावे थिंदेभांडेवीचरखावे-दोहा तोलाडेडनिताप्रतिपीवेनीरमिलाय सिरभौनादुखदूरहैआगेऔरउपाय चौपइ सरपुंखाधनिआहर-डमंगावे सतसतमासेदरडकरावे चारसेरज़लक्वाथवनाय सातादिवसपीवेदुखजाय चंदनश्वेतकपूरमंगावे सुंहतहीसिरदोषहटावे सरेरोगकारुधिरनिकासे आगेऔरभेदपरगासे शिरभौनाकफहूंकामांनो अथ-वावातजरोगपछांनो चिटिफुनसीउपजतताहि ठंडापरसामस्तकमाहि ॥ उपाय ॥ चौपइ ॥ छेतोले-कालीमिर्चमंगावे अकरकरापंजतोलेपावे पीसमखीरमिलावेकोइ पौनदोमासेगोलीहोइ प्रातरातदो-सेवनकारिए दवाररोगताहीछिनहारिए हलदीचीनीखंडमंगावे दोनोतोलेपांचमिलावे साडेसततोलेघृ-तपाय प्रातकालप्रतिदिनउठखाय खिचडीपथ्यमुंगकीखावे सुंदरगोघृतसाथमिलावे किसीदोषका-रोगजोहोई सेवनतेसभनासेसोई यतनकरेसुखउपजेनाहीं ग्रीवापीछेदाहकराहीं असाध्यरोगपरयत-नपछांनो अंतकयतनजाहुकोमानो ॥ ८ ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांशिरोरो-गाधिकारवर्णनंनामअष्टमोऽधिकारः ॥ ८ ॥

॥ अथनेत्ररोगाधिकारकथनं तत्रादौनिदानमाह ॥

॥ दोहा ॥ नेत्रहिरोगनिदानकोंभाषोंभेदसमेत जिन्हकारणतेंउपजहैंप्रथमकहोंसोहेत ॥ अथनेत्रकारणम् ॥ चौपई ॥ गरमीकरतनतप्तजुआवे तुरतहिंजाजलमोधसजावै अरजोदूरदृष्टिभरदेषै अरुअतिसूक्ष्मवस्तु-बहुपेषै सयनविपर्जयतेंभीजान खेदधूरअरुधूमतेंमांन विष्टामूत्रहिरोकैवात रोकेछर्दबहुतजोषात अ-रुअतिमारगकरहैजोय अतिरोदनवाक्रोधीहोय अतीशोकअतिआतपधावे अतिमथुनवाअश्रुरुकावे गर्म-वस्तुअतिसे[illegible]कांजीकुलथमाषअतिचरे रितुकोहोयविपर्जयजवै शिरअतिघातहोयजबकवै केश-पुरे[illegible] सेवैमारगवीर्यरुकावे इन्हकरदोषक्रुद्धसोजान नेत्ररोगताहीकरमान वातपित्तकफ-रक्तविचार नेत्रश्रावकरहोतविकार इतिनेत्ररोगकारणं.

॥ अथनेत्ररोगसंक्षाप्रमानकथनं ॥

॥ दोहरा ॥ अनुक्रमिकानैननकहोंसारंगधरअनुसार अंगुलनेत्रप्रमानदोउदरअंगुष्टविचार समस्तरोगहै-नेत्रकेनवेचारसुजान चर्कऋषिवर्ननाकियेमुख्याछिहत्तरमान ॥ चौपई ॥ दसवायूदशपित्तजजान कफ-

केतेरांकियेवखान षोडसरुधिरसन्निपातपचीस नेत्रवारहजगजानकविस इहमतसुश्रुतकेअनुसार रोगने-त्रहढकीनविचार ॥ दोहरा ॥ नेत्रमंडलकेमध्यमोस्यामठौरविचकार तुल्यमसरदानिमणीतहांवसैकरतार पांचभूततिहउत्पत्तीज्योतीअग्निसमान तेजरूपस्वयंसिद्धहैअविनाशीसोजान ॥ चौपई ॥ नेत्रमंडलके-पर्देचार तिनसौंआवृतकियोंविचार चारोपटलअैसेकरकहे जैसेप्याजपरछिलकेलहे नेत्रजोतकारवेत-स्वभाव चर्ककऋषीकृतवर्नप्रभाव जलअरुरुधिरदृष्टिआधार ताकोंवर्णौंविविधप्रकार प्रथमपटलजलते-जकेआश्रय पटलदूसरोमांससमाश्रय तीसरेमेदकेआश्रयमान चौथावर्णोविवुधसुजान अस्थीमांसमे-दजलतेज इनपांचोंकेआश्रयलेज अथअंडक्रमिणिका नेत्ररोगकेसत्तस्थान दृष्टीकृष्णश्वेतजोजान वर्त्म-पष्मसंधिजेजानो औरसमस्तहिनेत्रजुमानो ॥ चौपई ॥ द्वादशदृष्टीरोगविचार कृष्णभागमोचारनिहार श्वेतभागएकादशजानो संधीकेनवरोगपछनो नेत्रमार्गइकवीसकहीजै दोइपष्मनीजानसुलीजै सर्वनेत्र-सप्तादशजान रोगछिहत्तरऐसैमान अनुक्रमरोगनकीनवषान मनमोंधरेचतुरसुजान दृष्टिदोषकह्योलिंगनाश द्वादशभेदहिंजानप्रकाश ताकोवर्णौंविविधप्रकार समझलीजिएजीयमंझार वातजपित्तजकफलिंगनाश स न्निपातहेरक्तजतास लिंगनाशपरिम्लायनकहिये पित्तविदग्धदृष्टिहथलहिये तीजपटलमोताहिविचार कफ-विदग्धदृष्टिजुगसार धूमदर्शिन्हस्वजात्यकहीजै नकुलांधागंभीरसुलीजै ४ कृष्णमंडलकेचारोरोग सव्रण-शुक्रलिंगसंजोग अव्रणअजकाजातसुकहिये अक्षिपाकात्ययनामसुलहिये शुक्लभागकेयारहिमान प्रस्तार्य्य-मशुक्लार्मपछान रक्तार्मअधिमांसार्मकहीजै स्नाय्वर्मशुक्तिअरुअर्जुनलीजै पिष्टिकशिरासुजालवलास शिरापिंडिकाजानेतास वर्त्मरोगइकीसपछान उत्संगपिंडिकाकुंभिकामान पोथिकीवर्त्मशर्कराकहिये अर्शौवर्त्मशुक्लार्शसुलहिये अंजननामिकावहलसुवर्त्म वर्त्मबंधकःक्लिष्टसुवर्त्म वर्त्मकर्दमश्यामसुवर्त्म प्रक्लि-न्नवर्त्मअक्लिन्नजुवर्त्म वातहतवर्त्मअर्बुदवर्त्म शोणितार्शकुंचनविसवर्त्म लगननिमेष इकीसपछान चर्कऋ-षीमतकीनप्रमान पक्ष्मनीयकेदोइप्रकार पक्ष्मकोपपक्ष्मशांतिविचार संधिजरोगफुनग्रहपरीमान पूषाल-सउपनाहसुजान पित्तस्रावकफस्रावकहीजै सन्निपातरक्तस्रावलहीजै पर्वणीकअलजीसुविचार जंतुग्रंथितइहनवजुविकार समस्तनेत्रदशसातपछान वातकपैतिककफकरजान रक्तजअभिष्पंदइहचार वातपित्तकफरक्तविकार हताधिमंथइहपांचकहीजै सशोथअशोथअतिपाकलहीजै वातपर्य्यशुष्काका-क्षिविचार अन्यवातशिरोत्पात्तसुचार अम्लाध्युषिताशिरहर्षप्रमान समस्तचर्कमतकीनवषान ॥

॥ अथदृष्टिरोगपटलगतलक्षणनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ जोपहिलेपडदेमंझार होयरोगजोदृष्टविकार अव्यक्तरूपदेषैहैसोय धुंधरोगभाषैंसभको-य दूसरपरदेदोषप्रवेश विव्हलदृष्टहोयलषवेश मक्षिमस्कअरुजालकदेषे पताकामंडलाकिर्णसुपेषे ने कप्रकारचिन्हतिसभाशे नभवर्षाअंधकारप्रकाशें दूरस्थितजोवस्तुकहीजै अतिसमीप[illegible]हीजै अ रुसमीपइस्थितहैजोय ताकोदूरलषैहैसोय अत्यंतयत्नजवहोतहेजिसको सूचीवेध[illegible]-

॥ अथकाचलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जोत्रितीयपडदेमंझार दोषप्रवेशकरैसुविचार तववहपुरुषऊर्द्धकोदेषै नीचीदृष्टनाहि-वहपेषै वडीवस्तुजोदृष्टीआवै वस्तूसोंछादितदरशावै करणनासिकालोचनहीन असरूपहिदेषैलषली-न जोनेत्रपार्श्वदोषप्रगटावै निकटस्थिततिसदृष्टनआवै जोनेत्रनकेचारोओर दोषप्रवेशकरैवहुजोर

तौसवरूपसुग्याकुलदेषै आनभांतनहिमनऔरेषै जोमध्यदृष्टदोषप्रगटावै वडीवस्तुछोटीदरसावै टेढादोषदृष्टिमंझारे होवेएकसोदोयनिहारे जोनेत्रनकेदोअस्थान होयदोषइस्थितयोंजान एकरूपसोदोइपरकार अथवाबहुतप्रकारनिहार ॥

॥ अथनीलकाचलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ चौथेपरदेलोचनमांहि तिमरहिदोषहोतप्रगटांहि तवहीसकलदृष्टिरुकजावै रविविजलीससिअग्नीदरसावै रविविजलीअरुनक्षत्रदिखाही अवरकछूतिसदृष्टनआही वातजदोषनयनमंझार लालमलिनसोरूपनिहार अथवादेखेवहुतप्रकार वस्तूदेषतभ्रमतविचार पैतिकदोषनयनकेमाही रविविजलीषद्योतलषांहि इंद्रधनुंषपुनदेषैसोय पैतिजदोषचिन्हअसहोय अरुमयूरनचतेसोदेषै असवहुवरणनीलवहपेषै लोचनकफजदोषसंचारै जलपूरणसभठौरनिहारै स्वेतसनिग्धवगुलाआकार देषैऐसेंकीनउचार रक्तजरोगजुनेत्रप्रकाशै रक्तअरुअंधकारजुभासै हरितकृष्णपीतसभदेषै रक्तजदोषजानइहलेषै जोसन्निपातदोषप्रगटावै सोइविचित्ररूपदरसावै किसहुंदिशामोंरवीप्रकाशै षद्योतचमककिसहूंदिशभासै रविशसिविजलीद्विधाजोदेषै अथवाहुवतप्रकारसुपेषै हीनअंगअथवाबहुअंग वस्तुसकलतिसदेषेंभंग पित्तम्लायिनपारिमूर्छितजोय सूर्यतेजकरजानोसोय देषेपीतादिशरविउद्योत देषेसंयुतवृक्षषद्योत ऐसोरोगजासकोहोय लिंगनाशनामाहैसोय.

॥ अथलिंगनाशकरोगभेदवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ सोलिंगनासहैषटपरकार रागभेदकरकीनउचार वातजपित्तजकफजपछानो रक्तजअवरत्रिदोषजजानो परिम्लायिनजोषष्टाकहिये लिंगनासकेभेदसुलहिये जासनेत्रअतिलालदिषावै वातजालिंगनाशतिसगावै नीलपीत्तजिसचक्षूलहिये पित्तजालिंगनाशतिसकहिये स्वेतवरणजोनेत्रलर्षाजै कफजालिंगनाशसुकहीजै लोचनरक्तवरणजोलहिये रक्तजलिंगनाशसोकहिये विचित्रवरणसन्निपातपछानै लिंगनाशयोंपांचवषानै दृष्टीमंडललालीहोय स्थूललालकाचसमजोय परिम्लायिननीलपीतरंगजानेलिंगनाशषटरंगपछाने नेत्रदोषजवक्षयहोइजावै तवकछुताहिदृष्टिसोआवै मंडलाकारजोदेषनलागै वातजअरुणचपलसोजागै कांस्यनीलपीतरंगजान असमंडलपित्तजलषमान वहुसनिग्धशंखइवस्वेत् मंडलकफजलषोयहभेत कमलपत्रजलविंदूजैसे कफजाचिन्हजानोतुमतैसे आतपकालसंकुचितजुहोय छायामोंअतिछादितसोय नेत्रमर्दतेंकरेविस्तार कफजचिन्हतुमकरोविचार प्रवालकमलरंगजिसहोय रक्तजमंडलजानोसोय विचित्रवर्णजिसमंडलमाहि त्रिदोषजचिन्हलखोतुमताहि दृष्टिदोषप्रकार चौपईपित्तजदोषद[illegible]पीत पीतरूपसवदेषैमीत पित्तकरदग्धदृष्टिजिसहोय दोषतृतीयपटलमोंजोय दृष्टिआश्रि[illegible]इये तांकोरूपभिन्नलषलैयै पित्तदग्धइकदृष्टीजानो कफविदग्धहीदूसरमानो धूम[illegible] ह्रस्वजातनकुलांधहैदोय षष्टारोगगंभीरकाजान भिन्नभिन्नकररोगपछान अथपित्तविदग्धलक्षणं सोदिनमोकछुदेषतनाही पित्तघटैनिसमोदिषराहि.

॥ अथकफविदग्धलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दग्धदृष्टकफकरजिसकहिये स्वेतदृष्टिसितरूपसुलहिये प्रथमदूसरेपटलमोहोय दिनदेषैनेसकोंनाहिंसोय.

॥ अथधूमदर्शीलक्षणं ॥

चौपई शोकषेदज्वरसिरतप्ताय हतदृष्टीजोपुरुषकहाय सकलवस्तुधूमावृतजोय दीसतधूमदृष्टिहैसोय-

॥ अथह्रस्वजात्यलक्षणं

॥ चौपई ॥ निशिप्रसन्नशीतकरदृष्ट तिसकरपित्तरोगहोएनष्ट तातैंरात्रीरूपसुदेषे ह्रस्वजातिति-सनामसुलेषे सोनरलघुवस्तूजवदेषै वडेकष्टसौंतिसकोपेषै ॥ नकुलांधलक्षणं ॥ जिसकीदृष्टनकुलइ-वहोय रूपविचित्रदेषहैसोय नकुलांधदृष्टताहिकोत्र्याषै ग्रंथनिदानमतीज्यौंभाषै.

॥ अथगम्भीरलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ जाकीदृष्टसवातविकार अंतरकोसिमटीसुनिहार पीडाबहुतहोइतिसताई नामगंभी-राजाविधगाई इहजोलिंगनाशरुजजांनो दोप्रकारकारोगपछानो एकनिमित्तजहैलिंगनाश दूसरअ-निमित्तजलषतास जोसिरतापहुतैप्रगटावै सोऊनिमित्तजरोगकहावै गंधर्वऋषिसुरसर्पहिजोय इनहि तेजतैंप्रगटतहोय सोअनिमित्तजलिंगपछानो अवरभेदमतग्रंथवषानो महाभास्वरजोवस्तुनिहारे ता-सोंदृष्टघातकरडारे सोअनमित्तजजानप्रवीन जिहकरवस्तुसँपष्टनचीन अरुवैडूर्यमणीकीन्याई ता-सदृष्टसवभासतसांई उपद्रवकरउत्पन्नगंभीर रोगसोईवर्जोमतिधीर ऱ्हस्वजात्यैहसंज्ञकजोय उपद्रव-तैंजुअसाध्यहैसोय काचरोगसोइजाप्यपछांनो यत्नकरैसुखसाध्यसुमानो नकुलांधरोगभीतासमजान तिमरकष्टसाध्यपहचान नीलिकालालीनहिजिसहोय काचसाध्यतुमजानोसोय तिमररोगहैजाप्यसुजान वैद्यकग्रंथनकामतमान जेकरलालपटलगतहोय तौअसाध्यतुमजानोसोय इतिनेत्रगतपटलगतदृष्टदोष-निदानम् ॥

॥ अथनेत्रपटलगतदृष्टदोषउपाय ॥

अथवाततिमरउपाय ॥ चौपै ॥ स्निग्धनस्यजोअंजनमान सोधनतर्पणपुटपाकप्रमान वस्तिकर्मघृ-तपानकहीजै इनसौंवातजदोषहिछीजै ॥ चौपै ॥ प्रथमकरैदशमूलीक्वाथ घीउपकावैसमतिससाथ त्रिवीचूर्णलैंषावैसोय रेचकरावैतासोंजोय वादशमूलक्काथसोंमेल स्निग्धपानकरएरंडतेल ताहीसोंरेच नकरवावै वानसवारघृतअंजनपावै याविधऔषधकरअभ्यास वात्तजपटलतिमरकोनाश ॥ अथपि-त्तजपटलउपाय ॥ चौपै ॥ पित्तजमौंऐसैंलषमान रुधिरमोक्षरेचनघृतपान अरुशीतललेपनस्यसुखदाय त्रिफलाघृतभीहितलषपाय शीतलशेचनशीतलतर्पण शीतलरेचनजानविचक्षण मृदुअरुतिक्तवस्तुघृत-साधित पित्ततिमरसभहोवैनासन जीवनीयगणअरुत्रिफलाय तिसकरसाधितघृतजुव[illegible] सोघृतवैद्य-जुपानकरावै पाछेनाडीवेधवतावै स्निग्धवस्तुकररेचकराय पित्तजतिमरनासहोजाय [illegible]लो-ध्रउशीर चंदनपद्मसमलेवोवीर पीसवर्तिकानेत्रनपावो पित्तजपटलसुतिमरमिटावो ॥ [illegible]अथक[illegible] पटलउपाय ॥ चौपै ॥ कफजपटलजिसनेत्रलषावै तीक्षणअंजनलोचनपावै अरुतीक्षणलैवैनसवार कफजपटलमोंयहहितकार तीक्ष्णसोधनपुटपाकजुतीक्षण अरुतीक्षणतर्पणकरेविचक्षण इनकरकफ-जपटलहोएनाश वैद्यग्रंथमताकियोप्रकाश अरुवासांत्रिफलालेहुपटोल करैसिद्धघृतयहसमघोल सो-ऊघृतनितकीजैपान होवैकफजपटलकीहांन सुंठत्रिवीघृतगूत्रपकाय पीवैरेचनकरसुखपाय ॥ नस-

वार ॥ मरचमुलठविडंगसुरदार यहनसवारजानहितकार ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटात्रिफलाशंखपिसावै मन-
सिलताहींसंगरलावै वर्तिवनायकरेनरअंजन कफजतिमररुजहोवतभंजन ॥ लेपन ॥ चौपै ॥ रसौंत-
आमलेघृतमधुपीस लेपैवातपित्तरुजषीस ॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ यवपटोलचित्रेकोमूल त्रिफलालीजैसभसम-
तूल क्काथसघृतनिशिपीवेवास होयसमस्ततिमरकोनाश संसर्गकरोगअवरसान्निपात इनमेंअधिकजोरोग-
कहात जिसजिसकीजोक्रियाहैजेती तिसतिसकीसक्रियाकरतेती ॥ चूर्ण ॥ त्रिफलाचूर्णघृतमधुसौंसेवै ति-
मरसमस्तनाशकरदेवै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलायष्टीलोहसचूरन समपीसेमधुमौंकरपूरण याहिसदासेवै-
नरजोय नाशसमस्ततिमरतिसहोय ॥ अथत्रिफलाविलेह ॥ चौपई ॥ त्रिफलाचाटैतैलमिलाय वात-
जपटलतिमरामिटजाय त्रिफलाचूर्णमधूजुमिलाय चाटैकफजातिमरमिटजाय त्रिफलाचूरणघृतकेसंग-
चाटेतिमरपित्तरुजभंग ॥ अथात्रिफलाजलगुण ॥ चौपई ॥ त्रिफलेकोजलपीवैनित्य क्षीरशतावरषाय-
सुमित्त असेंसेवैवरषपर्यंत होयप्रकाशलखोवरतंत ॥ अन्यचगुण ॥ त्रिफलेरसजवअन्नपकावै संव-
त्सरघृतसंगसुखावै नेत्ररोगसभहोवेंनाश सुखउपजैवडिज्योतिप्रकाश ॥ अन्यच ॥ त्रिफलेक्काथसौंचक्षू-
धोवै नाशसमस्तनेत्ररुजहोवै ॥ अन्यचगुण ॥ त्रिफलाक्काथलोहकेपातर दिनसमस्ततिसवीचपायधर
सायंसंध्याघृतसुरलाय भोजनकेउपरंतपिलाय असेंपीवैमासप्रमान अंधविकारनासतवजान ॥ अन्य-
उपाय ॥ लोहपात्रमौंनितघृतपान सोभीनेत्रनकौंहितमान ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाघृतभीहैहितकार अै-
सेंनिश्चयनिजमनधार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ प्रातसमयजलमुखभरलीजें करूलीनिजकरऊपरकीजें सो-
जलनेत्रनमोनितपाय नित्यभ्यासकरतिमरमिटाय ॥ अथरेचनविधि ॥ चौपै ॥ प्रथमहिकीजैत्रिफलाक्का-
थ एरणतैलमिलावोसाथ गुगुलमधुसंगतासखवावै रेचनहोहितिमरमिटजावै ॥ अथअंजनं ॥ चौपै ॥
सुरमागेरीपत्रकपूर नागमुलठीकमलहिचूर यहसमअंजननेत्रनपावै तिमररोगसवनाशहिजावै ॥ अ-
न्यच मुलठआमलेसमकरल्याय तिसकरसाधितजलजुबनाय तिसजलस्नानकरेनरजोय पित्तजतिमर-
नासतवहोय अन्य वचादिऔषधीकठीलीजै तिसकरसाधितजलजुकरीजै तिसजलसाथकरेनरस्नान श्ले-
ष्मातिमरकीहोवैहान ॥ अन्यच कृष्णातिलौंसंगसाधितजलजो तिसकरस्नानकरेनरहितसो स्नानकियेवा-
तजरुजजाय वंगसैनमतदियोवताय ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाचवकगिलोयकोक्काथ घृतसिद्धकरेनरतिन्हके-
साथ सोघृतपानकरेनरजोय नाडीवेधकरावेसोय कफोत्थतिमरहोवैतवनास वंगसैनमतकियोप्रकास
॥ चौपै ॥ त्रिफलालोहचूर्णकोक्काथ हरडकर्षइकचूरनसाथ तीनकर्षघृतपायपिलावै पटलतिमररुजधुं-
दमिटावै भोजनऊपरमासइकपीय सप्तदिवसअंधालषलीय कंडूकाचपीडहोइनाश नेत्राविनारुजज्यो-
तिप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ सिक्कातीसभागजोलीजै गंधकभागपांचतहदीजै ताम्रचूर्णदोभाग-
मिलावो तालकभागदोयलषपावो वंगएकभागलषलीजै सुरमातीनभागतवकीजै अंधमूकजंत्रमौं-
भरै [illegible]सोधरै धवैताहिपक्कसोकरै पक्कजानलेवासनधरै नेत्रनिअंजनपावैसोय नाशातिमररो-
[illegible]नदूसरभास्करजान नेत्ररोगतमहरतपछान ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ मृतककृष्णसर्पइक-
आनै वृश्चिकचारइकत्तरठाने दुग्धकुंभमौंतिन्हकौंपाय दिनइकीसलगधरैवनाय वृश्चिकसर्पगलजावैजवै
रिडकानिकासैमाषनतवै सोमाषनकुरकुटहिंषवावै तिसकीविष्टाअंजनपावै अंधविकारपुरुषकोजाय अं-
धउपायकह्योजुसुनाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ फलनिर्मलीशंखाहिपुनठान त्रिकुटासेंधासितामिलान समुद्रफे-
नमनासिलाविडंग मधुरसौंतकीजैइकसंग कुर्कुटअंडकपालमिलाय यहसभलीजैइकसमभाय पीसेनेत्रहि

अंजनपावे वर्टीवनायनेत्रदुखजावे तिमरकाचफोलामिटजाय अंधविकाररुजनांहिरहाय कंडूक्लेदअर-अर्वुदनासे अर्मअवरमलनेत्रविनासे ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ समुद्रफेनमघइकइकशाण अर्धशाणमरचांति-हजान सुरमाशाणएकगहिलिजै अर्धशाणसेंधाधरदीजै नक्षत्रजुचित्राकेमंझार कांजिकेसंगपीससुधार ताकोअंजनपावैजोय काचकंडुरुजतिमरहिंषोय कफजरोगनाशहोजावै नेत्रशुद्धहोवैसुखपावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ कृष्णसर्पकीवसामंगावै धात्रीरसमधुसंगमिलावै अंजानपावेनेत्रनसोय काचअर्वुदना-शतवहोय सर्वरोगनेत्रनकोजाय वंगशेनमनदियोवताय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ मुक्ताकाचअगरकरपूर मर-चकणासेंधातिहचूर एलाप्रवालसुंठकंकोल कांसीसिकारजनीघोल शिलाशंखअभ्रकतुत्थडाल हलदी-कुरकुटअंडकपाल मालतीपुष्परसोंतमिलावै करंजुनिंवसुरमासंगपावैं रजितमुलठीकेसरलीज रोहिष-पित्तलनिंवसुवीज नगौरीमुत्थरताम्रकोचूरण इकइकमासाभरलेपूरण खरलकैमधुसाथमिलाय अंजनपा-वैताहिवनाय ॥ सर्वरोगनेत्रनकेनासे सुंदरनिर्मलदृष्टिप्रकाशे ॥ अथशिक्षा ॥ थकितानरभयभीतजुहोय रोद-नमद्यपानकरजोय ज्वरनवीनाजिसकेतनहोई अथवाविगरोकहैजोई उष्णाकालवहुव्यापेजवै अंजनहित-नहिजानोतवै इनकालनअंजनहितनाहि भावप्रकाशकहितविधताहि फटिकमलहिज्योंराषउतारे सुवर्णम-णीमलजलहिनिवारे तैसेमलजोनेत्रमंझार अंजनदूरकरतमतधार अंजनकरिपुननेत्रजुधोय दोषटरेनहिव-लहरसोय पिंडीतवृक्षजढमधुहिमिलाय नेत्रहिपायदोषमिटजाय सुपक्कपटलकोशोधनकरै इहविधग्रंथ-कारमतधरै दिनमोअंजननहिहितकार रेचतेदुर्वलदृष्टिजोसार सूर्य्यतेजकरपीडतहोय सायंअंजनपावेसोय निसिमोअंजनकर्षतदृष्टि सौम्यगुणनतेंकरेजुपुष्टि सदैवकालअंजनहितकार व्याधिहरननिर्मलल षसार

॥ अथचंद्रोदयवर्तिका ॥

॥ चौपई ॥ हरडवरचकुठमघांमगाय मरचवहेडेगिरीमिलाय शंखनाभिमनसिलसमलीजै गावदुग्ध-सोंखरलसुकीजै यहकरअंजननेत्रनडार अथवावर्तिवनायसुधार कंडूतिमरपटलहोइनाश अर्वुदअधिक मांसहरतास मासपर्यंतसेवेनरजोय नामचंद्रोदयवर्तीसोय दोयवर्षकोफोलाजावै राव्यंधहरेवहिदृष्टिव-धावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडहरिद्रामघांपिसाय सिंधुलवणयहइकसमभाय अंजनपावैतिमरनसावै कंडुनेत्रमोंनाहिरहावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलाकुरकुटअंडकपाल काहीअरुलोहेरजडाल नीलो-त्पलअरुवायविडंग समुद्रफेनसभसमकरसंग अजादुग्धदिनसातप्रमान ताम्रपात्रमोंघसैसुजान अजा-दुग्धसोंनेत्रमंझार पावैअंधतिमरकोटार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ शंखचूर्णभागलेचार दोयभागमनसिल-तिहडार एकभागमरचतिहकीजै अर्धभागपिपलीधरदीजै जलसोंपीसैनेत्रनपावै तिमररोगकोनाश-करावै जोपावेदधिमंडकेसंग अर्वुदरोगहोय तिसभंग जोयहमधुसोंअंजनपावै पिच्चटरोगनाशहोइजा-वै इस्त्रीपयसंगपावैतास होजावैअर्जनरुजनाश ॥ अन्यच ॥ अथदृष्टिप्रदावर्ती [illegible] ॥ लाक्ष-निर्मलीचंदनआन मरचमुलठीउत्पलठान रसोंतआमलेमनसिलपावै गिरीवहेडेसिता[illegible]लती-पुष्पविडंग एलानीलाथोथासंग शंखनाभियहसमपीसाय नेत्रनमोंसोअंजनपाय सवनेत्रकेरोग[illegible]श निश्चयकीजैमनमोंतास ॥ अन्यच ॥ अथकुस्मावतीवर्ती ॥ अलसीतिलकेफूलमंगावै साठमघांकेदाणे-पावै जातीपुष्पपचासमिलाय षोडशमरचसुपीसरलाय यहऔषधजोनेत्रनपावै गयेहूयेनेत्रफिरआवैं ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ चंदनपूगीफलत्रिफलाय पलासगूंदसभहीसमभाय जलसंगपीसेपावैसोय सर्वप्रकारतिमरहतहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सेंधायष्टिअरुत्रिफलाय प्रपुंडरीकरसोंतमिलाय नीलाथो-

थालोध्रविडंग त्रिकुटाताम्रचूर्णधरसंग सभसमपीसैनभजलसंग पावैतिमरपटलहोएभंग नागार्जुनय-हकीनबषान लोकनकोहितमनमोंश्रान दुखणेश्रायेनेत्रहिंजोय नारीपयसोंपावैसोय फोलालालीनेत्र-लषावै केसूकेरससोंवहपावै श्रल्पदिननकोतिमरीहोय लोधरकेसंगपावैसोय वहुलालीरुजनेत्रमंझार-वस्तमूत्रकेसंगसुडार.

॥ श्रथकाचरोगउपाय ॥

चौपइ मघाजुमासेचारमंगावै समुद्रफेनसमताहिरलावै दोमासेभरमर्चसुलीजे सेंधामर्चसमानधरीजे सितसुरमानवटंकमिलाय श्रंजनकरशुभनेत्रनपाय काचरोगसबहोवैदूर ग्रंथकारमतकह्योसुपूर श्रन्यच मेषशृंगीसुरमाशंखहिचूर श्रंजनकरैकाचमलदूर श्रन्यच मनसिलसेंधालूणमंगावै कासीसशंखत्रिकु-टाफुनपावै रसौंतमधूसंगश्रंजनकरै श्रर्मकाचशुक्रतिमरहिटरै श्रन्यच काचरोगमोजानप्रमान जलौका-रुधिरनिवारनजान जाहिक्रियापूर्वोक्तभनीजै सोसबहितवरयामोलीजे ॥ श्रन्यच ॥ चौपई ॥ यष्टीगे-रीश्ररकर्पूर नीलोत्पलसुरमासंगचूर गजकेसरसंगपीसमिलावै सभहीसमश्रंजनसोपावै तिमरसर्वको-होवैनाश निश्चयकीजेमनमोतास ॥ श्रन्यच ॥ चौपइ ॥ कृष्णसर्पकेमुखमंझारै विषसुरमादोऊसंगडारै श्रसउपरोमुखवांधेतास धूमननिकसनपावैजास श्रग्निलगायदग्धसोकरै पीसताहिश्रंजनकरधरै नल-दपत्रामिलायसोपावै फूटयोनेत्रहिशुद्धलषावै तिमररोगाकिसलेखेमांहि निश्चयकीजेसंशयनाहि श्रन्यच ॥ चौपइ ॥ पारागंधकयहसमलीजे चांगेरीरसमूर्छितकीजै नेत्रनमोपुनपावैतास सर्वरोगनेत्रनकोनाश ॥ श्रन्यउपाय ॥ चौपइ ॥ त्रिफलाभंगरासुंठापिसावै मधुघृतक्षीरगोमूत्रामिलावै सप्तवारइनवस्तूसंग सिक्रावुझावैहोयनिसंग सलाकाकरसोनेत्रनठान नेत्रहोंहितिसगरुडसमान ॥ श्रथनसवार ॥ चौपइ ॥ श्राद्रकभंगराश्रवरमुलठी पीसतैलमोकरैइकठी ताहूकीलेवैनसवार रोगपटलगतदूरविचार

॥ श्रथकफजलिंगनाशनेत्ररोगेनाडिवेधप्रकारनिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ रूपलषणकीमनीजुनैन ताकोलिंगनामकहवैन तिहविनासजानमनधार लिंगनाशतिहनामविचार सर्वलिंगयोजानप्रवीन नाडीवेधकफजतिहचीन वातापित्तरक्तजसन्नपात इनमोवर्जतिहवेधकहात मर्दनतेंपु-त्तलीनहिजानेविस्तारतहो मोतिविंदप्रमाने श्रैसेलिंगनासमोंजान नेत्रवेधनहिहितसिमान ॥ चौपै ॥ त्रिफ-लादीशुभघृतजोकहै पटोलादीघृतजानसोलहै सोघृतपानकरावैजवही लिंगनाशकफवेधेतबही क्लेश-रहितथानशुभहोय उतानशैनकरसोवैसोय ऊर्धगमननहिकरैततकाल स्थिरकररहेश्रवरचितचाल लिंगनाश-ककराजिसकोहोय नाडीविधकरावैसोय लिंगनाशरोगमिटजावै ताहूकीविधश्रैसेंगावै चतुरवैद्यकोहैश्रधि-कार नांहिकरै[illegible]खंगवार काहेशस्त्रकृयायहजान इसकीविधिहैकठनमहान वर्षडन्नीसउरैनहीकीजै-श्ररसीव[illegible]ोजै शलाकासाथवेधिएजवै छिद्रस्तनपयसिंचेतवै उज्जलदृष्टप्रगटहोइतास शलाका-श[illegible]ुन[illegible] घृतभिगोयपुनवस्त्रमंगावै तासनेत्रपरपटीवंधावै ऊचोंवोलनश्रवरजुक्रोध शोकसर-दिश्ररश्रातपवोध प्रवातसेवश्ररुसीतस्थान तिसवैठनविशेषनहिमान छिक्कथूकणाकासडिकार कंपन-त्यागैसभहिविचार तीनदिनाविधऐसीलेवै क्राथवातहरश्रौषधदेवै श्रैसेंदसादिनवीतेजान लघूश्रन्नखा-वैहितमान श्ररुइस्त्रीकोंसैवैनाहीं पथ्यधरैकेतकदिनमाहीं क्षयश्ररुकासश्वासजिसहोय तासकृयायहक-रैनकोय नेत्रपीडकरणदुखजास वैद्यकरैनकृयायहतास गर्भणिइस्त्रीभीरूजान ज्वरीवियिक्षिणिपहिचान-

क्षीणतनतृष्णायुक्तजुहोय मद्यपानकरेनरजोय भोजनजिसकीनाततकाल ज्वरजीर्णक्षयशोषानिहाल इत-न्योकीयहक्रयानकीजै इन्हमोइस्थिरतानलहीजै ऐसीक्रयाजासकीकरै ताकोंपथ्यभलीविधधरै करैअप-थ्यवहुउठैंविकार ऐसेंमनमोंसमुझाविचार रोगशोथअरुअर्वुदपीड वुदवुदकरक्षतहैतनपीड पथ्यकरेन-हियतनकराय अधिमंथादिरोगउपजाय पुनघृतदुग्धदूर्वारसलीजै जवगेरीसारिवाइकसमकीजै इन्हको-मुखपरलेपनकरै पीडरोगशांतिसुखधरै पुनउज्जलदृष्टिहेतलषलीजै अंजनश्रेष्टहिनयनमोकीजै तिलस-र्षपविजोरेरसपीस लेपकरैपीडारुजषीस ॥ अन्यच ॥ हरडसारिवातजपत्रजुलीजै मजीठमुलठ-इकत्तरकीजै अजादुग्धसोंलेपैसोय पीडारोगनासतवहोय अथपटलाकर्षणअंजन ॥ चौपई ॥ मेष-शृंगिअवरपुष्पलेधावै सरीहमालतीकुस्मरलावै वैडूर्यमणीमुक्ताअरुआन ताम्रपात्रपयअजामिलान घसै-सातादिनअंजनपावै उज्जलदृष्टिहोयदरशावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुरमाविद्रुममनछलआनै मरच-समुद्रफेनसमठानै पीसनेत्रमोअंजनपावै गृध्रदृष्टिसमदृष्टिलषावै ॥ अन्यच ॥ जलसोंपीकोसमासरसपावै उज्जलदृष्टतासकीगावै अथवर्तिका ॥ चौपई ॥ हरतालआढकीकोलेमूल मरचरसोंतकरोसमतूल ज-लसोंपीसगुडसंगमिलावै वटीवनायनेत्रमोंपावै उज्जलदृष्टहोयहैतास नेत्रनमोवहुहोयप्रकाश अथक-निष्टत्रिफलादिघृतं ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटासेंधालीजै इन्हसभसोंपकायघृतपीजै यहघृतनेत्र-नकोंहितकार ऐसेंमनमोंनिश्चयधार भेदनरुचिअरदीपनजान अरुकफनासनसोघृतमान अथमध्यम-त्रिफलादिघृत ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाद्राक्ष्याआन कौडसुंठीअरुचंदनठान प्रपुंडरीक-विडंगलघुएला गजकेसरनीलोत्पलमेला सारिवादोदोरजनीपाय कर्षकर्षयहसभसमभाय औष-धीसभसमदूधमलीजै पात्रपायधरअग्नीदीजै त्रिफलारससंगत्रिगुणमिलावै प्रस्थपायघृतताहिपकावै षायत्रिदोषजातिमरविनाशै नेत्रश्रावफुनकामलानाशै अर्वुदकाचपटलअरुखाज पीडशोथकाहैशुभलाज अवरभीचक्षूरोगाविनाश उज्जलदृष्टिनेत्रपरगास अथमहात्रिफलादिघृत ॥ चौपई ॥ त्रिफलारसइक प्रस्थकरीजै प्रस्थभांगुरारससंगदीजै वासाअरुशातावरीरसजो प्रस्थप्रस्थयहजानलहोसो धात्रीफलरसरसजु गिलोय यहभीप्रस्थप्रस्थलषदोय अजाक्षीरपुनघृतहीआन प्रस्थप्रस्थयहकरोमिलान मंदअग्निसोंताहिपकावै-पुनकर्षकर्षयहचूर्णपावै द्राक्ष्याकणासितात्रिफलाय नीलोत्पलजुमुलठीपाय काकोलीमधुपर्णीजोय कं-ड्यारीपुनपावैसोय पुनसोघृतयहपायपकावै भोजनआदिअंतमधखावै नेत्ररोगहोवैसभनाश नेत्रश्रावअं-धरात्रिविनाश रक्तनेत्रकाचपुनजावै तिमरनीलकापटलनसावै अर्वुदअरुअभिष्यंदनिवारै अरुदधिमंथपक्ष्म रुजटारै वातपित्तकफरोगनसावै दृष्टिमंददृष्टिरुजजावै कंडुरुजकोंकरेयहचूर यातेंएतेरुजहोइदूर होवेगृध्रदृष्ट समदृष्ट अग्निवेधसुवरणयथेष्ट अथपटोलादिघृत चौपै पटोलकौडनिंवअरुवासा दालहलदत्रिफलासंगतासा-त्रायंतीपर्पटलेहुजुवांहां मधांकिरायतकौटजताहां चंदनउत्पलमुत्थूमुलठ मृणालकमलजढकरोइकट-यहसभकर्षकर्षप्रमान प्रस्थदोयघृततामोंठान प्रस्थआमलेरसजुमिलावै दोप्रस्थ[illegible]हीपावै-प्रस्थभंगरारसदेसाथ प्रस्थदेवदारूकोक्वाथ मंदाग्निपकायकरेसोपान शिररुजनेत्रदोषकीहान[illegible] टलव्रणनाश अंधराताफोलाकाचविनास कंडूपक्ष्मशोथमिटजावै अदृष्टमंददृष्टीनरहावै पित्तअर्मरक्ता-जीहरै दृष्टिरोगअरतिमरहिटरै दूरतिमरकोहोवैनास वलअरुवर्णकरैपरकास दृष्टीपुष्टकरेघृतसोय विदे-हराजमतऐसाहोय अथरासनादिघृत चौपई रासनात्रिफलाअरुदशमूल जीवनीगणचूरणसमतूल याहि-क्वाथमोंघीउपकावै पावैतिमररोगमिटजावै ॥ अथविभीतकघृत ॥ चौपई ॥ वहेडेहरडआमलेआनै प-

टोलनिंबवांसातिहठान क्राथकेरघृतसाथपकावै लेनसवारतिमरमिटजावै ॥ अथत्रिफलातैल ॥ चौपै ॥ त्रिफलालोध्रउशीरप्रियंगु इन्हसोंतैलपकायनिसंगु ताहुकीलेवैनसवार कफजहितिमरनेत्रदुखटार ॥ अथगोमयतैल ॥ चौपै ॥ गोवररससोंतैलपकावै लेनसवारापिततिमरनसावै ॥ अथभृंगराजतैल ॥ चौपै ॥ प्रस्थएकभंगरारसलीजै कुडवतैलतासंगमिलीजै पलमुलठसंगपायपकाय लेनसवारइकमासलगाय तिमररोगकाहोवेनास कृष्णकेशहोजावेतास ॥ अथनीलोत्पलतैल ॥ चौपै ॥ नीलोत्पलनागरकणामुलठी अंशुमतीकरद्राक्षइकठी वरचकाहीपुंडरीकमिलावै कंड्यारीरसकरताहिरलावै रास्नामहुमजीठसुपाय प्रिश्रालश्रानकरताहिरलाय वलाऋषभधात्रीफललोधर कर्षकर्षसभकरोइकत्तर प्रस्थएकसंगतैलमिलाय प्रस्थचारपयपायपकाय ताहूकीपुनलेनसवार तिमरकाचअंधराताटार अर्जनपटलनीलकाजावै वधिरताऔरुविरश्रावामिटावै अर्मकंडूहणुग्रहहोएनाश दंतचालरुजहोयविनाश नासामुखतैपूयजोश्रावै यानसवारहिंसोंनरहावै गलगंडकरणनेत्रकोशूल दंतकंठशिरदुखनिरमूल जिव्हारोगपुनहोवेनाश इत्यादिकसभरोगविनाश याहितैलशिरमालिशकरै मुखअरुनेत्ररोगसभटरै ॥ अथनृपवल्लभतैल ॥ जीवकऋषभमेदविडंग अंशुमतीद्राक्ष्यधरसंग दोइकंड्यारीवलामुलठी मंजीठिशरकराकरोइकठी रासनानीलोत्पलसंगदीजै गोषरुपुनपुंडरीकरलीजै लवणमघांपुनर्नवापाय यहसभकर्षकर्षसमभाय प्रस्थतैलपयप्रस्थजुचार पकायसोषावैलेनसवार तिमरकाचअंधराताजावै अर्बुदचक्षूरुजनरहावे स्वेतलिंगनीलिकाजाय मुखनासादुर्गंधमिटाय अकालपलितहनुशंखनिवारै पाकात्ययदुखनेत्रविडारै स्कंधपीडवाहूग्रहजाय शिरस्तंभगदजत्रुमिटाय ॥ इति ॥

॥ अथरात्रांधनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ किंजल्ककरंजूउत्पलआने चंदनगेरीसमकरठाने गोवररससोंतिन्हैपिसावै नेत्रपायअंधराताजावै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ रसोंतअवरदोइरजनीआन पत्रनिंवकेमालतीठान गोवररससंगपीसजुपावै नेत्रनतैंअंधराताजावै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ जातिपत्ररसरजीवनीपाय अरुरसोंतमधुसाथपिसाय सोअंजनकरनेत्रोडारै अंधरातारोगसुदूरनिवारै ॥ अन्यच ॥ दधिसोंमरचांघसकरपावै नेत्रनतैंअंधराताजावै ॥ अन्यच ॥ गोवररसमवपीसजुपाय नेत्रनतैंअंधराताजाय ॥ अन्यच ॥ वकरेकिजुकलेजिमंझार मरचपकायसूक्ष्मकरडार ततक्षिणहोइअंधरातानाश लोचनकीहोएजोतिप्रकाश ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटामधुसोंपीसजुपावै नेत्रनतैंअंधराताजावै ॥ अन्यच ॥ गोधाकाजुकलेजाचीर तामोंमघांधरैसुनवीर अग्निपकायसुअंजनपावै ततक्षिणरुजअंधराताजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ नीलोत्पलकोकेसरआन गेरीयहसमपीसेस्यान गोवररसगुटकाकरधरै पुन[illegible]रै रात्रांधअवरदिनअंधविकार यहअंजनइन्हमोंहितकार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ रसोंतशंखअवरात्रिकुटाय यहसभहीलीजैंइकभाय दोयरजनीअरुमनछललीजै अरुचंदनसभइकसमकीजै गोवररसगुटकावंधवाय घसकरपुनसोनेत्रहिपाय दिनांधरात्रिअंधरुजनाश नेत्रनमोंहोइअधिकप्रकाश ॥ अन्यच ॥ सोनासुरमाघृतहिरलावै महीनपीसकरअंजनपावै दिनांधअवरअंधराताजाययहउपायभीकह्योसुनाय ॥ अथदृष्टउपाय ॥ चौपई ॥ गेरीअरूलेपत्रतालीस पुनरसोंतसभहीसमपीस घृतमधुगोवररससंगतास षरलकरैयोंकीनप्रकाश पितकरहोयदृष्टिहतजास यहअंजनपावैदृष्टि-

प्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लोध्रमुलठिकाइमरीफूल रसोंतहिदार्वीसुरमातूल लेसमपीसेंमधूमिलावै नेत्रनमोंयहअंजनपावै पित्तजदृष्टीव्याधीनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश इतिअंधरातादृष्टदोषचिकित्सा

॥ अथकृष्णतारागतनेत्ररोगवर्णनम् ॥

अथसव्रणलक्षणं ॥ चौपई ॥ कालीधीरीनेत्रमंझार सूचीवेधपीडसंचार रूपनदेषसकैनरसोय अश्रुश्रवैतहांव्रणभीहोय याकोनामशुक्रकहिगायो जैसेग्रंथनिदानवतायो सव्रणसाध्यासाध्यलक्षणं दृष्टसमीपशुक्रजोहोय वडोनहोवहुश्रवैनसोय वहुपीडानाहिहोवैतिसमाहि यहकदाचसिद्धहोयाकिनाहि शुक्रनामफोलेकोकहै जगतप्रसिद्धसभीजनलहै अव्रणलक्षणं कुंदइंदुशंखइवस्वेत धीरीमिध्यलखोजहभेत अव्रणअचिरहिपतलाहोय हैसुखसाध्यजुफोलासोय जोगंभीरवडोआकार चिरकोहिकष्टसाध्यविचार ॥ असाध्यलक्षणं ॥ छिन्नमध्यतैंफोलाजोय आवृतलालमांसकरहोय सूक्ष्मनसतहकरैसंचारी सोयअदुष्टकरैनरनारी जोदोपरदेमोगतलहियें गिरदातासलाललषपैये अरुचिरकरजोइस्थिरहोय करे नतासचिकित्साकोय जोफोलाहोइमुंगप्रमान नेत्रनिमग्नहोययोंजान पिटकाहोयनेत्रविचजास उष्णअश्रुश्रवैनिततास औसोशुक्ररोगजोलहिये ताहूकोजुअसाध्यलषैये जोतीतरपक्षहोयआकार नेत्रनमोंअसहोयविकार सोयअसाध्यरोगलषलीजै कह्योनिदानग्रंथसुपतीजै ॥ अथअक्षिपाकात्तयलक्षणं ॥ मंडलश्यामजुनयनमंझार सोछादितहोइजावैसार पाकातयातिहनामकहाय ग्रंथकारमतदियोवताय सोयअसाध्यरोगपहिचानो अवरभेदमननाहिनआनो अजकाजातलक्षणं अजमैंगणवतफोलाहोय लालरंगअथवासितसोय मंडलकृष्णजुछादहिलेवै अश्रुलालबहुपीडादेवै अजकाजातनामइसकहिये ग्रंथदेषमतसवलषलहिये शिरअक्षिकर्णभ्रूमध्यसुजान कपोलशंखवर्त्मइनथान अजिकारूपजवप्रापतहोय आक्षिनासतवकरहैसोय नासामेहोयअजकारूप ताकोमध्यमजानोभूप नेत्राहिअश्रुपातकररोकैं ग्रंथकारमतऐसेरोपें नेत्रदाहफुनक्लेदनजोय अजिकामेंयहपैदाहोय जवावदेयजतनतिहकरै असाध्यरोगमननिश्चयधरै ॥ इतिकृष्णतारागतरोगनिदानसमाप्तं ॥

॥ अथकृष्णतारागतनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ याहिरोगकोंफोलाकहिये तासचिकित्साऔसेंलहिये फोलासाध्यजुवैद्यपछानै ताकीसोऊचिकित्साठानै जाकोंसमझैअहैअसाध्य ताकोंत्यागैअसलषव्याध्य.

॥ अथसर्वसामान्यउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रुधिरमोक्षलेपननसवार अंजनघरषणपुटपाकविचार आश्चोतन [illegible]जाने वंगशेनमतसत्यपछाने यहसभपरसामान्यउपाय आगेंऔषदकहोंसुनाय ॥ क्वाथ [illegible] ॥ पत्रकपिथ्यानिंवआमलेलेय लोध्रमुलठषदरतिलदेय इन्हहूंसभकोकीजैक्वाथ शीतलकरचक्षुधोतिस[illegible] अरुसोक्वाथनेत्रमोंडार फोलानाशेसर्वप्रकार ॥ अन्यउपाय ॥ पलासवीजमरुआरससंग घसपावेहोइफोलाभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लांगलिधात्रीफलअरुक्यार मरुवेरसघसअंजनडार फोलेकोंसोकरहैनाश निश्चयकीजैमनमोंतास ॥ अथधूप ॥ चौपई ॥ सैंधाअरुकंडचारीमूल ताम्रचूर्णसठीसमतूल ताम्रपात्रधात्रीरससंग घसधूपैलेपैरुजभंग ॥ अथवर्तिका ॥ चौपई ॥ समुद्रफेनशंखपुनलीज सेंधा-

अरुसुहांजणेवीज यहसममधुसेंवटीवनावे नेत्रधरैफोलाकटजावै फोलाकाटनयहयोंजान शस्त्रन्यायियह- औषदमान ॥ अन्यच ॥ कपूरचूर्णवटक्षीरामिलाय अंजनपावैफोलाजाय लघुअरुदीरघफोलाजोय या- तैंशीघ्रमिटैलषसोय ॥ अथघर्षण ॥ चौपई ॥ सरीहवीजसेंधानिंवपत्तर मघांसभीसमकरोइकत्तर इन्ह- कोपीसनेत्रमोंपाय करघर्षणफोलामिटजाय ॥ अथवर्तिका ॥ चौपई ॥ मरचफटकीमनाशिलामुल ठ गोदंतहिचंदनकरोइकठ शंखलवणातिसमाहिरलाय महीनपीसकरवस्त्रछनाय रससुहांजणेपीसिसोय- वटीवांधनेत्रहिधरजोय फोलानाशकरेज्योजान ग्रंथमध्ययोंकीनबखान ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ मघा समुद्रफैनसेंधाजो कांसपात्रमधुसाथघसेसों अंजनपावैंफोलाजाय यहउपायपुनकह्योसुनाय अन्यवटी. ॥ चौंपई ॥ फेनकुटनटहरडन्हीवेर इन्हसमकोंपीसेहितहेर पुनधात्रीफलकीजैंक्वाथ वटिवनावैंता- केसाथ नेत्रानमोंसोवटीधरावे फोलानेत्रानतैंभगजावे अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाचंदन आन मंजिष्टसुंठीरजनीठान प्रियंगुसारवाअवरअनंता यहसमचूर्णकरहरिसंता मधुसेंधाघृतसंगमिलीजै पुनपुटपाकतासकोकीजै ताकोंनेत्रहपावैंजोय फोलातासनाशतवहोय

॥ अथव्रणजफोलाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ व्रणतैंफोलाजाकोंपरै ताउपायपाछैंकह्योकरै षडंगक्वाथहीगुगुलआष्यो पीछेनेत्ररो- गमोंभाष्यो ताकोपीवैनेत्रनपावै फोलाव्रणजनासहोइजावै ॥

॥ अथरक्तजफोलाउपाय ॥

॥ चौपै ॥ रक्तजफोलाहोवेजास जलौकारक्तमोक्षहिततास ॥ अन्यरक्तउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिवीस- सेंधाकीजैक्वाथ पकावेतीनवारघृतसाथ सोघृतनितप्रतिकीजैपान शिरकीनाडिटुकायसुजान पुनदा- लहलदउत्पलजुमुलठ नतानलदकरलाक्षइकठ प्रपुंडरीकसभलेसमठान नारीपयसोंकरोपकान सो- आश्चोतननेत्रकरावैं सदाहरक्तफोलामिटजावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौंपई ॥ रजितनिरमलीशंखपिसाय- चूर्णरजनीतिंदुकपाय कांसीपात्रपयनारीसंग घसपावैरक्तजफोलाभंग ॥ अथदंतवर्ती ॥ चौपई ॥ दं- तवराहअश्वषरआन हस्तीपुनअरुउष्टरठान मोतीशंखसुमुद्रकीफेन सभसमकरोइकत्रमिलेन भागचतुर्थजुमर्चमिलाय जलसोंघरलेनेत्रहिपाय तिमरकाचअर्वुदव्रणनाशै फोलाजायदृगज्योतिप्रकाशै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ ताम्रतुत्थकांजीजुघसावै श्यामवरणहोइनेत्रहिपावै सर्वनेत्ररोगहोइनास शिरपी- डाभीरहैनतास ॥ अन्यउपाय चौपई ॥ गोकेगोवरकेक्रमसात पीतवरणकेसुनयहवात मधुसोंपीसहिअं- जनपावै फोलारोगनाशहोइजावै ॥ अंजन चौपई ॥ लीजैकुरकुटअंडकपाल शंखकच्चचंदनसमडाल सेंधामात्राअर्धरछ [illegible] पीसैपावैफोलाहान ॥ अन्यच चौपई ॥ शंखरसोंतलाक्षमरचान मनछिलसमुद्रफे- नअजवान [illegible]र्णभीसंगमिलावै मधुसेंपीसेनयनमोंपावै होवैफोलेरुजकोनाश शुद्धदृष्टहोयनयनप्रकाश ॥ वर्तिका चौपई ॥ फडकडोंसखरस्वेतमरचान मनछलकुंकमरसोंतहिठान षंडपीससमवटीवनावे नेत्रपा- यतवफोलाजावै कंडूअर्वुदतिमरविनाशै नेत्रनमोवहुज्योतिप्रकाशै ॥ इतिचंद्रोदयवर्तिका ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णमुलठीमघत्रिफलाय यहसभलीजैइकसमभाय चूर्णमधुघृतसाथमिलावै षावैफोलारोगनसावै अथ- चूर्णांजनं॥ चौपई ॥शंखभागचारजोलीजै मनछलतातैंअर्धरलीजै तातेंअर्धजुमरचमिलाय तिसतेंअर्धजुसें- धापाय यहचूर्णसूक्ष्मकरचक्षुपावै शुक्रआदिसभरोगनसावै चूर्णमधुकेसंगजुखावै पिच्चटरोगदूरहोइजावै

चूर्णपावैकांजीसंग अर्बुदनेत्ररोगहोयभंग ॥ अथपटोलघृत ॥ चौपै ॥ पटोलकौडनिंबत्रिफलाय दालहलदअरुवांसापाय त्रायंतीपर्पटअवरजवांहां यहपलपलमेलोपुनतांहां आमलेकाथप्रस्थइकठान द्रोणहिजलमोकरोमिलान मंदअग्निसोंताहिपकावै पादशेषप्रस्थघृतपावै अवरताहुमेचूरनठाने किरायताकोगडमुथ्पछाने यष्टीचंदनमघामिलावे लेसमकर्षकर्षइकपावे पीसरलायपकावैतास आंजैषावैरुजहिविनाश नासाकरणमुखरुजहोंहिदूर त्वचारोगव्रणज्वरहोएचूर गंडमालरुजकामलटारै असोगुणघृतकोमनधारै ॥ अथद्राक्ष्याघृत ॥ चौपई ॥ द्राक्ष्याचंदनदोइकाकोली जीरासिताशतावरीघोली मेदमुलठमंजीठामिलाय उत्पलप्रपुंडरीकरलाय कर्षकर्षसभवस्तुप्रमान पुरातनघृततिहप्रस्थमिलान यहसभघृतसमतासामिलावै दुग्धसभनसमपायपकावै षावैफोलातिमरनसाय शिरकीपीडनाशहोइजाय रक्तराजिरुजहोवैनास वंगसेनमतकीनप्रकास ॥ अथकृष्णातैल ॥ चौपई ॥ मघांमुलठसुंठाविडंग सेंधातैलकरोइकसंग अजादुग्धमोंसिद्धकरीजै तानसवारनित्यउठलीजै फोलादिकनेत्ररोगकोनाश शिरपीडनशैलखलीजोतास ॥ अथक्षतजफोलाउपाय ॥ चौपई ॥ क्ष्यतकरफोलाउपजैजोय अजकाजातपाकात्ययहोय ग्रंथकारमतलीजैसोय विनांरक्तनहिंहोवतजोय तातेंरुधिरजलौकनसंग निकसावैफोलाहोइभंग ॥ अन्यचसमस्तफोलाउपाय ॥ अन्यज ॥ चौपई ॥ जलकोसीपअंगारपकावै तारसमोंकरपूरमिलावै नेत्रवीचहिपावैतास होजावैफोलारुजनाश ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ प्रस्थसहेकेमासकाक्वाथ प्रस्थमिलावोघृततिससाथ प्रस्थदुग्धतिंहपायपकावै कर्षकर्षयहऔषधपावै सारवालाक्ष्यवलासुमुलठ भेहअतिवलालोध्रइकठ जीवनीगणतजपत्रमिलाय चंदननीलोत्पलतिहपाय महुराशुद्धसुपीसमिलावे प्रमानसहितसभवस्तरलावै घृतमोंपायपकाबेतास नेत्रनपावैषावैजास अरुलेवैतिसकीनसवार फोलावातजपित्तजटार अर्जुनकाचरोगनरहावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै ॥ इतिकृष्णतारागतनेत्ररोगाचिकित्सा ॥

॥ अथरक्तजफोलाउयाय ॥

॥ चौपई ॥ मुक्ताअरुवैडूर्यप्रवाल शंखस्फटकजुचंदनडाल स्वर्णरजतयहसमपीसावै मधुरलायसोंअंजनपावै पित्तजफोलाहोवैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥

॥ अथशुक्लजनेत्ररोगवरननं ॥

प्रस्तार्मलक्षणं ॥ चौपई ॥ शुक्लभागकेवीचसुजान लालकृष्णइकचिन्हपछान गर्मीकरतिसवडोआकार प्रस्तार्मरोगातिसनामाविचार ॥ शुक्लार्मलक्षणं ॥ कोमलशुक्लमासवधजावे नेत्ररोगशुक्लार्मकहावे रक्तार्मलक्षणं ॥ पद्मवरणमृदुअैसोभास आंनेस्वेतदेषियततास नामतासरक्तार्मकहीजै जाहिप्रकारनेत्रलषलीजै ॥ अधिमांसार्मलक्षणं ॥ कोमलपुष्टवडोआकार रूपकलेजिनयनमंझार नामतास[illegible]सुकहिये ग्रंथनिदानमध्ययोंलहिये ॥ स्नाय्वर्मलक्षणं ॥ श्वेतभागमांसस्थिरहोय कठिनशुष्ककरहेनितसोय स्नाय्वर्मनामसोरोगकहायो वैद्यकग्रंथनिदानवतायो ॥ शुक्तिलक्षणः ॥ श्येतभागनेत्रकेमाही श्यामवर्णवहुवूंदादिखाहि मांससमानाहिजानोजास शुक्तिरोगपुननामहैतास ॥ अर्जुनरोगलक्षणं ॥ ससेरुधिरवतवूंदजुएक सितआनेमोंलहैंविवेक अर्जुननामतासकोभने चतुरवैद्यसमझैयोंमने ॥ पिटकालक्षणं ॥ जोकफवातकोपउपजावै मासापिंडसितचक्षूगावै मलयुतज्योंसीसादरशाय तैसेपिटकारूपदिखाय अरुआ-

टेकीचूटकीन्याई पिष्टकरोगतासकोंगाई शिराजाल श्वेतभागहैचक्षूजोय शिराजालतेंछादितहोय पीतवरणअरुकठिनमहान जालिकनामहिरोगपछान शिरापिडकालक्षणं ॥ चौपई ॥ श्वेतभागनेत्रकेमाही कृष्णभागकेपासतहाही श्वेतरंगइकपिडकोहाई शिरापिडकाहैनामासोई बलासग्रथितं जोकांसीइवआभाहोय अथवाकमलवर्णइवसोय कठिनचिन्हअसनेत्रलखावै बलासग्रथितरुजनामकहावै इतिशुक्लजनेत्ररोगलक्षणसमाप्तं

॥ अथशुक्लजनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कृष्णआनेकेनिकटपछानै शुक्लजरोगजुपहुच्योजानै परमचिकित्साछेदनतास वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश प्रस्तार्यमस्नाय्वर्मपछान अर्माधिमांसअधिमांसहिजान लोहितार्मशुक्लार्मजोकहे वेधनायाहिप्रमाणसुलहै पुनः अर्मजुथोडादहीसमान नीलरक्तथूडाहिपछान सूक्ष्महोयइनरूपाविकार फोलेन्याईचिकित्साधार अथअंजन चौपई ताम्रशंखअरुलोहेचूर्ण विद्रुमसेंधासुरमापूर्ण समुद्रफेनअरुकाहीलीजै पीसनेत्रमोंअंजनकीजे अरुदधिमंडरलायलिपाय सुक्लजनेत्ररोगमिटजाय अथगुटिका चौपई त्रिफलामघांजुलाक्षमंगाय लोहचूरणसेंधासमपीसाय भांगुरेरसगुटिकावंधवावे सोगुटकाघसनेत्रहिपावै शुक्रअर्जुनअजिकाजात कंडुअर्मातिमरकाचवहात शुक्लजरोगसर्वप्रकार नाशहोहिनिश्चयमनधार अंजन चौपई शंखरसोंतसुमुद्रकीफेन गेरिसेंधामरचांलेन शिलाजितकाहिचूरणकीजै मधुसितामिलायनेत्रमोंदीजै शुक्लजरोगनाशहोइजावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै.

॥ अथपित्तशुक्तिजचिकित्सा ॥

॥ चौपई अभिष्यंदपित्तजजोकह्यो तासउपायआगेंसोलह्यो सोउउपायतासकोकीजै रुधिरछुडावैतवदुखछीजै

॥ अथकफजशुल्कजाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोकफजअभिष्पंदउपाय सोऊयामेंहैसुखदाय बलासपिटकरोगकेमाही रुधिरमोक्षहै हिततिसनाही

॥ अथसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कायफलत्रिकुटासुरमाआन रसोंतविजौरेरसमोठान पीसनेत्रातिसअंजनपावे शुक्लजरोग नाशहोइजावै ॥ अन्यच ॥ शंखचूर्णमधुसोंपीसाय नेत्रलिपावैशुक्लजजाय ॥ अन्यच ॥ निर्मलिसेंधासमपीसावै नयननपावैशुक्लजजावै ॥ अन्यच ॥ सितासमुद्रफेनपीसाय अंजनपावैशुक्लजजायमधुसिताकां[illegible]ाकीजै आश्चोतनकरअर्जनछीजै ॥ इतिसर्वशुक्लजनेत्ररोगाचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथसंधिजनेत्ररोगलक्षणानिरूपनं ॥ ॥ प्रथमपूयश्रावलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ नेत्रमध्यकीपुतलीतास कोनेअंतरसंधीजास पाकशोथरुजपूयनिकासें पूयश्रावसुनामप्रकासें उपनाहलक्षणं ॥ चोपै ॥ कृष्णस्वेतआनेकीसंध नाडिगांठस्थूलतहवंध पकैंनाहिपीडानहींकरै अश्रुपातवहुकंडूधरे श्रावनामताकोपरमान नेत्रनाडिकोंकहैंसुजान याकेचारभेदयोंजानो ताके लक्षणप्रगटवपानो पित्तजलक्षणं नेत्रसंधिमेपीडाहोय नेत्रकटूरोमांचितजोय पीतऊष्णजलश्रवितमहान

ग्रंथमाहीजोकह्योसुजान कफजश्रावलक्षणं नेत्रसंधिमेंत्रश्रुरुकावे स्वेतरंगचिकनेंबहुश्रावे श्लेष्मश्रावनामसोकहिये ऐसोभेदग्रंथमतलहिये संनिपातजलक्षणं नेत्रसंधिगतहोएनसूर श्रवेपाकदुर्गंधीपूर संनिपातकाश्रावसुजान चर्कऋषिमतकियोप्रमान रक्तश्रावलक्षणं नेत्रसंधिमोजानसुजान रक्तउष्णबहुश्रवेमहान रक्तश्रावतासकोजानो वंगशेनमतसोइपछानो पर्वणीलक्षणं अलजीलक्षणयाविधजानो पर्वणीलक्षणसोइपछानो तातेंअवरकहानाहिकोई अपनेमनतुमसमझोसोई अलजीलक्षणं शुक्लकृष्णकीसंधिमाही उपजितरोगरक्ततेताही गांठसूक्ष्मरंगवहूलाल गोलपर्वइवशोथकराल शूलदाहऐसीविधिलहिये अलजीनामतासकोकहिये जंतुग्रंथिलक्षनं नेत्रसंधिमोंखुजलीहोय क्रमतहपड़ैंदुरगंधीजोय पक्ष्मगिरेबहुपीडउगावे महीनमार्गबहुसंधिकरावे ग्रंथीनेत्रदुष्टकरदेत क्रमग्रंथीकहियेलषभेद नेत्रसंधिगतरोगवखाने नौप्रकारमतग्रंथप्रमाने आगेताहिचिकित्साजान वंगसैनमतकरोंवषान इतिसंधिगतनिदानलक्षणसमाप्तम्

॥ अथसंधिजनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ संधिजनेत्ररोगजिसहोय नाडीवेधाचिकित्सासोय पुनऊपरसोवांधेनैन तासउपायचित्तलषलैन नेत्रपाकरुजकरैउपाय यहभीकृयाताहिसुखदाय अंजनकाहिसैंधायहसमलीजैं आर्द्रकरसताहीसंगदीजै अंजनकरसंधीरुजजाय वंगसेनमतकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ कफसंधिजजिहनेत्रलषावे मर्चमधुसैंधाअंजनपावे अथलेप चौपई ॥ त्रिफलाअवरअमृतापाय रसौंतलवणकाहीसमभाय लेपकरैयहनयननजोय संधिजरोगनाशतवहोय अंजन मधुसैंधाअंजनअभ्यास करेनित्यरुजसंधिविनास अथवामधुअंजनहिततास रोगजायहोएदृष्टिप्रकाश अथवर्तिका ॥ चौपई ॥ हरडबहेडेआमलेआन इन्हकीगिरीसुलेहुसुजान तीनदोयएकलेभाग इहक्रमसोंलेसहिअनुराग इन्हकोंपीसवर्तिकाकरै नेत्रधरैजहसंधिजहरै ॥ क्काथ ॥ चौपई ॥ काकोलीअरुपांचोमूल मुलठीसैंधालेसमतूल याहिक्काथसोंनेत्रजुधोवै नेत्रश्रावसांधिजरुजषोवै कफजसंधिजेरोगमंझार उपनाहकरमश्रेष्टमनधार मघांमखीरसैंधवयुतधरैं इनहीतेंसोविलेपनकरै नेत्रबंधभीश्रेष्टपछान पर्वणीपिटकाछेदनमान मधुअरसैंधालूणमिलाय आश्चोतनयहहितवरभाय श्रावमोत्रिफलाकाथसुपीय दोषअनुसारकरयहविधजीय घृतमखीरऔमघांमिलाय इनकोपीयशिरबंधकराय अथनसवार ॥ चौपई ॥ सारवाअवरअनंताआन दालहलदअगरहिचंदनठान शतपुष्पाअसगंधमिलावै यहसमचूरणतैलपकावै अष्टगुणापयसंगरलाय मंदअग्निसोंताहिपकाय ताहूकीलेवोनसवार नेत्रश्रावसंधिजरुजटार ॥ अंजनं ॥ हिंगुलफलजलसोघसपावै संधिजरोगश्रावनरहावै ॥ अन्यच ॥ चोपई ॥ पुरातनद्रुमकरपासजुकहिये नरमाताकोनामभनैये ताफलवीजगिरीसोलीजै रसौंतआम्रदलरससमकीजे घसकरमधुसोंनेत्रनपावै संधिजश्रावनाशहोइजावै इतिसंधिजनेत्ररोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथवरतमजनेत्ररोगनिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ उत्संगपिडकालक्षणं वर्तमवाहिरपिंडाकार मुखअभ्यंतरताहिनिहार रक्तजहोतहेसोइविकार सकंडूशोथस्थूलनिहार ताम्रवरणताहिकोलहिये उत्संगपिडिकानामसुकहिये ॥ कुंभिकालक्षणं ॥ फुनसीअंतरहुतेंफटजावै अवैबहुतइहभांतलषावै बीजइवकुंभिफुनसीहोई संनिजकुंभिकाजानोसोई पोथकीलक्षणं रंगलालसरषपकीन्याई फुनसीउठेजुपूर्कश्रवाई वर्तममोंकरेपीडविकार नामपोथिकीकरैउचार

॥ अथवर्त्मशर्करालक्षणं अतिसूक्ष्मवर्तममंझार उठैंपिडकारोडाकार सोऊपिंडकाषहुरिहोय नामशरकराभाषैंसोय ककडिवीजहोएजोजैसें वर्त्ममेंफुनसीसोतैसे मंदपीडयुतलखैविकार वर्त्मशर्करानामविचार ॥ अथअर्शोवर्त्मलक्षणं ॥ मध्ममपीडसुपिडिकालहैं कठिनसनिग्धअर्शवर्तमकहैं ॥ अथशुष्काशलक्षणं दीरघजिसकेअंकुरभासैं पिडकाअकडीखहुरिप्रकाशै अभ्यंतरवर्त्मउत्पत्तहोय सन्निपाततेंजानोंसोय तासनामशुष्काशभनीजै इसप्रकारलक्षणलषलीजे ॥ अंजनकालक्षणं ॥ सूचीवेधपिडिकामधलहिये ताम्रवरणताकोलषकहिये कोमलमंदरुजसूक्षमहोय अंजनकाजुनामलषसोय वहुलवर्त्मलक्षणं वर्तमसमसापिंडिकाहोय वर्त्मवर्णतासकोजोय स्थिरहरिहैसंनिपाततेंजान वहुलवर्त्मसोनामपछान वर्त्मवंधलक्षणं सूचीवेधपीडप्रघटाय पक्ष्मनमिलैंशोथदरसाय वर्तमवंधककहियेतास ग्रंथनिदानजुकीनप्रकाश क्लिष्टवर्त्मलक्षनं कोमलअल्पपीडयुतलहिये ताम्रजुवरणतासलषपैये अवैरुधिरजाकोअकस्मात नामहिक्लिष्टजुवर्तमख्यात वर्तमकर्दमलक्षनं अरुजोक्लिष्टपित्तयुतहोय रक्तदग्धकरडाहैसोय अरुवहुचिपचिपाटप्रघटावे ताकोवर्तमकर्दमगावे श्यामवर्त्मलक्षणं नेत्रवाह्यशोथप्रगटावैं श्यामरंगताकोदर्शावैं पीडखुरकचीपडहोयतास श्यावहिवर्त्मकीयोप्रकाश प्रक्लिन्नवर्त्मलक्षणं कोयोंवाह्यशोथप्रघटावै पीड मंदवहुचीपडआवैं वंगशेनऋषिकह्योसुनाय प्रक्लिन्नजुवर्त्मनामकहाय अक्लिन्नवर्त्मलक्षणं धोतनेत्रजिसखुलेजोनाही मीचरहैंदिनरजनीमाही अक्लिन्नजुवर्त्मनामकहायो वंगशेनमतसोइसुनायो ॥ वातहतलक्षणं ॥ जोनेत्रोंकीसंधजुकही टूटैंपष्मअचेष्टतसही पक्ष्मपरस्परमिलेंजुनाही याकोनामवातगहताहीं ॥ अर्बुदलक्षण ॥ जाकेवरतमकेमंझार गांठपडैअसहोयविकार होएसरक्तपीडविनलहिये अर्बुदनामतासकोकहिये ॥ निमेषलक्षणं ॥ जोवरतममोंवातलषावै पक्ष्मजुवारंवारहलावै नामनिमेषिककहिएतास निदानग्रंथयोकीनप्रकाश ॥ रक्तार्शलक्षणं ॥ जिंहवर्तमआश्रितलोहितमास अंकुरउठैंलषोयोंतास छेदयोहोवेवृद्धतापावै रक्तजसोरक्तार्शकहावै लग्नलक्षणं अपाककठिनस्थूललषात पीडरहितकंडूप्रगटात मरचप्रमाणहिपिडकातास लग्ननामातिसकीनप्रकाश ॥ वशवर्त्तमलक्षणं ॥ जाकेवरतमकेमंझार छिद्रपडेंज्योंभेहअकार जोत्रिदोषकरपरगटजान अतिकरजलतिसअवैमहान विशवरतमतिसनामभनीजै वैद्यकग्रंथकह्योलषलीजै ॥ अथकुंचलक्षणम् ॥ वातादिकजोदोषसुनाये जिसवर्तममोआप्रगटाये सोवर्तमसंकुचतकराहीं जिसकरदेषसकैनरनाहीं कुंचननामरोगसोभनै इहप्रकारसववैद्यकगनै इतिवर्तमरोगनिदानसमाप्तम्

॥ अथवर्तमपक्ष्मादिनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वर्तमपक्ष्मरोगाजिसहोय नाडीवेधकरावैसोय अवरजलौकनहूंकेसंग रुधिरनिकासैहोइरुजभंग ॥ लेप ॥ सितामधुसेंधानतअरुएला यहऔषधसमलेकरमेला पीसेलेपलगावैतास वर्तमपक्ष्मरोगहोयनाश ॥ अन्यच ॥ मधुरसोंतसमलेपनकिजै तौभीरोगपक्ष्मकोछीजै ॥ अंजन ॥ दीपशिखाकोअंजनपा[illegible]र्तमपक्ष्मरोगामिटजावै ॥ अन्यउपाय ॥ अपनीअंगुलहाथघसावे उष्णहोयसोनेत्रमोलावै यातेंभीहोइरोगजुनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चांदीघसेहथेलीजोय नेत्रनसेकदीजीयेसोय तासोंभीसोरोगनरहै यहनिश्चैअपनेमनगहै ॥ गुटिका ॥ चौपई ॥ रसोंतअवरसमलेत्रिकुटाय घृतसंगगुटकातासवंधाय घसकरपावैलेपैसोय वर्तमपक्ष्मरुजनाशहिहोय ॥ अथनिमेषहतउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ हतनिमेषहोइजावैंजास तासउपायकरोंपरकाश घृतसोंनेत्रनकोंसोपूर हतनिमेषरुजहोवैदूर ॥ अथवर्तिका ॥ चौपई ॥ रसरासनापत्रनकोलीजै अरुकांजीसमताहिरलीजे वर्चंताहिसंगपीसमंगावै

तासवर्तिकानेत्रमोंपावै वर्तमपक्ष्मरोगहोइनाश निश्चयकीजैमनमोतास ॥ अंजन ॥ चौपइ ॥ रसौंतसरजरसजातीपूल मनछलसेंधामरचांतूल समुद्रफेनगेरीपीसाय मधुमिलायअंजनसोपाय वर्तमपक्ष्मरोगहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यउपाय ॥ जोलालीनेत्रेंप्रगटाय रुधिरमोक्षताकोंसुखदाय- ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कफजसनिग्धजुनेत्रदिषांहि ताकोंवैद्यवमनकरवांहि छागमूत्रपीसिसुरदार लेपनकरैहोयहितकार ॥ अंजन ॥ चौपई ॥ रसोंतमनशिलअरुत्रिकुटाय गोपित्तासभहीसमभाय पीसैनेत्रोंअंजनकरै वरतमपक्ष्मरोगतवटरै ॥ लेंपन ॥ चौपई ॥ हरतालवरचलीजैसुरदार सुरसाकेरसलेपनधार वर्त्तमरुजहिनिवारिसोय रोगीकेनेत्रोंसुखहोय ॥ अन्यच ॥ तगरहरडरसपीसलिपाय वर्तमपक्ष्मरोगमिटजाय ॥ अन्यच ॥ काचमाचीबीजकाधूमजुदेय रूमपक्ष्मरोगनेत्रोंहरलेय ॥ इतिवर्त्मनिरोगचिकित्सा ॥

॥ अथपक्ष्मरोगनिदानं ॥

अथपक्ष्मकोपलक्षणं वातदोषकरपक्ष्मजुजाके अंतरकोंमुडपडैंसुताके अंतरभागजोउपजैंवाल घर्षणनेत्रकरैंसुविहाल वांरवारसुघर्षणकरै शोथहोयटुटटुटतंहापरै सूक्ष्मरोमचुभतेतहांरहैं पक्ष्मकोपइसरुजकोंकहैं लोकसभीपडवालवषानैं इहलक्षणरुजलषाहिंस्यानैं

॥ अथपक्ष्मशांतिलक्षणं ॥

वर्त्मपक्ष्मपरापित्तजोकोपें वालझडैंखुजलीकरसोचैं नेत्रोंदाहरहेंदिनरात नामकह्योतिसपक्ष्मजोशांत ॥ दोहा ॥ नेत्रजरोगनिदानयहसभकोवरननकीन समझचिकित्साजोकरैसोहैवैद्यप्रवीन ॥ इतिनेत्ररोगनिदानपक्ष्मसमाप्तम् ॥

॥ अथपक्ष्मरोगचिकित्सा ॥

॥ अपामार्गकोमूलमंगावै सेंधावासीजलजुमिलावै ताम्रपात्रघसलेपलगावै वर्त्मरोगसभीमिटजावै पक्ष्यरुजयहहोवैनाश अैसेंकीनोशास्त्रप्रकाश ॥ अन्यच ॥ कलीचंवेलीकाहीआनै रसोंतमरचमधुलेपनठानै तौभीहोयरोगसोनाश सुखउपजैमनहोयहुलास ॥ अन्यच ॥ कचूरपत्ररसहरडपिसावै लेपकरैरुजपक्ष्मनसावै ॥ अंजन ॥ चौपइ ॥ दालहलदनिर्गुंडीआनै अरुभंगरासभकोरसजानै अरुलाक्ष्यारससंगमिलावै करपासतूलसंगपरलकरावै सातपुठअैसेंतिसदेय घृतमिलायवटीतिहभेय दीपजगायसुअंजनपावै वर्तमपक्ष्मरोगमिटजावै. ॥

॥ अथउपपक्ष्मनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अंतरमुखनेत्रोंहोंइवाल उपपक्ष्मनामअरुकाहिंपडवाल तिन्हकोअैसेंकरैउपाय दुखमिटैरोगीसुखपाय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ तिन्हकोंशनैशनैउपडावै पुनशतधौतजुघृतकोंलावै अथवाघृतसमुलठपकाय सोऊघृततिसठौरहिलाय अथवागेरीपीसवरूर उपपक्ष्मरोगहोइजावैदूर वाचिमिटेसोंपुटतारहे इहउपायभीनरसुखगहे ॥ अन्यच ॥ सूचीअग्रभागजुतपावै रोमकूपमोंदागदिवावै नेत्रवचाययहसुखपाय रोगजायरोगीसुखदाय इतिपक्ष्मनेत्ररोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथसमस्तनेत्ररोगलक्षणनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ अभिष्पंदहैचारप्रकार वातजपित्तजकफजानिहार रक्तजचौथाताहिपछानो वंगसेन-मतयहतुमजानो अभिष्पंदहैकठिनमहान नेत्ररोगकामूलपछान अभिष्पंदतुमजानोतास अक्षिआं-आइयांभाषैजास

॥ अथवातअभिष्यंदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वहुपीडाजिसमेंनेत्रोंहोय सीसतपैरोमांचितजोय सिरस्तंभसंरंभजुकरै रहैकठोरअरुशो-षहिधरै शीतलअश्रूपातनिकासै वातजनेत्ररोगयोंभासै ॥ अथशिख्या ॥ नेत्रकुक्षप्रतिश्यायसुजानै व्र-णज्वरपांचोंरोगवषानै यहपांचरोगादिनपांचमंझारै शांतिहोंहिजोलंघनधारे ॥ अथकच्चेनेत्रकेलक्षण ॥ अ-त्यंतपीडअरुलालीरहै मर्मस्थानपीडअतिकहै नेत्ररोगतवआमपछाने ग्रंथकारमतयाहिवखाने

॥ अथपरिपक्कनेत्ररोगलक्षणं ॥

मंदपीडअरुकंडूजोय अश्रुअल्पप्रसन्नतहोय यहलक्षणजवनेत्रपछाने परिपक्कनेत्ररुजसमझेस्याने अं-जनपूरणक्वाथजुपान काचेनेत्रोंनाहिप्रमान ॥

॥ अथवाताभिष्यंदवाताधिमंथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अभिष्पंदअधिमंथकहात वातपर्ययशुष्काक्षअन्यवात इनमोसामान्यविधिपरिमान वंगसैनमतकीनवखान ॥ अथनेत्रहितकर ॥ चौपई ॥ लंघनलेपनरेचनस्वेद अंजनअवरनाडिकोवेध रोग-नेत्रजुपकावेएह यहहितकरतासमुझोतेह जोनाडीवेधसहारैनाहि घृतहिपुरातनपानकराहि अभिष्पंदअधि-मंथसुजान इनमोनाडीवेधनमान ॥ अन्यभेद ॥ चौपई ॥ अस्वत्तअभोजनवातजोक्रोध शोकदुखफुन-जानोसोध इन्हकरनेत्ररोगजोजाने लंघनतामोंश्रेष्टनमाने ॥ प्रथमआदिउपाय ॥ चौपई ॥ नेत्ररोगउप-जितहैजवै देनसवारतासकोंतवै अरुवागायदुग्धघृतपान श्रेष्टउपायकैरैरुजहान अवरपुरातनघृतकेसंग रेचकरायहोएरुजभंग ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ वहेडेदोनोरजनीआन लोध्रपायसमचूर्णपछान तामो-सैंधाअल्पमिलावै लुपरीकरसोनेत्रवंधावै नेत्रनवीनरोगहोइनाश निश्चयकीजैमनमोतास ॥ अन्यच ॥ धात्रि-फलरसनेत्रनपावे नवीननेत्रकोरोगामिटावे ॥ अन्यच ॥ सातपत्रएरंडकेआन कूटससैंधानेत्रवंधान नवी-नकोपरुजनेत्रानिवारै यहनिश्चयअपनेमनधारै ॥ अन्यच ॥ सिंग्रुमूलरसमोंमधुदीजै सोऊनेत्रपरसिंचनकीजै नवरुजकोपनेत्रकोजाय भाष्योऐसैंतासउपाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कूटपुनर्नवासैंधापावे कांजीसंयु-तनेत्रवंधावे त्रिदोषजरोगनेत्रकोजाय ऐसेंभाष्योसुगमउपाय ॥ अन्यच ॥ रससुहांजणेपत्रोंकालीजै सैंधापा-यसुसिंचनकीजै नेत्ररोगकोहोइहैनाश निश्चयकीजैमनमोतास करवीरपत्रकोमूलमंगावै तारसमोंगिलो-यरसपावै ताहीसों [illegible]चनकरपूर नेत्रकोपरुजहोवेदूर ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ सैंधादालहलदिगेरिल्पाय हरड-रसोंतसमपीस[illegible]य वाहरनेत्रहिलेपनकरै रोगसभीनेत्रनकोहरै ॥ अन्यच ॥ लोध्रवृक्षवंदापुनकुठ हरडरसों-तमनछलजुइकठ भूआमलीसैंधासमपीसाय ताम्रपात्रवासीजलपाय लेपैनेत्रपीडहोइनाश वंगसेनयोंकरे-प्रकाश अन्यच ॥ भंगरामूलकूटमध्यतोय एकमुहूर्त्तधरैसुभिगोय तिसजलसंगहिलोचनधोवै नेत्ररोगनाश-तवहोवै ॥ अन्यच ॥ एरंडनिंवजढदुंवरजान इनकीत्वचाजुलेयसुजान मुलठअरुवृक्षवंदालीजै मधुमिला-यकराटिक्कीकीजै टिक्कीनेत्रवंधादोय सकलदोषनेत्रनकाखोय ॥ अन्यच ॥ शिरकोंतैलउष्णकरमलै पीडा-

नेत्रतासतैंटलै ॥ अन्यच ॥ हरडपीसपीवैघृतसंग नेत्ररोगपीडाहोइभंग ॥ अन्यच ॥ त्वचासुहांजणाए-रणमूल कंडयारीअग्निमंथसमतूल करैकाथमधुमेलेतास नेत्रपायवातजरुजनाश॥लेप॥ रजनीमुलठहरड-सुरदार अजाक्षीरसौंअंजनधार वातजपीडानेत्रौंजोय नाशहिकीजैनिश्चयसोय ॥ अंजन ॥ चौपै ॥ सैंधा-सुंठीअरुसुरदार विजोरारसघृततामौंडार नारीपयपुनताहिमिलावै ताकोनेत्रनअंजनपावै शुष्कपाकरोग-होइनाश अरुघृतपानश्रेष्ठलषतास जीवनीगणयुतघृतजुपकावै अथवातैलजुसिद्धकरावै पीवैशुष्कपा-कहोएभंग अथवानस्यकरैतिससंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दोनोरजनीसैंधापाय नारीपयघृतसंगमिलाय यहअंजनजोनेत्रनकरै वातजनेत्रदुखकोंहरै घृतअरुदुग्धपानसुखदान नेत्ररोगमौंश्रेष्टमहान ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ एरंडपत्रअथवातिहमूल अजाभेडवादूधसुघोल ताहिपकयनेत्रमोपाय वातजनेत्ररोगमिट जाय कंडेआरिरससौंदूधपकावै सेचनकरेवातरुजजावै पंचमूलयुतदूधपकाय सेचनकरेवातरुजजाय ॥ दोहरा ॥ मुलठीवालावारणालवणसुकलकवनाय पकायदूधसेचनकरेवातजपीडाजाय इहआ-श्चोतनविधकहीवंगसैनमतजोय सेवनकरदुखदूरहैअवरभेदसुनसोय ॥ चौपई ॥ आश्चोतनघृतअवर-टकोर वारसऔषधलेहुनिचोर अवरनेकविधकरपरिशेक मस्तकमरदनतैलभिषेक स्निग्धआदघृतपान-विचार दुग्धमांसभोजनहितकार फुनिलवंगसाधितघृतजोय वातजरुजमोअतिहितसोय विल्वादिपं-चमूलयुतलीजे ककैकाथआश्चोतनकीजे श्वेतलोध्रघृतसंगपकावे विडालकर्ममोअतिहितभावे हरड-भुंनघृततसंगविचार विडालकर्मकृतरोगानिवार लोध्रसर्करासैंधापाय गर्मनीरसंगपीसवनाय नेत्रपूर्णक-रताकेसंग वातजनेत्ररोगरुजभंग लोध्रलवणलेदग्धकराय घृतवामधुयुतपीसवनाय लेपनवाअंजनलष-ताहि वातजरोगशीघ्रमिटजाहि.

॥ अथआश्चोतनविधिः ॥

चौपई जवनरनेत्रनपीडाहोय लक्षणप्रघटजानलेसोय तववहपीडनिवारनजान आश्चोतनविधकरेप्रमान तीनादिवसअभिष्मंदमंझार आश्चोतनविधतवहितकार पक्कदोषदिनतीसरमाहि अंजनकर्नयोग्यहैताहि-अवरहिसोथवातप्रातिस्याय दाहक्लेदकंडूहितभाय रक्तप्रतिसेकपीडअतिजान आश्चोतनइनकोहितमान वर्षा-सर्दग्रीष्मकेमाही मृदुसीतलआश्चोतनताही हिमऋताशिशिरवसंतमंझार वातश्लेष्मकरहोताविकार आश्चो-तनउष्णअल्पअरुतीक्षण ऋतुप्रमानहितजानविचक्षण स्निग्धउष्णवातजरुजमाही आश्चोतनविधहित-हैताहि रक्तजापित्तजरोगपछानो आश्चोतनकोमलशीतलठानो तीक्षणउष्णकफजकोदीजें आश्चोत-नविधदिनकोकीजें रात्रीपहरउपरंतसोनाहि आश्चोतनकरसुखउपजाहि लालनेत्रवागौरवहोय वह्नआ-श्चोतनाहितहैसोय श्लेष्ममाहिदोशुक्तिप्रमान वातजमोइकशुक्तीजान दोशुक्तीरक्तपित्तमोकही आश्चोतन-विधऐसेलही द्वाविंशतविंदूपरिमान शुक्तिमात्रसंज्ञापहचांन अठारांद्वादसविंदूजोय संश्लेषनरोपनस्नेहन-सोय सहारककेजेतोनरकाल आश्चोतनवरतेतोकाल अथवादिवसरात्रिमंझार द अरुतीनवारसंचार ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ जवसंपक्कनेत्रहोआवे अंजनविधफुनिताहिकरावे शिशिरहिमंत माही मध्या-नसमेअंजनहितताही ग्रीषमअवरसरदऋतुजान प्रातकालसायंपरिमान वरषाऋतअरुवादलधूप अधि-ककरेनाहिअंजनरूप तीक्षणवस्तुवर्तिकाजोय संभालुवीजसमअंजनहोय सौम्यवस्तुकीमात्राजान तातेंद्वि-गुणाअंजनठान वायविडंगवीजसमजोय उत्तमअंजनमात्रासोय मध्यमदोत्रेहीनप्रमान वाविडंगसमभेदप-छान विरेचनवस्तुसलाकादोय मृदुवस्तूतीनसलाकाहोय स्नेहवस्तुकीचारोजान सलाकाअंजनजाहिप्रमान

॥ अथसलाकाप्रमाणं ॥

॥ चौपै ॥ सुवर्णरजतकीउत्तमजान ताम्रलोहमध्यमपरिमान अस्थीपत्थरअधमकहावै भेदसलाकारूपदिषावै अंगुलआठसलाकाहोइ गादुंवगोलमुखसुंदरसोइ वामेहाथसलाकालीजे अंजनमेलनेत्रमेदीजे वामहाथसोंनेत्रउघार सलाकाश्वेतमंडलमोडार प्रथमवामनेत्रमोपावे फुनिदहनेसभदोषनसावे सलाकाफेरेदोइकवार निकालतर्जनीऊपरधार किंचिंतनेत्रदवायरखावे. ताकरदोषसकलमिटजावे

॥ अथतर्पणविधिः ॥

॥ चौपई ॥ सुधासयनपुरुषजोकरे सुखपूर्वकनिश्चलमनधरे फुनितर्पणविधकीजेताहि तेजसूर्यअग्निकानाहि वातधूमघूलीनाहिहोय क्रोधदूरकरतर्पणसोय वर्तीमाषपिष्टकीजान चौडीअंगुलअर्धप्रमान दोअंगुलसोमोटीहोय नेत्रकोशविस्तारेसोय जामोपक्ष्मरोमडुवजावे प्रमानताहुकेयतनवनावे यथाद्रव्यसाधितघृततेल नेत्रमाझतर्पणविधमेल घृतवातैलमंडवाक्षीर नेत्रपूर्णकरहरिएपीर हरावस्त्रवानीलापीत अथवापत्रनेत्रढकमीत अवमात्रापरिमानाविचारो एकसहस्रवातपरधारो पित्तवातअभिष्मंदप्रमान ऊपरआठएकशतजान षटशतमात्राकफमोकही त्रिदोषजमानसतशतसही पांचोत्तरशतस्वस्थविचार इहप्रमाणलखरोगानिवार वस्त्रदूरकरनेत्रउघारे नेत्रपक्षमसुखपूर्वविचारे अथवाधूम्रपानसोपीय तांकरनेत्रमैलहरलीय एकतृतीयपंचदिनमाहि धारेवस्तिस्वस्थहृदताहि वाततीनदिनअंतरपाय पित्तरक्तइकदिनसुखदाय सन्निपातदोअंतरजान कफहूमेदिनतीनप्रमान कटूऊष्णवस्तूजोहोय कफवातिकमोतर्पणसोय पित्तरक्तमोशीतलजान चक्षूतर्पणइहविधमान तौफुनिसुखसोवेसुखजागे कोमलनेत्रपीडसभभागे व्याधदूरनिश्चैसुखहोय नेत्रतृप्तगुणजानोसोय सेचनमोहितवस्तुप्रमान गर्मदुग्धसैंधवयुतजांन हलदीद्यारसंसोधितदुग्ध सैंधवयुतपारिषेकसानिग्ध नारिदूधसुंठीघृतजान सेचनमोइहश्रेष्ठप्रमान इभीष्मंदवातिकविधकही वातविपर्ययसोविधसही ॥ अन्यच ॥ वंदावृक्षकपित्थमंगाय पंचमूलवटपीसरलाय कर्कटीरसवादुग्धसंयुक्त जोसाधितघृतसोहैउक्त

॥ अथपित्तजअभिष्पंदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ नेत्रोंपाकदाहवहुहोय पीतनेत्रअरुधुपितहैसोय सर्दचीजसेआनंदहोय अश्रूउष्णश्रवैअतिजोय अभिष्पंदयहपित्तजजान रक्तजआगेकरोंवषान ॥

॥ अथपित्तजअभिष्पंदनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजरोगनेत्रलषपरे शीतसनिग्धलेपसोकरे आश्चोतनपरिषेकसुतर्पण स्नेहविरेचनकरेविचक्षण रक्तम [illegible]सनेहकोपान पित्तजमोहितलषेसुजान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ प्रपुंडरीकरजनीजुमुलठ प[illegible] [illegible]सिइकठ मधुमिलायकरसेचेसोय पित्तजरोगनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ निंवपत्रमोलोध्रलिपावै अ[illegible]संगपुनतत्तकरावै चूरणअथवाकल्कवनाय नारीपयसंगपीसमिलाय आश्चोतनतिहसंगकरावै वातपित्तरुजरक्तमिटावै ॥ अन्यच ॥ द्राक्ष्याजीवनिगणजुमुलठ अरुमंजीठसमपीसइकठ दुग्धमिलायपकावैसोय सिंचनकरैपथ्यरहजोय पित्तजशोथशूलमिटजावै ऐसेंतासउपायवतावै ॥ लेप ॥ चंदनसेंधानिंवकेपत्तर मुलठरसोंतकरोजुइकत्तर जलसोंवामधुसोंपीसाय पित्तरुजजावैसेचकराय अथवातिस-



कोकरेजुपान तातेंपित्तजरुजहोएहान ॥ अथधूप ॥ रुंवलफललोहपात्रघसावै स्तनदुग्धमिलायसधूपधुषावै पित्तजरोगतहिमिटजाय औरहिऔषधकहौसुनाय शमीपत्रघृतसंगमिलाय धूपधुषावैशूलमिटाय नेत्रदाहअरुलालीटारै एतेगुणजहधूपउचारै ॥ लेपन ॥ चौपई ॥ जातीपुष्पलेचंदनलोधर मुलठीगेरीकरोइकत्तर लेपकरैरोगीसुखपाय पित्तजरोगसदाहमिटाय ॥ अन्यच ॥ पित्तहरऔषधकयाजुजेती पित्तजमोंहितकरहैंतेती क्षीरअवरघृतकोजोपान पित्तजमोंचक्षूसुखदान दिवसतीनउपरंतजुकरै तवसुखनेत्रनकोंवहुधरै ॥ अन्यच ॥ अरुमरचांसंगघृतकोपीवै पित्तजनेत्ररोगहतथीवै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाचूर्णसोघृतकेसंग पीवैहोएपित्तरुजभंग ॥ चौपई ॥ पलाशगूंदकाअंजनकरे तौभीनेत्ररोगपरिहरे शल्लकीगूंदकालफीमिसरी मखीरअम्लकरसिद्धसोकरी अथवासिरकेसंगपकाय अंजनकरदुखनेत्रमिटाय इहविधरुधिरछुडानेपाछै अंजनविधतुमजानोआछे ॥ अन्यच ॥ पद्ममुलठछडगुडील्याय पीलाचंदनजलपीसाय वहिलेंपनेत्रनकरजोय नेत्ररोगहरलेवैसोय ॥ अन्यच ॥ आवलेलोध्रलेभुंनघृतसाथ मनशिलयुक्तगुटिकासुनगाथ गुटिकाघसकरनेत्रलिपावै तौभीनेत्ररोगमिटजावै ॥ अन्यच ॥ सुंठआमलेलोध्रमंगाय मनशिलघृतसोंलेयभुनाय पीसनेत्रमार्जनसोकरै नेत्रशूलतत्क्षणसोहरै ॥ अन्यच ॥ गिल्लीस्यालीसैंधवल्याय पाषाणभेददार्वीतिहपाय लाचीनीलोत्पलअरुलोधर सववस्तूआनइकठीसोकर अभ्रकनारीदुग्धपीसावै प्रातकालघृतसिद्धकरावै सोघृततर्पणमोंहितजान अथवानस्यताहिपरमान ॥ अन्यच ॥ स्थलकोकमलशर्करापाय दर्भइक्षुहरतालरलाय लोध्रवैतपद्मसभमेल नारीदुग्धपीसकरठेल प्राताकालघृतसिद्धसुकरै तिहघृततर्पणनस्यवाधरै ॥ अन्यच ॥ द्राक्षमुलठीचंदनल्याय नारीदुग्धसोंपीसवनाय प्राताकालघृतसिद्धसुकरै तिहघृततर्पणवानस्यधरे.

॥ अथरक्ताभिष्यंदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ ताम्रवरणकेआशूआवै लालरंगवर्मतेथावै अश्रुउष्णअवैहोएदाह सीतलताजुसुहावैताह लालरंगवहुरेखाजानो अवराचिन्हसभपित्तपछानो इन्हकोजोउपायनहींकरै अधिमंथनामरोगसंचरै

॥ अथरक्तजनेत्रउपाथ ॥

॥ चौपई ॥ जोरक्तजनेत्ररोगप्रगटावै उष्णजुघृतपीवैसुखपावै नाडिवेधपुनहितकरतास तासउपायकीनपरकाश ॥ लेप ॥ चौपई ॥ लोध्रमुलठीअरुत्रिफलाय अवरमुथरांशरकरापाय शीतलजलसोंलेपेसोय रक्तजरोगनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लाक्षमंजीठजुलोध्रमुलठ स्थलकमलपीसकरोइकठ लेपनकरैजुताहिवनाय रक्तजनेत्ररोगामिटजाय ॥ अन्यच ॥ नीलोत्पलहिहरडजुमुथर दार्वीचंदनपीसजुलोधर यहसमपीसधौतघृतपाय तीनलेपकररक्तमिटाय ॥ अन्नच ॥

॥ चौपई ॥ जाकेनेत्रौंरुधिरविकार यहऊपरताहीसुखकार नेत्रोंकेसोचारोओर [illegible]लौकाहरैदुखघोर ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिफलारसलेशरकरापाय नेत्रधोयरक्तजदुखजाय ॥ लेप ॥

॥ चौपई ॥ उत्पलपद्मकाष्टअरुभेय मुलठीचंदनसमकरलेय लेपकरैवानेत्रवंधावै रक्तजरोगनेत्रकोजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पटोलरसोंतजुमहूमुलठ प्रपुंडरीकउत्पलनिंवइकठ यहसमतोयचतुर्गुणपाय मंदअग्निसोताहिपकाय पादशेषमधुसितामिलावै पुनपकायसोलेपलगावै रक्तजपीडाहोवैनाश

सुखउपजेहोएनेत्रप्रकाश ॥ अन्यच ॥ काहीमधुसोंलेपलगावै रक्तजपीडनाशहोयजावै ॥ अन्यच ॥ वैंतअमलनारीपयपाय लेंपेरक्तपीडमिटजाय

॥ अथकफजअभिष्पंदनेत्ररोगलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ भारीनेत्रशोथयुतलहिये चिपचिपाटकंडूयुतकहिये उष्णवस्तुजिसनेत्रसुहावै सीतस्पर्शनेत्रकोपावै पिच्छलश्रावस्वेतरंगभास कफजरोगयोंकीनप्रकाश.

॥ अथकफअभिष्पंदनेत्ररोगउपाय ॥

॥ चौपई लंघनस्वेदअवरनसवार भोजनतिक्ततिक्तौषधधार तिक्तउष्णऔषधहैजोय ऊपरवांधनहितकरसोय तीक्षणतेंशिररेचकरावै भोजनरूक्षयअन्नसुखपावै तीक्षणवस्तूधूम्रसुपान तीक्षणतेंउपनाहसुजान उष्णवस्तुआश्चोतनकरै अरुपुटपाकसुनिश्चयधरै अभिष्पंदअधिमंथाहिमाहि स्निग्धश्वेदाशिररेचनताहि कफजरोगहैनेत्रनजोय इनउपायकरनाशैसोय अथलेपन चौपई लेपविल्वदलहरडकराय लेपरसोंतसदासुखदाय हरिद्रावनासुंठलिपावै वागेरीसुंठीलेपकरावै यहलेपनसवहैसुखदाय नेत्रकफजरुजदेतहटाय अंजन शिलाजितस्वेतमरचलेलोंधर समपिसायनेत्रनअंजनकर होवैकफजपीडकोनाश रोगनाशहोयेदृष्टिप्रकाश ॥ अथपोटली ॥ चौपई ॥ निंवपत्रलोधरसमआन करैपोटलीवैद्यसुजान उष्णतोयसोंताहिभिगोय करैटकोरकफजदुखषोय वंधनपिंडी चौपई पीलूविल्वकापित्थजोआन मरुआतुलसीवकमपछांन इन्हकेपत्रघृतभुंनापिसावे श्वेदकरेवालेपलगावे अन्यच चौपई निंवपत्रसेंधाअरुनागर समलेपी. सेटिकीसोकर नेत्रनऊपरवांधेसोय नाशकफजपीडाकोहोय कंडूशोथहोइहेनाश रोगजायचक्षुज्योतिप्रकाशपोटली ॥ चौपई ॥ सेंधालोधरसितसुरमालेय घृतसोंभुंनइकत्रकरेय वांधपोटलीकरैटकोर सभनेत्ररोगनाशैं अतिघोर वंधन चौपई दोइरजनीलेभागजुदोय एकभागसितसर्षपजोय एकोभागाशिलाजितपाय आश्चोतनजलपीसकराय इसविधिसोंनरकरहैजोय कफजरोगनेत्रोंकाषोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ द्रंकत्वचासेंधासमपाय कांजीतैलमिलायपिसाय नेत्रोंऊपरवांधैतास वातजकफजरोगहोएनाश ॥ लेपन ॥ सुरमासेंधामूर्वामूल तैलमिलावोसभसमतूल कांसपात्रघसलेपलगावै कफजरोगकीपीडनसावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ सेंधात्रिफलात्रिकुटापाय समुद्रफेनशंखनाभिमिलाय वर्चशिलाजितसंगमिलीजै सभसमपीसजुवर्त्तीकीजै कफजरोगपीडाहोएनाश सुखउपजैचक्षुज्योतिप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ आनोलोध्रानिंवकेपत्तर वासाविल्वकेपत्रइकत्तर इनकारससोंलेहुनिकार सुंठीअवरजुत्रिफलाडार घृतसोंताअहिपात्रघसाय लेपनविधसोंलेयवनाय लेपनकरैकफजदुखनाशै नेत्रनमोवडिज्योतिप्रकाशै ॥ धूप ॥ चौपई ॥ कौडीताम्रपात्रघसलीजै गोवरअग्नीधूपसुदीजै कफजरोगपीडाहोएनाश नेत्रसुखैसुखउपजैतासु व[illegible]जीलवणअवरकटुतेल कांसपात्रमोकीजैमेल घसधरगोवरअग्निधुषावै धूपदेयकफरोगनसावै इ[illegible]कफजाचिकित्सा ॥

॥ अथअधिमंथरोगलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ नेत्रदुखनमैकरैकुपत्थ रुजप्रघटेतिसकोअधिमंथ सोअधिमंथहैचारप्रकार वातपित्तकफरक्तविचार चक्षुमथितरहैनितजास अर्धशिरफटैवहुपीडप्रकाश मतजहचर्कऋषीकाअहै इहविधि-

याकेलक्षणकहै जोअधिमंथकफजप्रगटावै सप्तरात्रिउपंतरहावैं दृष्टिनाशकजासोजान रक्तजपंचरात्रिदृगहान वातजषटरात्रीउपरंत पैतिजतातकालचक्षुहंत रुजअधिमंथनामजिसआखै लोकचनाटसभीतिसभाषै .

॥ अथवाताधिमंथलक्षणं ॥

आंषदुषनमेंकरेंकुपत्थ वातकवस्तूखावैपत्थ तौपीडावहुआखेंहोई फूटैनेत्रजुमानेसोई आधासिरनीचेंझुकजाइ तोदभेदवतपीडलखाइ कुंचनशोथकंपयुतलहिये मांसमिलेअरुघर्षणकाहिए मस्तकफटैसीतजलवहै तौवायूअधिमंथहिकहै .

॥ अथपित्ताधिमंथलक्षणं ॥

जिसनरआखोंदूषनआवै वस्तूगर्मखटाईखावै तिसकरपीडाआखेंहोइ फूटैनेत्रजुजानेसोइ अग्निदग्धइवपीडपछान ज्योंक्षतपरहीक्षारसुमान रेखानेत्रलालरंगहोइ नेत्रयकृतइवजानेसोइ वर्त्मशोथस्वेदतिसहोय सीसतप्तअरुमूर्छाजोय दाहसूलवहुपाकाहिजान नेत्रपीतजलश्रावपछान सीतलताजुसुहावै जास अधिमंथपित्तकाजानोतास.

॥ अथकफाधिमंथलक्षणं ॥

सीतलगौरवचक्षूजान मिलेरहैअरुश्रवैमहान चिपचिपाटरोमांचितजोय पांशुपूर्णइवजानोसोयदुखकरसंयुतदेखैरूप नेत्रमलिनतुमजानोभूप शब्दसहिततिसनासाजान दुखसंयुताशिरलखैमहान तिहपरगर्मजोवस्तुसुहावै आखनमोसूजनवहुआवै खाजअधिकजिसआखोंहोय अधिमंथकफजकाजानोसोय

॥ अथरक्ताधिमंथलक्षणं ॥

जिसनरआखोदुखनेआवै करैकुपत्थजुनाहिसुहावै तातैरुधिरविगडकरजोइ आखविगाडकजानोसोइ नेत्रवर्णतुमजानोतैसे गुलदुपहिरकापुष्पहिजैसे आखोनिश्चलजानोताहि हाथस्पर्शसहारेनाहि अश्रुरक्तश्रवैजुमहान सूचिविद्धवतपीडाजान जैसेरेठारक्तकेमाहि कृष्णभागरंगजानोताहि अधिमंथरक्तकाजानोऐसें निदानग्रंथमतमानोतैसें चर्कऋषीकामतयोंकहै सोअपनेमननिश्चयगहै.

॥ अथहताधिमंथलक्षणं ॥

नेत्रनाडिमेंस्थितहोइवात दृष्टिहतकरडारेख्यात जाहिनेत्रदेखैकछुनाहि पीडाअधिकजोहोवततताहि जाकेनेत्रहोयहैऐसे हताधिमंथजानोतुमतैसे.

॥ अथआमनेत्ररोगलक्षणं ॥

॥ चौपै॥ अश्रुपातवहुपीडाहोय रंगमलीनशोथयुतसोय ऐसेलक्षणनेत्रोंजान आमने[illegible]जाहिपछान ॥ अथपक्कनेत्ररोगलक्षणं ॥ पीडमंदकंडूप्रगटाय शुद्धवर्णअल्पअश्रुलषाय ऐसेलक्षणनेत्र[illegible]ई पक्कनेत्ररुजजानोसोई ॥ अथनेत्रसशोथपाकलक्षणं ॥ चौपै ॥ पक्कउदुंवरफलइववरण शोथकंडुचिपाचिपवहुकरण दाहपाकयुतनेत्रहिजानो रोमहर्षअरुगौरवमानो अश्रुश्रवैतिसवारंवार उष्णशीतवापिछलधार पीडावहुयहरोगअसाध्य इन्हलक्षणलषमहाउपाध्य.

॥ अथअशोथनेत्रपाकलक्षणं ॥

जाहिनेत्रमोंसोथनहोइ खाजहोइरंगगूलरसोइ शोथपाकसवलक्षणजान अवरभेदमनकछूनआन नेत्रलालहोइकरैसंचार अशोथपाकमननिश्चयधार

॥ अथवातपर्जयनेत्ररोगलक्षणं ॥

नेत्राहिलावैभ्रूवारंवार वातकरैवहुपीडविकार वातपर्जयनामतिसहोय निदानग्रंथमतजानोसोय पक्ष्मदोयभ्रुवनेत्रमंझार वातदुष्टहोकरैसंचार

॥ अथशुष्काक्षिपाकलक्षणं ॥

जिसनरनेत्रजुमूंदेरहें जलैंलालरंगमूकेवहें दृष्टमलीनरहैविनश्राव पाकरहैज्योंमानोघाव ऐसेलक्षणनेत्रपछानो शुष्काक्षिपाकसोनामवखानो

॥ अथान्यतोवातलक्षणं ॥

मन्यानामनाडिजोकहिये करणहनूशिरइस्थिरलहिये तानाडीमोंकरसंचार वातकरैयहरोगविकार-नेत्रभ्रुवैंअतिपीडाकरै अन्यतवातनामइहधरै

॥ अथशिरोत्पातनेत्ररोगलक्षणं ॥

जिसरेखाताम्रवर्णकीहोइ पीडाअल्पकरैनितसोइ रेखाउपजेवारंवार ऐसेलक्षणताहिनिहार अथवा-पीडावहुकरजोय शिरउत्पातनामकहुसोय

॥ अथअम्लाध्युषितलक्षणं ॥

भोजनअम्लविदाहिखावै सर्वनेत्ररुजतिसप्रगटावै नेत्रहोयाजिसकालेरंग पाकदाहयुतलालीसंग अवरजुनेत्रोंशोथहिआवै अम्लाध्युषितहिरोगसुगावै

॥ अथशिराप्रहर्षनेत्ररोगलक्षणं ॥

जवशिरोत्पातरोगसंचरै नरअज्ञानउपायनकरै शिराप्रहर्षरोगतवहोय लक्षणसमझोभाषोंसोय अश्रुश्राववहुतदुखहोइ नेत्रउघाडसकैनहींसोइ ताम्रवर्णतुमअश्रूजानो अरुनिर्मलपुनताहिपछानो ऐसेलक्षणदेखैजास शिराप्रहर्षनामकहैतास इतिसर्वगतनेत्ररोगवरणनम्

॥ अथअधिमंथादिसर्वनेत्रगतरोगसामान्यचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ मिश्रितवस्तूयुक्तकरकिंचितउष्णकराय आश्चोतनकरनेत्रकोंसन्नजरोगमिटाय ॥ चौपइ ॥ त्रिफलादालहलद[illegible]मुलठ अरुगिलोयसभकरोइकठ यहसमपीसेलेपलगावै अरुपीवैसोऊसुखपावै अधिमंथादिसर्वरु[illegible] रोगमिटैचक्षुज्योतिप्रकाश लोधरकरघृतसाधितजोय वातूफलेघृतसाधितहोय वापुरातनघृतकोपान अम्लाध्युषितमोसत्यपछान अरुनाडीवेधाविनाहितहोय पित्ताभिष्पंदकीहैविधजोय ॥ लेप ॥ केवलदालहलदमधुसंग लेपैहोयनेत्ररुजभंग ॥ क्वाथ ॥ चौपई ॥ क्वाथकरैत्रिफलास गिलोय मघचूर्णमधुसोंपीवेसोय तौभीनासनेत्ररुजजान ऐसेकह्योउपायप्रमान ॥ अन्यउपाय रूंईफाहेकांजीभीजै नेत्रधरैरुजसवहीछीजे ॥ लेप ॥ लोध्रमुलठीदार्वीजोय शैलेयरसोंतपीससमसोय अजा-

दुग्धसोंलेपसुकरै तौभीरोगनयनकोटरै ॥ क्काथ केवलदालहलदकोक्काथ पीवैताकोमधुकेसाथ तौभीहोयनैत्रदुखनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ मुलठीगेरीसैंधापाय दालहलदरसोंतरलाय यहसमपीसिलेपनकरै सर्वनेत्रगतपीडाहरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ रससुहांजनेपत्रमंगावै अरुघृतकेसंगतासमिलावै ताम्रपात्रमोघसकरलीजै लेपकरैरुजलोचनछीजे ॥ अन्यच ॥ लेपचाकसूअंजनजोय सकलनयनरुजमोहितसोय ॥ अथक्काथषडंगगुगुल ॥ चौपई ॥ त्रिफलावासानिंवपटोल यहषटक्काथकरैसमतोल पीवैगुगुलचूरणसंग सर्वरोगहोईनेत्रोंभंग ॥ अन्यच ॥ क्काथ ॥ चौपई पटोलपत्रनिंबअरुवासा मुथ्रगिलोयजुधात्रीतासा कुटजत्वचादोरजनील्याय कलिंगाकिरायताचित्रापाय सुंठीहरडबहेडामान वेंतकौडसमक्काथसुजान जाकोपीवैरोगीजोय एतेरोगनाशसुनसोय कफविकारपुनापित्तविकार अक्षिपाकअरुरक्तविकार नयनश्रावपुनशोथहिजाय वंगसेनमतदियोवताय ॥ अन्यच ॥ वासानिंवपटोलगिलोय मूलमुस्थरपंचत्रिफलाजोय मुलठीचंदनसुंठीलीजै इनकाक्काथप्रातउठपीजै वातपित्तकफकेजुविकार काचकंडुअरुतिमरनिहार नेत्रश्रावअरुशोथविनाशैं पटलरोगसन्नपातसुनाशैं ॥ अन्यच ॥ वासामुस्थरनिंवपटोल कौडगिलोयचंदनसमघोल कोगडइंद्रजवदार्वीजान चित्रासुंठीकिरायतामान हरडवहेडेआमलेजोय क्काथप्रातउठपीवैसोय अधिमंथादीरोगानिवारै पित्तकफादिकरोगहिटारै अष्टभागजवक्काथवनावै वासादिक्काथाहिसंगरलावै प्रातकालपीवैनरजोय एतेरोगनाशतवहोय कंडूशुक्रतिमरव्रणदाह लालीअर्वुदपिल्लहिताह नेत्रपटलअरुपीडानाश औरहुंरुजभीहोहिविनाश त्रिदोषजरुजहिनेत्रोंजोय निश्चैकीजैनाशैसोय इतिअधिमंथादिनेत्ररोगचिकित्सा

॥ अथअन्यप्रकारनेत्ररोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ अग्निधूमतापभयस्वेद शोकअवरइत्यादिकषेद इन्हसोंरोगनेत्रहोइजास सनिग्धशीतलेपनहितास अवरमधुरलेपनाहितकहिये ऐसेंतासचिकित्सालहिये ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ होवैक्षतजरुजनेत्रहिजास मुखहुवाडस्वेदहिततास नारीस्तनपयनेत्रोपावै होयरुजशांतितवसुखपावै ॥ अन्यच ॥ सूर्यविजलीअरुआकाश स्वेतवस्तुवहुदेषीजास नेत्रजासकेहतहोजावैं तासचिकित्साऐसैंगावैं शीतसनिग्धलेपपरकार तानरकोंजानोहितकार अरुत्रिफलासेंवैनिशिजोय ताहूकोंहितकरहैसोय ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ अभिघातहुतैंजोनेत्रविकार ताउपायअसकह्योउचार सितादिरजनीअरुत्रिफलाय मधुनारीपयसोंपीसाय नेत्रनकोंपूरैतिससंग अभिघातजदुखहोवैभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ बटपत्रनकेपुटमंझार घृतकलिंगजुपकायसुधार तासोंपूरैनेत्रहिजोय पीडानाशपरमसुखहोय ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ अजादुग्धघृतमेदमुलठ ऋषिभजीवउत्पलसुइकठ मंदअग्निसोंपायपकावै पायलायअभिघातजजावै यहघृततैंअभिघातमंझार परमश्रेष्टमननिश्चयधार ॥

॥ अथनिद्राचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्वेतमरचउत्पलगजकेसर पीसवर्त्तिकासोवनायधर नेत्रनमोंपुनपावैतास वहुनिद्राकोहोवैनाश ॥ अथनसवार ॥ कंडचारीमधुलवणमुलठी नसवारकरैसभपीसइकठी ताकोलीजैनितनसवार निद्रानाशैयहमनधार ॥ अंजन ॥ चौपै ॥ मरचपीसअश्वलालासंग वामधुसोंअंजननिद्राभंग ॥ दोहा ॥ नेत्रचिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार भिन्नभिन्नसभरोगकीसमझोवैद्यविचार इतिनेत्रजरोगाचिकित्सासमाप्त-

॥ अथनेत्ररोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ नेत्ररोगकेपथअपथसुनलीजैमनधार भाषसुनावोंसभप्रतिवैद्यकमतअनुसार ॥ अथपथ्यं ॥ पैरतलीकेमध्यजोनारि सिरपर्यंतसोव्यापतसारि नेत्रमार्गपर्यंतसोरहै तातेमर्दनपदहितकहै वालेपनजोपदमोंकरै नाडीद्वारनेत्रगुणधरै पैरमलिनतातप्तजुहोय पदसंघटनजुपीडनजोय ताहिदुःखितजवनाडीहोई नेत्रदोषप्रापतकरसोई तिहकरपैरतलीकेमाही लेपनधावणाहितहैताही त्रिफलाघृतमधुयवहितजान पादमर्दनशतावरीमान एहनेत्रहितवर्गकहीजै वैद्यग्रंथमतयहसुनलीजै जीवंतीशाकसुमिठेसोये शाकचुलेरीश्रेष्टहैजोये मूलीपोतकीसियूजान करीरशाकघृतभुंनप्रमान ॥ चौपई ॥ रुधिरमोक्षस्वेदअरुअंजन लेपनरेचनपुनलषलंघन शस्त्रक्रयाजानोनसवार चावलरक्तमुंगयवधार वनकुलत्थरसअरुघृतपान लवामोरवनकुरुकुटमान कूर्मअरुकालिंगकोमास लसुनपटोलकरेलेभास इटसिटअवरककोडेकहिये वाथूअरवृंताकजुलहिये कायाकोठीधनियांजानो शाककुआरिगंदलमानो द्राक्षमुनक्काअवरछुहारे इस्त्रीदुग्धवदामउचारे चंदनचंद्रचांदनीजोय लघुअरुमधुरवस्तुजोहोय इत्यादिकसभपथ्यपछान तासअपथसुनकरोवषान ॥ दोहा ॥ नेत्ररोगकेपथकहेवैद्यकग्रंथविचार तासअपथसुनलीजियेसोअवकरोउचार ॥ दोहा ॥ श्रेष्टशाकवनकर्कटीस्निग्धशाकहेजाय नेत्रोंकोहितमानियेंजवघृतसाधितहोय ॥ चौपै ॥ अथनेत्ररोगेअपथ्यं ॥ चौपै ॥ क्रोधशोकजानोपुनमैथुन अतिकरसूक्ष्मवस्तुकादेषन दंतकाष्टपुनलहोस्नान रात्रीभोजनआतपजान वहुवकवादजुछर्दकहीजै वहूपुष्पदधिअमलभनीजै मत्सकरेलेवहुजलपान मदरामांसहिजांगलजान लवणाअवरतांवूलभनीजै दाहकवस्तुअपथ्यकहीजैं रूषोउष्णअन्नगुरुपान वेगरोकनोसवहिपछान ॥ दोहा ॥ निद्रामूत्रपुरीषहीअधोवातपुनजान वमनवेगजोरोकियेमहाअपथ्यपछान.

॥ अथकर्मविपाकवर्णनम् ॥ आदौकाणत्वदोषकारणनिरूपनं ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ व्राह्मणदेवसदनतेजोय दीपककोहर्ताहोइसोय अरुनग्नजुइस्त्रीदेषैजोइ नेत्रदोषइनकारणहोई तासउपायवषानोएहु सोनिजमनमोसमझीलेहु ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ एकवर्षलगवाषटमास देवालयवाद्विजगृहतास दीपस्वर्णवारूपेकोही ताम्रदीपवामृन्मयहोही दीपककेमुखचारवनावै चारहुमुखपरवातीपावै गोघृतपाइजलावैसोय नित्यनेममनधारेजोय अरुश्रीविष्णूपूजाकरै सुंदरवस्त्रनसोंआवरै व्राह्मणकोंजुसदक्षिणदेवे याहिदोषतेंमुक्तिलखेवै ॥ दोहरा ॥ काणादिककेदोषकोंवरन्योभलप्रिकार नेत्रांधदोषवर्ननकरोकारणसहउपचार ॥ इतिकाणादिसमाप्तम् ॥

॥ अथनेत्रांधदोषवर्णनं ॥

॥ अथक[illegible] ॥ चौपई ॥ जोकोइश्रेष्टसंतलषपावै क्रूरदृष्टितिसऊैरचलावै सोनरनेत्रअंधहोइजाय. ताकोंऐसेलषेउपाय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ शुवर्णमूर्तिगोपालवनावै मोरमुकुटमुरलीधरवावै पीतपटंवरताहिउढाय वहुतंडुलऊपरतासवठाय विधिसोंपूजैप्रीतलगाव जापकरैमनसोंचितलाव मातादेवकीअरुवसुदेव दक्षिणभागसहितवलदेव विधिवतइन्हकीपूजाकरै प्रीतभावअतिमनमोंधरै वामभागश्रीमूर्तविराजैं सूर्यादिकग्रहपूजासाजै वामभागअष्टदिगपाल इंद्रादिकयजसाहिगोपाल विष्णुमंत्रकरहवनकरावै-

विप्रहिदेनिजदोषमिटावै ॥ दोहा ॥ नेत्रअंधकेदोषकोकारणकह्योउपाय मंददृष्टिउपायअवभाषोंसुनचितलाय ॥ इतिनेत्रांधदोषकारणउपायसमाप्तं ॥

॥ अथमंददृष्टिदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ उदयअस्तमध्यान्हमंजार सूरजदेखैनरवानार अरुजोतनअपवित्रहिहोय सूर्यचंद्रकोदेखैजोय अग्निनक्षत्रद्विजसुरगुरुगाई अपवित्रदेहदेखैइन्हताई मंददृष्टिइन्हदोषतेंहोयताउपायभाषोंसुनसोय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ सूर्यप्रतिमास्वर्णवनावै गंधादिकविधिवतपूजावैं करसंकल्पविप्रवरदेय मुक्तिदोषतेंहोइसुखलेय ॥ दोहा ॥ नेत्ररोगकेदोषसवकहेजुसुनधरकान करणरोगकेदोषकोंआगेकहोंसुमान ॥ इतिकर्मविपाकः ॥

॥ अथज्योतिषमतेनेत्ररोगं ॥

॥ दोहा ॥ जन्मकुंडलीलग्नमोदिनकरहोएप्रधान विकलनेत्रहोइताहिनरनिश्चैकरइहजान मेषहोइकरलग्नमोसूर्य्यकरैप्रवेश तिहनरातिमरहिरोगकरनेत्रहिहोइक्लेश अपनीराशिहोईकरजन्मलग्नपडजाय तवअंधरात।होतनरज्योतिषमोंप्रगटाय जन्मकंडलीकेविषैक्रूकूसूर्यपडे वुद्वुदनेत्रजुहोतहैनिश्चयजोगधरे द्वादशघरकेमध्यमेंचंदपडैगोआन तौभीकाणाहोतनरनिश्चयकरतूजान मंगलगुरुअरुसूर्यजोमिलकरराशीमाहि पीडांनेत्रकेरोगकीप्राणीभोगैताहि ॥ उपाय ॥ जन्मकंडलीकेविषेग्रहतीनोंतुमजान वुधसूर्यअरुदेवगुरुइकठेइकघरमान तातेंनेत्रजुरोगहिहोवततिसनरमाहि सोसमुझोचितलायकेजात्तकग्रंथवताहिदोषनिवांरणकारणेयहउपायहैश्रेष्ट मुख्यसूर्य्यफुनदेवगुरुमंगलपूजइष्ट अरुचांद्रायणव्रतकरे ब्राह्मणाजझकरेय यथाशक्तजपपाठकरनेत्रहिरोगहरेय ॥ इतिज्योतषउपाय ॥

॥ अथान्यप्रकारनेत्ररोगाऽधिकारकथनम् ॥

नेत्ररोगफारसीचसमरोगकहतेहै ॥ दोहा ॥ दसइंद्रीसभदेहमेवाह्याभ्यंतरजांन नेत्रप्रशंसाअधिकहेसकलग्रंथमतमांन ॥ चौपई ॥ कासःनामनेत्रघरजांनो पडदेतींनताहुमेमांनो पडदाप्रथममिलासोपाछे सलवीयःनामकहतजगआछे दूसरपडदाआगेहोई मशीमःनामकहतहैसोई इसकीसकलजेरकीजांनो सवकीयःनामतीसरामांनो छिद्रछिद्रतीसरमेंहोई सकलछाननीमानोसोई पडदेतींनताहिजलजांनो भिंनभिंनसोइनामपछानो पडदेप्रथमनीरजोहोई जुजाजःनामकहतहैसोई लालरंगनिरमलसोजानो तेजवांनअरुगोलपछांनो जैसेंकाचढलीहैसोई ऐसीसकलप्रथमजलहोई जिलदीयानामदूसराजांनो जलतीसरवयजीयामांनो श्वेतसकलअंडेकीहोई पडदेचारउौरसुनसोई पडदेचारनामपहचांनो इनकवूतियःआदवखांनो गरडजालघरजैसासोई इसकेमध्यछिद्रइकहोई सोइछिद्रवं[illegible]होजावे दृष्टिवंदनरअंधकहावे रंगयथानीलमकाजांनो वाअकाशकारंगपछांनो इसकारनतेंरंगसमां[illegible] नेत्रनहेतमांनदुखदांनी अनवीयःनामदूसराजांनो करनीयःतीसरपडदामांनो निर्मलगोलअधिकमनभ[illegible]लानामप्रसिद्धकहावे मुलतहमापडदाचौथाहोई चिकनाश्वेतमांसहैसोई डेलेसंगमिलासोजांनो मछलिआंवीचजुडापहचांनो सोजाइसपरलालीहोइ पाणीचलेपीडकरसोइ अधिककचांदनासोनहिभावे अधिकपीडजलअधिकदिखावे दरदचश्मनामासोकहिए रमदनामसोदूसरलहिए रुधिरअधिकगरमीतेंहोई करेजलनपकजावेसोई जेकररुधिरपित्तलखपावे ताहिनेत्रकछुपीतदिखावे अधिकरुधिरपीडलखपावे

सेरेरोगकारुधिरलुडावे दहनानेत्रपीडपरगासे दक्षणभुजतेंरुधिरनिकासे वामनेत्रपीडायुतहोई वामीभुजातेंमांनोसोई दोइनेत्रपीडालखपावे दोइभुजातेरुधिरलुडावे ॥ दोहा ॥ इराकदेसकेवीचहींऐसायतनप्रधांन रुधिरलुडावेतीनादिनहरइकरगपरमांन ॥ चौपै ॥ हिंदुस्तांनश्रेष्ठविधभावे सेरेरोगकारुधिरलुडावे फेरताहिदिनदूसरमाही वासीरुधिरलुडावेताही जेकरनाडरुधिरनांभावे तौक्याडीपरपछलगावे वाशिरमध्यनाडपहचाने रुधिरनिकालनेत्रसुखमांने देषवलावलदस्तकरावे अम्लतासहरडमनभावे शीरषिशत्तगुलाववाहोई द्रावकसमसूखमहैसोई धनिआमिसरीदोईमंगावे साडेत्रैत्रैमासेपावे चरणरातउष्णजलसंग सेवनकरेनेत्ररुजभंग मेथीवीजमंगावेजोई ताहिउवालनर्मजवहोई वांधेअथवालेपकरावे सोजपीडनेत्रनकीजावे जढसोसनजूहीजढल्यावे वालापत्रपद्मसंगपावे करइकत्रभांडेमेंपावे अगनवीचधरभस्मवनावे सोइभस्मलेंकरशिरधोवे नेत्रपीडताहीछिनखोवे हर्दलदारूहर्दल्यावे देवदारताहीसंगपावे स्त्रीदूधसंगपीसोसोई अथवाभेडदूधजोहोई चाढअगनपरताहितपावे उतारझग्गनेत्रनमेपावे लोध्रआंमलादोईमंगावे गोकेघृतकेवीचभुनावे रगडनीरसोनेत्रनपाय करेलेपपीडाकटजाय लोध्रपायजलपीसेकोई पांनपत्रपरलेपेसोई अगनीदेगवीचहीपावे भलावेताछिनवीचजलावे मुखपरपांनपत्ररखसोई प्रवलधूंमजबनिकसतहोई भलावेजलेधूंमअतिजागे पांनपत्रलोध्रसंलागे जववहपत्रधूंमवहुखावे लोध्रपत्रसोंजुदाकरावे सोइलोध्रजलपायघसाय फडकडीमेलनेत्रमेपाय अतीनीरनेत्रनतेआवे नीरवंदऔषधफिरपावे इहविधछेईवारजवकरे नेत्रपीडइकादिनमेहरे मैदालोध्रदोइसमल्यावे चौदाचौदामासेपावे गोघृतसेंदोगोलीकरिए मृतकपात्रअगनीपरधरिए ऊपरगोलीदोइतपावे एकउठायनेत्रपरलावे शीतलहोएदूसरीलिजे दोईघडीतकऐसाकीजे नेत्रपीडसोजाकटजावे दोईघडीमेंअतिसुखपावे तांवानरमूतरमंगवावे खूपशिलापरदोइघसावे रूंईभिगोयनिरंतरधरिए गोघृतऊपरलेपनकरिए जाविधरूंईसुकायरखावे स्त्रीदूधसंगनेत्रनपावे कंन्यावानहोएसोनारी ताकोदूधनेत्रसुखकारी ऐसायतनकरेनरकोई नेत्रपीडकटअतिसुखहोई पांनपात्रकावीडाल्यावे चूपेमुखरसवाहरआवे प्रथमपीकलेमधुमिलाय नेत्रपायपीडाकटजाय

॥ अथकफजनेत्ररडकलक्षनउपाय ॥

॥ चौपै ॥ नेत्रपीडकफहूंतेजागे थोडीरडकनीरवहुत्यागे ताहियतनकरशीघ्रहटावे निंवपत्रसुंठीमंगवावे जलसंजोगपीसिएदोई पुनकरनेत्रनपावेकोई कफजपीडनेत्रनकीजावे सुगमउपायअधिकमनभावे निंवपत्रसुर्मासमल्यावे लोध्रमेलकरखूपपिसावे वांधपोटलीऐसाकरिए रातएकलेजलमेंधरिए प्रातसमेनेत्रनमेंपावे नेत्रपीडताहीछिनजावे देषवलावलयतनकरावे सीसालूणमैनफलपावे वातजनेत्रपीडपहचांनो पीडाअधिकलालअतिमांनो नेत्रखैंचवाहरकोआवे चिपडअधिकनीरदरसावे शीघ्रलेपऊपरस[illegible]लावे ताकीऔषधऐसीभावे सुंठीसीसालूणमंगावे सोसनकीजढलोध्रमिलावे गोघृतमेल[illegible]समसोई अंजनकरनेत्रनदुखखोई एरनजढअरुपत्रमंगावे निंवपत्रताहिसंगपावे सैहजावीजामिला[illegible]सोई पीसछाणमैदासमहोई रत्तीएककपूरमिलावे गोलीकांजीपायवंधावे छामेताहिसुकावेकोई रगडनीरसोअंजनहोई चंदनश्वेतघांरसंगपावे निंवपत्रसोसनजढल्यावे लूणपायपीसेनरसोई सप्तनीरसोंअंजनहोई ऊपरलेपताहुकाकरिए नेत्रपीडताहीछिनहरिए जेकरनेत्रपीडअतिमांने वातपित्तकफभेदनजांने ताकोयतनसंजोगीकरिए सोऔषधआगेमनधरिए तोलेसातलोध्रमंगवावे

हरडपीसदसमासेपावे सीतलजलसोंपीसेदोई रूइभिगोयवांधिएसोई इंदजपीडताहिछिनहरिए आगेऔरऔषधीकरिए गुथलीवीचचाकसूसोई आधीगुथलीखालीहोई मुखकरवंददेगमेंपावे नीरपापायअतिहींगडकावे फूलचाकसूमोटाहोई छिलकाताहिउतारेकोई विनाधूपभीतर-सुकजावे अर्धभागसंगवसरीपावे अंजनपीसवनावेकोई परमऔषधीनिश्चयसोई अथवाफकतचा-सकूपावे तौभीसकलपीडकटजावे लिहगदेकीलेवेकोई वीचचासकूसंपुटहोई देगवीचधरअतिज-लपावे चाढअगनपरखूपपकावे पकायचासकूलीजोसोई अर्धभागसंगवसरीहोई कांसपात्रमेदोय रखावे मधूमिलायखूपपिसवावे दूसरकांशपात्रलेहाथ रगडेखूपताहुकेसाथ जवमखीरताहीसुकजावे तौजलपायफेरपिसवावे सातभावनाजलकीदीजे मखनमेलगोलिअंकीजे ताहिरगडनेत्रनमेपावे निश्चे-नेत्रपीडकटजावे निंवूरसलोहेपरपावे लोहटूंवलेखूपघसावे जवनिंवूरसगाढाहोई लेपकरेनेत्रनपरसोई इंदजनेत्रपीडकटजावे निश्चेकरसुखनींदलिआवे निंवपत्रसुंठमिंगवावे वांसापत्रकौडसंगपावे त्रिफ-लाहलदीमुथरआंनो चिरायताचंदनलालपछांनो गिलोईअवरइंद्रजौलीजे तोलेचारचारसमकीजे दिनइ-कीतकक्राथपिलावे सकलनेत्रपीडाकटजावे.

॥ अथकुहरचशमलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ आगेऔरभेदसुनसोई यखमवीचनेत्रनकेहोई कुरहचशमनामासोजांनो हिंदीचांदीपलक-पछांनो तीक्षणरुधिरहोतहैजवही नेत्रयक्ष्मपीडाकरतवही ताहिफसदकररुधिरलुडावे मिसरीत्रिफलाक्रा-थपिलावे अलसीवीजमंगावेकोई मेथीरसमेराखोसोई लुआवलेसलानेत्रनपावे ऊपरअगलालेपकरावे अंडेकीजरदीमंगवावे केशरसंगलेपकरवावे पतलालेपकरेनरसोई यक्ष्मदूरपीडासभखोई मेथीअलसी-वीजमंगावे पौनापौनापाउोलिआवे धोवेखूपशुद्धकरलेवे पानीगर्मताहुमेंदेवे दोईपहरतकराषेकोई लुआ-वलेसलालीजोसोई ॥ दोहा ॥ काचपात्रमेपायकर राषधूपमेसोय ऊपरपडदाभुर्जका अथवाकपडाहोय-॥ चौपई ॥ जवउलावसोईसुकजावे तौफुनिऐसायतनवनावे साडेत्रैमासेसोलेवे केशरफीमदोईसमदेवे नीरपायपीसेनरकोई वांधगोलिआंराखोसोई रगडनीरसोनेत्रनपावे यक्ष्मदूरपीडाहटजावे करनीयापड-देयक्ष्मजोहोई अथवाअनवीयामेसोई चंगाहोएशेषरहजावे अथवाऊपरफोलाभावे फोलानामव्याज-करकहिए गुलचमनामसोदूसरलहिए फोलाजक्ष्मपुरातनजानो सोअसाध्यलक्षनपहचांनो फोलानूतनपत-लाहोई ताकोयत्नशाघ्रिकरसोई जेकररुधिरअधकलखपावे ताछिनरगकारुधिरलुडावे अथवापछकरावेसोई गर्महुआडाशीरऊपरहोई गर्मस्थानलखपर्सापावे तौफुनिऐसायत्नवनावे आद्रकलेहकीममुखचापे चापत-हीरसनारसव्यापे जीभसंगसोइफोलाचाटे चाटनतेंफोलादुखकाटे वाडेलेकरदरडकरावें गिरीनिकाल-तेलनिकसावे समुद्रझग्गडिडमासालेवे दुगनातेलताहिमेंदेवे पीसमहिननेत्रमेंपावे अति फोलाताहीकट-जावे समुंदरझगकचझगलीजें लूनइरमनीतासंगदीजें घोहजीवकीविठमिलावे मिशरीअ खंडरलावे लेसमऔषधपीसेकोइ पर्सापायगर्मतनहोई तौफुनिऔषधनेत्रनपावे ताहीछिनफोलाकटजावे झगकाचकी-सोइमंगावे पीसनीरसंगनेत्रनपावे फोलारोगताहीकटजावे ग्रंथकारमतजाहिवतावे आरसिकासीसाजोहो-इ डिगकरवीचमृत्यकासोई पुरातनअतिसोइसीसालीजे पीसनीरसोअंजनकीजे रजतमुंदरीप्रथममंगावे ताहीसंग फोलारगडावे मिशरीअथवालूणजोहोई वैद्यआपमुखचापेसोई जीभसंगफुनिफोलाचाटे एसाकर

दुखफोलाकाटे समुद्रझग्गलेताहिपिसावे वुहाराताछिनऊपरपावे जेकरफोलापतलाहोई चाटनकीविघकरेनकोई सिकडजढकरीरकेलीजे एरणाछिलकातासंगदीजे सुहांजनवीजभांगुराल्यावे निंवपत्र। काफूरमिलावे वसमापत्रकांजीसंगपाय करेखर्लगोलीवंधवाय छामांताहिसुकावेकोई रगडनीरसंगअंजनहोई निश्चेकरऔषधमनभावे फोलारोगताहिकटजावे संभालूजढजलपापघसावे नेत्रपायफोलाकटजावे श्वेतरतकतांवेपरपावे स्त्रीदूधसंगखूपघसावे मसरसमांनफोलेपरधरिए पटीवांधदुखफोलाहरिए अतीपुरातनफोलाहोई अतिचिरकालसेविएसोई जोकालेपरफोलाहोई पतलासघनविंदुवतसोई तौहस्तीनखकेशरल्यावे नीलाथोथासंगरलावे पुत्रवतीकादूधमंगावे लेसमऔषधखूपघसावे अंजनकरनेत्रनसुखहोई फोलासहजदूरहैसोई वोडवृक्षकादूधमंगावे नेत्रपायफोलाकटजावे मानुषपित्तानेत्रनपावे अतीपुरातनफोलाजावे श्वेतमूसलीताहिमंगावे पीसनीरसंगनेत्रनपावे फोलारोगदूरज्योहोई आगेऔरभेदसुनसोई छालानेत्रमध्वयोहोई आवलाचशमनामहैसोई हिंदीछीलानामपछांनो प्रघटहोतअतिपीडामांनो अतीनीरनेत्रनतेआवे ताहियत्नकरशीघ्रहटावे जेकरपालनराखेसोई मांसखटेआइसेवितहोई अथवाअधकवातलगजावे ताकोऔषधऐसीभावे सांभरलूणदरडसोकरिए पोटलीवांधनेत्रपरधरिए दृढकरपटीताहिवंधावे पीडदूरछालाहटजावे मिसरीडलीहाथमेहोई छालातासंगरगडेकोई अथवारजतछापमंगवावे तासंगरगडेछालाजावे मानुषहाथीअश्वपछांनो फोलाहोएऔषधीमांनो फडकडीहलदीसुंठमंगावे सीसालूणभागसमपावे पीसछांनमैदासमहोई रातादिवसनेत्रनमेंसोई तींनवारानितसेवनकरिए फोलारोगताहिछिनहरिए नरहाथीअरुअश्वविचारो इनकाफोलादूरनिहारो खुर्कनेत्रपलकमेंहोई जरवचसमनामाहैसोई ताहितनरऐसामनभावे सेरेरोगकारुधिरछुडावे पाछेकाथहरडकादीजे सातादिवसतकऐसाकीजे तौफुनिदोषसघनहोजावे वातदोषसोवाहरआवे अतीधूपअतिचांदनजोई इनसेपालकरेनरसोई भोजनअतिभारानहीखावे अतिऊचावोलननाहिभावे जंगालसाडेदसमासेल्यावे लालफडकडीतासमपावे दोईजलायखीलकरलेवे कांसखीलसतमासेदेवे केसरमधूमिलावेदोई मासेसातलीजिएसोई दोमासेमघसंगामिलावे करइकत्रऔषधमनभावे नीरपायखर्लकरलीजे जौसमानगोलिआंकीजे लालरंगकीगोलीहोई इयाफअहमरनामहैसोई रगडनीरसंगनेत्रनपावे सकलखाजनेत्रनकीजावे मांसऔरखटेआईजोहोई इनसेपालकरेनरसोई धतूरेकेफुनिपत्रमंगावे ताहिफूककरभस्मवनावे मखनमेलतांम्रपरधरिए मर्दनफुनिसोंअंजनकरिए दिनदिनप्रतिअंजनमनभाय सकलखाजनेत्रनकीजाय

॥ अथमुगीदचशमलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ नेत्रकोनमांसवधजावै मुगीदचशमसोइनामकहावे कोननासिकापासेहोई वैरसमानहोतहैसोई [illegible] हेयतनऐसामनभावे जंगालनुसादरदोइमंगावे पीसनीरसंगमर्दनकरिए अथवाकाटजुदाकर [illegible] अंडेकीजरदीजोहोइ ऊपरमर्दनकरिएसोइ नाखनःनामनेत्रदुखहोइ जफरःनामप्रघटहैसोइ [illegible] काइकपडदाधावे नेत्रकोंनतेडेःलेआवे. धीरेधीरेपसरतसोइ कालेडेःलेऊपरहोइ नेत्रधीरिऊपर [illegible] वआवे दृष्टिवंदकछुदृष्टनआवे मोटाअतिकरडाजवहोई नारयनःनाममानिओसोई ताहिदिमागशु[illegible]करवावे कंडेआरीफलरसनाकचढावे तौपाछेविधऐसीकरिए युक्तिसमानकाटकरधरिए जेकर-

नूतनपतलासोइ ताहियतनविधऐसीहोइ कर्नमैललेमधूमिलावे अंजनकरदुखदूरहटावे सिकामासेसा-तमंगावे अर्धभागपारासंगपावे मुंगएकमासासंगपाय हीरामासाएकरलाय करेखर्लसुर्माकरपावे रोग-नाखनाताछिनजावे कांफलसंखमर्चमंगवावे समुंदरझग्गताहिसंगपावे कूंजअंडेकाछिलकालीजे कर-इकत्रसमखर्लसुकीजे पीसमहीननेत्रफुनिपावे रोगनाखनाताहिहटावे नीलाथोथालोध्रमंगावे फटक-डीसंगताहुकेपावे साडेत्रेमासेपाय मघसोमासेचारमिलाय ताम्रपात्रकेबीचमिलावे निंबूरसकेसंग-घसावे अंजनकरनेत्रनसुखहोइ रोगनाखनानासेसोइ संखमखीरदोइसमलीजे ताम्रपात्रमेंमर्दनकीजे इयामहोएतवनेत्रनपावे रोगनाखनाताछिनजावे जढविसखपराताहिमंगावे रगडनीरसंगनेत्रनपावे प्रथ-मत्रौषधीऐसीभावे पाछेऔषधऔरसुखावे संगवसरीसोताहिमंगावे जौदानाकफूरसोसंगमिलावे मासे-सातलीजिएदोइ ताहूकेसममिसरीहोइ पीसनेत्रमेंअंजनपावे पाछेऔषधऔरसुखावे लालरंगका-विंदूहोइ चिटेआईऊपरहोवतसोइ तरफःनामफारसीजानो हिंदीअंवनामपहछांनो जेकरविंदूपतला-होई तौअलाजऐसाकरसोई कबूतरपकडहाथमेलीजें वडापरकरसोंपुटदीजें निकसेरुधिरनेत्रमेपावे विंदूलालताहिकटजावे जेकरविंदूकरडाहोई ताहियतनऐसाकरसोई हरतालमनशिलाबोलमंगावे छ-लीरावुढासंगरलावे रत्तीसातसातसमलीजें पीसनीरसंगगोळीकीजें धनिएकारसपायघसावे नेत्रपायविं-दूकटजावे करेयतनविंदनहिजावे सरेरोगकारुधिरछुडावे कुकुडकाअंडाइकहोई चिटेआईताहुकी-लीजोसोई सोईपीसनेत्रोंमेपावे लेपताहुकाफेरबनावे गुलावरोगनगुलरोगनलीजें चिटेआईमेललेपसो-कीजें विंदूलालदूरहोजावे करेयतनसुखनेत्रनपावे चिटेआईबीचनाडिआंजांनो लालरुधिरसंगपूरनमानो सबलनामफारसकाहोई हिंदीछात्तःपरनासोई रोगअसाध्ययतननहिभावे सरेरोगकारुधिरछुडावे अथ-वारगसाफनकाभावे ग्रीवापीछेपछकरावे त्रिफलाचूरनसेवेसोई मासेसातनिताप्रतिहोई वहेडामोमगाव-घृतल्यावे करइकत्रनिंबूरसपावे करेखर्लफुनिनेत्रनपाय सबलरोगताहीकटजाय खिचडीमुंगसाथघृतखा. वे खमीरारोटीमधूसुखावे रहेपालपरदोषहटावे नातरदोषअधकबधयावे॰

॥ अथशयरजायदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शयरजायदरोगजोहोई पडवालनामहिंदीहैसोई सोइबालभीतरजवजावे उलटेहोकरनेत्र-दुखावे ऋतूवतलेसदारजवहोई दुर्गंधीकरउलटावतसोई शयरमुनकबलनामपछानो रोगअसाध्यहो-तपहचांनो ताहियतनऐसामनभावे पकडमोचनावालपुटावे सूईतपायदाघसोदीजें ऊपरलेपताहिछि-नकीजें कुत्तेकीमाखीमंगवावे गंडेरनचडवामंझुनल्यावे डडूंजीवआनिएसोई इनकारुधिरलेपाहितहोई अथवातेलतिलोंकालीजें वालपुटपुनमर्दनकीजें ॥ दोहा ॥ पित्ताकालेहर्नकाछांमेराखसुकाय ॥ पीसने. त्रअंजनकरेपडवालरोगहटजाय ॥ जढविसखपरेश्वेतकीछायापीससुकाय गोघृतसोंअंजनकरेपडवाल-रोगमिटजाय ॥ चौपई ॥ खाजहोतनेत्रनकेमाहि झडेवालपुनिउपयतनाही सोइहर[illegible]भेदहेंदोई प्रथ-मभेदलक्षणसुनसोई लालफिंमनीकरडीहोई असाध्यवालविनमांनोसोई दूसरभेदख[illegible]चांनो झडे-वालकेलक्षणमांनो कंडेआरीरसनसुआरचढावे दिमागशुद्धकरयतनसुखावें छुहारेकी[illegible]कमंगावे करसंपुटपुनिभस्मबनावे करेखरलानिंबूरसपावे अंजनकरदुखदूरहटावे ऋतूवतअधकनेत्रलख[illegible]सरेरोग कारुधिरछुडावे पीछेपछकरावेसोई वैठहमामगर्मतनहोई गर्मनीरशिरधारादेवे तौफुनिऐसीऔषध[illegible]वे संग वसरीमिसरीमंगवावे नीलाथोथासंगरलावे मुसककपूरभागसमलीजे खर्लपायजलगोलीकीजे र[illegible]नी-

रसंगनेत्रनपावे वालझडेपरयतनसुखावे सुंठलौंगसतमासेल्यावे मिसरीतोलाडूडमंगावे कपूरएकमासासंगदीजे पीसनीरसंगगोलीकीजे रगडनीरअंजनकरसोइ झडेवालपरऔषतहोइ ॥

॥ अथअंधरातारोगवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ अंधरातारोगप्रघटपहचांनो अशानामशवकेरीमांनो ऋतूवतसघनलेसलीहोई रोगअंधरातउपजतसोई सूरजतेजहोतदिनमाही ऋतूवतपतलीहोवतताही रातसमेसरदीवलजानो सघनऋतूवतअंधपछानो ऋतूवतास्निग्धरुधिरलखपावे सरेरोगकारुधिरछुडावे ग्रीवापीछेपछलगावे वाभ्रूमध्यरुधिरनिकसावे अथवानेत्रनाडजोहोइ तिनकारुधिरनिकालेसोइ पीछेरेचकऔषधखावे कंडेआरीफलनसुआरचढावे जेकरअधिकनेत्रकफमांनो कफहररेचकयतनपछांनो समुद्रझग्गमघपीसमिलावे अंजनतेअंधराताजावे संखमुलठीमनसिलल्यावे गिटकहरीडसुहांजनपावे रसअंजनवालीजोसोई तांम्रपात्रमेंमर्दनहोई भेडदूधसंगमर्दनकरिए श्यामहोएगोलीकरधरिए रगडनीरसंगनेत्रनपावे अंधरातारोगताहिकटजावे त्रिफलालूणमुलठील्यावे संगवसरीनीलाथोथापावे वावडिंगपुनित्रिकुटालीजें रसौंतमेलभागसमकीजें तांम्रपात्रमोसभीमिलावे भेडदूधसंगखूवघसावे तिरिआदूधताहिसंगदीजे श्यामहोयतवगोलीकीजे रगडनीरसंगनेत्रनपावे अंधरातारोगताहिछिनजावे कटुखरवूजेकीजढल्यावे विसखपरावांसाजढपावे वृद्धहेडमांकीजढहोइ इनसेएकलीजिएसोइ पीसनेत्रमेंअंजनपावे अंधरातारोगताहिछिनजावे सुदावऔरधनिआंरसलीजें चाढअगनपरगाढाकीजें करसीतलफुनिनेत्रनपावे अंधरातारोगताहिछिनजावे मोतिआंविंदकीऔषधजानो अंधरातेरोगपरसोहितमांनो अर्धांगरोगपरहुकनाजोइ अंधरातारोगपरहैहितसोइ उदरशुद्धकरदोषहटावे मुसब्बरतुंमादोईमिलावे इनकीगोलीरेचनहोइ देखवलावलसेवोसोइ रोगमोतिआंविंदजोहोइ नजुलाआवफारसीसोइ लेसलाजलदिमागतेंधावे धीरीनेत्रछिद्ररुकजावे सकलछिद्रबंदजवहोई दृष्टीबंदअंधकहुसोइ ॥ दोहा ॥ चौथाहेसाछिद्रकारुकजावेतवजांन दूरवस्तुसोनिकटलखछोटीवडीपछांन एकआदमीदेषकेदृष्टिपडेनरदोय चौथाहेमावंदतवलक्षणऐसोहोय ॥ चौपै ॥ हेसेतीनवंदजवजाने वडीचीजलखछोटीमांने उदरहुआडसीसपरधावे दुष्टदोषजलनेत्रनआवे तौभ्रमनेत्रनआगेहोइ रक्तपीतकालेलखसोइ अथवाभ्रमऐसोहोजावे मछरअथवावालदिखावे उदरदोषनेत्रनमेहोइ समानदृष्टिस्थिरहोएनसोइ पूरनउदरहोतहैजवहीं भ्रमकेलक्षणहोवततवहीं खालीउदरशुद्धजवजांनो भ्रमलक्षणसभदूरपछांनो वमनदस्तनरसोइकरावे उदरशुद्धकरदोषहटावे ऐसाभ्रमजवनेत्रनहोइ चारमासकेऊपरसोइ धीरीवंदअंधसोइजांनो मोतिविंदनौभेदपछांनो जलकेरंगभेदनौहोइ आगेलक्षणसुनिएसोइ प्रथमरंगानिर्मलमनभावे अतीश्वेतअरुसाफदिखावे दूसररंगरजतवतहोइ तीसररं[illegible]नीरसमसोइ चौथाश्वेतरंगजलजांनो पंचमरंगफरोजामांनो छेमारंगस्वरणवतहोइ सप्तमअतीपि[illegible]होइ अष्टमकालारंगपछांनो धूडारंगनवमसोमांनो ऐसेलक्षणआददिखावे रोगअसाध्ययतनना[illegible] जवभ्रमनेत्रनआगेहोइ मोतिविंदकालक्षणसोइ आदयतनऐसामनभावे पुडपुडिअनकीना[illegible]वे दोटुकडेकरकाटेकोइ दोषजजलउतरेनहिसोइ अगनदाहवाजोकलगावे सौंफअर्कवि[illegible]तीनपिलावे गुलकंदमधूकादीजोसोइ दोषपकेफुनिऔषधहोइ ॥ दोहा ॥ दिवसचारलगदीजिएरेचन[illegible]लीजोय हवशवयारकीनामहैदस्तहोतदुखखोय ॥ चौपै ॥ सीसाचिडेपक्षीकाल्यावे रोहमछीकी-

चर्बीपावे गंडामेलजालिएसोइ पायछारश्रंजनसुखहोइ नसवारलिखीसिरपीडामाही सोइकरदुख. जावेताही ॥ दोहा ॥ धीरीहोवेवंदजवश्रंधहोतहैसोय यतननेकविधकेलिखेविरलाराजीहोय ॥चौपै ॥ श्रादयतनऐसामनाभावे पुडपुडिश्रनकीनाडकटावे श्रथवानेत्रछिलावेसोइ दुष्टनीरनिकसतसुखहोइ-

॥ श्रथान्यमतेडलकारोगकथनं ॥

॥ चौपई ॥ डलकारोगहोतहैजोई दमऽनामफारसकासोई श्वेतऋतूवताचिकनीजांनो लेसदारर गवीचपछांनो नेत्रकोणवानिर्बलहोई इनकारनतेउपजतसोई श्रधकनीरनेत्रनतैंश्रावे श्रादयतनकर-सीग्रहटावे तुरशाश्रंगूरनीरनिकसावे संगवसरीलेताहिमिलावे नर्महोएपीसेनरसोई नेत्रपायडलकादु-खखोई संगवसरीफुनिहरडमंगावे सतसतमासेदोईमिलावे मर्चमुसब्बरमेलोदोई पौनेदोदोमासेसोइ पीसनेत्रमेंश्रंजनपावे डलकारोगताहिछिनजावे एरनजढहरीडसमहोई स्त्रीदूधसंगपीसोसोई श्रथ-वाभेडदूधसंगपाय श्रंजनकरडलकादुखजाय श्वेतमूसलीकीजढल्यावे मधूमिलायनेत्रमेंपावे गोका-मखनसोइमंगावे कुजेवीचधरवंदकरावे वृश्चिककासूरजजवहोई भूमीमध्यराखिएसोई छेइमासतक-ऐसाजांनो मेखरासकासूरजमानो तौनिकासफुनिश्रंत्रनकरिए डलकारोगताहिछिनहरिए ॥ दोहा ॥ भांगुरेकारसलीजिएमर्चलूणसंगपाय रूईभिगोवेताहुमेइक्कीनारसुकाय छायावीचसुकाइएजाविधइक्की-वार दीपकताहिजलायकेकज्जललेहुउतार सोकज्जलश्रंत्रनकरेरातसमेहितहोय डलकादूरविचारिए-श्रौरनेत्ररुजखोय ॥

॥ श्रथचरनाटरोगलक्षनम् ॥

॥ चौपै ॥ प्रसिद्धनामचरनाटजोहोई रववनामफारसकासोई दोषजजलमस्तकतेधावे लेसदार-होनेत्रनश्रावे तारतारनेत्रनमेहोई नेत्रपूरदुखदायकसोई ॥ दोहा ॥ नेत्रवीचजोइयांमतातापरश्वेतदि-खाय श्वेतवीचसोइलालहेत्ताररंगप्रघटाय ॥ चौपै ॥ समुंदरझग्गचाकसूल्यावे संगवसरीनीलाथोथापावे लेसमभागपीसिएसोई नेत्रपायदुखनासेहोई ॥

॥ श्रथशईरानामनेत्ररोगकथनं

॥ चौपै ॥ शईरानामसोजइकहोई नेत्रपलकपरमानोसोई जउोकीसकलताहुकीजांनो नेत्रसो-जदुखदायकमांनों ॥ दोहा ॥ चिट्टामोममंगायकेवारंवारतपाय सेकताहुसंगदीजिएताछिनसोजाजाय मखीकेशिरकाटकेपीसलेपकरसोय हुश्राडदीजिएनेत्रपरजाविधपरसाहोय मुसब्बरमधूमिलायकेश्रथवा-लेपकराय जौदारसोजाहटेश्रथवारुधिरछुडाय ॥ चौपै ॥ ग्रीवापीछेपच्छकरावे नेत्रकोणवाजोकलगा-वे श्रथवासोजकाटिएसोई रुधिरनिकालताहिसुखहोई मुसब्बरऊौरफडकडीलीजें जपमहोएपरमर्दन-कीजे गुंजाश्वेतलूणमंगवावे पछनागसमभागमिलावे करेखर्लनिंबूरसपाय जउोसोजपरलेपकराय श्रथवासेकमोंमकेकरिए जउोसोजताहीछिनहरिए नेत्रपलकमांसवधजावे गुहांजनीनामप्रसिद्धकहावे शरना-कनामफारसकाजांनो शरनाफनामसोदूसरमांनो फूटेपलकपृष्टतेंजोई नस्तरसंगका[illegible]एसोई लेकरसूईटां केलावे करेलेपदुखदूरहटावे लोध्रनीरसंगपीसेकोई करेलेपफुनिबांधेसोई शरनाफरोगताह[illegible]जावे शीघ्रजतनकरसुखउपजावे

॥ श्रथश्रनबीयालक्षनं ॥

॥ चौपई ॥ श्रनबीयापडदाचौडाहोई दृष्टिपसरखिंडजावेसोई फारसइंतसारकहलावे [illegible]ीघ्रजत-नकरसुखउपजावे चंवेपत्रकारसनिकसावे हर्दलदारुहर्दलपावे रगडनेत्रमेंश्रंत्रनकरिए इंतसारदु[illegible]ताछि-

नहरिए यक्ष्मनेत्रकोणमेंहोई नथूरहोएदुखदायकसोई गर्वनामफारसकाजांनो आगेयतनताहुकामांनो जवतकनीरपीतनाहोई कच्चारुधिरनानिकसेसोई ताहिदिमागशुद्धकरवावे कंडेआरिरसनकछिकनीपावे औरनुसारचढावेसोई दिमागशुद्धकरऔषतहोई अजुआंइनहलदीदोईमंगावे मासेसातखूपपिसवावे वुहाराकरताछिनसुखहोई आगेलक्षणसुनिएसोई प्रथमसोजकोणेपरधावे पडेपाकजलपीतदिखावे जरदावनामफारसकाजांनो पुरातनहोतअधकदुखमांनो ताहिजतनऐसामनभावे विनादाघदुखकवहुंनजावे भंडनिताप्रातिसेवनकारिए नथूररोगताहीछिनहरिए.

॥ अथरसौलीलक्षनं ॥

॥ चौपई ॥ रसौलीहोतपलकपरसोई मयदनामहिंदीकाहोई तहज्जरनामफारसीजांनो पुरातनहोए- असाध्यवखांनो पलकपकडकरसेंउलटावे भीतरनस्तरताहिलगावे आदयतनऐसाकरसोई गंदनिकाल- ताहिसुखहोई नीलाथोथाताहिमंगावे रगडनीरसंगलेपकरावे अथवाफलपीलूकालीजे पतलालेपता- हुपरकीजे जेकरपलकशुष्कहोजावे करडीहोएनेत्रदुखपावे निद्रातजजागेनरसोई नेत्रउघाडतअतिदु- खहोई जसानामफारसाकाभावे होएरडककरजतनहटावे हुआडसीसपरदेवेसोई गर्मस्थांनवैठेसुख- होई गर्मनीरशिरधारापावे परसापडेनेत्रदुखजावे धनिएकारसपीवेसोई अथवारसतरहूंकाहोई जेकर- नेत्ररडकलखपावे सेरेरोगकारुधिरछुडावे तिरिआदूधमंगावेसोई करपदनाभीमरदनहोई वनफसाघृतगु- लरोगनआंनो सोसनघृतवदांमघृतजांनो अथवागोघृतसोइमंगावे मर्दनकरदुखदूरहटावे.

॥ अथनेत्रमललक्षनं ॥

॥ चौपई ॥ जेकरअधकनेत्रमलहोई चिरकीचशमनामहैसोई आदयतनकरसीघ्रहटावे चिप्पडदूरने- त्रसुखपावे त्रिकुटामीचकवीजमंगावे हलदीदारूहदंलपावे संखलूणएरनजढलीजे किक्करपुंवलीतासं- गदीजें लेसमऔषधखर्लकरावे भेडदूधसंगनेत्रनपावे त्रिफलात्रिकुटालूणमंगावे समुंदरझगताहिसंग- पावे कुकडांडकाछिलकालीजे पीसभागसमनेत्रनदीजे कर्नमैलमधुसंगमिलावे नेत्रपायमलदूरहटावे-

॥ अथछौडधुंदलक्षनं ॥

॥ चौपै ॥ छौडधुंदनेत्रनमेंहोई जोफवसरनामाकहुसोई साठवर्षनरऊपरजांनो ताहियतनसमअधकनमांनो- दोषऋतूवतउदरदिखावे ताहियतनकरशीघ्रहटावे दूरदृष्टिसुंदरलखपावे निकटदेषकछुभरमदिखावे अती- नीरनेत्रनतेंहोई दोषऋतूवतलक्षणसोई अथवाअतिषद्यानरखावे ऐसालक्षणतिसउपजावे रेचनऔषध- सेवनकरिए उदरशुद्धकरकेदुखहरिए कंडेआरीफलरसनासिकपावे अथवारहसननीरसुखावे आदहृदे- कासोधनजांनो दिमागशुद्धकरऔषधमांनो सौंफक्वाथकरमधूमिलावे पीवेदोषताहिपकजावे सलू- नाभोजनअन्नभुन[illegible] रोटीमधूमेलकरखाय षटेआईवसतनखावेसोई सलगमअतिगुणदायकहोई मघां- मर्चसंगवसरी[illegible] वहेडेकीगिरगिटकमिलावे मुलठआंमलामेलोसोई दारचीनीताहूसंगहोई लेसम- पीसगोलि[illegible]रिए अंजनकरनेत्रनदुखहरिए रगडनीरसंगनेत्रनपावे छौडधुंदताहीकटजावे मघांथोंम- जढदोईं[illegible] मैदासेरदोईसंगपावे सातसेरफुनिखंडमिलाय गोकाघृतताहूसंगपाय करेकडाहप्रातनि- तखावे [illegible]पाउएकभरदृष्टिवधावे जौदानामुशककपूरमंगावे केशरकुठइलाचीपावे साजजहिंदीसुर्माआंनो चंदन[illegible]शरनागपछांनो दारचीनीताहूसंगपावे अदनीअदनादोईमिलावे लेसमनीरताहूसंगपाय करेख-

लंगोलीवंधवाय रगडनीरसंगनेत्रनपावे छौडधुंधदोईकटजावे जेकरगरमीखुष्कीहोई आगेलक्षणसुनिएसोई सूरजतेजमध्यजवआवे अथवाअतीखेदनरपावे गर्मऔषधीसेवितहोई दस्तसंगअतिनिर्मलसोई इनकारनतेधुंदपछांनो खुष्कनेत्रताहूकेमांनो अतिडूंगनेत्रनपडजावे वासंकोचनेत्रघटजावे अतीजलननेत्रनमेंहोई आगेऔषदसुनिएसोई भोजनगर्मखुष्कनहिखावे खट्टाअतितीक्षणनहिभावे ॥ दोहा ॥ रसअनारकालीजिएकाचपात्रमेंपाय दिनचालीतकराखिएभीतरधूपनलाय सोनिथारकरलीजिएमिसरीसंगमिलाय कपूरमेलअंजनकरेछौडधुंदकटजाय रोगनलेहुवदांमकाअथवागोघृतहोय नसुआरनितप्रतिलीजिएछौडधुंददुखखोय ॥ चौपै ॥ आधसेरधनिआंमगवावे पाओएकभरमिसरीपावे फक्कीकरदसमासेखावे सीतलजलसोधुंदहटावे सुरमासंगकपूरमिलावे आंमलरससमाकरसपावे करेखर्लअंजनकरसोई छौडधुंदकटगरमीखोई कालीहरडप्रातनितखावे दृष्टितेजवलअधकदिखावे ॥ दोहा ॥ जेकरउदरहुआडतेनेत्रधुंदजवहोय आमासयकाकोपहैलक्षणसुनिएसोय ॥ चौपै अतिभोजनजवहीनरखावे अतीधुंदतवहीप्रघटावे ताहियतनऐसाशुभहोई लूणमैनफलआंनोदोई पीसगर्मजलसंगपिलावे वमनहोतअतिधुंदहटावे जवारसपाचनभोजनकरिए उदरशुद्धकरकेदुखहरिए यक्ष्मनेत्रपडदेहोजावे इसकारनतेंधुंददिखावे शीघ्रयतनआगेसुनसोई यक्ष्मदूरकरअतिसुखहोई संगवसरीइक्कीमासेल्यावे अनविद्धमोतित्रैरत्तीपावे पारादसमासेसंगहोई नौमासेसिक्कामेलोसोई सिक्कापाराप्रथमगलावे औरऔषधीपीसमिलावे खर्लकरेअंजनशुभहोई सकलनेत्रदुखनासेसोई रौसनाईसुरमानामकहावे आगेऔरानिषेधवतावे जिसदिनप्रवलक्षुधातुरहोई अथवाअतिभयदेखेसोई जिसदिनवमनदस्तहोजावे इनदिनअंजनकवहुनपावे जिसदिनरातसयननाहोई अथवादिननिद्राअतिसोई मैथुनकरेदिवामहिकोई इनदिनअंजनत्यागेसोई जिसदिननारीऋतुवतहोई अंजनतादिनकरेनसोई एतेदिनअंजनकेनाही ऐसेंकहाग्रंथकेमाही नेत्रऔषधीकरेनकोई करेनेत्रदुखभोगेसोई चिट्टासुरमाताहिमंगावे इक्कीमासेखर्लकरावे संगवसरीदसमासेपाय मघांचारतासंगरलाय करेखर्लअंजनशुखहोई सेवनकरेनेत्रदुखखोई जोकौरुधिरकवूतरमंगावे एकवारनिजनेत्रनपावे नेत्रपीडकवहूंनहीहोई सुगमउपायऔरसुनसोई कुत्तेकाफुनिरुधिरमंगावे एकवारनिजनेत्रनपावे नेत्रपीडकवहूंनहिजांनो करेयतनसुखनेत्रनमांनो ॥ इतिनेत्ररोगाध्यायःसमाप्तः ॥

॥ अथनिहालीउपाय ॥

कुंडली रीऊंदसज्जीफडकडीहरदलनीरहरीड शेकलेपकरआंखपरजावेतत्क्षणपीड जावेततक्षणपीडआंखसिंधूरचढावे अवरअंगुलीरगडताहुकोताउदिखावे अवरनीरलोहारकाकोलावर्षप्रमाण जहविधजतनकरेतऊनेत्रानिहालीहान ॥ इति ॥ दोहा ॥ शोराकलमिआनकेनौसादरफुनिपाय तासंगमिशरीकालफीसुरमासंगमिलाय चारोवस्तूछानसमअंजनकरजहनैन छौडधुंधफोलाहरैदृष्टिकरेसुखदैन इतिश्रीचिकित्साग्रसंहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांनेत्ररोगाऽधिकारवर्णनंनामनवमोऽधिकारः ॥ ९ ॥

॥ अथकर्णरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कर्णहिरोगनिदानकेकहौंभेदसमझाय इहविधिलक्षणसमझकैकरहोपुरुषउपाय ॥

॥ अथअनुक्रमिकाकर्णरोगकीलिखतेहैं ॥

॥ चौपई ॥ कर्णशूलकर्णनादपछानो वधिरक्ष्वेडश्रावहिफुनमानो कंडूकर्णगूथप्रतिनाद कृमीक. र्णव्रणचोटविषाद फुनव्रणकर्णदोषतैहोइ कर्णपाकपूतिकर्णसुजोइ कर्णसोथविधचारहिजानो वात. पित्तकफरक्तजमानो वायुपित्तकफरुधिरविकार कर्णअर्शहोवतयहचार वातार्बुदपित्तकफहिबखानो रक्तार्बुदमांसार्बुदमांनो मेदार्बुदफुननाडिकाकहिये वीसआठयहरीतलखैये चर्कग्रंथमोअधिकहिचार कर्णपालीमोताहिविचार उत्पातकउन्मंथकजानो दुखवर्द्धनपरिलेहिनमानो कर्णरोगयहकरेउचार भावप्रकाशग्रंथमतधार ॥

॥ अथकर्णशूलवरननम् ॥

॥ चौपई ॥ करणप्राप्तविपरीतजुवाय सोऊकरणशूलउपजाय रक्तपित्तकफसोंमिलजोऊ पीड. तकष्टसाध्यहैसोऊ ॥

॥ अथकर्णरोगचिकित्सानिरूपनम् ॥

॥ दोहा ॥ कहौंचिकित्साकर्णकीसुनलीजैचितधार ज्योंभाषिवंगसेंनमौंतैसेंकरौंउचार ॥ चौपै ॥ करणशूलप्रणादहिजोय कर्णवध्रताक्ष्वेडजुहोय यहरुजचारोकिएवषान औषधइन्हकीएकसमान ॥ अथ- उपाय ॥ चौपै ॥ वातहरनघृततैलजुजेते इन्हमाहींप्रमाणलखतेते तैलयुक्तहितपत्रवंधावै अरुका- नोपरसेकदिवावै अवरविरेचनघृतकोपान वस्तिकर्मसभकरेसुजान उष्णदुग्धघृतपाएजुपीवे करणरो- गसभनासजुथीवै ॥ अन्यच ॥ अस्वत्थपत्रअरुविल्वजुपत्तर तैलयुक्तइन्हकरैइकरत्त अंगारनपरतप्त- कराय कर्णमौताहीआनवंधाय ताहितैलजवकर्णाहिपरै करणशूलसभदूरहिटरै ॥ अन्यच ॥ आद्र- करसेंसधातिलतेल अवरमुलठीतामोंमेल सभकरउष्णकरणमोंपाय तातेकरणरोगभगजाय करणशू- लकारोगहिजावैं ऐसेंवैद्यकग्रंथवतावै ॥ अन्यच ॥ कपित्थविजोराआद्रकलीजै इन्हकोसमरसउ- ष्णजुकीजै सोरसकीजैकर्णनपूर कर्णशूलादिरोगहोएचूर आद्रकमूर्वाअवरहिमूलिक वार्ताकसुहांज- नकहेजुपंचिक इन्हकारसभिन्नभिन्ननिकार मधुवासैंधवतैलहिडार उष्णकरैसोकर्णहिपाय कर्णशू- लसभतुर्तमिटाय ॥ अन्यच ॥ गोमाहिखीअजभेडसुजान हस्तिऊठअश्वखरहिप्रमाण इन्हकेअष्ट- मूत्रजोकहै तासोंएकगर्मकरलहै तिसकरकर्णकरैभरपूर कर्णशूलसवहोवैदूर ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ आद्रकलसुनसुहांज[illegible]आन मूलीकदलीसमरसठान करैउष्णश्रवणमोंपूर करणशूलरुजहोवैदूर ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ [illegible]अंकुरसहअमलपिसावै लवणजुसैंधताहिमिलावै तैलयुक्तसभवस्तकरावै थोहरहूंके- मध्यसोपा[illegible] [illegible]घेऊपरलेपनधरै पुनपुटपाकताहिकोकरै कोमलहोयनपीडैतास ऐसेंतिसरसलेहुनि- कास [illegible]नकानोंपावै कर्णशूलकारोगमिटावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ लेवडेपांचमूलकीशाखा प्रमा[illegible] [illegible]गुल आठोभाषा पटसूत्रवापटवस्त्रसाथ वेष्टनकरैलहोइहगाथ पुनताकोतिलतैलभिगावै तैल- भिगो[illegible]अग्नितिसलावै तैलचुआयपत्रमोंमेल इसकोनामदीपिकातेल उष्णकरणमोंपावैसोय करण-

शूलसवरुजहतहोय ॥ अन्यच ॥ इसीप्रकारसरलसुरदार तैलनिकासकानमोंडार ॥ अन्यच ॥ आकपत्रको घृताहिलगाय आंचगर्मकररसाहिकढाय सोरसमध्यमगर्मकरीजै कानडालदुखशूलहरीजैं ॥ अन्यच ॥ छागमूत्रमोंसिंधापायउष्णकानभरपीडाजाय कर्णशब्दअरुश्रावहिनास ग्रंथकारमतकियोप्रकास ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ स्योनाकमूलसोंतैलपकावै ताहितैलकोकानमोपावैं त्रिदोषजकर्णशूलहोयदूर अपनेमनमोंनिश्चयपूर ॥

॥ अथकर्णनादरोगवरननं ॥

॥ चौपई ॥ शब्दसुननकोकर्णमंझार जोमारगकीनोनिरधार तिसमारगइस्थितहोइवात विविध-प्रकारसुशब्दसुनात भेरिमृदंगशंखजोलहिये कर्णनादरुजताकैहिये

॥ अथकर्णनादउपाय ॥

॥ चौपै ॥ एरणासिग्रुवारणाजान मूलीपत्रनकोतुमआन इन्हसभपत्रनकोरसलीजै तैलचतुर्गुणतामोंदीजै अष्टगुणातिंहदुग्धमिलावै पुनयहऔषधपायपकावै मुलठक्षीरकाकोलीजान पायअग्निमृदुकरैपकान ताहूकीलीजैनसवार वामर्दननिश्चयमनधार सोऊतैलकरणमोंपावै करणनादवध्रताजावै अवरकरणशूलनरहाय श्रेष्टउपायजुकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ मयूरपादकामासमंगावै कांजीलसुनमूलिकापावै इनसोंतैलपकायवनाय करणमध्यताकोपुनपाय कर्णनादवध्रताशूल एतेरोग होहिनिरमूल ॥

॥ अथकर्णवधिररोगवरननम् ॥

॥ चौपै ॥ कर्णमध्यजोमार्गलहिजै नसामार्गबहुशब्दसुनीजै तिहनसपवनजोइस्थितहोई मिलकफसोंकरैवधिरतासोइ वालकवूढानरहैजोय वावहुदिनकावधिराहोय सोअसाध्यरुजवधिरपछान ग्रंथदेखमतकियावखान वधिररोगमेकरैकुपत्थ रुजअसाध्यतुमजानोतत्थ ॥

॥ अथकर्णवधिररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ होयवधिरताजाकेकान वातशूलहरऔषधमान ॥ चौपै ॥ मूलीजढरसकौडातेल सहितबरावरलीनोमेल गरमकरैनरपावैकान कर्णवधिरताहोवैहान ॥ अन्यच ॥ सिताइलाचीइकत्रपिसाय पावेकानवधिरताजाय ॥ अन्यच ॥ शूकरवसाजुआनमुलठ काकोलीयहकरोइकट माषअवरजोधनीआंल्याय इनकेक्वाथसोंवसापकाय तापकायजहिकानोपावै करणशूलरुजवधिरहिजावै ॥ अन्यच ॥ कौडातेलसुंठकुटपाय पिपलीपिप्पलामूलरलाय मरचपुटकंडेकालेक्षार जवाक्षारविलजढरसडार तैलहिसमगोमूत्रमिलाय मंदअग्निसोताहिपकाय ताहितैलकोस्वछकरेय करणपाइरुजवधिरहरेय शब्दकानमोंवहतारहै रोगमिटैचर्कहिमतकहै ॥ अन्यच ॥ विलकाचेकारसहिपकाय तामेंसज्जीकूटरलाय पावेकरणवधिरतानास वागभट्टयोंकाहितप्रकास ॥ चौपै ॥ गूत्रतैलदुग्धहिजलपाय विल्वचूर्णतिहसंगमिलाय ताहिपकायजुकंनोपावै कर्णशूलरुजवध्र[illegible]वै कफतैहोवेवध्रतारोग वमनकरावनताकोजोग ॥

॥ अथकर्णक्ष्वेडवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥रूक्षकषायजुभोजनखात पेदकरैक्षयधातूजात खालिशिरजिसनरकाहोय सेवनशीत रैनर-

सोय शब्दमार्गहैकानमोजोई तातेंइस्थितवातजोहोई वातपित्तकफजानोतीन शब्दनाडिमोहोवतलीन सोऊमिलकरकर्णमझारै वांसशब्दइवशब्दउचारै तडतडशब्दसुपीडाहोइ कर्णक्ष्वेडरुजकहियेसोइ

॥ अथकर्णक्ष्वेडउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कर्णक्ष्वेडदुखहोवेजास कर्णनादपुनसमझोतास इन्हरोगनमोंलेकटुतेल व्याधहरनसोकानोंमेल होवेइन्हरोगनकानाश सुगमउपायजुभाष्योतास

॥ अथकर्णश्रावरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ सीसमध्यअभिघातजुहोई अतिजलक्रीडामज्जनजोई यातेंकर्णमध्यजलजाय अथवाविद्रधिरुजउपजाय यातेकर्णमध्यहोइपाक तातेपूयश्रवैलहोवाक अरुवहुपीडाउपजैतास कर्णश्रावयोंकीनप्रकाश

॥ अथकर्णश्रावउपाय ॥

॥ चौपै ॥ सज्जीक्षारचूर्णमंगवावै तामोरसहिविजौरापावै करणभरैरुजश्रावमिटाय पीडकरणअरुदाहनशाय ॥ अन्यच ॥ रालधूपकाचूर्णवनावै वीजपूररससंगमिलावै तासंगकर्णकरेभरपूर कर्णश्रावपीडाहोयदूर ॥ चौपै आमलीपत्रअरुजामनपत्र महूपत्रवटपत्रइकत्र अवरचंवेलीपत्रविचार इनसवकारसलेजुनिकार पीसमुलठीतामोठान तैलडारतिहकेपकान मधुरआंचजवतैलहिरहै कर्णपायरुजश्रावहिदहै ॥ अन्यच ॥ समुद्रफेनअरुभस्मसुपारी खैरकत्थपुनतहिविचारी यहलेतीनइकत्रपिसाय कर्णपायरुजश्रावामिटाय ॥ अन्यच ॥ जंवुअंवकेपत्रनवीन तिन्हकोरसलेवेपरवीन पुनकपित्थअरुपुनकर्पास इन्हकेहरितफलरसलेतास मधूरलायउष्णकरसोय पावैकर्णश्रावनहिहोय इनऔषधकोक्काथजुलेय सोइसतैलमोपावैतेय निंवकरंजूसरषपत्रआन इन्हकातेलपकायसुजान सोऊतैलकानमोपावै कर्णश्रावरोगमिटजावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ जंवूअंवकपित्थदलआन वरणादलपुनकरोमिलान इन्हसभपत्रसोंतैलपकाय ताहिलेयपुनवस्त्रछनाय करणपायरुजश्रावमिटावै करणरोधदुरगंधनसावै ॥ अन्यच ॥ नारीदुग्धरसौंतमंगावै घृतअरुमधुसमतामोपावे कर्णकोपरुजश्रावमिटाय ग्रंथकारमतदियोवताय

॥ अथकर्णकंडूरोगवरननम् ॥

॥ चौपै ॥ कफसंयुक्तवातहोएजवै कर्णमध्यकंडूकरतवै कर्णकंडुतिसनामजुगायो ग्रंथकारमतजाहिवतायो

॥ अथकर्णकंडूचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ कर्णकं[illegible]रोगजिहहोय कफहरऔषधताकोजोय अरुसनेहस्वेदहितकार शिररेचनधूमवमनमनधार करण[illegible]शलाकासंग निकसावैकंडूरुजभंग वधिरवालअरुवृद्धजुहोय तासचिकित्साकरैनकोय

॥ अथकर्णगूथरोगवरणनम् ॥

॥ चौपै [illegible] करण[illegible]माहिकफपित्तसुकावै करणगूथरुजताकोगावै सोउकरणमोषटकतरहै यातेपीडाकरणजुगहै



॥ अथकर्णगूथचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ कर्णश्रावकीऔषधजेती कर्णगूथमोजानोतेती कर्णशूलकीऔषधाजेइ कार्णगूथमोजानोसोई भिन्नउपायकछूनहिदेखा तातैग्रंथमाहिनहिलेखा

॥ अथकरणप्रतीनाहरोगवरननम् ॥

॥ चौपै ॥ कर्णगूथजवपतलाहोई घ्राणअवरमुखप्रापतसोई अवरसीसकोंकरतहैदाह जानोनामकरणप्रतिनाह ॥ उपाय ॥ कर्णप्रतिनाहरोगजेहोय स्नेहस्वेदविधकरिएसोय तांतेअधिककछूनाहिमानो अपनेमनमोनिश्चयजानो.

॥ अथकरणशलाकारोगवरननं ॥

॥ चौपै ॥ पतंगगदहडीआदिकहीजै असदुष्टजीवजोकानपडीजै फरफरशब्दकरणमोंकरैं वहुपीडामनव्याकुलधरैं जवनरचलैतवहुदुखहोय वैठेअल्पपीडकरसोय.

॥ अथकृमरोगवरननं ॥

॥ चौपै मांसरक्तकोपेजवदोय कानोकृमउपजावैसोय तिन्हकाप्रथमनकरैउपाय तातेकृमउपजैसमुदाय वातिनतेवहुमाषीहोय तिनकरकर्णरुकेहैजोय अरुवहुपीडाउपजैतास पूरैकर्णशूलहोइनास.

॥ अथकर्णकृमरोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ जाकेकरणहिकृमजोपरै तौवृंताकधूपअनुसरै पुनकानोंकटुतैलजुपाय कृमनाशैवहुसुखप्रगटाय ॥ अन्यच ॥ हरतालपीसगोमूत्रमिलावै करणपायकृमदुःखमिटावै ॥ अन्यच ॥ गुग्गुलधूपकानकोंदेय दुर्गंधनाशहोइज्योंलपलेय ॥ अन्यच ॥ सूर्यावर्त्तपुष्परसलीजै निर्गुंडीपत्रनकोरसकीजैलांगलिरसमोंत्रिकुटापाय पायजलौकाकृमनरहाय अवरहुकीटपपीलकाजेऊ करणपडीहोयनाशैतेऊ

॥ अथविद्रधिरोगवरननं ॥

॥ चौपई ॥ क्षतअविघातजदोषजजान रक्तपीतश्रवेरुधिरमहान पीडादाहकर्णमंझार करणविद्रधीदोपरकार.

॥ अथकर्णविद्रधिरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अर्कपातनिरगुंडीपात इनकारसहिनिकालेख्यात सोरसलेयपात्रमोपावे राजवृक्षकाकाथमिलावे सूर्यपुष्परसचित्राल्याय थोहरदुग्धहुलहुलरसपाय यहसभरसइकप्रस्थप्रमान प्रस्थतैलतिंहकरोमिलान पलसेंधादोपलहरताल दशमासेविषतामोडाल सोपकायनरकानोपावै दुस्तरश्रूलाहिततक्षणजावै जोमुशलीवावचीताहिमिलाय तौकरणविध्रतीतातैंजाय ॥ अन्यच ॥ चौ[illegible] ॥ कुठहिंगुवरचसुरदार शतावरिसुंठीसैंधाडार अजामूत्रसोंतैलपकावै सोइतैललेकरणमोपावै कर[illegible]काहोतहैनाश सुखउपजैहोएखेदाविनाश ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ सीपीकीटकामांसहिल्यावै क[illegible]पायपकावै सोइतैललेकर्णहिपाय ताहिकरणनाडीरुजजाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ गंधकरणजनीचू[illegible]नशिलअरुकटुतैलमिलीजै धतूपरत्ररसपायपकावै पायकरणनाडीदुखजावै पलपलभरसभऔ[illegible]धमान[illegible] आठआठपलतैलसुजान इसविधकरियेतैलकापाक ग्रंथकारकासुनियेवाक.

॥ अथकर्णपाकरोगवरणनं ॥

पित्तकोपजवकानोहोय कर्णपाकप्रगटावैसोय पूयश्रवैजिसक्काथसमान कर्णपाकरुजताकोमान.

॥ अथकर्णपाकरोगउयाय ॥

कर्णपाकहिरोगमंझार चिकित्साक्षतजाविसर्पीधार कर्णशोथपितऔषधजोई कर्णपाकमोजानोसोई

॥ अथपूतिकर्णरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ घीऊसहितवाविनाहितपीर पूयश्रवैघानिजानोधीर विनहेतूव्रणकाननमाही अरुजलच-लेरादप्रगटाहीं पूतिकरणरुजनामाहिहोय वंगसेनमतजानोसोय ॥

॥ अथउपाय ॥

वचाहिंगुमघलसुनमंगावे इनसभमेंकटुतैलपकावे ताहिगरमकरकानोंपाय निश्चैपूतिकर्णरुजजाय ॥

॥ अथचारप्रकारकर्णशोथ ॥

॥ चौपै ॥ कानोंमध्यसोथजोपरै कर्णशोथरुजसोउच्चरै कर्णशोथइहचारप्रकार वातपित्तकफरु-धिरविकार ॥

॥ अथवातजकर्णरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ पीडासहितनादलषपैये कर्णमैलसुकश्रावलहैये होतवधिरजोवाताविकार वातजकर्ण-हिकीनउचार ॥

॥ अथवातजचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ वातजकर्नशूलप्रघटाही स्नानपानजलशीतलनाही अरुमैथुनमोनाहीकरे वातहरनऔषधमनधरे

॥ अथपित्तजकर्णरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ रक्तवर्णहोइशोथसदाह पीतवर्णहोयपूयश्रवाह पित्तजकर्णशोथतिसजानो ग्रंथनकामत-जाहिपछानो

अथपित्तजकर्णरोगउपाय

॥ चौपै ॥ पैतिकमोघृतसितामिलावे रेचनऔषधसंगरलावै तासोंरेचनकरहैजोय पैतिजकरणशूल-कोंषोय द्राक्षमुलट्ठीदुग्धपकावै कानपायपैतिकदुखजावै

अथकफजकर्णरोगवर्णनं

॥ चौपै करण हिशोथवधिरताहोय शुक्लसनिग्धपूयश्रवसोय कंडूअरुअतिपीडाजान कफजकरणरुज-कीनवषान

॥ अथकफजकर्णरोगउपाय ॥

॥ ॥ कफरुजमाहिवमनसोआदि क्रियाहरैंसंपूरणव्याधि लवाजोकुकुंटजांगलमास तिहसिद्ध-दूधाहि वरहेत स कफजकरणशूललखपैये घृतसहापिपलामूलपकैये करणवीचपुनपावैतास कफजकर्ण-शूल एनाश देवेधूआंअरुदेवेस्वेद मिटैकफजकाननकोखेद

॥ अथरक्तजकर्णरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ दाहपाकपीडावहुहोय रक्तवर्णधारतहैसोय तासोंरक्तजरोगपछाने ग्रंथनकामतयहमनमाने-

॥ अथरक्तजकर्णरोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ रक्तजकर्णशूलहोइजास याहीचिकित्साभाषीतास अरुसोनाडीछेदकरावै रुधिरनिकासैतवसुखपावै यामोंइहसवलक्षणहोय संन्निपाततेंजानोसोय

॥ अथअर्वुदकर्णरोगवरनन ॥

॥ चौपै ॥ वाय्वर्वुदपित्तकफहिवषानो रक्तार्वुदमांसार्वुदमानो मेदार्वुदफुननाडिकाकहिये अर्वुदसातप्रकारज्योंलहिये लक्षणदेखैदोषसमान सोअपनेमननिश्चैजान ॥

॥ अथकर्णार्शवर्णनम्॥

॥ चौपै ॥ कर्णमाहिरुजमहुकेन्याई उत्पत्तहोयसोअर्शकहाई अर्शचारपरकारवखाने लक्षणकहैसोइअवजाने लक्षणयाकेदोषअनुसार अर्शरोगमेलियोविचार अर्शरोगचिकित्साजोई कर्णअर्शकीजानोसोई ॥

॥ अथकपालीरोगवरननं ॥

॥ चौपै ॥ भूषणकारणनराइजोय करणवधावेजानोसोय तातैरुजप्रगटैतिसताई परिपोटनामहीताकोगाई ताकेलक्षणकरोंउचार सोसुनीयेअपनेचितधार कर्णपालिजोलोलहिकहैं ताकेऊपरसोजालहैं कोमलथलहीजाकोजान तासचिकित्साकरैअजान तौवहवृद्धपीडयुतहोय वातजपित्तजरक्तजसोय.

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ कृष्णअरुणजोरंगादिषावै वातजवहपरपोटकहावै ॥

॥ अथकर्णपालीरोगेपरिपोटकचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ कर्णपालीसूकजोजावै तासचिकित्साऐसेंगावै वातजकर्णरोगजुउपाय ताकोभी यहहैसुखदाय तिसउपरंतस्वेददेतास पुनतिलकूटमलैरुजनाश ॥

॥ अथकर्णपालीसामान्यउपाय ॥

शतावरीअसगंधएरंडवीज तिलतैलपायतिसकरोपकीज तैलरहैतवहीपुनलेय पा[illegible]कर्णलोलरुजनेय- ॥ अन्यच ॥ गोवरकेउपलेसोसेक कानलोलतवहोएअशेष ॥ अन्यच ॥[illegible]धअथवागोमूत्रमंगाय ताहिवीचकरपूरपिसाय कानोंलेपकरैजोकोय कानलोलअछीतवहोय ॥[illegible]च ॥ ॥ चौपै ॥ महिषीकानवनीतमंगावै अन्नमध्यदिनसातदवावै कर्णपालीपरमदे[illegible]द्दजुकर्णपालिनहिहोय ॥ अन्यच ॥ शतावरितैलमलैजोतास रुजपर्पोटकहोवैनाश [illegible] अन्[illegible]च ॥ गणजीवनीलेदुग्धपकाय मलैप्रपोटनाशहोजाय अथवातासंगतैलपकावै मलैरोगपरपोटाहेजावै कर्ण

पालीपुनपुष्टसुहोय निश्चैकीजैमनमोंसोय ॥ अन्यच ॥ अनूपदेशमृगपक्षीमास दुग्धपकावैसंगरस-तास सोउदुग्धजवकानेमलै कर्णपालिरुजतवहिटले ।

॥ अथकर्णपालीरोगेउत्पातरोगलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ भारीभूषणधरैजुकान अरुकोइभूषणखैंचेआन अथवाकोईताडनकरै कर्णपालीतवसो-जापरै दाहपाकपीडाबहुहोय रक्तवरणधारतहैसोय रक्तपित्ततैंयहरुजजान रुजउत्पातकनामवखान ॥

॥ अथउत्पातउपाय ॥

॥ चौपै ॥ ताहिउपद्रवउत्पतहोई आगेयतनलिखाकरसोई जलौकाताहिसमीपलगावै रुधिर-निकासउपद्रवजावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ गोंपाअरुतिलवलामुलठी उत्पललोधरमंजीठइकठी जंवूअंवपत्रपुनठान इहसभकांजीसंगपिसान तैलमिलायपकावैतास मलैजुकर्णउपद्रवनाश ॥ अन्यच ॥ त्रायंतीअसगधमंगाय सुरसावावचीवीजमिलाय अवरप्रयंगूसैंधापावै गोधाकाकवसाजुरलावै इन्हकी-वसासतैलपकाय मलैकर्णपालीमिटजाय उन्मंथरोगहोवैतिसनास वंगसेनमतकीनप्रकास ॥

॥ अथउन्मंथप्रपोटरोगलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ कानजुबलकरवेधेकोय कफअरुवातशोथतवहोय कठिनपीडविनताकोजाने होय-खुर्ककफवातजमाने ॥

॥ अथउन्मंथउपाय ॥

॥ चौपै ॥ सुरसावावचीपुनकलिहारी काकपक्षीकामांसहिडारि इनकेसमतिलतैलहिपाय मंदअ-ग्नसोंताहिपकाय तैलरहैतौकानमोंपाय उन्मंथरोगसभहीमिटजाय ॥

॥ अथदुःखवर्धनलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ दुखसंयुतजोवेधैकान उपजैदुखतिसकोजुमहान जोजोभेदत्रिदोषजहोइ उपजैताको सवहीसोइ कंडुदाहपीडातिसजान अवरशोथतिसमाहिपछान कर्णरोगदुःखवर्धनकहिए ताहिउपायसु-आगेलहिये ॥

॥ अथदुःखवर्धनउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जामनपिप्पलअंवकेपत्तर इनकाकाढाकरेइकत्तर ताहीमोंफुनतेलपकावे कानमलैदुः-खवर्धनजावै.

॥ अथपरिलेहिनरोगलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफरक्तकोपजवकाननकरे विकारकर्नपालीतवधरे कंडूदाहसपीडलषाई वहुफुनसी-होयसर्पपक[illegible] तवहिकरणपालीपकजावे वागिरपडैजुत्रैसंगावै.

॥ अथपरिलेहिनउपाय ॥

॥ [illegible]पै ॥ कफरक्तहरणकीऔषधजोई सोविचारकरलेवैसोई लेपनधावनकीजैतास रुजपरिलेहि-नहोवै[illegible]ाश.

॥ अथसन्निपातजकर्णरोगवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ तीनदोषकेलक्षणजांमो रोगत्रिदोषजलषिएतांमो.

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपै ॥ तुंवुरुसर्षपसुंठीहिंग तैलकरैइनमोइकसंग मृदुअग्निपकायकानमेंपावे त्रिदोषजशूलकर्णदुखजावे.

॥ अथपनसकालक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ करणमध्यइकपिडिकाहोय पीडातीव्रकरतहैसोय यहकफवातहुतेंप्रगटावे असेंग्रंथनिदानवतावे.

॥ अथकर्णरोगकीसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ वातजकर्णरोगमंझार प्रतिश्यायचिकित्साहैहितकार स्नानमैथुनजलसीतलपान वातकर्णमैवर्जितजान पित्तजकर्णरोगमंझार घृतखंडयुक्तपीवैसुविचार करेविरेचनहितसोंजोय पित्तकरणंरुजनासेंसोय द्राक्षमुलठीदुग्धपकाय कर्षमात्रकरपूर्णकराय पित्तरोगहोवैतवहान मनमोनिश्चैकरोस्यान रक्तजमोपितहरहितधार रक्तमोक्षभीतिसहितकार कफजमाहिइहविधतुमजान घृतमघसिद्धसदाहितमांन औरकरूलीश्वेदकरावै धूपदेयकफरोगहटावे कहितक्ष्वेडकफकर्णमंझार कटुतैलकर्णपूरनहितधार वातशूलमोजोविधकही कफनादवधिरतामोसोसही ॥ चौपै ॥ अपामार्गक्ष्यारजललीजै मूलिक्ष्यारजलसोसमकीजै हिंगुसुंठशतपुष्पाआन वरचरसोंतकुठविडठान सौंचलसज्जीसैंधालीजै मुथरवरुणातामोंदीजै देवदारुकदलीरसडार रसजुविजौराअरुयवक्ष्यार भुर्जपत्रअरुपिपलामूल चतुर्गुणकांजीतामोपूर इन्हसमसाथहितैलपकावै करणमांहितिसतैलहिपावै करणनादअरुकरणकोशूल करणश्रावक्रमदुखनिरमूल अवरवधरतारोगनसावै याहूकेगुणएतेगावै कृष्णात्रययहतैलवषान्यो लोकनकेहितनिजमनआन्यो क्ष्यारतैलहैयाकोनाम नरहितकारीसुखकोधाम ॥ अन्यच ॥ जंभीरीरसपिपलामूल मधूमेलियेतासमतूल कानोपायश्रावहोएदूर करणनादकरणक्रमिचूर ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ कुचलाहरडलोधरमंगवावे धात्रीफलमंजीठसमपावे यहपंचकषायएकसमलीजै विधिसोंचूरणताकोकीजै रसकपित्थअरुमधुजुमिलाय पूरकर्नरुजश्रावमिटाय करणताहिसंगधोवैजोय करणरोगनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ सुंठमघासेंधाकुठाहिंग वर्चलसुनपुनतैलहिसंग आकपत्ररसपायपकावै मधुरआंचरसजवजलजावे रहैतैलसोकानमोंपाय कर्णरोगकीपीडाजाय ॥ अन्यच ॥ पद्ममाषकुठसिप्पीचूरन हिंगुतुंवुरूकरतिहपूरण अवरजुसेंधावीजकपास सभीमेलकरपीसोतास इन्हेपीससमकाढाक[illegible] सातटकाभरतैलहिंधरै हुलहुलरसइन्हसभाहिंसमान पायपकावैतैलप्रमान तैलजुपायकर्नव्रणजाय [illegible]वधिरतासभाहिंनसाय ॥ अन्यच ॥ सुंठशतावरिकुठसुरदार सेंधावचंगूत्रमोंडार पुनसमतैलमिलायप[illegible] कानपायरुजशूलमिटावे ॥ अन्यच ॥ मघांविल्वकोमूलमुलठ एलाअगरसुरदारुजोकुठ यह[illegible]लतैलहिंडार अथवालेताकीनसवार मांसीनखपुनतामोधार कर्णरोगसवदेवेटार पकाव[illegible]ंदआ[illegible]ोंतास पूरैकर्णशूलहोएनाश ॥ दोहा ॥ कर्णहिरोगानिदानयहचिन्हनसहितवषान चतुरवैद्ययाकोलहैताव बुद्धि-

महान ॥ चौपै ॥ गुडसुंठीजलसोंघसदेय रुजप्रणएदमोनस्यजुलेय हितवरहीतुमताहिविचार रुजप्रणादकोदेवैटार कर्णश्रावक्रमिकर्णहिजोय पूतिकर्णरुजहीजिसहोय करीचिकित्सतासवखान शिरोरेचफुनधूपहिजान पूरणमार्जनसोधनजोय देषविचारकरैनरसोय राजवृक्षवातुलसीपत्तर यहदलदोनोकरैइकत्तर इनकेजलसोंधोवैकान कर्णरोगसवहोवैहान जोइनचूर्णसोंकर्णहिभरै कर्णरोगसवनिश्चैहरै सर्जत्वक्फुनफलकर्पास इनकारसमधुमेलैतास कर्णपूरकरैतिससंग कर्णरोगयहहोवैभंग कर्णश्रावरुजपूंतीहरै कर्णक्रमीसवतत्क्षणटरै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साकर्नकीवंगसैनमतधार समझवैद्यनिश्चाधरैसकललोकउपकार इतिकर्णरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथकर्णरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ करणरोगकेपथअपथभाषोंसुगमवनाय सुनलीजैमनधारियेवैद्यकमतकेभाय ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ तंडुलकनकमुंगयवजान लवामयूरहरणमांसान तीतरकुर्कटपक्षीमास घीउपुरातनपथलषतास पटोलकरेलेअरुवृंताक अरुसुहांजनापथलहुवाक ब्रह्मचर्यप्रभाषणजेऊ जोभापैपथलषियेतेऊ ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ करणषुरकणाशिरस्नानपुनदंतकाष्टतियभोग वरफअवरकफकरगुरूमहाअपथ्यअयोग ॥ इतिपथ्यापथ्यं ॥ दोहा ॥ करणरोगवर्णनकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकेंपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिकर्णरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथकर्णरोगेकर्मविपाकमाह ॥

॥ चौपई ॥ जोकौपरनिंद्यामनभावे ताकोकर्णदोषप्रगटावै तौताकेहितकरेउपाय सोसुनलीजैचित्तलगाय ॥ अथउपाय ॥ चौपै ॥ स्वर्णरजतवातांवेकरे कर्णवानयदानमनधरे करसंकल्पविप्रकोदेय कर्णदोषकोनासकरेय ॥ चौपई ॥ शसाघातकरैनरयोई करणकुवजरुजतिसकोहोई तिसकादोषकरैनिरवार शय्यादानकरेसुविचार ॥ अन्यच्च ॥ विनविचारनरहोवतकोई प्रेतश्राद्धकरभोजनसोई कर्णक्रमीरुजातिसकोजान नीलवृषभसोकरहैदान ॥ अन्यच्च ॥ मातपितागुरुब्राह्मणजोई इनकीनिंद्यासुनेजुकोई पूयकर्णरुजतिसप्रगटावै कर्मविपाकजुग्रंथवतावे ॥ दोहा ॥ ताकोदोषनिवारणेव्रतजपहवनकरेय कंचनदानसवस्त्रयुतवेदविदुषद्विजदेय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मातपिताकाव्यसनजुकोय कांनशब्दनरसुनेजुसोय कर्णशूलरुजतिसप्रगटायै कर्मविपाकजुग्रंथवतावे ताकोदोषकरैनिरवार विष्णुमंत्रजपकरैविचार ॥ दोहा ॥ कर्णरोगकादोषजहकारणसहितउपाय नासारोगकेदोषकोंआगेदेहुंवताय इतिकर्मविपाकेकर्णविचारः ॥

॥ अथज्योतिषम् ॥

॥ दोह[illegible]कर्कवृराशिविनजन्मलगनजिसहोय क्षीणपडेजिसचंद्रमावधिरकांनकरसोय जोघरदूसरवार[illegible]डेजुआन मंगलअथवादैत्यगुरूहोतकर्णमोहान जन्मलग्नकेचंदकाइहविधकरैवषान चंद्रमा[illegible]पूजा[illegible]भावप्रीतकरमान दैत्यगुरूअरभूमिसुतविधिवत्पूजेतास कर्ण-रोगतिसनारहेजाविधग्रंथप्रक[illegible] इतिज्योतिषं ॥

॥ अथान्यप्रकारकर्णरोगलक्षणं ॥ कर्नपीडाफारसीदर्दगोश

॥ चौपै ॥ दसइंद्रीयुतदेहीमांनी नेत्रकर्णतिनमेबलवानी नेत्रकर्णअधकहेंदोइ इनविनकाजसरैनहिकोइ दोइसमानभेदपहिचांनो कर्णअधकनेत्रनतेंमांनो नेत्रअंधेरैदेषतानाही कर्णअंधेरैवातसुनाही ताकरक. नेत्रअधकमनभावे नातरदोइसमानादिखावे जेकरकर्नपीडअतिहोई फारसदर्दगोशकहुसोई वातजपित्तरुधिरतेंजांनो वादिमागतेंपीडामांनो जेकररुधिरअधकलखपावे सरेरोगकारुधिरछुडावे गोघृतासिरकादोइमंगाय रजतपात्रमेसोगडकाय कर्नवीचनरसोईपावे पीडदूरकरसुखउपजावे पित्तजपीडाखुष्कीधावे तिरिआदूधकर्नमेपावे जेकरवातजपीडामांनो रक्षासीतवाततेंजांनो विछनागजोवूटीहोई अजामूत्रमेंपीसेसोई कर्नवीचसोईनरपावे ताहीछिनपीडाहटजावे लेखरलीदनीरनिकसावे पायकर्नमेंपीडाजावे सुंठीमासेचारमंगावे आधसेरगोकाघृतपावे सेरचारगोछाछमिलाय चाढअगनपरसोगडकाय जलेछाछजवघृतरहजावे सोघृतकर्नपायदुखजावे कपूरकर्नमेंपावेकोई पीडदूरताहीछिनहोई केलेसुहांजनकीजढल्यावे आद्रकसीसालूणमिलावे इनकारसगोघृतसमपाय चाढअगनपरनीरजलाय कर्नवीचघृतपावेसोई पीडादूरताहिछिनहोई कैथ्थ्याराहिंगूमंगवावे लूणपायजलकाथवनावे घृतवातैलकर्नमेंपाय कर्नपीडताहीछिनजाय पादमोरपक्षीकील्यावे गोघृतकांजीनीरमिलावे करेसिद्धघृतपावेसोई कर्नपीडइमनासेहोई वकरेकाइकपित्ताल्यावे रसअनारकामेलपिसावे कर्नवीचताहीछिनपाय पीडासकलकर्नकीजाय धनिआमरुआदूर्वाल्यावे काचमाचअरुवैरमंगावे इनकारसनिकालकरसोई पावेकर्नपीडसवखोइं सातदिवसतकपीडामांनो सोजापाककर्नमेंजानो ताहियतनकरसोजहटावे कर्नवीचरसनौलीपावे मेथीअथवाअलसील्यावे अथवाईसवगोलमंगावे इनकीलेसकर्नमेंपाय पाकदूरसोजाहटजाय गंढेकारसखूवतपावे पायकर्नमेंपाकहटावे कुकडचरवीताहिमंगाय अथवाचरवीवतकलिआय तिलकातेलताहिसमहोई करेगर्मपावेनरसोई पीडादूरपाकहटजावे सुगमउपायअधकमनभावे.

॥ अथकर्ननीरपवनलक्षणउपाय ॥

॥ चौपई ॥पवननीरकाकोपपछांनो अथवायक्ष्मदिमागजमांनो ताहिकर्नमलऐसीहोई मानोकागदजलेआसोई ताहीयत्नऐसामनभावे पकडमोचनासोनिकसावे दसमूलीतैलताहिहितहोई अथवागर्मतैलघृतसोई पायकर्नमेंयक्ष्महटावे सोजादूरपीडकटजावे चंवापत्ररसगर्मकरावे पायकर्नमेंयक्ष्महटावे अकरकरेकाकाथवनावे गरारेकरेताहिसुखपावे ईसवंदअरुदाडिमहोई इनकानीरनिकालेसोई ताहिगरारेकरेसुजांन होवेकर्नरोगकीहान कंडेआरीफलनसुआरचढावे आवेछीककर्नसखपावे कौडामिठातेलमंगावे तासंगनीरवरावरपावे चाढअगनपरनीरजलाय तेलरहेपुनिऔष[illegible]ाय सीसाकालालूणमंगावे खारीसिंधूलूणरलावे मर्चसुंठसमचारोलीजें पीसतैलमेंऔषधदीजें [illegible]र्णमेंकरपावेसोई पीडायक्ष्मदूरसभहोई वालासुंठीकुठमंगावे ईसवंदसमभागरलावे साडेत्रैमासेलीजे [illegible]नीरसंगटिक्कीजें तोलेपांचतेलतिलल्यावे टिक्कीवीचतेलगडकावे कोसातेलकर्नमेंपाय [illegible]हीकटजाय पादमोरपक्षीकाल्यावे कुठथोंमताहीसंगपावे वृषभपत्थरीसुंठीलीजें चौद[illegible]ौदाम[illegible]ेकीजें सुहागामासेसातरलावे एकसेरतिलतेलमिलावे अजामूत्रइकसेरमिलाय चाढअगनपरतेलपका[illegible]सोई-

तेलगर्मकरपावे कर्नपीडताहीछिनजावे सुपेदीकुकडांडकील्याय मलेखूवकरझग्गउठाय अफीममिलायकर्नमेंपावे सोजादूरपीडहटजावे थोहरकीजढतेलमिलावे चाढअगनपरतेलपकावे कोसातेलकर्नमेंपाय कर्नपीडताहीकटजाय सुहांजनजढसतमासेल्यावे पीसनीरसंगकल्ककरावे आधसेरतेलतिलपाय चाढअगनपरतैलपकाय कोसातेलकर्नमेंपावे कर्नपीडताहीछिनजावे आकथोहरकेपत्रमंगावे तिनपरकौडा तेललगावेराखअगनपरसेककरावे तौफुनिमलेनीरानिकसावे सोजलबूंदकर्नमेंपाय कर्नपीडताहीकटजाय व करेकाफुनिपित्ताल्याय पायकर्नमेंसुखउपजाय मूलीपत्रमखीरापिसावे कर्केगरमकर्नमेंपाववे वर्चकुठअरुथा ममंगावे मासेमांचपांचसमल्यावे निमोलीमासेतींनामिलाय पाओएकतिलतेलरलाय चाढअगनपरतेलपकावे कोसातेलकर्नमेंपावे कर्नपीडताहीछिनजाय खुर्कपाकसभदूरहटाय पडेजीवकर्नमेंकोई अथवानीरकर्नमेंहोई फारसनामकिर्मकरमांनो आवरफतनदरगोशपछांनो एरनअरनीकाष्टमंगावे पोलीहोएनालवतभावे एकतर्फतिसवस्त्रजोहोई तैलभिगोयवालिएसोई दूसरितर्फकर्नमेंपावे नीरजीवदुखदूरहटावे कर्नवीचनिजअंगुलदेवे एकपादपरठाडाहोवे नीचेदेखटपोलीमारे वारवारजहयतनविचारे वानुसारलेछीकलिआवे नीरकर्नतेंवाहरआवे जेकरक्रमीकर्नमेंहोई अंगूरीसिरकाआनेसोई क्रमीदूरसिरकाजवपावे मुकत्तरकर्नवीचक्सपावे सकमूनीसिरकादोईमिलाय खूपतपायकर्नमेंपाय क्रमीदूरमरजावेसोई सुगमउपायकरेसुखहोई मुसबरनीरपायरगडावे कर्नपायक्रमिदूरहटावे तुमाअंगनीवीचपकाय रसनिचोडकर्नमेंपाय दुर्गंधीपाककर्नतेंआवे पुरातनहोएअसाध्यकहावे सुहागापीसकर्नमेंकीजे ताहूपरनिंवूरसदीजे यक्ष्मशुद्धपाकहटजावे सुगमउपायअधकमनभावे एरनअंवसरीहविचारो जामनचारपत्रमनधारो इनकाक्काथगर्मकरपावे पाकदूरसभपीडहटावे सुहांजनजढजलपायापिसावे पायकर्नमेंपाकहटावे यक्ष्मदूरपीडाहटजाई सुगमयतनअतिहींसुखदाई

॥ अथकर्नमलक्षलनउपाय ॥

॥ चौपै ॥ जेकरअधककर्नमलहोई चिर्कगोशनामाकहुसोई जेकरवालकछोटामांनो पाककर्नतेअधकपछांनो कुमारअवस्थावालकहोई आपपाकहटजावेसोई जेकरआपदूरनाहोई ताहियतनऐसा करसोई अंजरूतफुनिमधूमंगावे वत्तीऊपरपीसलगावे कर्नवीचराखेनरसोई पाकदूरसिगरीमलखोई सिरकातोलेदोईमंगावे मधूताहिसमखूपपकावे सिरकाजलेमधूरहजाय पायकर्नमेंपाकहटाय छोटासव्दकर्नमेंहोई तनीननामफारसकासोई दिमागदोषखुपकप्रिघटावे पेटभरेपरसव्दनआवे भोजनसूखमस्निग्धजोहोई फाकाकवहुंकरेनहिसोई आदफुलेलकर्नमेंपावे ऐसेरोगनऔरसुखावे सुंठीदशमासेमंगवावे खसखसतोलेदोइमिलावे कंडुनीनौतोलेसंगपाय करइकत्रफुनिदर्दकराय तीनसेरगोदुग्धमंगावे वीचऔषधीप्सचढावे आधसेरदूधजवहोई तवउतारपुनराखोसोई दोतोलेशर्करतामेपावे केशरमासाडूडमिलावे [illegible]नचौदांतकसेवनकरिए कर्नशब्दखुष्कीसवहरिए कर्नसव्दजववातदिखावे गर्मतैल कर्नमाहिपावे [illegible]ोजनकरेनसोई भोजनकरसुखनिद्राहोई ॥ दोहा ॥ जेकरगाढेदोषतेकर्नसव्दजवहोय अथ[illegible]ोतितेउदरदोषवाकोय ॥ चौपै ॥ कर्नपीडकायतनजोहोई पाछेलिखाकीजिएसोई भोजनथो[illegible]व[illegible]खावे आमाशयकोशुद्धकरावे निर्वलदेहहोतहैजवही सव्दकर्नमेंहोवततवही दीर्घरोग[illegible]खसोह[illegible]जावे निर्वलदेहसोईप्रगटावे ॥ दोहा ॥ गंढेकारसलीजिएताहिकर्नमेंपाय अथवातेलकठहल[illegible]गपावेसुखउपजाय जेकरअतिऊचासुनेकरीगोसकहुसोय पुरातनहोएअसाध्यहैवृथायतनतवहोय

॥ चौपै ॥ दोषनवीनकर्नमेंहोई उदरदिमागदोषवाकोई ताहियतनकरसीघ्रहटावे गर्महुश्राडकर्नमेंपावे पतलादोषहोतहैसोई श्रावतवाहरश्रतिसुखहोई तुंमेकीजढरसनिकसावे वूंदवूंदकर्नमहिपावे मूत्रछेरकाश्रांनोसोई श्रथाश्रजामूत्रजोहोई कर्नवीचसोईनरपावे वोलापनताहीछिनजावे त्रिवीहिर्डाछिलकामंगवावे साडेत्रैत्रैमासेपावे मुसब्वरतुंमालीजोदोई पौनेदोदोमासेहोई रगडनीरसंगताहिपिलावे थोडाकर्नवीचनरपावे करेयतनताहीसुखहोई वोलापनहटजावेसोई एरनतैलताहिमंगवावे तैलपोलिश्राताजुसंगपावे जारांसेरनीरसंगपाय चाढश्रगनपरनीरजलाय रहेतेलकर्नमेंपावे वोलापनताहीछिनजावे वाविडंगचित्राकुठल्यावे श्रासगंधविधारासंगमिलावे हलदीदारुहर्दलश्रांनो संभालुजढएरनकीमांनो सुहागात्रिकुटासंगमिलावे साडेत्रैत्रैमासेपावे ईसवंदश्रधसेरमंगाय सेरदोईतिलतेलमिलाय वीससेरजलपायचढावे रहेतेलनीरजलजावे तेलकर्नमेंपावेसोई वोलापनदूरताहिसुखहोई राईहलदीथोंममंगावे निंवपत्रश्रजुश्रांइनपावे वर्चपांनजढसंगमिलाय नीरतेलतिलपायचढाय जलेतेलनीररहजावे पायकर्नवोलापनजावे जेकरगरमीषुष्कीहोई विनायतनहटजावेसोई पित्तदोषश्रतिदीरघमांनो ताहियतनपित्तघ्नपछांनो जेकरयखमकर्नमेंहोई चलेपाकफुनिवलिासोई रातसमेऐसीविधकरिए लेतिलतैलकर्नमेंधरिए प्रभातसमेऐसामनभावे गर्महुश्राडकर्नमेंपावे जाविधयक्ष्मषाककटसोई वोलापनदूरताहिसुखहोई.

॥ श्रथकर्नवीचफसीचीजकाउपाय ॥

॥ चौपै ॥ दाणाश्रथवाचीजजोकोइ कर्नवीचफसजावेसोइ ताहियतनकरवाहिरश्रावे लेसदारकौचीजमंगावे लोहवांनगूंदवाहोइ कपडेसंगलपटेसोइ संगसुमंचुकपडालीजे युक्तिसमानकर्नमेंदीजें चिमडचजिकरवाहिरसोई श्रागेयतनश्रौरसुखहोई श्रौषधवीचनासिकापवे जासोंछीकजोरसंगश्रावे मुखश्ररूनाकंवदकरऐंसें जोरकरनपरपहुचेजैसे जाविधचीजदूरकरसोई श्रागेयतनऊैरइकहोई लंवीतूवीछिद्रकढांवे श्रथवाशृंगकर्नमेंपावे श्रापपायमुखचूसेसोई फसीचजितववाहिरहोई कर्नमूलसोजाप्रघटावे सरेरोगकारुधिरछुडावे श्रथवाऊपरजोकलगाय श्रागेऊैषधलेपकराय जढहिंगूटलूणमंगवावे हलदीजढतुंमेकील्यावे ग्वारमेलपसिंनरसोइ करेलेपखावेसुखहोइ कुचलावोलमुसब्बरल्यावे तुंमेकीजढलूणमिलावे सुहांजनजढताहीसंगपाय पीसलेपकरसोजहटाय रहसनहर्डमर्चमंगवावे कंडेश्रारीपुष्करमूलमिलावे कदूंमुत्थरत्रिकुटाजोइ भडिंगीककडासिंगीसोइ धमाहमेलसमभागामिलावे करेक्काथफुनिताहिपिलावे कर्नमूलताहीछिनजाय सुग्मयतनकरदोषहटाय इतिकर्णरोगाध्याय: ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांकर्णरोगाऽधिकारवर्णनंनामदसमोऽधिकार: ॥ १० ॥

———•———



॥ अथनासिकारोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ नासारोगनिदानकोभाषोभलैंवनाय ताकेभेदसमस्तसोआगेदेंहुसुनाय ॥ दोहरा ॥ नासारोगअनुक्रमकहोग्रंथनकेअनुसार याहिभेदवर्ननकरोंसोहैविविधप्रकार नासारोगजुतीसहैऊपरचाराहिजान ताकेनामवषानहोंभिन्नभिन्नपरमान ॥ चौपई ॥ पीनसइकप्रतीश्यायजुपांच पूतिनासरुजपाकहिशांच क्षवथूऔरध्वंसथूकाहिए दीपतफुनप्रतिनाहजुलहिए परिश्रावनासाशोषकहीजै आगेअर्वुदसोलखलीजै सों-अर्वुदहैसातप्रकार नासाअर्शहिचारविचार नासाशोथचारफुनिकाहिए रक्तपित्तफुनिचारहिलाहिए पूयरक्तइकहीतुमजांनो तीसचारयहरोगपछानो.

॥ अथपीनसपूर्वरूपलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ छीककरैमस्तकरहभारी अंगवंदरोमांचितकारी ऐसाजवकारणप्रगटावै पीनसरुजजानोदरसावै

॥ अथअपीनसरोगलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ बद्धनासिकाजिसकीरहै गंधअवररसज्ञाननलहै धुषतीसूकीगीलीकवै फुनपीनसरुजहोवेतवै वातअवरकफतैंयहजान पीनसरुजयुतपुरुषपछान रुजप्रतिश्यायकेलक्षणजोय तासमाहिसवजानोसोय

॥ अथपीनसरोगउपाय ॥

॥ दोहरा ॥ कहोंचिकित्सानाककीसुनलीजैचितधार ज्योंभाषीवंगसेनमोतैसेंकरोउचार ॥ चौप ॥-ई ॥ सवहीपीनसरुजमंझार निर्वातगेहमननिश्चयधार शिरअभ्यंजनस्वेदहिजान भोजनअम्लकटूयहमान नसुवारवमनघृतपानसुकीजै यथायोग्यपीनसरुजछीजै ॥ अन्यच ॥ पीनसरुजजवप्रगटितहोय करेंचिकित्सानरतवसोय गुडअरुदधिपुनमरचरलावै पीवेपीनसरोगमिटावै पंचमूलकोकीजैक्वाथ दुग्धमिलावैताकेसाथ चित्रालिसमहरडमिलावै गुडअरुघृतपुनतामेंपावै पीवैपीनसकोहोइनाश दुखदूरतनसुखपरकाश.

॥ अथआमपीनसरोगलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ शिरभारीगलखिरखिरीपतलीकफवहुवार अरुचीहोएवहुथुकथुकीकृशतनलक्षणधार.

॥ अथआमपीनसउपाय ॥

॥ चौपई ॥ होवेपीनसजिसेनवीन ताउपाययोंकरैप्रवीन मरचैंगुडसमगुटकाषावै रुजनवीनपीनसमिटजावै ॥ अ[illegible]च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्रातिंतडिआन तालीसपत्रफुनिजीराठान एलात्वचाचवकयहलीजै [illegible]मानसभचूरनकीजै अमलवेतफुनितामोपाय गुडहिपुरातनतासमिलाय गुटिकातिसकीनितक[illegible] पीनसरुजप्रपक्कहोजावै.

॥ अथप्रपक्कपीनसलक्षणं ॥

॥ [illegible] ॥ पीनसआमकेसभहिलक्षण तामोलाषियतज्ञानविचक्षण एकोचिन्हअधिकलषपैये गाढी[illegible]निकसंयोलहिये सुरअरुवर्णविशुद्धजुहोय पक्कहिंपीनसजानोसोय.

॥ अथपक्कपीनसउपाय ॥

॥ चौपई ॥ दशमूलीक्वाथमुलठमिलाय पीवैपीनसरुजमिटजाय ॥ अन्यच ॥ कायफलआद्रकपुष्करमूल मरचमघांमुनक्काकर्चूर हरडाभिडंगीककंटशृंगी सौंचललवणवचालेचंगी यहचूर्णसमषावैतास अथवासंगक्काथकरजाश पीनसतमकहलीमकजावै स्वरभेदश्वासअरुकासनसावै अन्यच रुजपीनसहूंकेमंझार स्नेहस्वेदमर्दननसवार अरुकटुतीक्ष्णभोजनमान हितहैंवमनअवरघृतपान यहनासाकोशुद्धकरावैं वैद्यकशास्त्रजुऐसेंगावैं रुजहीपीनसकेमंझार यत्नकरैनाहिमूर्खगवार तातैंरुजतिसवहुप्रगटातनजलाभाषैलोकविख्यात.

॥ अथप्रतिश्यायरोगनिदानं ॥

॥ चौपई ॥ वहुतअजीरणजिसतनहोय वाअतिभाषणकरहैजोय विष्टामूत्रहिवेगरुकावै अरुरितुदोषहितैप्रगटावै सेवैशीतलअतिकफकार शिरवहुतपैक्रोधअतिधार दिनकोसोवैअरुनिशिजोग जलमंजनजलक्रीडापागे रजतुषारअतिवातसहारे मैथुनरोदनहास्यविचारे इन्हकारणकफशिरमंझार इकठीहोवतकीनउचार वायूतहाकोपवहुधरे रुजप्रतिस्यायप्रगटसोकरे

॥ अथप्रतिश्यायपीनसपूर्वरूपलक्षणं ॥

चौपई कफकरशिरपूरणहोजावै षासीअंगभग्नदरसावै नासाकंठधुषनवहुलागै मुखश्रावैपुनपीनसजागै सोप्रतिश्यायपांचपरकार वातजपैतिजकफजविचार त्रिदोषजहीपुनरक्तजजानो तिन्हकेलक्षणभिंनवषानो.

॥ अथवातजप्रतिश्यायपीनसरोगलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ नासाबद्धअल्पश्रवैसोय गलतालुउोष्टहिसूकेजोय पीडाहोतपुडपुडीदोइ होयस्वरघातवातकृतसोइ

॥ अथवातजप्रतिश्यायरोगचिकित्सा

॥ चौपै ॥ वातजरुजप्रतिश्यायमझार पंचलवणघृतपक्कसुधार नित्पयथावलघृतसोषावै वातजरुजप्रतिश्यायनसावै ॥ अन्यच ॥ वातपित्तप्रतिश्यायमंझार पक्कसुऔषधघृतहितकार ॥ अन्यच ॥ मुनक्कासैंधाअरुदशमूल अवरमुलठीतामोतूल यहसमलेकरकीजैक्काथ दशवारहितैलपकावैसाथ ताहितैलकीलेनसवार वातजपीनसदूरहिटार गुरुउष्णवस्त्रशिरवेष्टनजान वातजपीनसमोंहितमान.

॥ अथपित्तजप्रतिश्यायलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ तप्तपीतजलनासाश्रवै तप्तदेहकृशतावहुतवै अग्निसधूमरहैतिसनास [illegible]डुवर्णरहैनिततास तृष्णायुतनरपीउतजोय सधूमवमनमनजानोसोय ऐसेलक्षणजिसतनजानो पीनसापि[illegible]हिपछानो-

॥ अथपित्तजप्रतिश्यायउपाय ॥

पित्तजरक्तजजोप्रतिश्याय सहमुलठघृतपक्कसुषाय पित्तजरक्तजहोवेनाश शीतललेपनहि[illegible]हैता[illegible] केवलघृतजोकरहेपान तातेंपित्तजहोवेहान

॥ अथकफजप्रतिश्यायलक्षणं ॥

॥चौपई वहुकफसितदृढनिकसैनासा सोजनेत्रऊपरपरकासा ओष्टतालुगलकंडूहोय स्वेतकरणनरजानोसोय शिरमुखभारीताकोजांन शिरकंडूतिसबहुतपछांन ऐसेलक्षणहोवतजास कफकृतपीनसजानोतास

॥ अथकफजप्रतिश्यायउपाय ॥

॥ चौपै ॥ कफजरोगप्रतिश्यायमझार कटुवस्तूधूमपानाहितकार कटुवस्तूत्रवपीडनहोय कफजविषैहितजानोसोय कफकरहोवैपीनसजवै कफहरवमनकरावैतवै जोकफपीनसकेमंझार गुरताअवरअरोचिकधार लंघनतिसकोप्रथमकरावै वैद्यउचितयाहिविधगावै ॥

॥ अथउपाय ॥ कफजाहिंआद्रकदुग्धमिलाय पीवैरुजप्रतिश्यायनसाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ त्रिकुटागुडयुतनस्यवाषावै रुजप्रतिश्यायकफजभगजावै ॥ अन्यच ॥ क्वाथकुलथसंगत्रिकुटापीजै प्रतिश्यायरुजकफजहिंछीजै ॥ अन्यच ॥ बिल्वदोइबलाजुविडंग दोइकंडयरीभद्रासंग स्वेतमूलतेजबलआन अरुपुनर्नवायहसमठान इन्हकेसाथहितैलपकावै लेनसवारकफजामिटजावै.

॥ अथसन्निपातजप्रतिश्यायलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पीनसहोवैवारंवार पुननिवृतहोजाइविकार पुनआप्रापतेहाइलषावै भावैंपक्कअपक्ककहावै वातपित्तकफरक्तजुचार सभकेचिन्हत्रिदोषजधार.

॥ अथसन्निपातजप्रतिश्यायउपाय ॥

॥ चौपई संपूरणप्रतिश्यायमंझार कटुतिक्षणभोजनहितकार ॥ अन्यच ॥ आमलीत्रिकुटाअवरकचूर यहसमचूरणघृतगुडपूर जोनरनितप्रतिषावैतास रुजप्रतिश्यायसोहोवैनाश अवरहृदयकोशूलमिटावै वैद्यग्रंथमतयाहिवतावै ॥ अथधवलादितैलं ॥ चौपई ॥ धावत्वचाश्यामात्रिफलाय लोध्रमुलठीतामोपाय दीपनहलदीजिहसमलीजैं यहसमलेकरकल्ककरीजै कल्कचतुर्गुणतैलमिलाय दशगुणदुग्धसुपायपकाय तिसीतैलकीलेनसवार रुजप्रतिश्यायरोगानिरवार.

॥ अथरक्तजप्रतिश्यायलक्षणं ॥

रक्तप्रवाहवगैनासाजिस नेत्रलालरंगहोवैतौतिस उरमोंघातश्वासदुरगंध विनाघ्रानजानेदुरगंध अवरभेदइकतामोजांन सोसवककहूसुनोधरकान उरक्षतहीजिसनरकोहोय रक्तवद्धनहिनिकसेसोय तिसकरहीकफरसउपजाय काससहितातिसज्वरप्रघटाय उरक्षतयुततिसपीनसजान भेददूसराकियावखान.

॥ अथरक्तजप्रतिश्यायउपाय ॥

॥ चौपै [illegible] जहीप्रतिश्यायमझार मधुरवस्तुघृतपक्कसुधार तिसघृतकोनितकीजैपान रक्तजपीनसहोवैहान इ[illegible]कीजैतास रक्तप्रातिश्यायसुहोवैनाश.

॥ अथप्रतिश्यायसामान्यउपाय ॥

॥ [illegible]ोपई ॥ रुजप्रतिश्यायपाकाहिअर्थं आद्रकयुतपयपीयसमर्थ यातैंपाकैरुजप्रतिश्याय तासचिकि-

स्साकहीसुनाय ॥ अथचूर्ण ॥ जबअरुकुलथातिंतडीपत्तर दधीपायसमकोईकत्तर गुडरलायकरषावैसोय प्रपक्वप्रतिश्यायतवहोय वाआर्द्रकसंगखावैजास प्रतिश्यायरुजहैविनास ॥ अन्यच ॥ मघांसुहांजणवाएविडंग मरचमिलावोताकेसंग यहसमचूरणषावैकोई अरुनसवारलेयपुनसोई प्रतिश्यायकाहोवैनाश बंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ क्काथ ॥ चौपै ॥ मुथ्रतेजवलसर्षपजोड पाठाकायफलवरचसुकोड चित्रासैंधापिपलामूल सुरदारकरंजूबीजसमतूल अवरमघांलेतासामिलाय यहवस्तूसमभागवनाय इन्हसभकोकीजैसमक्काथ दीजेरोगदूरसुनगाथ अरुयाहीसोंतैलपकावै नस्यकैरप्रतिश्यायमिटावै ॥ अन्यच ॥ नसवार ॥ चौपई ॥ स्थलजजलजसवपुष्पपछान वातहरनसवऔषधमान इनसभकासमकीजैक्काथ दुग्धमिलावैताकेसाथ अर्धअर्धजलदुग्धमिलावै वनमृगपक्षीकोरसपावै मंदअग्निकरैतिसपाक ग्रंथनकामतसुनियेवाक क्षीरशेषरहिजावैजवै यतनकेरघृतसाधेतवै अनंताचंदनऔरमुलठ गंधसितायहकरैइकठ पुनयहकूटमिलावैजास मंदअग्निजुपकावैतास तिसपकायफुनिलेनसवार प्रतिस्यायदुखदूरनिवार ॥ अथनसवार ॥ चौपै ॥ रसोंतलेहुमुस्थरजुपतीस देवदारुयहसभसमपीस इन्हमोंतैलसिद्धनसवार लेवैप्रतिश्यायदुखटार ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ मनशिलसैंधावरचविडंग गुगुलअवरहिपावोहिंग यहसमचूरणलेनसवार रुजप्रतिश्यायरोगतुमटार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ चतुरजातकीलेनसवार अथवाजीराकृष्णविचार अरुइन्हकाहिधूपजोलेय रुजप्रतिश्यायनाशकरदेय अथधूंमपान ॥ चौपई ॥ रसोंतइंगुदीगुग्गुलुपाय अपामार्गसमवटीवनाय अग्निलगायधूंमकरपान रुजप्रतिश्यायहोतहैहान ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ सवैगंधकोधूपधुषावै पानकैरप्रतिश्यायनसावै वाघृततैलमिलायधुषावै धूमपियेप्रतिश्यायनसावै अवरहिहिक्काहोवैनाश तासचिकित्साकरीप्रकाश ॥ अन्यच ॥ लसनमुद्गचूर्णत्रिकुटाय जवक्षारतिससाथमिलाय इनकरजोघृतसिद्धकरावै लेनसवारवापानकरावै पूतिकंडूश्रावविनास श्वासकासपीनसतवनास

॥ अथपूतिनासिकारोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफपित्तरक्तकुपितहोजाय मूर्छितवायूप्रगटैआय सोईकुपतगलतालूजाके दुर्गंधकैरमुखनासाताके सोनरयवहींलेवैश्वास मुखनासादुर्गंधप्रकास पूतिनासतिसनामकहायो ग्रंथकारमतयाहिवतायो-

॥ अथपूतिनासिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दुर्गंधसहितहोइनासाजास सनेहछर्दस्वेदाहिततास धूम्रपानअवरनसवार यहभीताकोहैहितकार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ व्याघ्रीदंतीवर्चपिसावै त्रिकुटासैंधातामोपावै सिग्रूरसपुनमेलोजास पावेतैलपकावैतास इन्हसोंतैलपकाययुषाय नासापूतीरुजमिटजाय.

॥ अथत्रिकुटातैलं ॥

॥ चौपई ॥ त्रिकुटासैंधावायविडंग कंटकीफलसिग्रूरससंग दंतीयुतयहकीजेक्काथ [illegible]पत्रसतैलमिलावोसाथ मंदअग्निसोंताहिपकाय तेलरहेपुनशुद्धकराय याहितैलकीलेनसवार [illegible]दुर्गंधीटार ॥ अन्यच ॥ शिग्रूतैलं ॥ चौपई ॥ शिग्रूवृहतीनिर्कुंभहिलीज इनहूंकेसमडारोबीज त्रि[illegible]टा[illegible]सामिलाय बिल्वपत्ररसपुनतिसपाय तैलमिलायपकावैताहि लेनसवाररोगमिटयाहि दुर्गंध[illegible]गहो[illegible]वैनाश शास्त्रनकोमतकीनप्रकाश.

॥ अथनासापाकरोगलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ आश्रयघ्रानपित्तजबहोय फुनसीनासिकउपजेसोय सोऊव्रणअतसेंगलजावै नासापाकना-मतिसगावै नेत्रकोथयुतक्लेदनजान ऐसेलक्षणताहिपछान.

॥ अथनासापाकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ नासापाकरोगमंझार पित्तहरनऔषधहितकार रक्तमोक्षभीकरहैसोय नासापाकरोगहतहोय ॥ चौपई ॥ क्षीरीवृक्षत्वचापीसाय घृतसंयुक्तपाकरुजजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सर्जरसअर्जुनको-गडल्यावे रुंवलचारोत्वचामिलावें करेकाथफुनिधोवेनाक वाघृतसिद्धमलेसुनवाक नासापाकरोगामि-टजावै यहउपायभीयोंप्रगटावै ॥ अन्यच ॥ पाकदाहउपजैजोजास शीतललेपनहितकरतास ॥ अन्यच ॥ गुगुलमोमसमघीउपकावै लेपैनासापाकमिटावै.

॥ अथपूयशोणितलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मस्तकजिसअतिताडनहोई रक्तपित्तहोयकुत्तजुदोई अवरहिदोषहितैप्रगटावै अंत-रतैंनासासुपकावै रक्तपूयतवहीप्रगटात पूअयरक्तयहरुजविख्यात

॥ अथपूयशोणितनासारोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पूयरक्तआवताजिसलहिये ताकीऔषधजाविधकहिये मसरदुग्धकालेपनजोय रक्तपूय-रुजहरहैसोय इत्यादिकसवलेपलगावे रक्तआवनासारुजजावे

॥ अथक्ष्यवथूनासरोगलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ नासामूलजुत्रिकुटीकहिये दुष्टवातकफतिहयुतलहिये सोवडशब्दछीकउपजावै क्ष्यवथु-नामइसरुजकोगावै

॥ अथआगंतुजक्षवथूरोगलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ तीक्षणवस्तूआदीजुराई तिसकोसूंघैनासाल्याई अरुजोकौसूरयअतिदेखै तृणसूत्रादि-जुनासालेखै तातैंछिकावहुपरकार आवतरहैंसुवारंवार

॥ अथक्ष्यवथूरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ क्ष्यवथूरोगमध्ययोजानै ॥ नासाद्वारधूमहितमानै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मघांमुनक्कासुंठ विडंग ॥ अवरकुठतिसपावैसंग ॥ यहसवसमलेकीजेकाथ ॥ तैलपकावैताकेसाथ ॥ ताहीतैलकीलेनस वार ॥ क्षवथूरुजकोरनिकार ॥ अन्यच ॥ अजामिंझघृतमाहिपाकाय ॥ अथवातैलपकायवनाय ॥ याहू-कोलेवैनसवार क्ष थूरोगदूरकरडार घृतअरुगुग्गुलमोमामिलाइ धूनीदेक्षपवथूनरहाइ ॥ अन्यच ॥ चौपै॥

॥ ध्वंसथुभ्रंशथूलक्षनउपाय ॥

क्षवथुकी साकही ध्वंसथुमैतुमजानोसही पित्तसंचयाशिरपूरवजांनो कफशोषितजहकरेसोमां-नो छ हि आवतनांही भ्रंशथूरुजतिसनामकहाही छिकाकरऔषधजोहोई सोसवइकठीकीजैसोई तिनहि सिका फलपावे सोऔषधमध्यनडीधरावै नासानडीधरफूकैतास होइजावैरुजभ्रंशथुनास कणा ठद्राक्षाबिल्वनागर तैलपकावैइन्हमोसमधर अथवाघृतपकायतिहसंग नसवारदेयरुजक्ष्यवथूभंग-

॥ अथध्वंसथूनासारोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सनिग्धलवणदग्धकफजोई जिह्नासातैंप्रगटतहोई सूरजतपैतवहींनिकसावै ध्वंसथुकेयेंलक्षणगावै

॥ अथदीप्तनासारोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तकुप्तहोयनासाजास धूंमदाहयुतपवनप्रकाश तिसकरनासाजलतीजान नामदीप्तरुजकीनवखान.

॥ अथदीप्तरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ दीप्तरोगनासाजिसहोय पित्तहरऔषधहितहैसोय शीतलमधुरलेयनसवार दीप्तरोगनासातैंटार निंवरसौंतकीलेनसवार दीप्तरोगमैंहैहितकार मिलायदुग्धजलसिंचनकरै यातैंभीरुजदीपतटरै मुदगआमलेयूषहिसंग पथ्यषायरुजदीपतभंग

॥ अथप्रतिनाहनासारोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफसंयुगताहिवातउदान मारगस्वरयहरोकैंआन वातसहितकफस्वरहिरुकावै रुजप्रतिनाहनामतिसगावै.

॥ अथप्रतिनाहनासारोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ प्रतिनाहरोगनासाजिसहोय सनेहपानहितकरलषसोय स्निग्धधूमशिरवस्तीजान वातहरनऔषधसभमान बलातैलभीहैहितकार ताउपाययौंकीनउचार.

॥ अथनासारोगपरिश्रावलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ निरमलजलजिसनासाश्रावै श्वेतपीतवाकफनिकसावै रातसमेंतिसवहुतपछान परिश्रावयहलक्षणजान.

॥ अथश्रावउपाय ॥

॥ चौपरु ॥ नासाश्रावरोगहोइजास हैनसवारउपायजुतास तीक्षणअरुअवपीडनकरै तीक्षणधूमआनसोधरै ॥ अन्यच ॥ देवदारुचित्रालेसंग धूपदेयरुजनासाभंग ॥ अन्यच ॥ अजामांसभीहैहितकार नासाश्रावहितातैटार'

॥ अथनासाशोषरोगलक्षणम् ॥

॥ चोपै ॥ कफकोवातसपित्तसुकावै नासाशोषरोगतिसगावै वडेकष्टसौंश्राव[illegible]ास अैसेजानोलक्षणतास'

॥ ॥ ॥ ॥ अथउपाय ॥ ॥ ॥ ॥

॥ चौपई ॥ नासाशोषरोगाजिसलहिये घृतदुग्धतासकौंहितकरकहिये अरुघृत[illegible]लका[illegible]नसवरि नासाशोषरोगकौंटार ॥ अन्यच ॥ केवलजोकीजैघृतपांन तौभीहोयशोषकीहांन अ[illegible]रसवनम[illegible]पक्षा-

मास पानपथ्यमोंहितकरतास अवरसनिग्धधूमहितकार असउपाययोंकीनउचार.

॥ अथनासार्बुदरोगलक्षणं ॥

॥ नासाअर्बुदसातप्रकार ताकेलक्षणलेहुविचार वातपित्तकफरक्तजभेद सन्निपतअरुमांसाहिभेद वेरन्या जिसहोयप्रकार अर्बुदरोगसुताहिविचार अर्बुदउपाय अर्शहिरोगचिकित्साजेती अर्बुदरुजकीजां तेती अर्बुदअर्श.हिएकसमान भिन्नचिकित्सानाहिपछान ताकेलक्षणभिन्नहिजोय अर्बुदरुजमोंदेखो-ोय ग्रंथवृद्धितेनाहिवखाने सोसमुझोअपनेमनस्याने.

॥ अथनासाअर्शरोगलक्षनं ॥

॥ चापई ॥ ज्योंगोस्तनइवहोवेजोय नासाअर्शकहीजैसोय अर्शरोगइहचारप्रकार अर्बुदअर्शए-मनधार रक्तपित्तकरताहिविचारो अवरवातकफभेदसह्यारो.

॥ अथनासाअर्शरोगउपाय ॥

॥ चौपै जोनासामोंअर्शलषावे ताकोयहउपायलषपावे गृहधूमकणासेंधायवक्ष्यार करंजूदालहल-पुनडार अपामार्गकेलीजेवीज इन्हसोंतैलपकायसुलीज तासतैलकीलेनसवार नासाअर्शरोगकोंटार न्यच रक्तकरवीरकेपुष्पमंगावै अवरचंवेलीपुष्परलावै इनमेंतेलपकावैजोय लेनसवारअर्शरुज. ोय ॥ अन्यच ॥ चित्राचवकसेंधाकंडेयारि करंजवीजदीप्यापुनडारि गौमूत्रयुततैलपकावै नस्यकरै-जअर्शमिटावै.

॥ अथनासाशोथरोगलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ नासाशोथचारपरकार वात्तपित्तकफरक्तजधार संन्निपाततैएकहिहोय लक्षणभिन्नजा-नलेसोय.

॥ अथनासारोगेसमान्यउपाय ॥

॥ चौपे ॥ याहिरोगसोंशोथजुहोय ताहिउपायकरेनरसोय शोथरोगमोदेखविचारी ग्रंथवृद्धितेनाहिउचा-री लसुनमुद्गजवअरुजवक्षार त्रिकुटाजहसमचूर्णसह्मार करेसिद्धघृतलेनसवार अथवामर्दनदोषानिवार-खावेपीनसकासनसावे दुरगंधश्वासकंडूमिटजावे ॥ अन्यच ॥ तालीसतितडीत्रिकुटाआन चित्रा-आंमलवेतप्रमांन जीराचवकजाहिसमलीजें एलात्त्वजदलपादमिलीजें पीसपुरातनगुडहिमिलाय खावे-श्वासकासमिटजाय पीनसरोगहोतहैनास वैद्यकमतज्योकीनप्रकास सिग्रूवरचद्राक्षत्रिकुटाय रहसनसैं धालेसमभाय तैलपकावैतिन्हकेसंग नसवारलेयनासारुजभगं ॥ दोहा ॥ चिकित्सानासारोगकीभाषीभलैं बनाय वैद्यसमझ कोंकरे दुखहरसुखप्रगटाय.

॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौ यहसभपीनसभाषेजेते बहूचिररहिअसाध्यहैंतेते जोपीनसरहैबहूचिरकाल क्रमजुपडैासि-तलघु इसकरवधरअंधभीहोय नेत्ररोगबहुप्रगटेंजोय शोथअग्निमंदहोइतास अर्बुदअर्शकासअ-स्वा .

॥ अथकष्टसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपै कभीनासकाचलणेलागै वंदकभीकभिसूकेजागै दुर्गंधीगंधज्ञाननहिहोय कष्टसाध्यकहियतहैसोय ॥ इतिनासारोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथनासारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ पथ्यनासारोगकेअवरअपथ्यप्रकार सुनहोवैद्यप्रवीनतुमसोसभकरोंउचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपै ॥ गंडूषअवरलंघननसवार लेपनवमनस्वेदपरकार नाडीरुधिरमोक्षफुनिजानो शिरमर्दनतैलादिपछानो यवचावलजुपुरातनकहियेमुंगीघृतकुलत्थहितलहिये वनमृगपक्षिनकोरसमास वृंताकसुहांजनलसुनप्रकाश लघुमूलीजुककोडेजांनो मदरात्रिकुटालवनपछांनो लघुसनिग्धहितभोजनमान तप्तोदकलषलेहुसुजान पोस्तषसषसहाफूजानो कफहरवस्तुसमस्तपछांनो ॥ दोहरा ॥ नासारुजकेपथ्यजोभाषेसभीसुनाय अवअपथ्यवरननकरोंसुनलीजैमनलाय ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहरा ॥ क्रोधशयनअतिश्रमलअतिअति गुरुभोजनजांन वेगपुरीषादिकरुकेमहाअपथ्यपछांन इतिनासारोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तं ॥ दोहरा ॥ नासारोगवषान्योप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्सावरनकैपथ्यापथ्यवषान इतिनासारोगसमाप्तं

॥ अथनासारोगेकर्मविपाकहेतुमाह ॥

अथकारणं ॥ दोहा ॥ जिसनरपूरवजन्ममेकुर्कटहत्याहोय वक्रनासिकाहोतहैकर्मविपाकहिसोय तासहिदोषनिवारणेस्वर्णटंकइकमांन वेदविप्रकोपूजकेविधिवतदेवेदान अन्यच जिसनरपूरवजन्ममें वृषनासाकरिछेद पूतिनासरुजहोतहैउपजेवहुतिसखेद अन्यच चौपै पूर्वजन्मकीविधाहिविचारी लवनचुरायाजिसनरनारी शीर्णनासरुजतिसतेंहोय सूर्यकहावैअरुणाहिसोय नासारुजकाकरेउपाय द्विजदेवगुरूअरुपूजेगाय सूर्यपूजैमनाचितलाई नासारोगतुरतामिटजाई चौपै उत्तमपुष्पगंधअन्नादि सुरगुरुपित्राद्विजदेवनआदि इनविनगंधीलेवेआप नासारोगहोयातिसपाप.

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रूपाइकपलतोलमंगावै ताकोइकाशिवालिंगबनावै दक्षिणभागकुवेरविठाय स्वामीकार्तिकवामसुभाय गणपतिअग्रगंधर्वहिपाछे विधिवतसेवसमग्रीआछे गोघृतयवतिलतंडुलपाय हवनकरैशिवमंत्रपढाय करसंकल्पाविप्रकोदेवे तातेंमुक्तिहोयसुखलेवे ॥ दोहा ॥ नासारोगबषान्योकारणसहउपचार छिन्ननासकादोषजोताकोसुनपरकार ॥ इतिनासादोष ॥

॥ अथछिन्ननासिकाकारणं ॥

श्रुतिस्मृतिकीकथामझार नाहीवैठतजोनरनार अरुसुरब्राह्मणानिंद्याकरै [illegible]ाछिन्नदोषतनधरै सकैनवैठनसभामझार ताकोभाषोंयहउपचार.

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ वस्त्रसहितइकदरपणलेवै विधिसोंब्राह्मणकोंयहदेवै याहिदोषतेंमुक्तिव[illegible]रमविपाकग्रंथमतगावै ॥ दोहरा ॥ नासारुजकेदोषसवकहेजुविधिअनुसार अवमुखरुजकेद[illegible]सवअ[illegible]ोसुनचितधार इतिछिन्ननासादिदोषसमाप्तम् ॥

॥ अथज्योतिषकारणउपाय ॥

॥ दोहरा ॥ द्वादशघरकेमध्यमेंकिसिघरकठेजान सूरजशनीअरुशुक्रजहतौरुजनासिकमान नासारोगाविकारसोंनिश्चेजोगकरंत व्याधक्लेशअरुशत्रुभैनानारूपधरंत सोनरताहिअवश्यकरदृढमनप्रेमधरेय तीनोंग्रहकीपूजनाविधिसंजुगतकरेय जोतीनोंकीसक्तनहीतौसूरजहितदान जपपूजाविधयज्ञकरताहिहोतकल्यान इतिनासारोगेज्योतिषसमाप्तम्,

॥ अथान्यप्रकारनासिकारोगवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ चलेरुधिरजवनासिकमाही नकसीरनामजगवोलतताही रुआफनामफारसकाहोई आगेलक्षणसुनिएसोई जेकररुधिरतापमेंआवे सोवुन्हांनकारुधिरकहावे ताकोवंदकरेनहिकोई रोगदूरकालक्षणसोई हद्दआठपहरकीहोई ऊपरचलेवंदकरसोई प्रथमजतनऐसामनभावे नाडिनासिकारुधिरछुडावे जेकररुधिरदिमागजहोई अतिशिरपीडाकरहैसोई अथवाशिरपरचोटलगावे ताकरसिरनाडीफटजावे इनकारननकशीरजोहोई करेवंदसुनऔषधसोई पलासपापडामुत्थरल्यावे कचनारवृक्षकाछिलकापावे नसुआरपीससमकरेजोकोई रुधिरवंदताहीछिनहोई इजषरचंवापत्रमंगावे त्रिफलाचित्रासंगमिलावे लेसमऔषधपीसिकोई करेलेपशिरऊपरसोई फलीनामइकवूटीहोई अनाकोईनामाकहुसोई रसनिचोडकरनासिकपावे रुधिरवंदसुषसीघ्रदिखावे ॥ दोहा ॥ जेकरसजेअंगतेंरुधिरअधकजिसहोय अथवाखवेअंगतेंचलेयतनसुनसोय ॥ चौपै ॥ ताहिअंगपरऐसाभावे स्तनकेनीचेयतनवनाविसिंगीअथवातूंवीहोई राखउदरपरचूसेकोई दोनोंभुजापद्दौजांनो नासिकाग्रदौवृषणपछांनो इनकोदृढकरवांधेकोई रुधिरवंदताहीछिनहोई घनिआरसकपूरसंगपावे पायनासिकारुधिरहटावे सिरसांमदोषतेंरुधिरजोहोई वंधनलिखाकरेनहिसोई सिरमांमीरुधिररोकिएनाही आपवंदहोजावतताही आठपहरऊपरहोजावे निर्वलताअतिहींलखपावे ताहीवंदकरेनरसोई अथवागरमीखुषकीहोई अतीधूपकररुधिरदिखावे ताहिवंदकरसुखउपजावे चंदनमुथरवांसाल्यावे पन्हीजढपितपापडपावे साडेत्रैत्रैमासेपाय चारसेरजलकाथवनाय सीतलकरपीवेनरसोई रुधिरवंदताहीसुखहोई ॥ दोहा ॥ तोलेपांचमंगाईएखंडआमलेदोय सेरदोईजलपायकेसेडराखिएसोय गलैतोमर्दनकीजिएशिरपरलेपकराय सेखरहेसोपांनकररुधिरवंदहोजाय ॥ चौपै ॥ अर्धांगरोगसगताजोहोई हुकनागर्मलिखाकरसोई रुधिरवंदताहीहोजाय औषधकरदुखदूरहटाय हरीडकसुंभातुरीमंगावे काचनारभागसमपावे नसुआरपीसकरलेवेकोई रुधिरवंदताहीछिनहोई वांसापत्रडिडतोलाल्यावे पलासगूंदखवलसंगपावे साडेत्रैत्रैमासेहोई अजादूधसंगपीसोसोई मिसरीमेलपांनकरवावे ताहीछिननकसीरहटावे खवलघासपीसकरलीजें रसनिचोड[illegible]सिकदीजें रुधिरवंदताहीछिनहोई औषधकरसुखउपजतसोई.

॥ अथरोगपीनसवर्ननं ॥

॥ चौपै ॥ [illegible] नासिकावंदजोहोई सुगंधीग्रहणकरेनहिसोई षयसुमनामफारसीजांनो अधकदोषकफहूतेंमांनो [illegible]ढीपवनवीचरुकजावे काठिनसुआसअतिहींदुखपावे रहसनपत्रलीजिएसोई जयतनासकर[illegible]जो[illegible] पीसताहिरसनासिकपावे पीनसरोगसीघ्रहटजावे जढपलासकीसुंठील्यावे पुष्पधातकीमर्चमिलावे वावडिंगकांफलसमपाय वरावरकोडातेलामिलाय चाढअगनपरतेलपकावे औष-

धजलेतेलरहजावे सोइतेलनसुआरचढाय पींनसरोगताहिछिनजाय धनिआजीराश्वेतमंगावे अजुआं-
इनसीसालूणमिलावे वांसामर्चचित्तरापाय पिप्पलामूलसोसंगरलाय साडेतैतैमासेलीजें औरऔषधी-
तामेंदीजे दाडिमअजमोदामगवावे धांईगजपिप्पलसंगपावे आमलीवालविल्वसंगकीजे साडेदस-
दसमासेलीजे अठाईमासेकत्थरलावे पीसछानफक्कीवनवावे प्रातसातमासेनितखाय पींनसरोगता-
हिइटजाय कंडेआरीछोटिफलरसलीजें पींनसदूरनासिकादीजें कलौंजीमूत्रगधेकाल्यावे पीसना-
सिकावीचचढावे अजामूत्रनसुआरचढाय पींनसरोगताहिइटजाय.

॥ अथदूर्गंधीनासिकावर्ननं ॥

॥ चौपई ॥ दुर्गंधीदोषनासिकाहोई निकलदोषदुर्गंधीसोई ताहियतनकरसीघ्रहटावे विनायतनकै
सैंसुखपावे जैफलमासेतींनमिलावे दारचीनीलौंगजलपत्रीपावे तींनोमासेतींनमिलाय मधूमेलचटनी-
करखाय अंवगुलीकापित्ताहोई सेरएकचूरनकरसोई पुरातनगुडसमभागमिलाय चौदांमासेप्रतिदिन-
खाय दुर्गंधीदूरताहिछिनहोई सुगमउपायउौरसुनसोई मूत्रऊठकानासिकपावे ताछीछिनदुर्गंधीजावे-

॥ अथयक्ष्मनासिकावर्ननं ॥

॥ चौपई ॥ यक्ष्मनासिकाभीतरहोई जराहतवींनीनामांसोई सरीहकृष्णकाछिलकाल्यावे ताहिका-
थकरनाकधुलावे चंवेपत्रकारसनिकसाय त्रिफलाकत्थताहुमेपावे पीसनासिकामर्दनकरिए यक्ष्मदूरपी-
डादुखहरिए ॥

॥ अथनथूरनासिकावर्ननं

॥ चौपै ॥ मांसनासिकामेंवधजावे आदयक्ष्मपाछेद्दढपावे रोगअसाध्यदूरनहिहोई काटमांसवाहर
करसोई तीक्षणअतिनसुआरचढावे नथूरदूरताहीसुखपावे ॥

॥ अथववासीरनासिकाववर्ननं ॥

॥ चौपै ॥ अधकमांसहैनासिकमाही वासुरवींनीकहिएताही नसूरवासूरकाभेदपछांनो अधकमां
सदोईकामांनो नसूरमांसभीतरलपटावे वासूरमांससिरचारदिखावे अरुदिमागसंगलपटाहोई चाररंध्र
परदौडतसोई कर्ननासिकाछिद्रविचारो चाररंध्रपरमांसनिहारो रंध्रनासिकाप्रापतहोई ववासीरकहुना
सिकसोई असाध्यरोगपरऐसाकरिए विनायतनदुखकैसेंहरिए रोगीसीधासेजलिटावे देखमांसलेसूत्रवं
धावे द्दढकरपकडवेठिएसोई हिलायखैंचवाहरतवहोई वाअंगुलीपरघृतलपटावे वीचनासिकाफेरफि
रावे वलकरऐसायतनपछांनो रोगीहोसविहोसीमांनो ऐसायतनविनाभयहोई आगेयतनउौरसुनसोई-
॥ दोहा ॥ फक्कीलेहुजंगारकीनौसादरसंगपाय सज्जीमधूमिलायकेबत्तीऊपरलाय ॥ चौपै ॥
वत्तीवीचनासिकापावे ववासीरनासिककीजावे अधकमांसकटवाहिरहोई अ[illegible]तनउौरविधसोई नु-
सादरखूपमहींनापिसावे आंदरएकभेडकील्यावे आंदरधोयनुसादरसोई वीचपाय[illegible]ववांधेकोई मले-
खूपजलपात्तरमाही निकालनुसादरलीजोताही जंगालतैलतिलवीचरलावे कर्नव[illegible]रूनासिकपावे
वासुररोगनष्टतवहोई सुगमयतनकरदोषनकोई .मांसदूधअरुकणकनखावे अवरभि[illegible]इसकोईनभावे
रहेपालपरदोषनकोई औषधकरसुखउपजतसोई ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवी[illegible]कास[illegible]षायांना
सारोगाऽधिकारकथनंनामएकादसोऽधिकारः ॥ ११ ॥

॥ अथमुखरोगनिदाननिरूपनं ॥

॥ चौपई ॥ अनूपदेशमृगपक्षीमास भक्षणकरैजुअतिकरतास उडदआादिजोदालदवाही दूधदधीअतिकरजोखाही वायुपित्तकफकुतहिहोय मुखमेंरुजप्रगटावतसोय सोमुखरुजहैबहुपरकार भिन्नभिन्नसवकरोउचार

॥ अथमुखरोगअनुक्रमिका ॥

॥ दोहा ॥ मुखरोगअनुक्रमकहोवरनोसप्तस्थान ओष्ठदंतदंतमूलहीजिव्हाताळूजान अवरहिकंठपछानियेपुनाहिसर्वशरजान सोसवकहोंविचारकेसुश्रुतकेअनुमान ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंओष्ठनिदानवषानो अष्टप्रकारताहिकेमांनो वातजपित्तजकफजकहावै त्रिदोषजरक्तजग्रंथलषावै मांसजमेदजकीनवषान अविघाततजयहअष्टमजान ॥अथवातजओष्ठरोगलक्षणं ॥ चौपै ॥ ओष्ठमाहिजिसकोपैवात श्यामरंगतिसओष्ठहिस्यात षडुरेकरडेअकडेरहै दालियतफोडतपीडागहैं वातजओष्ठरोगयोंजान पैतिजआगेकरोवखान ॥ अथपैतिजलक्षणं ॥ चौपई ॥ फुनसीवहुतओष्टपरहोई दाहअवरपीडायुतजोई पीतनीलतिसवर्णलषैये पैतिजओष्टपाकइमलहिये ॥ अथकफजलक्षणं ॥ चौपई ॥ पीडाविनजिसओष्टमझार कंडूशोथजुहोयविकार शीतरपर्शस्निग्धसितरंग अैसीफुनसीहोईअभंग कफजाहिरोगओष्टयोंजान अवरत्रिदोषजकरोंवषान ॥ अथसन्निपातजलक्षणं ॥ चौपई ॥ ओष्टरंगकविश्यामलषावै पीतकवीकविश्वेतदिषावै अरुअनेकविधफुनसीजाश सन्निपातरुजजानप्रकाश ॥ अथरक्तजलक्षणं ॥ चौपई ॥ खरजूरवरणजिसपिंडकारंग रक्तश्रावतुमजानअभंग रक्तयुक्तरहैओष्टहिजास रक्तप्रभातुमजानप्रकाश रक्तजओष्ठरोगयौंजानो आगैमांसजरोगवषानो ॥ अथमांसिजलक्षणं ॥ चौपई ॥ ओष्टस्थूलजोभारीलहियें मांसपिंडइवकृमयुतकहियें मांसिजओष्ठरोगजौंजान मेदजरोगाहिकरोंवषान ॥ अथमेदजलक्षणं ॥ चौपई ॥ घृतअरुमांडन्यायदरशावैं भारीपुरकसहितहोजावैं स्वछस्फटकहिवर्णप्रकाशै श्रवतरहैंअतिस्निग्धसुभाशैं अैसेओष्टजासकेलहियें मेदजकेअसलक्षणकहियें ॥ अथअविघातजलक्षणं ॥ चौपई ॥ ओष्टचीरीयेफटतेलहिये गांठोंयुक्तसकंडूकहिये अविघातजयहलक्षणजान अष्टभेदजौंकीनवषान ॥ इतिओष्टरोगनिदानं ॥

॥ अथमुखरोगेओष्टरोगाचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ मुखरोगजुअष्टप्रकारहै कहोंचिकित्सातास जैसेवैद्यकग्रंथमोतैसेंकीनप्रकाश चौपई ओष्टपाकहिरक्तैंजानै रक्तनिकासितौसुखममानै जोकफहूतैंपाकलखावै कफहरऔषधसोसुखपावै वातहुतैंयहरोगजुहोय घृततैलवातहरलावैसोय पित्तजओष्टपाकपहिचानै शीतललेपनऔषधठानै रक्तपित्ततैंप्रघट्योजान जलौक मोक्षपरिमान कफजओष्टपाकमंझार इहविधिऔषधकीनउचार ॥ अथऔषध ॥ शुद्धमोमघृतसंग ाय ताहिगर्मकरसेकदिवाय ओष्ठरोगकाहोवेनाश निश्चैकरयहकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ तैल मज्जमांसकेमाहीं चारस्नेहमोंमोमरलाहीं इनसोंसेकओष्टपरदेवे वातजायरोगीसुखलेवे त्रिकुटालीजेस दयार मधुरलायलेपेसुविचार अरुनितप्रतिपुनचाटैतास सकंडूओष्टपाकहोएनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जीवनीकल्कतैलपयसंग पकायसमधुलेपैरुजभंग ॥ अन्यच ॥ मोमसरजरसराल्हाल्याय गैरिकगुडसैंधाजुमिलाय समसमलेघृततैलपकावे लेपेओष्टपाकमिटजावै अवरप्रियंगुत्रिफलाआन

लोध्रलेदुसमचूरनठान मधुरलायकरलेपैतास मेदजओउपाकहोइनाश ॥ अन्यच ॥ केवलत्रिफलामधुकेसंग लेपेकैओउरुजभंग ॥ अन्यच ॥ ओउपाकमोंजोवहुदाह घृतशतधौतमलैसुखताह ॥ अन्यच ॥ व्रणरुजकोजुचिकित्साजेती बुद्धिनुसारकरैनरतेती याहीतैंपुनिसोनहिकही बुद्धिमानलषलेवैयही इतिओष्टपाकचिकित्सा

॥ अथदंतमूलरोगसंख्याकथनं ॥

शीतादंतपुप्पुटफुनिजान दंतवेष्टपुनशौषिरमान महाशौषिरपरदरपहिचानो उपकुशअरुवैदर्भसुजानो खलुवर्द्धनअधिमांसजुलहिये दंतमूलयहदशविधकहिये दंतमूलकीनाडीजोय रुजपांचोतिसमाहीहोय

॥ अथशीतादलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दंतमूलतेंरक्तप्रवाह हेतुविनानितप्रगटैताह दंतमांससोगल्योरहै वहुपाकैदुर्गंधिगहै कृष्णवर्णअतिकोमलजान अरुक्लेदितजुमताहिपछान यहशीतादव्याधजोगाई कफअरुरक्तजगायसुनाई

॥ अथशीतादंतमूलचिकित्सा ॥

दंतमूलमैंजिसरुजहोय तातेंरुधिरनिकासेसोय सर्षपसुंठीत्रिफलापाय इनकोलेकरक्काथकराय मुखमेंपायकरूलीकरै शीतादंतमूलरुजटरै ॥ अन्यच ॥ घृतवातेलकुरूलीकरे रुजशीताद जुतातेंटरे ॥ अन्यच ॥ प्रियंगूत्रिफलामुत्थरपाय जलसोंपीसजुलेपलगाय शीतादंतमूलरुजनासं ग्रंथकारमतकीनप्रकास ॥ अन्यच ॥ उत्पलकमलजुत्रिफलापाय इनसमघृतसिद्धतैलकराय ताहूकीलेवेनसवार रुजशीतादजाहुतेंटार

॥ अथदंतपुप्पुटलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दोदिनतीनदंतकेमूल शोथरहैजुमहादुखशूल रक्तअवरकफहूतेंजान इहरुजपुप्पुटकीनवषान.

॥ अथदंतपुप्पुटउपाय ॥

॥ चौपे ॥ दंतमूलतेंरुधिरकढावे शिरेचकनस्वारदिवावै पांचोलवनअवरजवक्षार काढाकरमखीरसंगडार करैकरूलिप्रीतवढाइ दंतपुप्पुटरोगकटजाइ अरुस्निग्धकरभोजनजोय पुप्पुटरोगनाशतवहोय अन्यचस्वेतसर्षपवैतकेवीज वकुलवृक्षकेसिकडलीज इनसोकवलउष्णजलसंग मुखराखेपुप्पुटरुजभंग ॥ अथदंतवेष्टलक्षणम् ॥ चौपई ॥ पूयरक्तकोचलैप्रवाह दंतहलैहैंतवहीताह दंतवेष्टरुजजानोतास दुष्टरक्ततैंहोतप्रकाश

॥ अथदंतवेष्टउपाय ॥

लोध्रपमुलठीवकमसुलोधर यहेसमपीसमलैदांतनपर क्षीरीवृक्षनकोकरक्काथ मधुमिस[illegible]तमेलेसाथ करैकरूललीताकोसंग पुप्पुटरोगहोयातिसभंग दंतहलतइस्थिरतापावैं तासाचिकित्साअ्रे[illegible]वैं ॥ अन्यच ॥ ॥ चोपे ॥ भंगमूत्थराअरुत्रिकुटाय निंवपत्रविंडंगसमपाय पीससुक्ष्मगोमूत्रमिलावै वटिक[illegible]ांधेछांहिसुकिवै गुटकामुखमोराखेजोय इस्थिरदंतजुकरहैसोय ॥ अन्यच ॥ प्रथमकरेदशमूलीक्काथ घृतवातेलसिद्धतिससाथ मुखभरराषोतिसकेसंग दंतास्थिरहोरहैंअभंग अवरहुंवातरोगसभजाहिं याहीमोकछुसंसानाहि.

॥ अथशोषिरलक्षणं ॥

॥ चोपई ॥ दंतमूलमेंसोजापरे पीडाहोइपुनलालासरे अरुकंडूतिसरुजमोहोई शोषिरनामहि-जानोसोई यइकफरक्तजरोगपछानो ज्योंनिदानमतभाषैमानो

॥ अथशोषिरचिकित्सा ॥

लोध्रमुस्थरसौंतमिलाइ पीसमधूइसमेंसमपाइ लेपकरेशोषिररुजजाय वंगशेनमतदियोवताय पाछे-दूधगरारेकरै शोषिररोगताहिक्षणहरै

॥ अथमहाशोषिरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दंतमूलकोअहैजोमास फटैंदंतसभहलहैंजास दंतओष्टअरुतालुमझार पीडावहुतक-रैसंचार रोगत्रिदोषजताकोजान महाशोषिरतिसनामपछान.

॥ अथशोषिरउपाय ॥

महाशोषिररुजजिसईहोय शोषिरऔखधकरहैसोय ॥ अन्यच ॥ मघमधुघृतहिइकठाकीजै गुटिकाक-रमुखमाहिधरीजै शोषिररोगहोयतिसनास ग्रंथकारमतकीनप्रकास

॥ अथपरदरलक्षणं ॥

॥ चोपई ॥ दंतमूलमांसफटजावै वारवारथूकेलहुआवै पित्तरक्तकफतैंयहजान इहविधिभा-षैग्रंथनिदान.

॥ अथपरिदरचिकित्सा ॥

सुंठीसर्षपत्रिफलाआन इनकोसमलेक्काथप्रमान शीलगर्मकरराखेसोय करैकरूलीतासोंजोय होवैपरदर-रुजकीहान भावप्रकाशमतकीनवखान रुजशीतादाचिकित्साकही परिदरमैंतुमजानोसही.

॥ अथउपकुशलक्षणं ॥

॥ चोपई ॥ दंतमांसपाकैअरुदाह दंतचालअतिरक्तप्रवाह पीडाअल्पदुर्गंधीआवै पित्तरक्ततैंयहप्रगटावै

॥ अथउपकुशउपाय ॥

उपकुशनामरोगजिसहोय रक्तपितहरऔषदसोय ताकोसेवैइतिचितलाय रोगजायसुखरोगीपाय ॥ अन्य च ॥ उदंबरअरगोजिव्हापतर तिनकरउपकुशकरैइकतर पाछैपांचोलवणजुलीजै त्रिकुटामधुसंयुक्तकरीजै दंतमूलमैलेपजोय उपकुशरोगनासतवहोय

॥ अथवैदर्भलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ क्षुधरपणाकरदांतनमूल दंतहलैंसोथजुहोइशूल अविघातहुतैंउपजैव्याध प्रगटकरी-योंदंतउपाध.

॥ अथवैदर्भउपाय ॥

॥ चोपई ॥ जाहूकोवैदर्भाहिरोग अधिमांसाचिकित्साहैतिसजोग वैदर्भरोगशस्त्रकेसंग शोधनक-रातिसहोयानिसंग पाछेक्षारमलोइसमाहि वैदर्भरोगतवनासकराहि.

॥ अथखालिवर्द्धनलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वातविकारहुतेपडदंत एकाहिउपजैजुड़ोतृतंत जन्मसमयवहुपीडाकरे जन्महोयरहेशांतिधरे.

॥ अथखलिवर्धनचिकित्सा ॥

मांसनिकालहिदूरकरीजै सहितसंगयहचूरणलीजै वरचतेजवलपाठाआन दोनोख्यारजुपिप्पलीठान इनकोपीसजुऊपरलावे खलिवर्द्धनदुखमुखतेजावे ॥

॥ अथअधिमांसलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पिछलेदंतजुमूलमझार शोथजुलालांचलैअपार उपजैपीडावहुतिसमाहि रुजअधिमांसजुनामकहाहिं यहरुजकफकृतहोतुमजान ऐसेभाषैग्रंथनिदान ॥

॥ अथअधिमांसउपाय ॥

काहीलोधरमघांमगाय प्रियंगुमनछिलतेजवलपाय मधुमिलायसोमर्दनकीजे अधीमांसकीपीडाछीजै दंतमूलशीतादजुजाय ग्रंथकारमतदियोवताय दुर्गंधीकंडूहोवेनाश यहउपायतुमलषियोतास

॥ अथदंतमूलसामान्यउपाय ॥

पत्रमालतीधतूरेआन अरुकंडेआरीभखडाठान ताहिक्काथसेतैलपकाय सोउतैलमुखमाहिधराय दंतमूलरुजरकहैनास ग्रंथकारमतकीनप्रकास ॥ अन्यच ॥ मजीठमुलोध्रखदिरमुलठी सभसमतैलकरोजुइकठी मंदअगनसौंताहिपकावै तैलरहैमुखवीचरखावे दंतमूलरुजदूरकराय अपनेमनयहनिश्चयल्याय ॥ अन्यच ॥ पटोलनिंवकेकाथहिंसंग धोवैंदंतपीडहोइभंग ॥ अन्यच ॥ पीसमघांमधुघृतजुमिलाय मुखभरैदंतमूलरुजजाय ॥

॥ अथदंतमूलनाडपक्कजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दंतमूलमैव्रणपडजाय पूजरक्ततिसतैप्रगटाय दंतनथूरसभीजनआखै नाडीव्रणतिसग्रंथजुभाखे सोव्रणनाडीपांचप्रकार वातपित्तकफरक्तविचार अवरत्रिदोषजतिसकोजानो व्रणरुजमोतिसभेदपछानो ।

॥ अथदंतमूलचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ नाडीव्रणहिचिकित्साजेऊ दंतमूलमेजानेतेऊ अवरचिकित्सानाहिवखानी ग्रंथवृद्धिकाभयआतिमानी इतिदंतमूलरोगचिकित्सा ॥

॥ अथदंतरोगनिदान ॥

॥ चौपई ॥ दंतरोगहैआठप्रकार तिन्हआठोंकाकरोंउचार दालनअरुक्रमदंतभ जै भंजनदंतहर्षसुनलीजै दंतशरकरापंचमजान कपोलइयावकरालजुमान ॥

॥ अथदालनलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंतदलितजासकेरहै वहुदालननामतासकोकहै पीडातीव्ररहैनिततास ऐसारुजजिसदांतप्रकाश वातहुतेयहरोगपछानो यहमतशुश्रुतकातुममानो ॥

॥ अथदालिनाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मंजीठतेजवलपाठामुत्थर पिपलामूलकुठपुनलोधर कौडजुमालकंगुणीआन दालहलदसमचूरणठान दांतोंऊपरघरषणकरै रुजदंतरक्तसहकंडूटरै त्रिफलालेकरकीजैक्वाथ गंडूषकरावेताकेसाथ दालिनदंतहिरोगनसावै रक्तसकंडूदंतामिटावै ॥ अन्यच ॥ शीतादवंतकाजानोनास ग्रंथकारमतकीनप्रकाश ॥

॥ अथक्रमदंतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाकेदांतोंक्रमपडजावै छिद्रश्याममधदंतलषावै शोथदाहतिसमाहीजानो वातसमानजुपीडामानो हेतुविनाजिसपीडाहोई वातहुतैतुमजानोसोई पीडावाततहांवहुकरैं दंतहलैंश्रवहैंदुखधरैं लोकसमस्तघुणांदाआषैं क्रमीदंतरुजयाविधभाषैं

॥ अथक्रमदंतउपाय ॥

चौपई ॥ दंतमांहिक्रमदुखलषपरै गुडकरपूरणदंतसोकरै लोहशलाकाअग्नितपाय शलाकासाथजुदाघदिवाय पुनहिवातहरऔषधसंग घृतपकायधरैरुजभंग ॥ अन्हच ॥ हिंगुतपाकरदांतोंधरै यातैंभीक्रमपीडाटरैं ॥ अन्यच ॥ गोरखमुंडीभखडेसाथ कंडयारीएरणकरसमक्वाथ करैकरूलीताकेसंग दंतरोगसभहोवैभंग क्रमदांतोंकीपीडाजावै तासचिकित्सायोंलषपावै ॥ अन्यच ॥ विजोरामूलवावचीमूल यहदोऊपीसोसमतूल वटीवनायदांतमोंधरै देवैऊर्द्धदांतदृढकरै व्रणअरुक्रमपीडाहोइनाश निश्चयकीजैमनमोंतास नीलनीवाकटुतूवीमूल काकजंघअथवालिमूल मुखराखेक्रमीहोयाविनास ग्रंथकारमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ अर्कदुग्धथोहरपयआन पूरैंदंतहोयक्रमहान.

॥ अथभंजनकलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ दंतभग्नमुखटेढाहोय पीडवातकफतैंलषसोय सोईलक्षणयाहिपछाने भंजननामहितासवखाने ॥

॥ अथभंजनकउपाय ॥

॥ चौपइ भंजनदंतरोगजिसहोय वातहरनऔखदकरसोय खदिरक्षीरवृक्षकोमूल तिनकाक्वाथकरेसमतूल ताहिक्वाथसोंतैलपकावै पीवैभग्नदंतमिटजावै.

॥ अथदंतहर्षलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ इ[illegible]लरौक्ष्यअमलजोवस्त अरुपरकर्षजुवातप्रसस्त इन्हकोदंतस्पर्शनासहैं दंतहर्षरुजताकोकहैं वार्ता[illegible]तकररोगजुजान निदानग्रंथमतकीनप्रमान,

॥ अथदंतहर्षउपाय ॥

॥ चौपई ॥ उष्णउष्णघृतकोकरपान होवैदंतहर्षकीहान ॥ अन्यउपाय ॥ वातहरनकरऔषदक्वाथ गंडूषकरावैताकेसाथ रोगदंतहर्षमिटजावै ऐसेवैद्यकग्रंथवतावै.

॥ अथदंतशरकरालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिसकेदांतोऊपरदात मैलशुकावैकफअरुवात दंतसपर्शजुखहुराहोई वातशर्कराजानोसोई,

॥ अथदंतशर्कराउपाय ॥

॥ चौपई ॥ दंतोंमेरुजशरकराहोय शस्त्रहिसंगउषाडेसोय पाछैंलाक्ष्याचूर्णमगाय मधुसोंमलेजुशरकराजाय'

॥ अथकपालकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वहजुशरकराकहीसुनाई सूकेफूटेकपालकीन्याई ताकोंरोगकपालकजानो मतनिदानकोमनअनुमानो दंतविनाशकजानोतास करीचिकित्साताहिप्रकाश,

॥ दंतविद्रधिलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दंतमांसमलरक्तजुहोत इनकरबाह्याभ्यंतरशोथ पूयरक्ततिसतैंप्रगटाहि दंतविद्रधीकहियेताहि ॥ उपाय ॥ शलाकाकरतिसदग्धसुकरै फुनऔषधयहतामोधरै मुलठबिदारीभषडेल्याय मुस्थरदसगुणदुग्धपकाय तैलताहिसोसिद्धजुकरै नस्यदेयहनुविद्रधीहरै,

॥ हनुमोक्षनिदानलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जिनकारणकरकोपैवात तिनकोसेवैनरअतिक्षात तातैदाढदंतपरजोइ कोपकरैरुजप्रगटैसोई दंतदाढकछुहलतेरहै टेडेडिगैपीड़सुगहै अर्दितलक्षणतामोजान हनूमोक्षतिसनामपछान-

॥ अथहनुमोक्षदंतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शलाकाकरतिसदगधकराय पुनदंतोअरुइंद्रयवल्याय हलदीकाहीवायविडंग थोहरदूधमिलायनिसंग दंतछिद्रतिसतैकरपूर हनूमोक्षरुजहोवैदूर अर्दितरुजहिचिकित्साजोई हनूमोक्षकी जानोसोई.

॥ अथकपालकलक्षणउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कपालकरुजजिसदांतोजान कष्टसाध्यतुमताहिपछान मधुसोंलाक्षाचूरणखावे कपालकदेतरोगतिसजावे दंतहर्षकीक्रियाजुजेती कपालकमोंसभजानोतेती

॥ अथश्यावदंतलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ रक्तपित्तयुतदंतकहीजैं श्यामदंतसोदग्धलहीजैं श्यावदंतसोरोगक[illegible]वै औसैंग्रंथनिदानवतावै.

॥ अथश्यावदंतउपाय ॥

॥ चौपई ॥ मजीठलोध्रपुनपाठाआन कुष्ठपापडातामोठान दालहलदअरुहलदीलेय अवरतेजवलतामोदेय जहसमचूरणपीसवनाय दंतमलैरुजरक्तमिटाय.

॥ अथकरालक्षनम्

॥ चौपई ॥ वातजुदंतोंइस्थिरहोय दंतकुरूपकरेहैसोय विकटभ्यानकदंतलषावैं करालदंतरुजताकोगावैं शनैशनैसोदंतविनासै रुजअैसातिसग्रंथप्रकासै.

॥ अथकरालउपाय ॥

॥ चौपई ॥ करालदंतरुजाजिसकोहोय वातहरनऔखदहितसोय अवरचिकित्सानाहींदेखि ग्रंथमाहिसोहमैनहिलेखि.

॥ अथपडदंतरोगलक्षणचिकित्सा ॥

दंतोंमोंपडदंतजनावे शस्त्रक्रियासोंतिहउषडावै परऊर्द्धदंतउषाडैनाहि तातैंवहुतरोगप्रगटांहि दंतउषाडनचहिजोय भग्नस्थीवउषाडेसोय शेषरहैवहुदुखउपजावे वंगसेनमतअैसेंगावे पुनलोध्रषदरमंजीठमलठ यहसमचूरणकरैइकठ इनसेतैलपकायधरावै दंतउषाडमुखतैलभरावै इतिपडदंताचिकित्सा.

॥ अथदंतरोगसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोतरुणहोयमुखदेषविकार रक्तमोक्षताकोंहितकार अरुशिररेचनअरुनसवार अतिसनिग्धभोजनहितकार अरुशिरकोरेचनकरवावै पीडादंतजायसुखपावै ॥ उपाय ॥ हिंगुकायफलकाहींठान सर्जीकुठहिमरचसमान सूक्ष्मपीसैमर्दनकरै दंतपीडनाशलषपरै ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ लोध्रवकमसारिवामुलठ चंदनअगरसमकरोइकठ यथायोग्यघृतताहिमिलावै घृतसेंदशगुणदुग्धरलावै इन्हसभकेसंगघृतजुपकाय लेनसवारदंतदुखजाय ॥ अथमर्दन ॥ चौपई ॥ त्रिकुटासेंधासमपीसावै मधुरलायसोदंतमलावै मुखजलचलेपीडहोइनाश सुखउपजैमनहोयहुलास ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ लोध्रकनेरवकुलफलआन वल्लीवज्रवंवूरपछान अमलतासहयकरणीलीजै अवरमुत्थरांतासंगदीजै यहसमलेकरकीजैक्वाथ घृतवातैलपकावैसाथ ताहितैलमुखराखेजोय दंतरोगसभनासैसोय ॥ अथहृद्रादितैल ॥ चौपई ॥ सेंधाखैरसारकुठधानियां मिरचसुंठपुनतामोरलियां मर्दनकरैदंतमोजोइ रुधिरविकारबंदसबहोइ ॥ अन्यच ॥ पिप्पलीसेंधाजीराजान हरडमोचरसकरोमिलान शूक्ष्मपीसेंदंतोमले दंतपीडताहींतेंटले ॥ अन्यच ॥ पांचलूनअरथोथानीला सुंठमिरचपिप्पलसमतूला अवरपिप्पलामूलजुकाहिमाजूफलविडंगसमल्याहि इनेपीसमरदनकरदांत सर्वरोगमुखतेहिनसात ॥ अन्यच ॥ कुठसुंठपुनहरडांआन खैरजुकत्थजवानीआन पंचटंकतिसमानधरीजे पीसमलैदांतनदुखछीजै.

॥ अथखट्टेदंतकाउपाय ॥

सांभरलूणकचूरमिलाय अकरकरापुनसुंठजुपाय सभीपीसदंतोंपरमलै दंतषटाईतातैटलै ॥ अथहृद्रादितैलं ॥ चौपई ॥ दोनोरजनीमघसुरदार सेंधाचित्राद्राक्ष्याडार विल्वविडंगवलालेधार सांवरसौंचलकरौंउचार रोहिषपत्रमंजीठमुलठी वैंतमूलकरलेहुइकंठी पद्महिकाष्टचंदनउशीर इन्हसमपावोतैलसुधीर दुगुणदुग्धपुनपायपकावे लेनसवारजुमुखभरवावे उपजिव्हागंडमालानाशै मांसपाकमुखरोगविनाशै कफजसन्नपाताशिररोग लेनसवारजुहोतवियोग अर्बुदगलग्रहहोवैदूर विदारकाहणूकंपहोएचूर दंतचा-

लमीटजावैतास हृद्रादीतैलगुणकियाप्रकाश अथलाक्ष्यादीतैल ॥ चौपै ॥ लाक्ष्यारसजुदुग्धअरुतेल प्रस्थप्रस्थसमकीजैमेल पुनपलपलयहऔषधपावै मंजीठकायफललोध्रमिलावै चंदनउत्पलपद्ममुलठ पद्मकेसरसमकरोइकठ जलद्रोणपायइनकाथजुकीजै पादशेषरहिछाणसुलीजै तैलपकायसुमुखमोंभरै अरुतासोंगडूषनकरै दंतमोक्षअरुदंतचलनजो दंतदलतरुजअरुचिहरैसो कापालकदंतजुरोगमिटाय सीतादंतमूलरुजजाय मुखदुर्गंधविरसतानाश लाक्ष्यादितैलगुणकीनप्रकाश ॥ अथषदरवटिका ॥ चौपई ॥ षदरतुलाजलद्रोणपकावै पादशेपरहिताहिछनावै कंकोलसुपारीजातिकपूर यहसमपीसहितामोंपूर मंदअग्निसोंताहिपकाय गुटीवांधकरमुखहिधराय दंतओष्टगलजिव्हारोग तालुरोगनासैअसयोग इतिदंतरोगचिकित्सा.

॥ अथजिव्हारोगसंख्यानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ जिव्हारोगहिपांचप्रकार वातजपैतिजकफजविचार पुनअलासउपजिव्हकहावै पांचभेदयोंप्रगटजनावै ॥ अथवातजजिव्हारोगलक्षणम् ॥ जिव्हाफूटिसुप्तारहै कांटेउपजैंवातजलहै शाकवृक्षकेपत्तरन्याई जिव्हारूपपछानोजाई ॥ अथपैतिजलक्षणम् ॥ जिव्हापीतवरणहोइजावै कांटेअरुणसदाहलषावै ॥ अथकफजलक्षणं ॥ जिव्हाभारीहोइदरसावै सिंवलकांटेइवप्रघटावै ऐसेलक्षणजिव्हाजानो कफजरोगतिसमाहिपछानो ॥ अथअलासलक्षणं ॥ चौपई ॥ जिव्हातलैशोथअतिहोय जिव्हामूलपकैहैजोय स्तंभितजिव्हातिसहोइरहै रक्तजकफजरोगयहअहै ॥ अथउपजिव्हलक्षणम् ॥ चौपई ॥ जिव्हाअग्रशोथजोपरै लालांचलैंधीरनहिधरैं उपजैजिव्हाकंडूहोय उपजिव्हरोगतुमजानोसोय रक्तजकफजरोगयहजानों पांचभेदइहभांतपछानो ॥ इतिजिव्हारोगतिदानं ॥ अथमुखरोगेजिव्हारोगचिकित्सानिरूपणं ॥ चौपई ॥ होइविकारजोजिव्हाजास रक्तमोक्षहैश्रेष्ठजुतास ॥ अन्यच ॥ गिलोयमघांकुठनिंवहिआन पीसग्रासकरजिव्हाठान यहभीश्रेष्टाचीकित्साजांनो अवरचिकित्सासुनोवषानों चौपै त्रिकुटापाठाकौडपटोल सैंधाभार्गीलेसमतोल मधुमिलायकरजिव्हालावे जिव्हारोगनासहोजावै मधुतैलमिलाइनवस्तूसंग कवलकरैजिव्हारुजभंग ॥ अन्यच ॥ विडंगमघांजुरसोंतमिलावै जिव्हाधोवैरोगनसावै ॥ अन्यच ॥ मघहिमधूजोजिव्हामलिये जिव्हासोंजलतासोंचलिये तातेंरोगहोयतिसनाश निश्चयकीजैमनमोंतास ॥ अथउपजिव्हारोगउपाय ॥ कंडचारीनिंवपटोलविचार अरुडारोतामोंयवक्ष्यार इसकाथहिसंगजुभोजनकरै उपजिव्हरोगपुनजासोटरै ॥ अन्यच ॥ क्ष्यारमलैजलतासनिकासै उपजिव्हारुजतातैंनाशै ॥ अन्यच ॥ मरिचसुहागाहिंगुमिलाय सिंधूरकायफलताहिसुपाय आद्रकरससोंजिव्हामलेजिव्हाव्रणहीतातैटलै ॥ अन्यच ॥ शिररेचनअरुधूमरपान उपजिव्हारुजमोंश्रेष्टपछान ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटाहरडचित्रायवक्ष्यर यहसमपीसलेहुउरधार जिव्हाऊपरघरषणकरै रुजउप[illegible]ाकोंयहहरै इन्हसंगतैलपकायमलीजै उपजिव्हारुजतातेंछीजैं ॥ अन्यच ॥ वांसामालतीकीजैकाथ [illegible]हधूमलवणमधुमेलोसाथ यहजिव्हापरघरषणकरिये रुजउपजिव्हाताातैहरिये ॥ अन्यच ॥ वातओष्ट[illegible]ोचिकित्साकही वातकंटकमोजानोसही पितजजिव्हारुजजिसहोई ओष्टहिरक्तनिकालेसोई पालैमधुरलेपतिसमाही गंडूषमधुरहेयोग्यसुताही कफकरकंटेजिव्हाहोय रुधिरनिकासैतासोंजोय पिप्पल्यादिगणमधुसंयुक्त जिव्हामलेतिसमाहीप्रसक्त ॥ अन्यच ॥ कंडचारीरससोंकौडजोघोटै गुटिकाकरमुखमाहिसोरोपै जिव्हाकंटकहोवैनास ग्रंथकारमतकीनप्रकास ॥ इतिजिव्हारोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथतालूरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ तालूरोगजुनवपरकार ताकोविवरोकरोंउचार गलसुंठीतुंडकेरीजानो अध्रुषकच्छपअर्बुदमानो मांससंघातजुपुप्पुटकहिये तालुशोषपुनपाकजुलहिये ॥ अथकंठसुंठीतालूरोगलक्षणम् ॥ चौपई ॥ तालूमूलशोथप्रगटावे कफअरुरक्तहितेंउपजावे जैसेपालधमनसेंहोत तैसेंरूपशोथउद्योत त्रिष्णाकासश्वासपुनहोय गलसुंडीलक्षणलषिएसोय ॥ अथतुंडकेरीलक्षणं ॥ चौपई ॥ कंठशोथउपजैपुनदाह सूचीवेधइवपीडाताह तालूपकैकफरक्तजजान तुंडकेरीयोंकीनवषान ॥ अथअध्रुषलक्षणम् ॥ चौपई ॥ निश्चलशोथजुतालुमंझार रंगलालज्वरपीडविचार अध्रुषलक्षणऐसेंजान रक्तदुष्टतैरुजजहमांन ॥ अथकच्छपलक्षणम् ॥ तालूइववहुऊचाहोय पीडअल्पकफतेंलषसोय रक्तरहिततुमजांनोतास उपजैधीरैजानप्रकाश ॥ अथअर्बुदलक्षणम् ॥ तालुमध्यरुजकमलअकार उपजैशोथजुरक्तविकार अर्बुदरुजतिसनामपछानो सुश्रुतमतअपनेमनमानो ॥ अथमांससंघातलक्षणम् ॥ मांसपिंडइकतालुमंझार कोलमात्रतिसमानविचार पीडाविनतुमताकोजान कफजमेदयुतताहिपछान ॥ अथतालूशोषलक्षणं ॥ चौपई ॥ तालूशोषजुअतिकरहोय उग्रश्वासअरुफूटैजोय तालूशोषनामयहकहिये वातपित्तकफरुजजहलहिये ॥ अथतालूपाकलक्षणम् ॥ पित्तअधिकहोतालुपकावे तालुपाकसोइरोगकहावे ॥ इतितालुरोगनिदानं ॥ अथमुखरोगेतालुरोगचिकित्सा ॥ चौपई ॥ कफहरऔषदजानोजेति तालुरोगपरहितकरतेती ॥ अन्यच ॥ कफहरक्राथकरूलीजोय गलसुंडीरुजहितहैसोय ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ त्रिकुटावरचकुठसेंधाआन पाठाकणाअमलपुनठान समपीसेमधुसंगमिलावे मर्दनकरगलसुंडीजावे ॥ अन्यउपाय ॥ चतुरवैद्यगलसुंडीजानै छेदनकयातासकीठानै अंगुलीवैद्यजुतामोधरै तीनभागकरछेदनकरै अतिदवायवहुरक्तनिकासे थोडानिकसैरोगप्रकासै शोथअवरवहुलालांआवे भ्रमउपजैवहुरोगकरावे छेदनकरपुनकरैंउपाय त्रिकुटासेंधामधूमिलाय इहउपायगलसुंडीनाश रक्तमोक्षपुनहितकरतास ॥ अन्यच ॥ थोहरदुग्धलेपतिसकरै गलसुंडीरुजतातैटरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पाठारासनकौडपतीस वरचानिंवसमलीजैदीस इन्हकेक्राथसाथमुखभरै गलसुंडीतालूरुजहरै क्ष्यारमुंगक्राथहिकेसंग भोजनकरैहोयरुजभंग ॥ अन्यउपाय ॥ शिषरीइंगुदिदंतीआन पुनसरलहिदेवदारूठान इन्हसभहुंकीवटीवनावे अग्निलायमुखधूमदिवावे तालुरोगकफरोगविनाश शास्त्रनकामतकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ वरचपतीसमरचफुनल्याय स्योनाककुष्ठपुनपाठापाय मधुमिलायकरलेपनकरै गलसुंडीआदिरोगसवटरै ॥ अन्यच ॥ सुंठीसेंधातैलमिलिजै तालुरोगपरलेपनकीजै तालुरोगहोवैसवनास रोगीकेमनहोतहुलास ॥ अन्यच ॥ अग्निमंथसमवाथूचूरण चर्वनवामुखकरेजुपूरण वाकेवलनिर्गुंडीचर्वन तालुरोगसवकरेजुमर्दन ॥ अन्यउपा ॥ तालुपाकजवरुजलषपावे पितहरऔषदताहिकरावे ॥ अन्यच ॥ तालुशोषकेरोगमंझार वातहरनकरऔषदधार अवरहुंस्वेदताहिहितजान वंगसेनयोंकीनवषान पुप्पुटरुजकीयहविधकही ग्रंथअवरकछुलेखीनही तुंडकेरीअरुकछपजोई अध्रुषमांससंघातजहोई इनमोंएहिविधपरमान अपनेमनमोनिश्चयजान इतितालुरोगचिकित्सा ॥

॥ अथकंठरोगनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कंठरोगवरननकरों भेदअठारांतास सोसवकहों विचारकेसुश्रुतमतपरकाश ॥ चौपई ॥ वातरोहिणीप्रथमभनैये पित्तरोणीदूसरीकहिये कफजरोहिणीतीसरिमान त्रिदोषरोहिणीचौथीजान रक्त-

रोहिणीपंचमगाईं गलशालूकसोछठीसुनाईं सप्तमकोअधिजिव्हपछान वलयनामरुजअष्टममान वला-सनवमनामकहिगायो दसमाएकवृंदरुजभायो वृंदएकादसकीनउचार द्वादशनामशतघ्नीधार गिला-यविद्रधीत्रयोदशभाष्यो गलविद्रधीचतुर्दसरुजआष्यो गलौघपंचदशनामकहीजें षोडशनामस्वरघ्नभ नीजें मांसतानसप्तादशजान अष्टादशाहिंविदारीमान

॥ अथसामान्यरोहिणीलक्षणं ॥

वातपित्तकफमूर्छितहोय मांसरक्तदूषितकरसोय गलमेंअंकुरप्रगटेजवहीं नरकेप्राणशीघ्रहरतवही रोहिणी-रोगनामतिसगायो निदानग्रंथमतसोइवतायो

॥ अथवातरोहिणीलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जिव्हाचारउौरदुखहोय जिव्हामूलमांसांकुरजोय तिन्हअंकुरसोकंठरुकावै वातरोहि-णीसोऊकहावै वातउपद्रवसंयुतजान सुश्रुतकामतजाहिपछान

॥ अथवातरोहिणीचिकित्सा ॥

॥ चौपै । मोक्षरुधिरअरुधूम्रहिपान नस्यवमनगंडूषपछान. सनेहकवलसनेहकोपान यामोहितकर-लषैंसुजान.

॥ अथपित्तरोहिणीलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जिव्हामूलशीघ्रपाहिचान उपजैअंकुरदाहमहान शीघ्रपकैंजिसवहुज्वरहोई पित्तरोहिणीजानोसोई

॥ अथपित्तरोहिणीचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ प्रियंगूअरुमिसरीमधुआन इनकाक्वाथकरैजोपान पित्तरोहिणीतातैजाय वैद्यकमतयौंदियोवताय

॥ अथकफरोहिणीलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ मांसांकुरजोकंठरुकावै ऊचोअचलसुकफजकहावै मंदपाकतुमतिसकाजान कफजरोहि-णीतासपछान

॥ अथकफरोहिणीचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ कफजहोयजिसकंठविकार गृहधूमकौडसमलेहुविचार पीसैमर्दनगलपरकरै कंठरोहिणी-तातेंहरै ॥ अन्यच ॥ दंतीअरुविडंगसममेल इन्हसोसिद्धकीजियेतेल मुखपूरैकफगलरुजजाय यहउपायभीकह्योवताय

॥ अथत्रिदोषरोहिणीलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥जामोचिन्हत्रिदोषजलहियें त्रिदोषरोहिणीसोऊकहिये रुजात्रिदोषशीघ्रह[illegible]ाण कफजरोहि-णीत्रैदिनमान पित्तरोहिणीपंचदिनकहिये वातरोहिणीसप्तसुलहिये असाध्यरक्तरोहिए[illegible]जान निदानग्रंथ-मतयाहिप्रमान ॥ अथरक्तरोहिणीलक्षणं ॥ जिव्हामूलजुपित्तसमान होवेंस्फोटसुरक्तजज[illegible]त ॥ अथकंठशा-लूकलक्षणं ॥ पडैगांठजोकंठमंझार ऊपरकंटकताविस्तार यातैषहुरीइस्थिरसोय शस्त्रकटैतेंसाध्यसुहोय ॥ अथअधिजिव्हलक्षणं ॥ चौपै ॥ जिव्हामूलजिव्हाग्रजुन्याय शोथरक्तकफमिल्योलषाय जिव्हातलवीहो-एयहरोग असाध्यपकैविनभाषैंलोग पकैतुयाहिअसाध्यपछान असतअधिजिव्हरोगकियोगान १ अथव

लयलक्षणं ॥ चौपै ॥ कंठरोधकफऊचाहोय मारगअन्नजुरोकैसोय जहकफकरउपजैहैंव्याध याकोजानोमहाअसाध॥ अथवलासलक्षणं ॥ चौपै ॥ कफअरुवातश्वासउपजावै कंठमध्यशोथप्रगटावै मर्मछेदतिसतैंनरहोय असविकारदुस्तरहैसोय ॥ अथएकवृंदलक्षणं ॥ चौपै ॥ गोलउचशोथगलहोय कठोरसकंडूदाहजुसोय भारीहोयपकैसोनाहीं यहकफरक्तहुतैंप्रगटाहीं ॥ अथवृंदलक्षणं॥ चौपै ॥ ऊचोगोलजुशोथसदाहि तीव्रहोयज्वरयौंलषताह रक्तपित्ततैहोतविकार वहुपीडातैवातविचार ॥ अथशतघ्नीलक्षणं ॥ चौपै ॥ कंठरोधनीवटीजुहोय मासांकुरकरसंयुतसोय प्राणहरनयहव्याधकहावै त्रिदोषहुतेजुअसाध्यलषावै शास्त्रशतघ्नीन्यायसुलाहिये यातैंनामशतघ्नीकहिये ॥ अथगिलायविद्रधीलक्षणं चौपै गांठआमलेगिटककीन्याई कंठमाहिइस्थिरप्रगटाई पीडअल्पकफरक्तजमांन कटैशास्त्रसोसाध्यसुजान भोजनमाहिशक्तनहिराषै निदानग्रंथमतऐसेभाषै ॥ अथगलविद्रधिलक्षणं ॥ चौपै ॥ सर्वकंठजोशोथरुकावै सभदोषजवहुपीडजनावै पीडावहुतप्रकारजुहोग वातपित्तकफकेसंयोग ॥ अथगलौघलक्षणं ॥ चौपै ॥ अन्नअवरजलमारगजोय रोकैंशोथतीव्रज्वरहोय श्वासमार्गपुनरोकेसोय महाकष्टउपजावैजोय यहकफरक्तहुतैंप्रगटावै महाव्याधमनअपनेल्यावै त्रिदोषविद्रधीकेहिसमान गलरुजविद्रधिजानसुजान वायुकरजवसंयुतहोय नरकेप्राणहनेतवसोय ॥ अथस्वरघ्नलक्षणं ॥ चौपै ॥ जोजनग्लानिप्राप्तहोय निरंतरश्वासहिलेवैसोय अरुस्वरभिन्नहोतहैजास शुष्ककंठमुखजानोतास अरुकफहूंकरमारगप्रान कफरुकावतऐसेंजान तवस्वरघ्नरोगप्रगटावै यहरुजवातहुतैंलषपावै ॥ अथमांसतानलक्षणं ॥ चौपै ॥ शोथहोयजोकंठमझार मांसकीलगलकरैविस्तार महाकष्टउपजैपुनतास कंठरुकैक्रमसौंलषजास त्रिदोषजहीयहरोगपछान जानलेहुयहनाशकप्राण ॥

॥ अथविदारीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ सूचिवेधइवपीडाजोय कंठहिशोथदाहजुतहोय मांसगलैदुर्गंधीआवै पित्तहुतैंयहरोगकहावै जिसपारस्वसोवैनरजोय सोईपारस्वविधीरणहोय

॥ अथकंठरोगसामान्यचिकित्सा ॥

साध्यरोहिणीकेमंझार रक्तहिमोक्षछेदहितकार नस्यअरुधूमपानहितजान औरगंडूषैश्रेष्ठहिमान वातरोहिणीश्रेष्टसुकहै बाह्याभ्यंतरस्वेदनअहै अंगुलीयुतवाशास्त्रहिसंग छेदनकरणाजानसुचंग रक्तजमोहितजान। प्रवीन रक्तनिकालनइहविधचीन लवणाहिसोप्रतिसारणकरै सुखउष्णतैलकवलमुखधरै पित्तरोहिणीविधइह जान रुधिरनिकालेइहविधमान प्रियंगूसिताअरुमधुडार इनकरप्रतिसारणसुविचार प्रथमकफजसोरुधिरनिकारै ग्रहधूमकौडपुनतामोधारै ताहीसौंप्रतिसारणजान ग्रंथकारमतकीनवषान सितदूर्वाअरुवायविडंग दंतिसैंधाकरइनसंग [illegible]पकावैजोय वानसुआरभैरमुखसोय कंठहिरोगकफजहोएदूर मनमोंजानोंनिश्चयपूर [illegible]नगेरिरसौंतमिलाय तिनकरकंठप्रसारकराय विद्रधिकंठनासतवजांनो ग्रंथकारमतयाहिपछानो द्राक्षकौडत्रिकुटात्रिफलाय त्वचादालहलदकील्याय मुत्थरपाठामूर्वाआन रसौंततेजवलसभसमठान चूरणकरमधुसाथमिलावै कंठमलैपुनयाकोंखावै रक्तजवातजकफरुजजेते कंठहुंकेसभनाशेतेते ॥ अन्यच ॥ पंचमूलकेक्काथहिंसंग मुखपूरैतौरुजगलभग ॥ अन्यच ॥ द्राक्षफालसेरसमुखपूर कंठरोगयातेंहोइदूर ॥ अन्यच ॥ लोध्रवकममधुकणामिलावै याहिकाथगंडूषकरावै कंठशालूकअवरतुंडकेर नाशहोहिगलरुजहितहेर यवान्नरसघृतएकहिकाल भोजनकरैकंठरुजटाल

॥ अथअधिजिव्हाचिकित्सा ॥

॥ चौंपई ॥ अधिजिव्हकरोगकंठमझार उपजिव्हाइवस्थिताहितकार जोगिलायुव्याधलषपावे शस्त्रक्रयाताकीपुनगावे गलविद्रधीकंठहोइजिसरोग छेदनतासक्रयाहैयोग कंठरोगमौंहितनसवार रुधिरमोक्षभीहैहितकार ॥ अन्यच ॥ हरडक्काथमधुसाथजुपीजै कंठरोगयांतेंपुनछीजै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पाठामुथ्थुसुरदारपतीस कौडकुटजसमपावोपीस गोमूत्रसाथक्काथसोकरे पीवैकंठरोगसवटरै विष्णुक्रांतसंखाहुलील्यावे जलसोंपीसजुपानकरावे यांतेंकंठरोगसभजाही ऐसेकह्योजुग्रंथकेमाही ॥ अन्यच ॥ नसवार तमालपत्रासितासमभाय कालेमरचसुदुगुणमिलाय घृतपकायकरलेनसवार गलग्रहनाशैरोगनिवार

॥ अथकालिकचूरणं ॥

॥ चौपै ॥ गृहधूंमसलोधरलेयवक्ष्यार पाठात्रिफलात्रिकुटाडार रसौंततेजवलचित्रापावे सभसमपीसैमधुजुमिलावै गलमौंयाकौंलैपैजोय कंठजुरोगनाशतवहोय

॥ अथपीतिकचूर्णं ॥

दालहलदमनशिलयवक्षार हारितालजुसैंधाचूरणडार मधुघृतयुतलेपेगलजोय गलग्रहरोगनाससवहोय

॥ अथयवाग्रजगुटका ॥

॥ चौंपई ॥ जवाग्रजदालहलदपुनआन रसौंततेजवलपाठाजान मघपीपलसमसभपीसावै मधुमिलायगुटकावंधवावै कंठमांहिराषैपुनसोय कंठहिरोगनासतवहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पंचकोलएलातालीस यवक्ष्यारमरचतजपत्रजुपीस दालचीनीजुपलासहिक्षार तामोडारेपीससुधार दुगणपुरातनगुडजुमिलाय गुटकावांधेभलैवनाय सप्तदिवसमुखभीतरधरै यातेंकंठरोगसभहरै ॥ अन्यच ॥ दाहलदर्निवतजपत्तर हरडइंद्रजवकरोइकत्तर तिनकाक्काथकरोजुवनाय सहितमेलपीवेहितलाय कंठरोगतिसतेंसवनाशें जैसेशंकरत्रिपुरविनासें इतिकंठरोगचिकित्सा

॥ अथसर्वशरमुखरोगनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ रोगसरवशरतीनप्रकार वातपितअरुकफजविचार

॥ अथवातजलक्षणं ॥

पीडाहोएविस्फोटनसंग मुखसभव्याप्तहोयअतिभंग लक्षणभेदकहोहितजान सोसुनिएमतसुश्रुतमान ताकोवातजलेहुपछांन अैसेभाखैग्रंथनिदान

॥ अथवातजमुखरोगउपाय ॥

सैंधांफटकडीसमयहपाय नत्तनीरमौंताहिमिलाय सीलगर्मयवकरूलीकरैं वातरोगमु[illegible]तेंसवटरैं

॥ अथपैतिजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पीतापिंडिकावहुसंगदाह तिन्हकरमुखसभव्यापतजाह पित्तजसरवशररोगकहीजै इनलक्षणकरजानपतीजै

॥ अथपैतिकमुखरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कत्थमुलठीसमकरपाय नीरमेलतिसतप्तकराय माख्योपायकरूलीकरै पैत्तिकरोगताते सवटरै ॥ अन्यच ॥ उष्णदुग्धघृतकरजुमिलान सहितडालतिनकरतजुपान पैतिकरोगमुखतेंसवजाय जैसेशिसरऋतुपद्मनसाय

॥ अथकफजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पीडारहितकंडुयुतजोय सवरणपिडिकाव्याप्तमुखहोय कफजसरवशरताकोजान असैंकहै जुग्रंथनिदान अथकफजमुखचिकित्सा

॥ दोहरा ॥ नीलाथोथाफटकडीपीसमलेमुखमाहि मुखतेंजलजुनिकासियेकफकोरोगनसाहि अथमुखरोगसामानचिकित्सा

॥ मुखपाकजतन ॥

॥ चौपई ॥ मुखपाकविषैंशिरवेधप्रमान शिरकारेचनअतिसुखदान ॥ अन्यच ॥ घृतगोमूत्रक्षीरमधुचीनइनसोंमुखपूरेजुप्रवीन यहभीश्रेष्ठउपायपछानो अवरहुसुनोसुप्रगटवषानो चरवणजातीपत्रपछान अवरहुंभीसुनकरोंवषान ॥ अन्यच ॥ जातीपत्रजुद्राक्षगिलोय दालहलदत्रिफलाहिसमोय मधुमिलायकरक्काथसुपीवै मुखकेरोगनासतवथीवै गंडूषयाहिक्काथसोकरैं मुखकोपाकताहिसोंहरैं ॥ अन्यच ॥ निंमजुजंवूत्रअंवपटोल अवरमालतीकदंवसमतोल इन्हकेपत्रनकोकरेक्काथ गंडूषकरावेताकेसाथ याहीतेंमुखपाक निवारै यानिश्चयअपनेमनधारै ॥ अन्यच ॥ केवलत्रिफलेकोकरैक्काथ मुखप्रक्ष्यालैताकेसाथ मुखकोपाकदूरहोइजाय असैंकह्योउपायसुनाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ मुत्थरहरडमुलठपटोल कौडउशीरचंदनसमतोल अरुसप्तछदतासुमिलावै करक्काथपिलायपाकमुखजावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ पटोलसुंठतुम्मात्रिफलाय त्रायंतीदोनोरजनीपाय कौडगिलोयक्काथसोकरै मधुसहपियेपाकमुखटरै ॥ अन्यच ॥ तिलनीलोत्पलघृतमधुपाय दुग्धशरकरासंगमिलाय इन्हसोंकरैकरूलीजोय मुखदग्धपाकदाहहतहोय पंचपल्लवकोकरेयुक्काथ मधुजुमिलावैताकेसाथ मुखगंडूषकरेतिससंग रुजमुखपाकहोयतिसभंग वक्कलपंच वृक्षकोलीजै अष्टविशेषक्काथतिसकीजै मधुमिलायगंडूषकरेजव रुजमुखपाकसवदूरकरेतव ॥ अन्यच ॥ दारूहलदगिलोयजवान चमेलीपत्रद्राख्यसमआन त्रिफलापाइक्काथजोकरे कुरूलीकरेमुखपाकसोहरे ॥ अन्यच ॥ रजनीनिंवपत्रजुमुलठ नीलोत्पलसमकरोइकठ इन्हसोंतैलपकायलगावै मुखकोपाकदूरहोइजावै ॥ अन्यच ॥ इकपललेहुमुलठप्रवीन नीलोत्पललीजैपलतीन प्रस्थतैलतिहसंगमिलावै दोयप्रस्थदुग्धतिंहपावै सोप [illegible] मुखपूरैतास होवैरोगपाकमुखनाश अथवाताकीलेनसवार वामर्दनकरनिश्चयधार

॥ अथमुखरोगदुर्गंधउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कालाजीराकुठमंगावै इंद्रजवलेकरताहिरलावै दिनातीनयहचरवणकरै मुखदुर्गंधसहितव्रणहरै ॥ अन्यच ॥ एलावालामुत्थरमुलठ तामेंपावैधनीयांकुठ यहसमचूर्णमुखमोंपूर मदरागंधदुर्गंधसुदूर ॥ अथमुखछाईंकाउपाय ॥ लोधरधनियांवचग्गोरोचन मिरचमहीनपीसैइहकारन करैलेपजोमुखकोकोइ मुखछायीसबदूरहिहोई ॥ अन्यच ॥ जाफलपीसलेपमुखकरै तौछायीकोततछि-

नहरै ॥ अन्यच ॥ मसूरदूधमोपीसरलाइ घृतमिलाइलेपैसुखपाइ ॥ अन्यच ॥ केसररक्तचंदन-अरुलोधर खस्समजीठमुलठपत्रवर कुठगोरोचनहलदीलाख दालहलदीनागकेसरराख फूलप्रियंगूवडकेअंकुर चंवेलिपातमोमसरसोंवचधर तुल्यतेलविचपाइपकाइ मंदअग्रसोंताहिमिलाइ तेल-रहैजबपुनकरछानै मर्दनकरैमुखछाईहानै मस्सेआदिजोहोइविकार ऐसोरोगसबनिश्चैटार ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सारोगमुखवंगसेनअनुसार नीकेसमुझविचारकैकरैवैद्यउपचार ॥ दोहा ॥ वातपित्तकफतीन मुखरोगहिभेदवखान याहूकेलक्षणमिलैंऔषधताकीठान इतिमुखरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥ ॥

॥ अथमुखरोगअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसजरक्तत्रिदोषजजोई ओष्ठनमांहिरोगअसहोई सोईरोगअसाध्यपछान ऐसैंभाषैग्रंथनिदान दंतमूलत्रिदोषजहोय अरुशौषिरअसाध्यहैसोय भंजनकश्यावदंतदालनजो दंतनमोअसाध्यलषजहसो जिन्हामोअसाध्यजुअलास तालूमोअर्बुदलषतास कंठरुजनमोंर्बुदवलास वलयस्वरघ्नविदारीभास गलौघमांसतानपुनजानो शतघ्निरोहिणीएतेमानो कंठअसाध्यरोगयहकहे ज्योनिदान-ग्रंथमोलहै अरुअसाध्यलक्षणलषपावै ताकोंवैद्यत्यागउठआवै इतिमुखरोगेसाध्यासाध्यनिरूपणम् ॥

॥ अथमुरोगेपथ्याऽपथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ मुखजरोगकेपथकुपथसुनहोमनमोंमीत सोसमस्तवरननकरोंशास्त्रनकीज्योंरीत ॥ अथपथ्यं॥
॥ चौपई ॥रेचनवमनस्वेदपुनजानो मुखकोरुधिरमोक्षपहिचानो औषदपुनगंडूषकरावै सैडआदित्रिणधान्यलषावै यवमुंगीवनमृगपाक्षिमास पटोलकरेलेपथलषतास तोषाक्षीरषैरकथकहिये वालमूलिघृतउष्णजललहिये हाफूआद्रकमरचकपूर वस्तुतिक्तकटुपुनतांवूर दोहा ॥ वदनरोगकेपथ्यजहभाषेभलैविचार सुनहोतासअपथ्यअवनीकेंकरोंउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥दंतकाष्ठदधिदुग्धश्नान अमलसमस्तमत्सपहिचान अनूपदेशजीवनकोमास गुडअरुरौक्ष्यअन्नषलतास दिननिद्राजुअधोमुखशैंन अपथ्यरोगमुखभाषतवैन ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथमुखरोगकेकीनेभलैंउचार पथ्यधरैत्यागैअपथसोचतुरासंसार इतिमुखरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम्

॥ अथमुखरोगेकर्मविपाकमहा ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ मातपितागुरुकीकरैनिंदा सुरब्राह्मणनिंदकनरमंदा अरुअभक्ष्यकोभक्षणकरै मुखकोरोगताहिआवरै

॥ अथउपाय ॥

॥चौपै॥ स्वर्णदुकेवारूपेकरो इकहस्तिवनवायदोषसभहरो रुपेकेदोइदांतलगावै स्वर्णनेत्रकरजाहिजुडावै मुक्तनकीतिसपूछलगाइ तांबेकेदोइकर्णबनाइ पीतवस्त्रऊपरऔढावै चारद्रोणधान्यपरवैठावै गणपतिनवग्रहपूजैसोय अरुआषेदिग्गाजजहहोय विधिवतहस्तीपूजनकरे हवनकरैमनश्रद्धाधरै करसंल्पविप्रदेसोय मुखकोरोगनिवारणहोय ॥ दोहा ॥ मुखरुजकेकारणकहेदोषउपायसंयुक्त गलगंडमालारोगकेआगेकरोंसुउक्त

॥ अथमुखरोगज्योतिष ॥

शुक्रदशाकेअंतरसूर्यकरेपरवेश तबमुखरोगजुविकलमनप्राणीहोतकलेश तांकेदोषनिवारकोंइहविधग्रंथधरे सूर्यकीअर्चाकरैविधिवतव्रतहिकरे इतिज्योतिष

॥ अथान्यप्रकारमुखरोगाधिकारकथनं ॥ तत्रादौकंठरोधवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ रोगकंठरोधहैजाको खुनांकनामफारसकाताको दोइभुजातेंरुधिरछुडावे ग्रीवापीछेपछ करावे अथवाकंठपछकरसोई रुधिरनिकालदूरदुखहोई अंवलतासहरडमंगवावे दुसांदारेचकताहिपि- लावे अथवाताहिकरूलीकारिए खुनाकरोगताहीछिनहरिए जीरामर्चकुठमंगवावे जौखारगोकाघृतसमपा वे करेक्काथगलधोवेकोई अथवाकरेगरारेसोई मांजानामघासकहलावे सिरकेवीचसोइगडकावे पीस- लेपगलऊपरकरिए खुनाकसोजताहीछिनहरिए मघजौखारजुआइनल्यावे वरावरपीसमखीरमिलावे निस दिनचटनीताहिचटाय खुनाकरोगनिश्चैहटजाय त्रिकुटाहिंगूकुचलाल्यावे वछजुआंइनहरडमिलावे पु- षकरमूलसमाकजोहोई दाडिमधनिआंजीरासोई तज्जकौडचित्रासंगपावे सज्जिसीसालूणमिलावे कालालू णआनिएसोई तंडुलजलसंगपीसेकोई मासेसातगोलिआंकरिए विनाधूपछायामेधरिए गोलिनित्यनरि- संगखावे कंठसोजताहीहटजावे नौतोलेकुलथताहिमंगवावे अर्धभागसुंठीसंगपावे चारसेरगोमूत्रमि- लाय चाढअग्नपरसोगडकाय एकसेरक्काथरहजावे कपडासेडगलेपरलावे सीतलहोएगर्मकरसोई वार वाराखेजवकोई दिवसतीनलगऐसाकारिए खुनाकरोगताहीछिनहरिए

॥ रोगवंदहोनावाणीदा ॥

॥ चौपै ॥ स्वरभंगरोगहिंदीमतमांनो वहतुलसौतफारसीजांनो कफहूंकाजवकोपपछांनें स्वरभंगरो- गताहीकरमांनें वर्चवावचीकुठमंगावे सीसालूणव्रह्मीमघपावे पौनेदोदोमासेल्यावे ढाईतोलेमधूमि- लावे आद्रकरसमखीरसमहोई करइकत्रचटनीहितसोई मकररासमूरजजवआवे तवऔषधादिनादिनप्र तिखावे स्वरभंगरोगहटजावेसोई वाणिशुद्धदूरदुखहोई मुलठीमघदसमासेल्यावे भेडदूधअधसेरमिला वे मासेसातमखीररलाय प्रातपिएवाणीखुलजाय पीनसनजलाखांसीजोई छातीहृदयसीसदुखखोई॥ वर्चगिलोईहर्डमंगावे वावडिंगसुंठीमघपावे वरावरपीसनिताप्रतिखाय मासेदसवाणीसुखपाय पका- यनुसादरनीरमिलावे गरारेकरेताहिसुखपावे हिंगुमर्चपीसमधुपावे मासेदोईपाककरखावे सीसालूणसुं ठमघपावे मासेसातकांजीसंगखावे दाडिमपिप्पलमूलमंगाय जौखारमघसंगरलाय वरावरपीसनीर संगहोई गोलीकरमुखराखेसोई चूपेरसस्वरभंगहटावे वाणीशुद्धताहिदुखजावे टुडीतलेपछकरसोई सिं गीलायदूरदुखहो[illegible]फरघृतताहिमंगावे वनफसाघृतवदामघृतल्यावे लेघृतएकगरारेकरिए स्वरभं गरोगताहीछिनहर[illegible]

॥ अथमुखदुर्गंधीरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपै मुखदुर्गंधीहोवतजाको गंददहाननामकहुताको आमासयकादोषजोहोई अथवादोषमसू- डेसोई आमासयजवगरमीजांनो नीरलेसलातहांपछांनो सोईस्वासवलमुखमेधावे दुर्गंधीदोषताहिप्रघटा वे आगेलक्षणताकोहोई भोजनकरहटजावतसोई ताहियतनऐसामनभावे उठेप्रातरुचिभोजनखावे- मस्तकीनागरमोथालीजो कवावचीनीसंगजैफलकीजो जलपत्रीलौंगअगरसंगपावे नीरपीसगोलीवे

धवावे राखेमुखरसचूपेसोई मुखदुर्गंधदूरतवहोई छिलकार्थोमसोईमुखपावे मुखदुर्गंधीनिश्चितजावे- जेकरदोषदूरनाहोई रेचकदेदुखहरिएसोई थोडाभोजननमंसुखावे भोजनअधकनाथिंदाभावे मसूडेपरदु- र्गंधीमांनो ताहियतनऐसाहितजांनो नागरमोथालाचील्यावे कुठमुलठीवालापावे गोलीकररसचूपेसो- ई मुखदुर्गंधीनासेहोई पुष्पपत्रजूहीकेल्यावे मरुआकुठवचंसंगपावे लेसमपीसगोलिआंकरिए राखेमुख दुर्गंधीहरिए तूंवालेकरखालीकरिए ताहीवीचमृत्तकाभरिए धावेवीजताहुमेवीजे राखभूमजलऊपरदीजें वूटाहोएपत्रानिकसावे ताहिउखाडखूपापिसवावे गोलीवांधधूपनहिलाय प्रतिदिनरगडनीरसंगपाय मसूडे परमर्दनकरसोई मलेजीभदुर्गंधीखोई करेवमनवादस्तकरावे अथवाथोडारुधिरछुडावे करेपालहितऔष- धमांने मुखदुर्गंधीदूरपछांने ॥

॥ रोगभाराहोनाजीभदा ॥

॥ चौपै ॥ जिव्हास्थूलहोतजवजाकी सिकलजुवांनसंज्ञाताकी वलकरअटकवातानिकसावे रु- धिरदोषवाकफप्रघटावे वाआमासयकोपदिखाय सघनधूंममुखाजिव्हाधाय जिव्हास्थूलताहिकरहोई अगेऔषधसुनिएसोई नुसादरपयकामींमंगवावे मर्चमघाराईंसंगपावे पीसभागसमचूरनसोई मलेजी- भवानीसुखहोई जौखारपतीसमर्चमंगवावे वरावरपीसजीभपरलावे वारंवारमलेनरसोई जिव्हास्थूल- सिथलताखोई परेरःअकरकरामंगवावे नुसादरमघराईंसंगपावे अहलीमवडलईसवंदमंगाय वरावर- पीसजीभपरलाय वारवारमर्दनकरसोई वांनीसुखताहीछिनहोई नुसादरपयकामींमंगवावे मर्चसुं- ठराईंसंगपावे अकरकराजौखारमिलाय खारीलूणकलौंजीपाय सुक्कीमर्जंजोसमिलावे कलौंजी- लेसमक्काथवनावे गरारेकरेसातदिनसोई वानीःसुखताहीछिनहोई जिव्हाअतिभारीहोजावे त्वचा- निकलवाहिरउठधावे लसूडाछडगुडीसमलीजें पावेमुखरसजिव्हादीजें तौफ़ुनिईसवगोलमंगावे लेसनिकालसोईमुखपावे वारंवारगरारेकरिए सकलस्थूलताक्षणमेंहारिए जेकरअतीखेदलखपावे ताहि- यतनऐसामनभावे नाडीचारउोष्टकीजोई रुधिरनिकालताहिसुखहोई जीभतलेइकनाडजिांनो रुधिर- निकालसीघ्रसुखमांनो जेकररुधिरदोषप्रघटावे जिव्हाअतिभारीलखपावे कुलःरोगपरऔषधजोई करे- सोईजिव्हासुखहोई जेकरअतीजीभगलजावे ऊपरदाणेदारलखावे भोजनकाठिनकरेनरसोई ताहि- यतनऐसाहितहोई दातनवैरवृक्षकील्यावे दोटुगडेकरजीभछिलावे चंवापत्रक्काथजवहोई करूलीकरे- तींनदिनसोई जिव्हामलसिगरीहटजावें वानीसुखभोजनमनभावें जेकरजिव्हास्थूलदिखावे मुख- हूंतेकछुवाहिरआवे ताहिनुसादरसिरकाल्याय मर्दनकरेदोषहटजाय तलेजीभदोईभुजमांनो रुधिरनि- कालताहिसुखजांनो द्रावकताकरदुखहरसोई करेपथ्यवाणीसुखहोई स्निग्धजीभराखेसुखपाय वाणीशुद्ध- खेदहटजाय

॥ रोगजीभनीचेजोमांसमिलजावे प्रसिद्धतांदारोग ॥

॥ चौपई ॥ जिव्हातलेमांसवधजावे लक्षणडडूसकलदिखावे जफदजुवांननामसोजांनो गूकजु- वांनदूसरामांनो जिव्हातलेनाडजोहोई करडीहोमिलजावतसोई जिव्हाऊपरजवप्रघटावे हिंदीवर्छी- नामकहावे यतनदोईकाएकपछांनो विनकाटेदुखदूरनजांनो आदयतनकरताहिहटावे पुरातनहोए- काटसुखपावे ठुडीतलेजोकलगवाय रुधिरनिकालदोषहटजाय नुसादरमाजूपीसमिलावे जिव्हानी-

चेमर्दनभावे जौषारनुसादरसज्जीलीजें पीसजीभतलमर्दनकीजें त्रिकुटाहलदीलीजेंदोई मासेसातभुं-नकरसोई मासाएककखरोटमिलाय मर्दनजिव्हातलेसुखाय मर्चजंगालनुसादरल्यावे जौखारसज्जीसंगपावे पीसबराबरमर्दनकरिए जिव्हादोषताहिछिनहारिए पाछेयतनमसूडेमाही करेसोइजिव्हादुखनाही

॥ अथरोगफटनाउोष्टका ॥

॥ चौपै ॥ वातकोपकरउोष्टपकावे तर्कीदनलवनामकहावे रुधिरकोपखुष्कीवधजाय ताहियतनकरशीघ्रहटाय ॥ दोहा ॥ माजूमधूमिलायकेमर्दनकरिएसोय वातजउोष्टविकारसभताछिनदूरीहोय चर्वीलीजेवतककीअथवाकुकडीभाय मर्दनकरिएगर्मकरउोष्टविकारनसाय कतीरागूंदनसासतासुपेदामाजुसंग लेसमचरवीमेलमलकरेउोष्टरुजभंग

॥ अथरोगडिगनागलनालुर्कैदा ॥

॥ चौपै ॥ कंठवीचलुरकाजोहोई अफतादनकांमनामकहुसोई सोजहोयगलजावेजवही भोजनमेंदुखदायकतवही ॥ दोहा ॥ कंठमाहिलुरकापकेअधकहोतदुखदाय ताकोकाटेमुंडसेंकंचीतेजवनायनुसादरसीसालूणलेताहिपिसावेकोय तर्जनीऊपरताहिधरलुरकादावेसोय वर्चभलावेफूककेताकीभस्मवनाय वनउपलेकीभस्मकरतींनोभस्ममिलाय तर्जनिऊपरताहिधरवलकरदावेसोय चलेरुधिरदुखदूरहैप्रतिदिनकरसुखहोय खुष्कवस्तुलेकाथकरगरारेकरेसुजांन कंठरोगनिश्चैहरेलुरकादृढतवमांन

॥ रोगकंठरोध ॥

॥ जौपै ॥ कंठरोगआगंतुकमांनो वंथसुधनधरगलूचीजिजांनो कंठरोधहोजावेजाको आगेलक्षणसुनिएताको कठिनवस्तुखावेनरकोई हडीअथवागुलीजोहोई जाकेकंठमाहिरुकजावे ताहूकेहितयतनवनावे ताहीछिनक्याडीकेमाही वलकरमुक्कीमारेताही कंठरोधताहीहटजावे भीतरअथवावाहिरआवे मछीकाकंडाफसजावे छोटाहोएतोऐसाभावे रोटीकाकर्डाकरग्रास निंगलतहींसुखउपजेतास वडाहोएकर्डाजोकोई पतलिवस्तुखावेनरसोई रोगअसाध्ययतननहिभावे विनायतनकैसेसुखपावे ॥ दोहा ॥ कंठरोधजवहोतहैछ्लेषमवातप्रकास सोजाहोवेकंठमेसुनिएलक्षणतास पीडासिरअरुकर्नमेवामनकेमेंहोय तौमाजूकेकाथसेंगरारेकरदुखखोय औरऔषधीजोकहीजीभसोजकेमाहि सोईकरदुखदूरहैपीडारहेनताहि.

॥ अथदंतरोगकथनं ॥

॥ चौपै ॥ जेकरदंतपीडअतिहोई दर्ददंदांननामकहुसोई जेकरअतिपटेआईखावे वासरदीकरपीडदिखावे कंडेआरी[illegible]नासिकदीजे प्रथमदिमागशुद्धकरलीजें रेचकऔषधताहिखुलावे आमासयफुनिशुद्धकरावे अथवावमनकरेनरसोई कंठउदरशुद्धज्योंहोई फुनिपीडाहरऔषधखावे सीघ्रयतनकरपीडहटावे उरेएकमतसुनिएसोई अस्थिनाडपठाजोहोई वीरजहूंतेउतपतमांनो ताकरदांतवीर्यतेंजांनो उौरएकमतऐसाहोई भोजनहूंतेंउतपतसोई प्रथमदांतवीरजतेंजांनो टूटतहेंफिरप्रापतमांनो भोजनदांतटूटाफिरनाही ताकरनिश्चावीरजमाहीं उौरभेदटूटनकाजांनो अतिभोजनअतिउौषधमांनो सं. खिआत्रादउौषधीकोई सेवनतेंफुनिटूटतसोई जेकरदांतपीडअतिहोई ताहियतनऐसासुनसोई ॥ दोहा ॥

सावतसौंफमंगायकेहलदीपीसरलाय रातसमेमुखपायकेकरनिद्रादुखजाय ॥ चौपै ॥ सौंचललूणसुमचंमंगावे अकरकराहिंगूसमपावे मधूमिलायगोलिआंकरिए विनाधूपछायामेधरिए दांतमूलइकराखोसोई निश्चितपीडदूरतवहोई तुंमेकीजढताहिमंगावे राखेमुखदांतनसुखपावे एंभालूपत्रलूणसंगपाय वावडिंगसमभागरलाय पोटलीकरमुखराखोसोई निश्चितपीडदांतकीखोई शनीवारादिनऐसाभावे कृष्णधतूरेकीजढल्यावे दांततलेमुखराखोसोई पीडदूरताहीसुखहोई दोईघडीतकमुखमेंपावे त्यागेरसभीतरनहिजावे तुंमागोघृतपायपकावे लेघृततूंवामुखमेंपावे वारंवारगर्मकरसोई दांतमूलधरपीडाखोई अर्ककाष्ठलेगर्मकरावे चापेमुखपीडाहटजावे रुधिरअधिकवागरमीहोई रेचकऔषधसेवेसोई सरेरोगकारुधिरछुडावे ग्रीवापीछेपछकरावे जाविधयतनकरेनरसोई पीडादांतदूरतवहोई

॥ रोगलुरकेदीसोज ॥

॥ चौपै ॥कंठमध्यलुरकायोहोई सोजताहुपरपडिासोई अथवासोजमसूडेमानो फालुहातमुलःजःनामपछांनो हिंदीपरछीनामकहावे सोजहोएवासिथलदिखावे नलाश्वासशिराहिजराजोई खबेभागकंठतेंहोई अथवाकंठमध्यप्रघटावे सिथलहोएनीचेगिरजावे जाविधलक्षणजाकोहोई ताहियतनसुनआगेसोई वर्चभस्मकरलीजोसोई हरडपीसताहीसमहोई तर्जनिऊपरसोइरखावे वल्कलरलुरकाताहिदवावे मसूडेऊपरमरदनकरिए निकसेरुधिरसोजदुखहरिए वनउपलालेभस्मकरावे मलेताहुपरसोजहटावे माजुसिरकादोईपिसावे मलेताहुपरसोजहटावे लेपकरेशिरऊपरसोई सिथलतादूरपीडसवखोई तलेदांतकीडालखपावे अथवाखोरामांसदिखावे केशरनागपीसकरलीजैं भांगुरेकारसतामेदीजैंसातभावनाजाविधहोई वारंवारसुकावेकोई दांतमूलफुनिमर्दनकरिए सोजपीडताहीछिनहरिए टुडीतलेपछकरवावे तूंवीअथवासिंगीलावे चारोनाडऔष्टकीजांनो रुधिरछुडायताहिसुखमांनो संभालुपत्रलूणमंगवावे वाविडंगसमभागरलावे पीसतैलअलसीकापाय करेलेपपीडाहटजाय

॥ रोगहल्लजानादंदोंका ॥

॥ चौपै ॥ उषडदांतहलजावेंसोई गरमीकाफुनिलक्षनहोई फारसहूंकनामपछानो जुंवीदनदंदानवखांनो ताहियतनआगेसुनसोई पुष्टदांतकरअतिसुखहोई पत्रपुष्पजूहीकेल्यावे वाविडंगलोध्रसमपावे फडकडीसमुद्रझगसंगपाय चाडअन्नपरकाथवनाय करूलिआंकरेताहिसुखहोई उखडदांतजढपुष्तीसोई जेकरनीरलेसलामांनो ताहूतेदुखदांतपछांनो चंदनमाजुताहिमंगावे छिलकाहरडसुपारीपावे लेसमभागपीसिएसोई मसूडेपरहितमर्दनहोई दांतपुष्टताहीहोजावे सुगमयतनदुखदूरहटावे ॥ चौपई ॥ माईमाजूकत्थमंजीठ दोसुपारीदोलाचीपीठ इनकाधूडापीसवनाऔ राखेपखदांतनसुखपाऔ

॥ रोगदंदखटेहोजाने ॥

॥ चौपै ॥ षटेदांतजाहुकेहोई कुंदीदंदांननामकहुसोई जेकरअतिषटेआईखावे ताकरषटेदांतदिखावे वैद्यजतनऐसातवभाषे रोटीगर्मदांतपरराखे कुकडांडकीजरदील्यावे खूपगर्मकरदांतमलावे वारंवारगर्मकरसोई दांतमूलपरराखेकोई षटेदांततताहिहटजावे सुगमयतनकरसुखउपजावे ॥ दोहरा ॥ कफषटीजवहोतहैतवदांतनलपटाय षट्टेहोवेतदातनवभोजनमेंदुखदाय ॥ चौपै ॥ वाषटीकफसोईमांनो

आमाशयमुखवीचपछांनो हुआडताहुकीदांतनधावे ताकरषटेदांतदिखावे रेचकऔषधअतिहितमांनो आमाशयकोशुद्धपछांनो स्निग्धदांतराखेनरसोई षटेआईदूरताहिसुखहोई ॥ दोहा ॥ लीजोजढफुनिआककीचापदातसंगसोय दांतषटेआईदूरहैअतिसुषप्रापतहोय अथवापीलामेंमलेचापेवारंवार दांतषटेआईदूरहैकरनिश्चामनधार.

॥ रोगकुनदा ॥

॥ चौपै ॥ कृमीरोगदांतनकाहोई किर्मदंदांनफारसीसोई कुनदानामप्रसिद्धकहावे आदयतनकरसीघ्रहटावे पुषतदांतपोलानहिहोई तवजहयतनकरेनरसोई कंडेआरीफलपकेमंगवावे सुकायदर्डकरघृतसंगपावे मृतकपात्रइकप्यालालीजें ताकेमध्यछिद्रइककीजें तौफुनिप्यालादूसरहोई भरेनीरसंगराखेसोई लोहेकीइकफट्टील्यावे चौडीअंगुलचारसुहावे लंवीइतनीफट्टीहोई ऊपरफट्टीपूरीसोई तापरकोलेआगभखावे कंडेआरीचूरनताहिजलावे निकसेधूंमजोरकरसोई दूसरप्यालाऊपरहोई छिद्रहोएसोऊपरकीजें नलिकाएकताहुमेंदीजें तौफुनिनलीताहिमुखपावे कुंनदेऊपरधूंमलगावे अतीधूंमपहुचेजवसोई कीडामेरेसहजसुखहोई प्यालाभरानीरकानीचे कीडाझडेताहुकेवीचे पीडदूरकुंनदाहटजावे निश्चेजतनकरेसुखपावे कंडेआरीपांचोअंगमंगावे धोयपीसकररसनिकसावे वारंवारकरूलीकरिए दांतपीडताहीछिनहरिए.

॥ रोगमुखपाका ॥

॥ चौपै ॥ पडेसोजमुखभीतरजाको यक्ष्मपाकयुतहोवतताको कुलानामफारसमतगावे हिंदीमुखपाकाप्रघटावे अथवाकंठनाकपकजावे छातीजिभपरपाकदिखावे करेयतनसुखपाकाहोई आगेऔषधसुनियेसोई जौदानामुसककपूरमंगावे पुष्पसेवतीतासंगपावे किकरपिपलछिलकालीजें दोचंदनमघतासंगदीजें गूलरजामनछिलकाल्यावे खैरकत्थताहीसंगपावे सौंफइलाचीमिलेसोई पीसछानसमचूरनहोई वारवारमुखधूडापावे मलेवीचमुखपाकाजावे मुलठीजढजलपायघसावे वारवारचाटेसुखपावे कत्थइलाचीसौंफमगाय फकीमिसरीमेलवनाय वांधपोटलीमुखमेंहोई चूपेरसमुखपाकाखोई मुलठीजडअरुपद्ममगावे फकीमिसरीमेलवनावे प्रातरातसेवनकरसोई सीतलजलऊपराहितहोई लेत्रिफलामुखचापेकोई चूपेरसमुखपाकाखोई दूधअधारवालजवजानो अतिमुखपाकाताकोमांनो जोतिसदूधपिलावनहारी वैद्यचिकित्साताहिउचारी ताकोदुग्धसुद्धकरवावे वासलीककारुधिरछुडावे रहेपालपरऔषधसेवे अथवादुग्धऔरकादेवे छिलकावर्चमखीरमिलाय वालककेमुखलेपकराय दारूहर्दलहरडमंगावे चंवापत्रमुलठीपावे मधूमेलपीसेनरसोई पतलालेपकरेसुखहोई जेकरनरवलवांनविचारो ताहिवमनकरदोषनिवारो म[illegible]चंवापत्रमंगावे गिलोईहरडवहेडापावे धमाहआमलाआंनोसोई दारूहरदलतासंगहोई [illegible]भागकाथवनवावे वारंवारकरूलीभावे गिलोईमघजलपायपिसाय गोलीकरमुखवीचरखाय चूपेरसमुखपाकामानो दूरहोतनिश्चेकरजांनो निंववृक्षकाछिलकाल्यावे मुलठीत्रिफलाहर्दलपावे करकेकुआथगरारेकरिए मुखपाकाताहीछिनहरिए जेकरअतीनीरमुखआवे ताहिलौंगमुखपायचवावे चलेनीरहटजावेसोई मुखपाकादुखदूरीहोई पुष्पसेवतीआंनोसोई अथवापुष्पगुलावकेहोई गूलरवृक्षकाछिलकाल्यावे मेलआमलेमिसरीपावे पीसनीरसंगपीवेकोई तींनवारनितसेवनहोई अथवावीचकपूरमिलावे सेवनकरमुखपाकाजावे यक्ष्मवीचमुखकरडामांनो लक्षणजिव्हाइयांमपछानो

तालूछातिकंठजुहोई· रहेदाहसुनऔषधसोई अमलतासडिडतोलाल्यावे मिसरीत्रिवीताहुसंगपावे सेवनकरेदूरदुखहोई औरयतनआगेसुनसोई ठुडीतलेजोंकलगवावे वासिंगीकररुधिरछुडावे हलदीनीरपायपिसवाय चूंनाअर्धचनेसमपाय राखेमुखचूपेरससोई षठेआईआमलीऊपरहोई पुरातनसोईआमलील्यावे थोडीमुखराखेसुखपावे कुलःरोगतुमऐसामानो जिगरीरुधिरकंठमेंजांनो श्वेतरंगरुधिरजवहोई ताकरमुखजलआवतसोई गरमीषुष्कीअधिकपछांनो ताहिस्वादमुखकौडाजांनो षुष्कीवातदोषजवहोई ताहिस्वादमुखखटासोई कलेजेवीचहोतकफजाको खारीमुखदुर्गंधीताको चंगारुधिरहोतहैजवही ताहिस्वादमुखसुंदरतवही पवनश्वासमुखभीतरआवे कलेजेकासंवंधमिलावे ताकरमुखलक्षणप्रघटावे वातपित्तकफभेददिखावे कुलःरो गमुखसोजाहोई गलजावेमांसजक्ष्मकरसोई ताहिरंगकाभेदपछांनो श्वेतलालअरुकालामांनो गर्मीषुष्कीसभसंगहोई कालारंगवुराकहुसोई श्वेतरंगसुखसाध्यकहावे यतनसाध्यरंगलालदिखावे कालारंगलालजोहोई आगेऔषधसुनिएसोई दससेरसिरकामंगवावे तोलेतींनलूणसंगपावे ताहिधूपमेराखेकोई वारवारमुखमर्दनहोई वारंवारकरूलीकरिए गरारेकरदुखताहिहरिए ठुडितलेजोकलगवावे सरेरोगकारुधिरछुडावे लालरंगहरतालमंगावे अकरकराताह्रीसमपावे कुतरांनमेलमलधोवेकोई मर्दनकरेताहिसुखहोई ईसवगोलनीरसंगहोई उतरेलेसमलेमुखसोई वनफसाघृतमुखमर्दनकरिए मुखपाकाताहीछिनहरिए थिंदाअरुषटानहिखावे गरमीकरभोजाननहिभावे श्वेतरंगमुखपाकाजोई वहुताकखालककोहोई ताहिजतनऐसामनभावे भेडदूधमुखधारापावे मनक्कापत्रपडोलमंगावे मुलठीहलदीत्रिवीमिलावे निंमजूहीकाछिलकाआंनो सीसालूणभागसममांनो पीसमधूयुतलेपेकोई अथवाक्काथगरारेहोई क्वाथकरेथोथासंगपावे गरारेकरदुखदूरहटावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांमुखरोगाऽधिकारवर्णनंनामद्वादसोऽधिकारः ॥ १२ ॥

॥ ॐश्रीगणेशायनमोनमः अथगलगंडरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ कहोनिदानगलगंडकोभाषारचिअभिराम जगतमांहिभाषैसभीगिल्हडताकोनाम ॥ चौपै वृद्धअंडकीन्याईजोऊ गलकेमध्यलटकहैसोऊ ह्रस्वहोयवादीरघहोय गिल्हडनामकहतसभकोय वात-अवरकफमेंदजुतनि गलतलनाडिमिलैंप्रवीन नाडीफूलगिल्लडप्रगटावै पित्ततेंनांहिहोयज्योगावे.

॥ अथवातजगलगंडलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्यामरंगगलनाडीहोई पीडासहितहोतजोसोई अथवाश्यामलालकेसंग गलनाडी-होंवतइसरंग अरुषहुरोउपजैगलगंड चिरकरवृद्धहोयसुअषंड तालुगलसोसुकोकरै मुखमंझारविरस-ताधरै कदाचितपितकरपाकेजोय वातगंडजानोतुमसोय.

॥ अथवातजगलगंडचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ गलगंडचिकित्साकहितहोंसुनलेवोचितधार रोगदूरहोवैतुरतवर्तेइहअनुसार ॥ चौपई ॥ स्वेदअवरमर्दनयामोहित लेपनपत्रबांधनेधरचित अवरवातहरऔषधजोऊ वातजमोंहितकरहैंसोऊ अथ-लेपन ॥ चौपई ॥ निचुलाअवरसुहांजणेबीज अरुदशमूलपीससमलीज गूत्रउष्णसोंलेपनकरै वातज-रुजगलगंडहिहरै.

॥ अथकफजगलगंडलक्षणम्॥

॥ चौपै ॥ सवर्णस्थिरशीतलभारिहोय षुरकसहितस्थूलताजोय चिरतेंवृद्धीप्रापतहोई पकेकदा-चितजानोसोई पीडाअल्पअल्पसोकरै तिसकरमुखमीठालषपरै तालूकंठजानयहदोऊ लिप्तरहैहैजा-नोसोऊ.

॥ अथकफजगलगंडचिकित्सा ॥

॥ चापै ॥ वंधनस्वेदलेपयामांहि श्रावकदेतिहशंसयनांहि ॥ अथलेपन ॥ चौपै ॥ विशालाअवरले-हुसुरदार पीससगूत्रहिंलेपसुधार कफकोगलगंडहोवैनाश अवरचिकित्साजानोतास ॥ अन्यउपाय ॥ ॥ चौपै ॥ छर्दशिरोरेचनपुनजानो धूम्रपानरेचनहितमानो फुनभीइन्हीउपायनसंग होयगलगं-डकफजकोभंग.

॥ अथमेदजगलगंडलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ गुरुसनिग्धपांडूरंगजान कछुदुर्गंधप्रगटलषमांन पीडअल्पकंडूबहुहोय तूंवीइवगलल-टकैसोय मूलहु[illegible]लषपैये तनकेवृद्धवृद्धतालहिये देहक्षीणतेंक्षीणलषावै मुखसनिग्धतासोउपजावै गलकरशब्दकरतहोरहै मेदजगंडकेलक्षकहै.

॥ अथमेदजगलगंडचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ मेदसंयुक्तपुरुषहैजोय देहसनिग्धतासकीहोय तिसकोनाडीवेदहिकारि यहभीकह्योउपाय-विचारि ॥ अथलेप ॥ लीजैंस्यामामनूरगिलोय दंतीअरुरसोतसमजोय पीसतासपरलेपनकरै मेदजगल-गंडकोसोहरै.

॥ अथअसाध्यगलगंडलक्षणम्

॥ चौपै ॥ संवत्सरतेंजवउर्धरहावै परमकष्टसेंश्वासनरपावै होयअरुचजुक्षीणतनभासै ताकोंवैद्यअसाध्यप्रकाशै अवरभग्नस्वरजाकोंहोय ताहिअसाध्यलषैसभकोय इत्यादिकक्षलणजिहलहियें जाविधताहिअसाध्यलषैयें असैंगलगंडहूकेताईं वैद्यत्यागजावेंनरहाहीं ॥ दोहा ॥ गलकेगंडनिदानकोंभाष्योंभलेवनाय करेचिकित्साआदातिसरोगदूरसुखपाय इतिगलगंडतिदानंचिकित्सा.

॥ अथसामान्यगलगंडचिकित्सा ॥

॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ सर्षपइवसुहांजणेबीज सणकेवीजयवअलसीलीज अवरहुमूलीवीजमिलाय समसभलेसूक्ष्मपीसाय अमलतक्रसोंलेपनकरै गलगंडग्रंथिगंडमालाहरै ॥ अन्यलेप ॥ चौपई ॥ रक्षोघ्नतैलकोंलेहुसुधार जलकुंभीभस्मतासमोंडार विधिसोंतापरलेपनकरै इहप्रकारगलगंडहिंहरै ॥ अन्यलेप ॥ चौपई ॥ वराहपूछकोअग्रभागजो अग्निसाथजोदग्धकरैसो भस्मतासकटुतैलमिलाय लेपकरेगलगंडनसाय ॥ अथलेप ॥ चौपै ॥ हस्तीकरणपलासकोमूल तिसकोंपीसकरैसमतूल तंडुलजलसोंलेपलगाय गलकोगंडनाशहोइजाय ॥ चौपई ॥ स्वेतपराजितामूलमंगावै ताकोंप्रातहिकालपिसावै घृतसोंघोलकरताहिपिलाय गलगंडरोगनाशहोजाय ॥ अथकटुतुंबीजलादिपानं ॥ चौपै ॥ कटुतुंबीमोंजलकोंपावै सातदिवसपर्यंतधरावै वामदरादिनसातपर्यंत कटुतुंबीमोंधरलषुतंत प्रातहिंउठकरताकोंपीवै गलगंडकोनाशतबथीवै ॥ अथरुधिरमोक्षणविधि ॥ चौपै ॥ दोनोंकरणोकेजुनिकटतर तीननाडिहैंऊपरऊपर तिन्हकोछेदेपुरुषास्यान नाशरोगगलगंडहिजान ॥ अथहिंसरादितैल ॥ चौपै ॥ हिसरावरचागिलोयमंगावै त्रिफलाचित्रामघांमिलावै देवदारुयहसभसमलीजै इन्हकोंकूटसुचूर्णकीजै भंगरारसअरुतैलमिलाय मृदुलअग्निसोंताहिपकाय मधुरलायकरताकोंपीवै गलगंडरोगहरसुखियाथीवै ॥ अथअमृतादितैल ॥ चौपै ॥ गिलोयनिंवजूहींरसाआन मघदेवदारवलाजुगठान कूटपायकरतैलपकावै पीवैसोगलगंडनासावै जिन्हापार्श्वशिराद्वादशकाहिये ताकवीचजुगकृष्णसुलहिये कुशपत्रवावीडीकेसंग छेदनकरेतिसवैद्यनिसंग रक्तनिकालेतासोंजवहिं गुडआद्रकव्रणराखेतबहि जोकौभोजनकरेअभिष्पंद कुलथयूषपीवैअभिनंद प्रियंगूमदनमुलठमघआन कुठचंदननिंवमुथूसमठान ताहिकल्कसोंतैलपकावै लेनसवारगलगंडनसावै ॥ अथअक्षोटघृत ॥ आक्षोटत्वचाघृतडारपकाय षायरोगगलगंडमिटाय ॥ अथकचनारगुग्गुल ॥ चौपई ॥ तीनभागलीजैत्रिफलाय दोयभागडारोत्रिकुटाय दुगुणत्वचाकचनारमिलावो| सभसमगुग्गुलपीसरलावो मधुदशभागमिलावोतास अथवागुटकाकीजैजाससोगुटकानित्तभक्षणकरै गलगंडरोगसोतुरतहिंहरै नाडीव्रणगंडमालानाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ गलगंडचिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार निश्चयधरयाकोंकरैरहैनत[illegible]ार गलगंडगंडमालादिकेसभपथ्यापथ्यसमान याहीतेंअवनाकहैआगेंकरोंवषान ॥ इतिगलगंडरोगचिकित्सा ॥

॥ अथगंडमालारोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ गंडमालादिकरोंगकेसभकेंकहोंनिदान सोसमस्ताविवरेंसहितजानोंपुरुषसुजान ॥ चौपै ॥ वातपित्तकफतीनजुकहे दुष्टभावजवप्रातहोंलहे मांसरक्तअरुमेंदजुनाडी तिनचारोंकोदेतविगाडी गिरदउन्नतचारोमिलरहै लोकसभीगंडमालाकहै कछांमुंहडेगलमंझार संधकटूरूर्याविविचार कफअरुमेंदइक

ठेहोंय इन्हथलगंडउपजावैंसोय काकेंनवेंरअथवाबडवेर बाअमलेंइवहोंहिसुहेर अतचिरकरसोपकेपाछा न वहूतगंडमालाउपजान.

॥ अथअनुक्रमनका ॥

॥ चौपै ॥ गलगंडमालाअपचीजोय ग्रंथीअर्बुदयहसभहोय जोगोलाऊचोहोइजाई सोजग्रंथीया-प्रघटकराई तिहग्रंथीनामकहेसभकोइ पांचप्रकारकीहोवतसोइ वातपित्तकफमेदनसोंसें होतउत्पत्तीजो-इनमोंसें

॥ अथगंडमालाउपद्रव ॥

॥ चौपै ॥ पीतसपार्श्वशूलज्वरकास छर्दइन्होंकरयुक्तजुभास सोगंडमालालषोअसाध्य विनाउपद्र-वकहियेंसाध्य वातादिकत्रैदोषकोपजब मांसरक्तनाडीमेदहितब इन्हमोंसोउपजाहिविकार उन्नतगोल-होइशोथविकार अैसैग्रंथप्रघटतनहोय पांचप्रकारतासकेजोय वातजपित्तजकफजपछान मेदजअरुना-डीजप्रमान

॥ अथ्वातजग्रंथीलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ गलग्रंथीषैंचियतभासैं मथियतभेदतपीडप्रकाशैं कृष्णवर्णगंडमृदूलषावै चीरेस्वछ-रुधिरप्रगटावै वातजगंडमालसोकहिये पितजकेलक्षणपुनलहिये

॥ अथवातजग्रंथीचिकीत्सानिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ जिहग्रंथीआमजलषपरै शोथचिकित्साताकीकरै जोवहिग्रंथीवातजहोय ताहिलेपकीजै-लषसोय ॥ लेप ॥ हिंसराजकौंडअसगंधगिलोय तालमूलस्योनाकसमोय विल्वविडंगीअगरमिलाय यहसमधेनुमूत्रपीसाय रोगीतनसोलेपलगावे ग्रंथीरोगनाशहोइजावै

॥ अथपक्वग्रंथीउपाय ॥

॥ चौपै ॥ जोवहग्रंथिपक्वलषपैये चीरदेयकरपूयानिकसैये अगरअर्कविल्वमूलहिक्काथ चीरवेधधोवै-तिससाथ पुनएरंडाहितरुपत्रमंगावै तिलसैंधायहपीसलगावै जबताकोव्रणशुद्धलपैये तबयहमल्हमताहि-लगैये रासनाअवरविरोजाजान तैलमिलायसुमल्हमठान ग्रंथिरोगशांतिहोइजावै अपनेमनमोनिश्चय-ल्यावै

॥ अथपित्तजग्रंथीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दग्धअंगइवपीडाहोय अत्सयपकेज्वलतलषसोय अरुसंतापबहुतसोकरै चीरैपीत-रक्तलषपरै पित्तजलक्षणाकिएवषान आगेलक्षणकफकेजान

॥ अथपितजग्रंथीउपाय ॥

॥ चौपै ॥ विडंगगिलोयमहुजुमुलठ दुग्धमांहिसोकरोइकठ तिहपकायकरतापरलावै पित्तग्रंथीतुर-तहिमिटजावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ रुधिरजलौकाकरनिकसाय तौभीपित्तजग्रंथीजाय ॥ अन्यउ-पायं ॥ चौपै ॥ दुग्धलसीसोताहिधुलावै तौभीपित्तजग्रंथीजावै ॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ काकोलिव-र्गकोक्काथवनावै तौभीपित्तजग्रंथीजावै ताहिशरकरापायपिलाय निजमनमोनिश्चैलषपाय ॥ अथचूर्ण ॥

॥ चौपई ॥सूक्ष्मचूरणहरडबनाय द्राक्षारससोप्रातपिलाय अथवारसइक्षूसंगपान पित्तजग्रंथीदूरपछान-

॥ अथकफजग्रंथीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शीतस्पर्शस्वेतरंगहोय मंदपीडवहुकंडूजोय चिरकरवृद्धाहोंवतजान पत्थरकेसम-कठिनप्रमान जोतिसग्रंथाहिंकोंचीरावे घणीपाकस्वेतनिकसावे ताकोकफजगंडपाहिचानो मेदजग्रंथी-आगेजानो

॥ अथकफग्रंथीउपाय ॥

॥ चौपइँ ॥ कफकीग्रंथीजाकोंहोय स्वेददेयवालैपनसोय वांशहुंकीवालोहशलाई तासैंवेधेकरचतुरा-ई काकदंतिकाकादाविडंग तापसवृक्षमूलधरसंग अमलतासससभहीसमलीजैं लेपकरेग्रंथीकफछीजैं ॥ अन्यचलेप ॥ चौपई ॥ करंजुअलाबूअवरभिडंगी अवरमेनफललेसभसंगी इनसमस्तकोलेपनकरे कफकीग्रंथीरुजकोहरैं

॥ अथमेदजग्रंथीलक्षणम् ॥

॥ चौंपई ॥ देहवृद्धतैंवधहैसोय तनकेक्षीणक्षीणसोहोय होयसनिग्धविनपीडाजान वडआकारसखु कंपछान छेदितघृतवतमेदलषाय मेदजलक्षणकहैसुनाय

॥ अथनाडीजगंडमालालक्षणं ॥

॥ चौंपई ॥व्यायामादितैंनिर्वलजोय प्रसरीनाडीतनमेंसोय ताहिवातसंकुचितसुकावैं उन्नतगोलग्रं-थिप्रगटावैं सोनाडीजग्रंथिकहिगायो कष्टसाध्यसोऊलषपायो

॥ अथमेदजग्रंथिउपाय ॥

॥ चौंपई ॥ मेदजग्रंथीजाकोंहोय उपायतासइहविधिकरसोय तिलकोकुटसवस्त्रहिंवांधैं लोहतपायसें-कतिससांधै मेदजकीग्रंथीमिटजाय इहविधिकह्योंउपायसुनाय ॥ अन्यच ॥ शस्त्रहुसोंग्रंथीचीरावे वा-अग्नीसंगदाघदिवावे अथलेप वैद्यजुमूलिकभस्मकरावै शंखचूर्णसमसंगमिलावै लेपनकरमेदजमि टजाय कफअरवुदग्रंथीनरहाय जोग्रंथीनाडिनपरहोय सयत्नचिकित्साकीजैसोय काहैनाडिछेदमंझार-प्रगटनहोयनसूरविकार ॥ अन्यचलेप ॥ मूलकचित्रात्वचागिलोय दंतिअरकदुग्धगुडजोय भिलावै-गुटीअवरकासीस यहसमलेपनकीजैपीस पाषाणन्यायग्रंथीजोहोय जहलेपनसोंनाशैसोय ॥ अन्यच॥ मूलीभस्मजुसज्जीक्षार शंखचूर्णपुनतामेंडार यहसमलेलैंपनतिसकीजै मेदजअर्वुदग्रंथीछीजै ॥ अन्यउ॥ नाडऊरधद्वादशअंगुलीस्थान चीरादेयतिहवैद्यसुजान मत्सअंडन्यायदाणेनिकसावै अग्निदागपुनता-हिदिवावै मल्हमलावैऊपरतास समांसपथ्यदेवैरुजनाश

॥ अथगंडमालादिरोगाचिकित्सा ॥

॥ दोहारा ॥ गंडमालादीभेदकोकहोंचिकित्सासार विवरोताकोसमुझकरलीजैचितमोंधार

॥ अथअपचीगंडमालालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अवरभेदयाहीकोलहिये अपचीनामहजीराकहिये गांठन्यायपाकैंजलवहे अरुचिरलौग-लऊपररहैं अपचीनामतिन्हनकोभाषैं लोकसमस्तहजीराआषै

॥ अथगंडमालाअपचीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सर्षपनींबपत्रजुभिलावै समसभलेकरदग्धकरावै छागमूत्रसोंलेपकराय विधिसों-भलीप्रकारबनाय गंडमालअपचीहोएनाश सुखउपजैतनदुतिपरकाश ॥ अन्यच ॥ सरसोंनिंबप-त्रसुभिलावै कालीवकरीमूत्रपिसावै लेपकरैअपचीनरहाय निश्चैकरअरुचितमोंचाय॥ अन्यच ॥ अश्व-त्थकाष्टनिचुलपहिचान वराहदांतगोदांतसुआन अरुगजदंतसभीसमलीजै अग्निदियसोभस्भकरीजै गूत्र मिलायलेपसोकरै गंडमालअपचीव्रणहरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वनकपासकोमूलउषारै कूटतु-ल्यतातंडुलडारै घृत्तमोपायपकायसुषाय गंडमालअपचीमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अलावु-पत्ररसदोपलआन ताकोंपीवैप्रातविधांन अपचीगंडमालसोनाश अवरकामलाहोएविनाश अथदागाविधि करमणिवंधजुऊपरजांनो अंगुलअंगुलभेदहिठानो तीनउष्णताऊपरदेवै गंडमालअपची नरहेवै अथचंदनादितैलं ॥ चौपई ॥ चंदनअवरहरडपुनलाष वरचकौडयहसमलेराष कूटतैलमोपा यपकावै विधिसोंताकोपात्रधरावै प्रातहिकालताहिकोपीवै गंडमालअपचीहतथीवै अथत्रिकुटादितैल ॥ चौपई ॥ त्रिकुटासेंधावायविडंग देवदारुमुलठीधरसंग इन्हसमसेंतीतेलपकावै रोगीकोंनस-वारदिवावै गंडमालअपचीहोइनाश निश्चैल्यावोमनमोंतास ॥ अथकाकादनीतैलं ॥ चौपई ॥ गुंजामूलनिर्गुंडीकोरस कुसुंभाकांजीलेमेलोतिस फुनिकटुतैलमिलायपकावै पीवैमलैनसवारदिवावै गं-डमालअपचीहोयनाश ऐसेंकहीचिकित्सातास अथअजमोदादितैलं ॥ चौपई ॥ अजमोदाजुविरो जाडार दोनोरजनीदोनोक्ष्यार सिंधूरअगरजालनीमिलापावै अपामार्गहरतालरलावै मनछलआद्रकइट' सिटजान इंद्रवारुणीतासोठान अर्कदूधथोहरपयलीजै रसमुहांजणेकोसंगदीजै अर्धअर्धपलयहसमपा-वै छागमूत्रगुणअष्टमिलावै प्रस्थएककटुतैलामिलाय मृदुअग्निसोंताहिपकाय मर्दनतननसवारदिवावे गंडमालाचिरकालिनसावै अपचीभीरुजहोवेनाश सातदिवसामिरयादाताश असाध्यहोयतौभीनहिरहै यां-मोंनाहीनशंसागहे अथहारिद्रातैलं सिंधूरहरदलमुथूमिलाय आक्षोटत्वचाअंवाडायाय अर्कथोहरपयदोनो-लीजे चतुर्गुणाअजामूत्रमलीजे ताहिक्काथकटुतेमिलाय सिद्धकरेमंदअग्निधराय तनमर्दननसवराजुलेय अपचीगंडमालाहरदेय इतिअपचीचिकित्सा

॥ अथकेवलगंडमालाचिकित्सा ॥

अथक्काथ ॥ चौपई ॥ वारुणमूलक्काथजोपीजै मधुसंगगंडमारुजछीजै अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ क-चनारत्वचासमसुंठामिलाय चूर्णतप्तजलसाथपिलाय गंडमालादुखहोइहैनाश निश्चयआनोमनमोंताश ॥ अन्यच ॥ पलप्रमाणत्वचाकचनार नितपीजैसंगतंडुलवार गंडमालारुजहोइहैनाश निश्चै-कीजोमनमेंत्तास अथरक्तमोक्षविधि ॥ चौपई ॥ जिन्हातलजोसूत्रकहावत ताकेदोनोओरलषावत तिन्ह-द्वादशनाडिपरिमान तिन्हमेंदोइअस्थूलमहान तिन्हहिकुशादलअग्रहिंसंग चोभादेवैहोयनिसंग-इहविधितातैंरक्तनिकास गुडआद्रकमेलधरोव्रणतास कुलत्थक्काथसोंपथ्यदिवावै रोगगंडमालामिटजावै ॥ अथवचादितैल ॥ चौपई ॥ वरचकचूरहलदलेदोय देवदारुहरडेसंजोय इंद्रयवसुंठीमुत्थूपतीस इन्ह-केदशदशपलसमपीस चारद्रोणजलपायपकीजै पादहिशेषरहेतबलीजै प्रस्थएकसर्षपकोतैल षटपल-त्र्यूषनणातिसमोमेल तैलहिद्विगुणक्षौद्रतिसधरै पुनपकायसिद्धसोकरै मर्दनकरैलेयनसवार दारुणगंडमाला

45

निरवार यथाबलतैलपानजोकरै यथेछाभोजनमनमोधरै स्वासकासप्रतिश्यायानिवारै पांडुकामलाअपचि विडारै ॥ अथनिरगुंडीतैल ॥ चौपई ॥ निगुंडीरसलांगलिकोमूल यहदोनोलीजैसमतूल दुगुणपाय- जलतैलपकावे मर्दनवानसवारचढावे गंडमालदारुणमिटजाय इहप्रकारसोकह्योसुनाय ॥ अथअखरोटतैल ॥ चौपई ॥ अखरोटवृक्षकीत्वचामंगावै कूटतैलमोंपायपकावै मर्दनकरैदेयन- सवार गंडमालकोजायविकार ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ हयमाराबिल्वानिरगुंडीलीजै तीनोकूटतैलमो- दीजै पकायमलेअरुलेनसवार गंडमालरोगकोटार ॥ अथत्रिफलागुग्गुलु ॥ त्रिफलात्रिवीनीलनीआने दंतीअमलतासमठानै यहपंजीपंजीपलपावै कूटचारद्रोणजलठावै मंदअग्निसोताहिपकाय पादशे- षराहिलेयछनाय गुग्गुलुपलपचासातेंहपाय पुनमंदअग्निसोताहिपकाय पककरसघनोलषहेजब यहऔ- षधीपीसपावैतब त्वचानागकेसरत्रिफलाय एलातजहौवेरत्रिकुटाय अजमोंदाजुकलौंजीठानै दोइजी- रेसैंचलमानै अमलवेततिंतिनीमिलावै पिपलामूलसंगपीसरलावै अर्धअर्धपलयहसभजान करमही नचूरणयहठान चारटांकगुटकाकरषावै गंडमालअर्बुदभगजावै अपचीग्रंथीहोवैनाश उरुस्तंभउदररो- गविनाश ॥ अथछुछुंधरीतैल ॥ चकचूंदरगहितैलपकावै ॥ मलेताहिगंडमालाजावै॥ इतिगंडमालाअ- पचीचिकित्सा ॥

॥ अथअर्बुदभेदलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ वातादिकजोदोषप्रकार सभअंगनमोंकरेविकार रक्तमांसमिलग्रंथबतावैं इस्थिरगोला- कारदिषावैं ऊपरसोंदीसैंसोमोटी मूलहुतैंभासतहैंछोटी बहुचिरकरवृद्धीसोंहोय थोहडीसीपीडाकरसोय सिंबलकेदाणेआकार चीरेप्रगटैंतासमंझार ऐसेंताकोरूपदिषावैं ताहिंरसोलीनरसभगावैं ताकेभेदकरों- सुवषान रक्तार्बुदमांसार्बुदजान वातपित्तकफमेदजमान अर्बुदसोषटविधहींजान अर्बुदरक्तमांसजो- जानो लक्षणतिनकेभिन्नसुमानो वातपित्तकफमेदजुकहै लक्षणतिन्हेसमानसुलहै

॥ अथअर्बुदगंडमालाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ अग्निक्रियाअरुक्रियाजुक्षार अर्बुदरोगमध्याहितकार लेपनबंधनाक्रियाजुजेती अर्बुदमोंहि- तकारीतेति

॥ अथवातजअर्बुदउपाय ॥

॥ चौपई ॥ एरवारुअवरहुंकरकारू नारयेलपुनप्यालसुडारू एरंडबीजचूर्णकरआन कूटदुग्धघृततै- लमिलान अग्निपकायसिद्धसोकरै उष्णउष्णबांधैरुजहरै इहउपायकरस्वेदकराय [illegible]जअर्बुदकोदु- खनशाय इहविधिवैद्यजुसुद्धकरावे पुनशृंगिकररुधिरछुडावे

॥ अथरक्तार्बुदलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ वातादिकजोदोषकोपजब रुधिरनाडिइकठौरकरैतब मांसपिंडउपजावैंसोय बधत- बधतक्रमसोंबढुहोय मांसांकुरताऊपरभासैं शीघ्रकुद्धताकोंपरकाशैं अल्पपकैंसोंअल्पहिंश्रावैं रुधिर- निरंतरसोप्रगटावै ताकोंरक्तार्बुदकरजान हैअसाध्ययोंकह्योनिदान

॥ अथरक्तजअर्बुदउपायचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जाकोंरक्तजअर्बुदलहियें तासउपायसुनोंयोंकहियें शृंगीसेतीरक्तनिकासै तबजहरक्तजअर्बुदनाश

अथपित्तजअर्बुदउपाय ॥

॥ चौपै ॥ पित्तजअर्बुदजाकोहोय रेचनकरवावैनरसोय स्नेहनकरउपनाहजुकरै कोमलपथ्यनिश्चय-मनधरै ॥ अथलेप ॥ चौपै ॥ उदंबरवृक्षशाकतरुजान गोजीवृक्षपुनहींपाहिचान इन्हवृक्षनकेपत्रपिसावै तिन्हकेमध्यमक्षीरमिलावै अर्बुदकोंउपरोंघसलेय तानंतरयहलेपकरेय पित्तजअर्बुदकाहोयनाश निश्च-यआनोमनमोंतास ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ चूरणसरजरसकाकरवावै प्रियंगूबकमलोध्रपीसावै अर्जनअ-वरमुलठमिलाय लेपकरैपित्तअर्बुदजाय

॥ अथकफजअर्बुदउपाय ॥

॥ लेपन ॥ चौपै ॥ अर्बुदकफजउपायसुनीजै प्रथमरक्ततातेंकडलीजै पाछेंविधिसोजतनकराय तांऊप-रयहलेपनभाय कबूतरकीविष्टामंगवावै लांगलिलोध्रकांस्यनीलिमिलावै समसभपीसैलेपलगाय ता-तेंकफअर्बुदामिटजाय ॥ अन्यच ॥ काकादेनीमूलीमूलीक्षार लेपकरैकफअर्बुदटार ॥ अन्यच ॥ निष्पा-वकुलत्थचूरणपिन्याक समसभकल्ककरेसुनवाक अर्बुदऊपरलेपनकरै वातिसकोमर्दनअनुसरै कफको-अर्बुदहोवैनाश तासउपायकियोपरकाश जोअर्बुदमोंक्रमपडजांहि तासउपायसुनोंयोंगाहिं अग्निक्रिया-अरुक्रियाजुक्ष्यार ताऊपरजानोहितकार अरुक्रमहरऔषधहैजोजो तासउपायलषोतुमसोसो ॥ इतिरक्तज अर्बुदचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथमांसार्बुदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रक्तक्षयेतैं मासमंझार उपजतमांसार्बुदजुविकार उपद्रवतैंपीलोरंगधरै शिलपषाणअ-चललषपरै मुष्टिप्रहारादिकसोंमास पीडतशोथकरैपरकाश पकैनांहिपुष्टहोयआवै पीडारहितसानिग्धल-षावै मांसभक्षणजहवहुतसुभाय वहुधाताकोंप्रगटैआय असअर्बुदसुअसाध्यकहावै अवरभेदयाकोदर्शावै

॥ अथमेदजअर्बुदउपाय ॥

अथलेप ॥ चौपई ॥ मेदजअर्बुदजिहप्रगटावै तासउपायसुनोंयोंगावै प्रथमस्नेहनस्वेदकराय पाछेतिस-कोरुधिरकढाय रजनीवकमलोध्रपुनआन अवरधुआंहामनासिलठान यहसमपीसमषीरमिलाय लेपनमेद-जअर्बुदजाय

॥ अथअध्यर्बुदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ यहअर्बुदजोश्रवणेलागै अरुकिसुमर्ममध्यसोजागै नासाद्वारादिकमोंहोय अध्यर्बुदकहि-यतहैसोय जोद्वेदोषनतैंप्रकटावै नामद्विरर्बुदसोऊकहावै जामोकफअधिकीलषपैये पकैसोनाहिहृदय-लषलैये जामोमेदअधिकजोहोय जानलहोपाकैनहिसोय ॥ दोहा ॥ गंडमालावरननकरीभेदनकेअनुसार प्रथमचिकित्साजोकरैताहिनहोंहिविकार ॥ इतिगंडमालादिरोगनिदानसमाप्तम् ॥

॥ अथशर्करार्बुदउपाय ॥

॥ चौपई ॥ शर्करार्बुदमोंयाहिउपाय क्रियाक्षारअग्नीसुखदाय पुनविष्णुक्रांतगोजीजुकनेर इसक्काथहिंव्रणधोयसुहेर जवधोवेव्रणसुद्ध जुजानै तवयहऔषधसमलेआनै त्रिफलापाठाअवरभिंडंगी अरुसंग कूटोवायाविडंगी तैलमिलायसिद्धसोकरै व्रणमोंतैलमलैरुजहरै

॥ अथसामान्यअर्बुदगंडमालाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ थोहरपत्रनकोदेसेक अर्बुदनाशैलषयहटेक ॥ अन्यच ॥ लवनकणीकोसेकदिवावै तौभीअर्बुदरुजामिटजावै ॥अन्यच ॥ सिक्केकोलेसेकाहिंदीजें यातेभीअर्बुदरुजछीजें ॥ अथलेपन ॥ चौपै ॥ मूलीअवरहरिद्रालेय दोनोऔषधभस्मकरेय शंखचूर्णइन्हसाथमिलाय लेपकीजियेअर्बुदजाय ॥ अन्यच ॥ थोहरकोरसमर्दनकरे थोहरपत्रऊपरबंधधरे अर्बुदपिटकाहोवैनाश निश्चयआनोमनमोताश ॥ अथबंधनं ॥ ॥ चौपै ॥ प्रथमहिलेमूलीपीसावै लवणतक्रकांजीसुमिलावै अर्बुदपरयहवस्त्रबंधाय अर्बुदरोगनाशहोइजाय ॥ अथलेपनं ॥ चौपै ॥ वटकोदुग्धतमालकुठलीजै इन्हतीनोकोलेपनकीजै ऊपरवटजटाकूटबंधावै अर्बुदरुजकोदुखमिटावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ शिग्रूनागरअवराविडंग पुनयवक्ष्यारपीसलेसंग किरलेरक्तहिसाथलिपाय अर्बुदरोगदूरहोइजाय ॥ अन्यच ॥ सर्षपयवमूलीकेवीज शिग्रुसरलपीसोसमलीज लेपकरेअर्बुदमिटजाय ग्रंथीगंडमालनरहाय ॥ अन्य ॥ लसुनसरलसुहांजणेवीज मूलीवीजलेहुसमकीज यवहयमारजुसंगामिलाय तक्रसेंलेपनअर्बुदजाय गंडमालग्रंथीहोइनाश बंगसेनमतकीनप्रकाश ॥दोहा ॥ चिकित्साहैगंडमालकीबंगसेनअनुसार चतुरवैद्ययहसमुझकैपुनकरहैउपचार ॥ इतिगंडमालाचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथगंडमालारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ गंडरोगवरननाकियेसोहैंबहुतप्रकार कह्योंतिन्हनकोवेउरोपथ्यापथ्यउचार ॥ दोहा ॥ गलगंडअवरगंडमालपुनअपचीग्रंथीजान पुनअर्बुदइन्हकेसभीपथ्यापथ्यसमान ॥अथपथ्यं ॥ चौपै ॥ रेचनछर्दअवरनसवार स्वेदनाडिशिरवेधाविचार तप्तसलाकादागदिवावै उस्तरेंसेतीपछकरावैलंघनलेपनजानसुजान पुरातनघृतकरवावैपान लालपुरातनचावलदेवे यवकोटामुगपथ्यधरेवे लालसुहांजणगुग्गुलुजानो पटोलकरेलेपथ्यपछानो वेतकूमलीपथ्यभनीजैं अवरशिलाजितजानपतीजैरुषीदींपनतीक्षणवस्तु यहसभपथ्यलहोपरसस्तु अरुगलगंडरोगमंझार जिव्हातलेनछेदनधार ॥ दोहा ॥ कहेपथ्यगंडरोगकेशास्त्रकेअनुसार इनतेआगेजोअपथसोकरहोंउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपै ॥ दुग्धसभीअरुदुग्धविकार तक्रमधूघृतदहीविचार इक्षुविकारगुडादिकजेते अपथ्यगंडरोगमोंतिते मधुरवस्तुगुरुवस्तुपछानो पिष्टअन्नअपथलखमानो जलजीवनकोजानोमास अम्वलसमस्तअपथलषतास ॥ दोहा पथ्यअपथ्यगंडरोगकेसभहीकीनउचार तजअपथ्यधरपथ्यकोंसमुझकरेउपचार ॥ दोहा ॥ गंडरोगवर्णनाकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैंपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिगंडरोगेपथ्यापथ्यअधिकार समाप्तम्.

॥ अथकर्मविपाकेगलगंडरोगदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

अथकारणम् ॥ चौपै ॥ जोहरलेयकंठकेभूषण तिंहगलगंडहोयसोदूषण ॥ अथउपाय ॥ चौपै ॥ तास-उपायकहौंसुनलीजै मूर्तपार्वतीस्वर्णकरिजैं तागलरत्नादिककीमाल पहिरावैहोईकेश्रद्धाल पूजैविप्रश्रेष्टकोदेवै गलगंडदोषतैंतवसुखलेवे दोहा ॥ गलगंडदोषकारणसभीभाष्योतांसउपाय स्वरविकारकेदोषकौंभाषौंसुनाचितलाय ॥ इतिगलगंडरोगदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथान्यप्रकारकंठमालारोगवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ रोगअंजीरहोतहैजाको फारसषनाजीरकहुताको हिंदीकंठमालहैजोई गिलटीसोजकंठमेहोई कारणमुख्यअजीरनजानो अतिस्निग्धअतिभोनमानो कंठहोतकंठमालाकहिये वगलहोतकछेआलीलहिये ऊपरगुदावध्रहैसोई वटांजलीअग्रभागपरहोई जाविधरोगअंजीरांजानो औषधएकसमानपछानो ऊपरअंगुलराखेकोई वलकरदेखेवाहरहोई वीजसरीहताहिमंगवावे सुहांजनछिलकातासंगपावे अवरकासनीछिलकालीजें पीसलेपकांजीसंगकीजें त्रिफलासुंठीमेलपिसावे दालचीनीसमभागमिलावे पीसमखीरमेलकरचाटे ताछिनकंठमालदुखकाटे अथवापाकवनावेकोई दोइवखतचाटेसुखहोई इकइकटंकप्रमानचटावे खुनाककंठसोजाहटजावे कर्नमूलकीपीडपछांनो ऐसेदोषदूरसभजांनो त्रिफलासुंठीमिघामंगावें इलाचीतजगजपिप्पलपावे जीराकृष्णश्वेतलेदोई समाकपित्तरजतांसंगहोई वावडिंगचित्रामंगवावे त्रायमाणपाठासंगपावे वीजफालसेयारपछांनो लूणइंद्रजौतासंगमांनो कृष्णलूणविडलूणजोहोई समुद्रलूणसंगमेलोसोई अजुआंइनवल्लजुआंइनआंनो भडिंगीहलदीसंगपछांनो दालानवडीसंगमेलोसोई दारुहलदरतागंसहोई सज्जीजौखारसंगपावे सारवानकंडूनासंगमिलावे धनिआंपुष्करमूलजोहोई तरसाव:फलखजूरकासोई अंमलवेदतवजसंगपावे लेसमऔषधपीसवनावे मखीरतींनगुणलीजोसोई करेचासऔषधसंगहोई दसमासेनितसेवनकरिए ताछिनकंठमालदुखहरिए सरीहवृक्षकाछिलकाल्यावे पन्हीजढसोसंगरलावे लोध्रनागकेसरसंगहोई लेपनीरसंगकरिएसोई तुंमाजढथोहरकल्यावे तिलकीनालताहुसंगपावे लेपनीरसंगकरिएसोई कंठमालदुखनासेहोई नक्षत्रज्येष्टामेंसूरजआवे रवीवारदिनयतनवनावे प्रातसूर्यमुखठाडाहोई सरपुंखाजढआंनेकोई कुमारीसूत्रसोइमंगवावे तासंगवांधगलेलटकावे करेतंत्रनिश्चाकरजांने कंठमालदुखदूरपछाने हडीऊठकीताजीलीजें रगडलेपताहूपरकीजें कंठमालदुखदूरहटावे निश्चैकरअतिहींसुखपावे जंगालनुसादरआंनोदोई निंवूरसमेपीसेकोई पछमारकरलेपचढावे कंठमालदुखदूरहटावे चचूंदरजीवमारकरल्यावे करेकवावसुकायरखावे लेतिलतैलपीसिएसोई करेलेपदुखनासेहोई सर्पमांसलेताहिसुकावे चूरनपीसमहीनवनावे करेगर्मजलकेसंगसोई लेपकरेदुखनासेहोई जेकरसतसतमासेखावे इकीदिनतकरोगहटावे स्थानअंजीरांपछकरावे पीससंखिआऊपरपावे ताकरमुखपकजावेसोई अंगुलसंगदवावेकोई गिलटीहोएसोवाहरआवे दंम्मुलषवयनऔषधल्यावे गोघृतमेलपीसिएसोई मलदनकरेशीघ्रसुखहोई निंवपत्रलेसागवनावे ऊपरवांधसीघ्रसुखपावे जेकरताहिछिद्रलखपावे संखिआघृतदिनआठलगावे जवतकभीतरखुर्कवखांने भीतरगर्मचीजलखमांने तवतकयतनकरेनरसोई घृतवत्तीसंगभीतरहोई संखिआघृतभीतरपहूचावे निश्चेकंठमालहटजावे पारानीलाथोथाल्यावे आमलेसारगंधकसंगपावे संखिआमेलभागसमदोई छेछेमा-

सेलीजोसोई तोलेचारतेलतिलल्यावे थोहररसनिंबूकापावे औषधपीसमेलिएसोई काचपात्रमेराखेकोई हिलावेखूबकार्यमेल्यावे तैलसंखित्रादोइहटावें इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांगलगंडगंडमालारोगकथनंनामत्रयोदसोऽधिकारः ॥ १३ ॥

॥ अथस्वरभेदरोगानिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ योंस्वरभेदनिदानकोंभाषौंभलेवनाय जैसेंभाष्योग्रंथमोंतैसेंकरसुखदाय ॥ चौपई ॥ स्वरभेदउत्पतश्रैसेंजानो श्रतिऊचेवोलनतैंमानो श्रत्युच्चवेदपडेनितजोय श्रतिवलछर्दकरेतदहोय कंठमध्यलष्टकाप्रहार तातेंभीयहहोतविकार कुप्तवातपितकफयहतीन स्वरवहनाडीचारजुचीन तिन्हेप्रवेशकरेतहतीन हननकरैस्वरलषोप्रवीन सोस्वरभेदजुषटपरकार ताकोविवरोकरोंउचार वातपित्तकफकरयहहोय सन्निपाततेंजानोसोय श्ररुक्षयधातुहुतेयोंजान मेदविकारहुतैंपुनमान ॥

॥ अथवातजस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखचक्षुमूत्रश्रवरविष्टाहू इयामरंगहोवतहैंताहू गर्धभकेसमशब्दवखानै वातहुतेस्वरभेदपछानै ॥

॥ अथस्वरभेदरोगाचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ स्वरभेदचिकित्साकहितहौंवंगसेनश्रनुसार याकोंसमुझपछानकेपुनकीजैउपचार ॥ श्रथघृत ॥ चौपई ॥ कासमर्दकभंगराकंडचारी इन्हकोरसलीजेसविचारी समत्रैरसघृतपायपकावै खायवातस्वरभेदामिटावै ॥ चौपई ॥ घृतगुडभातमिलायजुषावै ऊपरतेंजलउष्णपिलावै वातिकहोइस्वरभेदविनास वंगसैंनमतकीनप्रकास ॥

॥ अथपित्तकृतस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखनेत्रमूत्रविष्टाहैजोई पीत्तवरणहोइजावैसोई दाहयुक्तगलवचनउचारै पित्तकृतसोस्वरभेदानिहारै ॥

॥ अथपित्तकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ अथरेचनविधी ॥ चौपई ॥ दुग्धकढायमधुरकछुपावै तामोंरेचनवस्तुमिलावै पीवैरेंचकरावैजोय पित्तस्वरभेदनाशतवहोय ॥ अथश्रविलेह ॥ चौपई ॥ चूर्णपीसमुलठकरवावै मधुपुनपावैताहिचटावै होइस्वरभेदरोगकोनाश निश्चयनिजमनजानोतास ॥ अथशृंगाद्यंघृतं ॥ चौपई ॥ क्षीरीतरूत्वचापीसाय दुग्धमेलकरश्रग्निचढाय पीसमुलठीताहिरलाय ताकेसंगघृतसिद्धकराय घृतमधुमिसरीपायापिलावै याहीविधिघृतपानकरावै पितस्वरभेदउपायवषान्यो जैसेंग्रंथहुतेंलषमान्यो ॥

॥ अथकफकृतस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चैपई ॥ मुखचक्षुमूत्रविष्टायहचार स्वेतवरणलषयतसाविचार कफकरकंठरुक्योसोवोलै दिवसविशेषवोलेभूडोलै काहेदिनमोकफश्रधिकार वहुतनहोतकीनउच्चार ;

॥ अथकफकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ मवपीपलश्ररुपिपलामूल सुंठीमरचलेहुसमतूल गोक्रेगूतरसाथयहषावै कफजरोगस्वरभेदमिटावै ॥ अथश्रविलेह ॥ चौपई ॥ हरडश्रामलेश्ररुयवक्षार यहसमश्रग्निभूनकरडार मधुघृतपीसमेलजुचटावै कफकृतरुजस्वरभेदनसावै ।

॥ अथसन्निपातस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातापित्तकफचिन्हाजिंहलहिये सन्निपातस्वरभेदसकहिये सोस्वरभेदअसाध्यपछान निदानग्रंथमतकह्योसोमान ।

अथसन्निपातस्वरभेदचिकित्सा

अथक्काथ चौपई अगरदेवदारूकोंआन दालहलदसमलेहसुजान क्काथपकायजुप्पाधीपीवै रुजस्वरभेदनाशतवथीवै अन्पच चौपई लघुकंडयारिअरुसुरदार सुंठीवांसासमलेडार करेक्काथप्रातहिंउठपीवै रुजस्वरभेदनाशतवथीवै हरडचूर्ण हरडपीसकरचूर्णबनावै मघवासुंठमिलायजुषावै होइस्वरभेदनाशलषपाय नामहरडचूरणकहिगाय

अथधातुक्षयकृतस्वरभेदलक्षणं

चौपई होतधातुक्षयक्षीनपछानो तिहस्वरभेदहोतमनअनो धूमहुतेंभीहोवतजान योंस्वरभेदरोगपहिचान

॥ अथधातुक्षयकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

अथदुग्ध ॥ चौपै ॥ जिंहनशब्दउच्चनिकसाय ताकोसुनहोकह्योंउपाय मुलठपीसशरकरामिलावै अरुमधुपावैदुग्धपकावै सोंऊदूधनित्तजोंपीवै ऊचोंशब्दहतस्वरजोथीवै जोश्वासकासचिकित्साकही सोस्वरभेदमध्यलखसही.

॥ अथमेदकृतस्वरभेदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मेदमिंझकोंनामकहीजै तासविकारहुतेंलषलीजै कंठजुकफकरलिप्तलषावत त्रिषा वहुतहोइयोंलषपावत.

॥ अथमेदकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ अथाविलेह ॥ वदरिपत्रघृतमोंलेभून लवनमिलावेताकोचून नितप्रातहिंउठचाटैतास होइ स्वरभेदरोगकोनाश जाकोंहोयवृद्धरुजमेद सोजोउपजावैस्वरभेद तासचिकित्साकफकीठानै रोगजायव्याधीसुखमानै.

॥ अथसामान्यस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ त्रिकुटात्रिफलाअरुयवक्षार पलपलयहसमपीससुधार सेंधातैलमिलायजुषावै वातजरुजस्वरभेदमिटावै जोयहचाटैघृतमधुसंग होइस्वरभेदापित्तकृतभंग तालीसआदिलवंगआदिकर जवानसुंठसितोपलादिवर चूरणइनकोउदितमहान सुरभेदमाहिंश्रेष्टकरमान ॥ अन्यच ॥ वातजभोजनघृतसोंपान वृहतीरसयुतघृताहिप्रधान कफस्वरभेदमोहितहैयेह कटफलादिचूरणवरतेह पुनजवक्षारजवानीमान चित्राअमलघृतसिद्धप्रधान ॥ अन्यच ॥मयूरत्तितरदशमूलहिक्काथ कंडियारीत्र्यूषणविल्वहिसाथ इनकरक्काथवाघृतसिद्धहोय स्वरभेदमाहिश्रेष्टहैसोय ॥ अन्यच ॥ पित्तशतावरीचूर्णप्रमान वलाचूर्णसंगदुग्धप्रधान ॥ अन्यच ॥ दुग्धमुलठीघृतयुतपीवै पित्तस्वरभेदहननलिहथीवै मधुजकटुक्षारचाटैजोय रुजस्वरभेदकफजकोंषोय अवरस्रेष्टकठस्वरहोवै शब्दरागअलसयकरसोहै गलतालूजिव्हामंझार दंतमूलकफआश्रितधार ताहीकफकोवाह्यनिकाले स्वरप्र-

सन्नसोईंकरडाले अथव्याघ्रादिलेह चौपै लघुकंडयारीशतपलआनो पिपलामूलपंजाहपलठानो पंजी-पलचित्रालेपावै पंजीपलदशमूलमिलावै दोयद्रोणजलपायपकाय आढकशेषरहैतोछनाय आढकघृत-गुडपायपुराना पत्तपकावैपुरुषस्याना पुनमघअष्टपलपीसमिलावै त्रिजातकएकपलताहिरलावै इकपलमर चकुडवमधुसंग बलअनुसारसेवरुजभंग स्वरभेदकासपीनसअरुश्वास मंदाग्निअर्शगुल्मसुनिकास गल-ग्रहमूत्रकृच्छ्रपरमेह अवरअफारानाशैएह ॥ अथकाथघृत ॥ चौपै ॥ जोस्वरभेदरोगमंझार कासशोषक-रहैंसंचार कंडयारिकेकाथहिंवीच काथखरजूरहिंघृतलेसीच मंदअग्निघृतसोऊपकावै षावैशोषस्वर-कासमिटावै ॥ अथचवकादिगुटका ॥ चवकातिंतडीत्रिकुटापाय अमलवेतचित्रासमभाय वंश-लोचनजीरासंगलीजै त्रिसुगंधमेलगुडमर्दनकीजै वलनिहारगुटकासोषावै स्वरभेदअरुचपीनसकफजावै ॥ अथघृत ॥ कंडयारीलघुरसानिकसाय रहसणगोषुरुत्रिकुटापाय यहसमघृतमेपायपकावै षावैकासस्वर भेदनसावै हरीआर्द्रऔषदजोहोय कूटछानलीजेरससोय जोऔषदसूकीलषपावै ताकोरसइंहभांतकढावै अष्टगुणाजलपायपकाय अष्टमभागरहैतोछनाय हिक्काक्षईंश्वासअरुकास जोइन्हमोंकरिवस्तुप्रकाश तिंन्हमोकंठस्वरहितकरकही सोस्वरभेदरोगमोगही घृतमिलायसोऔषददेवै होइस्वरभेदनासलषलेवै इति-स्वरभेदचिकित्सासमाप्तं

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ क्षीणमांसक्षीणवलजोय वृद्धअवस्थप्रापतहोय अरुचिरकालकंठरुक्योजान जन्म-समयतेंलाग्योमान मेदवृद्धनाडीजिसरोके जोत्रिदोषतेंआकररोपै एतेसभस्वरभेदवषानै औहैंअसा ध्यसुलषोरपानै ॥ दोहा ॥ यहस्वरभेदनिदानहैसमुझलेहुमतसार समुझाचिकित्साजोकरैताकीहोयनद्दार स्वरभेदाचीकित्सायहकहीसमुझलेहुमतसार आगेयाकेपथअपथसुनहोकेराउचार

॥ अथस्वरभेदपथ्यापथ्यनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ स्वरभेदरोगकेपथअपथसभहीकहोंसुनाय जैसेवैद्यकग्रंथतेंसमुझेचित्तलगाय ॥ अथपथ्यं ॥

॥ चौपै ॥ वस्तीकर्मस्वेदपुनजानो धूम्रपानरेचनपुनमानो मुखधावनअरवमनपछानो नस्यअवलेहअव पीडनमानो विवधसनिगधनिगलनपरिमान तंडुललालयवकोटाजान शिरअरुमस्तकरुध्रनिकासे मदरा-भषडापथ्यप्रकाशे कुक्कटमोरमासरसलेवै वालमूलिकाजामनसेवै काचमाचीजिवंतीलही कपि-त्थशालूककंदपुनसही ॥ दोहा ॥ हिक्काश्वासअरुकासकेजेऊअपथ्यवषान तेअपथ्यस्वरभेदकेजा-नोपुरषसुजान ॥ इतिपथ्यापपथ्यं ॥ दोहा ॥ स्वरभेदरोगवरननाकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकि-त्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्रीस्वरभेदरोगसमाप्तं ॥

॥ अथकर्मविपाकस्वरभंगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोविष्णुकथामोंगर्वअनुसार विघ्नकरैमतमंदगवार अरुअपनोपांडित्य जनावै इसपापहिंस्वरभंगादिखावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ विधिवतपुस्तकपूजवनाय दानदेयविप्र-हिंहितलाय स्वरभंगदोषतैंमुक्तीहोय निश्चयमनमोंजानोसोय ॥ दोहा ॥ स्वरभंगदोषवरननाकियोकारण-सहितउपाय छर्ददोषवर्ननकरोसुनहोमनचितलाय ॥ इतिस्वरभंगदोषकारणउपायसमाप्तं ॥

॥ अथस्वरभंगज्योतिष ॥

कर्कमाहिमंगलपडेतांपरदृष्टिशनी स्वरभेदहोइतानरहिकोनिश्चैजानधनी मंगलशनिकीपूजनाहरैकंठकी-हान श्रेष्टउपायतिहजानकैकरेविचारमहान ॥ इतिज्योतिषम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायां स्वरभेदाऽधिकारकथननामचतुर्दशोऽधिकारः ॥ १४ ॥

॥ अथछर्दरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ छर्दनामडाकोलहोताकोकहोनिदान वैद्यकग्रंथनमेंकह्योसोलखलेहुसुजान ॥ चौपई ॥ छर्दरोगकोसुनोप्रकार एतनसोंसोहोतविकार वातपित्तकफअवरत्रिदोष छर्दकरैंनरलहैनतोष अवरप्रकारसुनोंतुमसोय इन्हवस्तुनतैभीसोहोय भ्रष्ठवस्तुदेषेजोकोई अरुनिषिद्धगंधीलखसोई अरुनिषिद्धमापीतैंआद तिसभोजनतैंहोतविषाद अरुविकृतजोवस्तुनिहारे छर्दहोतयहनिश्चयधारे अतिनिषद्धभोजनजोषावै अतिसनिग्धषावैदुखपावै अरुजोहृदयरुचैहैनाहीं तिन्हकोभक्षणछर्दकराही लवनपानजोऊनरकरै तापरछर्दवहुतवलधरै अतिभोजनजोकरैअकाल छर्दहोयतिहकरैविहाल अरुजोकोऊवहुश्रमपावै मनउद्वेगजासकोंथावै अवरअजीरणतैंभीजानो क्रमकेदोषहुतेंभीमानो जोअतिशीघ्रहिंभोजनकरै अतिदौडितितैंभीउचरै गर्भसहितजवउस्त्रीहोय छर्दतिसेअवजानोसोय ॥ अथछर्दपूर्वरूपमाह ॥ ॥ चौपै ॥ जिसेछर्दहोनेपरआवै एतेलक्षणप्रथमलषावै मुखविकृतअंगभंगकरावत रुकेडिकारविमनहोइजावत तुरतहिंमुखतेंजलचलआवत अवरसलूणामुखहोइजावत अन्नपानमोंउपजैद्वेष प्रथमछर्देतेंलषोविशेष.

॥ अथवातकृतछर्दलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ हृदयपार्श्वमोपीडाहोय मुखसूकैशिरमोंदुखजोय नाभिविषैभीपीडाथावै वडेशब्दजुउडाकीआवै कष्टसाहितजोडाकीकरै अल्पअन्नवाहिरसंचरै कासज्वरमुखफेनचलावत कखायवमनवातछर्दकहावत

॥ अथवातछर्दचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ कहोचिकित्साछर्दकीग्रंथनकेअनुसार रोगनिवारेदेहतेंकरैजुसमुझविचार ॥ घृतपानविधिः ॥ चौपई ॥ सेंधासहितकरैघृतपान होईहैवातछर्दकीहान अथवातीनोलवणमिलाय घृतकोंपीवैछर्दनसाय अथवात्रिकुटाघृतकेसंग पीवैवातछर्दहोईभंग मुंगआमलेसमकरकाथ सलवणपीजियेघृतकेसाथ वातछर्दकोहोवैनाश निश्चयमनकीजैविस्वास ॥ अथदुग्धपानं ॥ चौपै जेऊदुग्धअजागोहोय तेताहीजलताहिसमोय ऐसेंदुग्धकरैजोपान होइहैवातछर्दकीहान ॥ अथकाथयवागू ॥ चौपै ॥ पंचमूलकोकीजेंकाथ मेलयवागूताकेसाथ मधुमिलायकरताकोंपीवै नाशवातछर्दकोंथीवै ॥ अन्यच ॥ ॥ काथ ॥ चौपै ॥ धनीयांसुंठअवरदशमूल करैकाथसभलेसमतूल इसकाथहिंकोंपीवैजोय नाशवातछर्दकोहोय घृतवादुग्धदशमूलसोंसिद्ध वातछर्दमोंलहैप्रसिद्ध अन्यच शिखितित्तरवर्तकीरसमास वातछर्दमोंअष्टलषतास ॥ अन्यच ॥ मुनक्कामधुसंयुक्तचटाय अतीछर्दकोदूरकराय

॥ अथपित्तकृतछर्दलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ मूर्छात्रिषाभ्रममस्तकतास तालूनेत्रंसतापप्रकास छर्दतसनिकसेदुखदाई मुखसोषदाहकटुधूमदिखाई पीतहरितलालरंगजान ऐसीछर्दहोयपितमान

॥ अथपित्तछर्दचिकित्सा ॥

॥ अथयवागू ॥ चौपै ॥ लाजामसरमुंगयवपाय यवागूसमयहलेहुपकाय मधुमिलायकरषावैसोय नाशपित्तछर्दकोहोय ॥ अथमृत्तकाजलपानविधि ॥ चौपै ॥ त्रिषावहुतजिहछर्दहिंहोय तासउपायकहोसुन-

सोय चिकनीढीमभृतकाल्यावै ताकोंअग्नीमध्यपकावै तातभईसोजानैजवै जलमोंडारदेयसोतवै त्रिषाछर्दकोंजलसुपिलाय त्रिषासहितपितछर्दमिटाय ॥ अथरसपान ॥ चौपै ॥ धात्रीफलकोरसनिकसावै चंदनमधूमिलायपिलावै पितछर्दकोहोइहैनाश निश्चयमनमोकरिएतास ॥ अथचूरण ॥ चौपै ॥ चंदनतगरकमलकोभेह वलावांसाइहसमकरलेह यहसमचूर्णमधूसुमिलाय तंडुलजजसोंपीदुखजाय अथअविलेह ॥ चौपई ॥ मुंगभूनलाजासोमलीजै मधुमिसरीताकेसंगकीजै चाटैछर्दपित्तकीजाय त्रिषादाहअतिसारनसाय ॥ अन्यच ॥ कमलवीजलाजामधुएला मिसरीसमकीजोइकमेला चाटेताहिछर्दपितजाय सुखउपजेतनदोखमिटाय ॥ क्वाथः ॥ पित्तपापडेकोकरक्वाथ मधुतामोकीजैइकसाथ पीवैछर्दपित्तज्वरनाशे रुजाविनहोवैसुखपरकाशे ॥ अविलेह ॥ चौपै ॥ केवलहरडचूरणमधुसंग चाटेपित्तछर्दहोइभंग ॥ क्वाथ ॥ चौपै ॥ त्रिफलानिंवगिलोयपटोल यहलीजेसभहीसमतोल मधुमिलायकरपीवेजोय नाशछर्दपित्तकोहोय ॥ अविलेह ॥ मधुचंदनमिसरीसमपाय चाटैपित्तछर्दमिटजाय ॥ अन्यच ॥ लाजामधुघृतसंगमिलावै चाटैपित्तछर्दमिटजावे

॥ अथकफकृतछर्दलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तंद्रामुखमीठापहिचानो मुखतेंकफनिकलेयोंमानो होयअरुचगौरवताहोय रोमउठेंतनमोंदुषसोय सघनसनिग्धमधुरजोअन्न छर्दकरैजोकफकरजन्न थोहडीसीपीडाभीहोय कफकृतलक्षणजानोसोय.

॥ अथकफछर्दचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिव्याधहिंवमनकरावै पाछेंतेऔषदअचवावै ॥ अथअविलेह ॥ समलेत्रिफलासुंठविडंग नितचाटैइहमधुकेसंग कफकीछर्दनाशयहकरे यहनिश्चैअपनेमनधरे ॥ अन्यच ॥ ककडशृंगिजवांहामुत्थर मधुसोंचाटैछर्दकफकीहर.

॥ अथसन्निपातत्रिदोषजछर्दलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शूलअरुचविपाकअरुदाह त्रिषाश्वासमोहउपजाह अन्नसलूणाअमलनिकासै नीलारक्तवरणपरकासै सघनउष्णवमनजोआवै त्रिदोषजलक्षणऐसेगावै.

॥ अथत्रिदोषजछर्दाचिकित्सा ॥

पाणा ॥ चौपई ॥ धात्रीफलपलशरकरापछान लाख्यामधुइकपललेठान कुडवएकजलपायपिसावै वस्त्रछानकरतहिपिलावै त्रिदोषजच्छर्दहोयतवनाश निश्चयकीजेंमनमोतास ॥ अन्यच ॥ मसरनकेसत्तूवनवावै मधुरलायदाडिमजलपावै जाकोंरोगीपीवैजोय छर्दत्रिदोषनाशतवहोय ॥ अथक्वाथ ॥ विल्वगिलोयसमक्वाथसुधार तामोलीजैमाष्पोंडार व्याधीयाकोंपीवैजोय नाशेंछर्दत्रिदोषजहोय ॥ अविलेह ॥ चौपई ॥ एलालाजामुथप्रियंगु वेरगिरीसुंठीजुलवंगु चंदनगजकेसरमघसमपाय चूरणपीसेसितारलाय मधुमिलायकरचाटैसोय नाशत्रिदोषछर्दकोहोय ॥ अथसाधारणविधिः ॥ अविलेह ॥ चौपई ॥ वेरगिरीमघसुंठमंगावै लाजात्रिफलासमलषपावै मधुधात्रिफलरसकेसंग चाटेहोयछर्दकोभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वेरगिरसुरमाप्रियंगूतास मुत्थमखीरचाटदुखनास ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटाएलापत्र-

त्रतलीस दालाचीनीसमयहलेपीस मधुमिलायकरकोंईचाटै छर्दव्याधसभविधिकीकाटै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ वेरगिरीधात्रिफलगीरी स्वर्णमषीमधुसमधरमिसरी पुनविडलवणमिलावैतास चाटैहोय-छर्दरुजनाश ॥ अन्यच ॥ मघचूरणमधुसंगामिलाय तंडूलजलयुतछर्दमिटाय ॥ अन्यच ॥ लाजाम-घमरिचसमआन कपित्थमषीरजुकरोमिलान रोगीहितकरचाटैतास होइहैछर्दरोगकोनाश ॥ अ-न्यच ॥ हरडेंत्रिकुटाधनीयांजान जीरासममधुकरोमिलान चाटैव्याधीनितउठयाहि छर्दरोगतासोंभ-गजाहि ॥ अन्यच ॥ हरडेंमरचांमघांगिलोय सममधुचाटैछर्दरुजषोय ॥ अन्यच ॥ मनछलत्रिकुटाला-जाठान कपित्थआमलेरससमजान मधुमिलायकरचाटैसोय छर्दरोगनाशतवहोय ॥ अथभस्मजल ॥ ॥ चौपई ॥ अश्वत्थत्वचाकोंसोजलपीवै तुरतहिंनाशछर्दकोथीवै ॥ अथरस ॥ कपित्थअवरधात्रीरसलीजै मरचमघांमधुपाकरपीजै ततक्षिणहोयछर्दकोनाश रोगीकेमनहोयहुलास ॥ अथअविलेह ॥ सौंचलमर-चमघजीराठान मधुसोंचाठैछर्दकीहान ॥ अन्यच ॥ विजौरेकेरसमधुजुमिलावै लाजामिसरीमघां-रलावै याकोंचाटैरुजीनिहार छर्ददूरहोइसकलप्रकार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मघमरिचलाजासिताल-हीजै मधुसंयुक्तसुप्रभातकरीजै रोगीचाटैतासोंजोय नासछर्दरोगसभहोय कपित्थाहुकोरसलेततकाल अवरविजोरेकोरसघाल चाटैछर्दरोगकोंटाल रोगकोपतजहोयानिहाल ॥ अन्यच ॥ माषीविष्टाधनीयां-चित्रा वेरगिरीद्राक्ष्यासममित्रा मधुमिलायकरचाटैजोय नाशछर्दरोगकोहोय अथक्वाथः ॥ चौपई ॥ आंबगिरीविलगिरीपछान समयहलेकरक्वाथसुजान मिसरीमाप्पोंसंगमिलावै छर्दअव-रअतीसारमिटावै ॥ अन्यच ॥ जंवूअवपत्रसमआने क्वाथकरैपुनशीतलठानै लाजाचूरणमधुसुमिलावै पीवैछर्दअतीसारनसावै ॥ अन्यच ॥ घृत ॥ पद्मगिलोयनिंबलषलीजै धनीयांचंदनइकसमकीजै क्वा-थकरैघृतताहिपकावै षांवैछर्दत्रिषामिटजावै दाहअरुचकरहैयहनाश रोगीहोइअरोगहुलास

॥ आगंतुजछर्दलक्षणं ॥

पूयमेध्यादिदर्शनजान दुर्गंधस्वादतेंदूजीमान गर्भयुतइस्त्रीतीसरकहिये अतीर्णभोजनचौथीलहिये क्रुमुमक्षीभक्षनतेहोय आगंतुजपंचविधजानोसोय तिनकेलक्षणएकसमान क्रुमतेंउपजेभेदपछान शूल-अवरहृल्लासबहुहोय क्रुमदूदरोगलक्षणयहसोय

॥ अथमाषीभक्षणादिगिलानदिकीछर्दकीचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ माषीभक्षणादिजुगिलान तातेंउपजैछर्दसुजान हृदिरोचिकवस्तूदेतास होयागिलानछ-र्दकोनाश स[illegible]इस्त्रीछर्दचिकित्सा ॥ चौपै ॥ इस्त्रीगर्भसहितहोयजोय तातेंछर्दताहिकोंहोय वांछित-वस्तूताहिषुलावै तातैछर्दकष्टमिटजावै

॥ अथविरुद्धभोजनादिछर्दचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जिहअहिताविरुद्धभोजनतेंजानै तासचिकित्साइहविधिठानै लंघनअवरवमनकरवावै ता-तेंछर्दकष्टमिटजावै जाकोंक्रुमतेंछर्दजनावत तासचिकित्साइहविधिगावत कहीचिकित्साजोक्रुमरोग सो-ऊचिकित्साहैतिसयोग

॥ अथत्रिषाछर्दचिकित्साकाथ ॥

॥ चौपै ॥ फलगूपत्रमरचजुमुलठ नीलोत्पलसमकरोइकठ क्राथकरैमधुयुक्तपिलावै छर्दत्रिषाता कीमिटजावै अथवायाहीविनावेकाथ पीजैलाजाचूरणसाथ ॥ अन्यच ॥ स्वर्णरजितवासिकालीजै वा लोहाअग्नितत्ताकीजै जलभीतरतिसलेयवुझाय सोजलरोगीपानकराय तिसतेंछर्दजुहोतविनास निश्च यजानोमनमोतास ॥ अन्यच ॥ जंबूआंवदोऊसमलेय मधुमिलायक्राथयहदेय त्रिषाछर्दहोवैतव, नाश निश्चयमनमोआनोतास गलीजवस्तुसेछर्दजुहोइ श्वादिकवस्तुदिखावैसोई आमहुसेजोछर्दप्रग. टाय लंघनसेनिश्चैकरजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ वटकीजटालोध्रपुनआन दाडिमअरुमुल ठसमठान मधुमिलाययहचूरणकीजै तंडुलजलसोंयाकोंपीजै त्रिषाछर्दकीहोवेनाश वंगसेनमतकी- नप्रकाश ॥ अन्यउपाय ॥ रक्तशालिकोभातवनावे मधूसितातांकेसाथरलावे षावैत्रिषाछर्दमिटजा. य ग्रंथकारमतदियोवताय ॥ अथवाघृतशतावरीपीवै दुखजावैतनकोसुखथीवै अथअवि, लेह चौपई एलाकमलवीजमर्चपीपर गजकेसरचंदनलाजाधर वेरगिरिसुंठीजुलवंग मुस्थरमिशरीले. हुविडंग सभसमपीसेमधुजुमिलाय चाटेछर्दसकलमिटजाय दोहा छर्दचिकित्सायहकहीवंगसेनअनु. सार आगेयाकोपथअपथभाषैंभलैविचार इतिछर्दरोगचिकित्सा समाप्तं

॥ अथअसाध्यछर्दलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसधातुकरक्षीणजुकोई छर्दउपद्रवसहितसुहोई पूयरक्तसंगवमनजुहोय ताहिअसा ध्यलखैसभकोय १ चंद्रकांतानामतिसमानो सोअसाध्यछर्दीपहिचानो जोछर्दनिरुपद्रवहोय ताकोयत्न करेसभकोय ॥ अथछर्दमोंउपद्रव ॥ चौपै ॥ षांसीज्वरहिड्कीहृदरोग विमनचित्तात्रिष्णासंयोग त मकश्वासजोपाछैंकह्यो छर्दउपद्रवइंहविधिलह्यो ॥ दोहा ॥ छर्दनिदानवरननकियोवैद्यकर्तेलषलीन समझचिकित्साजोकरेसोहैपुरुषप्रवीन ॥

॥ अथछर्दरोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥दोहरा ॥ छर्दरोगकोकहितहोपथ्यापथअधिकार करैवैद्ययहसमुझकैव्याधीकोउपचार अथपथ्य अ, डिल्यछंद लंघनरेचनछर्दभलीविधिजानिये क्षुधाहोयतौफुल्लीमांडपछानिये अथवाशालीसठीचावलआनीये चावलहोंहिपुरातनमुंगप्रमानिये यवकोटापुनकणकपुरातनलीजिये यहसभभाषिपथ्यअवरसुनकीजीये मा; घ्योमिसरीधनीयांहरडअनारजो ऋत्तप्रमानहितवस्तुसदाहितकारजो नानामनहरवस्तुसुगंधीरसजिते पाकेमीठे आंवअन्नहितकरतिते मरवावासानिंवद्राक्षपुनजानहो गजकेसरजुविजोराहितजलप. रजो अवरहुंपक्ककपित्थ चंद्रकीचंद्रका इत्यादिकवहुपथ्यत्यागवहुतंद्रका जलसिंचतसोचायचीकनीमृत्तका [illegible]नआदिसुगंधम नोहरचित्तका पुष्पसुगंधीहेतपीतफलदेषना भोजनांतमुखशीतलजलकोसेचना नीरसुगंधगुलाववदनपुरवर षनो तीतरलवावटेरमासरसहर्षनो ससाअवरवनपक्षीमासपथजानिये शब्दस्पर्शरसरूपसगंधपछानीये जवसुतीनपरिमानसुऊपरनाभिरे ततशस्त्रसोदेहुताहुपरदाघरे ॥दोहा ॥ पथ्यकहेयहछर्दकेसमझोवैद्यसुजान आगेछर्दअपथ्यसुनतिन्हकोंकरोंवखांन॥ अथअपथ्यं अडिलछंद॥ वस्तीकर्मनसवारुधकोमोक्षनो दातनतै- लाभ्यंगकंदूरिफलसुनो फलफूलव्यायामसुसर्षपरुचकरे अन्नपानसत्अपथ्यजुनिजाहितनाधरे दोहा भाष यहअधिकारकेपथ्यापथ्यवषान पथ्यगहेत्यागेअपथताकोहोयनहान इतिछर्दरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्त

॥ अथछर्दरोगकर्मविपाकहेतूउपाय ॥

॥ चौपई ॥ नित्यकर्मकियोविनजोय भोजनकरेछर्दतवहोय ताकोंकहोंउपायसुनाय सोसमझोअपनेचितलाय ॥ अथउपाय ॥ अमावास्याअथवासंक्रांती इनपर्वणकोंकराचितसांती सुंदरभोजनविप्रनदेय याहिदोषतेंमुक्तिलहेय इतिकर्मउपाय ॥ दोहरा ॥ छर्दरोगवरणनकियो कारणसाहितउपाय अरोचिकआगेकहितहुं सोसुनियेचितलाय

॥ अथज्योतिषउपाय ॥

जोचंदहिचरजन्ममोवुद्धपडैमोआय सोनरजानोमूढमतछर्दताहिप्रघटाय चंदवुद्धकाजपकरेविधिसंयुक्तप्रमान व्याधिक्लेशछर्दरोगकीहोतअवश्यकरहान इतिज्योतिष

अथान्यप्रकारवमनरोगकथनं

॥ चौपै ॥वमनकुलेदछर्दपहचानो फारसीकयनामासोजांनो अतिभोजनअतिलूणजोहोई मखीवालदुर्गंधिजोई इनकरवमनहोतपहचानो अथवावातपित्तकफजानो जाकारनकरछरदीहोई वमनसंगकरवाहिरसोई जेकरवमनवाततेजानो ताहियतनऐसाहितमांनो वहेडामासेसातमंगावे मधूमेलचटनीकरखावे तवासीरडिडतोलाल्याय चौदांमासेमवसंगपाय सुंठीसोदसमासेलीजे मासेसातमचेसंगदीजे ॥ लाचीहिंदीसाजजआंनो तमालपत्रगजकेसरठांनो नागरमोथाचंदनपावे वावडिंगमघदाखमिलावे दसादसमासेआनोसोई चूरनपीससेवसुखहोइ मासेसातनीरसंगखावे छर्दीरोगताहिहटयावे मुलठीमहुआकाष्टमंगाय गाजरवीजरूंमीछडपाय साडेत्रैत्रैमासेहोई मधूमेलचटनीहितसोई जेकरछर्दीपित्तजहोई ताहियतनआगेसुनसोई वावडिंगत्रिकुटामंगवावे कालालूणताहिसंगपावे लेसमपीसमधूयुतहोई चटनीसेवदोषहरसोई अगुरइलाचीसुठमंगावे दारचीनीगजकेसरपावे हसीडतमालपत्रसंगहोई सतसतमासेलीजोसोई मधूमेलदसमासेचाटे छार्दरोगताहीछिनकाटे जैफललौंगदोईमंगवावे साडेत्रैत्रैमासेपावे इलाचीदोमासेसंगपाय चूरनकरमधुसंगचटाय अथवाजैफलएकमंगावे मधूमेलचटनीकरखावे ॥ जेकरवमनरुधिरकेजांनो ताहियतनऐसाहितमांनो वांसारसमधुसंगमिलाय चाटेरुधिरवमनहटजाय अथवागर्दभदूधपिलावे वमनरुधिरकेसीघ्रहटावे ॥ मुलठीचंदनमुथरआंनो पन्हीजढजौआटामांनो लेसमपीसमधूसंगपावे दसमासेचटनीकरखावे जूहीजढअरुपुष्पमंगावे पडोलपत्रताहीसंगपावे छिलकानिंवमोलिएसोई चंदनलालताहुसंगहोई सतसतमासेक्काथवनावे चारसेरजलपायपकावे आधसेरजवहींरहजाय मिसरीमासेसातल्लाय पीवेप्रातपालकरवावे वमनरोगनिश्चेहटजावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांवमनरोगकथनंनामपंचदशोऽधिकारः ॥ १५ ॥

॥ अथअरोचिकरोगनिदाननिरूपनं ॥

॥ दोहा ॥ निदानअरोचिककाकहौंसुनहोपुरुषसुजान जैसेंभाष्योशास्त्रमौंतैसेंकरौंवषान चौपई रोगअरोचिकपांचप्रकार जिव्हाहृदआश्रयसुविकार वातपित्तकफअवरत्रिदोष मनसंतापपंचमलहुघोष पांचभेदवैद्यकजुवषानै अवरभेदभीकहितस्यानै अतिभयशोकहुतैंभीहोय अतिहीलोभक्रोधतेंसोय

॥ अथसामान्यविधिः ॥

॥ चौपई ॥रोगअरोचिकपांचप्रकार तिसकोसुनहोयोंउपचार वातविकारहुतेंप्रगटावै तापरवस्तीकर्मकरावै जोयहरोगापित्तकरहोय रेचनतापरभाषैजोय कफकरजोयहरुजलषपावै तिहरोगीकोवमनकरावे मनसंतापहुतेंहोइसोय ताकौंहर्षणतैंसुखहोय अन्नादिकजाकेमुखपावैं स्वादनआवैनाउसभावै ताकोनामअरोचिकगायो वंगसेनयोंप्रगटसुनायो मनकरअत्तीचिंतनकेसमै अरुनेत्रनकरदेषनसमै अरुकानोकेसुनणेकाल अन्नसाथकैरदोषविशाल भक्तद्वेषसुअरोचिकजान यहीनामताकोलषमान जोभोजनकीश्रद्धाहोवै षायनसकैरुचत्रासभजोवै भक्तछंदसुअरोकमान असेंग्रंथककौनवषान

॥ अथवातकृतलक्षणं ॥

॥ चौपई वातहुतेंषाटेहोइदांत वदनकसेलालषोवृतात ॥ दोहा ॥ सुनोचिकित्सारुजअरुचकीभाषौंभलेंवनाय जैसेंवैद्यकग्रंथमौंतैसेंदेहुंसुनाय

॥ अथवातजअरोचिकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमवरचसंगवमनकरावै पाछेतेऔषधअचवावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ वायविडंगअवरयवक्ष्यार रीऊंदरहसनएलाडार हिंगुभिडंगीमघसुंठीजान सैंधालवणचूर्णसमठान घृतसोंवातमोदकसंग वामदिरासैंपीरुजभंग वातअरोचिकहोवेनाश रुचिउपजैमनहोतहुलास

॥ अथपित्तकृतलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पित्तहुतेंमुखकोडाहोय अवरसलूनारसविनसोय अंवलमुखदुर्गंधीजास पित्तअरोचिकजानोतास.

॥ अथपित्तअरोचिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मुलठअवरगुडजलजुपिलाय प्रथमहिंएंसेंवमनकराय पाछेंमें वामिसरीजान वासलवणघृतकरहैपान पित्तअरोचिककोहोइघात निश्चैसमुझलेहुयहवात.

॥ अथकफकृतलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफकरवदनमधुरताधारैं भारीशीतलमुखजुनिहारैं कफसौंलिप्तसदामुखरहै वांध्योसोमुखअपनालहै सन्निपातकोभेदपछान सभत्रिदोषलक्षनयुतमान.

॥अथकफअरोचिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमवमननिंवजलसंग करववावैदेऔषधचंग भिन्नभिन्नसुनहोउपचार देअयवायण क्राथसुधार अम्लतासमधुसंगरलावे वामधुमरचमिलायचटावै अथवाधूम्रपानकरवावै तातेंकफजअ

रोचिकजावै दांतनादिसोंमुखशुद्धकरै मनप्रसंनजलपानसुधरैं आश्वाशनवहरहर्षवढाय अरोचिकरोग-ताहिमिटजाय अथवाकुठवासौंचलजानो मिसरीमरचवाधनियांमानो वाआद्रकरसमधुजुमिलाय एलावामिसरीसंगषाय भिन्नाभिन्नयहसेवनकरै रोगअरोचिकतातैंहरै.

॥ अथआगंतुकलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शोकभयादिकपाछेकहै आगंतुकताहीकरलहैं कोइकग्रंथकारयोंआषैं वातहुतैंहृदिपी-डाभाषैं दाहतृषामुखशोथादिखावै ऐसैंग्रंथनिदानवतावै क्षुधाउदरमौंरहैअपार मुखसैंनाहिंचलैकलुसार शोकअरुचकाकारनजान चर्कग्रंथमतकीनवषान॥ अरुचिकाश्वरूप ॥ मुखपायैंअन्नस्वादनहिंआवैं जा-नलेहुअरुचीप्रग्रटावै भोजनकीजोचिंताकरै देषतअन्नअरुचिवहुधरे भक्तद्वेषअन्नतिसजान वागभट्ट-सौंकीनवषान औरभेदऐसाइकजाने पित्तविकारहुतैंयोंमाने कफतैंमुखसौंकफानिकसावैं मोहहुतैंजडता-नरपावै-

॥ अथभक्तद्वेषकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ सिंधुलौनआद्रकमुखपाय क्षुधाजीभहृदयशुद्धकराय ॥ अन्यच ॥ मधुआद्रकरसमेल-पिलाय अरुचीस्वासकासमिटजाय ॥ अन्यच ॥ पक्कीइम्लिरसलेहुनिकार तामोंमिसरीलाचीडार लवंगभीमसैनीकर्पूर सेवनकरैअरोचिकदूर इम्लीरससौंकुरलीकरै तौभीअरुचीशोककीहरै ॥ दोहा ॥ निदानअरोचिककी कह्योदेषग्रंथपरकार कहीचिकित्सातासकीसोलीजैउरधार.

॥ अथअन्यप्रकार ॥

॥ चौपई ॥ कुठसौंचलजलवत्रिभंगाय शरकरमरचविडंगजुभाय पुनधनियांएलापद्मकआन उशी-रमलचंदनउत्पलठान पुनलोधरतेजवतीत्रिकुटाय हरडयवक्षारसुसंगमिलाय पुनआद्रकदाडिमरसलीजै जीराशर्करासंगमिलीजै तैलमधूयुतकवलग्रहधार वातपित्तकफइनतैटार सन्निपातअरोचिकनासै ग्रंथ-कारमतज्योतिप्रकासै ॥ दालचीनीमुत्थरधनियांल्पावै आवलेसमकरस्वछवनावै प्रथमएहविधमुत्थरल्पा-य आवलेदालचीनीमुखनाय दालइलददालचीनीदोय जवयुततीजोविदसंजोय मघांतेजवंतीसुविचार-चौथाक्रमयहजोगसुधार जवानातैंतडीयाहिसुलहै पंचमुखधावननामसुकहै इनकोक्काथताहिमुखधोय गुटकाकरमुखमैधरसोय जलआदीसंगकवलग्रहकरै येतैरोगनिश्चैपारिहरै वुद्धिविस्तीरणकरणेहार संपूरणअ-रोचकहोतनिवार [illegible]साजिसवस्तऊपरमनजावै सोसोवस्तूदानकरावै यहभीजानोवडाउपचार नाशअरुचिरुचहोय[illegible]ार ॥ अगुटका ॥ चौपै ॥ दाडिमपीसगुडसंगमिलावै मुखमैंसोंगुटकाधरवावै होयअरोचिकरोगविनास रुचउपजैनिश्चयलषतास ॥ अन्यचगुटका ॥ चौपई ॥ अठारांवीजसुहांज-णपीस दसमरचांमघमेलोवीस आद्रकपलपलगुडजुमिलाय तीनप्रस्थकांजीसंगपाय पलविडलव-णताहिसंगदीजै अग्निपकायसुगुटकाकीजै नितप्रतिमुखमैंराषेतास रोगअरोचिकहोवैनास ॥ अथदा-डिमादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ दाडिमदोइपललेपीसावे. पलपलसुंठमरचमघपावै इकपलत्रीसुगंधसम-लीज षंडअष्टपलचूरणकीज नितप्रतिउठयहचूरणषावै अरुचपीनसज्वरकासमिटावै ॥ अथषांड-वचूर्ण ॥ चौपई ॥ इकसतमघमरचांसतदोय सिताचारपलताहिसजोय धनीयांसुंठएलाअरुजीरा दालचीनीसैंचलल्लेवीरा अर्धअर्धकर्षयहठांन कंकोलजवायणदाडिममान अमलवेतइल्मीसंगदीजै क-

षकर्षपरिमाणलहीजै चूरणनित्ययथावलषावै अरोचिकलिफहृदरोगमिटावै ग्रहणीशूलषांसीजुअफार- इन्हकोंनाशैनिश्चैधार ॥ अथमहाषांडवचूर्ण ॥ चौपई ॥ तालीसपत्रचवकमरचाय नागकेसरसैंधा- समभाय पुनमघपीपलपीपलमूर तिंताडिचित्राजीरापूर वंसलोचनवहेडातिंहठान दुगुणदुगुणइन्ह- कापरमान पुनवदरीफलचूरणलहिये एलानागरसुथरगहिये अजमोदअमलवेतधनीयांमान त्रिग- णात्रिगुणइन्हकापरिमान दाडिमचतुरभागलषलीजै अर्धभागमिसरीसंगदीजै वलअनुसारचूर्णयहषावै कंठहृदैमुखरोगमिटावै गुल्मअफारविसूचीनाशैं अर्शश्वासक्रमछर्दविनाशै केसअरुचहरैहैअतिसार ए- तेसभमिटजांहिविकार ॥ अथजवानीषंडचूर्ण ॥ चौपई ॥ जवाणतिंतडिदाडिमआनैं सुंठीअमलवेत- पुनठानै वदरीफलचूर्णलषलीजै करषकरषप्रमाणधरीजै धनीयांसौंचलकालाजीरा कर्षअर्धअर्धल- षवीरा इकशतमघमरचांसतदोय सिताचारपलताहिसमोय नित्ययथावलयाकोंषावे जायअरुचपुनरु- चउपजावै हृदपीडाअर्शपार्श्वकोशूल कवजअफारश्वासनिरमूल संग्रहणीअरुजावैकास एतेरुजय- हकरहैनाश ॥ अथलवंगादिचूर्ण ॥ लवंगउशीरनीलोत्पलकेसर चंदनएलामघांअगरधर सुंठजायफ- लकालाजीरा वंसलोचनवालाधरवीरा छडगुडीतगरयाहिमोंपाय आगेवरतूसभहिमिलाय पुनकरपू- रअवरकंकोल यहसभऔषदलेसमतोल अष्टगुणांमिशरीतिंहपावै यहचूरणनितप्रातहिंषावै रोचिक- अग्निदीप्तयहमान वलअरुपुष्टकरैपहिचान अरोचिकतमकश्वाअरुकास हृदयरोगसंग्रहणीनाश गल- ग्रहपीनसयक्ष्माविडारै अतीसारप्रमेहनिरवारै अर्शमिटावैयाकोंजान इन्हरोगनकीकरहैहान ॥ अथसू- क्ष्मएलादीचूर्ण ॥ चौपई ॥ एलालघुतालीसजुपत्तर वंसलोचनदालचीनीकेसर जीरादाडिमधनीयांइ- श्लीपाय अर्धअर्धकर्षसमभाय मगधामरचजवायणचित्रा सुंठचवकअजमोदामित्रा अमलवेतकैंथले पिपलामूल कर्षकर्षयहलेसमतूल सितावारपलपीसामिलावे वलअनुसारचूर्णयहषावे परमहोयरुचअ- रुचिविनाशैं लिफश्वासकासज्वरनाशै वमनअर्शअरुशूलनिवारै जिह्वाकंठहिंशुद्धसुधारै ॥ दोहा ॥ चिकित्सारोगअरोचकीभाषीभलेंवनाय ताकेपथ्यापथ्यअवभाषोंसुनाचितलाय ॥ इतिअरोचिकचिकित्सा ॥

॥ अथअरोचिकरोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रोगअरुचकेपथअपथवरननकरोंवनाय तिन्हसभहीकोविउरोसुनलीजैचितलाय ॥ अथ- पथ्यम् ॥ चौपई ॥ वस्तिकर्मरेचनमनआनो धूम्रपानपुनवमनपछानो कछुकग्रासमुखयावतरहै तीक्ष- णतरुदातणमुखगहै नानाअन्नपानहितकारी तिन्हतेरुचउपजिअतिप्यारी द्राक्ष[illegible]नकामुंगपछाना चाव- ललालसठीपुनमाना ससावराहहरणकोमास मत्सअंडपथजानोतास रोहप्रोष्टम[illegible]यहदोय इन्हकोमां- सपथ्यलषसोय वैंतकूमलीअवरअनार षरबूजावृंताकनिहार नवीनमूलिकालसुनजोकहिय शूरणआंवद्राक्ष पुनलहिये कांजीअवरपटोलवषानै तालनकेफलपथ्यपछानै क्षिरणीफलसुहांजणाजान सिषरनमघांछुहा- रेमान आद्रकहरडजवायणकहिये तालनफलकेबीजलहैये शीतलरेतउपरदृढआसन हिंगुअमलरसरु- चिपरकासन स्वादिकअरुतीक्षणरसजोय देहशुद्धितापथलषसोय ॥ दोहरा ॥ अरुचिरोगकेपथकहै- करोंअपथ्यवषान तिंहकोंसमझोचतुरनरपुनाहिंचिकित्साठान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ त्रिषाडि- कारनेत्रजलजान क्षुधाअरविष्ठामूत्रपछान इन्हसभहीकेविगरुकावै यहभीमहाअपथ्यकहावै जोनवस्तु- आपहिंकोरुचे ताकोभक्षणनाहिनपचे भारीकंदजितेजे कहे सोभीवडअपथ्यलषलहे क्रोधलोभभयअरु-

दुर्गंध इतनेकीनअपथ्यानिबंध ॥ दोहा ॥ रोगअरुचिकेपथअपथवैद्यकग्रंथविचार भाषासुगमवनायकेकीने- सभीउचार ॥ इतिपथ्यापथ्यंसमाप्तं ॥ दोहा ॥ रोगअरोचिकवरनयोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिचिकि- त्साभाषकैपथ्यापथ्यवखान ॥ इतिअरोचिकरोगसमाप्तं ॥

॥ अथअरोचिकदोषरोगकारणउपायनिरूपणं ॥

अथकारणं ॥चौपै॥ मातुपिताहिंकरैअपमान तिन्हविनआपकरैजलपान अरुमातुपिताकोधनहरले य रोगअरोचिकउपजैतेय अरुकुदृष्टीभीसोजनहोय निजमनमोंनिश्चयलषसोय ताकोसुनोउपायवता ऊं जैसेंकर्मविपाकलषपाऊं अथउपाय ॥चौपै॥ अग्निदेवताकोजुसहाय शुद्धस्वर्णप्रतिमावनवाय उदुं- वरकाष्टपात्रवनवावै गोघृतपूर्णघृतमावैठावै विधिवतपूजैप्रीतलगाय अग्निमंत्रसोंहवनकराय करसंक- ल्पविप्रकोंदेय कुष्टअरुचतैंमुक्तलषेय ॥ दोहा ॥ दोषअरोचिककुष्टकोकारणकह्योउपाय मूर्छादोषवरन- कनरोमुनलीजैचितलाय ॥ इतिअरोचिककुष्टदोषकारणउपायसमाप्तम्

॥ अथअरोचिकज्योतिषम् ॥

जोमंगलअरुदेवगुरुदृष्टीलगेजुसमान वैरभावतिहग्रहनकरअरोचिककरैजुहान भिन्नभिन्नपूजाकरैमंग- लगुरूजपहोम रोगाविधीसोहरैगोजुगलगुरूअरुभोम इतिज्योतिषम्

॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांअरोचिकाऽधिकारवर्णनंनामपंचदशोऽधिकारः ॥ १५ ॥



॥ अथमूर्छादिरोगभ्रमनिद्रासंन्यासनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ मूर्छाभ्रमनिद्राअवरतंद्राअरुसंन्यास इन्हसभरोगनिदानकोंकरहोंभलेंप्रकाश ॥ चौपई ॥ जो नरक्षिणदेंहकरहोय दोषवातापित्तकफयुतजोय अरुविरुद्धहारजोकरै वेगरोकविष्टादिकधरै अरुसतगुणकरहीनजुकोई अरुताडिनकरताडितहोई मनसभइंद्रिनकेप्रदेश भिन्नाभिन्नमार्गाहिंनिवेश तिसमनकरइंद्रयचैतन्य निजविषयनकोंकरैंगृहन्य वातपित्तकफके.पकोंजव मनकेमार्गरोकेंहैंसोतव बिनमनइंद्रयजडतापावत योंनिदोषमूर्छाउपजावत तवसुखदुखकोज्ञाननरहै काष्टन्यायनरगिरभूगहे ताहूकोंमूर्छापहिचानो ताकोविवरोसुनोवषानो सोमूर्छाहैषटपरकार भिन्नाभिन्नसोंकरौंउचार वातपित्तकफतेंत्रयजानों रुधिरमद्यविषतैंत्रयमानो इन्हसभमोंजवपितअधिकावै तवहीनरमूर्छाकोंपावै

॥ अथसामान्यमूर्छापूर्वरूप ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छाजवहोनेपरआवै प्रथमहिंयहलक्षणप्रगटावै हृदपीडामनहोयगिलान संज्ञानाशउवासिजान उदरकीहोवेअग्निविनाश पूर्वरूपयहकीनप्रकाश

॥ अथवातमूर्छापूर्वरूपलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अरुणाकृष्णवानीलवर्नजो प्रथमआकाशमध्यदेषतसो असनभदेषतमूर्छापावे घोरअंधतममांहिसमावै पुनशीघ्राहिंसोजातनहोय देहकंपअंगमर्दनसोय हृदपीडामुखकांतमलान लक्षणवातमूर्छाके जान श्यामअरुणछायादरशावै वातजलक्षणयोंविधगावै

॥ अथवातजमूर्छाचिकित्सा ॥

तिलआदिकजोसेककरावे वातजमूरछातत्क्षणजावे ॥ अन्यच ॥ अथचूरणम् त्रिफलाचूरणघृतसोंपीवै वातजसोंमूर्छाहतथीवे ॥ चौपई ॥ सुंठधात्रीफलसोरसआनै द्राक्षपीसयहमधुमोठाने चाटेयाकोरोगीजो यनाशरोगमूर्छाकोहोय स्वासकासभीहोवेनास निश्चयकरोकीयोपरकाश ॥ चौपई ॥ धनीयांहिंगसेंधासुंठ' जीरा यहसमचूरनकीजेवीरा जलसोंपीवेमूरछाजाय निश्चयजानोकह्योसुजान

॥ अथपित्तजमूरछापूर्वरूपलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रक्तहरितवापीतप्रकाश प्रथमहिंदृष्टीआवैतास देषतदेषततमाहिमंझार प्रविसेंरोगीकीनउचार- जवेवृद्धिकोंप्रापतहोंय त्रिषासहितसंतापतसोय होवतशीघ्रयतनतिसताही उठेंश[illegible]जववोधकराही रक्तनेत्रवापीतदिषावैं अरुव्याकलसेंदृष्टीजुआवें पीतवरणदस्वेहोइतास पैतिकमूरछ[illegible]क्षणजास

॥ अथपित्तजमूरछाचिकित्सा ॥

शीतलशरवतसेवनकरे पितमूरछाकोंतत्क्षणहरे रक्तहुतेंजोमूरछाहोय शीतलक्रयालषीजेसोय

॥ अथकफजमूर्छापूर्वरूपलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मेघनकरजुयुक्तआकाश देषतहीमूर्छाहोएंतास अंधकारमोंप्रविसेजोय चिरकरजागेंरोगीसोय तवअपनेअंगभारीजाने तुचाआरद्रहृदरोक्योमाने होयहृलासतासकोजवही वमननआवेताकोतवहीअरुजलमुखहुंतेचालिआवे यहकफमूर्छाचिन्हलषावे

॥ अथकफजमुर्छाचिकित्सा ॥

अथअविलेह केवलमघचूरणमघुपाय चाटेमूरछादिकनरहाय अथकाथ पंचमूलकोकाथवनावे सिता वामधुसेमूर्छाजावे अरुजोज्वरकेकाथवषान मूर्छाकोंसोहितकरमाने

॥ अथसनिपातमूर्छालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अपस्मारजोमिरगीकहिए तासचिन्हजाकोंलषपेये असेमूर्छाजाकोंहोय सन्निपातकीजा-नोसोय सोमूर्छापृथवीपरडारे फैनवमनविनताहिनिहारे

॥ अथसन्निपातमूर्छाचिकित्सा ॥

अथकांथ ॥ चौपई ॥ सुंठगिलोयपिप्पलामूल पुष्करमूलपायसमतूल काथमधूमघपायपिलावे मूर्छासंनि पातमिटजावे ॥ अन्यच ॥ केवलकरेजवांहाकाथ पीवेताकोघृतकेसाथ मूर्छादिकरुजहोवेंनाश चैंतनहै मुखअधिकहुलास

॥ अथरुधिरकृतमूर्छावरननं ॥

॥ चौपै ॥ पृथ्वीजलतमरूपाहिचीन ताहिसंयोगरक्तगंधलीन तिहकारणरक्तगंधजुगमेल मानुषमूर्छा-प्राप्तरेल किसहूंरुध्रदोषतैंहोय किसहूंरुध्रगंधतेंजोय तातेंदृष्टफटीहोइजाय गूढश्वासआवेंलषपाय

॥ अथरुधिरकृतमूर्छाचिकित्सा ॥

शीतलजलशर्वतजोपीवे रुधिरमूर्छनाजाइसुजीवे

॥ अथमद्यकृतमूर्छा ॥

॥ चौपै ॥ करतविलापभ्रांतमनहोय तुरतशयनकरजावैसोय अरुपृथवीपरलेटतरहै करपदहीजुच-लावतगहै जवलगमदकोअमलनजावै तवलगमूर्छामांहिरहावै

॥ अथमद्यकृतमूर्छाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जाहिमद्यतैंमूर्छाभासै तासचिकित्सायोंपरकासै मद्यपिलायसुखशयनकरावै मूर्छामद्य-तासकीजावै

॥ अथविषकृतमूर्छालक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ देहकंपत्र स्वप्नेआवैं त्रिषाहोतविषमूर्छागावैं तमगुणपितमिलजवअधिकावत तवही-नरमूर्छाकोंपावत

॥ अथविषकृतमूर्छायतणं ॥

॥ चौपै ॥ मैनफलअथवानीलाथोथा फटकरिपायगर्मजलशोथा मरचइत्यादिजोवमनकरवाइ वि-षमूर्छातरक्षणमिटजाई ॥ अन्यच ॥ विषकोहरनवस्तुहेजेतीं विषमूर्छाकोंदेवैतेती

॥ अथभ्रमलक्षणम् ॥

रजगुणअरुपितवातवधैजव भ्रमरुजहोवतहैनरकोंतव तमगुणवातअवरकफतीन इन्हकेवधेंतंद्रामो-लीन तमगुणकफवाहुलताहै तातेंनिद्राकोंनरगहै

॥ अथभ्रमचिकित्सा ॥

॥ गुटका ॥ चौपै ॥ मघांशतावरिसुंठपिसावै हरडचूरणपलपलयहपावै षटपलगुडसोंगुटकाकीजै गुटकाषावैभ्रमरुजछीजै

॥ अथसंन्यासलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ मनवाचककायकचेष्टाजोय वातपित्तकफसमयुतहोय प्राणस्थलकोआश्रयधार मोहनिवलकोंकरैविकार तवनरकाष्टन्यायहोइजावै मृतकतुल्यसभहूंदरशावै ताकेप्राणनलषणेआवैं तिंहसंन्यासनामकाहिगावै तातकालतिसयन्तकराय नहीतोप्राणदूरहोइजाय ॥ दोहा ॥ मूर्छादिकजुनिदानकोंसमझोसहितहुलास जैसैंकह्योनिदानमोंतैसैंकोनिप्रकाश

॥ अथसंन्यासचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ रुजसंन्यासलषजवजाकों दीजेवहुतधूमतुनताकों अरुमरचादिकतीक्षणवस्तु ताकोंअंजन याहिप्रशस्तु मरचसुंठआदिकनसवार तिंहदीजैहोइरहितविकार गुल्लदागपुनदीजैतास यातेंनाशहोयसंन्यास केशरोमउतपानटकीजै यातेंभीसंन्यासरुजछीजै अरुनखपीडनकीजैतास दांतनसोंकाटियेतिंहमास अरुतिससूचीवेधकरीजै जजूलीताकीदेहमलीजै इन्हउपचारनचैतनजवै होवेरसलक्ष्मणदेतवैं ॥ अथघृत ॥ चौपै ॥ हरडक्वाथमोंघृतसिधकरै वाधात्रीफलरसअनुसरै पीवैयहघृतमूर्छाजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ दोहा ॥ चिकित्सामूर्छारोगकीताकोंसमुझविचार मूर्छाकेजोपथअपथसुनोकरोंउचार-

॥ अथतंद्रालक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ इंद्रिनकोंनिजविषयमंझार ज्ञाननहोवेतभलीप्रकार तनभारीजुउवासीआवैं क्लमआलसकोंतंद्रागावैं

॥ अथक्लमकेलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ विनांषेदविनश्रमयोंजानो वडेश्वासआवेंमनआनो इंद्रिनकरविषयनकोज्ञान होतनहींसोक्लमपहिचान

॥ अथउवासीलक्षणं ॥

श्वासपीयेअरुमुखजुपसारै अश्रुपातसंगश्वासनिकारै यहीउवासीलक्षणजान आलसलक्षणकरोंवषान- ॥ अथनिद्रालक्षणं ॥ इंद्रियमनकोमोहजोहोय मोहनिद्रालक्षणजानोसोय

॥ अथआलस्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दुषसोंद्वेषअलीभताधारै सभकार्यसमयउत्साहानिवारै.

॥ अथछिक्कालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ प्राणअवरउदानजोवाय समहोयऊर्द्धमार्गजवजाय पुननासकाद्वारनिकसावै शब्दकरैसोऊछिक्ककहावै.

॥ अथतंद्राआलस्यक्लमाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सेंधालूणकपूरअरुपीपल सरसोंमहुकेफूलसनामिल इनकोंपीसजोनेत्रनपावे तंद्राअरु

अतिनिद्राजावे ॥ अन्यच ॥ वीजसुहांजनसैंधालौन सरसोंकूटछागमूत्रमिलौन पीसनासदेतंद्राजाय भावप्रकाशकहदियोसुनाय

॥ अथमूर्छादिरोगेसामान्यचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ मूर्छादिचिकित्साकाहितहोंवंगसेनअनुसार समुझचिकित्साजोकरैहोयनताहिविकार ॥ अथचूरणम् ॥ चौपई ॥बद्रीफलकीगिरीमंगावे मरचउशीरगजकेसरपावे यहसमचूरणकरेवनाय शीतलजलसोंताहिपिलाय मूर्छादिकसभरोगविनासें मनसंतुष्टहोयसुखभासें ॥ अन्यच ॥ तंडुलसितकपासकेवीज काथकरेसहतक्राहिंपीज मूर्छाताकीहोवैनाश निश्चयमनमोजानोतास

॥ अथमूर्छादिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मूर्छादिककेपथअपथसभहीकहोसुनाय जिन्हकोंसमुझेसकलजनवैद्यग्रंथकेभाय॥ अथपथ्यम् ॥ ॥ चौपई ॥ जलकेछट्टेजलइसनान शीतलस्थानपवनपरमान शीतलपाणेशीतफुहारे शीतलचंद्रकिरणकोंधारे चंदनलेपनधूमदिवावै तीक्षणअंजननेत्रनपावे पुनतीक्षणदेवेनसुआर रुधिरछुडावैशिरजलधार सूचीवेधजतनकरवावे गुल्लदागपुनिताहिदिवावै रोमकशेनाडींजुपुटावै दांतकटननखपीडकरावैं द्वारनासकामुखकररोध रेचनछर्दभयलंघनक्रोध सुखदायकसय्यापुनजानो विचित्रमनोहरकथावषानो शीतलछायानवजलपान घृतशतधौतपटोलपछान लाजामांडमोचरसकहिये हरडअनारनरेलभनैये महूपुष्पपुनशाकचुलाई शीतलवालूवैठनजाई अद्भुतदर्शअन्नलघुजानो उच्चशब्दकरपूरपछानो ऊचेगीतवाद्यसुनलहो मनकोरोकनधीरजगहो मधुरवर्गसिद्धपयपान जांगलमासरसदाडिममान यवअरुरक्तजुशालीजानो अवरमुद्गतिसपथ्यपछानो ॥ दोहा ॥ कहेजुमूर्छारोगकेपथ्यसमस्तविचार सुनहुअपथ्यवषानहौंतिनसभकोपरकार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ पत्रसाकतांवूलकहीजै घर्षणदांतआतपलषलीजै मैथुनस्वेदतक्रपुनजान विष्टामूत्ररोधपाहिचान कटुकवस्तुकोभोजनजेऊ अवराविरुद्धअन्नजलतेऊ एतेसकलअपथ्यपछांनो त्यागअपथ्यपथ्यउरआनो ॥ दोहा ॥ मूर्छापथ्यअपथ्यसभभाषोंग्रंथविचारत्यागअपथ्यनकोसदापथ्यमानाहितकार ॥ इतिमूर्छादिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥

॥ अथभ्रममूर्छादोषकारणउपायनिरूयणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोजनश्रेष्टमार्गजुरहावे ताहिकुमारगजोउपजावे ताकोंभ्रममूर्छाप्रगटात. औसेंतासउपायसुनात ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ सूर्यस्वर्णमयमूर्तिवनावे तांम्रपात्रमोंताहिवैठावे पंचामृतहिंकरायस्नान [illegible]रक्तवस्त्रपरिमान पुनदशलोकपालकोजज्जै सूर्यमंत्रकरहवनहिंसज्जै करसंकल्पविप्रवरदेय निजहिंदोषकोमुक्तिकरेय ॥ दोहा ॥ भ्रममूर्छाकेदोषकोकारणकह्योउपाय तृष्णारोगवर्णनकरों सोसमुझचितलाय इतिभ्रममूर्छादोषकारणउपायसमाप्तम्

॥ अथमूर्छारोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ सिंहराशमोंपूर्णवलचंदपडैगोजाहि ताकोमूर्छारोगव्हैनिर्वलजानोताहि चंद्रप्रतिष्टायथिविधघरकीजैसवअंग गृहउपाधिसभशांतिहोरोगपडेसुवभंग ॥ इतिज्योतिषं ॥

॥ अथान्यप्रकारमूर्छारोगवर्णन

॥ चौपई ॥ मूर्छारोगजाहुकोलहिए गशीश्रौरगशफारसकहिए वहुतभेदकीमूर्छाजांनो सरदीगरमीश्रधकपछांनो वमनहोएवारेचनजाको चलेरुधिरमूर्छाकहुताको ववासीरवायक्षमजोहोई श्रार्तवरुधिरचलेकहुसोई श्रतिमैथुनकरमूर्छाजांनो श्रथवासंनिपाततेंमांनो तापवीचश्रतिपरसांहोई ताकरमूर्छामांनोसोई संनिपातसरदीप्रघटावे ताहियतनकरसघ्रिहटावे कटुतूंवीकेवीजपछांनो श्रजुश्रांइनखुरासांनकीमांनो पिपलामूलमघसुंठमगावे साडेदसदसमासेपावे श्रजुश्राइनतोलेपांचोहोई करचूरनमर्दनकरसोई तोलेत्रैदसमूलमंगावे कौडइंद्रजउोसंगरलावे भडिंगीककडासिंगीश्रांनो पुषकरमूलकचूरपछांनो धमाकिरायताश्रानोसोई साडेत्रैत्रैमासेहोई दोतोलेनितकाथवनावे सातदिवसपीवेसुखपावे सुंठपिप्पलामूलमंगाय चित्राचोकमघासंगपाय साडेत्रैत्रैमासेहोई पावेनीरकाथकरसोई कोसाराखपांनकरवावे मूर्छारोगताहिछिनजावे श्रकरकरानौतोलेश्रांनो तोलाडूडमर्चसंगठानो पीसमखीरमिलावेकोई त्रैमासेकीगोलीहोई सांझप्रातदोईनितखावे मूर्छारोगताहिहटजावे हलदीतोलेछेइमंगाय सुंठमर्चाडिडतोलापाय चूरणपीससातदिनखावे मासेसातसुमूर्छाजावे पारातोलाडूडमंगाय सिक्कात्रैतोलेसंगपाय दोइगालकजलीकरसोई मासेतींनसुद्दाग्राहोई मघामर्चश्ररुसुंठमगावे दसदसमासेतींनोपीवे श्रामलाहर्डवहेडाहोई सतसतमसेमेलोसोई दूधीपछनागमंगवावे मासेचौदांसंगरलावेधतूरेकारसश्रांनोसोई करेखर्लफुनिगोलीहोई गोलीमरसप्रमांनवंधावे प्रतिदिनसेवमूरछाजावे गोलीएकानिताप्रतिहोई तेलषटेश्राईत्यागेसोई कलौंजीलेचूरनकरखावे मासेसातमूरछाजावे चलेरुधिरफुनिमूर्छाहोई पाछेयतनालिखाकरसोई रेचनतेंजवमूर्छाजांनो पाछेयतनलिखाहितमांनो गरमीकरमूर्छाजिसहोई खफगांनीऔषधकारिएसोई तापवीचमूर्छाप्रघटावे विनायतनमूर्छाहटजावे श्रतिमैथुनकरमूर्छाहोईनिर्बलचीजनखावेकोई त्यागेमैथुनमूर्छाजावे नातरश्रधकदोषप्रघटावे करेपालफुनिऔषधहोई मूर्छासहजदूरकरसोई ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांमूर्छारोगकथनंनामषोडशोऽधिकार : ॥



॥ अथत्रिष्णारोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ भाषौंत्रिषानिदानकौंवैद्यककेअनुसार सुगमचिकित्सासोकरैजोयहसमुझविचार ॥ चौ- पई ॥ भेदत्रिषाकेप्रगटसुनाऊं जिन्हेंविकारनहोतलषाऊं वातकरपित्तकुपितजवहोय तालूशोषितकरैतव' सोय तातैंतृष्णाअधिकजनावत भेदताहिकोभिन्नकहावत जलवाहिननाडीजोजानो वात्तपित्तकफदूषि, समानो तातैंत्रिषाजुहोतअपार निजमनमेंजोदेषनिहार भयतैंअरुश्रमतैंभीहोय वलक्षयतैंभीउपजैसोय अरुजोवस्तुपित्तउपजावे तातैंभीत्रिष्णाप्रगटावै जेऊनिरंतरकरैजलपान त्रिषाहटैनहितृप्तनमान ताकौं' त्रिष्णाअधकपछाने पुनवातादिभेदत्रयमाने वातपित्तकफयहजोतीन तिन्हतैंभीत्रिषहोतप्रवीन पुनसमुझो, यहचौथाभेद क्ष्यततैंभीहोवतत्रिषषेद पंचमक्षईरोगतैंजानो षष्टमभेदआमतैंमानो सप्तमअन्नभुक्ततैंल. हिये सातप्रकारत्रिषायोंकहिये इन्हकेचिन्हकहितहैजानो सोरपष्टकरप्रगटवषानौं

॥ अथबातात्रिषालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मुखअसमर्थविवरणहोइजावै वदनविरसरसस्वादनआवै नाडीनिरोधहोततत्काल- शिरअरुशंखमोपीडबिहाल अतिशीतलजलपानकरैजो तातैंवहुवधजावतिहैसो

॥ अथत्रिष्णारोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ चिकित्सात्रिष्णारोगकीवंगसेनअनुसार याकौंप्रथमविचारकैपुनकीजेउपचार

॥ अथवातजत्रिषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातहरनजेऊअन्नपान अरुमृदुलघुशीतलपहिचान यहसेवैयाकोंलषमान होयत्रिदोषवा, तजकीहान उदरजुजलशौंपूरणभासे अरुजोनाहिनत्रिषाविनाशै तोताहीकौंवमनकरावे उदरभारसहत्रिषा, मिटावे अथस्वर्णादिजल ॥ चौपई ॥ स्वर्णअग्निसोंलैयतपाय अथवारजतहिंअग्निभषाय अथवामृत्स, काअग्नितपावै जलमौंडारजलतप्तलषावें तामोमधुशरकरामिलाय उष्णउष्णजलपीत्रिषजाय अन्यउपाय गुडदधिशिषरनकरजोषावे वातजत्रिषातासमिटजावे अन्यच गुडूचीरसमधुशरकरमेल पीवैवात; त्रिषाकोठेल

॥ अथपितत्रिषालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छाअन्नद्वेषअरुदाह रक्तनेत्रविललापकराह मुखकटुअरुमुखसूकारहै शीतलवस्तुविषे, रुचिगहै अंतरक्षोभरहत तास पित्तत्रिषायोंकीनप्रकाश

॥ अथपितत्रिषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तहरनअन्नपानजुजेते चतुरपुरुषसेवैसुनतेते तातैंपितत्रिषामिटजावै वंगसेनयोंप्रगट' जनावै अथपाणा चौपई चंदनधनियांकारमरीउशीर यहसमघोटैलयनरधीर छाणशरकराताहिमिलावै पीवैपित्तत्रिषामिटजावै अन्यच द्राक्षमुलठलेसमपीसाय जलसोंघोलशरकरापाय यहपाणापीवेहैजोय नाशपित्तत्रिष्णाकोहोय अन्यच चंदनउशीरद्राक्षलुहारेजान यहसमपीमधुकरोमिलान यहपाणाव्याधि- नरपीवे त्रिष्णापित्तनाशातिसथीवै अन्यच मधुरलायतंडुलजलपान त्रिषापितकीहोइहैहान अन्यउपाय जीवनीयगणकौंजुमंगवावै घृतमौंवापयमौंपकवावैं ताकोषावैपुरुषसुजान होवतपित्तत्रिषाकोहान

॥ अथकफात्रिषालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जबेआयकफापितहिंरले अथवावातसहितजामिले तबकफात्रिष्णाकोंउपजावे कफकों-धर्म्मनात्रिषाकहावे जबकफवृद्धिकोप्रातहोय जठराग्निछादितकरहेसोय सोरसवहनाडीतप्तकरावे तातें-तृष्णाकफजकहावे ताकेलक्षणयोंतुमजानो मुखमीठागुरुनिद्रामानो

॥ अथकफजत्रिषाचिकित्सा ॥

॥ चौंपई ॥ कफहरणअन्नपानहैंजोय रोगीषाबेपीवेसोय तातेंकफकीत्रिषानसावे अवरउपायसुनोंयोंगावे वमन निंवपत्रकोकरेक्काथ वमनकरावैंताकेसाथ वमनहोतकफत्रिषाविनाश निश्चयमनमोआनिताेस अथक्काथ चौपई सौंचलआद्रकअरुलेजीरा यहसमक्काथवनावेधिरा अर्धशेषक्काथजवरहे पीवेकफत्रि-ष्णाकोदहे अन्यउपाय केवलजोकरैंमदरापान तातेंकफत्रिष्णाकीहान

॥ अथक्षतजत्रिष्णालक्षणं ॥

शस्त्रादिकसोंक्षतजोहोय ताकोघाउोकहितसभकोय लागेशस्त्ररुधिरनिकसावे तातेत्रिषाताहिअधिकावे क्षतजतृषाचिकित्सा अर्धदुग्धअर्धजलपाय पीवेक्षतजत्रिषामिटजाय अथवामुलठक्काथकोपीवे बारस-मांसपानसुखथीवे

॥ अथक्षयजात्रिषालक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ रसकेक्षयतेंत्रिष्णाहोय इकसमदिवसरातमोसोय अत्सयकरजलपीवतरहै तौभीसुखअ-रुतृपतनगहै कोऊइकवैद्ययाकोंयोंमानै सन्निपातकीत्रिषावषानै हृदमोशूलथूकवहुआवै अंगपीडसन्नपा-तकहावै

॥ अथक्षयजतृषाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ सिंवलगूंदजोमुखमेंधरे क्षयजतृषासोततक्षणहरे ॥ अन्यच ॥ वटकाअंकुरमुलठीआने-कमलमूललाजातिसठाने पीसमहीनगोलीमुखधरे तौभीक्षयजतृषापरिहरे.

॥ अथआमजात्रिष्णालक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ हृदयशूलथुकथुकीरहावै त्रिषाहोयअंगपीडनजावै

॥ अथआमात्रिषाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ वरचविल्वसमक्काथवनावै पीवैआमत्रिषामिटजावै

॥ अथअन्नभुक्तजात्रिषालक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अतिसनिग्धअमलाजोषावै अवरसलूनेंतंप्रगटावै अरुअकालभोजनजोकरै त्रिष्णाहोतहीनस्वरधरै तडफतरहैदीनमुखहोय हृदतालूगलसूकतजोय यहजोत्रिषावृद्धतापावै कष्टसाध्यसोत्रि-षाकहावै

॥ अथगुरुअन्नभोजनत्रिषाचिकित्सा ॥

चौपै रेचनपाचनवमनप्रमान यहीचित्साताकीजान

॥ अथसनिग्धभोजनत्रिषाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ वहुतमानिग्धअन्नजोषावैं जोतिसत्रिषाप्रगटहोआवैं सरवतगुडजलघोलपिलाय त्रिषाविकारतवैंभगजाय

॥ अथअतिरूक्षभोजनदुर्वलतात्रिषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दुग्धपानकरवावेतास वाघृतपानअजारसमास त्रिष्णामूर्छाछर्दनिवारै यहनिश्चयअपनेमनधारै मूर्छावहुतहोयजोजाकों शीतलजलअचवावैताकों त्रिष्णामोशीतलजलपान वहुहितकरताताकोंमान जोजलताकोंनांहिपिलावै मूर्छाहोइपुनमरणलषावै सर्वअवस्थामोंजलदेवै वहुशीतलकहुउष्णलषेवे पाणिप्रानिनकोहैप्रान अरुपुनअन्नप्राणकरमान उपजीविस्वासुअन्नअरुतोय अत्यंतत्यागेनाहिनसोय ॥ दोहा ॥ चिकित्सात्रिष्णारोगकीवंगसेनअनुसार ताकेपथ्यापथ्यअवभाषोंसोमनधार इतित्रिष्णारोगचिकित्सासमाप्तम्.

॥ अथतालूशोषादिचिकित्सा ॥

अथकरूलीविधि ॥ चौपै ॥ सितादुग्धइक्षुरसद्राक्षमषीर मेलकरूलीकीजैधीर तालूशोषत्रिषामिटजाय यहअपनेमनलषसतभाय ॥ अन्यच ॥ थनीयांधात्रीफलरसदेवै वदनविरसतासोहरलेवै जोयहक्काथशीतलकरपीवै मुखकोशोषहरेसुखथीवै ॥ अन्यच मधुजलमेलकरूलीकरै तालूशोषत्रिषापरहरै ॥ अथगूटका ॥ ॥ चौपै ॥ वटअंकुरमधुकुठमिलाय उत्पललाजाचूरणपाय यहसमलेगुटकावंधवावे मुखसोराषैत्रिषावुझावे.

॥ अथसामान्यात्रिष्णाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ लाजाचूरणजलहिंरलाय मधूमिलायपीवैत्रिषजाय अथपाणा चौपै काश्मीरीवूटीसोरगडावेतामोजलशरकरामिलावै पीवैरोगीहितसोंतास त्रिषारोगकोहोइहैनाश ॥ गजकेसरमघजीराआने दाडिमयहसमपाणाठाने मधुशरकरामिलायजुपीवै त्रिषारोगजावैसुखथीवै ॥ अन्यच ॥ क्षीरीवृक्षणअंकुरआन पीसमघांमधुकरोमिलान यहपाणापीवैनरजोय ताकीत्रिषाजायसुखहोय ॥ अन्यच ॥ दाडिमधात्रीफलसोलीजै धतीयांयहसमपाणाकीजै कांजीकेसंगताकोपीवै तृष्णारोगनासतवथीवै मधुमघपीसमिलायसुपीजै त्रिष्णारोगतासतैछीजैं दुग्धपान ॥ चौपै ॥ द्राक्षमुलठइक्षुरसपाय उत्पलमधुजोतासरलाय पीवैदुग्धत्रिषारुजजाय यकारमतदीयोवताय ॥ अथलेप ॥ चोकअवरदाडिमरसलेय लेपनकंठशीससुकरेय त्रिषाविनाशै ताकीमान अवरहुंलेपनकरोवषान ॥ अन्यच ॥ दाडिमवदरीलोध्रपिसाय कपित्थविजोराताहिमिलाय यहसमलेपशीसपरकरै त्रिषादाहपीडायहहरै ॥ अन्यच ॥ तुरीविजोराघृतजुमिलाय समसैंधाशिरलेपधराय जिव्हाकंठतालुकोशोष मिटजावैंकोजैमनतोष.

॥ अथत्रिष्णाअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरअरुमोहश्वासअरुकास हिक्काक्षईवमनहोइतास तनअरुमुखकोशोभाजावे औसीत्रिषाअसाध्यकहावे इन्होंउपद्रवसंयुतजोय मरणप्राप्तिकरहैत्रिषसोय दोहा त्रिषुानिदानवषा न्योसमुफोपुरुषमहान जैसेंग्रंथनिदानमोंलष्योसोऊप्रगटान इतित्रिष्णारोगनिदानसमाप्तम् शुभम् ॥

॥ अथत्रिष्णारोगेपथ्यापथ्यअधिकारानिरूपणम् ॥

दोहा त्रिषारोगकेपथअपथवैद्यकेकअनुसार तेसभभाषोंचतुरनरमनमोंकरोविचार अथपथ्यं अडिल्पछंद रेचनबमनस्नानजुनिद्राजानहो मुखमौकछुकछुवस्तुसदाठहरातहो कोद्रवतंडुलशालीसाडीजानिये लाजासत्तुपथ्यसुमनमोआनिये जिसजिसअन्नकीमांडजुभलेंवताईये तामोमधुमिसरीषांडमिलायषुलाईये भुंनमसुरमुंगचणेजुचूरणकीजिये मिसरीषांडमिलायरुजीकोंदीजिये कदलीफलजुकपित्थद्राक्षजुअनारही पितपापडाआमलीहरडछुहारही धात्रीफलकूष्पांडजुगरनेजानिये षरबूजातरबूजसुपथ्यपछानिये जंभीरीरसअवरविजोरासुनलहो शीतलजलउन्नावबेरयहपथगहो महूपुष्पगोदुग्धसुतीक्षणमधुररस माष्पोंदोनोलाचीजानोपथ्थतिस धनियांजाफलचंदनचांदकीचंद्रका गजकेसरपुंनजानोइन्हकोंपथसदा चंदनलिपटीयुवतीतासअलिंगना मुक्तादिकजोरतनतिन्होंकापहिरना चंदनआदिकशीतललेपलगावने शीतलमंदसुगंधपवनमनभावने इत्यादिकसभवस्तुसुपथ्यपछानिये इन्हतेंआगेंसुनोअपथ्यवषानिये अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ भाषोंत्रिष्णारोगकेसभाहिअपथ्यविचार तिन्हसभइनकोंविवरोसुनहोपुरुषउदार ॥ चौपई ॥ अंजननयनस्वेदपुनजानो मर्दनतैलव्यायामपछानो धूम्रपाननसवारलहैये आतपदंतकाष्ठसुनगहिये भारीअन्नलवणषटेयाई सुंठीअरुआद्रकदुखदाई दुष्टतोयकोपानजुलह्यो अपथ्यप्रकारलषोयोंकह्यो दोहा त्रिषारोगकेपथअपथभाषेभलीप्रकार पथ्यवस्तुसभहितकरैकरैअपथ्यविकार इतित्रिषारोगेपथ्यापथ्यसमाप्तम्॥ दोहा ॥ त्रिषारोगवरननाकियोप्रथमनिदानसुनाय पुनहिचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यलषाय इतिश्रीत्रिष्णारोगसमाप्तम्

॥ अथत्रिषादोषकारणम् ॥

अथकारणउपायनिरूपणं जोजलपात्रकिसकोचौरावै ताहिरोगत्रिष्णाप्रगटावै ताकोसुनहोकहोंउपाय जैसेंकर्मविपाकजनाय अथउपाय ॥ चौपई ॥ ज्येष्टमासजलपात्रमंगाय गंधपुष्पसोंपूज्यवनाय विप्रवराहिंसहदक्षिणादेय त्रिष्णादोषहिंशांतिकरेय ॥ दोहा ॥ त्रिषादोषवरननाकियोकारणसहितउपाय दाहअवरविस्फोटकोंभाषोंसुनचितलाय ॥ इतित्रिष्णदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥ अथतृष्णारोगज्योतिष चंदपडेजोसिंहमोनिर्बलक्रूरदिखाय तातेंतृष्णारोगहोनिर्बलताप्रघटाय पूजेविधिवतचंद्रमा दानकेरेहितसंग ताकरतृष्णारोगहरदूर्बलतासभभंग इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारतृष्णाधिकारकथनं ॥

॥ चौपई ॥ आमासयगरमषिुशकहिोई त्रिषाअधकतवलागेसोई अतसना फारसकाजांनो करेयतनदुखदूरपछांनो इलाचीमघगजकेशरल्यावे वोडवृक्षकीदाडीपावे नीलोत्पलसमभागमिलाय पीसव' रावस्मिसरीपाय अथवामधूमिलावेकोई मासेसातप्रातहितहोई सीतलजलसोंसेवनककरिए त्रिषादोषताहीछिनहरिए जेकरसोजकलेजेहोय लालीमुखवापांडुसोय त्रिषादोषअतिहीप्रघटावे ताहियतनकरशीघ्रहटावे चंदनधनिआंताहिमंगावे जीरास्वेतछडरूमीपावे साडेत्रैत्रैमासेलीजें चारसेरजलतामेदीजें आधसेरेकाथरहजावे ढाईतोलेमिसरीपावे पीवित्रेषादोषहरहोई सोजकलेजेनाशेसोई सोसनकीजढताहीमंगावे रेतलस्वेतताहुसंथपावे गेंहूंकत्थमुनक्कालीजें छिलकानिंवजढाजिफतीदीजें साडेत्रैत्रैमासे पावे चारसेरजलकाथबनावे आधसेरजवहींरहजाय' पुनकरपीवेदोषहटाय कुठदाखसोसनजढल्यावे

कर्सौंडीजडलाचीसंगपावे लोध्रमिलायभागसमहोई पसिछानचूरणकरसोई साडेत्रैमासेनितखावे सी
तलजलसोंदोंषहटावे सोजलेपजेऔषधजोई पीछेलिखाकीजीएसोई आमासयसोजतृषाप्रघटावे वा
सलीककारुधिरछुडावे जऊोअंनकाआटालीजें ऊपरपेटलेपकरदीजें गरमीहृदेंफिफरेसोई ताहियतन,
ऐसाहितहोई सीतलजागाताहिविठावे वस्त्रसेडपेटपरपावे भुर्जपत्रवासेडेकोई राखपेटपरअतिसु.
खहोई वारंवारनीरछिडकावे तरकरराखेंदोषहटावे चंदनधनिआंलाचीआने छिलकानिंवगजकेसरठाने
मुत्थरमेलभांगसमलीजे साडेत्रैत्रैमासेकीजें चारसेजलक्काथवनावे आधसेरजवाहिंरहजावे कोसापांनकरेनर
सोई त्रिषादोषसभनासेहोई आमश्ऽयगर्मीअधकदिखावे खुशककंठमुखकौडाभावे मिंसरीगजकेसरले
सोई जीरास्वेतमघासंगहोई रूमछिडअरुलैंगमंगावे लेसमपीसनीरसंगपावे गोलीकरमुखराखेकोई
गरमीतृषादूरदुषहोई आमाशयजवषुशकीजानों तृषाअधकलक्षणपहचांनो रहेकंठमुषकौडासोई छा
तीजलनदाहदुखहोई हिंदुआनाजलताहिपिलावे रसअनारकाताहिसुखावे ईसवगोललेसजोहोई पी
वेसकलदोषहरसोई त्रिषादोषऐसाइकहोई कृमिउदरआंदरमेसोई अस्थीऊपरगुदापछांनो पृष्टभागके
नीचेजांनो इस्वरसत्तावलवतहोई कृमीतहांउत्पात्तिसोई ॥ दोहा ॥ आंद्रोंकारसलेसलाकृमीभक्षहैसोय
गुदाखैंचसंकोचकरगाडीविटतवहोय ॥ चौपै ॥ कृमीसुभावषुशकपहचांनो सोवुखारफुनिआंदरमांनो ता
करदेहगर्महोजावे रुधिरगर्महोखुर्कदिखावे तृषादोषताहीकरहोई आगेऔषधसुनिएसोई खव्वभिजसें-
रुधिरछुडावे उदरसुद्धकररेचकभावे षुशकीहरभोजनमनआंनो ऊटदुग्धघृतसंगपछांनो आमासयअ.
तिगरमोहोई तृषादोषप्रघटावतसोई प्रथमवमनफुनिरेचकभावे आमासयमुखसुद्धकरावे भेडदुग्धगो
दुग्धमंगावे ताजासेवनकरसुखपावे जेकरगरमीजिगरीहोई तृषादोषप्रघटावेसोई अथवातापदिक्तप्रघ
टावे ताहियतनएंसामनभावे नीरंकाथजवआधाहोई सीतलकरनितपीवेसोई अथवालोहागर्मंरावे
वारवारजलवीचवुझावे जाविधनीरपांनकरसोई तृषादोषक्तामिनासेहोई निंवूरसमखीरसंगपावे लूण-
मेलशिरलेपकरावे मध्यसीसलेपेंनरकोई तृषादूरक्तामिनासेहोई वटकेगुत्थकरथमगंवावे नीलोफरधनिआ,
संगपावे निंवूवीजआनिएसोई तवाशीरताहीसंगहोई पीसवरावरगोलीकरिए गोलीएकप्रातमुखधरि
ए धरिजकररसचूपेकोई तृषादूरताहीसुखहोई कृमीकोपसिगराहटजावे तृषादोषसभदूरहटावे इतिश्री
चिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभायांतृष्णाअधिकारकथणंनामसप्तादसोऽधिकारः ॥ १७ ॥

॥ अथदाहरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोदा ॥ दाहरोगवरननकियोजैसेग्रंथनिदान तैसेंसभलक्षणसहितभाषाकरोंवषान ॥ चौपई ॥ मद्यादिपानकरकुप्तजुपित्त रक्तजमूर्छितउपजतामित्त तातेंऊष्माउपजतजोय तनकीतुचाहिंपरापतसोय सोऊदाहघोरउपजावै पित्तवातचिकित्साताकीगावै सोऊदाहसातपरकार ताकोभेदकरोंउच्चार

॥ अथदाहसातप्रकारवरनम् ॥

॥ चौपई ॥ एकजुजन्मरक्ततेंकहीये दूसरपित्तजन्मतेंलहिये त्रिषानिरोधजन्मसोतीजो चधुर्थपूर्णको-ष्टजलषलीजो पंचमधातक्षयजन्माजान षष्टममद्यादिकपाहिचान मर्मअभिघातजसप्तमकहिये सातप्र-कारदाहयोंलहिये

॥ अथरक्तजन्मालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रक्तवृद्धहोजावैजवै सर्वदेहव्यापैसोतवै लोहगंधइवतनमुखवास अग्निन्यायतनतपहैतास ताहिदाहऐसोतनकहिये निकटस्थिताजिमअग्नीलाहिये ताम्रवरणतनलोचनदोय होइजावेंशंसयनाहिनुकोय ॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्सादाहकीवंगसेनअनुसार सोऊसुनकरसमुजीयेलीजैचित्तमोंधार

॥ अथदाहरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ जिहरुधवृद्धसभतनमोंहोय वेगत्वचामोंकरहैसोय ताम्रवर्णदेहचक्षुदोय होवेंतव-उपायलषसोय तासरोहिणीनाडीवेध रक्तछुडावेमिटहैषेद पित्तज्वरकीचिकित्साकही इनरोगहिप्र-शस्तलषसही दाहरक्ततातेंमिटजावै वैद्यकमतयोंप्रगटसुनावै

॥ अथपित्तजन्मालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ लोहगंधइवतनमुखवास अग्निन्यायतनतपहैतास ज्योंपित्तज्वरतनत्योंमान पित्तजन्मा-सोदाहवषान

॥ अथपित्तजदाहाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ चंदनधनिआंकमलफलआन धातृफलसौंफउशीरमिलान पर्पटपायजुक्काथवनवै पीवत-पित्तदाहमिटजावै

॥अथत्रिष्णानिरोधदाहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पुरुषत्रिषाकोरोकैजवही जीर्णधातुतेवधहैतवही सोऊतेजअ[illegible]क्रमधरै अंतरवाह्य-दग्धतनकरै कंठतालुउोष्टसुकजावैं जिाव्हाषैंचीयतलषपावै कंपदेहउपजैहैतास ऐसेंत्रिषानिरोधप्रकाश

॥ अथत्रिष्णानिरोधचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जेऊपुरुषतीक्षणअतिहोय त्रिष्णादाहवहुतहोइजोय अंतरवाहरदाहप्रकासे तालूउोष्ट-सुकेंयोंभासें जिव्हाषैंचीयतसोरहै मिशरीपारवततिंहहितअहै वाकाचेपयमिसरीपाय दुग्धपिलावेदाह-मिटाय



॥ अथरुधिरपूर्णकोष्टजलक्षणम् ॥

॥ चौमर्ध ॥ अवगाढशस्त्रजवनरहिंलागत तातेरुधिरअंतरपडजावत कोष्टरुध्रकरपूरणजबै दाहअ-साध्यहोतहैतबै कोष्टस्थानहृदयकोकहिये पक्वासयवाअग्नीलहिये मूत्राशयवारुधिरस्थान उदकफुफु-सकोष्टसोमान

॥ अथरुधिरमोक्षउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रुध्रपूर्णकोष्टहोइजाको दुस्तरहैउपायसुनताको रुध्रछुडानाचिकित्साताकी वैद्यलषैजो-असगतजाकी व्रणरोगकीजुचिकित्साकही कोष्टपूर्णमेंजानोसही

॥ अथधातुक्षयजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ धातुक्षयतेंदाहजुहोऊ मूर्छांत्रिषायुक्तहैसोऊ हीनक्रयाअरुस्वरहैहीन ऐसेंदाहलहो-परवीन

॥ अथअन्यउपायचिंकित्सा ॥

॥ चौयई ॥ जिहक्षयधातूतेंहोइदाह धूंछांत्रिषाहीनस्वरजाह क्रयासमस्तरहितहोइजावै अत्सय-करवहुपीडलखावै विधिसोंताकोंदुग्धपिवावै वारसमांसवनायपिलावै दाहधातुक्षयकोनरहावै वंगस सेनमतएहिवतावै

॥ अथमद्यादिपानदाहलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ हृदयस्थानकीवायूजोय पित्तरुधिरकरमिलहैसोय सोजवत्वचामाहिमिलजावे देहभयं करदाहदिखावे

॥ अथमद्यादिपानदाहरोगाचिकित्सा ॥

॥ चौयई ॥ शीतलजलइस्नानकरावै शीतलजलहिगुलावपिलावै होवेदाहरोगकीहान निश्चयअ-पनेमनमोंआन काचेपयचंदनघसपाय पीवेदाहरोगमिटजाय ॥ अन्यलेप ॥ चौपई ॥ प्रयंगूचंदन-मुथ्रकपूर लोध्रलेहुसमकीजेचूर जलमिलायकरलेपनकरै दाहरोगकीपीडाहरै

॥ अथमर्माभिघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मर्मम हजोताडिनलहिये तातेंदाहअसाध्यभनैये अवरहुंकोतनशीतलभासे रोगीको-तनतत्नप्रकाशे ऐसो हजाध्याहितनहोय कहैअसाध्यदाहलषसोय

॥ अथअसाध्याचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मर्मघातकरजिहहोइदाह शीतलदेहलषेपुनताह असव्याधीसुअसाध्यकहावत ता-सउपाउनसमझ्योजावत ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सादाहकीवंगसेनअनुसार आगेयाकेपथअपथ सुनलीजैमनधार ॥ दोहा ॥ दाहनिदानसोइंकह्योभाष्योग्रंथनिदान समुझचिकित्साजोकरेसोहैवैद्यसुजान

इति.दाहनिदानसमाप्तं ॥



॥ अथदाहरोगेसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ अथदाहरोगरसजामाह ॥ रसउौषधीउत्पन्नजुदाह ताकीऔषधदियोवताह द्राक्षआमलेअरुन-रगोल इनकारसजुइकत्तरमेल पायसर्करारोगीपीजै दाहरोगसोततक्षणछीजै ॥ अथविषजदाहऔषधि ॥ चुलेरीमूलधानिआंअरुजीरा इनसंगदुग्धसिद्धकरवीरा ताहिदुग्धकोपानकरेजव विषजदाहकोदूरकरेतव अन्यच तुलसीस्वरसटंकपरीमान विषजदाहमैहितकरजान घृतशतधौतजुव्याधीषावै वातनमलैदाहमिट-जावै वासोऊघृतयवसतूसंग षावेहोयदाहकोभंग अथवावदरीफलकोचूरण धात्रीफलचूरणसमपूरण यवस-तूंघृतसंगमिलावै षावैदाहरोगमिटजावै वासत्तूदाडिमअमलमिलाय षावैदाहरोगमिटजाय वांकाजीसों-वस्त्रभिगावै ऊपरलेयदाहमिटजावै लेपनषसचंदनकोकरै दाहपीडतातैंपरिहरै वाचंदनकालेपलगावे दाहव्यथाकोंदूरकरावै वापंखाचंदनजलकेसंग झुलावेहोयदाहकोभंग कदलीपत्रकमलदलआन तिन्हपरशयनकरेरुजवान तातैंदाहविथामिटजावै वंगसेनऐसेंप्रगटावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ जाको-तनमोहोइवहुदाह असउपायकीजैसुनताह अगरजुकालाअवरउशीर पद्मकाष्टचंदनसोधीर यहसमपी-सघसजलमोंपावे ताजलसोंइकद्रोणिभरावै तिसद्रोणीमोंव्याधीवैठे दाहविथातनकीसभमैटे ॥ अथघृत ॥ ॥ चौपई ॥ गुठलीविनाआमलेआन कुडवएकतिहकोपरिमान घृतमिसरीपययहजोतीन प्रस्थप्रस्थ-लेवेपरवीन सितजीरामघमरचांमासा चारचारपलजानोतासा चतुरजातकपुनपलपलचार सभहीकठी-करोसुधार अग्निपकायपात्रमोंधरै वलअनुसारषायदु:खटरै ॥ अथरस ॥ विजोरेरसमोमधुजुमिलावै पी.वैदाहरोगमिटजावै वारसइक्षूपानजोकरे दाहरोगताकोसभटरै ॥ अन्यघृत ॥ चौपई ॥ कुशाअव-रकासासमआन गणजीवनशालीपरणिठान इन्हसंगघृतवातैलपकावे षावैदाहरोगमिटजावै

॥ अथदाहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ दाहरोगकेपथअपथवरनोसमुझवनाय जैसेंभाष्योंग्रंथमोंतैसेंकहोसुनाय ॥ अथपथ्यम् ॥ चौपै शालीसठीचावलजान मुंगमसरयवकोटामान लाजामांडमांसरसकहिये सत्तूमिसरीदुग्धभनैये घृतशतधौ-तनवनीतकहीजै कूष्मांडतरवूजलहीजै षरवूजाजुपनसफलआष्यो पटोलअनारपापड़भाष्यो द्राक्षफालसे धनीयामानो क्षीरेवीजकासनीजानो सौंफआमलेहलदीकही रसकंदूरीघीयासही वालतालफलअवरछुहारे क्षिरनीकेफलअवरासिंगारे वहूपुष्पहौवेरप्रमान चंदनलेपनशीतलपान शीतलजलसोंकेरसनान जलसिंचि-तगृहकारिअस्थान कमलपत्रकदलीदलआसन शीतलछायावागनिवासन गुलावउशीरचंदनजलपान कथा-विचित्ररागसुनकान शीतलसदनफुहारेसंग सुंदरयुवतीलावैअंग चंद्रकिरनजुविदारीकंद शीतलरेत-उपरसानंद शीतलवस्तुसनमुखधरवावे दाहरोगकेयहपथगावै ॥ दोहा ॥ दाहरो. केपथकहेकरोंअपथ्य-उचार वैद्यकग्रंथनिहारकैभाषारचीसुधार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ विरुद्धअन्नअ.पानकहीजै क्रोधवे-गरोकनसुनलीजै मारगगमनचरणसंगजानों गजअश्वरूढभीनिंदपछानो क्षारउश्नवस्तूकोभक्षण अरुव्या-यामसुनपुरुषविचक्षण माष्योंतक्रतंवोलकहावे आतपमोंवैठणलषपावै मैथुनाहिंगुकटुतिक्तजुलहिये आद्र-कसुंठमरचपुनकहिये ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यजुदाहकोजितेग्रंथलषपाय समुझविचारसमस्तसोसभहनदी-येसुनाय इतिदाहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ शुभम् ॥ देहा ॥ दाहरोगवरननकियोप्रथमनिदानवषान मध्याचीकित्साभाषकेपथ्यापथ्यप्रमान ॥ इतिश्रीदाहरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथदाहरोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपई ॥ जोंनिंवाशिवशंकरकीकैरै ताहिरोगदाहअतिवैरै अत्यंतरोगप्रगटैतिहपाप खीनबलक-रैहैसंताप ॥ उपाय ॥ शिवमूरतइकपलपरिमान रूपेकीकरलेहुसुजान स्वर्णअर्धपलसोपुनलीजै गौरीमूरतता-कीकीजे पीतांबरपूजामनलावे रत्नभूखनतांकोपहिरावे तंडुलद्रोणतोलमंगवाय उभयमूरततापरबैठाय विधिविधानपूजातिसकरै शिवपार्वतीध्यानचितधरै तांकोदेइविप्रकोदान रोगदाहनिश्चैहोइहान ॥ दोहा ॥ दाहरोगवर्णनकियोकारणसहितउपाय मदात्तयदोषवर्णनकरोपुनलीजैचितलाय ॥ इतिकर्मविपाक ॥

॥ अथदाहरोगज्योतिष ॥

लग्नविषैमंगलपडैसूर्यपडैअठमाहि तवनरभोगतदाहज्वरनिश्चैमानोताहि प्रथमकरेगोदानसोफुनमंगलज-पहोम दाहरोगहरपीडज्वरनिर्मलदेहजुसोम ॥ इतिज्योतिषम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाश भाषायांदाहरोगाधिकारकथनं नामअष्टादशोधिकारः ॥ १८ ॥



॥ अथमदात्तयरोगानिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मद्यपानकेदोषगुणराजेतेकहेनिदान तेतेसभवरननकोंगुनहोपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ मूर्छादिकजेगुणविषकहिये तेगुणमद्यपानमोंलहिये जोविनाविधिकरहैमदपान सोविषसमफलताकोजान विधिसोंपानकरेनरजोय ताकोंमदराअमृतहोय ॥

॥ अथमद्यपानविधिः ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंचंदनहृदयलगावे मालापुष्पसुगंधीपावे सलवणमुसालाभून्योमास सुंदरतीयवैठेनिजपास इहविधिसोमदराकरपान तौमनचैतनहोयपछान प्रथमहिंनिरविकारतनजानै तापाछेंमदपानपुठाने प्रातसमयदोपलकरपान मध्यदिवसपलचारपछान सायंकालअष्टपलपीवे सोमदताहिरसायणथीवे सुंदरतीयसुवामविराजे दक्षणभागमदभाजनछाजे मरचलवणाकरसंस्कृतजोय छागलमांससभून्योहोय पानसहितसोभक्षणकरै वीणानादरागढिगधरै यहमदपानकरनविधिजानो आगेयुक्तअयुक्तवषानो

॥ इतिमद्यपानविधि ॥

॥ चौपई ॥ मदराअन्नजुएकस्वभाय सोप्रकारअवकहोंसुनाय अन्नजुप्राणिनकोहैप्रान युक्तसहितषावैसुखदान जोअयुक्तसोंभक्षणकरै नाशकरैतनयोंलपपरै विषप्राणिनकोहरताकहिये युक्तिसहितसोअंवृतलहिये विधिसोंअरुमात्रासोंजान उचितकालयथावलमान मांससनिग्धभोजनसंगपीवे सोमदयुक्तजुअमृतथीवे करैपुष्टवलआयुवधावे सुंदरआकृतरूपवनावे मनसंतुष्टकरैउत्साह कामवधावेअसगुणताहि यहगुणकहैंयुक्तमदपान चारप्रकारमद्यपुनजान

॥ अथमदराचारप्रकारवरणनं ॥

॥ चौपई ॥ पूरवप्रथमपुनदूसरजानो तीसरअवरचतुर्थकमानो ॥ अथपूर्वमदरागुण ॥ पूर्वकेगुणसुनयोंगावत रतीनिद्रासुखप्रीतवधावत पाठगीतमोंस्वरआधिकावत स्मृतवुद्धीहर्षउपजावत

॥ इतिपूर्वमदरागुण ॥

॥ अथदूसर ॥ चौपई ॥ दूसरमदकीविधीजोकहिये अल्पसुवुद्धीस्मृतपुनलहिये अरुस्वरवाणीअल्पकरावे आलसनिद्रावहुतवधावे अकृतचेष्टाताकीजोय उन्मत्तोंकीन्यांईहोय ॥ अथतीसरा ॥ चौपई ॥ तीसरमदरानामकहावे अगम्यातियामोंगमनकरावे गुरूपरमेश्वरकोंनहिमानै भक्षअभक्षनांहिपहिचानै नष्टवुद्धिहोइजावैतास गुप्तहृदयकीकरैप्रकाश

॥ अथचतुर्थम् ॥

॥ चौपई ॥ जेऊचतुर्थकमदराकहिये परममूढताताभोलहिये काष्टपायअक्रयसोहोय कार्याकार्यविचारनकोय मृत्युतुल्यसोदशाआवे उन्मादरोगइवदारुणभावे ॥ इतिचतुर्थ ॥

॥ अथत्रिगुणमद्यकथनं ॥

॥ चौपई ॥ प्रथममदरासातकीकहीजै दूसरिराजसनामभनीजै तीसरितामसताहिपछानो लक्षणसर्वचतुर्थीमानो इसमदराकोंजोनितसेवै सोऊविकारोंकोंउपजेवे क्रोधीपीवेक्रोधमंझार सोउपजावे-

वहुतविकार भीतात्रिषतभूखीजोपीवे शोकतप्तमारगश्रमथीवे विष्टामूत्रवेगजुरुकावे व्यायामकरैपाछैं-मदषावे अमलीरूषीवस्तूसाथ अजीरणमांहिपीवैंसुनगाथ पानकैरोखलजनजोय मदरातत्तपीवेजो-कोय एतेजोकरैंमदरापान पानात्यादीविकारप्रगटान पानात्यादिकचारप्रकार तिंहकोविवरोकरौंउचार

॥ अथपानात्यादिचारप्रकारनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ पानात्तयएककैकोंजानो परमददूसरनामपछानो पानाजीरणतीसरकहिये पानाविभ्र-मचतुर्थभनेये इन्हकेलक्षणअैसेजान भाषेजैसेंग्रंथनिदान पानात्तयपुनचारप्रकार वातजपैतजकफज-विचार अवरत्रिदोषचतुर्थकजानो तिंहकोविवरोप्रगटवषानो

॥ अथमदात्तयरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहौंचिकित्सामद्यपानरुजमनमोतुम्हविचार जैसेंभाषेग्रंथमोंतैसेंकरौंउचार ॥

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

चोपे हिक्काश्वासशिरकंपकहीजे पार्श्वशूलउरलापलहीजें निद्रानाशतासकोजोय वातजपानात्तयमोंहोय॥

॥ अथवातजपानात्तयाचिकित्सा ॥

॥ चूरण ॥ चौपई ॥ सौंचलत्रिकुटाजलवीसमंगावै व्याधीकोंमदसाहितापिलावै वातजपा-नात्तयहोइनाश निश्चयमानोमनमोतास ॥ अथवा ॥ शर्वसंपत्तउदितजोस्त्रीय षोडशवर्षअतिजोब-नजोय तासंगभोगकरोहितलाय वातमदात्तयदूरयतोंजाय ॥ अथपाणा ॥ बिजोरादाडिमपाणापी-वै मदात्तयरोगनाशतवथीवे ॥ अथमांसरस ॥ चौपई ॥ वनमृगपक्षनकोरसमास सल-वणअमलवृतपीवैतास वातजपानात्तयहोइनाश वैद्यग्रंथमतकीनप्रकाश ॥ अथचूरण ॥ चौपई ॥ सौंचलत्रिकुटाककडशृंगी वछजवायणकांजीसंगी यहसमचूरणमदसंगपीवे वातजपानात्तयहतथीवे ॥

॥ अथपैतिजलक्षणम् ॥

॥ चौपे ॥ दाहस्वेदज्वरमोहपछानो अतीसारहरिततनमानो ॥

॥ अथपैतिजाचिकित्सा ॥

॥ क्वाथ ॥ चोपे ॥ मधुरवर्गसोसिद्धिकरक्वाथ मद्यपिलावैताकेसाथ मधुशरकरागुलावामिलावै पीनैतवपैतजरुजजावै पाछैंइक्षुरसकीजेपान पैतजपानात्तयकीहान पित्तमदात्तयजाकोहोय हिमक्रि-यासर्वकरैनरसोय ॥ अथवा ॥ खरगोशहरणमांशरुचखाय पित्तमदात्तयतौभीजाय ॥

॥ अथमुंगयूष ॥

॥ चौपे ॥ मुंगआमलेदाडिमठांन यहसमक्वाथपियेहितजान पैतिजपानात्तयरुजनाशै होइआरो-ग्यदेहसुखभासै ॥ अथरस ॥ रसफालसेद्राक्षरसपाय खयूररसवाआमलेपिलाय पानात्तयपैतिजहोइ-नाश निश्चयआनोमनमोतास ॥ अन्यउपाय ॥ चौपे ॥ अर्धमद्यअर्धजलकीजे मिसरीमधुमिला-यकरपीजे पैतजपानात्तयसोइरे तनआरोग्यहर्षमनधरै ॥

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपे ॥ हृल्लासरोचनिद्रागुरुताइ डाकीअरुचशीतजडताइ ॥

॥ अथवातजपानात्तयाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ वमनकरावनवस्तूंजेऊ मद्यमिलायपिलावैतेऊ इंहप्रकारातिंहछर्दकरावै लंघन-करवावैदुखजावैं अरुत्रिकुटादिकतीक्षणसंग मदरापीवैंहोइरुजभंग ॥ चूर्ण ॥ समलेपीस-चूरणात्रिकुटाय सोपीजिसंगरसत्रिफलाय कफपानात्तयरोगनिवारैं यहनिश्चयअपनेमनधारैं ॥ क्वाथः ॥ कुलत्थकाथमधुपायपीलावैं कफपानात्तयरोगमिटावैं ॥

॥ अथअष्टांगलवण ॥

॥ चौपै ॥ सौंचलएलामरचांजीरा तिंतडिअमलवेतलडुधीरा अवरदालचीनीसमलेय इन्हतेंअर्धंश-रकरादेय वलअनुसारचूर्णयहपावै कफजरोगपानात्तयजावै दालचीनीमरचअरुएला ॥ तिनकोअर्धभागक-रमेला सौंचलादिजोवस्तूकही तिन्हतेंअर्धशर्करासही

॥ अथत्रिदोषजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ जामोयहसभलक्षणपैये सोइत्रिदोषजरोगभनैये

॥ अथत्रिदोषजपानात्तयाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ अससरोगीकोंलंघनचाहिये पुनक्रमसोंतिहदुग्धपिलैये लंघनकरकफक्षीणलषावै कफक्षी-णहोएदुर्वलतापावै दुग्धदुतेंपुनवलकोंलहै अल्पअल्पमदराभीगहै इसक्रमकरत्रिदोषमिटजावै पुनउपा-यअवरहुंलषपावै ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ द्राक्षातिंतडीअवरछुहारा दाडिमफालसेआमलेडारा यहस-मचूरणमदकेसंग पीवैहोयात्रिदोषजभंग

॥ अथपरमदविकारलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अंगभारीत्रिष्णाकफवृद्ध तंद्रावदनाविरसपुनिविद्ध ॥ शिरसंधीमोपीडाहोय अन्नअरुचिता जानोतोय विष्ठामूत्रातिसवारंवार परमदलक्षणएहिविचार

॥ अथपरमदचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ यामोजवैशूलप्रगटावै षायशरकरारोगामिटावै मद्यपानकरततक्षिणजोय घृतशरकराजु-चाटैतोय ताकोंमद्यनमस्तीकरै यहनिश्चयअपनेमनधरै

॥ अथपानाजीर्णलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ दाहअफाराअवराडिकार पानाजीर्णलक्षणधार

॥ अथपानाजीर्णचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलामधुरात्रीकोंषावै प्रातहिंगुडआद्रकअचवावै औसोयोगसातदिनकरै पथ्परहै-मदमूर्छाहरै उन्मादअवरकामलानिवारै यहनिश्चैअपनेमनधारै सप्तअष्टपर्यंतदिनान पानात्तयकरैवेगमहान तानंतरजीरणहोइजावै तवसोऊजुविमार्गीथावै कूष्मांडरसगुडसुमिलाय सोपीजैपानात्तयजाय ॥ इतिपानाजीर्णचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथपानविभ्रमलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ वमनकफतंद्रापरमेह हृदययुक्तअंगपीडातेह कंठधुषैमूर्छाज्वरहोय शिरपीडायहलक्षणजोय मद्यपानअरुअन्नकहीजै इन्हमोजाकीरुचनलहीजै उग्रपानविभ्रमतिसजान आगेंचिन्हअसाध्यपछान

॥ अथपानविभ्रमकायत्तन ॥

॥ चौपै ॥ दाखशर्वतवाकैथकीहोय अथवाअनारशर्वतफुनजोय सहितमिलायपीवैहितचाय पानविभ्रमकोरोगनशाय

॥ अथमद्यपानदुर्गंधउपाय ॥

॥ अथगुटका ॥ चौपै ॥ एकभागकायफललेय तातेंदुगुनमुत्थरलषतेय तासदुगुणसुंठीतिसपावैतातेंदुगुणसाषलषपावै सोसववस्तुइकठीरलावै जलमिलायगुटकावंधवावै सोगुटकानितभक्षणकरै चापेबामुखभीतरधरै तौमदगंधापियेंनहिआवै वैद्यकमतयोंप्रगटसुनावै एलावालुककुठामिलाय मुत्थरधनियांमुलठरलाय ताकोकवलकरैनरजोय मुखदुर्गंधमदहरहैसोय

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ ऊपरकाओष्टहीनहोइजावै दाहअवरवहुशीतजनावै तैलसमानप्रभातिसलहिये जिव्हादातओष्टश्यामलषैये अथवानीलवर्णहोइजावैं पीतवर्णदोइनयनलषावैं हिक्काज्वरडाकीभ्रमहोय पार्श्वशूलरक्कतनजोय षांसीअधिकलखावैजोय वैद्यत्यागजावैलषसोय ॥ दोहा ॥ मदात्तयरोगनिदानकोंवरन्योसमुझविचार गुणअवगुणमदकेकहेजानोवुद्धिउदार इतिमदपानातयरोगविकारनिदानसमाप्त

॥ अथसामान्यमदात्तयचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सौंचलसुंठजवायणजीरा चवकहिंगुसमपीसोवीरा यहचूरणपीवेमदसंगहोयरोगपानात्तयभंग ॥ अन्यच ॥ धतूरारसगोदुग्धमिलावै पायशरकरापीदुखजावे ॥ मद्य ॥ सुपारीफलतेंउत्पतजास औसोमद्यपीवेजोतास तिसकरमूर्छाछर्दविनाशे अतीसारपानात्तयनाशे अतसयकरशीतलजलपान यातेंभीइसरुजकीहान वनगोहेकीभस्मजुकीजै लेनसवाररोगयहछीजै वानितसैंधाभक्षणकरैं यातेंइसरोगहिंपरहरै ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ हरडक्काथसंगघीउपकावे वाआमलेरससोंपकवावैसोघृतानितप्रतिषावेज.य मद्यहुतैंमूर्छानहिहोय ॥ अन्यच ॥ जोंजनकरहैवहुमदपान तातेंवलकीहोवतहान घृतशतावरीजोवहपीवै पुनताकेतनमोंवलथीवै शतावरिरसअरकक्कमुलठ तिससंयुतघृतकरेइकठसोघृतअग्निपकायषवावै मदात्तयक्षीणतवदूरनसावै अथवाइटसिटक्काथहिंसंग चूर्णमुलठयुक्तकरवंग तासमघृतपकायकरपीवै ताकेतनमोंपुनवलथीवै जोमद्यपकोंवहुत्रिषहोय त्रिषाचिकित्साकरहैसोय जोंषहुमदतेंहोवतक्षीणा ताहिस्नानवुटणाहितचीन दुग्धअवरघृतपानकरावै याहूतेंतनक्षीणमिटावै ॥ दोहा ॥ चिकित्सामदात्तयरोगकीसोसभकरीवषांन अगेंयाकेपथअप्रथभाषोंसुनोमुजान ॥ इतिमदात्तयरोगाचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथमदात्तयरोगपथ्यापथ्यनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ मदात्तयरोगविचारकरपथ्यापथ्यप्रकार चतुरवैद्यसुनलीजियेतिंहकोंकरोउचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपै ॥ शोधनलंघननिद्राजानो तंडुलवर्षपुरातनमानो सठीशालीचावललहिये मुंगमाषयवकणकसुकहिये हरणमोरतित्तरकोमास लवाससापुनजानोतास स्वदिष्टअन्नजोहृदयसुखावे मिसरीदुग्धपटोलकहावै धात्रीफलफालसेपछान नारकेलजुविजोरामान करपूरछुहारेद्राक्षभनीजै शीतलजलअरुपवनकहीजै घीउपुरातनपथ्यकहावै सदनफुहारनसहितसुहावै चंदनलेपचंद्रकीकिरना प्रीतमप्यारेकोपथमिलना स्वेतमहीनवस्त्रपरिधान युवतीकोआलिंगनमान गीतवजंतरऊचेजोय रोगमदातयकेपथसोय ॥ दोहा ॥ रोगमदात्तयकेकहैसभहीपथ्यसुनाय पुनअपथ्यवरननकरोंसुनलीजैचितलाय ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ तांबोलस्वेददातनअवरअंजनधूमरपान एतेहीइसरोगकेकहेअपथ्यसुजान इतिमदात्तयरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥

॥ अथमदात्ययरोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपै ॥ मोहद्वेषलोभकरज्योय ब्राह्मणकाद्वेषीसोहोय तिसकररोगमदात्तयजान तासउपायसुनोपरिमान ॥ उपाय ॥ रूपेकोइकछागवनावै नेत्रस्ववर्णकेताहिलगावै पुनअैसेहीखुरवनवावै प्रवालरत्नसोगलपहिरावै मोतनहूंकीपुच्छवनाय स्वेतवस्त्रऊपरछविछाय द्रोणतंडुलऊपरहिधरै विधिसोपूजाताकीकरै. अग्निदेवकोवाहनजोय विप्रहिच्छागदेयपुनसोय रोगमदात्ययहोवेनाश अन्नपचैतनहोइप्रकाश दोहा-दोषमदातयकहिदियेकारणसहितउपाय अपस्माररोगवर्णनकरोंसोसुनियेचितलाय

॥ अथज्योतिषउपाय ॥

॥ दोहा ॥ जन्मलग्नसेषष्टघरदेवगुरूपडजाय दशाभीहोवैताहिकीअरूबलहीनरहाय ताहितेमदात्ययकरेप्राणीक्षीनसंताप पूजाउचिततवदेवगुरुमंत्रयथाविधिजाप तिलघृतपिप्पलकाष्टलेहवनकरेमनभाय रोगमदात्तयदूरहैनिश्चेसुखप्रघटाय इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथअपस्माररोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अपस्माररोगहिंकहौंजैसेंकह्योनिदान मिरगीव्याधसुप्रघटहैसुनहोपुरुषसुजान ॥ चौपै ॥ चिंताशोकादिकजोकहै तिनकरकुप्तहोयअतिलहै हृदयमध्यजोनाडीजान तिन्हेप्रवेशकरैंजुमहान वातपित्तकफयहजोतीन दोषाधिक्यकरैंलषलीन ज्ञानस्मृतदोनोकोंनाशै अंधकारज्योकछुनप्रकाशै विक्रतनेत्रहिताकोजान अपस्मारयोंरोगयछान चारप्रकारसोऊविख्यात वातपित्तकफअरुसनिपात ॥ अथपुर्वरूपम् ॥ चौपै ॥ हृदयकंपशून्यडरेआहोय मूढतापरसामूर्छाजोय निद्राकोतवहोइहैनाश अपस्मारआगमलखतास ॥

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ पींडैदांतकंपतनहोवत फैननिकासैमुखतैंजोवत श्वासलेतवहुऊचैसोय फेनअरुणकृष्णवाहोय असवातजकेलक्षणलहै पित्तजलक्षणयोंअवकहै.

॥ अथवातजचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपै ॥ वातजमिरगिकरैलषान वस्तीकर्मताहिपरिमान प्रथमवैद्यऐसेंअनुसरे पाछेउौरचिकित्साकरे

॥ अथपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ पीतजअंगफेनचक्षुपीत पीतलषैसभकछुहोमीत त्रिषासहितउष्णतनलेषै सभकछुअग्निन्यायसोदेषै पैतजअपस्मारसोजानो आगेलक्षणकफजवषानों

॥ अथपित्तजचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपै ॥ पैतजअपस्मारलखपावे ताकोरेचनवैद्यकरावे प्रथमचिकित्साऐसीकरे पाछेउौरग्रंथमतधरे

॥ अथअपस्माररोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथमहुघृत ॥ चौपै ॥ दोइपलमहूपुष्पमंगवावै द्रोणआमलेरसतिहपावै प्रस्थएकघृतपायपकाय षावैअपस्मारपित्तजाय

॥ अथकफजलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ शुकलजोहिमुखफैनसुनैन शुकलअंगरोमांचलषैन भारीलषैआपनीदेही शुकलरूपसभकछुलषतेही वातपित्तज्वरतहिंहोइचूर कफजवेगचिरकरहोइदूर.

॥ अथकफजचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ अपस्मारकफकरजुलखेजव वैद्यकरावैवमनताहितव प्रथमवैद्यऐसेअनुसरे पाछेअवरचिकित्साकरे.

॥ अथत्रिदोषजलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जामोंयहसभचिन्हप्रकाश सन्निपाततेंजानोतास.



॥ अथत्रिदोषजचिकित्सा ॥

॥ पूजाउपाय ॥ चौपै ॥ शिवकोपूजनकरेकरावै अरुविष्णूपूजेचितलावै जपअरुपाठकरावे-करै देवेदानरोगदुखहरै-

॥ अथअपसमाररोगसामान्यचिकित्सा ॥

॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ कौडसुहांजणानिंवपछानो अपामार्गत्वकरससमआनो ॥ इन्हकोरसएकत्रकरावै चतुर्गुणातिंहगोमूत्रमिलावै सभसमतैलपकावेतास मर्दनकरमिरगीकोनाश अन्यच ॥चौपई॥ ॥ गुहअरुनकुलसर्परिक्षधेनु इन्हकेपित्तेसमकरलेनु तिन्हसौंतैलपकावैमलै अपसमार रोगतुतंतवटलै अरुताकीलेवेनसुआर अपस्मारतवरोगनिवार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ तैलमिलायलसुनजोषाय अपस्मारनाशैसुखपाय ॥ अन्यच ॥ शातावरीषायदूधकेसंग अपस्माररुज होवेभंग ॥ अन्यच ॥ ब्राह्मीरसमधुसंगमिलाय सर्वअपस्माररोगनरहाय ॥ अन्यउपाय ॥ चोरजुदीया फाहेहोय तागलकारस्सालेकोय ताहिदग्धकरभस्मकरावै शीतलजलसौंभस्मापिलावै अपस्माररोग-होइनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यउपाय ॥ निर्गुंडीकाजुवंदाआने पीसपीवेनसवारजुठाने अपस्माररोगनरहाय निश्चैजानोकह्योसुनाय ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ मनसिलअवरकवूतरविठ पुन-रसौंतसमकरोइकठ पीसोनयनोअंजनपाय अपस्माररोगतासमिटजाय ॥ अथनसवार ॥ चौपै ॥ गोवांदरविष्ठाअरुश्वान जंवुकइन्हकोपित्ताआन समकरपीसलेयनसवार नाशहोयरोगअपस्मार ॥ अन्यचअंजन ॥ चौपई ॥ वर्चसरीहलसुणकुठहिंग दालहलदमुलठसमसंग अजामूत्रसौंखरलक-राय अंजनकरअपस्मारनसाय ॥ अन्यच ॥ पुष्यनक्षत्रश्वानपित्तालीजै पीसताहिअंजनकरदीजै अरुघृ-तमेलधूपसोदेवै तवअपस्माररोगनरहेवे ॥ अथधूप ॥ चौपै ॥ नकुलगृध्रउलूजुविलार सर्पकाकसुनलेम. नधार इन्हकेपंक्षतुंडविष्टाऊ करइकत्रसमधूपधुषाऊ तातेंअपस्मारहोइनाश वैद्यकमतयोकीनप्रकाश ॥ अथवुटणालेप ॥ सितसर्षपवीजसुहांजनआन समदोइपीसगूत्रमौंठान वुटनामलैलेपपुनकरै सोअ-पस्माररोगपरिहरै ॥ अन्यचधूप ॥ अजामत्सअरुजानोश्वान समयहमाससुकावेआन धूपधुषायरुजी-कोंदेय अपस्माररोगकोंदूरकरेय ॥ अथनसुआर ॥ तीक्षणमरचादिकनसुआर देवैअपस्मारकोंटार ॥ अथमर्दन ॥ कुष्ठराक्षसीचोरकआने आस्फोताकेशीहरडसमठाने पीसगूत्रकेसंगमिलाय मर्दनकरे-अपस्मारनसाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ मयूरशिखानरमांसमंगावे गोघृतसंगजुताहिरलावे तीनोस-मयहषावैजोय अपस्माररोगमूलतेंखोय यामोंकछुनाहीसंदेह निश्चयमनमोंजानोएह ॥ अथअविलेह ॥ वचचूरणमधुंसगचटावै दुग्धभातकोंपथ्यषुलावै चिरकोअपस्मारमिटजाय सुगमउपायजुकह्यो-सुनाय ॥ अथरस ॥ कूषमांडरसताहिमंगावे पीसमुलठमिलायपिलावे अपस्मारकोहोवेनाश निश्च-यमनमोंजानोतास ॥ अन्यचनसवार ॥ चौपई ॥ ग्रीषमरितमोंकिरलाजोय होइमदमत्तजानेसभकोय तिसकिरलेकोउदरचिरावै तामोंमरचांपायधरावै किरलाजवैसूकसोजाय मरचांलेयसभीनिकसाय पीससोइफुनिनासिकापावे अपस्मारततक्षिणमिटजावै ॥ अथपाणा ॥ चौपई ॥ मरुवेवीजमदनकेवीज दोनोसमइकठेकरलीज कर्षएकजलघोलपिलाय अपस्मारनाशेहोइजाय ॥ अन्यउपाय ॥ चोपई ॥ हृदयकंठनेत्ररुजजास श्वेदशीतकरपदलषतास अपस्मारचिरकाजिसहोई अहेअसाध्यजानलेसोई

तिसदशमूलीकाथपिलावै अवरहुंघृतकल्याणपुलावै ॥ अथकल्यानचूर्ण ॥ चौपई ॥ पंचकोलत्रिफला-जुविडंग विडसैंधामघमरचांसंग धनिआंअजवायणअरुसुंठ यहलभसमलीजैकरकठ चूर्णकरैउ-ष्णजलसंग पीवेहोयरोगकोभंग अपस्मारवातकफनाशै उन्मादअर्शग्रहणीजुविनाशै अग्निवधे-वहुलागेभूष नरसुखलहेमिटैंयहदूष ॥ अथपलंकषातैल ॥ चौपई ॥ लाक्षाइटसिटचोरकपाय कुठ-ताहिमोंलेहुसमाय भषडासर्षपवरचमुलठ हरडमोडचोकरोइकठ जाफलहिंगुशतावरिआन लसुण-नाकुलोतिक्काटान यथालाभपंक्षीमांसविष्टाऊ अरुपतीससभसमपीसाऊ वत्सामूत्रचतुर्गुणपाय एकगुणा-संगतैलमिलाय मंदअग्निसोंताहिपकावै मर्दनकरैअपस्मारनसावै ॥ अथत्रिफलातैल ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाअरुजवक्ष्यार मरुवासमयहलेतिहडार करंजुमघांकमीलाआने अपामार्गपुनतासमठाने-गजवावकरेमूत्रकेसंग घृतवातैलसिद्धिकरेनिसंग लेनसवारातिसदेहमलावै अपस्माररोगतासमिटजावै ॥ अथब्राह्मीघृत ॥ चौपई ॥ ब्राह्मीरसवचकुठमंगाय शंखपुष्पीलीजैसमभाय पुरातनघृतमोंपायप-कावै षावैअपस्मारदुखजावै ॥ अथकूष्मांडघृत ॥ चौपई ॥ अष्टादशगुणकूष्मांडरस एकगुणाघृतपा-यमध्यतस मंदअग्निसोंताहिपकाय चूर्णमुलठमिलायजुषाय अरुतिजतनमोंताहिमलाय अपस्मारदु-खनाशकराय ॥ अथलघुपंचगव्यघृत ॥ चौपई ॥ गोगोवररसदुग्धमिलावै दधिगोमूत्रअमलसमपावै समघृतपायपकावैजोय नाशचतुर्थिकज्वरकोहोय अपस्मारउन्मादमिटावै वलअनुमारनित्यजोषावै ॥ अथमहांपंचगव्यघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलीत्रिफलारजनीदो कोगडत्वचासप्तपरनीजो कौडपु-टकंडाअवरजवांही अमलतासफलमूलतहांही लेहुनीलनीपुष्करमूल यहदोइदोइपललेसमतूल द्रोणए-कजलपायपकावै पादशेषयहचूरणपावै त्रिकुटापाठाअवरभिडंगी त्रिवीहरडमूर्वालेचंगी निचुला-आढकोदंतीजान भूनिंवचित्रादोइसारवामान रोहितपूतिकअमदयंतका यहदोइदोइटंकमेलियेतदा एकप्रस्थघृतकोपरिमान घृतसमगोगोवररसठान घृतसमदुग्धगूत्रदधिलेय अवरअमलरसघृतसमदेय मंदअग्निधरताहिपकावै सिद्दजुहोयपथावलषावै घृतजहअमृततुल्यपछान अपस्मारगुल्मरोगकीहान उन्मादअर्शकामल्लानसावै हलीमकराक्षसग्रहमिटजावै चतुर्थिकअवरअलक्ष्मीनाशै इत्यादिकयहरोग-विनाशै ॥ अथमहांचैतसघृत ॥ चौपई ॥ सनमूरवाएरंडत्रिवीदशमूल शतावरीरहसनमघसमतूल अरलुहांजणांतामोंपाय दोइदोइपलसभलेहुमिलाय जलमोंपायजुकाथवानावै पादशेषलषताहिछ-नावै मेदअवरमहांमेदपिसावै मुलठविदारीकंदरलावै हेकाकोलीगोषुरूछुहारे द्राक्षासितायहसमले-डारे घृतसमकाथसमस्तमिलाय सिद्धकरैघृतवललषाय ज्वरनैतिकजुतृतीयकनाशै अपस्मारउन्माद-विनाशै चातुर्थिज्वरजावैश्वास ग्रहजुअलक्ष्मीनाशैकास वीर्यदोषरितदोषजुजेते यातैंशुद्धहोयसवतेते जेंतिनवस्तुनकोपरिमान षोडशगुणाकाथजलठान ॥ अथकपित्थादिवर्ती ॥ कपित्थमुद्रजुमुत्थरल्यावै यवउशीरलेतासमिलावै त्रिकुटातासकेसंगरलाय वत्समूत्रसोंवर्तिवनाय वर्तिषावैरोगीजोय अपस्मा-ररोगनासतिसहोय अवररोगउन्मादविनाशै सर्पदंष्ट्रविषसवतिसनाशै विषपित्तवातजलमृतनरजोय अमृतसमानवर्तितिसहोय ॥ अथजलमृतलक्षणम् ॥ विष्टब्धमूर्द्धअक्षीगुदजास सीतलउदरपादकरतास जलमृतलक्षणएतेकहै शोथपादनाभीलिंगरहै ॥ अथमांसीघृत ॥ चौपई ॥ मांसीलेकाश्मीरीजीवनी कर्षकर्षयहलीजैंमनगुनी इन्हतैंअष्टअष्टगुणजान दुग्धऔरइक्षुरसठान तंहघृतप्रस्थपकायजुषावै अपस्मा-

रपितवातजजावै ॥ अथवचादिघृत ॥ चौपइ ॥ वरचइरंडपलंकषाश्रान हरडहिंगुअरुचोरकठान अम लतासातिन्हसंगमिलावै सभसमघृतमोंपायपकावै वलअनुसारताहिकोंषावै अपस्मारकफवातजजावै ॥ अथकटुभीतैल ॥ चौपई ॥ कटुभीनिंवअवरसणआन मिष्टसुहांजणातामोठान त्वचाइन्हनकीकोर-सलेय तिंहरससमगोमूत्रमिलेय तिन्हसमतैलमिलायपकावैं अपस्मारमर्दनकरजावै ॥ अथशिग्रूतैल ॥ ॥ चौपई ॥ सुहांजनाकुठशिलाजितआन जीरात्रिकुटालसणजुठान हिंगूलेयसभसमहिपिसाय वस्तमूत्र-मोंताहिमिलाय तासमतैलमिलायपकावै अपस्मारमर्दनतेंजावै ॥ अथजीवनीयघृत ॥ चौपई ॥ जीवनीयजेऔषधकहियें पलपलएकप्रमाणलहैयें तैलप्रस्थघृतप्रस्थमिलावै दुग्धद्रोणजलपायपकावै सिद्धतैलकरषावैसोय अपस्मारनाशतिसहोय चिकित्साअपस्मारकीकही निश्चेमनमोंजानोसही ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साअपस्मारकीजानोवैद्यसुजान आगेंयाकेपथअपथसमुझोकरोंवषान

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंगधुवाजिसफरकतरहै नेत्रताहिनरविकृतलहै जोयहरोगक्षीणकोंहोय अरुवहुदिन. तैलषियतसोय सोयहरोगअसाध्यकहीजै शास्त्रनिदानहुतेंलषलीजै ॥ अथकालनियममाह ॥ पक्षपा. छेंहोइपैतजजानो द्वादशदिनहोइवातजमानो मासलगेंजोयहरुजहोय कफहूतेंजानोतुमसोय जोउ' मलांऊपरकोपवहुधैरें द्वादसदिनभीतररुजकरै वर्षारितमोंज्योंवहुवीज अंकुरप्रगटकरैंसुलहीज तैसेंव्याध' प्रगटहोइआवै ग्रंथानिदानमुनयोंदरशावै प्रथमहिंछर्दरेचकरवावै तौनिवर्त्तरोगहोइआवै ॥ दोहरा ॥ अपस्मारलक्षणकहेभाषेंभलेंविचार सनुझचिकित्साजोकरेरुजिहिंनहोयविकार ॥ इतिअपस्मरचि' कित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथअपस्माररोगेपथ्यापथ्यअधिकारानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अपस्मारामिरगीलषोकरैंलोकव्याख्यान ॥ ताकेपथ्यअपथ्यसभभाषोंसुनोंसुजान ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ जोअपस्मारवातकरहोय वस्तीकर्मपथ्यहैसोय जोपितअधिकहुतैंप्रगटावै रेचनताको-पथ्यकहावै कफजहोयतौवमनप्रमान तीनदोषकेपथयोंजान अंजनधूपअवरनसवार शिरताडिनभी-पथ्यविचार वडोपथ्यहैदानकरावन त्रासहर्षविस्मयउपजावन धीरजवुटणाअवरस्नान महापथ्यहैआ-त्मज्ञान घीउपुरातनअवरअनार दुग्धसमस्तपथ्यवीचार ब्रह्मीवूटीकेदलजानो वृद्धजुकुष्मांडपहिचा-नो बाथूसाकफालसेदाष धात्रीफलसुहांजणाभाष तैलातिलनकोपथ्यकहावै वरषाजलपुनहरडलषावै अजाअश्वकोमूत्रजुअहै वहुरपटोलपथ्यलषलहै ॥ दोहा ॥ अवरजुपथउन्मादकेभाषेसभजहजान अपस्मारअपथ्यहैंतिन्हकौंकरोवषान ॥ अथअथ्यं ॥ चौपई ॥ चिंताशोकक्रोधभयकहिये सदा-अपवित्रताहिजोगहिये मदराअरुमछीपहिचान कपटअवरअतिमैथुनमान तीक्षणउष्णअन्नगुरुजोई ताकोभक्षणअपथलषसोई पत्रशाककंदूरीकोफल पुनजानोआषाडमासफल वेगत्रिषानिद्राकोजोय क्षुधावेगपुनजानोसोय इन्हवेगनकोंजेऊरुकावै अयस्मारकोपथनकहावै वहुजलअग्निशस्त्रजुनिहारन लषोअपथ्याकियेउच्चारन पूजाजिन्हकीकरणिकही सोनपूजयहतजिहयोंलही सोभिअपथ्यमृगीकोजा-न वैद्यशास्त्रयोंकीनवषान ॥ दोहा ॥ अपस्मारकेपथअपथसभहीकरैउचार पथ्यगहैत्यागेअपथहोइ-

अरोग्यअपार इतिअपस्माररोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तं ॥ दोहा ॥ अपस्मारवरननाकियोप्रथमहि-कह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिअपस्माररोगसमाप्तम् ॥

॥ अथपस्मररोगदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ पापवुद्धिकरनरषलजोय उपकारीकोंगणेनसोय ताउपकारलोपकरदेह ताकोरोग-प्रगटहोइएह ताकोकहोंउपायसुनाय सुनलीजैअपनोचितलाय ॥ अथउपाय ॥ चौपै ॥ कर्षप्रमाणस्वर्ण-कोंआनै मूर्त्तगणेशचतुर्भुजठानै अर्धकर्षस्वर्णपुनलेय मूषिकप्रतिमातासकरेय मंडपमध्यविराजैजास लों-कपालसंगपूजैतास पुनहिंअर्धरात्रिकोंजोय मत्समांसकोलेवैसोय वैतालनकोंवलिसोदेवै गणेश-मंत्रकरहवनकरेवै विप्रहिंदेनिजदोषमिटाय असेंकर्मविपाकलषाय ॥ दोहा ॥ अपस्माररोगवरन-नाकियोकारणसहितउपाय हिक्कारोगकेदोषकोंभाषोंभलेवनाय इतिअपस्माररोगदोषकारणउपायसमा-प्तंशुभं

॥ अथअपस्माररोगज्योतिष ॥

जोअठमेगृहमोपडेमंगलसूर्य्यसमान शनीवहिोवेताहिमोतीनोग्रहइकमान तिहनरव्याधीआतिकह्योअप-स्मारकीहान तीनोंग्रहकाजपकरेहोमयथावलजान इतिज्योतिषं

॥ अथान्यप्रकारमिरगीरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ गाढीकफदिमागकेमाही वातसंगवावातजनाही सोईदिमागवीचरुकजावे प्राणवायु-केनीचेधावे श्रोतवंदतवमिरगीभाषे प्राणहेत्तकछुरस्ताराषे जेकरप्रानरोकेआजावे तौवहसगतारोग-कहावे आगेमिरगीलक्षणहोईं हाथपैरविंगेअंगसोईं जववुषारशिरमेनहिधावे तावतकालनामिरगी-आवे जोवुषारशिरमेचढजाई तौलचारअतिहीभयदाई प्राणखैचभीतरदुखहोईं विंगेजोडतसंनुजसोईं ताहीछिनदुरगंधीआवे जैसेंगंधकवालजालावे मुरदारकीरकुतरांनजोहोईं हुक्केसमदुर्गंधिसोईं प्राण-स्थानतजअतिभयमांनो विहोसीकरमुखघज्जपछांनो पच्चीवर्षरोगाथिरहोईं आगेऔषधकरेनकोईं मि-रगीरोगहोतजवजांनो ताहिचिकित्साऐसीमांनो अतिशीतअतिगरमीत्यागी अतीनीरलखमिरगीजागे अतीपवनआतिमस्तीहोईं ऊचीजागादेखेसोईं अभ्वदुडावतअतिसुखमांनै इनकारनतेमिरगीजांनै मिरगीवानधूपनहिसेवे अग्नितेजअतिधूंमनलेवे मदरापानकरेनासोईं अतिमैथुनतेंमिरगीहोईं वाल-ककोंमिरगीप्रघटावे ताहिअलाजवहुतनाभावे द्वादशवर्षहोतहैजवहीं मिरगीआपदूरहैतवहीं जेक-रवालकछोटाहोईं पीवेदूधरोगपुनसोईं जोतिसदूधपिलावनहारी ताहिचिकित्सावैद्यउचारी कफकु-तचीजनदीजोताही तरीदूधचरवीचिकनाईं ऐसीचीजनताहिखुलावे रोगदूरवालकसुखपावे ॥ उपाय-आकदूधसोनितप्रतिलीजे पहरशेषदिनमर्दनकीजें हाथपैरतलमर्दनकरिए दिनचालीतकमिरगीहरिए फलहिंगूटनिताप्रतिखावे मिरगीरोगताहिकटजावै ॥ दोहा ॥ वंदालीजोवेलकानरमूत्तरसंगपाय पी-सनासिकादीजिए मिरगीरोगहटाय हाथीकामदलीजिए स्त्रवेकर्नतेजोय रूंईभिगोयसुकाइए पर-मऔषधीहोय मिरगीदेषविहोसनरताछिनकरेउपाय सोमदजलसोंघोलकरनासिकाग्रपहुचाय ॥ चौपै ॥ सतावरीरससतमासेल्यावे तोलेतीनदूधसंगपावे दोईगर्मकरपीवेसोईं मिरगीरोगदूरतवहोईं जेकरवा-

लकरोगीजांनो ताहिसतांवरिशीरामांनो मासेतीनदूधसंगदीजे सताईदिनतकऐसाकीजे भोजनदूधभातनितदेवे पुरातनसठीचावललेवे कसौंडीपुष्पकुठमघपावे पीसनीरनसुत्रारचढावे मिरगीरोगदूरहैसोई आगेऔरऔषधीहोई बर्चलूणमघताहिमंगावे खिरनीजिढचारोसमपावे दुंवेकाफुनिमूत्रमंगाय पीसऔषधीताहिसुंघाय अरलुछिलकामैदाल्यावे तोलेतीनतीनसमपावे खावेंनितप्रतिदोइमिलाय मिरगीरोगताहिकटजाय छिलकाकौडजुणजुणाललिले गोरोपनताहसंगकीजे करेंकुआथदाईकोदेवे शेषरहेसोवालकसेवे अकरकरासेरइकलीजे चारसेरमधुतासंगदीजे॥ पीसमिलायपाकवनवावे साडेत्रैमासेनितखावे मिरगीरोगउठेआराजाई दांतपीडसरदीकीनाई जेकरुधिरअधिकलखपावे सरेरोगकारुधिरछुडावे अथवारगसाफनकाहोई पिंनीपछकरावेसोई हरडआदिकरकुआथपिलावे उदरशुद्धमिरगीकटजावै आमाशयकादोषजोहोई वमनकरायरोगकटसोई छडगुलावकेफूलमंगाय मस्तकीलोहवानसंगपाय सघनपीसनीरसंगपाय ताहिपेटपरलेपकराय समुंदरफलजलपायापिसावे नसुआरलेतामिरगीकटजावै ॥ दोदा ॥ तृडालीजैंआककाताकोमारसुकाय मर्चपायसमपीसिएसोनसुआरचढाय मिरगीसमेउपायकरताहिछींकवहआय कीडाझडेदिमागतेमिर॥ गीसोहटजाय इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांअपस्माररोगकथनंनामविंशोऽधिकारः २०



॥ अथहिक्कानिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ हिक्काहिडकीकौंकहैंताकोकहौंनिदान जैसेंकह्योनिदानमेंतैसेंसुनोंसुजान ॥ चौपई ॥ जो-रूषोकावजभोजनषावै अवरविदाहकभारीपावै अरूशीतलभोजनकोंषावत अरूशीतलअस्थानरहावत अरुजोधूमधूरीमुखजावै थकेअवरवडभारउठावै आतपवातजुवहुतसहारै अरुजोनिराहारव्रतधारै अतिव्यायांमकरैनरजोई वेगमूत्रविष्टादिरुकोई अभिष्पंदजोवस्तूखात हिक्कारोगतासहोइजात इन्हकारणकरकुपतजुवाय प्राणअन्नजलनाडिरुकाय इसकारणतैंहिक्काहोय विवरोकरभाषतहौंसोय वायुउदाननामजिंहगावत शब्दसहितसोऊप्रगटावत कलेजाआंद्रांवारंवार उछलावतसोलषोविकार आंद्रकलेजायोंउछलावत मानोतुरतइन्हैनिकसावत सोहिक्काहैपांचप्रकार ताकोभेदकरौंउच्चार सो-ऊवायुकफसोंआमिलै पांचरूपहोइहिडकीचलै एकअन्नजायमलाएक क्षुद्राएकसुलहोविवेक एक. गंभीरानामपछानो पंचमिकोंमहितीलषमानो ॥ अथहिक्कापूर्वरूपं ॥ चौपई ॥ कंठहृदयमेंगुरताहो-य कुक्षभारीमुखरसविनजोय हिक्काकोयहपूरवरुप जानलहोहैपुरुषअनूप ॥

॥ अथअन्नजालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अन्नपानअत्सयजोकरई पीडतवातहिडाकितिसवरई ऊर्द्धगमनकरदुखउपजावै अ-न्नजहिडकीताकोंगावै ॥

॥ अथयमलालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वेगयुगलजोकरेमहान चिरकरप्राप्तलषोजुसुजान शिरग्रीवाकोंजोकंपावै यमलाहि-डकीसोऊकहावै ॥

॥ अथक्षुद्रालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हिडकीजोचिरपीछैंआवै मंदवेगताकोदरशावै जंतुमूलतेंआवैजवहि प्राणीकोदुख-देतहितवहि सोईक्षद्रानामकहीजै गंभीराअवसुनलषलीजै ॥

॥ अथगंभीरालक्षणम् ॥

नाभिस्थानतेउपजितजोय ज्वरादिउपद्रवसंयुतहोय घोरगंभीरानादसुकरै गंभीरानामतासउच्चरै ॥

॥ अथमहतीलक्षणम् ॥

॥ चोपई ॥ मर्म्मकोंउत्पाटनकरै सभहिअंगकंपवहुधरै सभसमयहोवतहैदिनरात कालनियम-कछुनाविख्यात सोमहितीहिडकीकरजान सभतैंकठिनयाहिकोंमान ॥

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिसकोंहिडकीऐसीआवै देहसकलजोसिमटीजावै नेत्रफटैंहिडकीकेलेत मुखतें-अन्नभक्ष्योनिकलेत ऐसेलक्षणजामोलहिये सोअसाध्यहिक्कालषलैये जोमहितीजुगंभीराहोय दोऊइ-कठीअसाध्यलषसोय इसरोगाहिंकरक्षीणजुलहिये वृद्धअवस्थाविनरुचअहिये मोहरहेछिक्काहोयजास वैद्यत्यागकरजावेतास मैथुनाप्रियइसरुजमोहोय तासचिकित्साकरैनकोय ॥ अथसाध्य ॥ मोहप्रलाप-

करजुक्तजुजोय तृष्णापीडा।जिसनरहोय जाकीदेहक्षीणनहीहोई इंद्रयवलसंयुक्तजुसोई तासाचिकित्साकरणीयोग कह्योसाध्यशास्त्रइहलोग पूर्वलक्षणकहेजुहोय देहइंद्रियवलक्षीणहेजोय ऐसीयमलाजाकोजान जावैवैद्यत्यागातिसमान ॥ दोहा ॥ हिक्कारोगनिदानकोंवरन्योभलीप्रकार तासचिकित्साकहितहोंसुनलीजैमनधार ॥ इतिहिक्कारोगनिदानसमाप्तम् ॥

॥ अथहिक्कारोगशिक्षाचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ हिक्काकेअवभाषहोंसुनोचिकित्सातास ज्योंजगहितवंगसेननेहितसोंकरीप्रकाश ॥ अथाहिक्काउपाय ॥ चौपई ॥ प्रथमउपायकहोंसाधारण तासोंहिडकीकीजेटारण प्राणायामजुरोकनप्राण हिडकीजायसत्ययहजाण अरुतरजनतेंहिडकीजाय विस्मायनतेंभीनरहाय अरुजोहोयतासत्रिस्कार हिडकीनाशेलगैनवार घोरअलापनकरैजुकोय तातेंनाशहिक्कादुखहोय अथवाहृदिमर्दनहृदघात तातेंरुजहिडकीभगजात अथवाकथाप्रसंगसुनावै तातेंभीहिक्कामिटजावै इंद्रवज्रअग्निअरुपवन वृद्धिकोप्राप्तकउनिवारन तैसेविलंविकाहिक्काश्वास वैद्यजुकौननिवारेहितास ॥

॥ अथहिक्काचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अल्मफलरसलेतासपिलावै हिक्कारोगतासामिटजावै अल्मफलकहेजुग्रंथमेमानो भिन्नभिन्नतिन्हेनामवषानो किंवजंभीरीनिंवूजान अम्लवेतविजोराइल्मीमान ॥ अन्यच ॥ मुलठजुमधुसोंचाटेजोय वामघशर्करासंयुतहोय इन्हकरहिक्काहोवैनास ग्रंथकारमतकीयोप्रकास सुंठमिलायअजापयपीवै हिडकीनाशतासतेंथीवै ॥ अन्यच ॥ प्रयंगूकारसताहिपिलावै यातेंभीहिक्कारुजजावै ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ लाजासत्तूलवणामिलाय जलमिलायकरताहिचटाय हिक्काकोरुजहोबिनाश वंगसेंनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ मुलठपीपलीसमयहआन मधुसोंचाटेहिक्काहान ॥ अन्यच ॥ गुडअरुसुंठामिलायजुषावै हिडकीजायपरमसुखपावै वालेवेताकीनसवार हिक्कारोगतासतेंटार ॥ अन्यच ॥ विजोरेरससमधुजुमिलावै सौंचललवणरलायचटावै हिक्कारोगनाशतवहोय वैद्यकमतयोंजानोसोय ॥ अन्यच ॥ धारादुग्धथननतेंलेवै हिक्कारुजकोनाशकरेवै ॥ अन्यच ॥ सुंठआमलेमघांमिलाय मधुमि. लायचाटैदुखजाय ॥ अन्यच ॥ त्रिफलासमलेचूरनकीजै मधुमिलायचाटैसुखलीजै ॥ अन्यच ॥ मधपीपलगेरीयहदोय मधुमिलायचाटैसमजोय हिक्काकोहोवैतवनाश आनंदउपजैवहुतहुलास ॥ अन्यच ॥ वेरगिरीसुरमाअरुलाजा तिकागेरीसमलेकाजा कंचनपत्रमधमेलचटावै हिडकीरोगनाशकरवावै ॥ अन्यच ॥ मघांआवलेमिसरीआन ताकाचूरणकरेसुजान सुंटीकाहीदधिमधुमेल चाटैजोहिक्काकोंठेल ॥ अन्यच ॥ सफलसपुष्पपाडलीमंगावै ताहिषजूरांमघांमिलावै मुत्थरमधुमिलायकरचाटै हिक्कारोगयाहिसोंकाटै ॥ अन्यच ॥ मिसरीमिरचलौंगपुनपाय गिरीवेरकीसमकरभाय मधुसोंव्याधीचाटेप्रात हिडकीताकीतवहीजात ॥ अन्यच ॥ सुंठवेरगिरिमरचेंसंग पीसलेयसमअवरलवंग मधुमिलायकरचाटैजोय हिडकीनाशतासकीहोय ॥ अथचूरण ॥ चौपई ॥ मघांआमलेसुंठसुलीजै मिसरीमेलसुचूरणकीजे ताकोंषावैहिडकीजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ हरडवहेडेसैंधापावै भूनजवायणतासमिलावै चुटकीत्रैअगुलीनितषाय निश्चैहिडकीरोगनसाय ॥ अन्यच ॥ एकपत्रथोहरकाआन असगंधपत्रदोतामोठान यहचूरणगोपयसोंपीजै हिक्कारोगनाशकरदीजै ॥ अ-

थधूप ॥ चौपई ॥ मनछलहलदीसमकरमान अग्निधुषावैवैद्यसुजान व्याधिकेमुखधूत्रांदेवै हिड-कीनाशहोयसुखलेवै ॥ चौपई ॥ गोविषाणनैपालीलीजै कुठरालइकसमसोकीजै अग्निधारकरधूम-जुपान होवैतवहिक्काकीहान ॥ अन्यच ॥ कुशापीसघृतसंगामिलाय अग्निधुषायधूमसुदिवाय होवै-हिक्काकोतवनास रोगीकोतवहोताविलास ॥ अन्यच ॥ केवलमाषदालजुधुषावै धूमतासदेहिडकी-जावै ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ विष्टामाषीलाषमिलावै जलमिलायनसवारदिवावै प्रातहिउठले-वैनसवार हिडकीनाशैनिश्चेधार ॥ अन्यच ॥ सुकतीकिटाहिंगुमंगवाय लसणवर्चसमलेपीसाय अजामूत्र सातपुटदेय सोनसवारव्याधीनितलेय तातेंहिक्काहोवेनाश समुझलीजीयेकरविश्वाश ॥ अथक्काथ चौपै ॥ रेवंदमघसमक्काथवनावै सहिंगुपीजीयेहिडकीजावै श्रीधन्वंतरवाकवषान्यो पाहीतेंनिश्चयमनठान्यो ॥ अ-न्यच ॥ मूलसंभालूकूठपीसाय टांकटांकमघहिंगुमिलाय करैक्काथरोगीकरैपान होवैनिश्चैहिडकीहान ॥अन्यउपाय ककूलअवरईक्षूरसआन चित्रापीसताहिमेंठानया कोंपीवेउठपरभात होइजावैहिक्काकोघात ॥ नसवार ॥ नारीदुग्धसंगघीउपकावै वामधुरवस्तुसंगसिद्धकरावै ताहिघृतकोपानकरावै नसवारलेय-हिडकीदुखजावै कफवातहरनवस्तुजोकही हिक्कानाशनजानोसही

॥ अथहिक्काश्वाससंयुक्तहोवेताकीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हिक्काश्वासएकठेजास कहोंसुनायचिकित्सातास परसामर्दनतैलप्रसस्त वमनकरा-वनरेचनफस्त ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठभिडंगीचूरणकीजै सतप्तोदकपीजेदुखछीजै ॥ अन्य ॥ सुंठभार्गीसितासौंचलपाय तप्तनीरसोंपीरुजजाय वाहरडसुंठतप्तोदकपीवै नाशश्वासाहिडकीकोथीवै अथवामरचअवरयवक्षार पुष्करमूलएकसमडार तप्तनीरसोंपीवैजोय नासश्वासाहिडकीकोहोय-॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ देवदारुकाथदशमूल पीवैश्वासहिक्कानिरमूल ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ सौचलमघाअवरयवक्षार चोरकाहिंगुहरडफुनडार दशमूलक्काथदधिमंडमिलाय मंदअग्निघृतपायपकाय हरडसंगउठसोघृतपीवै हिक्काश्वासनाशतवथीवै ॥ अन्यच ॥ प्रथमहिंवासाक्काथवनावै तंहभिल-यघृतकोंपकवावै प्रातहिंघृतकोंपीवेजोय नाशश्वासहिडकीकोहोय ॥ अन्यच ॥ प्रथमहिंत्रिकुटा क्काथवनावै तामोंघृतपकायकरषावै हिक्काश्वासहोयतवनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ सोंचलमघांअवरयवक्ष्यार हिंगुकायफलयहसमडार तप्तनीरसौंवलअनुसार पीवैहि डकीश्वासविडार अथवामदराकोकरपान होयश्वासाहिडकीकोहान ॥ अथदुग्ध ॥ चौपई ॥ सौंचलमघांअवरयवक्षार चोरकाहिंगुहरडफुनडार दशमूलक्काथदधिमंडपकाय मंदआग्निघृतपायमिलाय हरडसंगउठसोघृतपीवै हिक्काश्वासनाशतवथीवै ॥ अन्यच ॥ प्रथमहिंवासाक्काथवनावै तंहमिला-यघृतकोंपकवावै प्रातहिंघृतकोंपीवेजोय नाशश्वासाहिडकीकोहोय ॥ अन्यच ॥ प्रथमहिंत्रिकुटा-क्काथवनावै तामोंघृतपकायकरखावै हिक्काश्वासहोयतवनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथदुग्ध ॥ ॥ चौपई ॥ अजादुग्धगुडसुंठमिलावै तोयचतुर्गुणपायकढावै जलजलजायशेषपयरहै पीयश्वा-सहिक्काकोंदहै ॥ अथशृंग्याद्यंघृतं ॥ ककडशृंगीभार्गील्याय सुंठमुलठहरडतिहपाय मंजीठहरिद्रा-लीजैसंग क्काथकीजियेहोयानिसंग प्रस्थएकघृतक्काथमोपाय मंदअग्निसोताहिपकाय चतुर्गुणसीत-लजलकेसंग फुनघृतसिद्धकीजियेचंग सोघृतपानकरेनरजवहि हिक्काश्वासकासहरतवहि ॥दोहा ॥ हि-क्कारोगनिवारणेकरीचिकित्सगान आगेंयाकेंपथअपथभाषोंसुनोसुजान ॥ इतीहकीरोगचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथहिक्कारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ हिक्काकोंहिडकीकहैंताकेपथ्यापथ्य वरनतहोंसभजनसुनोजानवातयहतथ्य ॥ अथपथ्यं॥ ॥ अडिल्पछंद ॥ स्वेदवमननसवारजुधूमरपानही रेचनानिद्रामृदुसनिग्धअन्नषानही कणकसठीयवचावललहीपुरातना तीतरहरणवटेरमासहितकरगिना १ लस्सुणपक्ककपिथ्यपटोलपछानिये तुलसीश्यामपछानतप्तजलमानिये छोटीमूलीमदरापुष्करमूलरे हरताकफअरुवातजलान्नतांवूलरे माष्योंअवरजुलाजाशीतजलछिरकनो वहुतहर्षवहुद्वेषक्रोधपुनवहुगिनो तातकालदेत्रासतप्तजलपानसुन प्राणायामकरावैशिरजलधारपुन मृतिकाजलकरसिंचीगंधसुदीजीये दग्धमृत्तिकागंधपुनहलषलीजीये नाभिऊपरउदरदुअंगुलजानहो वलसोंमर्दनकरनपथ्यपरिमानहो दीपकसेतीगांठीहरदिजलाईये चरणउपरदोईअंगुलनाभिदागादिवाईये हिक्कारुजकेपथ्यसुयहलषलीजिये पाछेतेंपुनसमुझचिकित्साकीजिये ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ हिक्कारुजकेअपथ्यहैतिंहकोंकरोंउचार समुझलहोमानुषचतुरतिंहकोसभपरकार ॥ अथअपथ्यं ॥ अडिल्पछंद ॥ अधोवातअरुविष्टामूत्रडिकारजो इन्हकारोकनवेगअपथ्यविकारसो धूरिपानअरुआतपषेदविरुद्धभक्ष ग्राहकदाहकरौक्षअन्नजलपानलष माषचणेजुरवांहिअवरषलजानिये अनूपदेशकोंमांसपअथ्यपछानिये तुंवीफलअरुसरषपमत्सवषानयो भेडदुग्धअरुअमलअपथ्यपछानयो तैलतलीसभवस्तुकंदसभजानरे गुरुशीतलसभअन्नपानउरआनरे दांतोंकोंसंघरषणादातणजानिये एतेकहेअपथ्यस्वमनअनुमानिये ॥ दोहा ॥ हिक्कारुजकेपथअपथभाषेसमुझविचार करैचिकित्सासमुझयदतातेंनाहिविकार॥ इतिहिक्कारोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥

॥ दोहा॥ हिक्कारोगवषान्योप्रथमनिदानसुनाय पुनहिचिकित्साताकहीपथ्यापथ्यप्रभायइतिहिक्कारोगसमाप्तं॥

॥ अथहिक्कारोगदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

चौपई ॥ तपवर्णाश्रमधर्मंजुकहिये सोतपतजैअैसोनरलहिये ताकोंहिक्काआयसंचरै तासउपाय सुनोउच्चरै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ मृगकेचरमउपरतिलधेनु स्वर्णश्रृंगिषुररजतलषेन मुक्तादामपूछसंगलावै पूजैविधिसोंवस्त्रउढावै दक्षिणसहितविप्रकोंदेय हिक्कारोगदूरकरलेय ॥ दोहा ॥ हिक्कारुजवरननकियोकारणअवरउपाय श्वासजुदोषवषानियेसुनलीजैचितलाय ॥ इतिहिक्कादोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथहिक्कारोगज्योतिष ॥

दशासूर्यकीवुद्धमोआनपडैपापिष्ट चौथेअठमेवारमेजन्मभावकरश्रेष्ट हिक्कारोगजुताहिकोयाहीकह्यो जथार्थ सूर्यपूजायथाविधिकेरताहिनिवारणअर्थ ॥ इतिज्योतिषम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांहिक्कारोगाधिकारकथनंनामएकविंशोऽधिकारः ॥ २१ ॥



॥ अथश्वासरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ हिकारोगनिदानवषानो श्वासरोगमेंसोतुमजानो वंगसेनजोकीनउचार चिकित्साताकीभिन्नविचार सर्वशरीरपवनजोधावे कफसेंमिलसवनाडरुकावे जववहपवनफिरनेरहिजाय श्वासरोगतवहीप्रगटाय ॥ दोहा ॥ भाषोंअनुक्रमश्वासकोसोहैपाचप्रकार तिसकोविवरोभिन्नकरसुनहोपुरुषउदार ॥ चौपई ॥ महाश्वासइककोंजुवषाने ऊर्द्धश्वासदूसरकोमाने श्वासविक्षिन्नतीसरोजान तमकश्वासचौथोपहिचान क्षुद्रश्वासपंचमकोंकहिये पांचप्रकारइसीविधलहिये वातकोपतेंक्षुद्रजुजान कफकेकोपतेंतमकसुमान विक्षिन्नपित्तकोपतेंकहिये महाअरुऊर्धबाततेंलहिये अथश्वासपूर्वरूपमाह ॥ चौपई ॥ श्वासरोगजवप्रथमहिंभासे एतेंलक्षणतवैप्रकाशे उरमोंपीडाशूलअफारा कवजविरसमुखकीनउचारा दोइसंखनमोंपीडाहोय इहविधिलक्षणजानोसोय वातसकफहोइक्रोधहिंधरै लोकसकलइंद्रयवशकरै सोऊवातश्वासउपजावै पांचप्रकारसोईप्रगटावै ॥ अथमहाश्वासलक्षणं ॥ चौपै ॥ जोनरकोंकंपावतवात दुखितश्वासऊचेप्रगटात मदमत्तहुयेवृषभकीन्याई श्वासलेतसोनरयोंगाई त्यक्तहोयज्ञानविज्ञान लोचनभ्रांतमुखषुल्येरहान विष्टामूत्रवद्धतिसहोय वोलनकोंसामर्थनसोय दीनहुआआतिहीदुखपावे दूरहितेंस्वरश्वाससुनावे यहमहाश्वासरोगजिसहोई शीघ्रमरैहै रोगीसोई ॥

॥ अथऊर्द्धश्वासलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ दीर्घश्वासऊपरकोंआवैं नीचेकोंनाहिंषैंचोजावैं कफकरमुखमेंनाडद्वार रोकेजावैंतिहनिरधार क्रुद्धवातकरपीडतहोय ऊचीदृष्टराषहैसोय नेत्रडरेवततताकेमान इतउतदेषतभ्रमाचितजान विकृतमुखकरदेषतरहे मोहअबरपीडाकोंगहे सूकोमुखपीडतवहुश्वास ऊचेआवेंअधनप्रकाश ऐसोश्वासवृद्धयवहोय शीघ्रमरैहैरोगीसोय महाश्वासअरुऊरधश्वास यहअसाध्यहैंकरहैंनाश॰

अथविक्षिन्नश्वासलक्षणम्

॥ चौपई ॥ जाकोंश्वासवारइकआवैं दूसरिवारवंदहोइजावैं मर्मछेदपीडाकरजोई लेनसकैजुश्वासपुनसोई स्वेदआनाहमुर्छाकरेसोय प्रलापदुखताकेतनहोय नाभितलैपीडारहैतास अश्रुपूर्णलोचनहोईजास सोनरक्षीणदेहहोइजावैं श्वासलेतचक्षुअरुणदिषावैं शुष्कवदनविवरणहोइरहे चित्ततासउद्विग्नतागहे ऐसोशीघ्रप्राणकोंदेवैं श्वासविक्षिन्नअसाध्यकहेवैं ॥

॥ अथतमकश्वासलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ वातउलटवेगजवकरै नाडियोंयाअवेशसोधरै जवप्रवेशपूर्णकरलेय शिरग्रीवाकोंपकडधेरय तवमुखसोंसोकफनिकलावे अरुपीनसनिससदारहावे कंठविषेघुरघुरस्वहोय प्राणतीव्रवेगाहिंदुखजोय महाअंधकारमंझार निजाहिंप्रविष्ठतलषैविकार श्वाससहितषांसीवहुजास तातेंनिरचेष्टाहोइता. स जवाहिंकफानिकसनपरआवत वहुतदुखताकोदरशावत कफहूंकेनिकसेंउपरंत मुहुर्त्तमात्रसुखहोतिसजंतकंठमांहिपुरकवहुहोय वडेकष्ठसोंवोलतसोय वैठारहैतोसुखकोंमाने लेटेंदुखहोइनिद्राजाने अंगकंपपरसातनरहे मुखसूकेअसपीडासहै शयनसमेहोयपार्श्वपीर उच्छ्रितनयनलषोमनधीर मेघहुंतेंसीतलजलपान इन्हतेंहोइयहदुखपरिमान अरुपूर्वदिसाकीलेवेवात अरुकफकृतवस्तुजोषात इन्हहुंकेसेवनतेंजान तम

कश्वातवृद्धहोइमान कफअरुवातहुंतेंजोहोय उष्णवस्तुसुखमानोसोय जाकोंज्वरअरुमूर्छाहोय तमक श्वासजानोतुमसोय आमविदग्धकरनरहेजोय पित्तहुतेंप्रगटेहैसोय धूरिअजीर्णतेंभीलहिये विष्टामूत्ररोधतें कहिये वृद्धअवस्थाकरभीहोय अंधकारकरवधहेसोय सीतवस्तुसेवैजोकोऊ तमकश्वासशांतितिहहोऊ कष्टसाध्ययहश्वासपछानो आगेंक्षुद्रश्वाससुवषानो ॥

॥ अथक्षुद्रश्वासलक्षणम् ॥

चौपई रूखेभोजनजोजनरषावे अथवाषेदकरैश्रमपावे कोष्ठस्थानवातसंचरे क्षुद्रनामतासतेंधरे इ-न्हकारणतेंयहप्रगटाय यहवहुपीडादेतनकाय अंगपीडाभीवहुतनकरै जलभोजनकोरोकनधरै सभ-इंद्रीकोंदुखनहिदेवे क्षुद्रश्वासमुखसाध्यकहेवे ॥ दोहा ॥ महाश्वासअरुऊर्द्धपुनअवरविछिन्नअसा-ध्य कष्टसाध्यजोतमकहेक्षुद्रश्वाससुखसाध्य इतिश्वासरोगनिदानसमाप्तम् ॥ समाप ॥

॥ अथश्वासरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ श्वासचिकित्साभाषहोंवंगसेनअनुसार जोयाकोंसेवैरजीहोयसोरहितविकार प्राणहरणजोरोग-हैसोहैवहुतप्रकार जैसेहिकाश्वासहैतैसोकियेउचार ॥ अथयवागुक्काथ चौपई ॥ दशमूलरासनामघांकचूर सुंठजानपुनपुष्करमूर जहसमलेकरक्काथवनावै ताहिजवागूपायपकावै सोरोगीकोंनित्यपुलावै अथवाकेव-लक्काथपिलावै अथवाआमलीककडशृंगी रिद्धगिलोयअरसुंठभिडंगी इन्हकेक्काथरवागूसाथ पिलादेवा. केवलकरक्काथ श्वासकासहिडकीयहनाशे हृदयहपार्श्वपीडाविनाशे ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ दशमूलकु-लथअवरयवजानो मुत्थरवलाकोलसमठानो करक्काथउठप्रातपिलाय श्वासकासहिडकीमिटजाय अन्य च चौपे कुलथसुंठअरुलघुकंड्यारी वासासमकरकाथसुधारी चूरणपुष्करमूलवरूर पीवैश्वासकासहोइदूर अन्यच ॥ चौपई ॥ क्काथकरैसमलेदशमूर ऊपरपुष्करपीसवरूर पीवैश्वासकासहोइनाश पार्श्वशूलकोकरै विनाश॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वरचकंड्यारीअरसुदार सुंठकायफलपुष्करडार यहसमक्काथपानजोकरै शीघ्रश्वासकासदुखहरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विल्वजवाहालघुकंड्यारी भषडाककटशृंगीडारी चित्रा अवरगिलोयमिलाय क्काथपांनयहश्वासमिटाय ॥ अथभिन्नाभिन्नक्काथ ॥ चौपई ॥ कुलथदशमूलक्काथ करलीजे जंगलपक्षीरसमासरलीजै रोगीपिवैताकोयास रोगजायसुषहोयपरकास कासमर्दक्काथपिला वैयास वाक्काथसुहांजणदीजैतास वावासाकोक्काथदिवावै मूलीमूलीयूषपिलावै भिन्नभिन्नयहक्काथपछान सभहीश्वासरोगहरमान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडसुंठमधुपर्णीमिलावै पुनदशमूलसमक्काथवनावै पी वैतमकश्वासयहहरै वातश्वासनाशेसुखकरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ केवलअभयाक्काथसुधारे भांगुरेरसअ-रूमाष्योडारे पीवैतमकश्वासमिटजाय वंगसेनभाषनसुखदाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कदलीकुंदपुष्प-पीसावै सरोंहपुष्पसममघांमिलावै तंडुलजलसोंचूर्णखाय श्वासरोगकादुखमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चौपे. सुंठमघांमुथककडशृंगी पुष्करसटीमरचलेचंगी सभसममिसरीपीसमिलाय पुनयहक्काथपकायवनाय वा साअरुगिलोयपंजमूल करैक्काथयहलेसमतूल याहिक्काथसोंचूरणसोय पीवैतीनदिनादुखषोय घोरश्वा. सकाहोवैनाश दुखमिटेहोइसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ चौपे ॥ कूष्मांडजडछांहिसुकावै चूर्णतप्तनीरसों पावै श्वासरोगकोहोवैनाश दुखजावैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाककटशृं-गी पंचलवणकंड्यारीभिडंगी अवठानोतुमपुष्करमूल यहचूरणकीजैसमतूल तप्तनीरसोंपीवैजोय श्वासअव

रहिकाक्षयहोय केवलपुष्करमूलकोचूरण वासुंठयवक्षारकरेतिसपूरण ताकोषावैरोगीजोय तमकश्वासदूरति सहोय अन्यच॥ चौपई॥ जीवंतीलेपुष्करमूर सुरसाएलामधांकरचूर अगरसुंठआमलिमुथपिसाय दालचीनीगाळातनतभयाय अठगुणीशकरामिलावै वलअनुसारताहिकोंषावै तमकश्वासहिडकीकोनाश दुख जावैसुखउपजैतास अथअविलेह ॥ चौपई कटुकतैलमोगुडजुमिलावै दिनइकीसपर्यंतचटावै श्वासरोगहोयेनेमूल निश्चैजानोकवीनभूल अन्यच॥ चौपई ॥ द्राक्षाहरडजवांहाशृंगी मघांमिलीयेतासंगचंगी समयहचूर्णकरोचितलाय मधुघृतमेलोनित्यचटाय दारुणश्वासकरैयहनाश निजमननिश्चयकोजैतास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हलदीमरचांदाषकचूर गुडरहसनमघइकरुमपूर तैलमिलायचटावैजोय स्वासप्राणहरनाशेसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ धात्रीफलकंडचारीजान यहदोईसमलेचूरणठान इन्हतैंअर्धहिंगुजुरलाय मधुमिलायदिनतीनचटाय श्वासरोगकाहोइहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अथधूम्रपान ॥ चौपई ॥ हलदीपत्रएरंडकोमूल मनछलदेवदारुसमतूल मांसीमुथरलाषमिलाय घृतमिलायवातीभिगवाय अग्निधुषायनिजवदनपसार पीवैधूम्रांरोगनिवार दारुणश्वासनाशहोइजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै ॥ अथहिंग्वादिघृत ॥ चौपई ॥ हिंग्वालेविडंगात्रिकुटाय पूतिकचित्राकर्षसमभाय प्रस्थएकघृतपयदोइप्रस्थ तोयचतुर्गुणपायप्रसिस्थ मंदअग्निपरताहिपकावै वलअनुसारताहिकोंषावै श्वासकासअरुचक्षइनाशै अर्शगुल्मयहरोगविनासै अथसौवर्चलघृत ॥ चौपई ॥ सौंचलकौडवरचयवक्षार त्रिकुटाचित्रासमलेडार अरुविडंगघृतपायपकावै षाययथावलश्वासमिटावै ॥ अथकुलत्थादिघृत ॥ ॥ चौपई ॥ कुलत्थअवरलीजैदशमूल ब्राह्मीज्यउलेसमतूल प्रस्थप्रस्थइन्हकोपरिमान द्रोणएकजलपायपकान पादशेषरह्योजवजाने प्रस्थएकतामोघृतठाने दोयप्रस्थदुग्धतिहपावै पुनपलपलदहपीरुमिलावै पंचकोलअवरयवक्षार मंदअग्निसोंलेहुसुधार बलअनुसारनितयहषावै श्वासकासहिडकीमिट जावै ग्रहणीअर्शविषमज्वरनाशै पीनसगुल्महृदरुजाहिंविनाशै अवरपलीहरोगकोटारै करवलवरणअरुजतावारै ॥ अथभृंगराजतैल ॥ चौपई ॥ दशगुणभृंगराजरसलीजै तैलएकगुणपायपकीजै वलअनुसारपीजियेसोय नाशश्वासकासरुजहोय ॥ अथक्षारपिप्पलि ॥ चौपई ॥ पलासवृक्षकोलीजैछार मघापीतसमतामोंडार मधुघृतमेलमासपर्यंत चाटेश्वासकासहोइअंत हिकाअर्शपांडुज्वरजाय ग्रहणीपीनसशोथमिटाय कंठरोगगुल्मक्षइनाश अरुस्वरकंठसुद्धपरकाश ॥ अथभार्गीगुड ॥ चौपई ॥ शतगंठीभिंडंगीलीजे एकशतहरडेंसमुझपतीजै भिडंगीतमदशमूलमिलाय चतुर्गुणतोयसोंमंदपकाय पादएकशेषजवरहै छाणलेयहरडेंपुनगहै गुडतुगुणोमेलपकावै पक्कलेहरुमलपजवपावै तलेउतारिशीतलकरै षटपलमधुतामोअनुसरै त्रिकुटात्रीसुगंधपीसाय पलपलयहपावोरुमभाय दोयकर्षमेलयवक्षार पुनसनिग्धवासनमोंडारै एकहरडअर्धपललेह नितप्रतिषावैचाटैएह श्वासकासमंदाग्निमिटावै अग्निवरणस्वरअधिकवधावै ॥ अथकुलत्थगुड ॥ चौईप ॥ कुलत्थअवरदशमूलमंगाय ब्राह्मणज्यउेइकसमभाय शतशतकर्षइन्हकोपरिमान पायद्रोणजलकरोपकान पादशेषरह्योजानेजवै वस्त्रछानलेयताकोंतवै तुलार्धप्रमानगुडतामोंपावै पक्वनायशीतलकरवावै माष्योंअरुपलपायमिलाय वंशलोचनरतुपलतिहपाय मघपीपलदोपलपरिमान त्रीसुगंधदोइपलतिहठान अरुसुगंधदोइपलतिहदीजै सभामेलायवलपनितपीजै तमकश्वासकोनासकरावै श्वासकासहिडकीज्वरजावै दोहा कही.हिचिकित्साश्वासकीवंगसेनअनुसार आगेंवरनोंयाहिकोपथ्यापथअधिकार इतिश्वासरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथश्वासरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यश्वासरोगकेग्रंथनकेअनुसार वरननकरौंसुजानियेनिजउरसमुझविचार अथपथ्यं अडिल्यछंद रेचनछर्दजुस्वेदधूम्रकोपानसुन साठीयवअरुकणककुलथपरिमानपुन दिनकोसोनोअवरपुरातनतंडुला मांसजोतीतरमोरपथ्यजानोलवा मारूथलमृगपक्षीइन्हकोमासही वक्रीकाघृतदुग्धपथ्यलषतासही अवरपुरातनघीउमद्यमधुजानिये कंडचारीवृंताकद्राषपहिचानिये शाकचुलाईवाथुहरडपटोलसुन लघुलाचीमघपीपलसुंठीमरचपुन तप्ततोयगोमूत्रजुपुष्फरमूलही लघुदीपनअन्नपानश्वासहरशूलही कंठकूपदोइकक्षअवरदोइवक्षलहु दीजैशस्त्रतपायदागइन्हठौरमहु यहमभभाषैपथ्यरोगजोस्वासके इन्हपथ्यनकोंगहेरोगहततासके ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेरुजश्वासकेसमुझोपुरुषउदार प्रथमहिपथ्यप्रमानकरपुनकीजैउपचार इतिपथ्यं अथअपथ्यं ॥ दोहा अपथ्यकहौंअवश्वासकोतिन्हकोंत्यागैजोय श्वासरोगतिसनारहैऔषदसफलीहोय अडिल्यछंद मूत्रपुरीषडिकारछर्दत्रिषकासजो इन्हकोंरोकजुराषैकहोअपथ्यसो दंतकाष्ठजोकरैलेयनसवरही मैथुनमारगचलनवहुतश्रमधारही भारउठावतधूरिउडीमोंपैठनो सूरजकीजहांधूपतहांवहुवैठनो ग्राहकदाहकभारीवस्तुजुषावनी अनूपदेशकेमासजुरकलुडावनी तैलतलीजोवस्तुमत्ससरषपलहो जलजेकर्फकरदुष्टकंदसभलषगहो माषनखाहिनआदिजुकफकरवरतुजे पूर्वदिशाकीपवनदुग्धघृततक्रते ॥ दोहा ॥ श्वासरोगकेपथअपथभाषैसमुझविचार वैद्यचतुरसोइजानियेलषपुनकरउपचार इतिश्वासरोगेपथ्यापथ्यअधिकार

॥ अथश्वासरोगदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

अथकारणउपाय ॥ चौपई ॥ जोविनायज्ञपशुहनकेश्वास रोकरषैऔरैलषतास अरुजहांकथापुराणसुहोय अन्यकथातांहिभाषैजोय अरुनिषिद्धवस्तुनकोंषावै धर्मसास्त्रकीनिंदासुनावै अरुजोक्षुधारथीनरहोयविप्रतासभोजनकरजोय तिन्हकोंश्वासरोगप्रगटावै ताउपाययोंभाषसुनावै अथउपाय ॥ चौपई ॥घृतमास्वर्णवरुणअरुवाय ताम्रपात्रमोंधरैवनाय रजतपाशवरुणकरदेय ताम्रधुजामारुतकरतेय सजलकलसउपरिसोंधरै पुनतिलपंचद्रोणअनुसरै तिलनउपरसोकलशधरावै समंत्रनपूजेहवनकरावै करसंकल्पव्राह्मणकोंदीजै श्वासरोगतैंमुक्तिलहीजै ॥ दोहा ॥ स्वासरोगवर्णनकियो प्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिचिकित्सावरनकैपथ्यापथ्यवषान इतिश्वासरोगसमाप्तम्

॥ दोहा ॥ श्वासरोगवरननाकियोकारणसहितउपाय उन्मादरोगवरतनकरोसुनलीजैचितलाय इतिश्वासरोगदोषकारणउपायसमाप्तम्

॥ अथश्वासरोगज्योतिष ॥

द्वितीयशनीजन्महिसुचंदवाराहिकडैजुराह वीचचतंरेचंदजोपडे लग्नमोजाह स्वासरोगतवहोतहैज्योतिषकेअनुसार वलिक्रूरग्रहकोंकहीयथाशक्तिशुभकार ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारश्वासरोगकथनं ॥

॥ चोपै ॥ तंगीसुश्वासहोतहैजवहि जीकुलनफसनामहैतवहि कफगाढीवीचफिफरेहोई श्वासमार्गमेंलपटेसोई सीधापृष्टभारजवजांनो वावैठकऊचीजागामांनो श्वासमार्गवंदतवहोई अतिखेदन-

रपावैसोई अतिस्निग्धभोजननहिखावै चरबीमांसआदिनहिभावै भोजनअतिमोटाजोहोय अतिगाढालेवैनाहिसोय इनकरदोषअधकहोईजावै श्वासकठिनरस्तारुकजावै कासरोगसरदीकाहोई आदलिखाऔषधकरसोई आद्रकरसकपूरसंगपावै पीवैश्वासरोगहटजावै श्वासरोगजववातजहोई आगेलक्षणगुनिएसोई खेचलकरैश्वासवधजावै सुकीखांसीसंगदिषावै घरघरसवदकंठमेहोई पडेचुवकदुखदायकजोई त्रिकुटात्राविडंगमगवावै हौवेरचित्रासंगपावै नागरमोथासंगरलाय कचूरमैललोहेकीपाय मासेसातसातसमलीजे पीसछानकरचूरणकीजे मधूमेलदसमासेखावै दोईभेदकाश्वासहटावै मुमेआईमासेतीनमंगावै मखीरमेलनितचटनीखावै सुहागालीजोमासेदोई खावैनित्यश्वासहरसोई त्रिफलामुथरसुंठील्यावै भडिंगीमधसमभागरलावै मासेसातसातसमहोई मधूमेलचाटेदुखखोई सुंठगिलोवांसामंगवावै धमाहापुषकरमूलरलावै सतसतमासेलीजोसोई करैकाथपीवैनरकोई इवासरोगताहीकटजावै सुगमयतनकरसुखउपजावै कंडेआरीसुंठीचित्राल्यावै कलौंजीपुषकरमूलमिलावै सतसतमासेलीजो सोई करैकाथपीवैसुखहोई चौदामासेमघांमगावै तोलेतीनमर्चसंगपावै दोतोलेलौंगताहुमेदीजें सुंठीत्रैतोलेसंगकीजे चीनीखंडदसतोलेपाय चूरनदसमासेनितखाय इवासरोगताहिहटजावै रहेपालपरसुखउपजावै॥

॥ रोगउभेसाही ॥

॥ चौपै ॥ दुहराइवाससीघ्रनिकसावै खबनामफारसमतगावै जैसेंअतिदौडेनरकोई आवतइवासताहुवतहोई करडादोषयतनवहुभावै आदजतनकरसीघ्रहटावै छातीफिफरेदोषजोहोई रेचनतेंवाहिरकरसोई दसमूलकंडेआरीछोटिल्यावै त्रैत्रैतोलेकाथवनावै सुंठीत्रैमासेसंगपाय पीवैकाथदोषहटजाय ऊटकडाहीबूटाल्यावै सुकायवीचहांडीकेपावै मुखकरवंदअगनमेसोई राखेताहिभस्मजवहोई चौदामासेनितप्रतिखावै श्वासरोगताहिहटजावै निंवझगअरुलोध्रमंगावै कंडेआरीरससतवारमिलावै सातभावनापूरनहोई सतमासेनितसेवैसोई प्रातिदिनऔषधसेवनकरिए इवासरोगताहीछिनहरिए श्वासरोगखासीसंगजांनो छातिगुरदेपीडपछानो कमरपीडदुखदायकसोई जुआननकोअतसंकरहोई जेकररोगवृद्धकोजांनो फितकरोगतवसंगपछांनो उतरेनलनामाकहुसोई अतिखांसीअतिपीडाहोई पेटवीचपडदाफटजावै आंदरएकवृखनपरधावै फितकरोगताहीकरजांनो क्षयीरोगवतजतनपछांनो दाघछेईदेवैनरसोई छातीगिरदेचारोहोई एकफिफरेऊपरमांनो कलेजेऊपरदूसरजांनो छेईदाघदेदोषहटावै रोगनवीनसीघ्रहटजावै॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांश्वासरोगाऽधिकारकथनंनाम द्वाविंशोऽधिकारः ॥ २२ ॥

॥ अथउन्मादरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उन्मादनिदानजुग्रंथमोंभाष्योनेंकप्रकार सोप्रकारसभहीकहोंसमुझोवुद्धिउदार ॥ चौपै ॥ वातपितकफतीनकहीजैं हृदयप्राप्तजवत्रृद्धलहीजैं मनकोगमनकरेंदशनाडि तिहकोंसेरोकैंदृढगाडि त-वैपुरुषमनविभ्रमहोय रुजउन्मादकहीजैसोय रुजउन्मादमानसीजानो इकइकदोषहुतेंभीमानो सन्नि-पाततैंभीयहहोय मनकेदुखहूतेंभीसोय विषहूतेंभीउपजतजान भिन्नभिन्नसुचिकित्सामान जवही-रोगतरुणयहहोय वुद्धनहोयलहोयोंसोय तौमदताकोनामकहीजै आगेतिरुअरुवारणलहीजै अथकारणं ॥ चौपई ॥क्षीरसुद्दितमत्स्यादिजुषावै यहविरुद्धभोजनसुकहावै विषसोंमिलतजुभोजनहोय भोज-नदुष्टकहावतसोय अरुअपवित्रजुभोजनषावत गुरुसुरकोतिरस्कारकरावत अरुवहुहर्षवहुतभयमाने वहुतकामवहुक्रोधजुठानै विष्मजुचेष्टामनअभिघात एतेकारणकरोविख्यात इन्हकारणकरमलजोकोपैं तौरजतममनकोंआरोपैं तातेंसतगुणआलसरोपैं अल्पसतोगुणनरहृदिगोपै वुद्धिनिवासहृदाजोकहिये ताहिमलिनकरदेयहलहिये तवमनगमननाडिदशजोह रोकैंचितउपजावैंमोह

॥ अथउन्मादपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ वुद्धिभ्रमैमनचंचलहोय व्याकुलदृष्टअधीरताजोय अवद्धवाकहृदिशून्यलषावैं सामा न्यचिन्हउन्मादकहावैं

॥ अथवातजउन्मादनिदानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रूषोशीतलअन्नजुषावे रेचनवमनहुतेंप्रगटावे धातुक्षीणतेंअरुउपवास वृद्धवातहो-इआवैतास चिंतायुकहृदाहैजोय मलिनवुद्धिस्मृतकरहैसोय

॥ अथवातजरूपम् ॥

विनास्थानविनसमयनिहार हास्यकरैविनसमुझविचार अंगविक्षेपणरोदनकरै नृत्यगीततानउच्चरै मंद-मुस्कावेक्षणतनलहिये देहकठोरअधिकलषपैये अरुणरंगतादेहलषावै भोजनपचैंवातवढजावै यह-वातजउन्मादस्वरूप पित्तजलक्षणप्रगटैंभूप

॥ अथवातजउन्मादरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उन्मादचिकित्साकोंकहोंमुनलीजैचितधार जैसेंभाषीवंगसेनमोंतैंकरोंउचार

॥ चौपई ॥ उन्मादवाततैंजिहप्रगटान ताकोस्नेहपानपरिमान

॥ अथपितजउन्मादनिदानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विदग्धअवरगरमजोखात तातेंकुपितपित्तहोइजात कटुकविदाहीअमलजुषावै इत्या दिकवहुपित्तवधावै अवरजुचित्तचितायुतहोय रुजउन्मादप्रगटकरसोय

॥ अथपैतिजस्वरूपम् ॥

॥ चोपई ॥ कह्योकिमूकोसहिहैनाही नग्नराइनिमनमोवहुचाही क्रोधकरैअवरहिंजुडरावै अरलोकों-सौंभाग्योजावै उपजितजाकेतनमोदाह तातेंसीतलछायाचाह शीतवस्तुशीतलजलचाहि पीलोमुख-भातैहैताहि यहपैतजउन्मादकहीजै कफजकहोंआंगेंसुनलीजै

॥ अथपैतजउन्मादचिकित्सा ॥

उन्मादपित्ततेंजिहप्रगटावै ताजनकेरिंचनकरवावै

॥ अथकफजउन्मादनिदानलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अतिभोजननरकरहैजोय चेष्टामंदताहिकीहोय गर्मीकफहृदमोंवधआवै वुद्धिस्मृत कोनाशकरावै मोहतचितवहुकरैविकार ताकोरूपकरोंउच्चार

॥ अथकफजस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ मंदवचनकहैचेष्टामंद होयअरुचअरुछातीवंद एकांतवासइस्त्रीप्रियहोय छर्दकरै-अतिनिद्रतसोय मुखतेंलालानिकसतीरहैं नखादीश्वेतकफजयोंलहै

॥ अथकफजउन्मादचिकित्सा ॥

कफतैंजिहउनमादलषीजै तिसव्याधीकोंवमनकरीजै

॥ अथत्रिदोषउन्मादलक्षनं ॥

वातपित्तकफतीनजोकहै तिनकेलक्षणजामोंलहै जोकारणतीनोंकेजान त्रिदोषउन्मादमोंसोइपछान

॥ अथशोकादिउन्मादनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ शोकचौरभयतैंप्रवटावै राजपुरुलखडरउपजावै अथवाअवरकिसीसोंडरै रुजउन्मा-दतिंहकोभीवरै धनीपुरुषकोजवधननाशै ताकोंभीयहरोगप्रकाशै घातशस्त्रकरवडतनलागै ताकोभी-विकारयहजागै मनमोंजिहतियसंगवडिचाह याहिरोगपुनउपजतताह

॥ अथशोकादिउन्मादस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ गुप्तवारताजोमनधरै मुखसोंवकैप्रघटसोकरै रोवैवकैहसेपुनगावै चेष्टामूढसभैंदरशावै

॥ अथअन्यचशोकजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ इष्टद्रव्यकेनाशहुतैंजव भ्रमैचित्तताहीतैंजिहतव इष्टद्रव्यतिंहप्रापतकरै वाउपदेशकरै-भ्रमहरै ऐसोंकामशोकभयलोभ ईर्षांहर्षक्रोधतैंक्षोभ इन्हकरजोउपजैमनभ्रांति यहदूरकरैतौहैचि-तशांति.

॥ अथविषजउन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तनेत्रनष्टवलहोय इंद्रियतेजनष्टहोइजोय ज्ञानरहितहोइजावैदीन श्यामवदनअसल-क्षणचीन.



॥ अथसरस्वतीघृतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलाब्राह्मीअवरगिलोय मंजीठअनंताताहिसमोय पाठासारवालक्ष्मणाजान दोइकंडयारिआमलीमान शालिपर्णीगिरिकरणकालीजै दोइटसिटसहदेवीदीजै पृष्टपर्णीअरुहरडमिलीजै वस्तुसभसमकठीकीजै अत्रहुंनूरजवल्लीआन पलपलइन्हकोलषपरिमान पूर्णकुंभजलपायपकावै पादशेषरहैताहिछनावै प्रस्थसुघृतमिलायलषलीजै पुनियहचूरणतामोंदीजै नतवरचवुटमदसंधापावै कौंतीसरषपपलपलल्यावै निरोगसवर्णसवत्सागोजेऊ सभसमदुग्धतासकोलेऊ पुष्यनक्षत्राहिंयाहि' पकावै स्वर्णपात्रमोंताहिधरावै नित्ययथावलताकोंषाय अरुतनमलैमहासुखपाय आयुरमृतमेधायहकरै देहधातुपुष्टवलधरै विषराक्षसपिशाचदुखनाशै सारस्वतिघृतयोंजगभासै ॥ इतिबिषजचिकित्सा ॥

॥ अथअसाध्यलक्षण ॥

॥ चौपै ॥ ऊचोमुखवानीचोरहै क्षीणमासवलनिद्रादहै जवऐसोरोगीदरशावै तवनिश्चैकरसोमरजावै

॥ अथउन्मादरोगसर्वप्रकारसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चोपई ॥ जेऊचिकित्साहैअपस्मार यातेंआगेंकरोउचार सोभीरुजउन्मादमंझार हैप्रमानलषलेहुउदार अथरस ॥ चौपई ॥ ब्राह्मीवूटीकारसकीजै अथवाकूष्मांडरसलीजै अथवाशंखपुष्पीरसआन अथवावरचरसलेहुसुजान इन्हतेंकिसहूकारसलीजै कुठचूरणमधुपायसुपीजै उन्मादरोगइन्हहुतेजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै अन्यच लूणककोरसलेहुछनाय तासमकांजीअरुगुडपाय सोपीवैउन्मादविनासै दुखजावैतनसुखपरकाशै अन्यच मंडूकपर्णीरसकनकदलल्यावै त्रिणराजवल्लीरसतासमपावै यहलेरसमिलायकरपीवै उन्मादहरैतनमोंसुखथीवै अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सेतीसरषपत्रिकुटासुरदारु हिंगुकरंजूत्रिफलाडार वरचकायफलप्रयंगुमंजीठ दोरजनीसरीहश्वेतासमदीठ पीसैवत्समूत्रकेसंग पीवैहोइउन्मादरुजभंग अरुयहनेत्रनअंजनपावै अरुवुटणाकरदेहमलावै अरुस्नानजलसाथमिलाय स्नानकरैउन्मादनसाय अपस्मारभूतभयनाशै अलक्ष्मीज्वरकोमूलविनाशै प्रतिष्ठाराजद्वारमोंपावै यासोंघृतपकायवषावै अथक्वाथ ॥ चौपई ॥ दशमूलक्वाथघृतवारसमास सितसर्षपचूर्णसंगतास पीवैरुजउन्मादमिटावै दुखमिटैतनसुखउपजावै ॥ अन्यरस ॥ जलद्रुमअग्निःपर्वतमान इहचारोकहेविष्मस्थान इनतेंरोगीकीरक्षाकरै वंधुवैद्यसोईउचरै तिलअरुमाषरसइकसमलीजै पीजैरुजउन्मादजुछीजै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ कटुकतैलकीलेनसवार अरुतनमर्दनकरैविचार रुजउन्मादनाशतवहोय यहनिश्चयमनआनोसोय ॥ अन्यच ॥ व्याधीकेसनवंधीजेऊ धर्मउपदेशकरतरहैंतेऊ यातेंभीउन्मादविनाशै शास्त्रमतीपुनयोंपरकाशै ॥ अन्यच ॥ अतिप्रियवस्तुजोरुजीकहावैं तिन्हवस्तुनकोनाशसुनावैं चित्तस्थानभ्रष्टहैजोय यातेंप्राप्तस्वथानाहिंहोय ॥ अन्यच ॥ कटुकतैलतनरुजीमलावै ताहिधूपमोंसरलसुलावै तिसकरभीजुरोगउन्माद निश्चयजावैहोइसुखाद ॥ अन्यच ॥ रोगीकोपुनअवरउपाय जजूलीताकीदेहमलाय स्थानभ्रष्टचितलहिअस्थान यहभीमनमोंनिश्चयठान ॥ अन्यच ॥ चावकसोंतनताडिनकीजै भ्रष्योचित्तस्वस्थानलहीजै ॥ अन्यच ॥ उन्मादीकोंकसकरवांधे शून्यसदनवावनमोंसाधे दांतदूरकरसर्पछुडावै तातेंजोरोगीडरपावै तातेंजितजोभ्रष्टस्थान प्राप्तस्था-

नहायेइमजान ॥ अन्यच ॥ तप्तलोहअथवाजलतेल तासदेहमोंकरोसुमेल तातेंभीउन्मादविनासे वंगशो-
नमतसोइप्रकासे हस्तीव्याघ्रासिंहभयदीजै बाशस्त्रपाणिनरकोडरकीजै राजपुरुषतस्करभयदेय अथ-
वारिपुभयदीजैतेय इत्यादिकजोकरेउपाय भरम्योमनअस्थानरहाय ॥ अन्यच ॥ श्वानमासअथवागो-
मास उन्मादीकोंधूपदीजैतास यातैंभीउन्मादाविनाशै सुखउपजैतनकोदुखनाशै ॥ अन्यच ॥ जा-
हिभूतउन्मादलषावै क्रूरचिकित्सातासकरावै गंधर्वदेवपित्रादिकहावै क्रूरचिकित्सातिंहनसुहावै तीक्ष-
णअंजनादिनाहिंधरे अपस्मारक्रियायहकीसोकरे ॥ अन्यच ॥. वस्तीकर्मअवरघृतपान सभउन्मादन-
मोपरिमान ॥ अन्यच ॥ जिंहउन्मादरोगप्रगटावत तासचिकित्सायोंभीगावत हृदयबाहुमस्तककी-
नाड छेदनिकारुध्रकीधार ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ त्रिकुटालवणहिंगुवचआनो स्वेतसर्षपाकों-
डपछानो नक्तमालकेबीजमंगाय अरुसरींहकेबीजअनाय सभयहसमलेपीसमिलावै गोमूतरसोवती-
बनावै सोउवर्त्तिकानेत्रनपाय चतुर्थकज्वरउन्मादमिटाय ॥ अथसरस्वतीचूर्ण ॥ चौपई ॥ कुठ-
लवणअसगंधमंगावै जवायणदोइइोइजीरेपावै मंगलपुष्पापाठाजान त्रिकुटायहसमचूरणठान व-
रचचूर्णइन्हसभसमपावै सभसमब्राह्मीरससुमिलावै मधुघृतमेलटंकजोचार नितप्रातिषावैप्रातनिहार
अैश्वर्यचाहदिनसातप्रयंत षावैप्राप्तइछावलवंत दुगुणकालइंहषावैजोय धीर्यधारणाबुधतिसहोय यातें
दुगुणकालकरपान सहस्रश्लोकपढेनितजान जगकोंहितअपनेमनचीन ब्रह्माजीयहचूरणकीन अथहिं-
ग्वादिघृत ॥ चौपई ॥ हिंगुअवरसौंचलत्रिकुटाय दोइदोइपलयाहिमंगाय घृतपावैआढकपरिमा-
न गूत्रचतुर्गुणकरोमिलान मंदअग्निसोताहिपकावै यहघृतकोंजोरोगीषावै रुजउन्माददूरहोइजावै
निश्चयअपनेमनमोल्यावै अथमहांपैशाचिकघृत ॥ चौपई ॥ छडमोडयोंहरेंडपुनआन मरकटीकेशी-
वरचपछान वीरावीजाविजयाकेआनो त्रायमानचोरकपुनठानो क्षीरकाकोलीछत्राल्यावै अतिछत्राआमले-
मिलावै वाराहीनाकुलीमंगावो महांपुरुषदंतासुमिलावो वृद्धकालीकठंभरीजान पलंकषाशालिप-
रणीमान यहसमलेघृतपायपकावै वलअनुसारनिताप्रतिषावै नाशेअपस्मारउनमाद ज्वरचातुर्थकहो-
इवरवाद मेधाबुद्धस्मृतयहकरै क्षुधाकरैबालकहितधरै महापिशाचकइंहघृतनाम रोगहरैजानोसुखधाम ॥

॥ अथमहाकल्याणघृत ॥

॥ चौपई ॥ कल्याणघृतमोंवस्तुजुकही सोसभजामोंजानोसही पूरवजोसभवस्तुवषानी सोसभलेवै
वैद्यपछानी पुनयहतामोंअधिकीपावै वीराअरुदुमाषकागावै काकोलीस्वयंगुप्ताजान रिषबारिद्ध-
मेदलषमान दुगुणतोयपुनदुग्धचतुर्गुन तिसअनुसारपायघृतलेसुन मंदअग्निपकायसोषावै पूर्वउक्तस-
भरोगनसावै ॥ अथचैतसघृत ॥ चौपई प्रियंगुमधुरसारहसणआन दशमूलसतावरिभषडाजान इन्ह-
कोंसमलेक्वाथकरावै पादशेषसमघृतातिंहपावै साधेघृतषावैपुनजोय चित्तविकारनाशतवहोय मदउन्मा-
दमूर्छाअपस्मार ज्वरयहनाशैसमुझविचार ॥ अथद्वैचैतसघृत ॥ चौपई ॥ पांचमूलकाश्मरीमंगावै रह-
सणएरंडत्रिवीमिलावै बलाशतावरीमूर्वापाय पलपलल्लीजेंयहसमभाय जलमोंडारक्वाथयहकरै पाद-
शेषसमघृततहधरै ताहिपकावोनितउठषाय चितविकारसभहीमिटजाय ॥ अथनिशादिघृत ॥ चौपई ॥
हलदीत्रिफलाअवरप्रयंगु श्वेतासर्षपाकटुभीहिंगु श्वेतात्रिकुटाअवरमजीठ सरींहदेवदारूसुनइंठ यहसम
लेगोमूत्रामिलाय घृतताकेसमताहिपकाय नित्ययथावलताकोंषावै उन्मादरोगभाग्योहीजावै ॥ अथ-

लाक्ष्यादितैल ॥ चौपई ॥ चंदनअंबूनखमुलठ शैलेयमंजीठजुकरोइकठ शरलकाठसुरदारुजुगुत्थर पद्मकाठतालीसहिंपत्र वनतागजकेसरअरुकेसर दोइरजनीतजरेणुअगरधर वनतुलसीकचूरतिहपावै दालचीनीएलाजुरलावै नलकादोइसारवापछान तिक्कालवंगसभपलपलठान पादशेषलेक्काथवनाय प्रस्थ तैलइकताहिमिलाय दधिकोमंडचतुर्गुणपावै लाक्ष्यारससमताहिमिलावै नित्ययथावलताकोंषाय अरुसोनितप्रतिदेहमलाय अपस्मारउनमादविनाशै ग्रहपीडाज्वरकोंयहनाशै आयुपुष्टताहोयमहान वशीकर्णगुनयाकोमान

॥ अथदेवादिग्रहकारणभूतादिउन्मादलक्षणनिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ इकग्रहहिंसाहितपरवेशैं क्रीडापूजाहितजनिवेशैं हिंसाहितजोकरैंनिवास सोअसाध्यकरहैं तिसनाश

॥ अथतिन्हकेलक्षण ॥

॥ चौपै ॥ विवृतनयनमुखफेननिकासै चपलपदचलैसुनिद्राभासै पतितहोयतनकांपेजोय नगगजतरुअग्रतेंगिरैसोय त्रयोदशवर्षउपरंतअसाध्य पूर्णमातिहोइदेवउपाध्य संधीकालअसुरग्रहहोय गंधर्वअष्टमीमोहैसोय यक्षदोषप्रतिपदापछानो पितृगृहीतअमावसमानो सर्पगृहीतपंचमीकहिये रात्रिगृहीतराक्षसीलहिये ग्रहपिशाचचतुर्दशिजानो ऐसेंइन्हकेकालपछानो

॥ अथदेवादिअलक्ष्यप्रवेशनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ दर्पणमोंप्रतिबिंवजुजैसैं शीतउष्णप्राणिनइवतैसैं मणिमोंसूर्यकांतिहोइजैसैं प्रविशैंतनमोंत्योंयहतैसैं इन्हकोलषैप्रवेशनकोय सभतनमोंप्रविशैंयोंसोय इन्हकोयोंपरवेशवषान्यों ज्योंनिदानतेंसमुझपछान्यो इन्हलक्षणकोवैद्यसुजान समुझैपुनहिचिकित्साठान ॥ दोहा ॥ यहउन्मादवषान्योसमुझभलीपरकार समुझचिकित्साजोकरैताकीबुद्धिउदार इतिउन्मादरोगनिदानसमाप्तम्

॥ अथभूतोन्मादसामान्यलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ मानुष्योंवतकहैनवाणी विक्रमवीर्यअमर्षपछाणी वलचेष्टानरन्यायनलहिये देवन्यायवाक्यादिभनेये तत्वज्ञानअरुशास्त्रज्ञान शिल्पज्ञानताकोंरहैजान अरुउन्मादनेमकेसमैं होतरहैविननेमनकिमैं यहसामान्यभूतउन्माद देवयोनसोलषोअनाद ॥

॥ अथदेवउन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ संतोषीपवित्रतनरहै दिव्यपुष्पगंधतनगहै यघपिव्याकुलताभीहोय झूठनवकेसत्यकहैसोय शब्दसंस्कृतमुखोंउचारे तेजस्वीस्थिरचक्षूधारे हर्षितमननिसादिनमोंरहै निद्रानाशजासलषलहै वरदाताब्रह्मण्यलहीजै देवगृहीतग्रहसोऊकहीजै ॥

॥ अथदैत्योन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ देवाविप्रगुरुदोषवषानै कुटिलदृष्टीःनिरभयनिजमानै अन्नपानकरतुष्टनहोय होयकुमारगगामीसोय दुष्टआत्माताकोलहिये दैत्यनग्रहगृहीतसोकहिये अभेदरहैजाकेतनतांई ग्रंथनिदानदियोजुसुनाई ॥

॥ अथगंधर्वोन्मादलक्षणं ॥

हसेहृष्टमनस्वेछाचारी गीतगानस्वरतानपियारी नदीपुलनवनवाससुहावे गंधसुगंधपुष्पतिसुभावे नृत्यअल्पस्वरसुंदरभाषे ग्रहगंधर्वगृहीततिसआषे ॥

॥ अथयक्षग्रहगृहीतउन्मादलक्षणम् ॥

रक्तनेत्रसुंदरतनभासे रक्तवस्त्रप्रियतेजप्रकासे सुहिनसीलमनहैगंभीर शीघ्रगतीवाणीलघुधीर मुखसेकहेकिसकोक्यादेऊ यक्षग्रहपरिपीडततेऊ ॥

॥ अथपित्रोन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पितृस्थानपिंडजलदेंवे वस्त्रादिकअपसव्यधरेंवे निश्चलमनजाकोनितरहै पितृभक्तिमोंप्रीतिसुगहै मांसअवरतिलगुडजोक्षीर यहभोजनअभिलाषाधीर ग्रहगृहीतपित्रनसोजानो आगेंसतिउन्मादवषानो ॥

॥ अथसतीउन्मादलक्षनं ॥

॥ चौपई ॥ निश्चलमननहिताकोहोय संतानादिअवरोधतिसजोय सतिओंकीवार्तामनभावे जिसवोलेतिसवरहिंसुनावे पवित्ररहेशुभवस्तूमनमे सतिउन्मादमानतिसतनमे ॥

॥ अथक्षेत्रपालउन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाशाअरुमुखरुधिरचलाहि स्मशानभस्ममस्तकमोचाहि मंदस्वप्नउदरवहुपीडहीसंधिपीडचितस्वस्थरहेनाहि इहलक्षणजाहुनरहोई क्षेत्रपालकालक्षणसोई

॥ अथविह्नासनीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पक्षाघातरुधिरसुकजाई मुखपदातिर्यकदेहसुकाई क्षीणशरीरवुद्धजातीरहै इहलक्षणविह्नासनीकहै

॥ अथजादूटूनेकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ कंधामस्तकअतिभारीरहे मनथिरनाहिअंगक्षीणतागहे हाथपैरदाहवहुहोई वीरजनाशशरीरमोजोई आठोअंगसूईचुभरहै जहलक्षणजादूकेकहै ॥

॥ अथडाकनीसाकनीकालक्षण ॥

॥चौपई ॥ सभअंगोंमेंपीडाहोई नेत्रदुखेमूर्छाचितजोई शरीरकंपरोवेवहुवके भोजनअरुचीवावहुहते स्वरभंगहोयशरीरवलजाई क्षुधाजायभ्रमघूमनभाई ज्वरभीहोयरहेकायामें डाकनिसाकनीदोषहैतामे ॥

॥ अथप्रेतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नित्यप्रभातसमेउठभागे खोटेवचनवकेअनुरागे कांयाकंपरोवेअरुऐसें खानपानविनस्वासमंदतैसें जोमनआवेसोईखावे इहलक्षणजगप्रेतदिखावे अथसर्पोन्मादलक्षणं सर्पन्यायपृथवीपरलेटे क्रोधीशांतिस्वभावहिमेटे चाटेषाषांजिह्वासंग गुडमधुपयपायसहितचंग यहउन्मादभुजंगमजानो आगेंराक्षसग्रहपहिचानो ॥

॥ अथराक्षसकालक्षणम् ॥

मांसरुधिरमोइछाराखे दुष्टवचनसवहीकोभाखे क्रोधसंगनिसफिरैअकेला अपवित्ररहैराक्षसकोपेला॰

॥ अथराक्षसोन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसरुधिरमदराकीइछा क्रोधीनिर्लज्जसहैनाहिसिक्ष्या अतिकठोरअतिशूरसुहोय निशाविहारीअतिवलिसोय सुचिमोंद्वेषरहैदिनरैन जाकेमनमोंकवूनचैन सोराक्षसग्रहअहैग्रहीत पिशाचोन्मादपुनलषहोमीत

॥ अथब्रह्मराक्षसलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ देवब्रह्मगुरुवैरवहुकरे वेदवेदांतआपमुखधरे अपनेदेहआपदुखदाई शुचीरहैनितहास्यलखाई

॥ अथपिशचोन्मादलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ ऊर्द्धवाहुकृशतनहोइजोऊ वकैकठोरचपलहोइसोऊ अतिदुर्गंधतासतनआवै वहुभोजनानिरजनथलभावै उद्विग्नमननितजाकोभासे शुचिपवित्रतिसतेंनितनासे प्टथवीपरभ्रमनमनधरै रोवैतिसपिशाचग्रहवरै

॥ अथदेवादि भूतादि चिकित्सानिरूपनं ॥

अथकल्पाणघृत चौपई दशमूलीवानरीत्रिविमंगावै रहसनवालामूर्वापावै इकइकप्रस्थवस्तुयहलीजै भिन्नभिन्नसोकाथकरीजै चारोचारकुडवजलपाय जवकुडवकुडवजलआपरहाय तवयहचूर्णताहिमिलावै-विशालात्रिफलारेंवंदरलावै मुसवरशालिपर्णीसुरदार अनंतापुनदोइरजनींडार दोयसारवाअवरप्रयंगु नीलोत्पलएलाधरसंगु मालतीपुष्पनवनिमंगावै कुठताहिमेंआनरलावै दाडिमदंतिकुठमंजीठ चंदनपद्मकाष्टसुनईठ विडंगपृष्टपर्णीगजकेसर तालीसपत्रकंड्यारीसंगधर जहसभकर्षकर्षपरिमान प्रस्यएकघृतकरोमिलान पुनहिंचतुरगुणजलतिहपावे मंदअग्निधरघृताहिपकावे वलअनुसारनित्यघृतखाय अपस्सारउनमादमिटाय ज्वरकंडूदद्रीयहनाशै दाहशोकमंदाग्निविनासैं वातरक्तपीनसपरमेह भूतउन्मादनिकारैएह त्रितीयचतुर्थकतापनिवारै गदगदवाणीपांडुविडारै कटपीडामूत्रकृछ्रइहजान होवेइनरोगनकोहान वंध्याइस्त्रीजोइहषावै पुत्रजणैअत्त्यसुखपावै धनआयुरवलपुष्टप्रकाशै अलक्ष्मीसभग्रहपीड्यनासैं पिशाचराक्षसनकोभयटारै कल्याननामघृतयहगुणधारै पुंसवनहिंयहश्रेष्टपछानो वंगसैनभाष्योत्योंमानो अथधूपः ॥ चौपई ॥ गीदउरिक्षसेहकेवाल लसणाहिंगुसमलेहुसम्हाल वत्समूत्रसोंपीसेजोय करैवर्तिकाछांहिसुकोयअग्निधारसोधूपधुषावै भूतादिउन्मादतासकोजावै ॥ अंजन ॥ चौपै ॥ सरींहवीजलसणवचलीजै स्वेतसर्षपामघामनीजै सुंठमुंजीठहलदलषलेय वत्समूत्रसोंपरलकरेय छांहिसुकायवर्तिकाजोय अंजनकीजेनेत्रनसोय भूतादिकउन्मादनसावै वंगसेननमतअैसेंगावै अन्यचधूप ॥ चौपई ॥ कुपासबीजकीगिरीकढाय मोरपंक्षकंड्यारीपाय पिंडीतकनिर्माल्यपछान दालचीनीअरुमांसीठान वरचाविडालविष्टातुषलीजै नरशिरकेशगोशृंगलहीजै सर्पकंजहस्तीकोदंद मरचहिंगुनतसमलेवंद धूप-

धुशायन्याधीकोंदेय भूतादिकउन्मादहरेय अरुकल्याणघृतताहिपुलावे अथवासंगचैतसघृतषावे वाना-रायणितैलहिषाय अरुसोतैलनिजदेहमलाय उन्मादसकलभूतादिकनाशें वंगसेनमतश्रैसेंभासें अन्यच गजपिपलअरुपिपलामूल आंवलेत्रिकुटासर्षपसमतूल गोधावृषभनकुलमार्जार इनकेपि-त्तेपीससुधार पीवैमर्दनकरैनसवार उन्मादरोग सोदूरनिकार दोहा उन्मादचिकित्सायहकहीवंगसेनके-भाय आगेंयाकेपथअपथभाषोंसभहिंसुनाय इतिश्रीउन्मादरोगचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथउन्मादरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यउन्मादकेसुनहोपुरुषसुजान वैद्यशास्त्रअनुसारसभतिहकोंकरोंवषान ॥ अ-थपथ्य ॥ अडिल्यछंद ॥ वातविकारजुहोयतुघृतपीवाईये पित्तविकारहिंमध्यरेचकरवाईये कफविकारतें-वमनसुमनअनुमानहो तीनदोषकेपथ्यइसीविधिजानहो झिडकनमारनत्रासनवांधनजानिये चर्षणदानकरा वनमनपहिचानिये वहुधूआंतिसदेयक्षोभउपजाईये शिरताडिनअरुरुधिरमोक्षलषपाईये जलसिंचनआ-श्चर्यकर्मविस्मयउपजावन धीरजअवरजुधूम्रपानतिसकोंकरवावन वुटणातैलाभ्यंगसुशीतलतनलेपन कण कमुंगअरुचावलवहुसुरभीगंधषेपन कोसादुग्धपिवावनअवरपटोलसुन वूटीब्राह्मीपत्रधौतशातधीउपुन-वाथूअवरचुलाईशाकपछानरे कूषमांडप्राचीनसुमनअनुमानरे मूत्रअश्वषरजानअवरनसवारही पुनवर्षा-जलपथ्यसमुझउरधारही हरडसुवर्णकेपत्रछुहारेजानिये द्राक्षकपित्थपछानपनसफलमानिये कामक्रो-धभयशोकदुखपुनमोहजो इन्हतेंजोउन्मादप्रगटतनहोयसो कामादिकजुविकारनतैंविपरीतही व्याधी-कोहिवतावैवैद्यसप्रीतही इष्टवस्तुकेनाशहुतेंयहदुखलगे इष्टवस्तुकरप्राप्तसुपथहींरुजभगै जोजानेउन्मा ददेवरीषिपित्रकर सर्पअवरगंधर्वकोपतेंलषैनर अंजनअरुनसवारक्रूरअतिकर्मजो इन्हउन्मादनमांहि नकरियेजानसो इन्हउन्मादनमांहिपथ्यसुनलीजिये पूजासुरपित्रादिकाविधिवतकीजिये शांतिहोमविधिवत-करैनेमव्रतधारने इष्टमंत्रजपमंगलपाठउचारने विधिवतदेवैदानमुखोंसतवोलना प्रायश्चितपुनकरैचित्तन-हिंडोलना रत्नऔषधीनवग्रहधारनकरणियां देवाधिककेदोषपथ्यविधिवरनियां जोजानेउन्मादभूतके-दोषकर शिवशिवगणअरुगुह्यकपूजैप्रीतधर अरुब्राह्मणकोंपूजैविधिवतदानदे श्रद्धाप्रीतसंयुक्तवडोप-थजानले यहसभपथ्यप्रकारभलीविधिभाष्यो समुझआपनीचहियेभेदनराष्यो ॥ दोहा ॥ पथ्यकहैउन्मा-दकेविधिवतसमुझसुजान आगेंकहोंअपथ्यसुनजैसेंलिखेपुरान ॥ अथअपथ्यं ॥ अडिल्यछंद ॥ अन्नपानजुविरुद्धअपथ्यपछानिये तप्तजुषावैभोजननिद्रामानिये क्षुधात्रिषाकोवेगजुरोकरषावहै तीक्षण-वस्तुकरेलेशाकपतषावहै ॥ दोहा ॥ उन्मादरोगकेपथअपथवरनेभलीप्रकार इन्हकोंजानेवैद्यनरताकीवु-द्धिउदार ॥ इतिउन्मादरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥

॥ दोहा ॥ उन्मदरोगवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्रीउन्मादरोगसमाप्तम् ॥ शुभम् ॥

॥ अथउन्मादरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥ कर्मउपाय ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ ब्रह्माविष्णुशिवापित्रहिंजोय इन्हकोजोनरनिंदकहोय अरुइन्हहूंकोद्र-व्यचुरावै उन्मादरोगताकोंप्रगटावै तिसकोंऐसेंकह्योउपाय सोसुनअपनेमनहिंवसाय ॥ अथउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ विष्णुमूर्तस्वर्णपलदोय रोगीवनवावेसुनसोय ऊपरपीतांवरओढाय पांचद्रोणतंडुलवैठाय

सूर्यइंद्रयमचित्रगुप्तसंग पूजनकरेमनधारउमंग विष्णुमंत्रसोंहवनकरावै ब्राह्मणवरहिंदेयहितलावै उन्मादरोगहोवैतबनाश कर्मविपाककियोपरकाश॥ दोहा ॥ उन्मादरोगवरननकियोकारणसहितउपाय कासरोगवरननकरोसुनलीजैचितलाय ॥ इतिउन्मादरोगदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथउन्मादरोगज्योतिष ॥

बुधकेगृहमोंसूर्यवरअथवालग्नमोंसोइ दृष्टीहोवेताहिपरदेव८७ रूसमहोइ तिहकरउन्मादहिकरैहोवैमस्तगवारबुधपूजापरधानातिहजोमनरहैसुधार ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथभूतादिककेउन्मादकेमंत्रयंत्रसर्वशास्त्रके अनुसारलिखतेहैं ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमभूतादिकयत्नयहकरै आपपवित्रअपनीरक्ष्याधरै कालीमिरचपीपलसैंधानौन गोरोचनमहीनकरतौन सहतमाहिअंजनजोकरै तौभूतादिकनिश्चैहरै ज्वरप्रकरणमोभूतज्वरमाहीं श्रीनृसिंहकामंत्रतहाहीं उसेमंत्रभूतादिकजाय अगेताकोकहौंसुनाय अबरउडीसमेंसावरमंत्र महादेवनेलिखियातंत्र सोआगेलिखनेमेंदेख चतुरजानमनभूतअलेख ॥ ऊँनमोभगवतेनारसिंहाय अतुलवीरपराक्रमायघोररौद्र महिषासुररूपाय त्रैलोकडंवराय रौद्रक्षे त्रपालायह्रौंह्रौं क्रौंक्रौं क्रमितिताडय २ मोहय २ द्राभि २ क्षोभय २ आभि २ साधय २ ह्रींहृदयेआशक्तयप्रीतिंललाटेवन्धय २ ह्रींहृदयेस्तंभय २ किलि २ ऐंह्रींडाकिनीं प्रच्छादय २ साकिनीप्रछादय २ भूतंप्रछादय २ अभूतिअदूतिस्वाहा राक्षसंप्रछादय २ ब्रह्मराक्षसंप्रछादय २ आकाशंप्रछादय २ सिंहिनीपुत्रंप्रछादय २ एतेडाकिनीगृहंसाधय २ साकिनीगृहंसाधय २ अनेन मंत्रेण डाकिनी साकिनीभूतप्रेत पिशाचादिएकाहिक द्वाहिक त्र्याहिक चातुर्थिक पंचमक वातिक पैतिक श्लेष्मिक सन्निपात केसरी डाकिनी ग्रहादिमुंच २ स्वाहा गुरुकीशक्तिमेरीभाक्ति फुरोमंत्रईश्वरोवाच यामंत्रकोइकीसवार मोरपंखवाजलसेझाडे अथवालोहकीवस्तुसेझाडे सबउन्मादरोगीकोंटारे

॥ अथडाकिनीसाकिनीकेवुलानेनेकामंत्र ॥

ऊँनमो अदेसगुरूकों ऊँनमोजय २ नृसिंह तीनलोक चौदहभुवनमें हाथचाव ऊठचाव नयनलाल २ सर्ववैरीपछाडमार भक्तनकोपणराखआदेश २ पुरुषको चौपै इसमंत्रकीक्रियाबषानो प्रथमरोगीकोबिठायकरमानो आपपवित्रजलपात्रमेंलिय इहमंत्रपडफूकजलदेय पुनउसरोगीजलाहींपिलाय जलपीवतपूछैतिहचाय साकिनिडाकिनिजोहृदेमंझार निश्चैवोलउठेइकवार

॥ अथडाकिनीबुलानेकामंत्र ॥

ऊँनमोचढो २ शूरवीरधतीचढ पातालचढिपगपालीचढाकौन २ बीरचढा हनुमन्तबीरचढाधरतीचढी पगपानीचढीएडीचढी २ मुरवेचढी २ पींडरीचढी २ गोडाचढी २ जांघचढी २ कटिचढी २ पेडुचढी २ पेटसेधरणिचढी धरणिसेपांसल्याचढी पांसल्यासेंहियेचढी हियेसेछातीचढी छातीसेंखवाचढी खवासेंकंठचढी कंठसेंमुखचढी मुखसेजिन्हाचढी जिन्हासेकानोचढी कानोंसेआंखोंचढी आंखोंसेंललाटचढी ललाटसेंसीसचढी सीससेंकपालचढी कपालसेंचोटीचढी हनूमान नारसिंहकरवारात्मा चल्यावीर समदवीर दीववीर अग्यावीर सोसन्तावीर येवीरचढयाफुरहोमंत्र इसमंत्रसे वकरावै तौउस पुरुषमें वह निश्चयआयवोले

॥ अथडाकिनीकेचोटलगनेकामंत्र ॥

उँनमोमहाकाया योगिनीयोगिनी पारसाकिनीकल्पवृक्षीय दृष्टियोगिनी सिद्धरुद्राय कालदंडेन-साधय २ मारय २ चूरय २ अपहर २ साकिनीं सपरिवारंनमः उँग्रिं ६ उँह्रिंटंह्रींह्रींफट्स्वाहा॥ चौपै ॥ यामंत्रकोक्रियासुनलेय सातवारपढगुगलमंत्रेय औखलीडालमूसलसेकूटत तौवहट कोरडाकिनी-परझूटत जोइसमंत्रसिरडाकिनीझूटै मंत्रप्रभावतिहमस्तकफूटै याहिमंत्रपढमाषप्रमान डालेबोलैज-लनलगान जोतिहमाषआषनपरमारै तौवहखेलउठेबरदारै

॥ अथडाकिनीकेदोषदूरहोनेकाझाडा ॥

॥ चौपई ॥ मोरपंखवाछुरीप्रमाण झाडाकीजेचतुरसुजाण ॥ मंत्र ॥ उँनमोआदेशगुरूको डा-किनीसिहारीकिसनेमारी जतीहनुमंतनेमारी कहांजायदबकी किनदेखी जतीहनुमंतनेदेखी सात-वेंपातालगई सातवेंपातालसेंकौनपकडल्याया जती हनुमंतपकडलाया एकतालदे एककोठातो-डा दोतालदे दोकोठेतोडे तीनतालदेतीनकोठेतोडे चारतालदे चारकोठेतोडे पांचतालदेपांच-कोठेतोडे छःतालदेछेःकोठेतोडे सातवाकोठातोडदेखेतौ कोनेमें खडीहैडाकिनी सिहारी भूतप्रे-तचला जतीहनुमन्ततेरेझाडेसेचला उँनमोआदेशगुरूको गुरूकी शक्ति मेरीभक्ति फुरो मंत्र-ईश्वरोवाच

॥ अथडाकिनीकेदूरहोनेकायंत्र ॥

७	७	९	८
ऽ	५	४	६
४	॥।	ऽ	११
७।	५	१॥	॥

॥ इसजंत्रकोपाणीमोघोलपीवै तोडाकिनीदूरहोइ ॥

११ऽ	६६	१	५
७	४	७	९१
ऽ	=	।	-।-
९	२	ऽ	४०

इसमंत्रकोबालककेगलेमेंबां॥ धेंडाकिनीदोषनपावे ॥

॥ अथहजरायतकामंत्र ॥

उँनमःकामाख्यायैसर्वसिद्धायै अमुककर्म्मंकुरुकुरुस्वाहा अस्यमंत्रस्यवन्हिकऋषिः जगतीछंदः का-माख्यःदेवता प्रणवःशक्तिः अव्यक्तंकीलकं अमुककर्म्मणिजपेविनियोगः उँअंगुष्ठाभ्यांनमः का-माख्यायैतर्जनीभ्यानमःस्वाहा सर्वासिद्धिदायैमध्यमाभ्यांबषट् अमुककर्म्म अनामिकाभ्यांहुंकुरुकुरु क-निष्ठकाभ्यांवौषट् स्वाहा करतलकरपृष्ठाभ्यांअस्त्रायफट् उँनमोहृदयाय कामाख्यायैशिरसिस्वाहा



सर्वासिद्धिदायैशिखायैवषट् अमुककर्म्मकवचायहुं कुरुकुरुनेत्रत्रयायवौषट् स्वाहा अस्त्रायफट् अथध्यानम् योनिमात्रशरीराया कंगुदामिनिकामदा रजस्वलामहातेजाकामाक्षीध्यायतांसदा अस्यमंत्रस्यसहस्त्रंजपः गुढहलकेफूलोंकी १००० आहुती ॥ चौपई ॥ मैनफलराखरूईलपटाय बातीकरतेलदीपधराय उसदीपककीपूजामनचाय दीपकअग्रवालकवैठाय अठदसवर्षप्रमाणसोवालक पवित्रशुद्धसुछकुलदायक देवकगणकास्थापनकरना आपपवित्रसंकल्पजलकरणा सोजलमैनफलफूलपरडालै दीपकआगेयहयंत्रलिखवालै लिखकरयंत्रपूजातिहकरै फुनइहयंत्रबालकप्रतिवरै ताहिहथेलीमैनफलबाती जिसकरतेलसैनादिखराती फिरपूछैतिहजोवहदेषै सत्यसत्यसमाचारसोलेषै जोदेखैसोसबबहुकहै संसैकछूमनमैनहिरहै

१	८	३	८	न
५	६	३	६	र
७	२	९	२	क
७	४	५	४	ली

यहमंत्रहजरायतकाकहै अथवाकंन्यास्वच्छतिहरहै कुलीनपवित्रकन्यावैठाय जोदेखैसोकहैबताय तिहपाछेदशांशतर्पणकरै दशांशब्रह्मभोजनसोवरै ॥ इतिहंजरायतकीविधिसंपूर्णम् ॥ शुभम् ॥

॥ अथभूतादिकनिवारणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ निंबपत्रवचहींगसपकांचअर सरसोंमिलधूनीदेमनधर भूतडाकिनीसबदोषजुजाय अमृतसागरग्रंथादियोबताय पुनः कपासकाकअरुमोरचांद्रिका कटेलीशिवनिर्माल्यफुनमरुवका तजछडवेलदांततुषवचधर विष्टामारजारसर्पकांचवर केसगोसिंगहाथीकोदांत हिंगकालीमिरचइहभांत सबकोसमकुटधूनीदेय भूतादिककेदोषहरेय यहमाहेश्वरधूपकहाय चक्रदतमोदियोवताय पुनः पीपलकालीमिरचगोरोचन सैंधानोनसहतसोपीसजन अंजनदृगमोंपावैकोय सर्वभूतदोषहरेसोय पुनः कणगचेजडदारुहलदीआन सरसोंकुठहिंगवचसमान मंजीठात्रिफलासुंठलेपीपल कालीमिरचप्रियंगुफूलसमवल अजामूत्रमोपीसनस्यपाय अथवाअंजनताहिकराय सर्वभूतदोषमिटजाय भावप्रकाशादियोजुवताय पुनः गोरखगोंखरूऔरबिनौले अथवाकाकडकोंगोमूतमौमेंले पीसनासलेतोइहकरै ब्रह्मराक्षसकोदोषपरिहरै पुनः संखाहोलीकीजढल्याय चावलजलवाघृतपीसाय नासदेइभूतादिकहरै इहभूतादिकहरनाचितधरै ॥

॥ अथअन्यप्रकारउन्मादरोगकथनं ॥ रोगउन्माद. फारसि. मालिषौलिआ.

॥ चौपै ॥ सुदाईरोगदिवांनालहिए आदिकाणांउन्मादसोकाहिए बातअधकदुष्टसोहोई जिगरतिलीआमाशयसोई वादिमागमेंअतिबलपावे चिंतकबुद्धीसोईहटावे सदाराहितचिंतामनमाही मृत्यूकाभयउपजतताही तिरामिरनेत्रनआगैहोई श्वेतपीतलालरंगसोई झूठीबातअ चिंततवानी कमला-

पनकीएहनिसांनी सकारहोएजोपढेनकार सानुनानुकरेउचार अथवासन्दश्वानवतबोले उन्मादरोगताहीसंगडोले नेत्रअधिकफेरेनरजोई उन्मादरोगइनकारनहोई जेकरसीतलसुआसजोआवे नाडीअतिकरडीहोजावे उन्मादरोगएऐसाजवहोई आगेऔषधसुनिएसोई ॥ उपाय ॥ शीतलजलगुलावसंगपावे शिरपरधाराताहिकरावे श्निग्धवसतुअतिहीनरखावे औषधकरजोनिद्राल्यावे ज्पोखसखसगुलरोगनलीजें सिर्केसंगलेपासिरकीजें उन्मादरोगऐसेंहटजावे वासलीकतेंरुधिरछुडावे उमरसमयजोग्यताजांनो रेचकयतनताहिहितमांनो गुडहरीडरेचनविधजोई दशमूलीकाथदीजिएसोई सर्वतनीं. लोफरकाखावे उन्मादरोगऐसैंहटजावे वनफसारोगनताहिमंगावे अथवानीलोफरकाल्यावे प्रतिदिन. सोईनासिकापाय भोजनकोमलचिकनाखाय दुंबेकाफुनिमांसमंगावे सोराकरकेसोईखुलावे खुष्कीदावदेहमेंजोई उन्मादसाहितनासेंसभहोई दुंबेकीफुनिमिझमंगावे ताहिभुंनकरखंडरलावे प्रभातसमेनितसेवनकरिए उनमादरोगताहीछिनहरिए हऊवेरकहलीमंगवावे कुलंजनलौंगमस्तकीपावे जैफलजलपत्रीसंगलीजें कचूरइलाचीवालःदीजें कवावचींनीखसखासमंगाय वावाडिंगपोसतसंगपाय महामेदअरुमेदमंगावे सुपारीकथसुपेदापावे पियंगफोकचित्रासंगपाय जुआइनअरुअजमोदाल्याय तोलाडूडडूडमंगवावे धांईपुष्पसेरपंजपावे करइककत्रसभऔषधपाय नीरपांचमणवीचपकाय आधारहेकाथपुनलीजें गुडमणएकताहुमेंदीजें दाखसेरदससंगमिलावे थिंदेभांडेवीचरखावे मुखकरवंदवीसदिनसोई राखयतनगुडआसवहोई प्यालेदोभरानित्यापिलावे प्रातरातअरुपालकरावे भोजनकोमलथिंदाहोई पुष्कवस्तनाखावेसोई गुडआसवकासेवनकरीएउन्मादरोगताहीछिनहरीए रहसनपत्रमघांमंगवावे जढभखडेकी संगामिलावे दोकंडेआरीकीजढलीजे छिलकासीवनकासंगदीजें पाडलवाथुसंगमिलाय वैंतवृक्षकाछिलकाल्याय अकौंधरसालूनीसंगपावे मषारारवयरकीजढल्यावे सणसतावरीसंगामिलाय सभसभभागऔषधीपाय चौदांचौदांमासेल्यावे आठसेरजलपायपकावे नीरसेरदोइरहजाय चारसेरघृतसंगामिलाय चाढअअपरताहिपकावे काथजलेजवघृतहरजावेअथवाकदूरोगनपावे वदांमरोगनवापायपकावे भोजनसंगनिताप्रातीखाय मर्दनरातसमेसुखदाय कनवचिघृतपावेसोई उन्माददूरापितवातजकोई संभालूजढसिकासंगपाय पीसदेहपरलेपकराय नसुआरकरेसुंहेनरसोई उन्मादरोगनासेइमहोई सुठीसोदसमासेल्यावे खसखसतोलेदोई मिलावे कंडुनीनौतोलेसंगपाय ठाईतोलेखंडरलाय केशरमासेदोईमिलावे तींनसेरगोदुगधपकावे आधसेरदूधरहजाय पीसऔषधीताहिमिलाय जाविधदूधपिलावेकोई उन्मादरोगसभनासेहोई तोलेतींनहरडमंगवावे सनामक्कीदोतोलेपावे त्रिवीश्वेतसतमासेल्याय मासेसातदाखसंगपाय चारसेरजलपायपकावे नीरसेरइकजवरहजावे मुसबरसाडत्रिमासेल्याय दोमासेखारीलूणरलाय पीसकुआथकेसुंगमिलावे सातोदिनतककाथपिलावे तींनवारप्रतिदिनकरपांन भोजनअजामांसपहचांन सरीरशुद्धहोजावेजवहीं उन्मादरोगसोनासेतवहीं दुंबेकाफुनिमगजमंगावे कुकडांड. कीजरदीपावे रोगनकदूंखंडमिलाय खावेनितउन्मादहटाय दवाउलमिसकऔषधीजोई नरेलगरी. सोतासंगहोई दोइमेलनितसेवनकरीए उन्मादरोगताहीछिनहरीए लालवस्त्रपहरेनरसोई सुगंधीरागरंगयुतहोई पोस्तकाछिलकामंगवावे नीलोफरकेपत्रमिलावे नीरपायकरकुआथवनावे मस्तकऊपरधा.रालावे दूंबेकगुरदावनवावे मिठाभोजनथिंदाखावे ॥ दोहा ॥ गोकादूधमंगायकेगरीताहुसंगपाय का. ढाकरकेपानकरनितप्रतिखंडमिलाय खुषकीदूरबिचारिएहोवेचित्तहुलास उन्मादरोगसोदूरकरकहाचिकित्सातास इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांउन्मादाधिकारकथनंनामत्रिविंसोऽधिकारः २३

॥ अथकासरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कासजुषांसीकोंकहैंताकोकहोंनिदान जैसेंवरन्योशास्त्रमोतैसेंसुनोसुजान ॥ चौपै ॥ धूम्रां· अवरधूरयहदोय मुखनासामोप्रविशेंजोय अरुजोरूषोभोजनकरै अतिव्यायामजेऊअनुसरै अरुजो. जनछिकाकोरोके ताकोषांसीआकरकोपे अरुजोशीघ्रअन्नकोंषावै कछुनासककपालउठजावै ताको· षांसीप्रगटतहोय अवरप्रकारसुनोअवसोय हृदयवायुहृदयतेंचलै उदांनवायुसंगआकरमिलै भग्नकांस. पातरकीन्यांईं शब्दकरैषांसीतिंहठांईं अरुपीनसतैंहोवतषांसी कंठरुकेज्योंरोकेफांसी पांचप्रकारभेद· इहजानो भिन्नभिन्नसोप्रगटवषानों एकवाततैंहोवितजान एकपित्ततैंहोतप्रमान एकहोतकफतैंसुनलीजै इकउरक्षततैंहोतपतीजै राजयक्ष्मतैंहोवतएक इहप्रकारलहुपांचाविवेक इकतैंदूसरिवलीपछानो दूसरि. तैंतिसरिपरिमानो तीसरितैंचौथीवलवान चौथीतैंपंचमिवलिमान उत्तरोत्रयोंवलीपछानै याकेपूर्वरू. पयोंजानै ॥ अथकासपूर्वरूपं ॥ चौपै ॥ सूकोन्याईकंठमंझार चुभहैकासकीनउचार कंठमध्यषुजलीसी. होय रुचभोजनकीनाशैसोय,

॥ अथवातकृतकासलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ हृदयउदरशिरपीडाहोय अरुपार्श्वांमोंपीडाजोय अथवामस्तककेइकठोर पीडाहोव- तहैवडजोर मुखकेऊपरकृशताधावै स्वरवलदेहक्षीणहोइजावै अरुवहुवेगकैरसोकास सूकीषांसीकैर- प्रकास ओसीषांसीजाकोंहोय वातकासजानोतुमसोय

॥ अथवातकासरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कासचिकित्साकोंकहोंवातजक्रमअनुसार ज्योंसमुझीवंगसेनतैंभिन्नभिन्नपरकार

॥ चौपै ॥ ब्राह्मणभीजनवडोउपराय तापाछैंऔषदसुखदाय क्वाथश्रेष्ठताकोंदसमूल वालघुपंचमूल- हरशूल मधुघृतदुग्धस्निग्धजोवस्त वातकासकोंअहैंप्रशस्त जेकरवातदोषअतिहोय ताहिसुखदसनिग्ध- हैजोय अरुघृतभूनीसुंठप्रमान जानलहोहेपुरुषसुजान ॥ अथअविलेह चौपै ॥ ककडशृंगीमघामंगाय सटीमुथ्रभिडंगीवासापाय गुडतिलतैलमिलायसुचाटै वातकासदुखकोंयहकाटै ॥ अन्यच ॥ भिडं- गीद्राक्षमघाअरुनागर ककडशृंगीसटीजुसमधर गुडअरुतैलामिलावैसोय चाटैवातकासहतहोय अन्य- च ॥ सुंठकाएफलककडशृंगी द्राक्षकचूरमिसरीलेचंगी तैलमिलायजुचाटैतास वातकासहोजावैनास ॥ अथदशमूलीघृत ॥ चौपै ॥ दशमूलीकोक्वाथवनावे ताहिभिडंगीचूरणपावै श्रेष्टतित्तरकोरसमास पावै घृतजुपकावैतास सोघृतरोगीपीवेसोय वातजकासनाशतवहोय ॥ अथभार्गीघृत ॥ चौपै ॥ भिडंगी चूर्णघृतसमलेय दहीचतुर्गुणतामोंदेय कंडयारीरसदुगुणमिलाय पकावैषावैकासमिटाय ॥ अथरासना घृत ॥ चौपै ॥ रहसणअरुदशमूलसतावरि पलपलयहलीजैइकठेकरि कुलथअवरयवविदारीकेफल एहलीजेंहैंतीनतीनपल अर्धतुलाभरलेराजमाष द्रोणतोयजुपकावैतास पादशेषरहैवहजवै आढकघृत· जुतपावैतवै अरुआढकदुग्धसुताहिमिलावै ताहिपकायवस्तूंयहपावै जीवकरिषभमेदकाकोली मुलठ·

जीवंतीतामोघोली रिद्धिवृद्धिपलपलपारमीन षावैमेलरववलअनुमान वातकासकीपीडाजावै सर्वांग-वातशिरकंपनसावै ॥ अथचित्रादिघृत ॥ चित्रात्रिकुटापीपलमूल मुथ्रजवांहापुष्करमूल श्रेयसीसुरसा-वचाभिडंगि रहसनकचूरगिलोयजुशृंगि यहसभकर्षकर्षपरिमान तुलार्धकंडचारीकोरसठान क्वांथशे-षवीसपलजवै षंडरलायवीसपलतवै अर्धकुडवमघचूरणपाय वंशलोचनपलचारमिलाय नितचाटैनि-जवलअनुसार कासगुल्महृदिरोगनिवार ॥ इतिवातकासचिकित्सा ॥

॥ अथपितकृतकासलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ उरमोंदाहमंदज्वरहोय कटुमुखअरुमुखसूकैजोय कफकटुपीतनिकलतीरहै त्रि-षाहोयपितषांसीलहै सर्वांगदाहकरयुक्तहेजोय पांडुवर्णजानोनरसोय ॥

॥ अथपित्तकासचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ काथ ॥ काकोलीकंडचारीवासा सुंठमेदमहामेदहिंतासा समकरकाथदुग्धयुतपीवै पित्तकासनासतवथीवै वाइनकरयुतयूषवनाय पीवैरोगीकासमिटाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठमुन-काह्रीवेरकचूर कंडचारीयहसमलेपूर काथंहिंघृतशरकरामिलावै पीवैपितकीकासमिटावै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ शरादिपंचमूलकरक्वाथ मघांमनकाडारैसाथ दुग्धशरकरामधुजुमिलाय पीवैपित्तकासमिट-जाय ॥ अथचूरण ॥ चौपई ॥ द्राक्षछुहारेमिसरीमघलाजा समचूरणकीजैहितकाजा मधुअरुघृत-मिलायकरखावै तुरताहिंपित्तकासामिटजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ द्राक्षमुलठछुहारेआन मघांमरचसमचू-रणठान मधुघृतमेलचटावेजास तुरतहिंनासहोएपित्तकास॥ अथषट्प्रस्थघृत ॥ चौपई ॥ गोमहिषीभेडअ-जाकोक्षीर धात्रीफलरसजानोधीर षष्टमइन्हमोंघीउमिलाय प्रस्थप्रस्थजानोसमभाय मंदअग्निसोंताहिपका-वै षावैपित्तकासमिटजावै ॥ अथक्षीरघृत ॥ चौपई ॥ वटादिक्षीरवृक्षअंकुरलेय नीकेंकूटैचूर्णकरेय चतु-र्गुणपयघृतपायपकावै चूर्णद्राक्षयुतघृतसोंषापै पित्तकासकोहोइहैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अ-न्यक्षीरघृत ॥ चौपई ॥ क्षीरवृक्षकेअंकुरलीजै ताकोविधिवतक्वाथकरीजै जवक्षारघृतमेलपकावै-पिवैकाशपित्तसुखपावै वाचाटेमधुयुतजोयाश पित्तकासकोहोइहैनाश कहीजुनरकोपिचजकाश करी-चिकित्साताप्रकास ॥

॥ अथकफकृतकासलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ कफकरमुखसनिग्धजोरहै अंगपीडशिरपीडादहै कफकरपूरणसभतनभासै भातभक्षणकी रुचितिसनाशै भारिंद्रदालषतहीरहै कफसनिग्धनिकसेयोंलहै ॥

॥ अथकफकासचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जाहिकासकफप्रगटेआय ताकोंछर्दअहैसुखदाय लंघनउपायसुनावैतास जातेंहो-यकासकफनास ॥ अथनवांगपूष ॥ मुंगआमलेयवमूलीमूल दाडिमकुलथवदरीफलतूल पुनापिपली-सुंठिकोक्वाथ मुंगादियूषमोंकरुइकसाथ यहनवांगपूषजोपीवै कासकफजहरहैसुखथीवै ॥ अथपाणा ॥ ॥ चौपई ॥ ककर्डशृंगीहरडपतीस मुथ्रकचूरआद्रकशिलपीस घोलतोयाहिंगुसैंधापाय पीवैकफकी-कासमिटाय ॥ चौपई ॥ क्वाथकुलथप्रथमवनवावै तैलभुन्नमघचूरणपावै पीवैपार्श्वशूलज्वरजाय

श्वासरोगकफकासमिटाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दशमूलीकोकाथहिंसंग मघचूर्णपीयकासकफ-भंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठकायफलपुष्करमूल मघाभिडंगीलेसमतूल अधिकहोयकफहृदारु-कावे पीयेकाथकफकासामिटावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ देवदारुरहसणजुकचूर ककडशृंगीजवां-हापूर यहसमचूरणतैलमिलाय मधुमिलायपुनताकोंषाय घोरमहाजोहोइकफकास तुरतहिंकरैताहिको-नास ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटात्रिफलापुष्करमूर चित्राद्राक्षअवरजुकचूर यहसमचूरणकरोवनाय माष्योंतै-लमेलकरषाय षावतहीनासैकफकास वंगसेनयोंकीनप्रकास ॥ अथकंटकारीघृत ॥ चौपई ॥ कं-ड्यारीशाखाफलफूल अवरपत्रलीजैंसंगमूल यहपंचांगरसआढकमान घृतपुनप्रस्थताहिमोंठान त्रिकु-टावालाककडशृंगी चित्रासौंचललवणभर्डीगी विल्वआमलेपुष्करमूर हरडजवायणद्राक्षकचूर दा-डिमइटसिटचवकाविडंग अमलवेतभषडेधरसंग अमलीअवरजवांहाडार रहसणअवरलेहुयवक्ष्यार कर्षकर्षइन्हकोपरिमान चूरणकरघृतकरोमिलान मंदअग्निसोंताहिपकावै वलअनुसारछाणघृतषावै सर्वकासकोहोइहैनाश हिडकीश्वासहरतालषतास ॥ अथत्रिकुटादिघृत ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाजीरा-वर्चकोमूल अजमोदचवकचित्रासमतूल मांसरसेसमघृतयहजान प्रस्थप्रस्थइन्हकोपरिमान चूरणव-स्तुजुपीछेगाई कर्षकर्षसोचहिएपाई घृतपकायमधुपायसुचाटै कफकीषांसीतुरतहिंकाटै ॥ अथनिरगुं-डीघृत ॥ चौपई ॥ निरगुंडीपत्रनरसलीजै तासमघृतपकायकरपीजै कफषांसीकोहोवैनाश वैद्यग्रं-थमतकियोप्रकाश ॥ अथवहेडापुटपाक ॥ चौपई ॥ वहेडेकोंघृतयुक्तकरावै गोवरमाहिलपेटधरावै भ-स्मअग्निर्तिहकरपुटपाक षायकासकफहरसतवाक ॥ इतिकफकासचिकित्सा ॥

॥ अथवातकफकासचिकित्सा ॥

अथकटफलादिकाथ ॥ चौपई ॥ कायफलमुथरपापडाभिडंगी धनियांसुंठजुककडशृंगी वरच-हरडकटूतृनसुरदार यहसभसमलेकाथसुधार मधुअरुहिंगुपायकरपीवै कासवातकफकीहतथीवै कंठ-रोगमुखरोगनसावत ज्वरहिडकीअरुशूलभगावत अथलवंगादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ लवंगजायफल-मघांमंगाय कर्षकर्षतीनोसमभाय अर्धकर्षमरचांलषलीजै सुंठचारपलतामोंदीजै सभसममिसरीपी-समिलावै यथावलषायवातकफजावै श्वासकासज्वरअरुचीनाशै प्रमेहगुल्ममंदाग्निविनाशै ग्रहणी-इत्यादेकदुखजाय लवंगादिचूर्णयोकह्योसुनाय अथदशमूलादिघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलकाथ-आढकपीरीमान प्रस्थइक्षुरसकरोमिलान प्रस्थएकघृतताहिमिलावै कर्षकर्षयहचूरणपावै त्रिकुटाविल-कथाहिंगुकचूर अरुपावोसमपुष्करमूर अग्निमंदसोंसभहिपकाय षायवातकफकासामिटाय अवर-वातकफकोजोश्वास सोभीयातेंहोवैनाश दुग्धसाथपीवैघृतजोय वातकाशनाशतिसहोय ॥ अथभृंग-राजतेलः ॥ चौपई ॥ रसभंगरेकोप्रस्थप्रमान प्रस्थएकआद्रकरसठान प्रस्थएकगोमूत्रमिलावै प्रस्थएक-कटुतैलरलावै पुनदसमूलकुलत्थमंगाय शुष्कमूलकसुहांजणापाय अवरभिडंगीतामोदीजै कुडवकु-डवइन्हकोलषलीजैं आढकजवहिंकाथकरएहु तैलादिमध्ययहकाथरलेहु सभमिलायमंदाग्निचढावै यह-भीचूरणतामोपावै सौंफवर्चकुठाहिंगुसुरदार त्रिकुटादोनोजीरेडार तीनोलवणजवायणठानो चित्रा-पिपलामूलपछानो शतावरिकायफलपायपकाय कर्षकर्षयहसभसमभाय तैलपीजियेलेनसवार का-सवातकफकेरनिवार नजलापीनसअवरहुंश्वास कफकीसर्वव्याथकोनाश इतिवातकफकासचिकित्सा

॥ अथपित्तकफकासचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वासावृहतीगिलोयकोकाथ मधुमिलायपीवेतिससाथ पित्तकफकासतुरत्तमिटजावै वासारसवामंधुयुतखावै कासवातकफकीजहांलहिये तालीसादिश्रेष्ठतिसकहिये जोपित्तकफकरहो-वैकास तालीसादितंहभीसुखरास परतामोवंसलोचनडारै पित्तकफकीसोकासविडारै इतिपित्तका-सचिकित्सा

॥ अथक्षतकृतकासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतिमैथुनअतिभारउठावन अतिमारगमोंतुरताहिंधावन वलीसाथअरुलघुहैजोई तिसहीकरउ रमोंक्षतहोई तिसक्षतसंगामिलैजोवात सोऊवातकासउपजात प्रथमहिषांसीसूकीहोय पुनसरक्तकफानिक-सेजोय तातैंहृदयकंठमंझार पीडाहोवतवारंवार सूचीवेधवतपीडाहोवत अंगभेदस्वरभेदसुजोवत ज्वरअ-रुश्वासत्रिषाहोइतास कवूतरवाइवगलस्वरकास क्षतउतपन्नकासयहलक्षण जानलहैजोपुरुषविचक्षण॥

॥ अथक्ष्यतकासचिकित्सा ॥

॥ अविलेह ॥ चौपई ॥ मुलठमघांअरुलेवेदाष शृंगीशतावारिलीजेलाष मात्राइन्हकीसमलष-लीजै द्विमात्रावंशलोचनधरदीजै चतुर्गुणामिसरीसिभर्तेपाय चूरणकरमधुघृतसुमिलाय वलअनुसार-नितप्रतिचाटे क्ष्यतकीकासतुरतयहकाटे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जीवनीगणयुतघृतजुपकाय षावैक्षतजकासमिटजाय ॥ अन्यच ॥ पित्तकाशहरहैजोवस्तु क्षतजकाशमोसोईप्रशस्तु ॥ अन्यच ॥ यवागूमधुरवस्तुसंगासिद्ध पीवेक्षतजकाशहोयदग्ध ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मघांकुमदनीफल-कंडयारी द्राक्षमुनक्काचहियेडारी सभपिसायमधुघृतजुमिलाय चाटैक्ष्पतजकासमिटजाय॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ मूर्वासुरमाहलदमजंठि मघाचित्रापाठासमझोईठ यहसमचूरणमधुजुमिलाय नितचाटै क्ष्यतकासामिटाय ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ गन्नेकारसमधुघृतपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय नितपी वैक्षतकासमिटावै कासनिवारजीवसुखपावै ॥ अथदुग्ध ॥ चौपई ॥ कमलफूलअवरलषभेह-कुमदनिचंदनसमधरएह इक्षूरसअरुतालमषाणा सोभीइसकेसंगरलाणा दुग्धमिलायकाढमधुकरपीवै क्षपतकीकासनाशतवथीवै इतिक्ष्पतजकासचिकित्सा

॥ अथराजयक्ष्माकासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोभोजननहिआपसुखावै अरुजोविष्मअन्नकोषावै अतिमैथुनअरुवेगरुकावे दयाशोचअतिअतिदुखपावै इन्हतेंकुप्तहोतजववात अग्निकोउपतप्तकरात तातेंदोषत्रयकोपदिखावत क्ष-यीकाशअत्सयउपजावत ज्वरअरुदाहमोहयहकरै अंगअंगपीडाअनुसरै उदरशूलपुनहोवततास क्षय-कोप्राप्तप्राणकरैकास सूकीषांसीकरहैसोय रुध्रसपूयलिपटीवाहोय तनकोंमासहोयहैक्षीण तासचिकित्सा कठिनप्रवीण ॥

॥ अथराजयक्ष्माकासचिकित्सा ॥

॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ मघांकमलअरुलाषपछानो पक्कजुकंश्डारीफलमानो यहसमपी समधुघृतजुमिलाय चाटैक्षयकीकासमिटाय ॥ दुग्ध ॥ चौपई अजादुग्धघृतसंगमिलावै मघांपीस. गुडसाथपिलावै यक्ष्मकासहोवैतिसनास वंगसेनमतकीनप्रकास ॥ अथकुलीरादिघृत ॥ चौपई ॥

ककडशृंगीसुंठीजान लवाचिडाहरनपरिमान इन्हकामाससमक्राथवनावै मधुवर्गसंगघृतपायपकावै नितषावैघृतउठपरभात राजयक्ष्मकासकोघात ॥ अथदशमूलघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलभिडंगीयवलेचित्रा पाठाकुलथमानलेमित्रा कोलमरचअरुपीपलमूल अरुत्रिफलासभलेसमतूल विधिवतक्राथकरैसुवनाय-पुनतामींयहचूरणपाय मघांजवांहासंठकचूर ककडशृंगीपुष्करमूर याहीसभसमघृतकोंपावै सिद्धकरैघृतछाणधरावै पांचलवणअरुदोनोक्षार समपीसेलेघृतमोडार वलअनुसारनित्यघृतषावै राजयक्ष्मकीकास मिटावै ॥ अथअसगंधादिघृत ॥ चौपई ॥ शुद्धदिशाअरुदेशनिहार शुभनक्षत्रयोगशुभवार इकशतजढअसगंधउषारे कूटद्रोणजलमींसोधारै क्राथअष्टमसेषरहैजव वस्त्रछाणधरैताकोंतव पुनदोइशतपलछागलमास अग्निचढायलेहुरसतास प्रस्थसोऊघृतप्रस्थमिलावै चारप्रस्थगोदुग्धरलावै पुनकाकोलीक्षीरककोली दोनोद्राक्षपीसतिंहघोली जीवकमेदऋद्धिवृद्धिमुलठ रीषवजीवंतीवलाइकठ जीरककौंचवीजपुनआन हरडगजपिप्पलकरोमिलान दोयलायचीमघांमिलाय विदारीकंदशतावरीपाय कर्षकर्षइन्हकोपरिमान कूटपीसतिंहकरोमिलान मंदअग्निसोंताहिपकावै सिद्धघृतहिंशरकरमधुपावै कुडवकुडवइन्हकोपरिमान कूटपीसतिहकरोमिलान मंदअग्निसेताहिपकावें करेसिद्धघृतमधुसर्करपावे कुडवकुडव-इन्हकोंपरिमान सुष्टपात्रमोताकोंठान षावैताकोवलअनुसार ताकेगुणसुनकरोंउचार वालकवृद्धहोयजोक्षीण यक्ष्मक्षीणइहलषपरवीण इंद्रियवलकरक्षीणजुहोय होयआरोग्यपुष्टवलसोय सहत्तरवर्षकोवृद्धजुषावै प्रापतयुवाहोयदरसावै वहुइस्त्रिनकोंभोगेसोय ताकोवीरजक्षयनहिहोय षावेतीनमासपरयंत होवेसोनरअसवलवंत शतनारीभोगनसामर्थ असवलप्राप्तलहोयहअर्थ तनदुर्गंधझुरडीसितकेश नाशैभाशैसुंदरवेश पुत्रार्थीनारीजोषाय ताकोपुत्रहोयसुखदाय अरुवंध्याइस्त्रीजोषावै पुत्रजणेअत्सयसुखपावै वातव्याधसभजांहिविकार यहवाजीकरणपरमघृतसार ॥ इति ॥ अथपिप्पल्यादिअविलेह ॥ चौपई ॥ मघपीपलमुलठयहदोय पीसोकर्षकर्षलेसोय मिसरीइकपलपीसमिलाय गोघतप्रस्थमिलायवनाय अजादुग्धप्रस्थजोएक प्रस्थइक्षुरसलहोविवेक चूर्णद्राक्षयवगेहुंजान चारचारपलयहलषठान रसआमलेचारपलपावै तैलदोयपलतासामिलावै मंदअग्निधरताहिपकावै मृदूपात्रमोंपायधरावै मधुमिलायपुनचाटैतास श्वासकासक्षयहोवैनाश हृदयरोगयहतुरतविडारै एतेगुणयाकेउरधारै क्षईकासरोगहैजोय सन्निपाततेहोवतसोय यक्ष्मकासजाकोंलषपरे सन्निचिकित्सावैद्यसुकरै ॥ इतियक्ष्मकासचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथश्वासकासचिकित्सा ॥

क्राथः ॥ चौपई ॥ गिलोयसुंठपाठाकंडयारी परणीपायसमक्राथसुधारी मघचूरणमिलायकरपीवै श्वासकासनाशातिसथीवै ॥ अन्यच ॥ सुंठकुलथवासालेचंगी शुष्कमूलीजुपायाभृंगी क्राथकरैमघचूरणपाय पीवैश्वासकासमिटजाय रसआद्रकमधुसमजुमिलाय पीवैश्वासकासनरहाय अवरहुपीनसकीकफनासै होइआरोग्यतनसुखपरकाशै गुटका ॥ चौपई ॥ हरडसुंठमुथ्रगुडसमसांधें निजइछयासेगुटकावांधे मुखराषैजुश्वासकीकास निश्चैकीजैहोइसोनाश वापुटपाकवहेडाकरै मुखधरश्वासकासकोंहरै ॥ चूर्ण ॥ हरडसुंठसमपीसरलावै षवैश्वासकासमिटजावै॥ अन्यचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठीहरडैमुथ्रकचूर मघांपीपलीपुष्करमूर गुडरलायकरषावेजोय श्वासकासनाशातिसहोय ॥ अन्यचचूर्ण ॥ चौपई ॥ अष्टांगनामचूरणजोकीजै अजादुग्धसोंसोनितपीजै घोरश्वासकासमिटजावै वंगसेनयों-

प्रगटसुनावै ॥ अन्यच ॥ पंचकोलसमपीसमंगावै अजादुग्धमोंकाढपीलावै श्वासकासतुरतहैंइनास वैद्यग्रंथयौंकरेप्रकास ॥ अथधूम्रपान ॥ चौपई ॥ जिहकोंकासबहुतवलधरै तातेंवमनसोऊनरकरै अरुस्वरमंदहोयसोजावै नासास्त्रवैविहवलताथावै नासातेंदुर्गंधजुआवै ताहितधूम्रपानसुनावै मनशिल-हरताललेमरचांमुथर मांसीइंगुदीयहसभसमकर इकठेकरकेंयत्रधरावै ऊपरअग्निधरपानकरावै पा-छेदुग्धसगुडकरपान श्वासकासछर्दकीहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मनछलपीसमहीनकरावै वैरवृक्ष-केपत्रलिपावै धूपसुकायधूमतिसलीजै पाछेंदूधअजाकोपीजै तातेंमहाकासहोइनाश वंगसेनमतकीन-प्रकास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ एरंडधत्तूरेकीजढल्यावै त्रिकुटामनछलसमपीसावै वस्त्रलपेटवाती-सोकरै अग्निलगायधूममुखधरै यहभीमहाकासकोंनासै रोगानिवारअधिकसुखभासै ॥ अन्यच ॥ चौ-पई ॥ अर्कदुग्धमनशिलसमभाय इन्हतेंअर्धपायात्रिकुटाय चूर्णअग्निपरपायधुषावै आषवांधमुखधूम दिवावै महाकासदुखहोवैनाश जानलहोयोंनिजमनतास ॥ अन्यच ॥ चौपई चंवेलीकेजोंआनेपत्तर मनछलएलागुगुलसमकर अजामूत्रसोंपीसेतास अग्निडारधूंमदुषनाश ॥ अथपानपत्रभक्षण ॥ चौ-पई ॥ पानपत्रकोंनित्यषवाय पाछेंअजादुग्धपीवाय ताकोंकासरोगमिटजात सुगमउपायकीनवि-ख्यात ॥ अथक्वाथ ॥ चौपई ॥ कंडयारीकोक्वाथवनावै मघांपायकरताहिपिलावै खांसीकोहेविदुख-नास सुगमउपायकियोपरकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ देवदारुरहसनत्रिफलाय पद्मविडंगवला-त्रिकुटाय समधरमिसरीचूरणषावै सर्वकासकोनाशकरावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कुनटीसैंधात्रिकुटा-जान हिंगुविडंगदेवदारूठान मधुघृतमेलजुचाटैतास कासश्वासहिडकीहोइनास ॥ रस ॥ कंडयारी-रसकूटानिकाले तामोमघांपीसकरडाले कासरोगकोहोइहैनाश निश्चैमनमोजानोतास ॥ अथहरीत-कीमोदक ॥ चौपई ॥ हरडकणासुंठीजोलीजै मरचसभीसमचूरणकीजै गुडामिलायसोमोदककरै अ-ग्निवधैजुकासतवहरैं अथसमशरकराचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठमघांमरचांदलपान दालचीनीएलापुनठान-एलातेंउलटालषभाय दुगुणदुगुणकरऔषदपाय यहचूरणनीकेंपीसावै सभकेसममिसरीजुमिलावै षा-वैअर्शगुल्मकोंटार श्वासकासमंदाग्निनिवार कंठहृदयकेरोगविडारे यहचूरणएतेगुणधारे ॥ अन्यचूर-ण ॥ चौपई ॥ कर्षप्रमानमरचलषलीजै मघांअर्धकर्षधरदीजै पलदाडिमदोपलगुडपाय अर्धक-र्षयवक्ष्यारमिलाय सभरलाययथावलषावै सर्वप्रकारकीकासमिटावै अथविभीतकअविलेह ॥ चौ पई ॥ गिद्दकाविनावहेडेलीजे प्रस्थप्रमाणचूर्णसोकीजै अजामूत्रसोंपीसमंगाय मधुमिलायचाटेसु-खपाय श्वासकासकोहोवेनास मनमोंनिश्चैकीजेतास ॥ अथजीवंत्यादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ जीवंती-पाठाजुमुलठ त्रिफलावंशलोचनकरकठ मुथराटलामघांकचूर दोइकंडयारीपुष्करमूर सारवाद्राक्षा वहेडाविडंग यवासारिद्धाचित्राअरुहिंग पुनर्नवाजवानरसोंतभाडेंगी त्रायमाणभूआमलीककंटशृंगी देवदारुलोहरजतामोपाय पीसमहीनजुचूर्णवनाय अमलवेतात्रिकुटायवक्ष्यार यहसमचूर्णमधुघृतडारषा-वैकासपंचप्रकारश्वासरोगसंयुक्तविडार अथपद्मकादिचूर्ण चौपई पद्मलेहुत्रिफलात्रिकुटाय सुरदारविडं-गचूरणसमभाय मधूघृतमेलचटावैतास सर्वप्रकारकासहोइनाश अथसिंहामृतघृत ॥ चापई ॥ वा-साकंडयारीजुगिलोय इन्हकेक्वाथकरेनरजोय अरुइन्हहीकोचूरणपावै घृतपकायशुद्धकरषावै पुरातन-जुरमंदाग्निविनाश जावैग्रहाणिशूलश्वासकास ॥ अथकंटकारीघृतं ॥ चौपई ॥ कंडयारीरसकेमंझार हरडवलाभषडासमडार पुनरहसनधरघीउपकावे षावेपंचांविधकासनसावै ॥ अन्यचकंटकारीघृतम् ॥

चौपई ॥ कंडचारीपंचांगमंगाय द्रोणतोयमोताहिपकाय रहैपादशेषताकोजव छाणप्रस्थघृतपावैतिं-
हतव मघगजपीपलश्ररुयवक्ष्यार पिपलामूलवरचयहडार चित्रासैंचलभषडाठान रहसणपलपलले-
परिमान समघृतपायपकावैसोय षावैश्वासकासकोंषोय पीनसादिकफसकलविकार हृदयशूलहरल-
गैनवार ॥ श्रथवृहतवासाघृत ॥ चौपई ॥ समूलपत्रशाखालेवासा चूर्णशतपललीजीयेतासा दोइप्र-
स्थपंचमूलकोचूरण पुनश्रवरहुंचूरणकरपूरण हरडवहेडाश्रामलेजान कुडवकुडवइन्हकोपरिमान स-
भीद्रोणजलमोंपकवावै पादशेषजवरहैछनावै मेदामहामेदाकाकोली जीवकरिषवक्षीरकाकोली दो-
नोरजनीचंदनठान मुगदपरणिमाषपरणीजान मघश्रसगंघमुलठसमोय संठीसौंफपुनमरचसंजोय
काकनाशकाद्राक्षशतावरि लघुलायवीपीसतामोंधरि इन्हसभकेसमघृतजुामिलावै चतुर्गुणदुग्धगा-
यकोपावै पायपकाययथावलषाय सभहीकासक्षीणताजाय हिडकीश्रवरश्वासकोषोय यातैसुष्ठकंठ-
स्वरहोय श्रथकंटकारीलेह ॥ चौपई ॥ कंडयारीलेहुतुलापरिमाण द्रोणतोयमोंकरोपकाण रहैपदशेषसो-
जवै पलपलचूरणपावैतवै जवांहामुथूगिलोयभिडंगी रहसणत्रिकुटाककडशृंगी चित्राचवकसटीपु-
नजान वीसशरकरापलतिंहठान घृतपलश्रष्टश्रष्टपलतैल पकावैमंदश्राग्निसभमेल तलेउतारशीतल-
करजवै मधुपलश्रष्टमिलावैतवै वंशलोचनमघपीपलदोय चारचारपलमेलोसोय चाटेयाकोंवलश्रनु-
सार चिरकीकासहरपांचप्रकार ॥ श्रथव्याघ्रीहरीतकीलेह ॥ चौपई ॥ समूलपत्रशाखाफलफूल कं-
डयारिजुतुलाइकतूल शतइकहरडजलद्रोणपकावै जवैशेषइकपादरहावै तवशतपलगुडपायपकाय
शीतलकरयहचूर्णपाय षटपलपुष्करमूलपछान पलपलचतुरजाततिहठान त्रिकुटात्रैपलतामोडार
भाजनस्वछताहिमोधार वलश्रनुसारचाटियेसोय त्रिदोषकासनाशतवहोय वातपित्तकफकीजोकास
द्विदोषजकासहायेसभनाश क्षतकीकासयक्ष्मकीकास पीनसक्षईजायपुनश्वास उरक्षतयक्ष्महरनयह-
लह्यो भृगुरिषयहजुरसायणकह्यो श्रथश्रगस्तहरीतकी ॥ चौपई ॥ इकशतहरडसंपूरणराषै श्रवरश्रौ-
षदचूरणकरभाषै दशमूलजवांहावलाकचूर शंखपुष्मिश्ररुपीपलमूर श्रपामार्गचित्राजुभिडंगी पुष्क-
रमूलकरोइकसंगी ; क्रौचवीजजोतामोपाय गजपीप्यलकोताहिरलाय यहसभदोदोपलपहिचान
श्राढकयवतंहकरोमिलान पांचश्राढकजलपायपकावै यवगलनेतकश्राग्निधरावै तवयहवस्त्रछनावैक्का-
थ गुडइकतुलामिलावैसाथ श्ररुसोऊहरडैंताहिमिलावै कुडवकुडवघृततैलरलावै मंदश्राग्निसोंता-
हिपकाय तलेउतारशीतलकरवाय कुडवमघांश्ररुकुडवमषीर ताम्हिरलावैवुधजनधीर पलपलचतुर-
जातपीसाय सकलमांहियहधरोमिलाय दोयहरडानितभक्षणकरै श्रैसोनेंमनिताप्रतिधरै ऊपरतेंरस-
पीवैसोय जेतोवलश्रापनमोंहोय परमरसायणयहलषलीजै याकेसुनगुणजानपतीजै जराहरैजुयुवा-
प्रगटावै वरणश्रायुवलवहुतवधावै कासकहीजोपांचप्रकार नाशेयहसमुझोचितधार हिक्काश्वासवि-
ष्मज्वरनाशे ग्रहणीश्रर्शहृदरोगविनाशे पीनसनजलाश्ररुचिनिवारै एतेरोगहरै
गुणधारै परमरसायणयाकोंजान श्रगस्तरिषीयहकीनवषान लोकनकोहितमनमोधार याहीतेंकीनो-
उपकार ॥ इति ॥ श्रथवसिष्टहरीतकी ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंहरडएकशतलीजै यवश्राढकप्रमानजुलहीजै
जलजुसतश्राढकातिंहपावै लोहकडाहेपायपकावै दंतीश्रसगंधमघांमिलाय करंजूमूलविल्वफलपाय
दोइरजनीगजपीपलपावै श्रपामार्मसंगपायमिलावै भिलावैक्रौंचवीजतिहपावै मघांपीसकरताहिर-
लावै सपत्रमूलचित्रापुनठान इनकासभइकपलपलमान दसमूलश्राढकपरीमान मदश्राग्निसभकरो-

पकान जवगलगयेजानहैजवै तलैउतारैछाणैतवै पुनशतपलतामोगुडपाय हरडसहस्त्रइकताहिमि-
लाय प्रस्थपुरातनघृतसंगदीजै प्रस्थनवीनतिलतैलसुलीजै पुनपकायशीतलकरलेय माष्योंदोप्रस्थता-
मोदेय मघांचूर्णअष्टपलपाय मासपर्यंतहरडकोंषाय सर्वरोगकोहोइहैनाश आगेंभीक्रमसुनियेतास
जोयहहरडमासदोइषाय अपूर्वदष्ठलोचनरुजजाय तीनमासपर्यंतजुषावै कुष्टरोगदूरहोइजावै षावे-
हरडमासजोचार भगंदरश्लीपदवातविकार वातगुल्मश्वासअरुकास यातेंइन्हरोगनकोनाश पांचमा-
सलगसेवैयाहि स्वेतकेशश्यामहोंइताहि जोषटमासलगेंयहषावें जरादूरहोइदेहसुहावै दुरमदहस्तीकी-
जोन्याईं असवलप्राप्तहोयतिसताईं मयूरन्यायकंठस्वरतास शरदचंद्रमुखकांतिप्रकाश कमलफूलवत-
नेत्रसुहावत वुद्धिवृहस्पतिइवलषपावत जानूअरुजंघामंझार हयइववेगहोयनिरधार एकसहस्त्रवर्षप-
र्यंत जीवतरहैजानोयहतंत श्रीवसिष्ठलोकनहितजान यहहरीतकीकल्पवषान ॥ अथकुलत्थगुड ॥
॥ चौपई ॥ कुलथशतपलशतपलदशमूल भागींजष्टीशतपलसमतूल तोयचतुर्गुणपायपकावै
छाणैपादशेषजुरहावै तामोअर्धतुलागुडपाय शीतलकरैजुताहिपकाय षट्पलवंशलोचनजुमिलावै दो-
इपलचूरणमघांरलावै माष्योंकुडवएकपरिमान मेलसनिग्धपात्रमोंठान नित्ययथावलताकोंषावै श्वा-
सकासविष्मज्वरजावै राजयक्ष्मपीनसजुविडारै पांडुहृदयकेरोगनिवारै कफअरुवातरोगहोइनाश गु-
डकुलत्थयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यचकुलत्थगुड ॥ चौपई ॥ कुलथपायअरुमूलकमूल चारचारपललेस-
मतूल तुलाएकदशमूलपछान द्रोणएकजलपायपकान पादशेषक्काथरहैजवै वस्त्रसोंछाणलेयसोतवै आ-
द्रकरसइकप्रस्थसोलीजै घोलताहिमोसोइरलीजै अठअठपलघृततैलमिलाय तुलाएकभरगुडतिंहपाय
पुनपयशीतलकाकरधरै यहचूरणपुनतामोंकरै चवककांयफलमुथाभिडंगी त्रीसुगंधअरुककडशृंगी
त्रिकुटाजीरापुष्करमूर अजवायणपुनपायकचूर अर्धअर्धपलयहसमपाय प्रस्थएकमधुताहिमिलाय व-
लअनुसारनित्यसोषावै कफविकारज्वरकासमिटावै श्वासहृदयक्षतछर्दविनाशै हृदयशूलस्वरक्षयकों
नासे त्रिषाअरुचमंदाग्निमिटावे गुडकुलत्थकोंऐसेंगावे ॥ अथसामान्यविधि ॥ चौपई॥ सुंठसुका
वेछांवेंवासा तीसरभागसमचूरणतासा मधुरलायअसचाटेतास नासेतासकासअरुश्वास अथसाध्य-
कष्टसाध्यकास क्षयक्षतजकासवलहीनकोहोय ताकेप्राणहरेलषसोय वलवानपुरुषकोसाध्यपछान क्ष
तजतासतेंजाप्यकरमान वातपित्तकफकहेजुतीन इनकीकासलषेपरवीन साध्यतासकोपथ्यसेंजानो अ-
वरअसाध्यकासतुममानो अतीसारकरसंयुतजोय कासअसाध्यलषोतुमसोय ॥ अथअसाध्यकास ॥
॥ चौपई ॥ वृद्धअवस्थाकीजोकास अरुअतक्षीणहुंकीलषतास यहदोइकासअसाध्यलषावैं अवरसा-
ध्यसुखसाध्यकहावैं ॥ दोहा ॥ कासचिकित्सायहकहीविवरेसहितविचार पथ्यापथअधिकारअवसोसु-
निए चितधार ॥ इतिकासरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथकासरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कासरोगकेपथअपथसभहींकहोंसुनाय जिहप्रकारशास्त्रहिंभन्योसुनोचतुरचितलाय ॥ अ
थपथ्यं ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाककडशृंगी आद्रकविहीदानाजुभिडंगी पोस्तहफीममुलठयवक्षार
सज्जीदाडिमकीनउचार अपामार्गपुनजानलहीजै सेंधासौंचलसमुझपतीजै चणेमुंगपुनमोठपछानो
कनकअवरमाष्योंउरठानो रसकुलत्थकंडयारीजान दूधदहीघृतअजाप्रमान गौवकरीकोमूत्रजुकहिये

षासीकफकोपथ्यलहैये ॥ दोहा ॥ कासरोगकेपथकहेमनमोंसमुझविचार इसश्रागैंश्रवकहितहोंकास-श्रपथविसतार ॥ श्रथश्रपथ्यं ॥ चौपई ॥ रुधमोक्षजानोनसवार श्रातपदंतघर्षनिरधार धूडीउडतीः मोंजोपैठन श्रांधीपवनमध्यजावैठन दाहकग्राहकरौक्षिजुषावै विष्टामूत्रडिकाररुकावै कंदकचालूश्रा-दिकजेते दुष्टश्रन्नपाणीसुनतेते गुरुशीतलजेतेश्रन्नपान श्रौरविरुद्धभोजनमनश्रान तैलश्रवरदधिगुड-जुलषावै श्ररुव्यायामशाकजुकहावै गलगलश्रादिश्रांवषटेश्राई माषरौंगलौंश्रातिदुखदाई मत्समास-तिलसरषपजान कासश्रपथ्यकीनव्याख्यान ॥ दोहा ॥ षांसीरुजकेपथश्रपथसभहींकीनवषान समुझचि-कित्साजोकरेसोहैपुरुषसुजान ॥ इतिश्रपथ्यं ॥ दोहा ॥ कासनिदानवषानकैतौपुनकह्योउपाय प थ्यापथश्रधिकारपुनभाष्योसभेसुनाय ॥ इतिकासरोगसमाप्तम् ॥

॥ श्रथकासरोगेकर्मविपाकमाह ॥

॥ कथकारणं ॥ चौपई ॥ मिथ्यावचनकहैनरजोय लोकनकोंदुखदायकहोय पित्तरक्तकरषांसी-तास प्रगटहोतयोंकीनप्रकाश ब्राह्मणकोंकरभ्रष्टस्थान वातकासततैंप्रगटान जोजलपानमोंविघ्नउ-पावै ताहिसलेषमषांसीधावै ब्रह्माविष्णुरुद्रमंझारे जोनरइन्हमोंभेदविचारै सन्निपातषांसीतिसहोय निश्चयमनमोजानोसोय निजनिमित्तपशुमारजुषावै कर्मजदोषकासतिसधावै ॥ श्रथउपाय ॥ चौपै ॥ पवनस्वर्णमूरतवनवाय ताम्रमूर्तइकहरणशुभाय द्रोणश्यामतिलऊपरधरै ब्रह्मादिकसहिपूजनकरै हवन-करैपूजनग्रहजोय मार्जनरोगिहिंकीजैसोय घृतमादिकब्राह्मणकोंदेवै निजहिकासतेंमुकिलषेवै ॥ दोहा ॥ कासरोगकेदोषकोकारणकह्योउपाय क्षईरोगवरननकरौंसुनलीजैचितलाय इतिकासरोगकारणउपाय-

॥ श्रयकासरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ श्रठमैंचौथेशनिपडेद्वादशभौमकरूर तांकोपीडाकासकीहोतकरततनचूर शनिमंगलप्र-तिमाकरैदेयद्विजनकरहोम दानप्रतिष्टासंगसोरोगदूरतनसोम ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ श्रथाऽन्यप्रकारकासरोगवर्णनम् रोगखांसी ॥

॥ चौपै ॥ खांसीरोगहोतहैजाको सुरफेनामफारसीताको कासरोगफिफरेकाजांनो जुलजुलाट-ताहूमेमांनो ज्योंदिमागमेंखुजलीहोई श्रावतछीककासइमसोई सरदीतरीश्रधकतनजाको कफमो-टागहरापकाताको श्लेष्मीहोएवृद्धवाकोई शीतलपवनलगेतनसोई श्रथवानींदहुंतेउठश्रावे कास-रोगऐसेंप्रघटावे ॥ दोहा ॥ वांसापुष्पमंगायकेसुंठीत्रिफलापाय ॥ नागवेलसमलीजिएदसदसमासेभाय-चारसेरजलपायकेकरेकाथनरकोय ॥ चतुर्थांसकोसापिवेकासदूरइमहोय ॥ सूंठगिलोवांसाधमापुष्करमु-लमिलाय लघुकंडेश्रारीमिलिएसमसमश्रौषधपाय मासेसाडेत्रैइत्रैकरेकाथमतिमांन सातदिवसकेपांन-तेखांसीदूरपछांन ॥ चौपै ॥ सुंठीत्रिफलामघांमंगावे मर्चभडिंगीवांसापावे वावडिंगपद्मकाष्ठमिलाय नागरमोथाधाररलाय लेसमचूरनपीसवनावे साडेदसमासेनितखावे गर्मनीरसोंसेवनकरिए कास रोगताहीछिनहरिए मघांहरीडकुठसमलीजें वीचमखीरगावघृतदीजें लेहवनायचटावेकोई कासरो-गतवनासेहोई ॥ दोहा ॥ गूंदलीजिएखैरकाचीनीखंडमिलाय दोनोंतोलेपांचलेमैदातोलापाय घृतके-वीचपकायकेकडाहकरेमतिमांन खावेखांसीनारहेहोतदेहवलवांन ॥ चौपै ॥ मर्चश्राकजडलेसमपावे

वांसारसमेखलंकरावे चनेसमानगोलिआंहोई छायावीचसुकावेकोई प्रातरातमुखताहिधरावे चूपेरसखांसीकटजावे सीसालूणमनसिलाजोई वावाडिंगसुंठीमघसोई लेसममधूमिलायचटावे मासेसतकासहटजावे गोकादूधसेरदोलीजें चाढअगनपरआधाकीजें जीरालाखताहुमेपावे सतसतमासेपीसमिलावे रातसमेनरपीवेसोई काठिनकासतवनासेहोई सुंठीमघाभडिंगीलीजें वचवांसाताहूमेदीजे सतसतमासेकाथवनावे पीवेकठिनकासमिटजावे अलसिवीजलेताहिभुनावे खावेमधुसोंकासमिटावे फटकलूणलेसंपुटकरिए ताहिपकायपीसकरधरिए साडेदसमासेनितसेवे घृतकेसाथभाततिसदेवे कास रोगऐसेमिटजावे सुगमउपायकरेसुखपावे एकभारपुटकंडालीजे ताकीभस्मफूककरकीजें एकतलीभरसेवनकरिए सीतलजलसोंखांसीहरिए

॥रोगपित्तजखांसी॥

॥ चौपै ॥ पित्तजदिककासजोआवे कंठहृदेमेदाहदिखावे वारंवारतृषावहुलागे सीतलपवनसंगसुखजागे रेजसगाढीसिरतेंआवे सोफिफरेकेऊपरधावे गरमीखुष्कीफिफरेमाही लक्षणसूकीखांसीताही क्रोधक्षुधामारगमेंजांनो पित्तजखांसीअग्रकपछांनो कदीकिसीकोऐसाभावे पित्तजखांसीरुधिरदिखावे ॥ लौंगइलाचिअगरपछांनो चिटाजरिाचंदनमांनो तगरखस्समघसुंठमिलाय छडवालाजैफलतासंगपाय गंढीराजढनीलोफरलीजें मुसककपूरजुआहसंगदीजें कवावचीनिगजकेसरपावे दालचीनीसमभागमिलावे पीसऔषधीचूरनकीजें सभसमांनामिसरीसंगदीजे साढेदसमासेनितखावे प्रातरातऔषधमनभावे आदिकारनमेंसेवनकरिए पित्तजकासताहिछिनहरिए ॥ हर्दलमासेसातमंगावे अर्धभागमघसंगरलावे चूरनप्रातसमेनितसेवे घृतखिचडीकवहूंनहिदेवे पित्तजकासदूरकरलीजें तापहोएघृतकवहुंनदर्जि ॥ किकरगूंदखंडसंगहोई तोलेतीनतीनसमसोई अकरकराजढसोसनआंनो मासेसातसातपहचांनो साढेदसमासेनितखावे पित्तजखांसीताहिहटावे ॥ इतिश्रीचिकित्सात्संग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांकासरोगा ऽ धिकारवर्णननामचतुर्विंशो ऽ धिकारः ॥ २४



॥ अथराजयक्ष्मारोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ राजयक्ष्मजोरोगहैजैंसेंकह्योनिदान तैसेंवैद्यकग्रंथमतसमुझोकरोंवषान ॥ चौपई ॥ क्षईरोगताहूकोंकहैं ताउत्पतकारणयहलहैं विष्टामूत्रवेगजवहोय वलकरताकोंरोकैजोय धातुनकेक्षयहेतूकहै सोसमझोऐसैंलखलहै अतिमैथुनअतिभोजनजान ईर्षविषादधातुक्षयमान वलीसाथजोवैरवधावै विष्मअंन्नकोअत्सयषावै विष्मभोजनऊनाधिकभाष्यो अरुअकालभोजनसोआष्यो थोहरोभोजनभीसोऊजान इन्हतेंहोयत्रिदोषमहान राजयक्ष्मसोतीनोदोष प्रगटावतयौंलषहोघोष राजक्ष्म. जोदेहसुकावै यातेंशोषनामसभगावै क्रयासमस्तजुक्षयहोजाहि यातेंक्षयिनामजगगाहि जोसभकोराजाससिकहिये ताकोंक्षईरोगसोलहिये यातेंराजयक्ष्महैंनांम महारोगयहहैदुखधाम कफप्रधानवातादिदोषकर नाडीसवरुकजाहिजवैनर तवरसअन्नजुषावैपीवै हृदयरुक्योविकारकरथीवै अपनेअपनेस्थानमंझार जायनसकैंरुकीलषनाड होइविकाररूपरससोय मुखद्वाराकरनिकसेजोय तातेंवीर्यक्षीणहोइजावै अवरधातुसभक्षीणलषावैं तिसतेंनरसूकतहीजाय जैसेंअतिमैथुनजुसुकाय ॥

॥ अथराजयक्ष्मअनुक्रमणिका ॥

॥ चौपई ॥ राजरोगकेपांचप्रकार वातापित्तकफसन्निजचार हृदैचोटपंचमहैसोई पूर्वरूपलख आगेजोई ॥

अथराजयक्ष्मपूर्वरूपमाह

॥ चौपई ॥ जवैजक्ष्महोनेपरआवै एतेरूपप्रथमदिषलावै श्वासअवरअंगपीडाजान तालुशोषकफनिकसेमान मंदअग्रिपिनसअरुकास अरुनिद्राकरहैपरकाश हिक्कामदकरयुक्तहैजोय वमनअवरपांडूतनहोय यहलक्षणजिंहतनप्रगटावै ताकेनेत्रशुकलहोइजावैं वीर्यमांसरहितहैसोऊ स्वप्रमांझअसदेषेवोऊ काकशाछिकशुकगृध्रनिहारे कपिकिरलेमयूरवहुसारे अरुनिजऊपरयाहिचढावैं पृष्टचढायतुरतलेधावैं निर्जलनदीयांदेषतरहै शुष्कवृक्षजलतेपुनलहै ऐसेस्वप्नेदेषतजोय ताहाराजयक्ष्मरुजहोय ॥ इतिपूर्वरूपम् ॥

॥ अथसामान्यराजजक्ष्मलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अवरहुंतीनरूपयोजान स्कंधमाहिपीडाप्रगटान अरुदुंहूपांश्वोपीडाहोवत तत्तपादकरहोवेंजोवत अरुसर्वांगमंदज्वररहै इहप्रकारत्रैलक्षणलहै आगेषटलक्षणकरकहै भोजनअरुचीमुखरक्तसोवहै श्वासकासज्वरस्वरभंगहोई इंहप्रकारषटलक्षणसोई एकादशलक्षणसर्वप्रमान दोषभेदकरताहिपछान

॥ अथवातिजराजजक्ष्मलक्षणं ॥

वातक्षईकेलक्षणजांनो शूलअवरस्वरभेदपछांनो मुंहडेपासेसिमिटेजाहि वातक्षईयहलक्षणगाहि ॥

॥ अथराजयक्ष्मवातजचिकित्सा ॥

॥ अथजातीफलादीचूर्णं ॥ चौपई ॥ जैफलाचित्रातगरविडंग तिलतालीसपत्रलेसंग चंदनसुंठविडंगमिलावै लघुलाचीमघहरडरलावै मरचआमलेलेवंशलोचन कर्षकर्षयहसमझोनिजमन चतुरजात-

इन्हसंगामिलावै भंगसत्तपलपीसरलावै इन्हकेसमशरकरामिलाय वलअनुसारनिताप्रतिषाय श्वासकासक्षंग्रहणीजावै मंदअग्निकफवातामिटावै वज्रपातसौंतरुहतजैसें नष्टहोहिरोगयहतैसें ॥ अथशृंगादिचूर्ण ॥ चौपै ॥ ककडशृंगीअर्जुनआन असगंधनागवलाकोठान पुष्करमूलहरडजुगिलोय मधुघृतचूरणमेलोसोय याहीकोजोनितप्रतिषावै राजयक्ष्मसोरोगमिटावै तालीसादिचूर्णतिससंग चाटेयक्ष्मरोगहोयभंग अथजवान्यादिचूर्ण ॥ चौपै ॥ जवायणसुंठतिंतडील्यावै अमलवेतदाडिमपुनपावै वदरीफलचूर्णपुनठान इन्हकोकर्षकर्षपरिमान दालचीनीधनियांसौंचलजीरा अर्धअर्धकर्षलेवीरा शतपरिमाणमघांतिंहपावैं दोपलमरचांपीसमिलावैं पायशरकरापलतिंहचार षावैइहविधिचूर्णसुधार जिन्हाहृदास्वुद्धलषपावे रुचउपजैलिफक्षईमिटावै पार्श्वशूलकासअरुश्वास ग्रहणीअर्शअफारानाश ॥ अथलघुएलादिचूर्ण ॥ चौपै ॥ लघुएलादालचीनीकेसर तालीसपत्रदाडिमलेतिहधर धनीयांवंशलोचनअरुजीरा दोदोकर्षलेहुसुनवीरा मघांपिप्पलामूलजुचित्रा मरचांसुंठचवकलेमित्रा अजमोदाअजवायणलीजै अमलवेतकैंथजुभनीजै अजगंधायहकर्षकर्षभर ताहिशर्कराचारजुपलधर चूरणषावेक्षईमिटावै लिफकासअर्शमिटजावै स्वासशूलज्वरछर्दनिवारे अग्निवर्णगलजिन्हसुधारै ॥

॥ अथपैतिकराजजक्ष्मलक्षणम् ॥

पित्तक्षईकेलक्षणकहिये अतीसारज्वरदाहलहैये अरुमुखसेतीरक्तनिकासै पित्तक्षईलक्षणजोभासै

॥ अथराजयक्ष्मरक्तपित्तचिकित्सा ॥

॥ अथअमृतादिघृत ॥ चौपई ॥ गिलोयसारवापंचलघुमूल वांसावलासपत्रसमूल दशदशपलजलद्रोणपकावै पादशेषयहचूर्णमिलावै चंदनमघवालाजुकिरात लोध्रपापडामुथ्रसमात पाठात्रायंतीजुउशीर मुलठीशृंगीयवाहांधीर पायइंद्रयवकौडलहीजै त्वकतजपत्रसंगतिंहकीजै नीलोत्पलअरुवासामूल अर्धअर्धपललेसमतूल अजाक्षीरअरुघृतयहदोय प्रस्थप्रस्थतिंहमाहिसमोय मंदअग्निसोंताहिपकाय निजवलदेषताहिकोंषाय राजयक्ष्मरक्तपितजावै श्वासकासशोथदाहामिटावै

॥ अथकफजराजयक्ष्मलक्षणम् ॥

कफयुतक्षईलक्षणकोकहै कंठरुकैवाकफसोवहै जीहनरऐसेंकारणअहै भातअरुचाशिरभारारहै षांसीहोयताहिअधिकाई ऐसेंकफरुतक्षईसुनाई ॥

॥ अथकफजराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

॥ अथषडंगघृत ॥ चौपई ॥ मघांचवकचित्रायवक्ष्यार पिप्पलामूलसुंठसमडार चतुर्गुणदुग्धअवरघृतपावै पकायपायमधुताकोंषावै निर्मलद्वारइंद्रीसभहोय क्षईरोगनाशहोएसोय ॥ अथजीवंत्यादिघृत ॥ चौपई ॥ जीवंतिअरुद्राषमुलठ कचूरइंद्रयवकरोइकठ कंड्यारीआमलेमघांजवांहा भषडावलाइकठकरतांहां त्रायमानअरुपुष्करमूल नीलोत्पलसभलेसमतूल चूरनकरघृतमांहिपकावै मधुमिलायकरघृतनितषावै व्याधसंमूहकरैयहनाश जीवंत्यादिकहैंघृतताास ॥ अथपिप्पलीघृत ॥ चौपई अजादुग्धसमघृतजुपकावै मघअरुगुडमिलायकरषावै क्षईकासरुजहोवैनाश पिपलीघृतयोंजानोंतास ॥

॥ अथराजयक्ष्मसन्निपातलक्षणं ॥

त्रैषठकादशलक्षणकहै सन्निपातमोसवलषलहै तीनविकारकरकायावरै सन्निपातराजयक्ष्मजियधरै

॥ अथहृदयचोटकरराजयक्ष्मलक्षण ॥

॥ चौपै ॥ हृदयचोटकरयक्ष्मजुहोई लक्षणताहिसुनोसबकोई ॥सिरपीडामुखउदरचलान कृशशरीरअसाध्यतिहमान अथवानेत्रश्वेतहोइजाय अन्नअरुचश्वासहिप्रगटाय प्रमेहबढेफुनिमूत्ररुकावे ऐसोरोगीजमपुरधावे ताकीअवधशास्त्रअनुसार यत्नकरावेशास्त्रेविचार चतुरवैद्यफुनजोगुनवंत आज्ञावैद्यमानधनवंत जतीविहोवेसबहिप्रकार दिनहजाररहेफुनिजमद्वार

॥ अथराजयक्ष्मसंन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथदशमूलीघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलदुग्धघृतपायपकावे सिद्धहोंयघृतमोंमधुपावै षावै सुष्टकंठश्वरहोय शिरपार्श्वअंगपीडासभषोय श्वासकासज्वरक्षईविनास दशमूलीघृतज्योंलषतास ॥

॥ अथहृदयचोटराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

॥ अथछागलादिघृत ॥ चौपई ॥ छागलमांसतुलापरमांन अष्टगुणोजलकरोपकांन पादशेषताकोरहैजवै प्रस्थघृतपायपकावैतवै रिद्धवृद्धमेदलषजोय जीवकअरुकाकोलीसोय क्षीरकाकोलीपलपलपरिमान पावैचूरणताहिसुजान पुनपकायकरशीतलकीजै ताहिशरकराअठपलदीजै पलपरिमाननित्यहषावै महाघोररुजयक्ष्ममिटावै कुडवएकमधुताहिरलावे क्षतक्षयराजयक्ष्ममिटजावे पार्श्वशूलस्वरक्षयअरुश्वास अरुचहृदरोगमिटावेकास बलअरुमांसपुष्टयहकरे छागलघृतएतेगुणधरे ॥

॥ अथराजयक्ष्मअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ पार्श्वदुखश्वरभेदपछांनो अतीसारज्वरअरुचीमांनो कासहोयवलतनक्षयमाना वृषणउदरसोजाहोइजाना शुक्लनेत्रअरुऊरधश्वास यक्ष्मआदिअैसेसभनाश मलकरवलजुदेहमेजान वीर्जहुंतेंतिसजीवनमान तिसतेंमलअरवीरजदोऊ यन्तसेंराखेवैद्यहैसोऊ ॥

॥ अथसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ रोगारंभमध्यनरजोई दानकरैजीवनहितसोई अरुदीप्ताग्निरहैउरमांहि कृशतातनमोलहियतनांहि अैसेनरकीवैद्यसुजांन करैचिकित्साहोयनहांन ॥ इतिसाध्यलक्षणम् ॥

॥ अथराजयक्ष्यरोगभेदस्यशोषस्यसंख्यामाह ॥

॥ चौपै ॥ सोषरोगफुनषटहिंप्रकार ताकोवर्णोविविधविचार अतिमैथुनअतिशोककरैजो वृद्धअवस्थाप्रापतहोइसो अरुव्यायामअधिकव्रणक्षयतन मार्गथकेतेंहोइव्याकुलमन तिसयक्ष्मीकेलक्षणआषों जिसजिसतेंजोहोइसोभाषों ॥

॥ अथअतिमैथुनजशोषस्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अतिमैंथुनतेंवीर्यकोनाश तातेंपांडुवरणतनभास अरुसभधातूक्षयहोइजावैं अतिमैंथुनतेंयहफलपावैं लिंगवृषणमोपीडाजोय मैंथुनशक्तिताहिनहिहोय ॥

॥ अथमैथुनजशोषराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ दुग्धअवरमांसरसषावै भोजनघृतकरयुक्तकरावै हृद्यमधुरवस्तूहेजोय जीवनीयगणसेवैसोय- ॥ अथषरजूरादिघृत ॥ चौपै ॥ छुहारेंद्राक्षफालसेजांनो लेयमुलठीघृतमोठांनो घृतपकायमघपीसमि लावै षावैताहिशोषरुजजावै श्वासकासज्वरक्षईविनासै रोगजाहितनकदिुतिभासै ॥

॥ अथशोकजशोषस्यलक्षणउपाय ॥

चौपै ॥ अतिशोकहिंतैंचिंताहोय चिंताकृशतनकरहैसोय शोकअधिकतैंयक्ष्मप्रकास हर्षदिलासा- देविश्वास शीतलमधुरसनिग्धसोखावै लघुदिपनभोजनकरवावैं ॥

॥ अथजराशोषस्यलक्षणम् ॥

जराकरवीर्यसुवाद्धिविनाशै अरुसमस्तइंद्रियवलनाशै कंपसंयुक्तहोयवृद्धाई फूटेकांस्यपात्रकीन्याई कंठहुतैंस्वरअसनिकसावै वलकरकफजोकंठरुकावै कफत्यागनकोंवलवहुकरै कफनहिंनिकसेअतिदुख- धरै होयअरुचतनभारीजांनै पीडतहोइविहबलतामांनै मुखनासाचक्षूश्रवतेरहैं हतछविकृशतासभत्रं गगहैं इन्हअपगुणयुतरोगीजांन जरासहितसोलक्षणमांन

॥ अथजराशोषराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

॥ अथच्यवनप्राश ॥ चौपई ॥ विल्वकत्थअग्निमंथकोआंनो श्यानाककाश्मरीपाडलठानो वला- मघांदोनोकंड्यारी चारोपरणीचहियेडारी अमलीगोषुरुककडशृंगी अगरजीवंतीद्राक्षाचंगी गिलो- यहरडमेदाजुकचूर जीवकवृद्धजुपुष्करमूर पुत्थररिषभपुनर्नवाआंन लघुलाचीउत्पलपुनठांन चंदन- कंदाविदारिवांसा काकोलिऔरकाकजोनासा यहलेवैपलपलपरिमांन धात्रीफलशतभागजुठांन द्रो- णएकजलपायपकावै पादशेषलषताहिछनावै द्वादशपलघृतद्वादशतैल अर्धतुलाशरकराजुमैल प- त्तपकायशीतलसोकरै माष्योंषटपलतामोंधरै वंशलोचनपावैपलचार दोपलमघचूरणकरडार दाल- चीनिइकपलतिंहठांन केसरएलापलपलमान पलतालीसपत्रमंगवावै तामोंसभयहपीसमिलावै षावै- याकोंवलअनुसार याकेगुणसुनकरोंउचार च्यवनप्राशयाकोहैनांम रिषिभयोंयुवावहुतअभिरांम षावै- वृद्धयुवासोहोय कृष्णवालवृद्धीकरसोय सुष्टकंठकोस्वरप्रगटावत श्वासकासक्षीणताजावत त्रिष्णायक्ष्महृद यकेरोग रक्तवातरुजहोंहिअयोग मूत्रवीर्यकेरोगविनासै आयुस्मृतवुधकांतिप्रकाशै इंद्रिनवलअरुआग्नितास- इस्त्रिनकोंवहुहर्षजनावै जराअवस्थाआकृतजावे युवाअवस्थारूपप्रकाशै एतेरोगजोगकरनासै ॥

॥ अथजराशोषचिकित्सा ॥

अथउच्यटादिमोदक ॥ चौपई ॥ उच्यटाइक्षूरसमधुलेय तुगाक्षीरीप्रस्थप्रस्थसमतेय अर्धतुलाशरक रामिलाय कुडवकोंचत्रिसुगंधीपाय कुडवमरचपुनजानपतीजैं सभयहमेलजुमथकरलीजैं पल- प्रमांनयहमोदककरै वलअनुसारखायदुखटरै व्रह्मचारीजितेंद्रीरहै राजयक्ष्मक्षीणतादहै वृद्धक्षीणता- जावैतास वरणकंठस्वरवलपरकाश तुष्टिपुष्टउदारताहोय. भूतप्रेतपीडाहरसोय वृद्धक्षीणवीर्यकोंएह- वाजीकरणलषोतुमतेह वंध्यातियकोंहैसुतदायक. इस्त्रीखाएक्षीणाहिवलदायक लिःफमूत्रकृच्छ्रउन्माद

ग्रहणीअपस्मारविषवाद राजयक्ष्मरोगीजोहोय हरिगुरुश्रद्धाधारैसोय अरुऔषधमोंश्रद्धाधारै इहप्रकारसभरोगविडारै छागलमांसतत्तपयपांन जीवतसैवैहितनिजमांन कर्मविपाकहुंकेअनुसार पुन्यकरैयहवडउपचार

॥ अथमार्गस्रमशोषस्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मारगश्रमकरक्षईजुहोय तासअंगजुगडेलषिसोय भूंनीवस्तुकठोरजिमकहिये तासुदेहकठोरइमलहिये सभीअंगसून्यहोइजावै कंठतालुमुखशुष्कलषावै

॥ मार्गशोषजराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

चौपै ॥ जिहमारगश्रमयक्ष्मीजांनै तिंहइस्थीरताकोसुखठांनै दिनकोंशयनकरावैतास शीतलमधुरतक्ररसमास अरुजोपुष्टकरतहैपथ्य भोजनकरवावेलहुतत्थ.

॥ अथव्यायामशोषलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जोअत्सयकरहैव्यायांम तिसयक्ष्मीकेयहपरिणाम जोउरक्षतक्षयीलक्षणकहै व्यायामीमोसोलषलहै.

॥ अथव्यायामशोषचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ स्निग्धमांसरसातिसनरदेवे अम्लयूषहितकरलषसेवै अरुव्यायामक्षयीलषपावै भोजनसरदस्निग्धमनभावे.

॥ अथव्रणक्षयस्यलक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ एकक्षईव्रणहूतेंजांनै रक्तक्षीणतातैंअनुमानै तातेंपीडाकरआहार घटजावतनहिलागैवार तिसतैंदेहीक्षयहोइजावै व्रणहूतेंयोंक्षईकहावै.

॥ अथव्रणक्षयस्यचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जोव्रणतेंउपजैक्षईरोग दीपनस्वादिकपथतिसयोग शीतलवस्तुमांसरसदेवै अतिसुंदरवस्तूहितसेवै.

॥ अथउरक्ष्यतक्षईलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अवरउरक्षतक्षईवषांनो तासनिदानकहोंलषमानो जोषैंचेवहुधनुषकमांन वलतेंअधिकजोभारउठांनआपहुंतेवलवंतजुहोई तासोमल्लयुद्धकरकोई विषमस्थानहुतेंजोगिरै शिलाकाष्टऊपरतनपरैवृषभअश्वजोदौडितजावै तापकडिनहितपाछैंधावै अथवाऊचेतेगिरपरै म[illegible]नदीवाहूकरतरै घोडेसंगजुदौडितजावै वडीछालमारैदुःखपावै जोअतिनृत्यकरैकिसुआगै विहवलहोयनतनअनुरागै इन्हकारणतेंउरक्षतहोय वलवतयक्ष्महिंप्रापतसोय अतिआसक्ततियनमोहोऊ भोजनरौक्ष्यअल्पकरजोऊ ताकोभीउरभेद्योजावै यातेंक्षईरोगप्रगटावै अरुजाकोंवहुषांसीहोय ताकोंभीप्रगटैक्षईसोय पार्श्वदोय. पीडायुतजास शुस्कअंगकंपहोयतास वलवीर्जवर्णअग्नितिसनासे जरअंगपीडमनग्लानिप्रकाशे मंदाग्नीविट्भेददुर्गंधीजांनो विष्टाइयांमजुपीतवषांनो रक्तयुक्तकफनिकसेजिसको वीर्जअवरवलक्षयहोयतिसको.

॥ अथउरक्ष्यतक्षईचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ क्षतपरजोजोहितकरवस्तु सोसोयक्ष्मोकोंपरसस्तु वलीक्षईकेकहेउपाय विषसमक्षीण-वलहिंदुखदाय तनमोवलवीरजआधीन प्राणअधीनमलजानप्रवीन याजगवैद्यचतुरजोहोय रक्ष्यावीर्यम-लकरहैसोय ॥ अथषडंगयूष ॥ चौपई ॥ मघांसुंठयवदाडिमजांन कुलत्थआमलेयहसमठांन छागमां सरसयूषमिलावै पीवैंपीनसादिक्षइजावै द्रव्यहुतेंडुगुणालेमास सभतेंअष्टगुणाजलतास पादशेषरहै-घीउमिलावै षडंगयूषयहनामकहावै.

॥ अथयक्ष्मउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ रक्तसहितमूत्रहोयजास पार्श्वपृष्टकटिग्रहनितताास वलवीर्जरक्तक्षयहोवेजिसको यक्ष्म-उपद्रवजानोतिसको.

॥ अथअन्यसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ यक्ष्मचिन्हजेकीन्हप्रकाश कछुथोहडेसेहोइहैंजास उरकीअग्निदीप्तरहैजासू घटैनाहिव-लवीरजतासू असोपुरुषचिकित्सायोग भाष्योंशास्त्रप्रगटइहलोग जायक्ष्मीमोअसेलक्षण सोऊसाध्यलष लेहुविचक्षण वर्षपर्यंतजाप्यहेजोय सर्वलिंगयुतत्यागेसोय यक्ष्मरोगकोकह्योनिदांन समुझेंलक्षणवैद्यसु.जांन ॥ दोहा ॥ राजयक्ष्मलक्षणकहेसोलीजैचितधार यक्ष्मचिकित्साअवकहोंसमुझभलीपरकार.

॥ अथसामान्यराजयक्ष्मरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ कहोंचिकित्सायक्ष्मकीसुनलेवोमनधार वंगसेनजैसेंकहीसभग्रंथनअनुसार ॥ चौपई ॥ जिन्हजिन्हकारणक्षईलषावै दुग्धमांसरसताहिपिवावै मधुरसघृतभोजनदेतास हृदयसुखदवस्तूसुखरास असेंसमुझचिकित्साठाने वैद्यचतुरप्रथमहिंअनुमाने ॥ अन्यच ॥ मूलीअवरकुलत्थमिलाय यूषपानरुजक्षई-नसाय ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ धानियांमघांसुंठदशमूल पीवैक्काथसभलेसमतूल क्षईपार्श्वशूलज्वरजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ असगंधभिडंगीवरचगिलोय वासापुष्करमूलसमोय अवर-शतावरीतामोपाय वलालीजियेताहिसमाय अरुलैवैदशमूलपतीस यहचूरणकीजेसमपीस वलअनुसारया-हिकोषावै राजयक्ष्महरसुखउपजावे क्षईरोगकाहोवेनाश असेंकीनोग्रंथप्रकाश अन्यच वानरमांसजुलेय-सुकावे दुग्धसाथचूरणसोषावै क्षईरोगताकोहोइनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश अन्यच हरणछागमांसस-मलेय धूपसुकायचूरणकरुतेय अजादुग्धसोंकरहैपांन होयराजयक्ष्मकीहान अथक्काथ चौपई रहसणवरच अवरदशमूल सुरदारसुंठअरुपुष्करमूल यहसमलेयक्काथकरपीवै क्षईपार्श्वशूलहतथीवै शिरपीडाअरुजावै-कास होयतनशुद्धकीनपरकाश अथचूर्ण चौपई अर्जुनवृक्षत्वचाकोलीजै कवचवीजनागवलालहीजैयह-समचूरणकरैवनाय दुग्धपकायघृतमधुसोंषाय अरुमिसरीभीसाथमिलावै षावैक्षईकासमिटजावे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ शालिपर्णिइटसिटजुविदारी एरंडवासादोकंडयारी जीवकरिषवगोपुरूशतावरि-लांगूलीवृश्चकालीतिंहधरि हंसपादुकादोनोसहा कवचवीजवलालहुतहा यहसमचूरणपीसेषावै क्षई-गुल्मश्वासपितजावै वातकासहोइजावैनाश वंगसेननमतकीनप्रकाश ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ दशमू-लमघांधनियांसमलेय सुंठमिलायक्काथकरतेय चतुरजातसंगपीवितास क्षईकासज्वरहोवेंनाश वल-

अरुपुष्टकरतपाहिचानो यहगुणयाकेमनअनुमानो ॥ अथरस ॥ मदयंतीपंचांगघुटावै ताकोरसलेव-स्वछनावै पीवैएकमासपरयंत राजयक्ष्मकोहोइहैअंत ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ छागमांसछागघृत-जान छागदुग्धकरसुंठामिलान नितषावैअरुछागहिंसेवै छागोंमध्यसदानिससोवै यक्ष्मरोगहोवैतिस-नास यहभीभाष्योकरविस्वास ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ चूर्णलाषकर्षदोइलीजै पेठेरससोंनितउठपीजैं र-क्तयक्ष्मकोंनाशेसोय होइआरोग्यसुखीतनहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाअवरशतावर दो-यवलासमलोहचूर्णधर यहचूरणानितषावैजोय यक्ष्मादिसर्वरोगहतहोय ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ विडंगशिलाजितलोहेचूरण खंडपायघृतमोंकरपूरण रूपमाक्षितिहपीसमिलावै मधुकरयुक्तजुलेहवनावै यहचाटेनितक्षईमिटाय समुझलीजियेकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचवकअरुवायाविडंग यहसमचूर्णघृतमधुसंग नितप्रतिचाटैक्षईमिटावै होइआरोग्यजीवसुखपावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मांसकवूतरकोमंगवावै पंडपंडकरधूपसुकावै चूरणकरमधुघृतसुरलाय प्रतिदिनचाटैयक्ष्ममिटाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ द्राषमघांमधुमिसरीपाय चाटैताहिक्षईनरहाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मधुघृतामिसरीमघअस-गंध चाटेनित्यहोयक्षईभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मिसरीमधुमाषनजुमिलाय नितप्रतिचाटैयक्ष्महृ-टाय ॥ अन्यच ॥ मधुघृतदोऊमिलायचटावै परयहसमानतोलनहिपावै ऊनअधिककरमेलेसोय चा-टैक्षईरोगक्षयहोय पाछेदुग्धकरेजोपान यक्ष्मरोगकीकरहैहान ॥ चूरण ॥ चौपई ॥ नागवलाकोमूलपि-सावे पलप्रमाणदुग्धसोंपावे अरुनितदुग्धकरैआहार अधिकनषावैसमुझाविचार यहप्रयोगधारैइकमास पुष्टआयुवलकरेप्रकाश राजयक्ष्मकोरोगनिवारै यहगुणयाकोनिजमनधारै ॥ अथतालीसादिचूर्णगुटिका ॥ ॥ चौपई ॥ तालीसपत्रमरचमघनागर भागवृद्धइकइकइन्हकोधर दालचीनीएलायहदोय अर्धअर्ध-भागधरसोय जेतेभागमघपीपलहोई अष्टगुणामिसरीधरसोई सभमिलायचूरणयहषावे श्वासकासहृदरोग-मिटावे पांडूअरुचग्रहणीलिफजाय शोथशूलअतिसारमिटाय छर्दअरुचज्वरवातनसावै राजयक्ष्मको-नाशकरावै जोमिसरीपुतगुटिकासेवे षावैअधिकगुणनकोंदेवे अथमहांताली सादिचूर्णचौपई तालीसप-त्रचित्रात्रिकुटाय तिंतडिदाडिमपलपलपाय दोऊजवायणअरुगजकना गलगलचवकसमुझनिजमना गज केसरवालाजीराठानै पिपलामूलविडंगपछानै धनियांजायफलमघांमिलावै त्रिसुगंधलवंगकर्षकर्षपावै सभ तेंदुगुणीशरकरापाय चूरणकरपावैदुखजाय पीनसराजयक्ष्महृदरोग मूत्रकृछ्रहोइजांहिअयोग पांडहलीमक-अस्सीवात चालीसपित्तरुजकरहैघात कफरुजनासंवीसप्रकार यारांग्रहज्वरशूलनिवार अर्शभगंदरगलग्रहजा वैऊरूस्तंभस्वरभंगमिटावै इत्यादिव्याधकरहैयहनाश महातलीसिअदिलपतास ॥ अथअन्यतालीसादीचू र्ण ॥ चौपई ॥ तालीसपत्रमरचमघनागर लघूलायचीजायफलतेंहधर कमलभेयपुनपिपलामूल वं-शलोचनयहलेसमतूल इन्हतेंत्रिगुणीमिशरीपाय चूर्णषावैनिजवलभाय दीपनरुचकरजानोएह पित्त-रक्तज्वरनासकरेंह हृदैरोगश्वासक्रमकास ग्रहणीक्षईगुल्मकरनाश मूढवातअरुशूलअफार पांडुकंठ-ग्रहरोगविडार हाथपादकोदाहनिवारै तालीशादीचूर्णदुखटारै ॥ अथकरपूरादीचूर्ण ॥ चौपई ॥ कर-पूरअवरकंकोलजुमरच जलवत्रीअरुजाइफलवरच येहऔषदसमतोलकरीजें दुगुणलवंगमघसुंठधरीजे अरुमरचाभीदुगुणपछान इन्हसभकेसममिसरीदान नित्ययथावलचूरणषावे क्षईकासहृदरोगमिटावे श्वासगुल्मअर्शयहटारे रुचकरहैस्वरकंठसुधारे कंठरोगकोकरहैनाश अपनेमनगुणजानोतास करपू-रादिचूर्णयहकह्यो रुजहरतागुणकरतालह्यो ॥ अथवलादिघृत ॥ चौपई ॥ वलाआमलेअवरविदारी

विदारीगंधाचाहियेडारी घृतमोपायपकावैजोय लवणमेलकरषावैसोय वालेवैताकिनसवार राजयक्ष्म रोगकोटार ॥ अथएलामंथघृत ॥ चौपई ॥ एलात्रिफलानिंवविडंग अजमोदात्रिकुटापावोसंग सारशालवृक्षजुउशीर मुथ्भिलावैचित्राधीर विजयासारभषडेपावै खैकरस्थलेताहिमिलावै दोदोपलजलद्रोणपकावै पादशेषप्रस्थघृतपावै घृतकरशुद्धवनावैजोय वंशलोचनपलषटजुसमोय मिसरीपावैपलतिंहतीस सभीमिलावैऔषदपीस घृततेंदुगुणोमधुजुमिलावै मंथनकरपलपलनितषावै पाछेतेंकरहैपयपान राजयक्ष्मततक्षिणकरहान पांडुभगंदरतुरतनसावै परमरसायणयहलषपावै ॥ अथपारासरघृत ॥ ॥ चौपई ॥ मुलठवलाअरुजानगिलोय पंचमूललघुताहिसमोय जलदोयद्रोणपकावैजास अष्टमभागरहैजवतास आढकंप्रमाणतामोघृतपावै धात्रीकंदविदारिमंगावै रसइन्हकोअरुइक्षुरसजान तीनआढकइन्हकोपरिमान पुनजीवनियगणपीसमिलावै षावैक्षईसमेतमिटावै ॥ अथसुदंष्ट्राघृत ॥ ॥ चौपई ॥ भषडेफलनीवलाजवांहा चारचारपलपावोताहां पित्तपापडापलइकमान अष्टगुणाजलमोयहठान जलपकायदसमारहैभाग पुनकर्षकर्षयहचूर्णविभाग मघांत्रायमानजुकचूर किरायताआमलेपुष्करमूर तिक्ताकोगडयहसभजान प्रस्थएकघृतकरोमिलान दुगुणदुग्धमंदाग्निपकावै षावैक्षईदाहज्वरजावै पार्श्वशूलशिरपीडानाशै त्रिषाछर्दअतिसारविनाशै ॥ अथवलागर्भघृत ॥ ॥ चौपई ॥ दशमूलीकाक्राथवनवावै दोयप्रस्थवांसारसपावै चूर्णवलाप्रस्थइकठान प्रस्थएकघृतपायपकान ताडिनतेंउत्पतक्षयजोय षावैघृतनाशेतवसोय ॥ अथचंदनादितैल ॥ चंदनवालानखउत्पल आनो मुलठाशिलाजितएलाठानो पद्मकाष्टअरुसलमजीठ दोनोहलदअगरसुनईठ मुरामांसीतजतजपत्तर सारवादेवदारधरमुत्थर गजकेसरकुंकुमकंकोल तिक्तालवंगपलपलसमतोल कचूरपापडातामोपाय वनतुलसीलेतासमिलाय चतुर्गुणइन्हतेंतैलमिलावे दधिकोमंडचतुर्गुणपावै अरुतिन्हसमलाक्ष्यारसपाय सिद्धकरैयहतैलपकाय पीवैमर्देलेनसवार पूतनादिसभहीग्रहटार देहवरणवलकरताजानो अपस्मारउन्मादक्षईहरमांनो अवरअलक्ष्मीकोंयहनाशे वशीकरणपुष्टायुप्रकाशै ॥ अथशतपाकतैल ॥ तिलकोंतैलजुप्रस्थप्रमाण चारप्रस्थगोदुग्धमिलान मुलठएकपलतामोदीजैं मंदअग्निसोंताहिपकीजैं इसीरीतसोंशतएकवार तैलजुसिद्धकरैमनधार पीवैमर्दनलेनसावार एतेरोगदूरतेंटार यक्ष्मरोगहृदरोगानिवारै गुदजरोगपांडूरुजटारै ऊर्ध्वजत्रुरुजमदउन्माद रक्तजपित्तविसर्पविषाद ॥ दोहरा ॥ राजयक्ष्मवर्णनकियोवंगसेनअनुसार पथ्यापथ्यवषांनहोसोलीजिचितधार इतिराजयक्ष्मरोगचिकित्सासमाप्तम्.

॥ अथराजयक्ष्मारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ यक्ष्मरोगकेपथअपथवैद्यकग्रंथविचार सुनविचारमनधारियेसोऊकरोंउचार ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ दुग्धस्निग्धभोजनहिततास वनमृगपक्षिनछागलमास घृतमधुमाषनमिसरीजान विशेषअजापयघृतपरिमांन अवरवहीदानाअरुषंड दाखछुहोरलाजामंड गेहूंमुंगपुरातनलहो सठीसालीजीरणगहो जवकोटाशीतलल्घुवस्त दीपनकोमलवस्तुप्रशस्त पटोलहरीडआमलेआंनो मुलठ. वदामनेउजेमांनो एलाशृंगीअवरअनार फूलसुगंधहर्षमनधार रागश्रवणशीतलअस्थांन धनियांजीरणपेठामान जोजोहृदिहितकारीहोय वलअनुसारपथ्यहैसोय ब्राह्मणदेवपितृगुरुपूजा श्रवणपुराणउपाययहदूजा ॥ दोहरा ॥ पथ्यकहेहैयक्ष्मकेसवलक्षणपहिचांन चतुरवैद्यदेवेतिसेहोयनरोगिहांन ॥ इ-

तिपथ्यं ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ यक्ष्मअपथ्यवषांनहोंशास्त्रनकेअनुसार प्रथमत्यागियेतिन्हनकोंपुनकोंजै उपचार ॥ चौपई ॥ मैथुनवहुआतपगुरुभोजन क्ष्यारतिक्तभोजनलषहोमन मारगचलनअरुभारउ. ठावत्त गुडअरुमाषकुलथकोषावत कंदकचालूआदिकजेऊ अवरविरुद्धअन्नजलतेऊ अरुव्यायामवेगकोरोकन वहुश्रमअवररक्तकोमोक्षन तैलपक्कशाकमहूजान मल्लयुद्धवहुजागनमांन इस्त्रीशोकक्रोधईर्षाऊ अपथ्ययक्ष्मकेयहलषपाऊ कफकरवरतुउष्णपुनजेऊ रक्तजवस्तुअपथलषतेऊ ॥ दोहरा ॥ अपथ्ययक्ष्मकेकछुकहैदेषेग्रंथविचार वुद्धिमांनजोवैद्यहैसमुकेभलीप्रकार ॥ इतिअपथ्य ॥ दोहरा ॥ राजयक्ष्मवरननकीयोंप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषांन इतिराजयक्ष्मरोगसमाप्तम्.

॥ अथराजयक्ष्मरोगदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोब्राह्मणकीवृत्तिछिदावै ताकोंक्षईरोगप्रगटावै अरुजोनृपसर्वस्वहरलेय परजाकोंवहुपीडादेय राजयक्ष्मतिसकोंभीहोय तासउपायकहोंसुनसोय ॥ अथउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ कदलीवृक्षस्वर्णकरवावै पत्रपुष्पफलसहितवनावै पूर्णकलशअलंकृतधरै ब्रह्मामूर्त्तस्वर्णपुनकरै चतुर्वाहुमुखचारवनावै चारवस्तुवहुहाथधरावै अक्षसूत्रपुस्तकदोइहाथ औरकमंडलअभयकरसाथ अष्टपलरजतकमलपरधरै ऊपरस्वेतवस्त्रअनुसरै कंदलीमूलताहिकोंराषै पुनसुनलेहुशास्त्रयोंआषै ताम्रपात्रतिलसंयुतआनै हेमविष्णुमूरततहांठानै विधिवतपूजनसभकोकरै हिरण्यगर्भमंत्रउच्चरै इसहीमंत्रसोंहवनकरेय सावधानयहविधिकरलेय सूर्यमंत्रसोंसूर्यनिमित्त हवनकरैसुनलीजैमित्त असकदलीतरुदेवैदान व्राह्मणश्रेष्टभलेंपहिचांन राजयक्ष्मरोगतैंसोय मुक्तहोयकरसुखियाहोय ॥ दोहरा ॥ क्षईरोगवरननाकियोकारणसहितउपाय ज्वररुजकेसवदोषगुण भाषोंसुनचितलाय इति ॥ अथजोतिष ॥ ॥ दोहरा ॥ दिनकरकीराशीविषेचंदकोआगमहोय अथवाचंदकीराशिमोसूर्यसउद्यतजोय यरदशांशकोभावकरनवांशपरस्परयोग चंदसूर्यकेस्थानविरुद्धहोतरोगकोजोग तिहप्राणीकोअवश्यकरराजयक्ष्म कोहांन सूर्यचंदकाजपकरेरोगनिवृत्तीमांन ॥ इतिज्योतिष ॥

॥ अथान्यप्रकारराजक्ष्मकथनम् रोगराजयक्ष्म ॥

॥ चौपई ॥ आमाशयकादोषजोहोई यक्ष्मक्फिफरेमांनोसोई तपेदिककालक्षणमांनो राजयक्ष्मताहिकरजांनो भीतरनाडसोइफटजावे यक्ष्महोएफुनिरुधिरदिखावे रुधिरकोपकरमांनोसोई अतिभयदायकलक्षणहोई कालारंगरुधिरनिकसावे वासलीककारुधिरछुडावे रेचकऔषधसेवनहोई आगेयतनऔरकरसोई रैहांनरंगकालेकील्यावे पीसनीरमधुपायपिलावे ॥ चंदनापित्तपापडाल्यावे नागरमोथावालापावे करेक्काथसीतलजवहोई करेपानदुखनासेसोई न्हापेकीजढताहिमंगावे सठीचावलमेलखुलावे वांसासोदसमासेल्यावे दोईसेरजलपायचढावेआधसेरजवहीरहजाय ढाईतोलेमधूमिलाय करसीतलपीवेनरसोई राजयक्ष्मदुखनासेहोई खिचडीमुंगविनाघृतखावे खिचडीविनामुंगनहिभावे जेकरअतिनीरमुखआवे गरमीदोखताहिप्रगटावे करेवमनगरमीहटजाय पाछेहरडआमलाखाय मुरवाअथवाइनकाखावे पित्तघ्नऔरऔषधमनभावे कफअतिहोयदोषकरसोई आमाशयजललेसलहोई प्रथमशुद्धआमासयकरिए वमन करायदोषसवहीरएकणकपीसमैदानिकसावे साडेदसमासेनितखावे भोजनथोडाकरेसुजांन होवेराजयक्ष्मकीहान इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांराजयक्ष्माऽधिकारकथनंनामपंचविंशोऽधिकार-

॥ अथज्वरप्रकरणमाह ॥

॥ तत्रज्वरस्यउत्पत्तिनिरूपणं ॥ दोहा ॥ ज्वरउत्पत्तिप्रथमहिकहोंआगेकहोंनिदान ज्वरराजासभरोगकोंया तैकरोंवषान ॥ चौपई ॥ दक्षप्रजापतिजवमषकीन तहांअनादरशंकरचीन उपजोक्रोधरुद्रकोमहां प्रगट्योज्वरश्वासनतैंतहां ॥ दोहा ॥ इहप्रकारउत्पतभईज्वरकीआदिपछान पुनआश्रयरसआमवातपित्तकफज्वरमांन मिथ्याहारविहारकरआश्रयहोइरसआम निजथलतजज्वरवातपित्तकफप्रगटैतनठाम वातपित्तकफतींनइहद्वंदजजानप्रमाण सप्तमसन्निपातसुकह्योअष्टमआगंतुवषाण ॥

॥ अथज्वरस्यपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरकेउपजणकेयहलक्षण प्रथमहोतहैंलषोविचक्षण श्रमविवर्णतातनतिसगहै किसीवस्तुमोंप्रीतनरहै नेत्रनमोंजलजृंभाआवै वदनविरसअंगपीडापावै कवहिसीतइछामनकरै कवीगर्मचितमोअनुसरै कवीमनवातप्यासमेंरहता ग्रंथवैद्यमोइहविधकहता भारीतनअरुलागैशीत रोमउठैंरुचिरहैनमीत हर्षरहितपुनमोहपछान यहलक्षणसामान्यलषान अरुविशेषतैंसमुझोकहों वमनहुतैंजृंभाकोलहों पित्तहुतैंनेत्रनमोंदाह कफतैंअरुचीजानेताह जोयहलक्षणइकठेलहियें द्वंदज्वरताहूकोंकहियें वुद्धिमानजोवैद्यकहावै पूर्वरूपज्वरकोलषपावै पूर्वरूपवातज्वरजान करवावैव्याधीघृतपान- पित्तज्वरकोरूपलषावै व्याधीकोंरेचनकरवावै पूर्वरूपकफज्वरलषलेय छर्दकरावैरुजहींतेय त्रिदोषजपूर्वरूपज्वरजाने त्रैउपचारात्रिदोषाहिंठाने ॥ इतिज्वरपूर्वरूपम् ॥

॥ अथज्वरस्वरूपनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंजुज्वरकेवेगकोंमनमोंकरहिविचार जैसेवरतैतासमोंतैसेंकरोउचार ॥ चौपै ॥ वेगकरैआकरज्वरजवै असससरूपप्रगटावततवै वहुततपैतनस्वेदनहोय सर्वअंगपकडतहैसोय ॥

॥ अथज्वरप्रकटतावर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ अधिकवातकफपित्तजवहोय वेगकरैमारगस्वरखोय वाहरआयअग्नीसुमचाय तिसकरज्वरहिवेगप्रगटाय सोज्वररसनाडिनकोंरोकै कायागमंअस्यंतकरसोकै याविधपसीनहिप्रगटात रसनाडिनकोंवंदकरात ॥

॥ अथसामान्यज्वरचिकित्सा ॥

तत्रादौहितोपदेश: ॥ चौपई ॥ इन्हरूपज्वरवाहरजानै पुनअपथ्यअरुपथ्यपछानै कछुकअपथ्यपथ्यपरकार भाषतहोंमतग्रंथनुसार तापचिकित्साअंतमंझारै पथ्यापथ्यस्पष्टउचारै तरुणज्वरीनहिंकरैसनान वुटणामर्दनतैलनमान दिनमोंसोनोइस्त्रीसंग अरुचीकृतनोंहिधारैअंग शीतलजलकोंपीवैनाहि क्रोधनधारैनिजमनमाहि दहीक्वाथश्रमवस्तिकर्मकृत घृतमधुदुग्धरेचननहिहित अंगमर्दनअरुतक्रनहिरागै तरुणज्वरमहिइहसवत्यागै याहिउपद्रवहोतअतिलाग तांवूलदंतधावनइहत्याग राजरोगवमनमदमूर्छाई भ्रमअरुतृषाअरुचीप्रगटाई व्याजांमकरतज्वरहीवधजावै मैथुनतेजडअगमूर्छावै स्नेहपानमृत्यूउपजाय वमनमूर्छामदअरुचीप्रगटाय अतिभोजनदिनानिद्रानाहिकरै तातेंदोषवृद्धिहोयवरै नाडीरसचलनेतेरहे खुर्ककरैइहकारणलहै विषकीन्याईज्वरकचमाहि इनकारणसोंदेहबचाहि वातलवस्तुनभो-

जनकरे नवीनज्वरीएतेपरिहरे जोइन्हहूंकोंनाहीत्यागे ताकोतनजुउपद्रवजागैं शोथछर्दमदमूर्छांहोय त्रिष्णाभ्रमजुअरुचिताजोय ज्वरीविमुक्तज्वरीपथलह्यो लघुभोजनदिनअंतहिकह्यो यद्यपिअरुचिज्वरीको-होय तौभीलघुभोजनकरसोय काहैविनभोजनहोइक्षीन अथवामरैजुलषोप्रवीण जोजानेज्वरभारीअहै अरुअंतरवहुभारीरहै ताकोअन्नसुनाहिसुवावे नाशआरवलाअन्नकरावे जाकोंवहुतअरुचिहोइजाय सलवणविजोरातुरीषवाय मनक्काआमलकमिसरीसंग कूटमिलायषवायनिसंग इन्हहूंतेहोंइरुचिपरकाश अवरहूंभीदेपाचनतास पथ्यरहैतैंसुखपरकाशै विनाउौषधीदुःखविनाशै ज्वरमोंलाजाशालीपथ्य सठीचाव लमुंगीतत्थ मोठमसूरचणकजुकुलत्थ इन्हकोरसज्वरमोहैपथ्य पटोलककोडेकरेलेजान यहभीपथ्यज्वरी-कोमान लवाचकोरहरनकोमास सहामासपुनपथलषतास नवीनज्वरीकोकाथअपथ्य लंघनताकोंजानोपथ्य लंघनज्वरकोदूरनिवारै पुनशरीरमोंसुखविस्तारै गर्भिणिवालवृद्धहैजोय तिन्हकोलंघनभलोंनहोय मार्ग-श्रमतेंक्रोधकामतैं भयइत्यादिकअवरशोकतैं इन्हतैंजोज्वरतनप्रगटावै इन्हकोंलंघनपथ्यकहावै वमनअ-धिकारहिवमनपथमान जासदेहहृदभारीजान अरुअधोवातमूत्रविष्टाऊ इन्हकोनिकसनपथ्यकहाऊ वात हिकफहिउष्णजलपान अहैपथ्यनीकैंपहिचानीपित्तवालिकोशीतलतोय पथ्यअहैजानोमनसोय मुथपाप-डाचंदनउशीर पैतिकपथ्यक्काथयहधीर ॥ दोहा ॥लंघनसंयुतजोज्वरीनाहिपक्कजलजोय अपनेमनमोंलष लहोताहिअमृतसमहोय वुद्धिमानजोवैद्यहैअपनीवुद्धअनुसार पकवावैसोतोयकोंअसउौषधमधडार ॥

॥ अथजलपक्ककीउौषधीवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ पंचमूललघुउौषधजेय जलकेभीतरपावैतेय अथवामघांपीपलीपावै वाकंडयारिजवाहां थावै वादशमूलपायपकवावै जोवडदोषज्वरहिजुलषावै वृद्धपंचमूलतहांपावै पीपलमूलसुंठधरवावै अजवायणइत्यादिकवस्त अरुगोषुरुजहजानप्रशस्त ॥ इतिजलपक्कवस्तु ॥ चौपै ॥ होवेपथ्यरोगीचित-नाहि कल्कविधीकरदीजोताहि दोषपकैनहिक्काथनदेय पीवेक्काथक्ष्योभतनलेय थमेजाहिपकतगिरना-हि स्वतस्थानतजविषमप्रगटाहि ताहिदोषलषक्काथसुदेय तिहवर्णनअवसारसलेय षोडशाशवाद्वाद-मांन अथवाअष्टमांसहितजांन चतुर्थअंसजवपाकमोजाय सोक्काथहिज्वरदोषनसाय भषडाआदिद्र-व्यपलहोय सेरअष्टपाणीमोसोय चारसेरजवहींरहजाय दोकर्षसठीचावलपाय सोयिक्काथरोगीहित-मान ॥ वंगसैनइहकियोवषान ॥ अथजूषविधिः ॥ अठारहगुणजलमैंजुपकाय ॥ जूषनामतिहजानसुभा-य पंचगुणजलकरसोभत्तकहिये चारगुणजलमोविलेपहिलहिये क्काथअर्धपलसेरमोजाय अठसेरज-लसंगलेयपकाय चाररहैतोछानकरलीजै पुनजुआंचपरताहिधरीजै अर्धपलहिसेषजवरहै ताहीनाम-जवागूकहै अतिविसेषवातपितकफको मंदाग्निवरपुरुषषीनको लंघनसप्तरा[illegible]परांत पाकजलहिज-वागूवहुभांत ज्वरनपकेतदपाचनदेय क्काथइत्यादिसुदोषहरेय मुषविरसतृषाअरुचीज्वरजाहि घातक-औषधकरलेताहि.

॥ अथतरुणज्वरमर्यादा ॥

॥ दोहरा ॥ सप्तदिवसज्वरतरुणहै चौदसमध्यमजान तिहऊपरवुधजनकहैंज्वरहिपुरातनमान पकैपित्तज्व-रदसादिननकफज्वरद्वादशजान सप्तदिवसमारुतपकैलंघनतिनसममान

॥ अथअपक्कज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मुखतैंलालाचलहैतास हृदयअशुद्धअरुचिपरकाश आलसनिद्राअंगहोइभारी वदनविरसवहुमूत्रप्रचारी क्षुधानाशज्वरहोयवलवान लक्षणतापअपक्कपछान ॥ दोहा ॥ औषधकाचेतापमों-जोदेवैयोंजान मानोकालासर्पतिसकरउठायालियोमान

॥ अथपच्यमानज्वरलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ करैवेगज्वरश्वासवहुत्रिषाप्रलापभ्रमहोय मलप्रवृत्तउत्कलेदअतिपच्यमानज्वरसोय जोस्वभावकफवातपित्तविकृतताहिपक्कजान प्रकृतभेदअनुसारविदुरोगपक्कअनुमान

॥ अथपक्कज्वरलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ कृशताअंगलघुताक्षुधाअल्पतापउत्साहि यहलक्षणज्वरपक्ककेदीजैऔषधताहि

॥ धातुपाकलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ निद्रानाशछातीरुकैमलमूत्रघटजाहि अंगभारीअरुचीरहैप्रीतनकाहूमाहि बलहिघटैतौजानवुधधातपकनसोमीत वंगसैनसवशास्त्रमतजानलेयइहरीत ॥ अथदोषपाकमाह ॥ दोषप्रकृतघटतारहै-ज्वरकायालघुताहि इंद्रीनिर्मलहोतजिहपक्कदोषमनयाहि

॥ अथऔषधीसेवनमंत्रः॥

ॐब्रह्मादक्षाश्विरुद्रेंद्रभूचंद्रार्कानिलादयः ऋषयःसौषधिग्रामाभूतसंघाश्चपांतुवः रसायनमिवर्षीणांदेवानाममृतंयथा सुधेवोत्तमनागानांभैषज्यमिदमस्तुते धन्वंतरिर्दिवोदासःकाशिराजस्तथाश्विनौ नकुलासहदेवश्चसतैतेव्याधिघातकः अच्युतानंदगोविंदनामोच्चारणभेषिजाः नश्यंतिसकलारोगाः सत्यंसत्यवदाम्यहं ॥ इतिमंत्रः ॥ चौपई ॥ सोधनकररोगहोयेजोसाध्य लषतिहरोगदुर्वलकृशव्याध्य वैद्यकोमलतिहरेचकराहि जवदेवैदुखचंचलताहि मलकोठाकोमलअतिभाय बलदेषेनाहिलघुरेचकराय सोंरेचनबलक्षीणनहिकरे वंगसैनविधिएहीधरे संपक्कदोषरेचननकराय सोदोषविष्मज्वरहीप्रगटाय वलघटायअतिहीदुषदायी ग्रंथसकलमोकह्योवनायी जलवहपानकरेनरजोय अथवालंघनक्षीनतनहोय औरअजीरणहोतविकार वाभोजनखायकरैअतिचार तृषाअत्यंतजाहिनरजोय रेचनऔषधपियेनसोय पाचनदीपनताहिप्रमान वंगसैनइहकियोवखान एकवैद्यमतजानोयेहि सतादिनऊपरऔषधदेहि सकलवैद्यमतजानसुजान दसदिनऊपरऔषधमान वातपरक्काथसत्तदिनकीजै पित्तज्वरदसदिनसोदीजै श्लेष्मपुरुषकोंवारहिमान संपूर्णग्रंथइस्त्रीमतजान पित्तज्वरअल्पकालजोहोय सतादिनऊपरक्काथसुजोय सामहोएतसऊपरजान औरसमस्तसमानविधिमान ॥

॥ अथरोगीकोंऔषधपानविधिः ॥

॥ चौपई ॥ ऊैषधपीनलगैरोगीजव सावधानहोइवैठेसोतब मुषप्रसन्नलोचनहरषाय पीवैऔषधमनाचितलाय स्वर्णपात्रमोंपीवैपाय अथवारजतपात्रमोंषाय अथवामृतकापात्रमंझार पीवेऔषधहितवरधार तिसउपरंतआचमनकरै मुखशुद्धकरेकछुमुखमेंधरे ऊैषधपचीहुएउपरंत षावैपथ्यज्वरीबुधवंत

उैषधषायशीघ्रपथषावै औषधकोवलक्षीणहोईंजावै औषधषायतुरतअन्नजोईं षावैरोगनाशनहिहोईं ॥ दोहा ॥ पचीहुईंऔषधजुहैलक्षणतासउचार सुंदरश्वासप्रसन्नमनलघुतनक्षुधाडिकार ॥ चौपई ॥ औषधनाहिपचैतौलक्षण दिक्हिहृदमनज्ञानविचक्षण दाहअंगपीडाभ्रमहोय मुर्छाछर्दशिरदुखवलजोयं ॥ दोहा ॥ पचीअपचीजुऔषधलिक्षणतासवषान आगेभाषोंवातज्वरलक्षणकहैनिदान ॥

॥ अथवाज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वडोवेगकंपतनहोय उोठकंठमुखसूकैंसोय निद्राअरुछिक्काकोनाश रूषोअंगकवजहोयतास शिरहृदसभअंगपीडाहोवै वहुतउवासीमुखरसषोवै गाढीविष्टामूत्रजुलाल उष्णवस्तुचाहैचितचाल नेत्रजुलालरंगपुनहोय उदरअफारापीडाजोय ॥

॥ अथवातज्वरचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथक्काथप्रकारः ॥ दोहा ॥ वाततापकेक्काथअवसमुझकरोउचार सुनलीजैचितलायकैपुनकीजिउपचार ॥ चौपई ॥ सुंठिदेवदारुलषलीजै दोइकंडचरीतामोंकीजै धनीयांपायक्काथजोकरै पीवैवाततापपरिहरै ॥ अन्यच ॥ विल्वादिपंचमूलजोकहै इन्हकोक्काथवातज्वरदहै ॥ अन्यच ॥ दोइकंडयारीअवरगिलोय सुंठकिरायतसमलेसोय दंथरमुत्थरजुवैतप्रमान भषडासूरकरणीअनुमान पीवैक्काथवातज्वरहरै अपनेमनमोंनिश्चयधरै ॥ अन्यच ॥ पांचोमूलवलासुकुलत्थ रहसणपुष्करमूलसुतत्थ पीवैक्काथवातज्वरटारै संधिभेदशिरकंपनिवारै ॥ अन्यच ॥ मघपीपलीसारवालहिये द्राक्षावलाअंशमतीकहिये गुडफुनक्काथसिद्धकहिगायो वाततापहरसभहिंसुनायो गिलोयसारिवाद्राक्षाआन शतपुष्पापुनर्नवाठान गुडकेसंगहिंक्काथपिलाय वातज्वरविनासहोयजाय ॥ अन्यच ॥ द्राक्षगुडूचीकाश्मरीजान सारवाअवरत्रायंतिमान गुडसंयुक्तक्काथयहपीवै वातज्वरहरसुखियाथीवै ॥ अन्यच ॥ वलागोषुरुकुशकोमूल यहतीनोंलीजैंसमतूल चतुर्थभागजबक्काथरहावै छाणपंडघृतसंगमिलावै प्रातहिंउठकरयाकोंपीजै वातजतापरोगतवछीजै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरगिलोयकौडजुकिरात वलासारवासुंठविख्यात यहसमक्काथकरायजुपीजै वाततापहरजानपतीजै ॥ अन्यच ॥ पीपरसौंफसारवालेहु द्राक्षमनक्काइटसिटदेहु गुडसंगक्काथपिलायविहान तातैंहोयवातज्वरहान ॥ अन्यच ॥ द्राक्षगिलोयकुठत्रायमान गुडमिलायक्काथकरपान होयवातज्वरतुरतहिंनाश वंगसेनमतकींनप्रकाश ॥ अथवातज्वरकोचूर्णं ॥ चौपै ॥ पीपलमूलपीपलींपाय सौंचलसुंठीमिरचमिलाय कटूकीरायताहरडभनीजै यहसमऔषधचूर्णकीजै तप्तनीरसोंव्याधीपीवै वाततापनाशैसुखथीवै ॥ अन्यच ॥ पिप्पलीमूलपिप्पलींपाय शुंअवरगिलोयामिलाय तप्तनीरसोंपीवैसोय तुरतहिनाशवातज्वरहोय ॥ अथयूषवातज्वरे ॥ चौपै ॥ मुंगआमलेयहसमलीजै जलहिंतपाययूषसोकीजै श्रमअरुव्रतवातज्वरजाहि मत्तमांसरसनिताहितताहि ॥ अथगुटिका ॥ पंडअवरदाडिमसमलेय द्राक्षमनक्कातामोदेय इन्हकोगुटकामुखमोंधरै वदनविरसतातुरतहिहरैं अथवाइन्हकोक्काथवनीजैं तासकरूलीमुखभरकीजैं वदनविरसतादूरनसावै मुखमोंरससुंदरउपजावै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साग्रंथमतभाषीभलेंवनाय वैद्यसमुझयाकोंकरैवाततापमिटजाय ॥ इतिवातज्वरचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथपित्तज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तीक्षणवेगजुतृषाअपार निद्राअल्पहोयअतिसार कंठओष्टमुखनासापाकै मुर्छादाहचित्तभ्रमताकै परसातनकटुमुखवकवाद वमनकरैजुरहैउन्माद शीतलवस्तुचाहतिसरहै नेत्रनतेंप्रवाहजलवहै विष्टामूत्रनेत्रहोइपीत पित्तज्वरलक्षणसुनमीत ॥ इतिलक्षणम् ॥

॥ अथपित्तज्वरचिकित्सानिरुपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पैत्तिकज्वरलक्षणकहैकहोंचिकित्सातास वंगसेनसुभग्रंथमोंजैसेंकीनप्रकाश ॥ चौपै ॥ होइजुपित्तज्वरपरकार सहितदाहत्रिषवमनविकार अरुतनमोंवहुकृशताधैरै यहउपचारतासकोकैरैं लाजामिसरीमधुसमभाय जलसौंरोगीपीसपिवाय वमनदाहअरुतृषाविकार पित्तज्वरकोंहोहिंनिवार ॥ अथपाचन ॥ चौपै ॥ इंद्रजवनवनिकांयफलधारै मुत्थरपाठाकटुतामोंडारै पायशरकराताहिपिलावै यहपाचनापित्तज्वरहिनसावै ॥ अथक्काथप्रकार ॥ चौपै ॥ वरचशरकरासहितप्रावीन यहमिलक्काथकैरैपरवीन पीवैपैतिकज्वरकोंहरै ऐसैंमनमोनिश्चयधरै ॥ अन्यच ॥ चंदनपसश्रीपरणीजोय महूफालसेताहिसमोय कमलपत्रसारिवागिलोय लोध्रकुमदनिफुनलषसोय पायशरकाराक्काथसुकरै पित्ततापकोंसोऊहरै ॥ अन्यच ॥ द्राक्षहरडपापडापछान अमलतासमुत्थरकटुठान समकरक्कायवनावैजोय पीवैरोगीपित्तज्वरषोय मूर्छात्रिषामोंहभ्रमदाह शोषप्रलापपैपित्तकमिटजाह ॥ अन्यच ॥ पटोलमुलठयवधनीयांजान करैंक्काथमधुकरैंमिलान इहविधिक्काथहिपीवैजोय दाहत्रिषापित्तज्वरषोय ॥ अन्यच ॥ गिलोयआमलेपरपट क्काथ दाहशोथभ्रमहरज्वरसाथ पैतिकज्वरकोसीघ्रनिवारै यहनिश्चैअपनेमनधारै ॥ अन्यच ॥ केवलपिपापडालेय करैक्काथरोगीकोंदेय दाहशोथभ्रमपितज्वरहरै यामोंसंसानाउरधरै ॥ अन्यच ॥ कमलकुमदनिलोध्रगिलोय अरुसारिवाक्काथकरसोय पायशरकराक्काथमिलावैं पितितापदाहमिटजावैं ॥ अन्यच केवलपरपटषंडमिलाय क्काथपांनपितज्वरजाय ॥ अन्यच ॥ पित्तपापडाअवरगिलोय धात्रीफलतामाहिसमोय करैक्काथयहरोगीपीवै पैतिकज्वरहरसुखियाथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अमलतासअरुद्राक्षपछानो काशमरिलेंपुनतामोंठानो इन्हकोक्काथपित्तज्वरहरै यामोंसंसानाउरधरै ॥ अन्यच ॥ सुंठपापडाषसघनचंदन सीतलक्काथपीवैदुःखकंदन त्रिषाछर्दपित्तज्वरदाह नाशहोंहिजानोमनमाह ॥ अन्यच मुत्थरधानियांमुलठगिलोय कौडतिन्हनमोंकरोसमोय करैक्काथपित्तज्वरमोदेह छर्दअरुचत्रिषशूलहरेह पैतिकज्वरकोकरहैनाश वंगसेनमतकीन्हप्रकाश ॥ अन्यच ॥ गिलोयकिरायतधनियांआन उशीररक्तचंदनपहिचान परपटपद्मक्काथसमकरै पित्तज्वरदाहअरुचकोंहरै ॥ अन्यच ॥ चंदनद्राक्षकौडकोआन जवासमुलठीतामोठान पीवैक्काथदाहज्वरहरै रोगअरुचहररुचयहकरै ॥ अन्यच ॥ ह्रीवेरधनीयांषसवासा चंदनमुथ्रगिलोयलेखासा मुलठक्काथशरकरामिलाय रोगीकोमधुपायपिलाय रक्तपित्तज्वरत्रिष्णादाह इन्हकोंदूरकरैलषताह ॥ अन्यच ॥ लोध्रकिरातअतिविषालहिये गिलोयइंद्रयवमुत्थ्रभनैयें वासासुंठीविल्वपछानो करोक्काथमधुतामोंठानो कासश्वासविटभेदनिवारै दाहरक्तपित्तज्वरटारै ॥ अन्यच ॥ तिक्ताअवरइंद्रजवलीजै वासाअवरप्रियंगूदीजै परपटअरुकिरायतापाय यहसमक्काथवनायपिवाय शीतलक्काथसितासोंपीजें ततक्षणपित्तज्वरहतकीजें हरडमेलतिलघृतजुमखीर सिरलेपैदुषजायसरीर विसर-

पीरक्तपित्तअरुश्वास वमनदूरहरहैदुखकास ॥ अथपाणा ॥ चौपई ॥ वासाकौडप्रियंगूकहिये अवर-जवाहांपरपटलहिये पुनकिरातसमलेहुघुटाय नीरसरकरामेलपिलाय त्रिषादाहपित्तज्वरनाशै रक्तनर-हैरोगीद्युतिभासे ॥ अथगुटका ॥ लवुलायचीमुनक्काडार तज्जतमालपत्रजुछुहार सितामुलठीएकसमान अर्धभागमघपीपलठान माष्योसाथटांकपरिमान गुटकाकीजैसुनोसुजान प्रातसमयजोभक्षणकरै पित्तज्व-रकोतत्क्षणहरै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ पित्तपापडाटंकदोइआंन जलसोंपानदाहज्वरहांन ॥ अथल-वंगादिचूर्ण लवंगलायचीतज्जतमाल डोडेकमलजुलोचनमाल षसकंकोलहरडपुनचंदन अगरजु. गजकेसरसुखमंडन त्रिफलात्रिकुटाजीरेदोय धनियांचित्रकत्रिवीसमोय देवदारुपुनवायविडंग रजनी-दोनोलीजैसंग पित्तपापडामुथ्रसितावर अवरसारवालषोचतुरनर अमलवेतपुनजानकचूर ककडशृं-गीपिपलमूर एरणगिरीमुलठीआन गिलोयपत्तीसजायफलठान पतीसदालचीनीपुनआनो पत्रता-लीसतासमोंठानो सभउौषधइकसमकरआन कूटपीसकरकपडेछान टांकदोयभरभक्षणकरै जलसों-प्रातसांझउरधरे वातपित्तकफपीडाहरै वीरजपुष्टधातुवहुकरे कासअरुचपरमेहनसावै हिक्कापीनसक्ष-ईगवावै दाहत्रिदोषजगलग्रहजाय राजयक्ष्मसुरभंगमिटाय प्रदररोगइस्त्रिनकोंजावै लवंगआदियह-चूर्णकहावै ॥ चौपई ॥ निंबपत्रसुरयालाआन मखीरसौफषट्टारसजान समवस्तूकाडातिहकरै दाहज्व-रहिनरपानसुकरै वमनकरायदाहज्वरजाय भावप्रकाशमतकह्योवनाय ॥ अन्यच ॥ त्वचाअनारवेरके-पत्तर लोध्रकैंथाविजौराकेसर इहसभसमपीसकरडारै सिरलेपेतृषदाहनिवारै ॥ अन्यच ॥ जवसतू-फुनवेरकेपतर अमलाकांजीकरोइकतर शतधौतघृतसिरचुपडाय पाछेलेपकरैसुषदाय तृषादाहज्वरस-वैविनास वंगसैनमोकहतप्रकास ॥ अन्यच ॥ पलासबीजकांजीसोंपीस सिरलेपेतृषदाहज्वरखीस ॥ अन्यच ॥ वेरपातमलझगसुलेय सिरमर्दनसोंदुखहिहरेय वानिंबपत्रझगलेयप्रवीन मलैसीसदाहतृषछीन ॥ अन्यच ॥ पीलाचंदनवडकेपतर जवासमुलठीकरीइकतर लालचंदनकांजीसंगपीस घृतरलायतिहमलैजुसीस त्टषादाहज्वरहोइनिवार वंगसैनइहकियोविचार ॥ अन्यच ॥ गंढीलापतरलालचंदनवर कालीटेरनति लहिसंगधर कांजीसोंपीसैसिरमलै त्टषादाहकोंतत्क्षणदलै ॥ अन्यच ॥ सीतलजलअठपलपरमान मखीरएकपलताहिमिलान तृषादाहज्वरसवमिटजाय पीवेवमनहोयसुखदाय ॥ अन्यप्रकार ॥ दोहा ॥ पित्तदाहविननाहिनरदाहज्वरविननाहि ताहिपित्तहितवस्तुजोपैतिकज्वरहिततााहि रातीधानियासेंडकरसी-तलजलमोपाय परभातीउठपानकरपितज्वरदाहमिटाय.

॥ अथमुखकटुतामुखरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ हरडप्रियंगूलोध्रमंगाय हलदीमघांपीसमधुपाय भरमुखसोंक[illegible]यांकरै मुखकटुता-अरुपीडाहरै ॥ अथअन्योपचारः ॥ चौपई ॥ पित्तज्वरयुतजोनरहोय चौवारेचडसोवैसोय पूर्णचंद्र-कीकिरणेजहां तनलागेंसुखउपजैमहां चंदनकरासिंचतअस्थान तहांविछोनारचैसुजान पित्तज्वरीकों-तहांसुलावै तापहरैमनहर्षवढावै ॥ अन्यच ॥ तुरीविजोरेफलकोलेय मधुमिलायसंयुक्तकरेय अथवा-सैंधवलवणमिलावै जिंहरोगीकोंअसलषपावै जिंव्हातालूकंठजुजास तपसोंशोषैदेवैतास अरुतुरि-यांशिरमदनकरै यातेंशोषतासनिरवरै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सापित्तकीवंगसेनअनुसार कफज्वरकेल-क्षणकहोंग्रंथनिदानाविचार इतिपित्तज्वरचिकित्सा ॥

॥ अथकफज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मंदवेगमुखमीठारहै आलसस्तब्धशीततनगहै भारीतनअतिनिद्राहोवै रोमउठैंपीनसरुचिषोवै शुक्लमूत्रनखविष्टाजास श्वेतनेत्रत्वचषांसीश्वास वमनउडाकीउष्णमनचहिये एतेलक्षणकफज्वरकहिये ॥

॥ अथकफज्वरचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कहौंचिकित्साकफजकीवंगसेनअनुसार वैद्यचतुरजोहोयजगसोलैवैमनधार ॥ चौपै ॥ ॥ कफज्वरमोलंघनहितकार अंतरशुद्धकरनमनधार लंघनशीतविकारहिहरै भावप्रकाशयाहिमतधरै ॥ अन्यच ॥ कफज्वरवरनरअन्नप्रमाण मुद्गयूषकेसंगविधान ॥ अथक्वाथप्रकारः ॥ चौपई ॥ सुंठहरडअरुपिपलामूल यवक्षारविजौराजढसमतूल क्वाथपीयकफज्वरपकजान वंगसेननेकियोवषान ॥ अन्यच ॥ पिपलीपिपलामूलचवकवर चित्रावासासुंठसंगधर जीरापाठाहिंगअरुवणा वीजछड मुंडीसर्षपघणा कौडमिरचनिंबकेपतर इंद्रजवजवायनकरोइकतर छोटीलाचीफुनवायविडंग भांडंगीसमसभलेयनिसंग काडाकरसोपानकरोय कफज्वरनासैतत्क्षणभाय त्रिफलाइंद्रजवमुथरजान कौडपटोलजुचित्राठान अमलतासउौषधसमलीजै कौडतीनभागातिहदीजे मधुमिलायक्वाथयहकरो वंगसैनमतनिश्चैधरो कफज्वरकासगलरोगनसाय होयज्वरीकौंयहसुखदाय ॥ अन्यच ॥ निंवशतावरमघांकचूर कंडचारीसुंठीपुष्करमूल गिलोकिरायताक्वाथसुकरै कफज्वरकौंततक्षणयहहरै ॥ अन्यच ॥ कुठइंद्रयवमूर्वापाय पुनपटोलसमताहिमिलाय क्वाथमरचमधुसाथापिलाय कफविकारज्वरतुरतनसाय ॥ अन्यच ॥ त्रिफलावरेआंकौडगिलोय अरुपटोलवासासमहोय आठोसमकरक्वाथयहकरै मधुसोंपीयव्याधकफहरै ॥ अन्यच ॥ दशमूलनकोक्वाथवनावै मधुमिलायकररुजीपिलावै कफज्वरकोयहनाशकरेय वातविकारहरैलषलेय ॥ अन्यच ॥ केवलवासाक्वाथकरीजै मधुमिलायविधिवतसोदीजै कफज्वरनाशैसत्यपछान वंगसेनयोंकीनवषान ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटानिंवहलदपुनलेय करेक्वाथकफज्वरहरतेय ॥ अन्यच ॥ निर्गुंडीपत्रनकोक्वाथ पघांपायपीवैपरभात कफज्वरअवरवधरताहरै जांघोंक्रीनिरवलताटरै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरत्रिफलाकौडकहीज अरुजानोमुष्ककककेवीज पायफालसेक्वाथजुकरै नाशेकफज्वरयोंलषपरै ॥ अन्यच ॥ सप्तपर्णिजोनिंवगिलोयी कुचलाशोधपावैजनसोयी मधुसोंक्वाथपीवेज्वरषोय वंगसेनमोइहविधहोय ॥ अन्यच ॥ पुष्करमूलअवरत्रायमान दोइकंडचारिगोषुरुजान विल्वकत्थर्षभारीशालीपरणीं पुन्नाकपृष्टपरणीअरुअरणी पुनपाटलइहसमकरलेहु विधिवमघांपीपतकरैक्वाथजोऽऽ्षु भीतरघरजहांवातनलागै मघांधूरपीवैहितजागै षोटीवातलवस्तुनषावै सुखउपजैकफरोगनसावै ॥ अयचूर्णप्रकारः ॥ वृक्षविज्जौरेकीजढलीजै सुंठहरडसोंचलसमकीजै मघांपीपलीताहिरलाय चूर्णकीजैछाणवनाय टांकदोयलेभक्षणकीजै कफज्वरहररेचनलषलीजै अन्यच हरडपिपलीचित्राआन पुनआमलेंताहिंमोठान चूरणयहसमज्वरकरनाश अरुपाचनहैजानोतास ॥ अन्यच॥ लघुलाचीलेमघांमिलाय तप्तनीरसोंचूरणषाय व्याधीपथ्यसाथसोंरहै कफकेज्वरकोंसोनरदहै ॥ अथअविलेहविधिः ॥ चौपई ॥ मघांकायफलपुष्करमूर ककडशृंगीसमलेचूर चाटैपधुमिलायकरतास कफज्वरकोंसोकरहैनाश ॥ अन्यच ॥ मुत्थरशृंगीपुष्करमूर कौडकायफलअवरकचूर यहसभसमलेभलेपिसावै आद्र-

करसअरुमधुजुमिलावै चाटैरुजीतापकफजाय वातविकारशूलसुमिटाय छर्दअरुचअरुनाशैंकास क्षईरोगजावैअरुश्वास ॥ अन्यच ॥ मघापिप्पलमधुसाथपिलाय चाटैकफज्वरश्वासमिटाय लिफकासहिडकीहोइनाश श्रेष्टवालकनकौंलषतास ॥ अन्यच ॥ मघांकायफलशृंगीआन पुष्करमूलपतीसपछांन मधुमिलायअवलेहजुकरै कफज्वरताकेतनतैंटरै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलावासाअवरगिलोय कौडपिप्पलामूलसमोय मधुसौंपीसमिलायचटाय कफज्वरताकोतुरतनसाय ॥ अथगुटिकाविधिः ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटालौंगमिलाय लाचीकुठकायफलपाय पिपलामूलतासमोंदीजैं पीसमहींनछांनकरलीजैं सातोपुटआद्रकरसलेय किकरविजक्काथसंगदेय क्काथभावनाद्वादशदीजें वेरप्रमानगुटीकरलीजें षावैक. फज्वरषांसीजाय ऊर्द्धश्वाससुरभंगमिटाय ॥ अन्यच ॥ पाराएकभागसुनलीजें गंधकदोयभागजुभनीजें आठभागअर्कपयदेहु पांचलवणइकइकलषलेहु पहिरएकलौंषरलकरावै संपुटभीतरताहिरषावै भलीभांतसंपुटहिंसुकाय पहिरएकधरअग्निपकाय कुठअवरगजपीपलआंन आठभागविषतामोंठान पुनसभमेलआद्रकरसपाय गोलीरतीएकवंधाय प्रातसांझइकइकसोषावै कफज्वरश्वासकासमिटजावै अरुहृदरोगहुंनाशकरेय कह्योसिद्धरसयहलषलेय ॥ अन्यच ॥ तालीसपत्रमघपीपलल्यावै चवकमरचतासंगरलावै पीपलमूलपत्रतजआंन इलाचीसुंठताहिपर्हिचांन यहसमसभनीकैंपीसावै सुंदरगुडसंगताहिमिलावै गुटिकाविरसमांनसुकरै प्रातखायकफज्वरकौंहरै जीरामिसरीसमदोल्याय अनाररसहिसैंताहि पिसाय अथवामधुकेसाथमिलावै खावैलेहरुचीप्रगटावै ॥ अन्यच ॥ जोअतिआतुरशीतकफहिंकर ताहिशीतहरणकीविधिवर ॥ अथमर्दन ॥ हरडनाकुलीकौडमंगाय आमलगुग्गुलचोरकपाय पलिधमनविरचकुठधर औरहिशीतहरणऔषधवर सैंधालूणजवखारमिलाय महींनपीसकांजीसुरलाय तैलमिलायमर्दनसोकरै मर्दनकरतशीतसवहरै॥ अथनसवारः ॥ चौपई ॥ मरचांमघांकायफलआनै नकच्छिक्कणीसुंठि लेठानौ यहसमस्तनीकैपीसावै रोगीनरनासिकाचढावै कफज्वरमूर्छापीनसजाय यहभाष्योजुग्रंथकेभाय- ॥ अथधूडा ॥ चौपई ॥ हरडकुठकौडसमलीजै कचूरकिरायतापीसरलीजै हरमलपुष्करमूलमिलावैसुंठकायफलतामोंपावै कूठपीसमैदाकरछान हृदिसभअंगनमर्दनठान कफज्वरवातप्रस्वेदामिटावै वैद्यक ग्रंथसुप्रगटलषावै ॥ दोहरा ॥ जेऊचिकित्सातापकफभाषीसुष्टवनाय वंगसेनजैसेकहींतैसैंदईसुनाय ॥इति कफज्वरचिकित्सासमाप्तम्.

॥ अथवात्तद्वंदजज्वरलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ वातापित्तमिश्रितजुज्वरलक्षणकरोंवषान ज्योंकेत्योंपरसिद्धजेभाषेग्रंथनिदान ॥ चौपई ॥ त्रिषामूरछाभ्रमअरुदाह निद्रानाशपीडशिरताह वमनअ[illegible]जृंभारोमांच कंठअरुमुषशोषजुसांच जोडपीडअरुघेरारहै एतेलक्षणयाकेकहै

॥ अथऔषधकदेणेकेदिनोंकीमिरयादा ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तमिश्रितज्वरजास पंचमदिनऔषधदेतास जोकफपित्तमिश्रितज्वरजानै सप्तमदिनऔषधतिसठानै वातअवरकफामिश्रितजोई उपरंतसप्तदिनऔषधसोई द्वंदजताकरदोषनिवार सवविधिऔषधकरनिरधार

॥ अथवातपित्तद्वंदजज्वरचिकित्सा ॥

॥ दोहरा ॥ कहौंचिकित्सावातपित्तज्वरसनलीजैउरधार काथआदिवरननकरोवंगसेनअनुसार ॥ चौपई ॥ कंडेआरीवालाअरुत्रायमांन रहसणअवरगिलोयप्रमान मसुरदोइपलताहिरलाय विधिसोंकरैजुकाथवनाय वातपित्तज्वरकोंयहहरै अपनेमनमोंनिश्चैधरै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलासिंवल वांसाल्यावै अमलतासरहसणतिहपावै इन्हकोकाथवनायसुकरै वातपित्तज्वरततक्षिणहरै ॥ अन्यच ॥ आंमलीद्राक्षकचूरमंगावै गिलोयकिरायततासमिलावै करैकाथगुडसंगामिलाय वातपित्तज्वरतुरतनसाय ॥ अन्यच ॥ महुसारवाचंदनजांनो द्राक्षमुलठकुमदनिठानो कमलभेहफालसेल्याय त्रिफलालोध्रकाश्मरीपाय कमलपद्मकोकेसरडार रात्रिसेउकरप्रातविचार करैकाथविधिवतजुसुधाय माख्योंमिसरीखीलामिलाय महुआदीकरकाथसुपीजै वातपित्तज्वरहरलषलीजैं जैसेंमेघोंहिपवनउडावे सों-ज्वरकोंयहकाथनसावै ॥ अन्यच ॥ सुंठकिरायतमुत्थरागिलोय पंचमूलतामध्यसमोय इन्हकोंकाथसुविधिसोंकरै वातपित्तज्वरकोंयहहरै ॥ अन्यच ॥ वालाभारगीएरंडपाय चंदनपरपटषस्समिःलाय मघांधमनीअक्षगिलोय सभसममेलकाथकरसोय वातपित्तज्वरकंपमिटावै पर्वभेदकोदूरनसावै ॥ अन्यच ॥ गिलोयपापडामुथ्रकिरात सुंठमिलायपियेपरभात पंचभद्रकाथकोनाम वातपिज्वरहरसुखधाम ॥ अन्यच ॥ नीलोत्पलखसवलाजुआनै पद्मककास्मरिद्राक्षजुठानै महुमुलठफालसेजान शीतलपीसाखिशांदापान वातपित्तज्वरहोवैनाश पित्तज्वरपरलापविनाश ॥ अन्यच ॥ आमलेताकेफलजुमगावै त्रायमाणवचासारिवापावै मुत्थरमुलठमनकाआन शृतजलगुडसंजुगतपिलान वातपित्तज्वरदूरनिकारै जैसेगजगणसिंहनिवारै हरडागिलोयउशीरमिलावै दालहीलदर्निवपटोलहिपावै कौडसमस्तताहिमोघोल विधिसंयुक्तकाथसमतोल पीवैप्रातनित्यमनधरै वातपित्तज्वरनाशसुकरै ॥ अथयूष ॥ चौपई ॥ दाडिममुंगआमलेपाय इन्हकोयूषकरैजुवनाय वातपित्तज्वरकोंयहहरै यहनिश्चैअपनेमनधरै ॥ अन्यच ॥ छोटीमूलीकोंजुमंगावै कूटतासकोकाथवनावै रोगीपीवैप्रातहिकाल वातपित्तज्वरदूरनिकाल ॥ अन्यच ॥ महातापदाहवहुहोय चनकयूषपीवैनरसोय दाहअवरज्वरताकोंजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै मुंगीकरेलैआदिसभजोय कफपित्तजहरजानोसोय वातपित्तमोंनाहिप्रमाण देवेएतेरोगप्रगटान शूलउदावर्तविष्टंभसुकरै ज्वरविकारकायामोंवरै ॥ अथचूर्णप्रकार ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाग्रंथिकयहसमलेय पीसखंडदुगुणीतिसपेय टंकदोयपरभातहिषाय वातपित्तज्वरनाशकराय ॥ अथपंचभद्रचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठगिलोयपापडाल्यावै मुथ्राकिरायतताहिमिलावै पीवैचूर्णटंकजोदोय शीतलजलसोंजानोसोय इहविधिपीवैचूर्णजवै वात पित्तज्वरनाशैतवै ॥ दोहरा ॥ वातपित्तज्वरकीकहीसमुझचिकित्साजोय औषधपावैपथरहैताकोदुःखह तहोय इतिवातपित्तद्वंदज्वरचिकित्सासमाप्तम्.

॥ अथवातकफद्वंदजज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोडपीडशिरपकड्योरहै निद्रास्तिामितृतनभारीलहै षांसीपीनसअरुचिसकांप मध्मवेगविनस्वेदहिताप ॥ दोहा ॥ वातकफज्वरकेकहैलक्षणसमुझनिदान कहोचिकित्सातासकीजैसेग्रंथप्रमान ॥

॥ अथवातकफद्वंद्ज्वरचिकित्सा ॥

अथक्काथप्रकार: ॥ चौपई ॥ लघुकंडयारीसुंठगिलोय पुष्करमूलमेलसमसोय करैक्काथविधिसोंपी वाय वातकफज्वरनाशकराय अरुचपार्श्वशूलअरुश्वास त्रिदोषजज्वरभीजावैकास ॥ अन्यच ॥ मुत्थरपरपटसुंठागिलोय अवरजवाहांसाथमिलोय इन्हकोक्काथजुवैद्यपिवावै वातकफज्वरछर्दमिटावै शोषअरुचअरुदाहविनाशै तनआरोग्यकरवलपरकाशै ॥ अन्यच ॥ अमलतासअरुपिपलामूल तिक्काहरडमुथ्रसमतूल इन्हकोविधिवतक्काथजुकरै वातकफज्वरकोंयहहरै आमशूलदु:खहरयहजांनो दीपनपाचनयाहिपछांनो अथपंचकोलनामक्काथ: ॥ चौपई ॥ मघांपीपलीपिपलामूल सुंठचवकचित्रासमतूल विधिसोंक्काथवनायपिवावै वातकफज्वरभाग्योजावै वातकफजसभरोगमिटाय पार्श्वशूलहृदरोगनसाय अथचतुर्भद्रनामक्काथ: ॥ चौपई ॥ किरायतामुत्थरसुंठगिलोय यहसमचारवस्तुसंजोय करैक्काथसोताहिपिलावै वातकफज्वरनाशकरावै ॥ अन्यच ॥ केवलमघांएकपरिमांन करैक्काथकरवावैपान वातकफज्वरलिफनसाय हितकरक्काथमघांसुखदाय ॥ अन्यच ॥ निंवगिलोयसुंठकोलेऊ देवदारुतामोंधरदेऊ वरचकौडकायफलपाय विधिसोंक्काथवनायपिवाय वातकफज्वरकोयहहरै सांधेभेदशिरकोदु:खटरै कासअरुचकोंदूरभगावै रोगीकेतनसुखउपजावै ॥ अन्यच ॥ धारारोहिषपापडाभिंउंगी पाठाहरडसुंठलेचंगी धनियांमुत्थरकायफलपाय करैक्काथरोगहिंपिवाय क्काथमांहिहिंगूमधुपावै व्याधीकोंतवसोअचवावै वातकफज्वरहिडकिजाय गलग्रहश्वासकासनरहाय शोथप्रमेहदूरहोइजावै होइअरोग्यतनसुखीकहावै ॥ अन्यच ॥ केवलदशमूलनकोक्काथ वातकफी ज्वरअमृतपाथ ॥ अन्यच ॥ दोइकंडयारीभषडाजान दंथरसालपर्णीतिहठान विल्वअग्निमंथटाटरीपावै काश्मीरीपाटलताहिमिलावै करैक्काथसन्नपातनसाय पार्श्वशूलअतिनिद्राजाय कासश्वासपीडाकोंहरै एतेरोगदूरयहकरै ॥ अन्यच ॥ यवसुंठीअरुआनपटोल मघलेचारोतामोंघोल समलेक्काथवनायसुदीजै वातकफज्वरहरलषलीजै त्रिषाशूलअरुकासनिवारै श्वासअरुचकोंदूरविडारै पाचनअरुदीपनयहजान वंगसेनयोंकीनवषान ॥ अथपंचकोल ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठपीपलीपीपलमूल चित्राचवकआनसमतूल कूटपीसकरकपडेछाण तीनटांकनितलेहुप्रमान तप्तोदकसोंपीवैप्रात वातकफजज्वरकरहैघात पार्श्वशूलआदिकदु:खहरै एतेगुणयहचूरणकरै ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलापीपलमूल ककडशृंगीलेसमतूल पुष्करमूलकायफलआन लोंगलायचीसमतिसठान पुनकचूरतिन्हमध्यरलावै सभऔषधएकत्रपिसावै सातोपुटआद्रकरसदीजै गुटकादोयटांकभरकीजै प्राातसमयरोगीजोषाय वातकफज्वरनाशकराय पीनसष्वासउदर्दजोरोग जंघपीडसंधिपीडसंयोग वातकफज्वरजेनरहोय कुशलवैद्यस्वेदनातिहजोय तप्तरेतकांजीसोंमेल पोटलिवांधटकोरकरेल वातजकफासिरपीडहटाय अंगरोगादिकपीडामिटाय ॥ दोहा ॥ शुष्कमूलिकाआनकेदीजोयूषवनाय रोगीपीवैप्रातउठज्वरकफवातनसाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ तुरीविजोरेफलकीआन सैंधालवणजुमरचमिलान सोतुरीयांमुखभीतरधरै वातकफजरोगहिंपरिहरै वदनशोषजडताहोइनाश जायअरुचरुचहोइप्रकाश ॥ दोहा ॥ वातकफज्वरकीकहीसकलचिकित्सागाय रसज्वरकेलक्षणसुनोंभाषोंसकलवनाय ॥ इतिवातकफज्वरचिकित्सा ॥

॥ अथकफपित्तद्वंदजज्वरलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ कफपित्तज्वरकेकहैलक्षणग्रंथनिदान तिन्हलक्षणकोंकहितहोंसुनहोपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ सनिग्धदेहकटुमुखहोइकास तंद्रामोहअरुचपुनतास त्रिषाअल्पविष्टाहोइजाहु मुहूरतंभमुहुपरसाताहु वहुततप्तहोवततनमांहि देहसिथलयोभाषसुनाहि वारंवारतप्ततनहोई वारंवारशीततनसोइ इतिकफपित्तज्वरलक्षणं.

॥ अथकफपित्तद्वंदज्वरचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कफपित्तज्वरकीकहीचिकित्साग्रंथमझार मनमोंसमझविचारकरसोसभकरोंउचार ॥ अथक्काथप्रकारः ॥ चौपै ॥ गिलोयनिंवधनियांअरुचंदन पद्मकाष्टक्काथदुःखकंदन कफपित्तज्वरत्रिषानिवारै दाहअरुचअरुवमनविडारै ॥ अन्यच ॥ वालात्रिफलानिंवपटोल अवरमुलठक्काथमोघोल ऐसोक्काथकीनपरिमान ॥ कफपित्तज्वरमोंहितजान ॥ अन्यच मूर्वातिक्तापाठाजोय ॥ चंदनअवरपटोलगिलोयविधिवतक्काथताहुकोकरै कफपित्तज्वरकंडूहरै छर्दअरुचकोकरैविनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश अन्यचत्रिफलाकौडद्राक्षत्रायमान क्काथपीवैकफपित्तजहान ॥ अन्यच ॥ पद्मकाष्टधनियाजुगिलोय चंदनसुंठपटोलसमोय इन्हकोक्काथपायमधुपीवै कफपित्तज्वरनासकरीवै दाहहाथपगशूलमिटावै ऐसेंवैद्यकशास्त्रवतावै ॥ अन्यच ॥ मूर्वासुंठपटोलउशीर कौडगिलोवालालहुधीर रक्तचंदनपाठाअरुमुत्थरयहसभऔषधसमकठीकर करैक्काथहितलायवनाय पीवैज्वरसमस्तमिटजाय दाहशूलभ्रमलपितहिंहरै एतेगुणयहक्काथसुकरै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरपरपटएकसमान करैक्काथकफपित्तजहान ॥ अन्यच ॥ सुंठजवांहापरपटआन क्काथकरैकफपित्तजहान ॥ अन्यच ॥ किरायततिक्तामुत्थगिलोय सुंठीपायक्काथकरसोय कफपित्तज्वरनाशनजान ऐसेंवैद्यकग्रंथप्रमान ॥ अन्यच ॥ उशीरमुत्थरांपाठाआन करैक्काथकफपित्तजहान ॥ अन्यच यवधनियापापडापटोल ॥ निंवसमलेयक्काथमोंघोल ॥ कफपित्तजकोहरताजान ऐसेंसमझोग्रंथप्रमान अथअमृताष्टकक्काथः चौपई अमृतासुंठइंद्रयवचंदन निंवपटोलकौडज्वरकंदन मुत्थरपायक्काथसुवनावै पिपलीचूरणपायपिवावै कफपितज्वरकोतुरतमिटावै इहप्रकारगुणयाहिसुनावै ॥ अन्यच ॥ आद्रकअवरपटोलसमान देयक्काथकफपितज्वरहान कंडूदाहविसर्पीजाय भाष्योक्काथग्रंथकेभाय ॥ अन्यच ॥ कंडयारीअवरागिलोयभिडंगी वासाइंद्रयवसुंठलेचंगी चंदनकौडकिरायताठान मुत्थरअवरपटोलसमान सर्वमेलसमक्काथजुकरै कफपित्तजकोंततक्षणहरै त्रिष्णादाहअरुचअरुकास शूलअवरहृदरोगविनाश ॥ अन्यच ॥ भिडंगीपुष्करमूलमंगावे मुत्थरभषडासुंठमिलावै लघुदोरघकंडयारीदोय द्रंथरमेलवस्तुसमसोय भार्गादिक्काथनामयहकहिये कफपित्तज्वरहरतालहियेकासश्वासअरुचीकोहरै पसलीपीडकायाकीटरै ॥ अन्यच ॥ चिरायतागिलोयमुत्थरांआन सुंठउशीरपापडाठांन पटोलचंदनकौडकोलेय हरडधमनीसभसमतेय क्काथकरतरोगीसोपीय पित्तज्वरअरुचिहरलीय रोगवमनकोहरहैजोय वंगसैनमतकहहैसोय त्रिषाछर्दअरुदाहमिटावै कोष्टवंधजोकवजनसावै ॥ अन्यच ॥ सुंठइंद्रयवमुत्थरचंदन कौडक्काथयहहैज्वरकंदन चूर्णमघांजोपायपिवावै कफपित्तज. हरभूषलगावै भ्रमअरुमूर्छांछर्दाविनाशै करैरोगविनदुतिपरकाशै ॥ अन्यच ॥ द्राक्षकौडधनियांअम्लतास मुत्थरपिपलमूलसमतास कफपित्तजहरक्काथपछान शूलउदावर्तकोकरहैहान ॥ अन्यच ॥

यवअरुमुत्थरधनियांपटोल धात्रीफलचंदनसमतोल इन्हसभहीकोयूषवनावै छर्ददाहत्रिषकफपित्त-जावै ॥ अन्यच ॥ निंबपत्रमूलीयूषवनाय पीवेकफपितज्वरहिंनसाय ॥ अन्यच ॥ पटोल-निंवत्रिफलासमलेय इंद्रजवमुलठीतामोंदेय करैक्वाथपित्तज्वरनाशे असैवैद्यकग्रंथप्रकाशै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरपर्पटकिरायताआनो धनियांपुनपटोलसमठानो इन्हकोक्वाथपीवेनरजोय नाशतापकफपित्तजहोय ॥ अथरसपाण ॥ चौपै ॥ वासापत्रपुष्पकूटाय ताकेरसकोलेयछनाय मधुमिसरीकेसंगपिलावे कफपि-त्तज्वरततक्षणजावै रक्तपित्तकामलाविनाशै रोगविनातनकीदुतिभासे ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कौडपी सकरवस्त्रछनाय तामोंदुगुणशरकारापाय तप्तनीरसोंपीवैसोय कफपित्तज्वरततक्षणषोय ॥ अन्यच ॥ पत्रमूलवासाकोलीजैं तामोंकंडयारीरसकीजैं चूरणकरमिसरीजुमिलाय तीनटांकपरभातहिंषाय कफ-पितज्वरकीकरैहिहान ग्रंथमतियोंजानप्रमान ॥ दोहा ॥ कफपित्तज्वरहनरकीचिकित्साकीनवषान वंगसेन जैसेकहीसोसभजानप्रमान ॥ इतिकफपित्तद्वंदजज्वरचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथत्रिदोषजज्वरसन्निपातनिदानलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ विरुद्धअन्नपरअन्नजोखानअजीरणमान अतिकरमिश्रितसेविएताहिसंन्नप्रगटान ॥ चौपई ॥ क्षणमोदाहजुक्षणमोशीत शिरपीडायोंजानोमीत अस्थिजोडमोंपीडाजास जलव गतारहैनेत्रोंतास लोचनमलनरक्तसेरहै नीचीदृष्टरहैयोंलहै घुरघुरशब्दकानदोकरैं पीडासहितहोंहिउचरै कंठमाहिदुःखअैसोंहोय सूईयांचुभतीलखियतजोय निद्रामोहअरुचभ्रमतास बहुबकवादश्वासअरु-कास कालीजिव्हाषहुरीलहिये सिथलअंगकफरक्तयुतकहिये

॥ अथसन्निपातज्वरकीआकृती ॥

॥ चौपई ॥ शीरलोटणअरुनिद्रानाश तृष्णावहुतहुदयदुखतास परसाविष्टामूत्रजुतीन चिरकरअल्प होंहिपरवीन अंगनअतिकृशताहोइजास कूजतकंठरहैपुनतास श्यामरक्तमंडलवधजावैं लक्षणकुष्टयह-तनप्रगटावैं इंद्रियद्वारपकैंसभजाके भारीउदरमूकताताके सन्निपातज्वरआकृतजान चिरकालदोषप-क्वयहमान त्रिदोषविवंधअग्निहोइनाश सकलचिन्हसन्निपातप्रकाश यहसन्निपातअसाध्यपछानो इतरक-ष्टसाध्यमनआनो

॥ अथवातपित्ताधिक्यसान्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोवातपित्तअधिकसन्नपात कोपैतासचिन्हविख्यात ज्वरहोइमंदत्रिष्णामुखशोष उदरअफारप्रमीलकाझोक तंद्राअरुचश्वासअरुकास भ्रमश्रमयहउपजैतनतास विभूनामसनपातकहीजै इन्हलक्षणतैजानपतीजै

॥ अथपित्तकफाधिक्यसन्नपातलक्षणम् ॥

॥ पित्तश्लेषमअधिकप्रकाशत कुतसान्निपातयोंभासत अंतरदाहवहिरहोंइशीत त्रिषावहुतहोइजानो-मीत दक्षपार्श्वपीडातिसकरै उरसिरमोगलग्रहअनुसरै थूकरक्तपितामिलतानिकासै कंठपीडपरमीलक-भासै विष्टाभन्नहिकावधआवै श्वासवधैजहफलगुकहावै

॥ अथवातकफाधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शीततापमोमूर्छाआवै पार्श्वपकडातिषक्षुधालषावै जवलगश्वेदनआवैजास तवलगशूलउदरहोइतास वहुतश्वासताहिप्रगटावै शीघ्रकारिसन्नपातकहावै यहसन्नपातवेगवहुकरै रात्रिदिवसइकमोंनरमरै यहसन्नपातअसाध्यकहावै वंगसेंनयोंप्रगटलषावै

॥ अथवाताधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्वासकासमूर्छापरलाप मोहकंपजृंभावहुव्याप पार्श्वशूलमुखहोयकसैला अैसेंलषोहोयमनमैला अैसेलक्षणजामोहोइ विस्फारकसन्नपातहैसोइ

॥ अथपित्ताधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतीसारभ्रममूर्छाहोय तीव्रदाहमुखपाकैसोय रक्तविंदुतनमोंप्रगटावै एतेंलक्षणयाकेगावैं अैसेलक्षणजाकोहोय आसुकारीसन्नकहियेसोय

॥ अथकफाधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जडतागदगदवाणीजास रात्रिमोंनिद्राहोइतास फटैंनेत्रमुखमधुरलषावै एतेलक्षणयाकेगावै अैसेलक्षणजासदिखाय कंपननामतासकोगाय

॥ अथविदारकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोहीनवातमध्यमपितहोय सलेष्मअधिकसन्नहैजोय शूलअवरकटिपीडाजान अल्पहोंहितिसयोंलषमान दाहअवरभ्रममध्यमसोइ शिरमुखग्रीवाहृदिदुखहोई अरुप्रमीलिकाश्वासज्वरकास अवरहुंभीलक्षणहैंतास हिक्काजडताअरुअज्ञान उत्पतयाहिचिकित्साठान वहुदिनमोंअसाध्यहोजावै वंगसेंनयोप्रगटजनावै इसहीसन्निपातमंझार पिटकाकरणमूलसंचार ताकोजीवणकठनलषावै वैदारकसन्नपातकहावै तीनरात्रितकयामंझार करैचिकित्सासमुझविचार

॥ अथकर्कटकनामसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ मध्यमवातहीनपितहोय कफाधिक्यसन्नपातजुसोय तिसमोंदोषत्रैक्रमअनुसार वलकरतेहैंलषोविचार अंतरदाहअधिकतिसहोय मुखकोंवर्णरक्तलषसोय वडेयतनकरहृदतैसोऊ कफकों निकसनचलितनहोऊ पाइर्वहृदयमोंअसहोइपरि मानोंचुभतेहैंवहुतीर परमीलिकहिक्काअरुश्वास दिनादिनवर्धमानहोइतास कांटेजिव्हाषहुरेदांत सुइयांकंठचुभेदुखभ्रांत विष्टाहोनलगैजिहकाल ताकोषवरनहोयाविहाल अतिकफहोयकंठमोंपूरण कपोतन्यायकूजेगलचूरण मुखतालूसूकैंलहुगाथ वारवारपटकतदौहाथ कांतिनष्टनिद्राअतिहोय रक्तसहितथूकेहैसोय कर्कटकनामजानसन्नपात. वंगसेनग्रंथविख्यात-

॥ अथसंमोहकलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ वृद्धवातमध्यमपितहोय हीनसलेषमजानोसोय कोपैसन्निपातइहभांत वकवादमोहकंपनअरुभ्रांत मूर्छाभ्रमअरुपक्ष्याघात संमोहननामजाहिसन्नपात ॥

॥ अथयाम्यलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ हीनवातमध्यमकफजास वृद्धहोएपित्तसोलषतास ऐसोसन्निपातप्रगटावै हृदाकलेजाद ग्धलषावै पलीहफिफराताकोजलै ऊपरद्वाररक्तपूयचलै जबहीदांतउषडनेलागें मृत्युहोयरोगीतनत्यागें याम्यनामसन्नपातकहीजै जामोऐसेचिन्हलहीजै ॥

॥ अथक्रकचलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ वृद्धवातपितहीनलहीजै मध्यमकफजिसजानपतीजै सन्निपातअसकोपकरैजब प्रलाप षेदमोहकंपधरैतब मूर्छाभ्रमहोवतहैजास गर्दनअकडजायषुनतास मृत्युहोयविशेषतालहिये क्रकचनामस न्नपातसुकहिये ॥

॥ अथपाकललक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ मध्यमवातअधिकपितहोय हीनहोयकफलषियतजोय ऐसोसन्निपातजिहभासै वकवका दमोहपरकाशै मूर्छाकंपशिरग्रहस्वासकास भ्रमतंद्राहोइसंज्ञानाश अकडेनेत्रहोंहिपुनजास तीनरात्रतकजी वततास इंद्रियहूंतेंरुधिरचलेजो पाकलनामसन्नलषितासो ॥

॥ अथकूटपाकललक्षणम् ॥

॥चौपै॥ तीनोदोषहोंहिसमजवै सन्निपातउपजावेतवे जोतीनोंकेरूपवताये रोगीतनमोसभलिषाये इहस न्नपातकोनामवषानों कूटपाकलक्षणतेंजानो सभसन्निपाततैंदारुणजान अकडेंनेत्रअंगसभमान प्राणमात्रशे षआरहे तीनरात्रिमोअंतककहैं मूर्छाहोयवकवादसुकरैं ब्रह्मराक्षसदृष्टीतिसपरैं अंवादेवियक्षणीयोंसंग भूतपिशाचगुह्यकनअभंग इन्हींसभनसोवातांकरै मस्तकनिजताडैउरधरै कुलदेवीपूजोजिन्हनांहि मारें सोकुलदेविडरांहि इहप्रकारतेरहसन्नपात वंगसेनकीनोविख्यात ॥ दोहा ॥ सन्निपाततेरहकहेंवंगसेन- अनुसार इन्हआगेतेरहिअवरग्रंथांतरअनुसार ॥ चौपई ॥ इन्हकेलक्षणजानपछाने शास्त्रअनुसाराचि कित्सामाने जोजोहीनदोषकरगाये वृद्धितिन्हनकोंकरैउपाये जोजोदोषवृद्धपहचानै हीनउपायनकों- प्रगटानै प्रथमहिपित्तनिवारउपाय वैद्यरचैमनचित्तलगाय काहेपितवृद्धजवहोय कठननिवारणकरणो- सोय सन्नपातीभोजनजोचाहै ताकेकहैपरवैद्यषुलाहै उसवैद्यहूतेंयतननधार दूरकरैमनसत्यविचार स न्नपातपरदाहलषैजव शीतलजलदेवैंसिंचैतव सोकाहेकावैद्यकहावै सोसाक्ष्यातयमदूतलषावै संनिपा तमेंकम्पजुहोय अवरप्रलापकरेनरसोय उसकोवैद्यघृतपानकरावे सोवैद्यरूपयमदूतकहावे सन्निपातकर होवैदाह पसलीपीडमुखसूकेताह शीतलजलजोपानकरावै कालरूपसोवैद्यकहावै पंगतेतरण समुद्रकोहोय अरुसन्नपातचिकित्साजोय अरुयमसाथयुद्धकोंठाने यहतीनोंहैंएकसमाने सन्निपातसमु- द्रतैंजोय उद्धारेअसवैद्यजुहोय कवनधर्मउसकेमनकह्यो पूजनकवनदेवकोलह्यो सभसोंश्रेष्ठसुवैद्यकहा वे सन्नपातसिंधुसोतारदिषावे जंहांत्रिदोषजहोइसन्नपात प्रथमचिकित्साकफसुखदात कफकेदूरहुएयों जान इंद्रियद्वारषुलहिंमनआन अरुसभअंगनलघुतारहे त्रिषाशांतिहोइसुखकोगहे ॥ दोहा ॥ सन्नपातवरननाकियोतेरहिइहिपरकार सुनोचिकित्साइन्हनकीनीकेंकरोंउचार ॥ इतिसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ अथसन्निपातज्वरचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ कहौंचिकित्सासन्नकीवंगसैनअनुसार लंघनादिवरननकरौंसुनलीजैचितधार-॥ चौपई ॥ जिसपरसन्निपातवलधरै प्रथमचिकित्सालंघनकरै पुनतपायरेतदेइवेद अरुनसवार-वमनहतषेद पुनअविलेहअवरलहुअंजन सन्निपातकेयहसभभंजन जोत्रिषोषसन्नपातलषावै लंघनता-हिप्रमाणकहावै तीनदिवसवातमेंजान पंचदिवसपित्तजमोठान दशदिनकफमोकरेप्रमान वंगसैनसोप्रग टपछान अथवाजवलगहोयअरोग्य तवलगलंघनकरणेयोग्य लंघनमोंजोक्षुधासहारै सौदोषोंकीशक्ति-निहारै जवैदोषवलक्षयहोइजांहि लंघनकोंमुसहारैनाहि

॥ अथलंघनयोग्यतादिकमाह ॥

॥ चौपै ॥ कफपितदोनोस्निग्धपछान अवरवायुरूखाकरमान तिहकारणआमक्षयउपरंत कफ-पितलंघनसहारहितंत वायुएकक्षिणलंघननसहार वंगसैनयहकीनउचार ॥

॥ अथहीनलंघनलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जिहमनकछुआछोनाहिभावै अंगसमस्तासिथलहोयजावै दोषघटनमोंआवतनाही वं-गसैनमोइहविधगाही ॥

॥ अथसुलंघनलक्षण ॥

॥ चौपै ॥ जिहरोगीरुचजानप्रवीन देहलघूमनहर्षअतिचीन चैतन्यरहैग्लानजिहनाहि निवृत्तउप-द्रवहोवतताहि लंघनजोग्यनाहितिहनरको ग्रंथकारमतकहतसभनको ॥

॥ अथातिलंघनलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ अतिलंघनरोगीहोयजवे संधिसिथलमोहहोयतवे वायूपीडाताकोजान इहलक्षणअतिलंघनमान ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ लषअरोग्यतावैद्यसुजान पथ्यदेनकोंकरैप्रमान लाजाकेसन्तूवनवावै सैंधालवणजुताहिमिलावै प्रथमलंघणीकोंयहदेय जोयहपचैताआयुलषेय यापरकोऊआचार्यभाषे यहपथरक्तपित्तपरआषैं लाजालवणसुशीतललहिये यातैंपित्तरक्तपथकहियें तांतेत्रिदोषमाहिनहियोग्य दशमूलीयुतसाधितभोग्य अवररुजाहिपथऔरप्रमान पंचमुष्टिकयूषादिपछान ॥ अथमुष्टिकयूष ॥ चौ-पई ॥ एकमुष्टियवकीजुमंगाय मुंगकुलथकीइकइकपाय मुष्टिएकवेरफलपावे तासममूलीसंगमिलावै इसकारणतेंलषोविशेक पंचमुष्टियहमांनविवेक भषडेभीइकमुष्टीठान पंचमुष्टिमोंअहैंप्रमान अष्ट-गुणाजलपायपकावै ष्ठविशेषरहैसुपिलावै श्रेष्ठगुल्मशूलमैंजान क्षयज्वरश्वासकासमैमान वातपि-त्तकफहरयहजानो पंचमुष्टिकयहपूषप्रमानो ॥ अथसप्तमुष्टिकयूष ॥ चौपई ॥ यवइकमुष्टिवेरइकमुष्टि कुलत्थमुंगइकइकलेमुष्टि धनियांसुंठअरुमूलीजांन इकइकमुष्टीइन्हकीमांन करैयूषयहउसीप्रकार हरैं-वातकफआमविकार सप्तमुष्टिकयूषतिहमान सन्निपातज्वरहरताजान मुखहदेकाशोधनकहा वंगसैं-नकाइहमतलहा कंठरोगयहहरताजान इन्हरोगनमोंश्रेष्टप्रमान ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ सन्नपातीजे-ऊनरहोय इन्हऊैषधकोंसेवेसोय त्रिकुटासैंधालवणमिलाय आद्रकरससोंपीसरलाय याकोंरोगीकंठ-धरावै कछुनिगलेकछुवहरथुकावै वारवारयोंकरतारहै हृदयकंठकोकफकोदहै याकरग्रीवाशिरमंझार

सुखउपजैगलग्रहकोंटार देहीमोंलघुतावहुभासै पर्वभेदमूर्छाज्वरनाशै वहुनिद्राश्वासदूरहोजाय मुखनेत्रनगौरवजडतानरहाय दोषबलावलवुधहिविचार एकोदोषचतुराजियधार कुरलीकरणश्रेष्टपरमाण सन्नपातमोकह्योवषान ॥ अन्यच ॥ सन्निपातमोउष्णप्रमान सेवनकरेश्रेष्ठमतमान सोनरादिननिद्राकोंत्यागे धीर्यधरेतत्क्षणदुषभागे ॥ अन्यच ॥ सुंठरालअरुद्यारजुआने मरचपिप्पलीसेंधाठाने मधूमिलायकवलसोकरे कफवातवेगसोदूराहिहरे चेष्टाहोवतनरकोजान वंगसेनमतकीनवखान पुनः मुर्गीकेश्वेतअंडेकेजलकों पीवेवाअंजनकरतिहकों वानसवारताहिकीकरै कष्टसाध्यसन्निपाताहिहरै ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ महूसारसैंधालैलून पिप्पलीवरचमिर्चसमचून जलसोंपीसदेयनसवार सन्निपातकीमूर्छाटार ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ सुंठआमलेमुनक्काआषा मधुमिलायचाटैहितभाषा मूर्छाश्वासकासज्वरजावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटाकायफलपुष्करमूल भडिंगीयाससौफसमतूल करमहीनमधुपायचटावै हिडकीसन्निपातज्वरजावै श्वासकासकंठग्रहनाशै आद्रकरसयुतकफाहिविनाशै ॥ अथमरचादिधूडा ॥ चौपई ॥ मरचपिप्पलीसुंठमगावै पुष्करमूलहरडसंगपावै लोध्रकिरायताकौडपछान जीराअजवायणसमठान कूटैमैदाकरपिसवावै कंठमलैशिरसंधमलावै कंठरोधमोंकंठमलाय सन्निपाततनमलदुःखजाय केवलमधुसानिपातिनदेवै काहेमधुशीतललषलेवै अवरहुंऔषधसंगमिलाय तौनहिदूषणहैसुखदाय गलहंसऊपररोगहटावत अवलेहसुसायंकालचटावत हेठजुहोवेनरकोरोग भोजनपहलेचाटनजोग जिहनरएकजतनमंझार रोगनहटेताहिपरकार दूसरजतनताहितवकीजै प्रथमजतनकोवेगहरीजै दोनोंऔषधसंमनहिकरै इहमतवृद्धवैद्यकोधरै जोदोनोविधसमहिकरावे सोदोनोसंकराविधभावे जुगउपायभिन्नवरहोन वृद्धवैद्यहितकहहैतौन ॥ अन्यउपाय ॥ तालूमस्तककंठमझार जोसन्नपातकरैसंचार फूटैसूकैजिव्हातास असप्रकारलखलीजैजास मक्षीरमुनक्काघृतपीसाय मलवावेजिव्हासुखपाय अथवासैंधात्रिकुटाआन अमलवैतसोंमलैसुजान ॥ अथत्रेलीउपाय ॥ चौपई ॥ सन्निपातपरत्रेलीपरै कुलत्थभूनकरचूरणकरै रोगीकीशय्यापरपाय अरुताहींसोदेहमलाय जोत्रिलीपडइशीतलहोय मृत्युहोयसान्निपातीसोय ॥ अन्यत्रेलीउपाय ॥ चौपई ॥ कालाजीरालोध्रमंगाय हरडाकिरायताकांफलपाय वनकेगोहेलवणसमान बहुमहीनकरकूटापिसान यहधूडातनमर्दनकरै त्रेलीकोविकारसभहरै ॥ अथक्काथप्रकारः प्रथमदशमूलक्काथ ॥ चौपई ॥ काथकरेआनैदशमूल सभजढइन्हकीकरसमतूल विल्वगंढीलाअवरकसीर पाटलअरुटाटरलषधीर इरिथराभषडादंथरमान दोनोकंडचारीपहचान यहदशमूलक्काथकरदेय सन्निपातकोंदूरकरेय जोग्रहकंठहृदयमोंहोय मधधूडेकाथपिवावैसोय जोवृक्षकहैदशमूलमंझार तिन्हकेजढकीत्वचाविचार जोनिकडेवूटेदशमूल सभजढतिन्हकीलेसमतूल दशमूलकाथयहविधिसोआष्यो वंगसेनग्रंथजोभाष्यो जोदशमूलकाथवनवावै कायफलआद्रकरसातिंहपावै सोसन्नपातीपानकरैजव मृत्युतुल्यसन्निपातहरैतव ॥ अथपंचमूलक्काथः ॥ चौपई ॥ पंचमूलाकिरातगणपाय करैकाथसन्नपातमिटाय त्रिदोषहरैयहक्काथपछान पित्तअधिकमधुकरोमिलान जोकफअधिकलषनमोआवै तौमघपीसामिलायपिवावै वातअवरकफअधिकलषावै अथवात्रिदोषजसोलषपावै ताहिक्काथदशमूलप्रमान गणकिरायतातिसमैठान त्रिवीमिलायशुद्धयार्थकरदीजै वातकफादित्रिदोषहरीजै ऐसोसन्निपातमिटजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय किरायतादिगणमाह चिरायतामुत्थरयहसमआंन गिलोयअवरसुंठतिहमांन सववैद्यकमतजाहिवखांनै